



# इच्छाकामना गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

कुरिनटार, चितवन, बागमती प्रदेश, नेपाल

## आवधिक योजना

(२०८१/८२ - २०८५/८६)

अन्तिम प्रतिवेदन

## विषयसूची

|                                                                            |    |
|----------------------------------------------------------------------------|----|
| परिच्छेद - १: भूमिका                                                       | १  |
| १.१ पृष्ठभूमि                                                              | १  |
| १.२ आवधिक योजनाको उद्देश्य                                                 | २  |
| १.३ आवधिक योजना निर्माणका आधारहरू                                          | २  |
| १.३.१ विद्यमान ऐन तथा वैधानिक आधारहरू                                      | २  |
| १.३.२ विद्यमान राष्ट्रिय, प्रादेशिक र स्थानीय नीतिहरू                      | ३  |
| १.३.३ संघीय, प्रादेशिक र स्थानीय तहको दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरू | ४  |
| १.३.४ दिगो विकासका लक्ष्यहरू                                               | १३ |
| १.३.५ राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक सरकारका मार्ग निर्देशनहरू                    | १४ |
| १.३.६ अन्तराष्ट्रिय सन्धी सम्झौता तथा घोषणापत्रहरू                         | १४ |
| १.३.७ स्थानीय तहमा सहभागी राजनीतिक दलहरूको घोषणापत्रहरू                    | १४ |
| १.३.८ गाउँपालिकाको विद्यमान वस्तुगत अवस्था                                 | १४ |
| १.४ योजना तर्जुमाका सीमाहरू                                                | १४ |
| १.५ योजना तर्जुमा विधि र प्रक्रिया                                         | १४ |
| परिच्छेद - २: गाउँपालिकाको विकासको विद्यमान स्थिति र उपलब्धि समिक्षा       | १७ |
| २.१ गाउँपालिकाको परिचय                                                     | १७ |
| २.१.१ भौगोलिक अवस्था, राजनीतिक र प्रशासनिक संरचना                          | १७ |
| २.१.२ प्राकृतिक तथा साँस्कृतिक सम्पदा                                      | १९ |
| २.१.३ जनसांख्यिक अवस्था                                                    | १९ |
| २.२ आर्थिक विकासको अवस्था                                                  | २१ |
| २.२.१ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा                                               | २१ |
| २.२.२ पर्यटन तथा संस्कृति                                                  | २१ |
| २.२.३ उद्योग, व्यापार व्यवसाय र आपूर्ति                                    | २२ |
| २.२.४ आम्दानी, रोजगारी र वित्तीय सेवा                                      | २३ |
| २.२.५ सहकारी                                                               | २३ |
| २.३ सामाजिक विकासको अवस्था                                                 | २५ |
| २.३.१ स्वास्थ्य तथा पोषण                                                   | २५ |
| २.३.२ शैक्षिक विकास                                                        | २७ |
| २.३.३ खानेपानी तथा सरसफाई                                                  | २९ |
| २.३.४ लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण                                | ३० |
| २.३.५ युवा, खेलकुद तथा कला                                                 | ३१ |
| २.४ पूर्वाधार तथा शहरी विकासको अवस्था                                      | ३१ |
| २.४.१ बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण                               | ३१ |
| २.४.२ सडक, पुल तथा यातायात                                                 | ३२ |
| २.४.३ विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा                                          | ३३ |
| २.४.४ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि                                            | ३३ |

|                                                                                                |           |
|------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------|
| <b>२.५ वन, वातावरण तथा विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापनको अवस्था</b>                         | <b>३४</b> |
| २.५.१ वन तथा जैविक विविधता                                                                     | ३४        |
| २.५.२ भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन                                                         | ४३        |
| २.५.३ वातावरण व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन                                           | ४३        |
| २.५.४ महामारी तथा विपद् व्यवस्थापन                                                             | ४३        |
| <b>२.६ सुशासन तथा संस्थागत व्यवस्था</b>                                                        | <b>४३</b> |
| २.६.१ स्थानीय नीति, ऐन तथा सुशासन                                                              | ४३        |
| २.६.२ श्रोत परिचालन                                                                            | ४५        |
| २.६.३ योजना व्यवस्थापन                                                                         | ४५        |
| <b>परिच्छेद - ३: सोच तथा विकासको अवधारणा</b>                                                   | <b>४६</b> |
| <b>३.१ पृष्ठभूमि</b>                                                                           | <b>४६</b> |
| <b>३.२ प्रमुख समस्या तथा चुनौती</b>                                                            | <b>४६</b> |
| <b>३.३ प्रमुख सम्भावना तथा अवसर</b>                                                            | <b>४६</b> |
| <b>३.४ निर्देशक सिद्धान्त</b>                                                                  | <b>४७</b> |
| <b>३.५ सोच, लक्ष्य तथा उद्देश्य</b>                                                            | <b>४७</b> |
| <b>३.६ परिमाणात्मक लक्ष्य</b>                                                                  | <b>४८</b> |
| <b>३.७ रणनीति तथा प्राथमिकता</b>                                                               | <b>४९</b> |
| <b>३.८ लगानी, स्रोत अनुमान र बाँडफाँट</b>                                                      | <b>४९</b> |
| ३.८.१ आवधिक योजना कार्यान्वयनका लागि आवश्यक बजेटको श्रोत अनुमान तथा प्रक्षेपण (रकम रू. हजारमा) | ५१        |
| ३.८.२ सार्वजनिक खर्चको बाँडफाँट (रकम रू. हजारमा)                                               | ५२        |
| ३.८.३ विषय क्षेत्रगत बजेट बाँडफाँटको विस्तृत विवरण (रकम रू. हजारमा)                            | ५३        |
| ३.८.४ बजेटका अन्य स्रोतहरूको परिचालन तथा व्यवस्थापन                                            | ५५        |
| <b>३.९ गाउँपालिकाका समृद्धिका मुख्य संवाहकहरू (Lead Sectors)</b>                               | <b>५५</b> |
| ३.९.१ कृषिक्षेत्र (कृषि ग्राम)                                                                 | ५५        |
| ३.९.२ वनजंगल                                                                                   | ५५        |
| ३.९.३ पर्यटन                                                                                   | ५५        |
| ३.९.४ स्थानीय कच्चा पर्दाथमा आधारित उद्योगहरू                                                  | ५५        |
| <b>३.१० विकासका मुख्य सहयोगी क्षेत्रहरू</b>                                                    | <b>५६</b> |
| ३.१०.१ ठूला शहर र राजमार्ग प्रणालीसँगको सन्निकटता                                              | ५६        |
| ३.१०.२ प्राकृतिक सम्पदाहरू                                                                     | ५६        |
| ३.१०.३ धार्मिक र सामाजिक सहिष्णुता                                                             | ५६        |
| ३.१०.४ जनसांख्यिक लाभांश                                                                       | ५६        |
| <b>३.११ इच्छुकामना गाउँपालिकाका गौरवका आयोजना (Signature Projects)</b>                         | <b>५६</b> |
| <b>परिच्छेद - ४: आर्थिक क्षेत्र</b>                                                            | <b>५८</b> |
| <b>४.१ कृषि तथा पशुपन्छी</b>                                                                   | <b>५८</b> |
| ४.१.१ कृषि                                                                                     | ५८        |
| क) पृष्ठभूमि                                                                                   | ५८        |
| ख) समस्या तथा चुनौती                                                                           | ५८        |

|                                                           |            |
|-----------------------------------------------------------|------------|
| ग) सम्भावना तथा अवसर                                      | ५९         |
| घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम     | ६०         |
| ४.१.२ जडीबुटी                                             | ६५         |
| क) पृष्ठभूमि                                              | ६५         |
| ख) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम    | ६५         |
| ४.१.३ पशुपंक्षी विकास तथा मत्स्यपालन                      | ६६         |
| क) पृष्ठभूमि                                              | ६६         |
| ख) समस्या तथा चुनौती                                      | ६७         |
| ग) सम्भावना तथा अवसर                                      | ६७         |
| घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम    | ६७         |
| ङ) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                        | ७९         |
| च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष                                  | ८३         |
| <b>४.२ सिँचाई</b>                                         | <b>८४</b>  |
| ४.२.१ पृष्ठभूमि                                           | ८४         |
| ४.२.२ समस्या तथा चुनौती                                   | ८४         |
| ४.२.३ सम्भावना तथा अवसर                                   | ८४         |
| ४.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम | ८५         |
| ४.२.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                     | ८७         |
| ४.२.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष                               | ८८         |
| <b>४.३ पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा</b>                    | <b>८८</b>  |
| ४.३.१ पर्यटन                                              | ८८         |
| क) पृष्ठभूमि                                              | ८८         |
| ख) समस्या तथा चुनौती                                      | ८९         |
| ग) सम्भावना तथा अवसर                                      | ८९         |
| घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम    | ९०         |
| ङ) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                        | ९५         |
| च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष                                  | ९७         |
| ४.३.२ संस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्य                     | ९८         |
| क) पृष्ठभूमि                                              | ९८         |
| ख) समस्या तथा चुनौती                                      | ९८         |
| ग) सम्भावना तथा अवसर                                      | ९८         |
| घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम    | ९९         |
| <b>४.४ उद्योग, व्यापार, व्यावसाय तथा आपूर्ति</b>          | <b>१०५</b> |
| ४.४.१ उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय                         | १०५        |
| क) पृष्ठभूमि                                              | १०५        |
| ख) समस्या तथा चुनौती                                      | १०५        |
| ग) सम्भावना तथा अवसर                                      | १०५        |
| घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम    | १०६        |
| ङ) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                        | १११        |
| च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष                                  | ११३        |
| ४.४.२ सहकारी                                              | ११४        |

|                                                        |     |
|--------------------------------------------------------|-----|
| क) पृष्ठभूमि                                           | ११४ |
| ख) समस्या तथा चुनौती                                   | ११४ |
| ग) सम्भावना तथा अवसर                                   | ११४ |
| घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम | ११४ |
| ङ) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                     | ११८ |
| ४.४.३ वैङ्क तथा वित्तीय क्षेत्र                        | ११९ |
| क) पृष्ठभूमि                                           | ११९ |
| ख) समस्या तथा चुनौती                                   | ११९ |
| ग) सम्भावना तथा अवसर                                   | ११९ |
| घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम | ११९ |
| च) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                     | १२१ |

#### ४.५ श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा १२३

|                                                        |     |
|--------------------------------------------------------|-----|
| ४.५.१ श्रम तथा रोजगारी                                 | १२३ |
| क) पृष्ठभूमि                                           | १२३ |
| ख) समस्या तथा चुनौती                                   | १२३ |
| ग) सम्भावना तथा अवसर                                   | १२३ |
| घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम | १२४ |
| ङ) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                     | १२७ |
| च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष                               | १२९ |
| ४.५.२ सामाजिक सुरक्षा                                  | १३० |
| क) पृष्ठभूमि                                           | १३० |
| ख) समस्या तथा चुनौती                                   | १३० |
| ग) सम्भावना तथा अवसर                                   | १३० |
| घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम | १३० |
| ङ) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                     | १३१ |

#### परिच्छेद - ५: सामाजिक क्षेत्र १३३

##### ५.१ स्वास्थ्य तथा पोषण १३३

|                                                           |     |
|-----------------------------------------------------------|-----|
| ५.१.१ पृष्ठभूमि                                           | १३३ |
| ५.१.२ समस्या तथा चुनौती                                   | १३३ |
| ५.१.३ सम्भावना तथा अवसर                                   | १३३ |
| ५.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम | १३४ |
| ५.१.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                     | १४२ |
| ५.१.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष                               | १४६ |

##### ५.२ शिक्षा, विज्ञान तथा नवप्रवर्तन १४७

|                                                           |     |
|-----------------------------------------------------------|-----|
| ५.२.१ पृष्ठभूमि                                           | १४७ |
| ५.२.२ समस्या तथा चुनौती                                   | १४७ |
| ५.२.३ सम्भावना तथा अवसर                                   | १४८ |
| ५.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम | १४८ |
| ५.२.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                     | १५८ |
| ५.२.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष                               | १६१ |

|                                                                     |            |
|---------------------------------------------------------------------|------------|
| <b>५.३ खानेपानी तथा सरसफाई</b>                                      | <b>१६२</b> |
| ५.३.१ पृष्ठभूमि                                                     | १६२        |
| ५.३.२ समस्या तथा चुनौती                                             | १६२        |
| ५.३.३ सम्भावना तथा अवसर                                             | १६२        |
| ५.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम           | १६३        |
| ५.३.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                               | १६६        |
| ५.३.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष                                         | १६८        |
| <b>५.४ महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग</b>                         | <b>१६८</b> |
| ५.४.१ लैङ्गिक समानता, जेष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरण | १६८        |
| क) पृष्ठभूमि                                                        | १६८        |
| ख) समस्या तथा चुनौती                                                | १६८        |
| ग) सम्भावना तथा अवसर                                                | १६९        |
| घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम              | १७०        |
| ङ) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                                  | १७७        |
| ५.४.२ बालबालिका तथा किशोरकिशोरी                                     | १८३        |
| क) पृष्ठभूमि                                                        | १८३        |
| ख) समस्या तथा चुनौती                                                | १८३        |
| ग) सम्भावना तथा अवसर                                                | १८३        |
| घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम              | १८४        |
| ङ) अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका                               | १८७        |
| <b>५.५ युवा तथा खेलकुद</b>                                          | <b>१८९</b> |
| ५.५.१ पृष्ठभूमि                                                     | १८९        |
| ५.५.२ समस्या तथा चुनौती                                             | १८९        |
| ५.५.३ सम्भावना तथा अवसर                                             | १८९        |
| ५.५.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम           | १९०        |
| ५.५.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                               | १९४        |
| ५.५.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष                                         | १९५        |
| <b>५.६ शान्ति सुरक्षा</b>                                           | <b>१९६</b> |
| ५.६.१ पृष्ठभूमि                                                     | १९६        |
| ५.६.२ समस्या तथा चुनौती                                             | १९६        |
| ५.६.३ सम्भावना तथा अवसर                                             | १९६        |
| ५.६.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम           | १९६        |
| ५.६.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                               | १९८        |
| <b>५.७ शवदाहस्थल तथा समाधीस्थल व्यवस्थापन</b>                       | <b>२००</b> |
| ५.७.१ पृष्ठभूमि                                                     | २००        |
| ५.७.२ समस्या तथा चुनौती                                             | २००        |
| ५.७.३ सम्भावना तथा अवसर                                             | २००        |
| ५.७.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम           | २००        |
| ५.७.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                               | २०२        |

|                                                               |            |
|---------------------------------------------------------------|------------|
| <b>५.८ गरिबी निवारण</b>                                       | <b>२०३</b> |
| ५.८.१ पृष्ठभूमि                                               | २०३        |
| ५.८.२ समस्या तथा चुनौती                                       | २०३        |
| ५.८.३ सम्भावना तथा अवसर                                       | २०३        |
| ५.८.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम     | २०४        |
| ५.८.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                         | २०७        |
| <b>परिच्छेद - ६: पूर्वाधार विकास</b>                          | <b>२०९</b> |
| <b>६.१ बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण</b>             | <b>२०९</b> |
| ६.१.१ पृष्ठभूमि                                               | २०९        |
| ६.१.२ समस्या तथा चुनौती                                       | २०९        |
| ६.१.३ सम्भावना तथा अवसर                                       | २०९        |
| ६.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम     | २१०        |
| ६.१.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                         | २१३        |
| ६.१.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष                                   | २१४        |
| <b>६.२ सडक, पुल तथा यातायात</b>                               | <b>२१५</b> |
| ६.२.१ पृष्ठभूमि                                               | २१५        |
| ६.२.२ समस्या तथा चुनौती                                       | २१५        |
| ६.२.३ सम्भावना तथा अवसर                                       | २१५        |
| ६.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम     | २१६        |
| ६.२.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                         | २२१        |
| ६.२.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष                                   | २२३        |
| <b>६.३ जलश्रोत, विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा</b>                | <b>२२४</b> |
| ६.३.१ पृष्ठभूमि                                               | २२४        |
| ६.३.२ समस्या तथा चुनौती                                       | २२४        |
| ६.३.३ सम्भावना तथा अवसर                                       | २२४        |
| ६.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम     | २२५        |
| ६.३.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                         | २२८        |
| ६.३.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष                                   | २२९        |
| <b>६.४ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि</b>                          | <b>२३०</b> |
| ६.४.१ पृष्ठभूमि                                               | २३०        |
| ६.४.२ समस्या तथा चुनौती                                       | २३०        |
| ६.४.३ सम्भावना तथा अवसर                                       | २३०        |
| ६.४.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम     | २३१        |
| ६.४.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                         | २३३        |
| ६.४.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष                                   | २३४        |
| <b>परिच्छेद - ७: वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र</b> | <b>२३५</b> |
| <b>७.१ वन तथा जैविक विविधता</b>                               | <b>२३५</b> |
| ७.१.१ पृष्ठभूमि                                               | २३५        |

|                                                        |                                                                  |            |
|--------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------|------------|
| ७.१.२                                                  | समस्या तथा चुनौती                                                | २३५        |
| ७.१.३                                                  | सम्भावना तथा अवसर                                                | २३५        |
| ७.१.४                                                  | उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम              | २३६        |
| ७.१.५                                                  | अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका                               | २४०        |
| ७.१.६                                                  | अनुमान तथा जोखिम पक्ष                                            | २४२        |
| <b>७.२</b>                                             | <b>भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन</b>                          | <b>२४३</b> |
| ७.२.१                                                  | भूमि व्यवस्थापन (भू-उपयोग)                                       | २४३        |
| क)                                                     | पृष्ठभूमि                                                        | २४३        |
| ख)                                                     | समस्या तथा चुनौती                                                | २४३        |
| ग)                                                     | सम्भावना तथा अवसर                                                | २४३        |
| घ)                                                     | उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम              | २४३        |
| ङ)                                                     | अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                                  | २४५        |
| च)                                                     | अनुमान तथा जोखिम पक्ष                                            | २४७        |
| ७.२.२                                                  | जलाधार संरक्षण                                                   | २४८        |
| क)                                                     | पृष्ठभूमि                                                        | २४८        |
| ख)                                                     | समस्या तथा चुनौती                                                | २४८        |
| ग)                                                     | सम्भावना तथा अवसर                                                | २४८        |
| घ)                                                     | उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम              | २४८        |
| ङ)                                                     | अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका                               | २५०        |
| च)                                                     | अनुमान तथा जोखिम पक्ष                                            | २५१        |
| <b>७.३</b>                                             | <b>वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन</b>                          | <b>२५३</b> |
| ७.३.१                                                  | पृष्ठभूमि                                                        | २५३        |
| ७.३.२                                                  | समस्या तथा चुनौती                                                | २५३        |
| ७.३.३                                                  | सम्भावना तथा अवसर                                                | २५३        |
| ७.३.४                                                  | उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम              | २५४        |
| ७.३.५                                                  | अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका                               | २५७        |
| ७.३.६                                                  | अनुमान तथा जोखिम पक्ष                                            | २५८        |
| <b>७.४</b>                                             | <b>विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता</b> | <b>२५९</b> |
| ७.४.१                                                  | पृष्ठभूमि                                                        | २५९        |
| ७.४.२                                                  | समस्या तथा चुनौती                                                | २५९        |
| ७.४.३                                                  | सम्भावना तथा अवसर                                                | २५९        |
| ७.४.४                                                  | उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम              | २६०        |
| ७.४.५                                                  | अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका                               | २६३        |
| ७.४.६                                                  | अनुमान तथा जोखिम पक्ष                                            | २६४        |
| <b>परिच्छेद - ८: संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र</b> |                                                                  | <b>२६६</b> |
| <b>८.१</b>                                             | <b>संस्थागत विकास तथा सुशासन</b>                                 | <b>२६६</b> |
| ८.१.१                                                  | सुशासन तथा सेवा प्रवाह                                           | २६६        |
| क)                                                     | पृष्ठभूमि                                                        | २६६        |
| ख)                                                     | समस्या तथा चुनौती                                                | २६६        |
| ग)                                                     | सम्भावना तथा अवसर                                                | २६६        |

|                                                                                |     |
|--------------------------------------------------------------------------------|-----|
| घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम                         | २६७ |
| ङ) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                                             | २७२ |
| च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष                                                       | २७३ |
| ८.१.२ मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय                                            | २७४ |
| क) पृष्ठभूमि                                                                   | २७४ |
| ख) समस्या तथा चुनौती                                                           | २७४ |
| ग) सम्भावना तथा अवसर                                                           | २७४ |
| घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम                         | २७४ |
| ङ) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                                             | २७७ |
| च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष                                                       | २७८ |
| ८.१.३ तथ्याङ्क व्यवस्थापन, राजश्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन तथा लेखा व्यवस्थापन | २७९ |
| क) पृष्ठभूमि                                                                   | २७९ |
| ख) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम                         | २७९ |
| ग) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका                                             | २८१ |
| घ) अनुमान तथा जोखिम पक्ष                                                       | २८२ |

## परिच्छेद - ९: कार्यान्वयन व्यवस्था

२८३

### ९.१ पृष्ठभूमि

२८३

### ९.२ विषयक्षेत्र अनुसार अनुमानित बजेट

२८३

### ९.३ स्रोत परिचालन रणनीति

२८४

### ९.४ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन योजना

२८७

#### ९.४.१ अनुगमन

२८७

#### ९.४.२ मूल्याङ्कन

२८९

## सन्दर्भ सामाग्री

२९१

## अनुसूचीहरू

२९३

अनुसूचि - १: विश्वका केही विकास मोडलहरूको तुलनात्मक अध्ययन

२९३

अनुसूचि - २: बडागत रुपमा प्रस्तावित माग तथा कार्यक्रमहरू

३०६

अनुसूचि - ३: आवधिक योजनको तयारीको लागि छलफलमा उपस्थित सहभागीहरू तथा तस्वीरहरू

३२४

अनुसूचि - ४: आवधिक योजनको मस्यौदा प्रतिवेदन माथि छलफलमा उपस्थित सहभागीहरू तथा तस्वीरहरू

३३३

## परिच्छेद - १: भूमिका

### १.१ पृष्ठभूमि

वि.सं. २००७ सालमा राणा शासनको अन्त्य भएपछि प्रजातन्त्र प्राप्त पछिका ७३ वर्ष राजनीतिक विभाजन, धुविकरण र त्यसकै वरिपरिको संघर्षमा बितेको पाइन्छ जसका कारण नेपाल लामो राजनीतिक तथा सामाजिक सङ्क्रमणबाट गुज्रन परेको थियो। देशमा प्रजातन्त्र, लोकतन्त्र हुँदै गणतन्त्र सम्मको व्यवस्था परिवर्तनले राजनीतिक रूपमा जनताहरू प्रजावाट नागरिक बने पनि समृद्धि र पूर्वाधारका हिसाबले प्रारम्भिक अवस्थामा रहेको सर्वविदित नै छ। तसर्थ सामाजिक लोकतन्त्रको परिकल्पना सहित राजनीतिक-प्रशासनिक शक्तिको तहगत विभाजन र उक्त इकाईहरूमा स्रोत तथा साधनहरूको न्यायोचित वितरणका माध्यमबाट समुच्च विकास र समृद्धिको परिकल्पनालाई साकार पार्ने अठोट सहित जारी भएको नेपालको संविधान २०७२ पछिको परिस्थितिलाई फरक किसिमले बुझ्न सकिन्छ। यद्यपी, विकासको दृष्टिकोणबाट मात्र हेर्दा बितेका करिब ७० वर्ष नागरिक तथा राजनीतिक अधिकार प्राप्तिका संघर्षमा मात्र केन्द्रित भएका छन्। कुनै समयमा नेपालले आर्थिक, भौतिक तथा सैन्य सहयोग गर्ने हाम्रा छिमेकी राष्ट्रहरू भारत, चीन, दक्षिण कोरिया समेत विकासको नयाँ उचाई हासिल गरिरहेका छन्। हामी भन्दा पछि स्वतन्त्र भई आर्थिक विकासतर्फ पाइला चालेका पूर्वी तथा मध्य एसियाका धेरै मुलुकहरू विकासमा हामी भन्दा केयौँ गुणा अघि लम्किसकेका छन् भने हामी भर्खर मात्र विकासका पूर्वाधारको निर्माणमा जुटेका छौं।

जनताका प्रतिनिधिद्वारा निर्मित नेपालको संविधान २०७२ जारी भइसके पश्चातको निर्वाचनबाट नयाँ संघीय, प्रादेशिक र स्थानीय सरकारहरू गठन भएका कारण नयाँ संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्था अनुरूपको राज्यको पुर्नसंरचना समेत भइसकेको छ। तीन तहका सरकारले जनतालाई सेवा तथा सुविधा प्रदान गरिरहेको यस ऐतिहासिक कालखण्डमा सम्पूर्ण राष्ट्र नै समग्र विकास र आर्थिक समृद्धिको मूल मन्त्र लिएर अगाडि बढी रहँदा वर्षौंदेखि व्याप्त अविास, गरिबी, रोगव्याधी, पछोटेपन, अशिक्षा, असुविधा र अन्यायको दुश्चक्रमा पिल्सिएका आम स्थानीयवासीमा नयाँ परिवर्तन र राज्य व्यवस्थाले आशाको सञ्चार गराएको छ।

मूलतः स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले नेपालको संविधानको अनुसूची-८ मा उल्लेख भएका स्थानीय तहको अधिकारको थप व्याख्या गरी स्थानीय सरकारलाई स्थानीयस्तरका समग्र विकासका योजनाहरू निर्माण, कार्यान्वयन तथा अनुगमन गर्ने अधिकार प्रदान गरेको छ। ऐनको परिच्छेद-३ दफा ११ को उपदफा २ (छ) (१) मा स्थानीयस्तरका विकास आयोजना तथा परियोजना सम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन, मूल्याङ्कन र नियमन साथै बुँदा नं. २ मा आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, वातावरणीय, प्राविधिक र पूर्वाधारजन्य विकासका लागि आवश्यक आयोजना तथा परियोजनाहरूको तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने अधिकार समेत स्थानीय सरकारलाई प्रदान गरेको सन्दर्भमा यस इच्छाकामना गाउँपालिकाको आवधिक योजना तयार पारिएको छ।

कुनै पनि स्थानको समग्र विकासको ढोका खोल्ने महत्वपूर्ण भूमिका भौतिक तथा आर्थिक विकासले खेल्ने भएकोले विकास योजना निर्माण गर्दा भौतिक विकास र आर्थिक विकासको आधार खाका तयार पार्नु एकदमै महत्वपूर्ण हुन्छ। यो योजनाले गाउँपालिकाको वस्तुगत भौतिक अवस्थाको यकिन तथ्याङ्क सहितको आधार नक्शा तथा अन्य विषयगत तथ्यहरूको विवरण तयार पारी सोको आधारमा अल्पकालीन, मध्यकालीन र दीर्घकालीन कार्ययोजना र रणनीतिहरू तयार पारेको छ। एकातर्फ अव्यवस्थित र योजना विहीन विकास क्रियाकलापले हामीलाई सही दिशा निर्देश गर्दैन भने अर्कोतर्फ समय र स्रोतको समेत उच्चतम सदुपयोग हुन सक्दैन। तसर्थ निर्दिष्ट समय सीमाभित्र रही निश्चित प्रकारका विकास योजनाहरूलाई निर्दिष्ट उपलब्धिहरू हासिल गर्ने हेतुले निर्माण गर्दा विकासका क्रियाकलापहरू व्यवहारिक, समय सान्दर्भिक र उच्च प्रतिफलमुखी हुन जान्छन्। तसर्थ यस गाउँपालिकामा उपलब्ध साधन र स्रोतको उच्चतम सदुपयोग गरी निर्दिष्ट समय सीमाभित्र, निर्दिष्ट उद्देश्य हासिल गर्न यस प्रकारको आवधिक योजनाको आवश्यकता परेको हो।

## १.२ आवधिक योजनाको उद्देश्य

यस योजनाको मूल उद्देश्य इच्छाकामना गाउँपालिकाको विषयगत आवधिक योजना निर्माण गर्नु हुनेछ, जस अन्तर्गत:

- दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, र रणनीति तयार पार्ने ।
- सोही अनुसारका कार्यनीति र कार्य योजना तयार पार्ने ।
- कार्य योजनाका लागि गाउँपालिकाको स्पष्ट आधार नक्शा तयार पार्ने ।
- भौतिक पूर्वाधार विकास योजना तयार पार्ने ।
- सामाजिक-साँस्कृतिक विकास योजना तयार पार्ने ।
- आर्थिक विकास योजना तयार पार्ने ।
- वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन योजना तयार पार्ने ।
- सेवा प्रवाह तथा संस्थागत विकास योजना तयार पार्ने ।
- व्यापक जनसहभागितामा क्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, अपेक्षित परिणाम र कार्यक्रमहरूको निर्धारण गर्ने ।

## १.३ आवधिक योजना निर्माणका आधारहरू

कुनै पनि योजना निर्माण गर्नका लागि निश्चित वैधानिक, कानूनी र नीतिगत आधारहरू आवश्यक पर्दछन् । यिनै वैधानिक, कानूनी र नीतिगत आधारहरूको आधारमा यो गाउँपालिका नेपालको संघीय गणतन्त्रात्मक शासन प्रणाली अन्तर्गत स्थानीय तहको रूपमा जनतासँग प्रत्यक्ष सरोकार राख्ने स्थानीय सरकार हो । नेपालको संविधानले स्थानीय तहहरूलाई एक प्रकारको पूर्ण स्थानीय सरकारको रूपमा स्थापित र परिभाषित गरेकाले स्थानीयस्तरका विकास योजनाहरू तर्जुमा गर्ने र ती योजनाको कार्यान्वयन, अनुगमन र मूल्याङ्कन गर्ने सम्पूर्ण अधिकार स्थानीय तहलाई नै प्राप्त भएको छ । मुलतः यसै वैधानिक आधारको पृष्ठभूमिमा रहेका थप निम्न आधारहरूमा रहेर यो आवधिक योजना तयार पारिएको छ ।

### १.३.१ विद्यमान ऐन तथा वैधानिक आधारहरू

#### (क) स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४

नेपालको संविधान २०७२ को अनुसूची ८ तथा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ११ को उपदफा २ (छ) र दफा २४ बमोजिम नेपालमा संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक शासन प्रणाली लागु भए पश्चात् स्वायत्त स्थानीय सरकारको रूपमा स्थानीयस्तरका विकास आयोजना तथा परियोजना सम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन, मूल्याङ्कन र नियमन गर्ने अधिकार संघीय तथा प्रादेशिक कानून तथा नीति नियमहरूसँग सङ्गत हुने गरी स्थानीय सरकारलाई नै प्राप्त भएकाले सो वैधानिक व्यवस्था बमोजिम यो योजना निर्माण गरिएको छ । साथै संविधानको मर्मअनुरूप संघीय, प्रादेशिक तथा स्थानीयस्तरमा निर्माण भएका सम्पूर्ण विद्यमान ऐन नियमहरूको सान्दर्भिक प्रावधान अनुरूप योजनालाई अन्तिम रूप दिइएको छ ।

#### (ख) अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४

नेपालको संविधानको धारा ५९ बमोजिम विभिन्न तहका सरकारहरूलाई प्राप्त वित्तीय अधिकार तथा धारा ६० बमोजिम राजश्व श्रोतको बाँडफाँट गर्न वनेको यस ऐनले आकर्षित गर्ने प्रावधानहरूलाई समेत राजश्वको अधिकार, त्यसको बाँडफाँट, ऋण, अनुदान, बजेट व्यवस्थापन, सार्वजनिक खर्च र वित्तीय अनुशासन कायम गर्न आवश्यक व्यवस्थाहरू गरेकाले यी पक्षहरूलाई यो योजना निर्माण गर्दा आधार बनाइएको छ ।

#### (ग) राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग ऐन, २०७४

नेपालको संविधानको धारा ६० को उपधारा ३ मा प्रदेश र स्थानीय तहले प्राप्त गर्ने वित्तीय स्रोत र धारा २५१ अन्तर्गत देशभर छरिएर रहेका प्राकृतिक स्रोतहरूको परिचालनबाट प्राप्त राजश्व वा स्रोतको प्रयोग गर्दा अपनाउनु पर्ने प्रावधानहरू रहेको यस ऐनलाई यस योजना निर्माणमा एक आधारको रूपमा लिएको छ ।

#### (घ) आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ र नियमावली २०७७

आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन २०७६ ले स्थानीय तहको आर्थिक र वित्तीय स्रोत, क्षमता र पहुँचको बारेमा उल्लेख गर्दछ । यसको दफा ७ ले आवधिक योजनाले प्रक्षेपित गरेको लगानी र वित्तीय आवश्यकताको आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको लागि स्थानीय तहको कुल राष्ट्रिय स्रोत अनुमान गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ । यही स्रोत अनुमानका आधारमा मध्यमकालीन खर्च संरचना निर्माण गर्नुपर्ने उल्लेख गरिएको छ । त्यस्तैगरी, आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व नियमावली, २०७७ मा स्थानीय तहले मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्दा सम्बन्धित पालिकाको आर्थिक क्षमता हेर्नुपर्ने र त्यसैको आधारमा आयोजना बैङ्कको स्थापना गरी योजनाको कार्यान्वयन गर्नुपर्ने उल्लेख गरिएको छ ।

#### (ङ) संघ, प्रदेश र स्थानीय तहबिचको समन्वय र अन्तरसम्बन्ध सम्बन्धी ऐन, २०७७

यो ऐनले तिन तहका सरकारबिचको समन्वय र अन्तर सम्बन्धको बारेमा उल्लेख गर्दछ । विशेषतः राष्ट्रियस्तरका र एक भन्दा बढी प्रदेशमा कार्यान्वयन गर्नुपर्ने आयोजनाको तर्जुमा संघले गर्ने, प्रदेशभित्र पर्ने र प्रदेशबाट कार्यान्वयन हुने आयोजनाको तर्जुमा प्रदेश सरकारले गर्ने तथा स्थानीय तहभित्र पर्ने र स्थानीय तहबाट कार्यान्वयन हुने आयोजनाको तर्जुमा स्थानीय तहले गर्ने व्यवस्था यो ऐनले गरेको छ । स्थानीय तहले आयोजना तर्जुमा गर्दा संघीय कानूनले तोकेको मापदण्डको आधारमा गर्नुपर्ने र यसको अधिकार सूची र कार्य जिम्मेवारीको विषयमा नेपाल सरकारले आवश्यक सहयोग गर्नुपर्ने व्यवस्था गरिएको छ ।

#### (च) विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन ऐन, २०७४

विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन गर्न प्रत्येक स्थानीय तहले अध्यक्ष वा प्रमुखको अध्यक्षतामा बढिमा पन्ध्र जना सदस्य रहेको स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति गठन गर्ने व्यवस्था गरेको छ । समितिले जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्य सञ्चालन गर्न आवश्यक सम्पूर्ण कार्यहरूको व्यवस्थापन र अनुगमन तथा सञ्चालन गर्नुपर्ने व्यवस्था ऐनले गरेको छ ।

### १.३.२ विद्यमान राष्ट्रिय, प्रादेशिक र स्थानीय नीतिहरू

सबैभन्दा महत्वपूर्ण राष्ट्रिय नीतिहरू मध्ये संविधानको धारा ५१ मा रहेका नीतिहरूलाई मूल आधार मानेर यो नीतिको अधिनमा रहेका प्रादेशिक तथा स्थानीय नीतिहरूलाई समेत आधार बनाई यो योजना तयार गरिएको छ । यी मध्ये पनि स्थानीय तहहरूले निम्न नीतिहरूलाई प्रमुख आधार मान्नु उपयुक्त रहेकाले सोही आधारमा यो योजना निर्माण गरिएको छ ।

|                                              |                                          |
|----------------------------------------------|------------------------------------------|
| राजनीतिक तथा शासन व्यवस्था सम्बन्धी नीति     | विकास सम्बन्धी नीति                      |
| सामाजिक र साँस्कृतिक रूपान्तरण सम्बन्धी नीति | सामाजिक न्याय र समावेशीकरण सम्बन्धी नीति |
| अर्थ, उद्योग र वाणिज्य सम्बन्धी नीति         | नागरिकका आधारभूत आवश्यकता सम्बन्धी नीति  |
| कृषि र भूमि सुधार सम्बन्धी नीति              | श्रम र रोजगार सम्बन्धी नीति              |

|                                                                 |                                                                            |
|-----------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------|
| प्राकृतिक साधन श्रोतको संरक्षण, संवर्द्धन र उपयोग सम्बन्धी नीति |                                                                            |
| राष्ट्रिय भू-उपयोग नीति, २०६८                                   | पर्यटन नीति, २०६५                                                          |
| वन नीति, २०७१/तथा वातावरण संरक्षण,                              | राष्ट्रिय युवा नीति, २०७२/राष्ट्रिय खेलकुद नीति, २०६७                      |
| राष्ट्रिय कृषि नीति, २०६१                                       | लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण नीति, २०६३                           |
| औद्योगिक नीति, २०६७                                             | सिँचाई नीति, २०७०                                                          |
| जलाधार नीति                                                     | राष्ट्रिय शिक्षा नीति                                                      |
| जलवायु परिवर्तन नीति, २०६७                                      | जैविक विविधता संरक्षण नीति, २०६३                                           |
| राष्ट्रिय सहकारी नीति, २०६९                                     | स्वास्थ्य नीति, २०४८                                                       |
| वाणिज्य नीति, २०६५                                              | स्थानीय पूर्वाधार विकास नीति, २०६१                                         |
| श्रम तथा राष्ट्रिय रोजगार नीति, २०७१                            | सूचना प्रविधि नीति, २०६७                                                   |
| आपूर्ति नीति, २०६९                                              | कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन नीति, २०६३                                         |
| जल उत्पन्न प्रकोप व्यवस्थापन नीति, २०७२                         | विकास सहायता परिचालन नीति                                                  |
| सार्वजनिक-निजी साझेदारी नीति, २०७२                              | बालबालिका सम्बन्धी राष्ट्रिय नीति, २०६९                                    |
| अपाङ्गता भएका व्यक्तिका लागि समावेशी शिक्षा नीति, २०७३          | राष्ट्रिय रोजगार नीति, २०७१                                                |
| नवीकरणीय उर्जा अनुदान नीति, २०६९/राष्ट्रिय यातायात नीति, २०५८   | राष्ट्रिय जनसंख्या नीति, २०७१                                              |
| प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षा एवम् तालिम नीति                  | राष्ट्रिय बीउ विजन नीति, २०५६                                              |
| कृषि यान्त्रिकरण प्रवर्द्धन नीति, २०७१                          | संस्कृति नीति, २०६८                                                        |
| राष्ट्रिय शहरी नीति, २०६४                                       | जलविद्युत विकास नीति, २०५८                                                 |
| स्थानीय तह संस्थागत क्षमता स्वमूल्याङ्कन कार्यविधि, २०७७        | प्रदेश तथा स्थानीय तहका लागि लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट नमूना निर्देशिका, २०७७ |
| भू-उपयोग नियमावली, २०७९                                         | राष्ट्रिय भूमि नीति, २०७५                                                  |

माथि उल्लेखित नीति, कार्यविधि तथा निर्देशिका लगायत प्रादेशिक तथा स्थानीय सरकारका सान्दर्भिक नीतिहरूलाई पनि योजना निर्माणको आधार बनाइएको छ ।

### १.३.३ संघीय, प्रादेशिक र स्थानीय तहको दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरू

कुनै पनि स्थानीय तहले योजनाको दीर्घकालीन, सोच, लक्ष्य र उद्देश्य तय गर्दा राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरूसँग सामञ्जस्यता कायम गरी गर्नुपर्ने भएकाले यस योजनाले निम्न सोचहरूलाई आधार बनाएको छ ।

#### क) दीर्घकालीन सोच वि.सं. २१००

लामो राजनीतिक संक्रमण पश्चात राजनीतिक स्थायित्वको जगमा उभिएर तीव्र आर्थिक विकास र समृद्धिका लागि आयमा वृद्धि, गुणस्तरीय मानव पूँजी निर्माण तथा आर्थिक जोखिमहरूलाई न्यूनीकरण गर्दै वि.सं. २०७९ देखि अति

कम विकसित देशबाट विकासशील देशमा स्तरोन्नति गर्दै वि.सं. २०८७ सम्ममा दिगो विकासका लक्ष्यहरू हासिल गर्दै उच्च मध्यम आयस्तर भएका मुलुकमा रूपान्तरण हुने गरी यस दीर्घकालीन सोच तयार पारिएको छ ।

यस सोचको मूल लक्ष्य सामाजिक न्यायमा आधारित समतामूलक समाज निर्माण गर्ने हो । यसको मूल रणनीति भनेको आन्तरिक तथा बाह्य स्रोत र साधन लगायत अर्थतन्त्रका सहयोगी क्षेत्रको परिचालन मार्फत् रूपान्तरणका कार्यक्रममा लगानी केन्द्रित गर्नु हो । यसर्थ नारामा दीर्घकालीन सोचलाई “समृद्ध नेपाल सुखी नेपाली” तय गरिएको छ । यस सोचको अपेक्षित उपलब्धिमा “समुन्नत, स्वाधिन र समाजवाद उन्मुख अर्थतन्त्र सहितका समान अवसर प्राप्त, स्वास्थ्य, शिक्षित, मर्यादित र उच्च जीवनस्तर भएका सुखी नागरिक बसोबास गर्ने मुलुक” मा नेपाललाई रूपान्तरण गर्ने रहेको छ ।

#### दीर्घकालीन सोच वि. सं. २१०० ले लिएका राष्ट्रिय रणनीति

- तीव्र, दिगो र रोजगारमूलक आर्थिक वृद्धि हासिल गर्ने,
- सुलभ तथा गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा र शिक्षाको सुनिश्चित गर्ने,
- आन्तरिक तथा अन्तरदेशीय अन्तरआबद्धता एवम् दिगो शहर/बस्ती विकास गर्ने,
- उत्पादन र उत्पादकत्व अभिवृद्धि गर्ने,
- पूर्ण, दिगो र उत्पादनशील सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण गर्ने र
- सार्वजनिक सेवाको सुदृढीकरण, प्रादेशिक सन्तुलन र राष्ट्रिय एकता सम्बर्द्धन गर्ने ।

#### रूपान्तरणका प्रमुख संवाहक

दीर्घकालीन सोचको रणनीति कार्यान्वयन गरी राष्ट्रिय लक्ष्य हासिल गर्न देहायबमोजिम सामाजिक-आर्थिक रूपान्तरणका संवाहक अवलम्बन गरिएको छ । यी संवाहकलाई दीर्घकालीन सोचको प्राथमिकताका क्षेत्रका रूपमा समेत लिई तदनुरूप साधन-स्रोतको व्यवस्था गरिनेछ । आगामी योजनाहरू तर्जुमा गर्दा राष्ट्रिय आवश्यकता अनुसार प्राथमिकताहरूमा समयानुकूल परिमार्जन गरिनेछन् ।

१. गुणस्तरीय एकीकृत यातायात प्रणाली, सूचना प्रविधि तथा सञ्चार, पूर्वाधार र बृहत सञ्जालीकरण,
२. गुणस्तरीय मानव पूँजी निर्माण, उद्यमशील कार्य, संस्कृति विकास र सम्भावनाको पूर्ण उपयोग,
३. जल विद्युत उत्पादन वृद्धि र हरित अर्थतन्त्र प्रवर्द्धन,
४. उत्पादन, उत्पादकत्व र प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता अभिवृद्धि,
५. गुणस्तरीय पर्यटन सेवाको विकास र विस्तार,
६. आधुनिक, दिगो र व्यवस्थित शहरीकरण, आवास र बस्ती विकास,
७. प्रादेशिक र स्थानीय अर्थतन्त्रको विकास र सुदृढीकरण तथा औपचारिक क्षेत्रको विस्तार,
८. सामाजिक संरक्षण र सुरक्षाको प्रत्याभूति र
९. शासकीय सुधार र सुशासन अभिवृद्धि ।

#### सहयोगी क्षेत्र

दीर्घकालीन सोचका लक्ष्य हासिल गर्ने सन्दर्भमा रूपान्तरणका सम्भाव्य क्षेत्रको प्रभावकारी परिचालन गर्न देहायका क्षेत्रहरूलाई प्रमुख सहयोगी क्षेत्रका रूपमा लिइएको छ ।

१. संविधान, लोकतन्त्र र विकासप्रतिको राजनीतिक प्रतिबद्धता,
२. जनसांख्यिक लाभ र नागरिक सचेतना,
३. भौगोलिक अवस्थिति र प्राकृतिक विविधता तथा सम्पन्नता,
४. सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता तथा मौलिक पहिचान,

५. सामाजिक पूँजी र विश्वभर फैलिएका नेपाली समुदाय,
६. स्वच्छ र नवीकरणीय ऊर्जा,
७. मित्रराष्ट्र र अन्तर्राष्ट्रिय समुदायको सद्भाव र
८. संघीय शासन प्रणाली र वित्तीय संघीयता ।

### दीर्घकालीन सोचको परिदृश्य र परिमाणात्मक लक्ष्यहरू

दीर्घकालीन सोचका राष्ट्रिय लक्ष्यहरू प्राप्तिको लागि उच्च आर्थिक वृद्धिदर आवश्यक हुन्छ । यस अवधिमा वार्षिक औषत १०.५ प्रतिशत आर्थिक वृद्धिदरको प्रारम्भिक लक्ष्य अनुमान गरिएको छ । यसमध्ये कृषि क्षेत्रमा औषत ५.५ प्रतिशत, उद्योग क्षेत्रमा औषत १३ प्रतिशत र सेवा क्षेत्रमा वार्षिक औषत १०.९ प्रतिशत आर्थिक वृद्धि हुने अनुमान गरिएको छ ।

दीर्घकालीन सोचको अवधिको आर्थिक वृद्धिदरको लक्ष्यअनुरूप यस सोच अवधिको अन्तिम वर्षमा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि क्षेत्रको अंश हालको २७ प्रतिशतबाट घटेर ९ प्रतिशत, उद्योग क्षेत्रका अंश हालको १५.२ प्रतिशतबाट वृद्धि भई ३० प्रतिशत र सेवा क्षेत्रको अंश हालको ५७.८ प्रतिशतबाट ६१ प्रतिशत पुग्ने अनुमान छ । यसबाट कृषि क्षेत्रमा रहेको ठूलो जनशक्ति उद्योग र सेवा क्षेत्रमा स्थानान्तरण हुनेछ । आगामी २५ वर्षमा उद्योग र सेवाको व्यापक विस्तार भई अर्थतन्त्रमा ठूलो संरचनागत एवम् गुणात्मक परिवर्तन हुने अनुमान छ ।

दीर्घकालीन सोचको आधार वर्ष २०७५/७६ मा नेपालको प्रतिव्यक्ति आय १ हजार ४७ अमेरिकी डलर रहेको छ । वि.सं. २०७९ सम्ममा अति कम विकसित राष्ट्रबाट विकासशील राष्ट्रमा स्तरोन्नति हुने र वि.सं. २०८७ मा दिगो विकासका लक्ष्यहरू हासिल गर्दै मध्यम आय भएको मुलुकमा स्तरोन्नति हुनेछ । वि.सं. २१०० मा १२ हजार १ सय अमेरिकी डलर प्रतिव्यक्ति आयसहित नेपाल उच्च आयस्तर भएको मुलुकमा स्थापित हुनेछ ।

माथि उल्लेखित लक्ष्यहरू हासिल गर्न माथि उल्लेखित रूपान्तरणका संवाहक तथा सहयोगी क्षेत्रका अतिरिक्त देहायका तत्वलाई प्रमुख आधार लिइएको छ ।

१. संविधानका राज्यका नीति र मौलिक हक प्राप्त गर्न उच्च र दिगो आर्थिक वृद्धि आवश्यक रहेको ।
२. राजनीतिक तथा नीतिगत स्थिरता कायम भई आर्थिक समृद्धितर्फ उन्मुख अवस्था सिर्जना भएको ।
३. समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व कायम गरी सार्वजनिक, निजी, सहकारी र सामुदायिक क्षेत्रको लगानी वृद्धि गर्ने उपयुक्त वातावरण निर्माण भएको ।
४. जनसांख्यिक लाभ र प्राकृतिक स्रोत-साधनको महत्तम उपयोग गरिने ।
५. ज्ञान, सीप, पूँजी र प्रविधि तथा पूर्वाधार र ऊर्जा विकास गरी उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने ।
६. वि.सं. २०८७ सम्म दिगो विकास लक्ष्यहरू हासिल गर्ने राष्ट्रिय प्रतिबद्धता रहेको ।
७. विकास कार्यक्रमको कार्यान्वयनमा तीव्रता प्रदान गर्न आयोजना बैङ्क, आयोजना पूर्व तयारी र अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यलाई सुदृढ बनाइने ।
८. अनौपचारिक अर्थतन्त्रलाई क्रमशः औपचारिक र उत्पादनशील बनाइने ।
९. राष्ट्रिय प्रार्थमिकता प्राप्त क्षेत्रमा विदेशी लगानी आकर्षित गर्न आवश्यक सुधार र एकद्वार प्रणाली अपनाइने ।
१०. ज्ञानमा आधारित अर्थतन्त्र विकास गरी समृद्धि हासिल गर्ने ।

दीर्घकालीन सोचका प्रमुख परिमाणात्मक लक्ष्यहरू देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

| क्र.सं. | राष्ट्रिय लक्ष्य, गन्तव्य र सूचक                                        | एकाई          | आ.व. २०७४/७५ को यथार्थ | आ.व. २१००/०१ को लक्ष्य |
|---------|-------------------------------------------------------------------------|---------------|------------------------|------------------------|
| १.      | आर्थिक वृद्धिदर (औषत)                                                   | प्रतिशत       | ६.८                    | १०.५                   |
| २.      | कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि तथा वन क्षेत्रको योगदान                   | प्रतिशत       | २७.०                   | ९                      |
| ३.      | कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान                        | प्रतिशत       | १५.२                   | ३०                     |
| ४       | कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा सेवा क्षेत्रको योगदान                          | प्रतिशत       | ५७.८                   | ६१                     |
| ५.      | प्रतिव्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय                                           | अमेरिकी डलर   | १०४७                   | १२,१००                 |
| ६.      | गरिबीको रेखामुनी रहेको जनसंख्या (निरपेक्ष गरिबी)                        | प्रतिशत       | १८.७                   | ०                      |
| ७.      | बहुआयामिक गरिबीमा रहेको जनसंख्या                                        | प्रतिशत       | २८.६                   | ३                      |
| ८.      | आम्दानीमा माथिल्लो १० र तल्लो ४० प्रतिशत जनसंख्याको अनुपात (Plamaratio) | अनुपात        | १.३                    | १.१                    |
| ९.      | सम्पत्तिमा आधारित जिनी गुणक (Gini Coefficient)                          | गुणक          | ०.३१                   | ०.२५                   |
| १०.     | श्रम सहभागिता दर (१५ वर्ष माथि)                                         | प्रतिशत       | ३८.५                   | ७२                     |
| ११.     | बेरोजगारी दर                                                            | प्रतिशत       | ११.४                   | ३                      |
| १२.     | रोजगारीमा औपचारिक क्षेत्रको हिस्सा                                      | प्रतिशत       | ३६.५                   | ७०                     |
| १३.     | जलविद्युत तथा नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन (जडित क्षमता)                      | मेगावाट       | १,०७४                  | ४०,०००                 |
| १४.     | विद्युतमा पहुँच प्राप्त परिवार                                          | प्रतिशत       | ९०.७                   | १००                    |
| १५.     | प्रतिव्यक्ति विद्युत उपभोग                                              | किलोवाट घण्टा | १९७                    | ३,५००                  |
| १६.     | ३० मिनेटसम्मको दुरीमा यातायात पहुँच भएको परिवार                         | प्रतिशत       | ७८.९                   | ९९                     |
| १७.     | राष्ट्रिय र प्रादेशिक लोकमार्ग                                          | कि.मि.        | ६,९७९                  | ३३,०००                 |
| १८.     | द्रुत मार्ग (भूमिगत मार्गसमेत)                                          | कि.मि.        | ०                      | २,०००                  |
| १९.     | रेलमार्ग                                                                | कि.मि.        | ४२                     | २,२००                  |
| २०.     | इन्टरनेट प्रयोगकर्ता कुल जनसंख्या                                       | प्रतिशत       | ५५.४                   | १००                    |
| २१.     | अपेक्षित आयु (जन्म हुँदाको)                                             | वर्ष          | ६९.७                   | ८०                     |
| २२.     | मातृ मृत्युदर (प्रति लाख जीवित जन्ममा)                                  | जना           | २३९                    | २०                     |
| २३.     | पाँच वर्ष मुनीको बाल मृत्युदर (प्रति हजार जीवित जन्ममा)                 | जना           | ३९                     | ८                      |

| क्र.सं. | राष्ट्रिय लक्ष्य, गन्तव्य र सूचक                  | एकाई    | आ.व. २०७४/७५ को यथार्थ | आ.व. २१००/०१ को लक्ष्य |
|---------|---------------------------------------------------|---------|------------------------|------------------------|
| २४.     | ४ वर्ष मुनीका कमतौल भएका बालबालिका                | प्रतिशत | २७                     | २                      |
| २५.     | साक्षरता दर (१५ वर्ष माथि)                        | प्रतिशत | ५८                     | ९८                     |
| २६.     | माध्यमिक तह (९-१२) मा खुद भर्नादर                 | प्रतिशत | ४३.९                   | ९५                     |
| २७.     | उच्च शिक्षामा कुल भर्नादर                         | प्रतिशत | ९.५                    | ४०                     |
| २८.     | उच्च मध्यम स्तरको खानेपानी सुविधा पुगेको जनसंख्या | प्रतिशत | २०                     | ९५                     |
| २९.     | आधारभूत सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध जनसंख्या          | प्रतिशत | १७                     | १००                    |
| ३०.     | लैङ्गिक विकास सूचकांक                             | सूचकांक | ०.९२५                  | १                      |
| ३१.     | मानव विकास सूचकांक                                | सूचकांक | ०.५७४                  | ०.७६०                  |

स्रोत: १. राष्ट्रिय लेखा, आ.व. २०७५/७६, २. बहुआयामिक गरिबीको प्रतिवेदन २०१८, ३. नेपाल जनसांख्यिक तथा स्वास्थ्य सर्वेक्षण-२०१६, ४. राष्ट्रिय जनगणना, २०६८, ५. मानव विकास प्रतिवेदन २०१८

नोट: (क) दीर्घकालीन सोचको मार्गचित्र र रणनीति, २५ वर्षमा नेपाल उच्च आय भएको मुलुकको स्तरमा पुग्ने लक्ष्य र अन्य देशहरूको विकासको अनुभवका आधारमा प्रारम्भिक अनुमान गरिएको छ ।

(ख) शून्य प्रतिशत गरिबीले १ प्रतिशत भन्दा कम गरिबी रहेको अवस्थामा बुझाउँछ ।

(ग) आगामी योजनाहरू तर्जुमा गर्दा माथि उल्लेखित लक्ष्यहरू समयानुकूल पुनरावलोकन गरिने छन् ।

#### (ख) सोह्र योजना (२०८१/८२-२०८५/८६)

विगतको १५ औं योजनाको अवधि आर्थिक वर्ष २०८०/८१ मा समाप्ती भए सँगै नेपाल सरकारले आ.व. २०८१/८२ देखि सोह्र योजना लागु गरेको छ । “सुशासन, सामाजिक न्याय र समृद्धि” को सोच सहित सोह्र पञ्चवर्षीय आर्थिक योजना (२०८१/०८२ - २०८५/०८६) तयार गरिएको छ जस्लाई अन्तीम रूप दिई कार्यान्वयन प्रकृत्यामा लगिदैछ । “समृद्ध नेपाल, सुखी नेपाली” को दीर्घकालीन सोच सहित मुलुकलाई वि.सं. २१०० सम्ममा सम्मुनत राष्ट्रको स्तरमा पुऱ्याउने, विकासशील र मध्यम आय भएको देशमा स्तरोन्नति गर्ने र दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्ने कार्यक्रम सहित शुरुआत गरिएको १५ औं योजनाको दीर्घकालीन सोचलाई यो योजनाले पनि निरन्तरता दिनेछ ।

सोह्र योजनाको सोच “सुशासन, सामाजिक न्याय र समृद्धि” रहेको छ भने उद्देश्यहरू निम्न तिन रहेका छन् :

१. राजनीतिक, प्रशासनिक, न्यायिक निजी तथा गैर सरकारी क्षेत्रमा सुशासन कायम गर्नु,
२. स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगारी, आवास, सुरक्षा तथा सार्वजनिक सेवा प्रवाहमा सामाजिक न्याय स्थापित गर्नु,
३. मानवीय जीवन र राष्ट्रिय अर्थतन्त्रमा समृद्धि हासिल गर्नु ।

**समष्टिगत रणनीति :** यो योजनाले निम्न चार समष्टिगत रणनीति तय गरेको छ :

१. विकासका सबै क्षेत्र तथा आयाममा देखिएका संरचनागत अवरोधहरूको पहिचान, सम्बोधन र निराकरण गर्दै उत्पादन, उत्पादकत्व तथा प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता अभिवृद्धि गर्ने ।

२. संघ, प्रदेश र स्थानीय तीनै तह तथा सरकारी, निजी, सहकारी र गैरसरकारी क्षेत्र एवं विकास साँभेदार बिचको अन्तरसम्बन्ध र कार्यात्मक क्षमतालाई मजबुत तुल्याउँदै दिगो विकास योजना कार्यान्वयन गर्ने ।
३. विकासका सबै क्षेत्र तथा आयाममा लैङ्गिक मूलप्रवाहीकरण, आधुनिक प्रविधिको प्रयोग, वातावरण संरक्षण र विपद् जोखिम न्यूनीकरणलाई आन्तरिकीकरण गर्ने ।
४. अध्ययन, अनुसन्धान तथा तथ्य र प्रमाणमा आधारित नीति निर्माण एवं विकासका कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्ने ।

**संरचनात्मक रूपान्तरणका प्रमुख क्षेत्रहरू:** यसले निम्न प्रमुख क्षेत्रहरूलाई संरचनात्मक रूपान्तरणका क्षेत्रहरूको रूपमा उल्लेख गरेको छ ।

१. समष्टिगत आर्थिक आधारहरूको सबलीकरण र उच्च आर्थिक वृद्धि
२. उत्पादन, उत्पादकत्व तथा प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता अभिवृद्धि
३. उत्पादनशील रोजगारी, मर्यादित श्रम र दिगो सामाजिक सुरक्षा
४. स्वस्थ, शिक्षित र सीपयुक्त मानव पूँजी निर्माण
५. गुणस्तरीय भौतिक पूर्वाधार विकास एवं सघन अन्तर-आबद्धता
६. योजनाबद्ध, दिगो र उत्थानशील सहकारीकरण तथा बस्ती विकास
७. लैङ्गिक समानता, सामाजिक न्याय तथा समावेशी समाज
८. प्रादेशिक तथा स्थानीय अर्थतन्त्रको सुदृढीकरण र सन्तुलित विकास
९. गरिबी तथा असमानता न्यूनीकरण र समतामूलक समाज निर्माण
१०. प्रभावकारी वित्त व्यवस्थापन तथा पूँजीगत खर्च क्षमता वृद्धि
११. शासकीय सुधार तथा सुशासन प्रवर्द्धन
१२. जैविक विविधता, जलवायु परिवर्तन र हरित अर्थतन्त्र
१३. अतिकम विकसित मुलुकबाट सहज स्तरोन्नति तथा दिगो विकास लक्ष्य कार्यान्वयन ।

**सोह्रौँ योजनाको समृद्धिका राष्ट्रिय लक्ष्यहरू**

| क्र.सं. | सूचक                                             | एकाइ        | २०७९/८० को स्थिति | २०८५/८६ को लक्ष्य |
|---------|--------------------------------------------------|-------------|-------------------|-------------------|
| १.      | आर्थिक वृद्धिदर                                  | प्रतिशत     | ३.५               | ७.३               |
| २.      | प्रतिव्यक्ति आय                                  | अमेरिकन डलर | १४५६              | २३५१              |
| ३.      | गरिबीको रेखामुनी रहेको जनसंख्या (निरपेक्ष गरिबी) | प्रतिशत     | २०.३              | १२.०              |
| ४.      | उपभोक्ता मुद्रास्फीति                            | प्रतिशत     | ७.७               | ५.०               |
| ५.      | मानव विकास सूचकांक                               | सूचकांक     | ०.६०१             | ०.६५०             |
| ६.      | मानव सम्पत्ति सूचकांक                            | सूचकांक     | ७३.६              | ७८.०              |
| ७.      | आर्थिक तथा वातावरणीय जोखिम सूचकांक               | सूचकांक     | २९.७              | २४.०              |

| क्र.सं. | सूचक                                                         | एकाइ                | २०७९/८० को स्थिति | २०८५/८६ को लक्ष्य |
|---------|--------------------------------------------------------------|---------------------|-------------------|-------------------|
| ८.      | अपेक्षित आयु (जन्म हुँदाको)                                  | वर्ष                | ७९.३              | ७३.०              |
| ९.      | ३० मिनेटको दूरीमा स्वास्थ्य संस्थामा पहुँच भएको परिवार       | प्रतिशत             | ७७                | ९०                |
| १०.     | उच्च मध्यमस्तरको खानेपानीमा पहुँच भएको घरपरिवार              | प्रतिशत             | २५.८              | ४५                |
| ११.     | साक्षरता दर (५ वर्ष माथि)                                    | प्रतिशत             | ७६.२              | ८५.०              |
| १२.     | बेरोजगारी दर                                                 | प्रतिशत             | ११.४              | ५.०               |
| १३.     | श्रम उत्पादकत्व                                              | रु. हजारमा          | २४५               | २७५               |
| १४.     | सडक घनत्व                                                    | प्रति व.कि.मि.      | ०.६३              | ०.७७              |
| १५.     | विद्युत् उत्पादन (जलविद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा जडित क्षमता) | मेगावाट             | २९६२              | ११,७६९            |
| १६.     | प्रतिव्यक्ति विद्युत् उपभोग                                  | किलोवाट प्रति घण्टा | ३८०               | ७००               |
| १७.     | विद्युत्मा पहुँच पुगेको जनसंख्या                             | प्रतिशत             | ९६.७              | १००               |
| १८.     | इन्टरनेटमा पहुँच पुगेको जनसंख्या                             | प्रतिशत             | ६९.२              | ९०.०              |
| १९.     | कृषि वस्तुको औसत उत्पादकत्व (प्रमुख वाली)                    | मे.ट. प्रतिहेक्टर   | ३.३               | ३.७               |
| २०.     | वैङ्ग तथा वित्तीय संस्थामा पहुँच पुगेको परिवार               | प्रतिशत             | ६३                | ८५                |

श्रोत: रा.यो.आ.

योजनाको अन्तिम वर्ष सम्ममा मुलुकको आर्थिक वृद्धिदर ७.३ प्रतिशत लक्ष्य सहित अगाडी सारिएको यो योजनाले प्रतिव्यक्ति आय दुई हजार तीन सय ५१ अमेरिकी डलर पुर्‍याउने र गरिवीको रेखामुनी रहेको जनसंख्या (निरपेक्ष गरिवी) २०.३ प्रतिशतबाट १२ प्रतिशतमा झर्ने लक्ष्य राखेको छ। साक्षरता दर ७६.२ बाट ८५ प्रतिशत पुर्‍याउने लक्ष्य रहेको छ। सोही योजना कार्यान्वयन गर्नका लागि अनुमानित लगानी करिब रु. एक सय ११ खर्च लाग्ने अनुमान गरिएको छ भने आर्थिक वर्ष २०८५/८६ सम्म नेपालको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (जीडीपी) १ सय खर्ब रुपैयाँ भन्दा माथि पुर्‍याउने लक्ष्य राखेको छ। यसरी सोही योजनाले केही महत्वकांक्षी लक्ष्य राखेको देखिएपनि राजनीतिक स्थिरता भएमा यसले उक्त लक्ष्य हासिल गर्न सक्ने देखिन्छ।

#### (ग बागमती प्रदेशको आवधिक योजना (२०८१/८२-२०८५/८६))

राज्यको पूर्णसंरचना पश्चात् कायम भएको संघीय शासन प्रणाली अन्तर्गत हाल यो प्रदेश साविकको जनकपुर अञ्चलका ३ जिल्ला (दोलखा, रामेछाप र सिन्धुली) बागमती अञ्चलका ८ जिल्ला (रसुवा, नुवाकोट, धादिङ, सिन्धुपाल्चोक, काभ्रेपलाञ्चोक, भक्तपुर, ललितपुर र काठमाडौँ) तथा नारायणी अञ्चलका २ जिल्ला (मकवानपुर र चितवन) समेटी कायम गरिएको छ। मन्दिरै मन्दिरको सहरको रूपमा परिचित काठमाडौँ, विश्वसम्पदा सूचीमा सूचीकृत नेपालका १० वटा गन्तव्य मध्ये ८ वटा सम्पदा (हनुमान ढोका दरबार क्षेत्र, पाटन दरबार क्षेत्र, भक्तपुर दरबार क्षेत्र, चाँगुनारायण मन्दिर, पशुपतिनाथ मन्दिर क्षेत्र, स्वयम्भुनाथ स्तुपा, बौद्धनाथ महाचैत्य र चितवन राष्ट्रिय निकुञ्ज) यसै प्रदेशमा रहेका छन्। यस प्रदेशमा ५ हजार मिटरभन्दा माथिका ६१ वटा हिमचुचुराहरू पर्दछन्। रसुवा जिल्लाको ७२४५ मिटरको उचाईमा रहेको लाङ्टाङ्ग लिखुड हिमाल प्रदेशको सबै भन्दा अग्लो हिमालको रूपमा

रहेको छ। यस पृष्ठभूमिमा बागमती प्रदेश अन्तर्गत रहेको यस गाउँपालिकामा प्रदेशले तय गरेका विकासका लक्ष्यहरूसँग गाउँपालिकाका लक्ष्यहरूको तादात्म्यता मिलाउनु आवश्यक रहेको छ।

### प्रदेशको दीर्घकालीन सोच

#### “बागमती प्रदेशको रूपान्तरण: आर्थिक समृद्धि र समतामूलक समाज”

#### प्रदेशको समष्टिगत लक्ष्य

“सुशासन अभिवृद्धि गर्दै समृद्ध तथा समतामूलक प्रदेश निर्माण गर्ने”

#### प्रदेशको दीर्घकालीन परिमाणात्मक लक्ष्य

यस योजनामा ५ वर्षभित्र देहाय बमोजिम उपलब्धि हासिल गर्ने गरी परिमाणात्मक लक्ष्य निर्धारण गरिएको छ जुन तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

तालिका नं. १: प्रदेशको दीर्घकालीन प्रमुख परिमाणात्मक लक्ष्य

| राष्ट्रिय लक्ष्य, गन्तव्य र सूचक                              | आ.व. २०८०/८१ | आ.व. २०८५/८६ |
|---------------------------------------------------------------|--------------|--------------|
| प्रादेशिक आर्थिक वृद्धि दर प्रतिशत                            | ३.६३         | ६.४          |
| समग्र गरिबी दर प्रतिशत                                        | १२.६         | ७.६          |
| आयमा असमानता सूचकाङ्क (Gini-Coefficient)                      |              |              |
| कूल गाहस्थ्य उत्पादन                                          | २०७४.४       | ३१३५.०       |
| गैह्र कृषि क्रियाकलापहरूको योगदान प्रतिशत                     | ५८           | ६५           |
| प्रति व्यक्ति आय (अमेरिकी डलर)                                | २४८४         | ३५८०         |
| औसत आयु वर्ष (जन्म हुँदाको बखत)                               | ७२.४         | ७६           |
| ५ वर्ष मृतिका बाल मृत्यु दर (प्रति हजार जिवित जन्म)           | २४           | २०           |
| खानेपानी सुविधा पगेका घरपरिवार (प्रतिशत)                      | ९९.९५        | १००          |
| साक्षरता दर (प्रतिशत)                                         | ८२.१         | १००          |
| शौचालय सुविधा (प्रतिशत)                                       |              |              |
| सिँचाई योग्य क्षेत्रमा दिगो र भरपर्दो सिँचाई सुविधा (प्रतिशत) | ४४.६२        | ५०           |
| स्थानीय तहको केन्द्रसम्म सडक पहुँच नपुगेको                    | १            | ०            |
| स्थानीय तहको केन्द्रसम्म सडक पहुँच पुगेको तर पक्की सडक नभएको  | ३२           | ०            |
| प्रादेशिक सडक (कालोपत्रे दुईलेन)                              | ९६३          | २०००         |
| नवजात शिशु मृत्युदर (संख्या)                                  | १७           | १२           |
| स्वास्थ्य बीमामा आवद्ध जनसंख्या (प्रतिशत)                     | ३०           | ८०           |

### उद्देश्य

उपरोक्त लक्ष्य हासिल गर्न योजनाले निम्नलिखित उद्देश्यहरू राखेको छ।

१. प्रदेशलाई प्रमुख कृषिजन्य वस्तु र औद्योगिक उत्पादनमा स्वनिर्भर बनाउने।
२. उच्च तथा दिगो आर्थिक वृद्धि र रोजगारीका अवसरमा व्यापक विस्तार गर्ने।

३. आर्थिक तथा सामाजिक विकासमा पछाडि परेका जिल्लाहरू तथा मानव विकास सूचकाङ्कमा अति पछाडि परेका गाउँपालिकाहरूको अन्तरनिहितको आर्थिक उपयोग गर्ने र पूर्वाधार तथा आधारभूत सेवा पुर्याउने ।
४. मानव संसाधन योजनामार्फत भविष्यमा प्रदेशका लागि आवश्यक पर्ने विविध सीप र दक्षता भएका मानव संसाधनको प्रक्षेपण गरी सोही अनुसार प्राविधिक तथा अन्य जनशक्ति उत्पादन गर्ने शैक्षिक प्रणाली विकास गर्ने ।
५. गुणस्तरीय स्वास्थ्य प्रणालीको विकास र विस्तार गर्दै आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा सबैको पहुँच सुनिश्चित गर्ने ।
६. मूर्त तथा अमूर्त मौलिक कला, संस्कृति तथा सम्पदाको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्ने ।
७. भौतिक पूर्वाधारलाई व्यवस्थित र गुणस्तरीय बनाउने तथा सडकसँग जोडिएका क्षेत्रमा कृषि उत्पादन, फलफुल र तरकारी उत्पादन र उद्योग व्यवसायका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने ।
८. पहाडी तथा दुर्गम क्षेत्रहरूमा छरिएर रहेका घरपरिवारलाई एकीकृत बस्ती विकास गरी स्थानान्तरण गर्ने तथा बसाइँसराइलाई निरुत्साहित गर्ने ।
९. अतिविपन्न तथा सीमान्तकृत वर्ग र लोपोन्मुख समुदायका नागरिकको संरक्षण, उत्थान, सशक्तिकरण र विकासका लागि शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगारी, खाद्यान्न र सामाजिक सुरक्षाका लागि सबल आधार तयार गर्ने ।
१०. उपलब्ध साधन स्रोतको निपुणतम उपयोगका लागि सबै सरकारी निकायहरूमा सुशासन अभिवृद्धि गर्ने ।
११. लैङ्गिक समता र सामाजिक समावेशीकरण तथा दलित, बालबालिका, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र ज्येष्ठ नागरिकको हक अधिकार सुनिश्चित गर्ने ।
१२. विकास निर्माणका योजना तर्जुमा गर्दाकै चरणमा विपद् प्रतिकार्य, वातावरण संरक्षण, जलवायु अनुकूलन आदिलाई केन्द्रमा राख्ने ।

### समग्र रणनीतिहरू

आवधिक योजनाका लक्ष्यहरू हासिल गर्न देहायका रणनीतिहरू अपनाइनेछ :

- आर्थिक वृद्धिको लागि उत्पादनमूलक तथा सेवा क्षेत्रहरू जस्तै: कृषि, उद्योग, पर्यटन आदि क्षेत्रमा रूपान्तरणकारी परिवर्तन ल्याउने ।
- भौतिक पूर्वाधारको विकास मार्फत उत्पादन वृद्धि तथा आपूर्ति प्रणालीको सुदृढीकरण गर्ने ।
- मुलुकलाई आवश्यक दक्ष जनशक्ति तयार गर्न शिक्षा प्रणालीको संरचनामा परिवर्तन गर्ने ।
- गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवामा सबैको सहज पहुँच सुनिश्चित गर्ने ।
- लक्षित वर्ग, समूह, भूगोल, केन्द्रित आर्थिक सामाजिक सशक्तिकरणका ठोस कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने ।
- सार्वजनिक निर्माण तथा सेवा प्रवाहमा संस्थागत सुशासन अभिवृद्धि गर्ने ।
- अव्यवस्थित शहर र बसोबास व्यवस्थित र उत्थानशील बनाउने ।
- विकास अभियानमा विपद् प्रतिकार्य, वातावरणमैत्री, जलवायु अनुकूलनको सुनिश्चितता गर्ने ।
- विकास निर्माण तथा सेवा प्रवाहमा संघ, प्रदेश तथा स्थानीय तहबिच समन्वय र सहकार्य गर्ने ।

### १.३.४ दिगो विकासका लक्ष्यहरू

सन् २०१५ मा संयुक्त राष्ट्र संघमा आवद्ध सम्पूर्ण राष्ट्रहरूद्वारा अनुमोदन गरी समग्र विश्व र मानव जातिको दीर्घकालीन सुरक्षा, सुख र समृद्धिका लागि तय गरिएका साभ्ता वैश्विक लक्ष्यहरूलाई दिगो विकास लक्ष्य भनिन्छ । संसारभरका सबै मुलुकले सन् २०३० सम्म यी लक्ष्यहरू हासिल गर्नुपर्नेछ । नेपालले समेत अनुमोदन गरेका यी लक्ष्यहरू नेपालका योजना तथा विकासका उद्देश्यहरू हासिल गर्न अति सान्दर्भिक छन् । तसर्थ तल उल्लेखित यी लक्ष्यहरूलाई यो योजना तर्जुमाको आधार बनाइएको छ । कुल सत्रवटा लक्ष्यहरूमध्ये भू-परिवेष्ठित मुलुक भएकोले लक्ष्य १४ नेपालसँग प्रत्यक्ष सम्बन्धित छैन । यी लक्ष्यहरूका १६९ परिमाणात्मक लक्ष्यहरू र २३४ वटा विश्वव्यापी सूचकहरू थपेर कुल ४७९ सूचकहरू निर्धारण गरेकोले यस गाउँपालिकासँग सम्बन्धित लक्ष्य र सूचकहरूलाई समेत यो योजनाले समेट्ने र दिगो विकास लक्ष्यको स्थानीयकरण गर्ने प्रयास गरेको छ ।

#### दिगो विकासका लक्ष्यहरू

१. सबै ठाउँबाट सबै प्रकारका गरिबीको अन्त्य गर्ने ।
२. भोकमरीको अन्त्य गर्ने, खाद्य सुरक्षा तथा उन्नत पोषण सुनिश्चित गर्ने र दिगो कृषिको प्रवर्द्धन गर्ने ।
३. सबै उमेर समूहका व्यक्तिका लागि स्वस्थ जीवन सुनिश्चित गर्दै समृद्ध जीवन प्रवर्द्धन गर्ने ।
४. सबैका लागि समावेशी तथा समतामूलक गुणस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित गर्ने र जीवनपर्यन्त सिकाईका अवसरहरू प्रवर्द्धन गर्ने ।
५. लैङ्गिक समानता हासिल गर्ने र सबै महिला, किशोरी र बालबालिकालाई सशक्त बनाउने ।
६. सबैका लागि स्वच्छ पानी र सरसफाईको उपलब्धता तथा दिगो व्यवस्थापन सुनिश्चित गर्ने ।
७. सबैका लागि कृषायती, विश्वासनीय, दिगो र आधुनिक उर्जामा पहुँच सुनिश्चित गर्ने ।
८. भरपर्दो, समावेशी र दिगो अर्थिक वृद्धि तथा सबैका लागि पूर्ण र उत्पादनमूलक रोजगारी र मर्यादित कामको प्रवर्द्धन गर्ने ।
९. उत्पादनशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्द्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।
१०. मुलुकभित्र तथा मुलुकहरूविच असमानता घटाउने ।
११. शहर तथा मानव बसोबासलाई समावेशी, सुरक्षित, उत्पादनशील र दिगो बनाउने ।
१२. दिगो उपभोग र उत्पादन प्रणाली सुनिश्चित गर्ने ।
१३. जलवायु परिवर्तन र यसको प्रभाव नियन्त्रण गर्ने तत्काल पहल थाल्ने ।
१४. दिगो विकासका लागि महासागर, समुन्द्र र समुन्द्री साधन स्रोतहरूको दिगो प्रयोग तथा संरक्षण गर्ने ।
१५. स्थानीय पर्यावरणीयको संरक्षण, पुनर्स्थापना र दिगो उपयोगको प्रवर्द्धन गर्ने, वनको दिगो व्यवस्थापन गर्ने, मरुभूमीकरण र भूक्षय रोक्ने तथा जैविक विविधताको संरक्षण गर्ने ।
१६. दिगो विकासको लागि शान्तिपूर्ण र समावेशी समाजको प्रवर्द्धन गर्ने, सबैको न्यायमा पहुँच सुनिश्चित गर्ने र सबै तहमा प्रभावकारी, जवाफदेही र समावेशी संस्थाको स्थापना गर्ने ।
१७. दिगो विकासका लागि विश्वव्यापी साभ्फेदारी सशक्त बनाउने र कार्यान्वयनका लागि स्रोत साधन सुदृढ गर्ने ।

(राष्ट्रिय योजना आयोगद्वारा प्रकाशित दिगो विकास लक्ष्य स्थानीयकरण स्रोत पुस्तिकाका आधारमा दिगो विकास लक्ष्यहरूलाई गाउँपालिकाको विशिष्टतामा स्थानीयकरण गरिएको)

### १.३.५ राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक सरकारका मार्ग निर्देशनहरू

यस गाउँपालिकाको योजना निर्माणका दौरान नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकारले योजना तर्जुमा बजेट तर्जुमा तथा अनुगमन तथा मूल्याङ्कन व्यवस्था साथै आयोजनाको कार्यान्वयनका सन्दर्भमा पटक-पटक गर्ने मार्ग निर्देशनलाई समेत आधार मानी यो योजना निर्माण गरिएको छ ।

### १.३.६ अन्तराष्ट्रिय सन्धी सम्झौता तथा घोषणापत्रहरू

नेपाल सरकार पक्ष राष्ट्र भई अन्तराष्ट्रिय स्तरमा हस्ताक्षर तथा अनुमोदन गरिएका अन्य सान्दर्भिक घोषणा पत्र तथा सन्धी सम्झौताहरूको मर्महरूलाई समेत ध्यानमा राखिएको उदाहरणका लागि मानव अधिकार सम्बन्धी विश्वव्यापी घोषणा पत्र सन् १९४८, बाल अधिकार सम्बन्धी घोषणापत्र, विश्व संरक्षण नीति (World Conservation Strategies) आदि ।

### १.३.७ स्थानीय तहमा सहभागी राजनीतिक दलहरूको घोषणापत्रहरू

यो योजना निर्माणका दौरान यस गाउँपालिकामा रहेका राजनीतिक दलहरूले विभिन्न तहका चुनाव तथा अन्य समयमा गाउँपालिकावासीका माझ गरेका विकासका राजनीतिक प्रतिवद्धताहरूलाई समेत मध्यनजर गरी ती घोषणापत्रहरूका मर्मलाई एक वा अर्को तरिकाले सम्बोधन गर्ने प्रयत्न गरिएको छ ।

### १.३.८ गाउँपालिकाको विद्यमान वस्तुगत अवस्था

गाउँपालिकाको वस्तुगत अवस्था, स्थानीय आवश्यकता, समस्या र सम्भावनाहरू यस अन्तर्गत वडा भेला, स्थलगत अध्ययन तथा गाउँपालिका केन्द्रमा विभिन्न समयमा सम्पन्न अन्तरक्रिया तथा सरोकारवालारूबाट प्राप्त सुझावका आधारमा गाउँपालिकाको प्रमुख समस्या चुनौती, सम्भावना र आवश्यकता पहिचान गरी सो को SWOT विश्लेषण गरे पश्चात आवश्यक योजनाहरू निर्माण गरिएको हो ।

## १.४ योजना तर्जुमाका सीमाहरू

संघीय शासन प्रणाली अन्तर्गत स्थापना भएको स्थानीय सरकारको रूपमा रहेको यो गाउँपालिका देशका अन्य स्थानीय तहहरू जस्तै नयाँ अभ्यास र संघीय शासन प्रणाली कार्यान्वयनको प्रारम्भिक चरणमा नै रहेकाले योजना निर्माणका लागि आवश्यक पूर्ण आधारभूत सूचनाको कमी रहेको छ । कतिपय सूचनाहरू संकलन र प्रशोधन गर्न पर्याप्त बजेट, प्राविधिक तयारी र दक्ष जनशक्तिको आवश्यकता पर्ने र सोको तत्काल व्यवस्था गर्न सहज नभएको परिस्थितिमा उपलब्ध सूचना, समय र बजेटका केही सीमाहरू भित्र रहेर यो योजना तयार पारिएको हो । तसर्थ:

- दिगो विकास लगायत गाउँपालिकाले तय गरेका अन्य विकासका क्षेत्रहरूसँग सम्बन्धित परिमाणात्मक लक्ष्यहरूको आधार वर्षका तथ्याङ्कहरूको उपलब्धता तत्काल हुन नसकेको अवस्थामा सोको व्यवस्था भविष्यमा गर्न सके ती लक्ष्य पुनः निर्धारण गर्न सक्ने ।
- गाउँपालिकाद्वारा गर्नुपर्ने अत्यन्त आधारभूत सेवा प्रवाह जस्तै, पिउने पानी, खाद्यान्न, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सडक, सामाजिक सुरक्षा आदिका लागि तय गरिएका कार्यक्रमहरूमा तत्काल बजेटको अभाव हुने हुँदा वित्तीय सन्तुलनका हिसावले कतिपय कार्यक्रमका लागि तत्काल बजेट अभाव भए तापनि भविष्यमा बजेटको श्रोत पहिचान र व्यवस्था गर्ने हेतुले आयोजना बैङ्कमा अभिलेख रहने गरी भएपनि त्यस्ता कार्यक्रमहरूलाई अनिवार्यताका आधारमा प्रस्ताव गरिएको ।

## १.५ योजना तर्जुमा विधि र प्रक्रिया

यो योजना तयार गर्दा मुख्यतया राष्ट्रिय योजना आयोगद्वारा प्रकाशित स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन २०७८ र शहरी विकास विभागद्वारा प्रकाशित योजना मापदण्ड र मानक २०१५ (Planning Norms and

Standards 2015) लाई आधार मानिएको छ । दुवैका मार्गदर्शनका अलावा राष्ट्रिय, प्रादेशिक र स्थानीय तहमा योजना निर्माण गर्दा अवलम्बन गरिएका असल अभ्यासहरू समेत अनुशरण गरिएको छ । तसर्थ क्रमशः निम्न चरण पुरा गरी यो योजना तयार गरिएको छ ।

#### १. योजना तर्जुमा तयारी प्रारम्भिक छलफल, अभिमूखीकरण तथा कार्यशाला

गाउँ कार्यपालिकाका सम्पूर्ण पदाधिकारीहरू, विषयगत शाखाका प्रमुखहरू, स्थानीय राजनीतिक दलका अगुवाहरू, बुद्धिजीवी तथा सरोकारवालाहरूको सहभागितामा विज्ञहरूको समेत उपस्थितिमा समग्र योजना तयारीका प्राविधिक पक्षहरूको बारेमा बृहत छलफल र जिम्मेवारी बाँडफाँट गर्ने कार्य सम्पन्न गरियो ।

#### २. विकासको विद्यमान स्थिती र उपलब्धिको समीक्षा

विकास उपलब्धिको प्रगती विवरण, उपलब्ध सूचना तथा सहभागितामूलक छलफलका आधारमा गत योजनाको कार्यान्वयनबाट हासिल भएका उपलब्धिलाई विषय क्षेत्रगत रूपमा संक्षिप्त समीक्षा गरियो । यसरी समीक्षा गर्दा हासिल भएका उपलब्धिको विवरण गुणात्मक तथा परिमाणात्मक रूपमा उपलब्ध सूचनाको आधारमा पुष्टि हुने गरी प्रस्तुत गरियो ।

#### ३. स्थानीयस्तरमा गाउँपालिकाको समग्र वस्तुस्थिति अध्ययन विवरण संकलन तथा विश्लेषण

यसअन्तर्गत विज्ञ समूह तथा अध्ययनकर्ताको सहभागितामा प्रत्येक वडाको वस्तुस्थिति, मुख्य सम्भावना, अवसर र चुनौती पहिचान गर्ने हेतुले वडाध्यक्षको संयोजकत्वमा वडाका सम्पूर्ण सरोकारवाला सम्मिलित वडाभेला, छलफल र अन्तरक्रियामार्फत प्राथमिक तथा द्वितीय स्रोतबाट सूचना संकलन गरियो ।

#### ४. गाउँपालिकाको आधार नक्शा सम्बन्धी सूचना संकलन

विषय विज्ञद्वारा प्रत्येक वडाबाट भू-सूचना प्रणालीको प्रयोग गरी आधार नक्शा तयार गर्न आवश्यक भौतिक, आर्थिक, सामाजिक, वातावरण लगायत सम्पूर्ण भू-संकेत र सूचना संकलन गरियो ।

#### ५. वडा भेला मार्फत प्राप्त सूचनाहरूको संकलन तथा विश्लेषण

वडा भेला र अन्तरक्रियाबाट प्राप्त सूचनाहरूको तालिकीकरण, प्रशोधन पश्चात् समग्र वस्तुस्थितिको SWOT विश्लेषण गरी गाउँपालिकाका सबल पक्ष, दुर्बल पक्ष, सम्भावना र अवसरहरू पहिचान गर्ने कार्य सम्पन्न गरियो ।

#### ६. सोच, लक्ष्य, उद्देश्य र रणनीतिक कार्यक्रमहरूको समग्र मस्यौदा तयारी तथा प्राथमिकता निर्धारण

समग्र वस्तुस्थिति विश्लेषण पश्चात् राष्ट्रिय र प्रादेशिक लक्ष्य, योजना र उद्देश्यसँग तादाम्यता हुने गरी स्थानीय आवश्यकता सम्बोधन हुने गरी गाउँपालिकाको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य र रणनीतिक कार्यक्रमहरू सहितको मस्यौदा तयार गर्ने कार्य सम्पन्न गरियो ।

#### ७. विषय क्षेत्रगत योजना तर्जुमा

स्थानीय तहको वार्षिक योजना तथा बजेट तर्जुमा समितिको लागि गठित विषयगत योजना तर्जुमा समिति तथा सम्बन्धित विषय क्षेत्रका सरोकारवालासँगको सहभागितामा कार्यशाला गोष्ठी तथा परामर्श गरि विषय क्षेत्रगत योजनाको लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यनीति आयोजना तथा कार्यक्रम र सोको स्थानगत विवरण एवम् नतिजा खाका तयार गरि योजना तर्जुमा गरियो ।

#### ८. मस्यौदा योजना उपर सरोकारवालासँग अन्तरक्रिया छलफल तथा सुझाव संकलन

सम्पूर्ण सरोकारवाला तथा गाउँ कार्यपालिकाको सम्पूर्ण पदाधिकारीहरूको उपस्थितिमा योजना मस्यौदा उपर छलफल तथा अन्तरक्रिया गरे पश्चात् थप सल्लाह र सुझाव सहित परिमार्जनका लागि मस्यौदा पेश गरि वितरण गरियो ।

## ९. एकीकृत दस्तावेज तयारी संशोधन, परिमार्जन पश्चात अन्तिम योजना तयारी तथा स्वीकृति र प्रकाशन

मस्यौदा उपर छलफल तथा सुझाव संकलन पश्चात् योजनालाई विषय क्षेत्रगत हिसाबले एकीकृत गरि अन्तिम रूप दिएर गाउँ सभामार्फत् प्रक्रिया पुऱ्याई अनुमोदन गरी सर्वसाधारणका लागि प्रकाशन गर्ने निर्णय गाउँ कार्यपालिकाले गर्‍यो ।

## परिच्छेद - २: गाउँपालिकाको विकासको विद्यमान स्थिति र उपलब्धि समीक्षा

### २.१ गाउँपालिकाको परिचय

इच्छाकामना गाउँपालिका बागमती प्रदेश अन्तर्गत चितवन जिल्लाका ७ वटा स्थानीय तहहरू मध्येको एक मात्र गाउँपालिका हो । नेपालको संघीय शासन प्रणाली अन्तर्गत राज्य पुर्नसंरचनामा स्थानीय तहको नयाँ सिमाङ्कन गर्दा यो गाउँपालिका साविकका काउले, दारेचोक, चण्डीभञ्ज्याङ र दाहाखानी गा.वि.स. का सबै वडाहरूलाई समायोजन गरी मिति २०७३ साल फागुन २७ मा स्थापना भएको हो । यसको सिमानामा पूर्वमा धादिङ्ग जिल्ला, पश्चिममा तनहुँ जिल्ला र भरतपुर महानगरपालिका, उत्तरमा गोरखा जिल्ला र दक्षिणमा कालिका नगरपालिका पर्दछन् । वडा नं. ५ मा अवस्थित प्रसिद्ध धार्मिकस्थल इच्छाकामना मन्दिरको नामबाट यस गाउँपालिकाको नामाकरण गरिएको हो ।

#### २.१.१ भौगोलिक अवस्था, राजनीतिक र प्रशासनिक संरचना

##### क) भौगोलिक अवस्था

समुन्द्र सतह देखि ५०० मिटर देखि १५०० मिटर सम्मको उचाईमा रहेको यो गाउँपालिकाको कुल क्षेत्रफल १६६.७३ वर्ग कि.मि. रहेको छ । भौगोलिक रूपमा ८४°२९'३८.४२२" देखि ८४°४०'५२.५०६" पूर्वी देशान्तर र २७°४३'४९.६९५" देखि २७°५२'५०.८६८" उत्तरी अक्षांश सम्म फैलिएको यस गाउँपालिकाको पूर्वमा धादिङ्ग जिल्ला, पश्चिममा तनहुँ जिल्ला र भरतपुर महानगरपालिका, उत्तरमा गोरखा जिल्ला र दक्षिणमा कालिका नगरपालिकासँग सिमाना जोडिएको छ । ७ वटा वडाहरूमा विभाजित यस गाउँपालिकाको खोला नदी किनार एवं बेशी क्षेत्रमा बलौटे दोमट र पाँगो माटो पाइन्छ भने पहाडी भू-भागमा चट्टान युक्त तथा रातो माटो पाइन्छ । यहाँ समशितोष्ण प्रकारको हावापानीको प्रधानता रहेको छ भने यहाँ वार्षिक औषत वर्षा १३८ मिलिलिटर हुने गर्दछ । यहाँको तापक्रम न्यूनतम १ डिग्री सेल्सियस देखि उच्चतम ३४ डिग्री सेल्सियस सम्म पुग्ने गर्दछ ।

##### भू-उपयोगको वितरण

भूमि महत्वपूर्ण प्राकृतिक साधन हो । आर्थिक विकासको लागि यसको समुचित उपयोग गर्नु पर्दछ । भूमिलाई कृषि, आवास, सडक, पिउने पानी, सिँचाई, विद्युत तथा उर्जा, सूचना तथा सञ्चार आदिको प्रबन्धको लागि प्रयोग गर्ने गरिन्छ । यस खण्डमा विशेष गरी गाउँपालिकाको भू-उपयोग र भू-आवरणको वस्तुगत चित्रण गरिएको छ ।

तालिका नं. २: गाउँपालिकाको भू-उपयोगको विवरण

| भू-उपयोगका क्षेत्र     | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि.) | क्षेत्रफल प्रतिशतमा |
|------------------------|-------------------------|---------------------|
| जल क्षेत्र             | १.४४                    | ०.८७                |
| वन क्षेत्र             | १०७.९७                  | ६४.७०               |
| बस्ती तथा आवास क्षेत्र | २.०७                    | १.२४                |
| कृषि क्षेत्र           | ५५.२८                   | ३३.१२               |
| बाँझो जमिन             | ०.०७                    | ०.०७                |
| <b>जम्मा</b>           | <b>१६६.७३</b>           | <b>१००</b>          |

स्रोत : GIS तथ्याङ्कमा आधारित

### माटोको वनावट (Soil Type)

नेपालको भौगर्भिक वनावट हिमालय पर्वत शृङ्खला निर्माण हुँदाताका भएको हो । हिमालय पर्वत शृङ्खलालाई सबैभन्दा कान्छो भौगर्भिक वनावट (New Fold Mountain) मानिन्छ । प्रकृतिमा लगातार घटिरहने प्रक्रियाहरू जस्तै-हुरीवतास, वर्षा, खडेरी, हावापानी परिवर्तन, पहिरो, वायुमण्डलीय चाप, हिमपात, भुईँचालो आदिका कारण भू-धरातलीय परिवर्तन भइरहेको हुन्छ । यसप्रकार भू-धरातलमा भइरहने निरन्तर परिवर्तनको प्रभाव यस गाउँपालिकाको भौगर्भिक संरचनामा पर्नु स्वभाविकै हो । यहाँ त्रिशुली नदी तथा अन्य खोलाको प्रत्यक्ष प्रभाव क्षेत्रमा रहेको माटोमा बालुवाको मात्रा बढी छ भने अन्य भागमा चिम्ट्याइलो किसिमको माटो पाइन्छ । प्राङ्गारिक पदार्थको मात्रा भने निरन्तर खेती भइरहेको क्षेत्रमा केही बढी छ भने बाँझो क्षेत्रमा क्रमशः घटिरहेको अवस्था छ ।

### जमिनको भिरालोपन (Slope)

यस गाउँपालिकाको भू-वनोटको स्थितिलाई हेर्दा १२<sup>०</sup> देखि ३०<sup>०</sup> सम्मको भिरालोपन ३८.४३ प्रतिशत जमिन देखिनुले बेशी तर्फका भू-भाग कम भिरालो र उचाई बढ्दै जाँदा भिरालोपन पनि सोही अनुपातमा बढ्दै गएको देखिन्छ । उच्च भू-भागलाई भू-क्षयीकरणबाट जोगाउन योजनाबद्ध विकास योजना कार्यान्वयन गर्नुपर्ने देखिन्छ । गाउँपालिकाको भिरालोपन सम्बन्धी विस्तृत विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ :

| भिरालोपन (डिग्रीमा)      | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि.) | क्षेत्रफल (प्रतिशत) |
|--------------------------|-------------------------|---------------------|
| ० डिग्री देखि १२ डिग्री  | १६.८८                   | १०.१२               |
| १२ डिग्री देखि २० डिग्री | १९.०४                   | ११.४२               |
| २० डिग्री देखि ३० डिग्री | ४५.०३                   | २७.०१               |
| ३० डिग्री देखि ४५ डिग्री | ७२.१४                   | ४३.२७               |
| ४५ डिग्री देखि ७० डिग्री | १३.६४                   | ८.१८                |
| <b>जम्मा</b>             | <b>१६६.७३</b>           | <b>१००</b>          |

स्रोत: GIS तथ्याङ्कमा आधारित

### जमिनको मोहडा (Aspect)

जमिनको भिरालोपन र मोहडा सामान्यतया एक अर्काका परिपूरक हुन्छन् । अर्थात् भिरालोपन विषम हुँदा मोहडामा पनि विषमता हुन्छ । पालिकाको मोहडाको वितरण निम्नानुसार रहेको छ ।

| मोहोडा        | क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि.) | क्षेत्रफल (प्रतिशत) |
|---------------|-------------------------|---------------------|
| समथर          | ०.०२                    | ०.०१                |
| उत्तरी        | २८.८०                   | १७.२७               |
| उत्तर-पूर्वी  | २१.६७                   | १३.००               |
| पूर्वी        | १७.९७                   | १०.७८               |
| दक्षिण-पूर्वी | १८.८८                   | ११.३२               |
| दक्षिणी       | १९.२०                   | ११.५१               |
| दक्षिण-पश्चिम | १९.०५                   | ११.४३               |
| पश्चिमी       | १७.६४                   | १०.५८               |
| उत्तर-पश्चिम  | २३.५२                   | १४.१०               |
| <b>जम्मा</b>  | <b>१६६.७३</b>           | <b>१००</b>          |

स्रोत: GIS तथ्याङ्कमा आधारित

## ख) राजनीतिक र प्रशासनिक संरचना

नेपाल सरकार (मन्त्रिपरिषद्) को मिति २०७१/०१/२५ को निर्णयानुसार गठित आयोगद्वारा २०७३ साल फाल्गुन २७ मा पूर्णसंरचना अनुरूप चितवन जिल्लाका साविकका दारेचोक, चण्डीभञ्ज्याङ, काउले र दाहाखानी गा.वि.स. का सबै वडाहरूलाई समायोजन गरी इच्छाकामना गाउँपालिका बनाइएको हो। यसरी समायोजन गरी बनाइएको यस गाउँपालिकामा ७ वटा वडाहरू रहेका छन्। वडागत विस्तृत विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

तालिका नं. ३: राजनीतिक र प्रशासनिक संरचना

| वडा नं. | समावेश गाविस/नगरपालिका               | जम्मा घरघुरी संख्या | जनसंख्या | औषत परिवार संख्या | लैङ्गिक अनुपात | हाल कायम भएको वडाको क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.) |
|---------|--------------------------------------|---------------------|----------|-------------------|----------------|---------------------------------------------|
| १       | काउले (१-४)                          | ७१६                 | ३७६९     | ५                 | १०२.०९         | १९.२७                                       |
| २       | काउले (५-९) र चण्डीभञ्ज्याङ (१-४)    | ६४९                 | ३४२७     | ५                 | ११४.५३         | ३७.४८                                       |
| ३       | दारेचोक (१,२,५-९)                    | ८५०                 | ३४६५     | ४                 | ९६.९९          | २१.२९                                       |
| ४       | चण्डीभञ्ज्याङ (५) र दारेचोक (३)      | १०७८                | ४२९०     | ४                 | १०३.९९         | ११.४६                                       |
| ५       | दारेचोक (४)                          | ९६३                 | ३९०२     | ४                 | १०३.८१         | १३.१४                                       |
| ६       | दाहाखानी (५,६) र चण्डीभञ्ज्याङ (६-९) | ७०९                 | ३३३०     | ५                 | १००.६          | ३१.४८                                       |
| ७       | दाहाखानी (१-४,७-९)                   | १३२७                | ५८७३     | ४                 | ९७.८४          | ३२.६१                                       |
| जम्मा   |                                      | ६२९२                | २८०५६    | ४                 | १०२.३२         | १६६.७३                                      |

स्रोत: गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र २०८१, तथा भू-सुचना प्रणालीमा आधारित स्थलगत तथ्याङ्क संकलन

### २.१.२ प्राकृतिक तथा साँस्कृतिक सम्पदा

यो गाउँपालिका प्रकृति प्रदत्त, वनजंगल, जैविक विविधताले भरिपूर्ण र पहाडी भू-भाग रहेको ऐतिहासिक, भौगोलिक, धार्मिक, सामाजिक, साँस्कृतिक हिसाबले सम्पन्न गाउँपालिका हो। प्रशस्त धार्मिक, साँस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा प्राकृतिक सम्पदाहरू रहेको यस क्षेत्र भित्र रहेका प्रसिद्ध धार्मिक स्थलहरूमा इच्छाकामना मन्दिर, सिराईचुली, उपरदाङगढी, कविलासपुरगढी, कानदाङगढी, चिसापानीगढी, देवीथान, दिङलाङ्ग, बालगौरी, पाथिभारा, शंखदेवी मन्दिर, भद्रकाली मन्दिर लगायत रहेका छन्। विशेष गरी यस क्षेत्रलाई ऐतिहासिक, धार्मिक पर्यटन, पर्यापर्यटन, र कृषि पर्यटनका हिसाबले विकास गर्न सकिन्छ।

गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँको जम्मा जनसंख्या २८,०५६ मध्ये १८,७६० अर्थात ६६.८७ प्रतिशत जनसंख्याले हिन्दु धर्म मान्दछन्, ५,००४ अर्थात १७.८४ प्रतिशत बौद्धमार्गी रहेका छन् भने क्रिश्चियन धर्म मान्नेहरू ३,८४३ अर्थात १३.७ प्रतिशत रहेका छन्। त्यसैगरी बोन धर्मावलम्बी २१९ अर्थात ०.७८ प्रतिशत रहेका छन्। यसका अलावा यहाँ इस्लाम, किराँत, प्रकृति धर्मावलम्बीहरूको बसोबास रहेकाले यहाँ होमस्टे र साँस्कृतिक पर्यटनको पनि व्यापक सम्भावना रहेको छ।

### २.१.३ जनसांख्यिक अवस्था

नेपालस्थित संयुक्त राष्ट्र संघीय जनसङ्ख्या कोष (UNFPA) का अनुसार सन् १९९५ देखि नेपालको जनसांख्यिक प्रवृत्तिमा सारभूत भिन्नताहरू देखापरेका छन्। यस प्रकारको भिन्नता देखापर्नुका पछाडि घट्दो जन्मदर र मृत्युदर,

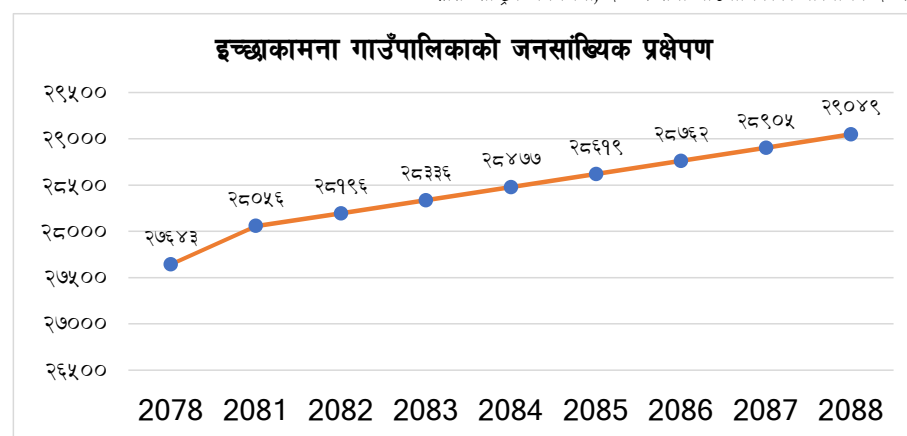
बढ्दो औसत आयु, पहिलो विवाह गर्दाको बढ्दो उमेर र शहर केन्द्रित तथा सुविधाहरू केन्द्रित बसाइँसराई मुख्य कारणहरू रहेको विश्लेषण छ। कम विकसित राष्ट्रको तहवाट मध्यम आय भएका मुलुकहरूको स्तरमा पुग्न राष्ट्रिय योजना आयोगले दिगो विकासका लक्ष्य अनुरूप राखेको परिमाणात्मक लक्ष्य हासिल गर्न जनसाङ्ख्यिक चरहरूमा सकारात्मक सङ्केतहरू देखापर्नु आवश्यक रहेको परिप्रेक्ष्यमा माथिको जनसाङ्ख्यिक विश्लेषण सकारात्मक दिशातर्फ नै उन्मुख देखिन्छ। केन्द्रिय तथ्याङ्क विभागले सन् २०१४ मा प्रकाशन गरेको Population Monograph of Nepal (Vol. 1) मा समेत सन् १९९१-२००१ को औसत जनसङ्ख्या वृद्धिदर २.२५% प्रतिशतबाट घटेर सन् २००१-२०११ मा १.३५ प्रतिशतमा कायम हुनुका पछाडि जनसाङ्ख्यिक चरहरू जस्तै: ठूलो सङ्ख्यामा युवाहरू विदेशिनु, जनचेतनामा भएको सकारात्मक परिवर्तन, एकात्मक परिवारको सङ्ख्यामा वृद्धि आदिलाई ठानेको छ। अर्कोतर्फ आन्तरिक बसाइँसराईको प्रवृत्तिलाई हेर्दा हिमाल र पहाडबाट तराईतर्फ र ग्रामीण भेगहरूबाट शहरी केन्द्रहरूतर्फ बसाइँसराई गर्ने र एकात्मक परिवारको सङ्ख्या बढ्दै गएको देखिन्छ। यस प्रकारको बसाइँसराईको प्रवृत्तिले गर्दा काठमाडौँ उपत्यका, तराई तथा देशका अन्य शहरी केन्द्रहरूमा जनसङ्ख्या वृद्धिको अत्यधिक चाप हुने र हिमाली तथा पहाडी जिल्लाहरू र विकट ग्रामीण क्षेत्रहरूमा जनसङ्ख्या वृद्धिदर ऋणात्मक समेत देखिन थालेको छ। यो प्रवृत्तिले निम्त्याएको अर्को पक्ष हो अनुपस्थित जनसङ्ख्या अर्थात् काम वा रोजगारीको सिलसिलामा ६ महिना वा सो भन्दा बढी समय आफ्नो मूल थलो छोडेर बाहिरिने जनसङ्ख्या सन् २००१ मा कुल ७,६२,१८१ हुँदा सन् २०११ को तथ्याङ्कमा १९,२१,४९४ देखिन्छ। यो क्रम पछिल्ला वर्षहरूमा थप वृद्धि भएको अनुमान गर्न सकिन्छ।

गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँको कुल जनसंख्या २८,०५६ रहेको छ। यसैगरी यहाँको कुल परिवार संख्या ६,२९२ रहेको छ। यहाँ सबैभन्दा धेरै ९,७१० अर्थात् ३४.६१ प्रतिशत चेपाङ/प्रजा, दोस्रोमा ७,१४८ अर्थात् २५.४८ प्रतिशत गुरुङ, तेस्रोमा मगर ३,६९२ अर्थात् १३.१६ प्रतिशत र चौथोमा क्षेत्री १,५५० अर्थात् ५.५२ प्रतिशत रहेका छन्। त्यसैगरी तामाङ, ब्राह्मण पहाड, घर्ती/भुजेल, नेवार, कामी लगायतका जातजातिहरूको बसोबास रहेको छ।

तालिका नं. ४: इच्छाकामना गाउँपालिकाको ५ वर्षको जनसंख्याको प्रवृत्ति विश्लेषण

| विवरण    | जनगणना अनुसारको जनसंख्या |       | औषत वार्षिक वृद्धिदर | प्रक्षेपित जनसंख्या |       |       |       |       |       |       |
|----------|--------------------------|-------|----------------------|---------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
|          | २०७८                     | २०८१  |                      | २०८२                | २०८३  | २०८४  | २०८५  | २०८६  | २०८७  | २०८८  |
| जनसंख्या | २७६४३                    | २८०५६ | ०.५०                 | २८१९६               | २८३३६ | २८४७७ | २८६१९ | २८७६२ | २८९०५ | २९०४९ |

स्रोत: राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ तथा गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र २०८१



विगतको जनसंख्याको वृद्धिदर विश्लेषण गर्दा आगामी दिनहरूमा यस गाउँपालिकाको जनसंख्यामा निरन्तर वृद्धि हुने अवस्था देखिन्छ। वि.सं. २०७८ को राष्ट्रिय जनगणना अनुसार यस गाउँपालिकामा कूल २७,६४३ जनसंख्या रहेकोमा २०८१ सालको घरघुरी संरक्षणको नतिजा अनुसार कूल २८,०५६ जनसंख्या रहेको छ। यस हिसाबले जनसंख्या वृद्धिदर ०.५० प्रतिशत हुन आउँछ। यही वृद्धिदरको प्रवृत्ति विश्लेषण गर्दा वि.सं. २०८८ साल सम्ममा हालका जनसाङ्ख्यिक चलहरूमा ठूलो परिवर्तन नभएमा जनसंख्या वृद्धि भई कूल २९,०४९ जनसंख्या हुने अनुमान गरिएको छ।

## २.२ आर्थिक विकासको अवस्था

### २.२.१ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा

गाउँपालिकाको अधिकांश भू-भाग पहाडी क्षेत्र एवं भिरालोपन भएतापनि यहाँको समृद्धिको प्रमुख संवाहक नै कृषि तथा पशुपालन क्षेत्र नै हुन्। यो गाउँपालिकाको ३३.१२ प्रतिशत भू-भाग कृषि क्षेत्रले ओगटेको छ। यहाँ विशेष गरी तरकारी खेती, अमिला जातका फलफूल खेती, मौरीपालन, फूल खेती, जडिबुटी खेती, बाँस तथा घाँस खेतीको प्रबल सम्भावना रहेको छ। पहाडी भू-भागमा सुन्तला तथा कागतीको राम्रो उत्पादन हुने गरेको छ। यहाँको पाखो बारी तथा वनजंगलमा तितेपाती, बाह्रदुसे, चिराइतो, सेतो जरा, पाँचऔले, भाजुरी, काजल, पाखनवेद, टिमुर, अमला, अदुवा, कुरिलो, बोभो, कुकुरदनी, बाजुरी, सिमल, गुर्जो, आकाशवेली, बाह्रदुसे, कुकुरतरुल, वेलवती, लालीगुराँस, कुकुरडाइनो, पानी अमला आदि जस्ता जडिबुटीहरूको उपलब्धता रहेको छ तथापी यसको व्यवसायिक उत्पादन र बजारीकरण भने हुन सकेको छैन।

यहाँका अधिकांश जनसंख्या कृषि पेशामा संलग्न रहेकाले गाउँपालिकाको दीर्घकालीन विकास र समृद्धिका लागि कृषि क्षेत्रलाई वैज्ञानिकीकरण र व्यवसायिकीकरण गर्न सकिने प्रबल सम्भावना रहेको छ। यसका साथै प्राकृतिक स्रोत साधन, जैविक विविधता तथा पर्यटनको दृष्टीले सम्पन्न भएसँगै विविध सामाजिक तथा सांस्कृतिक विशेषताहरू बोकेको क्षेत्र भएकाले पालिकालाई आर्थिक विकास र समृद्धिको सम्भावना उच्च छ।

### २.२.२ पर्यटन तथा साँस्कृति

इच्छाकामना ऐतिहासिक, भौगोलिक, धार्मिक, सामाजिक, साँस्कृतिक हिसाबले पर्यटकीय सम्भावना बोकेको गाउँपालिका हो। धार्मिक, साँस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा प्राकृतिक सम्पदाहरूमा इच्छाकामना मन्दिर, सिराईचुली, उपरदाङगढी, चिसापानीगढी, देवीथान, दिङलाङ्ग, बालगौरीपाथीभारा जस्ता ऐतिहासिक धार्मिक तथा प्राकृतिक सौन्दर्यता अवलोकन केन्द्रहरू रहेका छन्। यहाँ भिर, पहरा, छाँगा र छहराको संयोग, प्राकृतिक छटाले भरिपूर्ण जलविरे भरना (लामो भरना) रहेको छ। यहाँ निरन्तर बगिरहने त्रिशुली/नारायणी नदीमा च्याफ्टिड गर्न आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटक आउने गरेका छन्। यहाँ रहेका धार्मिक तथा ऐतिहासिक दृष्टिकोणले सम्पन्न स्थानहरूको संरक्षण र उत्थान गर्न सकेमा अझै बढी पर्यटकलाई आकर्षण गर्न सकिन्छ। विशेष गरी यो गाउँपालिकालाई धार्मिक तथा साँस्कृतिक पर्यटन, कृषि पर्यटन, पर्यापर्यटन र शैक्षिक पर्यटनका हिसाबले विकास गर्न सकिन्छ। यहाँ विगत लामो समयदेखि चेपाङ/प्रजा, गुरुङ, मगर, तामाङ, ब्राम्हण-पहाड, क्षेत्री, घर्ती/भुजेल, नेवार, विश्वकर्मा, परियार लगायतका जातजातीहरू बसोबास गर्दै आएका छन्। उनीहरूको पहिचान भल्किने आफ्नै मौलिक साँस्कृति, भेषभूषा र चाडपर्व रहेका छन्। प्राकृतिक सुन्दरताले भरिपूर्ण यस क्षेत्रमा पर्यटकहरूको बसाइँ लम्बाउन सक्ने गरी पूर्वाधार निर्माण हुन सके गाउँपालिकाको आर्थिक समृद्धिमा सघाउ पुग्ने सुनिश्चित छ। हाल यहाँ रहेका प्रमुख धार्मिक तथा पर्यटकीय स्थलहरूको विवरण देहाय बमोजिम रहेको छ।

तालिका नं. ५: गाउँपालिका भित्र रहेका प्रमुख धार्मिक तथा पर्यटकीय स्थलहरू

| वडा नं. | नाम                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
|---------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १       | सिराईचुली, देवीथान, दिङलाङ्ग, बुद्ध गुम्बा, चौकीडाँडा भूयर थान/राजभोग चर्च, मन कान्छी देवी, श्रुयार थान, सिराईचुली मन्दिर, शिव मन्दिर, कालिका मन्दिर, रानीवन, देवी मन्दिर                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
| २       | बालगौरी पाथिभरा मन्दिर, तल्लोकाउले कालिका मन्दिर, जुरेथुम राम लक्ष्मण हनुमान मन्दिर, भुलभुले मन्दिर, कालिका मन्दिर (तेवाङ्ग), कालिका मन्दिर (माथिल्लो काउले), अकला मन्दिर, रातोपार गुफा, वनभाक्री गुफा, कोटारी गुफा, सेतो पहरा गुफा, गलेश्वर बाबा ध्यान केन्द्र, चिसापानी टार पिकनिक स्थल, तिलक भर्ना, (हपनी, हुस्ती, दुर्माकिम) चर्च भवन                                                                                                                                                                        |
| ३       | गुम्बा, य्याफिटङ्ग, भूमेश्वर महादेव, देवीस्थान, जिपलाइन गुम्बा, य्याफिटङ्ग भण्डा पार्क, शिव मन्दिर, माइको मन्दिर, चौकी डाँडा, रुपलाङ्ग होमस्टे, भूमिस्थान, इच्छाकामना मन्दिर, भूयरस्थान मन्दिर, करङ्गे पहरा, बाल कुमार मन्दिर, गभै छाँगा, थानिमाई मन्दिर, देवीथान मन्दिर, नागदह, अकला मन्दिर, ताराखसे खेल मैदान                                                                                                                                                                                                  |
| ४       | वकुल्लहरी जलदेवी मन्दिर, सियोन मेथोसिन चर्च, इच्छाकामना मन्दिर, सिद्धबाबा स्थान, सोराथोक मन्दिर, चुली डाँडा, लहे देवी मन्दिर, महादेव मन्दिर, ग्रेस चर्च, अन्नपूर्ण मन्दिर, सिद्धथान मन्दिर                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
| ५       | इच्छाकामना मन्दिर, शंखदेवी मन्दिर, शान्ति संगम बौद्ध गुम्बा, थाकलडाँडा, गुप्तेश्वर महादेव मन्दिर, तमिन, सिद्धबाबा मन्दिर                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| ६       | जलबिरे भरना, भद्रकाली मन्दिर, य्याफिटङ्ग, गौरीखोला भरना, प्याराग्लाइडिङ्ग, सातकन्या मन्दिर, धनकालिका मन्दिर, सूर्यदेवी, बालकुमारी, जलबिरे लामो भरना, जलदेवी मन्दिर, याकराङ्ग गाउँ, कोहनो, सिद्धबाबा, सोखेसता, बुद्ध गुम्बा, सुनाचरी देवी, चण्डीभञ्ज्याङ्ग, मनकामना, मण्डली थान, औतारी थान, टुडिखेल (फलाङ्ग), चौविसे राज्यको दरबार, भद्रकाली मन्दिर, इच्छाकामना मन्दिर, दारेगोडा, मनकौरी, पन्थदेवी, फिसिङ्ग स्पट, ताल्लिखोला भरना, देवीमाता मन्दिर, मौला कालिका मन्दिर                                            |
| ७       | ऐतिहासिक उपरदाङ्गढी, लखन गुफा, चमेरे गुफा, कालिका सामुदायिक वन, अकलादेवी गुफा, थाक्लाङ्ग रिसोर्ट, चण्डीथान सामुदायिक वन, स्याङ्दी क्वाइबो गुम्बा, स्याङ्दी भरना, कोन्टे भरना, रानीखोला सामुदायिक वन, सिद्धिकालिका मन्दिर, सिमलढाप चर्च, गुठी, रापेताल मन्दिर, बालकुमारी माई मन्दिर, लखन गुफा, गुरुङ्ग गुम्बा, तामाङ गुम्बा, मगर गुम्बा, कालिखोला देउराली सामुदायिक वन, त्रिएक मुक्ति मण्डल, कालिखोला पोखरी, चिसापानी पोखरी, चेपुवा भरना, कालिका मन्दिर, देवीथान मन्दिर, कालिका मन्दिर, चर्तुमूखी माई, सिमाना माई |

स्रोत: वडागत छलफल, २०८१

### २.२.३ उद्योग, व्यापार व्यवसाय र आपूर्ति

गाउँपालिकाबाट प्राप्त तथ्याङ्क अनुसार यहाँ हाल ३६३ वटा कृषि तथा पशुपंक्षीसँग सम्बन्धित फर्म, १८ वटा उद्योग तथा व्यवसायहरू विधिवत रूपमा दर्ता भई सञ्चालनमा रहेका छन्। यहाँ विशेष गरी कृषि, पशु, फलफुल, तरकारी र जडिबुटीको उत्पादन, प्रशोधन र बजारीकरण सम्बन्धी उद्योगको सम्भावना रहेको छ। कृषि, पशुपंक्षी, माछा, फलफुल, तरकारी, जडिबुटी उत्पादनको लागि आवश्यक प्रविधि, सामग्री र वस्तु सेवा र स्थानीय उत्पादन बजारीकरण सम्बन्धी व्यापार व्यवसायमा पनि क्रमिक बृद्धि हुँदै गइरहेको छ। यहाँ उत्पादन हुने तरकारी, फलफुल लगायतका सामग्रीहरू संघीय राजधानी काठमाडौँ निर्यात हुने गरेको छ। यसैगरी यहाँको वडा नं. १ को भाराडमा चुनढुंगा खानी तथा सैरुलिडमा फलाम खानी, त्यसैगरी वडा नं. २ को धनुवाँसेमा चुनढुंगा खानी रहेको अनुमान

गरिएता पनि उचित उत्खनन हुन सकेको छैन । मोटरेबल बाटो समेत नपुगेको यी स्थानहरूमा उत्खनन तथा अध्ययनको कार्य पश्चात विद्युत उर्जा र सडक विस्तार गरी उद्योगहरू संचालन गर्न सके पालिकाको आर्थिक समृद्धिमा टेवा पुग्नेछ । यसका साथै पालिकाको वडा नं. ४ मा सोता घाटपानीमा प्रसस्त गिट्टी बालुवाहरू रहेको छ ।

तथापी गाउँपालिकामा भएका सबै उद्योगहरू सबल र विस्तार हुन भने सकेका छैनन् । यहाँ प्रशस्त कृषि तथा जडिबुटी जन्तु कच्चा पदार्थहरूको उत्पादन हुने हुँदा कृषिमा आधारित उद्योगहरूको राम्रो सम्भावना देखिन्छ । पालिकाका वडा केन्द्र लगायत आसपासका स्थानहरू पनि व्यापारिक केन्द्रको रूपमा क्रमशः विस्तार हुँदै गइरहेका छन् । गाउँपालिकामा रहेका व्यापारिक केन्द्रहरूको विवरण निम्नानुसार रहेको छ :

**तालिका नं. ६:** गाउँपालिकामा रहेका मुख्य व्यापारिक केन्द्रहरूको विवरण

| वडा नं. | मुख्य व्यापारिक क्षेत्रहरू                                                                   |
|---------|----------------------------------------------------------------------------------------------|
| १       | हात्तीवाड, चौकीडाँडा, ज्यानदाला, कालिङ, दिङलाङ, थाप्राङ, मेटराङ, कोलभञ्ज्याङ,                |
| २       | मायाटार, बल्याङ, तल्लो काउले, माथिल्लो काउले                                                 |
| ३       | कुरिनघाट, फिस्लिङ, चुर्मलिङटार, माझगाउँ                                                      |
| ४       | कुरिनटार, लेवाटार                                                                            |
| ५       | मुग्लिङ, शान्तिबजार, तामिन                                                                   |
| ६       | जलविरे, कालीखोला, पाँचकिलो, ढुङ्गे                                                           |
| ७       | सिमलढाप, पिपलटार, सुन्दरवस्ती, गर्दास (चर्तुमुखी), भाङभुङ्गे (सोमीगौडा), दाहाखानी, उपरदाङगढी |

स्रोत: वडागत छलफल, २०८१

## २.२.४ आम्दानी, रोजगारी र वित्तीय सेवा

औद्योगिक उत्पादन, कृषि उत्पादन तथा पर्यटकीय गन्तव्य स्थलका दृष्टिकोणले धेरै सम्भावना बोकेको यस गाउँपालिकामा विभिन्न क्षेत्रमा लगानी गर्न सक्ने, रोजगारी सिर्जना गर्न र आम्दानीका अवसरहरू सिर्जना गर्न सक्ने अवस्था विद्यमान रहेको छ । संघीय तथा प्रदेश राजधानी निकट रहेता पनि यहाको भौगोलिक अवस्थितीको कारण आवश्यक भौतिक तथा सामाजिक पूर्वाधारको अवस्था सन्तोषजनक रूपमा विस्तार हुन सकेको छैन । शिक्षा, स्वास्थ्य, गरिवी निवारण लगायतका सूचकहरू क्रमशः सुधारोन्मुख हुँदै आएको पाउन सकिन्छ । यहाँ विभिन्न आर्थिक र वित्तीय कारोबारहरू बैङ्किङ प्रणाली मार्फत हुने गरेको छ । आधुनिक अर्थ व्यवस्थामा आर्थिक कारोबार बैङ्किङ हुँदा त्यो व्यवस्थित र सहज हुन जान्छ । यसर्थ आधुनिक आर्थिक प्रणालीमा ग्रामीण जनताहरूको समेत बैङ्किङ सेवामा पहुँच विस्तार हुँदै गएको छ । यहाँ गरिमा विकास बैङ्क, एन आई एम बी बैङ्क लगायतका बैङ्कका शाखाहरूले वित्तीय सेवा प्रवाह गरिरहेका छन् ।

## २.२.५ सहकारी

यस गाउँपालिकामा हाल विधिवत रूपमा दर्ता भई २९ वटा सहकारी संस्थाहरू सञ्चालनमा रहेका छन् । यी संस्थाहरूमा अधिकांश ऋण तथा बचत सहकारीहरू रहेका छन् । सहकारी संस्थाहरू मुख्य गरी घना बस्ती भएका बजार केन्द्रहरूमा अवस्थित छन् । सहकारी संस्थासँग सम्बन्धी विस्तृत विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं. ७: सहकारी संस्था सम्बन्धी विवरण

| क्र.सं. | नाम                                                      | बडा नं. | प्रकार        |
|---------|----------------------------------------------------------|---------|---------------|
| १       | श्री सिराईचुली कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड                | १       | कृषि          |
| २       | श्री काउले वन कृषि सहकारी संस्था                         | २       | कृषि          |
| ३       | कुरिन बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड                   | ३       | बचत तथा ऋण    |
| ४       | जनजिविका बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड                |         | बचत तथा ऋण    |
| ५       | फिस्लिङ बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड                 |         | बचत तथा ऋण    |
| ६       | जलजला बहुउद्देश्यीय सहकारी संस्था लिमिटेड                |         |               |
| ७       | लेकाली बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड                  |         | बचत तथा ऋण    |
| ८       | लोकप्रिय बहुउद्देश्यीय सहकारी संस्था लिमिटेड             |         |               |
| ९       | सिलसिला महिला विकास तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड         | ४       | बचत तथा ऋण    |
| १०      | साना किसान कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड                    |         | कृषि          |
| ११      | घर आगन बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड                  |         | बचत तथा ऋण    |
| १२      | बकुलहरी वन कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड                    |         | कृषि          |
| १३      | लेवाटार बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड                 |         | बचत तथा ऋण    |
| १४      | लाफा बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड                    |         | बचत तथा ऋण    |
| १५      | छिमेकी कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड                        | ५       | कृषि          |
| १६      | सिद्ध बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड                   |         | बचत तथा ऋण    |
| १७      | बालगौरी कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड                       |         | बचत तथा ऋण    |
| १८      | मुग्लिन बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड                 |         | बचत तथा ऋण    |
| १९      | मुक्तिनाथ बहुउद्देश्यीय सहकारी संस्था लिमिटेड            |         | बहुउद्देश्यीय |
| २०      | सिर्जनशिल सामाजिक उद्यमी महिला सहकारी संस्था लि.         |         | महिला उद्यमी  |
| २१      | तामिन कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड                         |         | कृषि          |
| २२      | बुढीगण्डकी बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड              |         | बचत तथा ऋण    |
| २३      | जय किसान उपभोक्ता सहकारी संस्था लिमिटेड                  |         | उपभोक्ता      |
| २४      | कालिचण्डी कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड                     |         | कृषि          |
| २५      | जलदेवी कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड                        |         | कृषि          |
| २६      | चण्डीभञ्ज्याङ सामाजिक उद्यमी महिला सहकारी संस्था लिमिटेड |         |               |
| २७      | निर्धन विकास बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लिमिटेड            |         | बचत तथा ऋण    |
| २८      | नमुना कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड                         | ७       | कृषि          |
| २९      | खेतवारी कृषि सहकारी संस्था लिमिटेड                       |         |               |

स्रोत: वडागत छलफल, २०८१

## २.३ सामाजिक विकासको अवस्था

### २.३.१ स्वास्थ्य तथा पोषण

गाउँपालिकामा हाल सामान्यस्तरको स्वास्थ्य सेवाहरू यहाँ रहेका विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाहरू मार्फत प्रदान भइरहेको पाइन्छ भने जटिल स्वास्थ्य समस्याहरूको निदानका लागि भरतपुर तथा काठमाडौँ जस्ता ठूला शहरहरूमा जानुपर्ने बाध्यता रहेको छ । गाउँपालिकाको पछिल्लो तथ्याङ्क अनुसार हाल यहाँ ४ वटा स्वास्थ्य चौकी, ४ वटा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र, ३ वटा सामुदायिक स्वास्थ्य इकाई सहित १ वटा आधारभूत अस्पताल संचालनमा रहेका छन् । यसका अलावा २० वटा खोप केन्द्र, गाउँघर क्लिनिक ७ स्थानमा, १ ट्रमा अस्पताल, १ आयुर्वेद आरोग्य केन्द्रका साथै ११ वटै स्वास्थ्य संस्थामा घुम्ती शिविर संचालनको कार्यहरू निरन्तर रूपमा संचालनमा रहेका छन् । यहाँ निजी तर्फ सामुदायिक हाइवे अस्पताल, जनता हाइवे अस्पताल, पोलिक्लिनिक २ वटा र १० वटा मेडिकल सेन्टरहरू संचालनमा रहेका छन् । हाल गाउँपालिकामा संचालनमा रहेका स्वास्थ्य संस्था सम्बन्धी विवरण तलको तालिकामा समावेश गरिएको छ ।

तालिका नं. ८: स्वास्थ्य संस्था सम्बन्धी विवरण

| क्र.सं. | स्वास्थ्य संस्थाको नाम                 | उपलब्ध सेवाहरू                                                                                                      | ठेगाना    | कैफियत                               |
|---------|----------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------|--------------------------------------|
| क)      | सरकारी                                 |                                                                                                                     |           |                                      |
| १.      | इच्छाकामना आधारभूत अस्पताल             | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा (भिडियो X-ray, X-rayसेवा, बहिरंग सेवा, अन्तरंग सेवा, सुत्केरी सेवा, मेडिकल यबोर्सन इत्यादी ) | इ.गा.पा ४ | स्वास्थ्य बीमा लागु (२०८२/१/१ देखि ) |
| २.      | काउले स्वास्थ्य चौकी                   | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा (सुत्केरी सेवा र मेडिकल यबोर्सन सेवा)                                                        | इ.गा.पा १ |                                      |
| ३.      | पामडाँडा स्वास्थ्य चौकी                | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा                                                                                              | इ.गा.पा ५ |                                      |
| ४.      | चण्डीभञ्ज्याङ स्वास्थ्य चौकी           | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा                                                                                              | इ.गा.पा ६ |                                      |
| ५.      | दाहाखानी स्वास्थ्य चौकी                | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा                                                                                              | इ.गा.पा ७ |                                      |
| ६.      | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र मुग्लिङ | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा                                                                                              | इ.गा.पा ५ |                                      |
| ७.      | माझगाउँ आ.स्वा.से.के                   | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा                                                                                              | इ.गा.पा ४ |                                      |

| क्र.स.           | स्वास्थ्य संस्थाको नाम                    | उपलब्ध सेवाहरु                                                                                       | ठेगाना               | कैफियत                                                                                                                                         |
|------------------|-------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ८.               | आ.स्वा.से.के स्यांगदी                     | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा (सुत्केरी सेवा र ल्याव सेवा )                                                 | इ.गा.पा ७            |                                                                                                                                                |
| ९.               | आ.स्वा.से.के माझकाउले                     | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा                                                                               | इ.गा.पा - २          |                                                                                                                                                |
| १०.              | आधारभूत सामुदायिक स्वास्थ्य इकाई, भाराङ   | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा                                                                               | इ.गा.पा -१           |                                                                                                                                                |
| ११.              | आधारभूत सामुदायिक स्वास्थ्य इकाई, मायाटार | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा (सुत्केरी सेवा)                                                               | इ.गा.पा -२           |                                                                                                                                                |
| १२.              | सा.स्वा.इ, लामीडाँडा                      | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा                                                                               | इ.गा.पा -४           |                                                                                                                                                |
| १३.              |                                           | जम्मा खोप केन्द्र-२०                                                                                 | ७ वटै वडा            | खोप सेसन -२१                                                                                                                                   |
| १४.              | खोप केन्द्रहरु                            | बाहिरी केन्द्र-९ ( कथलघारी, चनौटे, कालीखोला, उपरदाङगढी, फिस्लिङ, केबुलकार, धरमथली, बाँसपुर, पिपलटार) |                      | निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर (विरामी जाँच तथा उपचार, गर्भवती अल्ट्रासाउण्ड, VIA जाँच, सुगर पिसाब जाँच, FP implant राख्ने भिक्के, TB को खकार जाँच ) |
| १५.              | घुम्ती शिविर सञ्चालन संख्या               | संस्थागत- ११                                                                                         |                      |                                                                                                                                                |
| १६.              | अन्य भए खुलाउने (गाउँघर क्लिनिक)          |                                                                                                      | वडा नं. ४            |                                                                                                                                                |
| १७.              | ट्रमा अस्पताल (APF)                       | ११ वटै स्वास्थ्य संस्थामा आवश्यकता अनुसार                                                            | वडा नं. ३ चुम्लिङटार |                                                                                                                                                |
| १८.              | नागरिक आरोग्य केन्द्र ( आयुर्वेद)         |                                                                                                      |                      |                                                                                                                                                |
| <b>निजि तर्फ</b> |                                           |                                                                                                      |                      |                                                                                                                                                |
| १.               | सामुदायिक हाइवे अस्पताल                   | १                                                                                                    | वडा नं. ५            |                                                                                                                                                |
| २.               | जनता हाइवे अस्पताल                        | १                                                                                                    | वडा नं. ५            |                                                                                                                                                |
| ३.               | कुरीन्टार पोलीक्लिनिक                     | २                                                                                                    | वडा नं. ३ र ४        |                                                                                                                                                |
| ४.               | मेडीकल                                    | १०                                                                                                   |                      |                                                                                                                                                |

स्रोत: गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

### २.३.२ शैक्षिक विकास

गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यस गाउँपालिकाको कुल साक्षरतादर ७७.४१ प्रतिशत रहेको छ भने यहाँ रहेका ५ वर्ष भन्दा माथिका कुल साक्षर जनसंख्याको अध्ययन गर्दा १७,८७३ जना अर्थात ९२.९३ प्रतिशत जनसंख्याले स्कूल तथा कलेज गई औपचारिक शिक्षा हाँसिल गरेका छन् यसैगरी अनौपचारिक शिक्षा प्राप्त गर्नेको संख्या १,०४५ अर्थात ५.४३ प्रतिशत रहेको छ भने स्वअध्ययन गर्नेहरूको संख्या ३१६ अर्थात १.६४ प्रतिशत रहेको छ । यहाँ ५५ वटा सामुदायिक विद्यालयहरू संचालनमा रहेका छन् । यसैबिच गाउँपालिकाले सामुदायिक विद्यालयहरूको शैक्षिक एवं भौतिक पूर्वाधार सुधार योजना सञ्चालन गर्दै लगेको, विज्ञान प्रयोगशाला, सूचना प्रविधि प्रयोगशाला र ECED कक्षा व्यवस्थापन, विद्यालय करेसवारी सञ्चालन सहित कार्यसम्पादनमा आधारित अनुदान उपलब्ध गराएको, विद्यालयमा अभाव हुने विषयगत शिक्षकहरूको व्यवस्थापनका लागि गाउँपालिका अनुदान शिक्षक र स्वयंसेवक शिक्षक व्यवस्थापन गरी शैक्षिक क्रियाकलापहरू सञ्चालन गरेको, स्थानीय पाठ्यक्रमाई प्रभावकारी बनाउनका लागि स्थानीय पाठ्यक्रम अनुसार पाठ्य सामग्रीको निर्माण अन्तिम चरणमा रहेको, आधारभूत तहको अन्तिम परिक्षा गाउँपालिकाबाट सञ्चालन गरी समयमा नै नतिजा प्रकाशन गरेको, गाउँपालिकास्तरीय शैक्षिक पात्रो तयार गरी सोही बमोजिम विद्यालयहरूमा शैक्षिक क्रियाकलापहरू सञ्चालन गरिएकाले विद्यालयको पठनपाठनलाई अनुमानयोग्य बनाएको, करार शिक्षकहरूको छनोट गाउँपालिकाबाट तयार गरिएको कार्यविधि र शिक्षक सेवा आयोगको पाठ्यक्रम बमोजिम सहज, गोपनीय र विश्वसनीय तरिकाबाट गाउँपालिका कार्यालयबाट हुने गरेको, अति विपन्न र जेहनदार विद्यार्थीहरूका लागि गाउँपालिका कार्यालयबाट थप छात्रवृत्ति प्रदान गर्ने लगायतका नीतिहरू मार्फत विभिन्न कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिरहेको छ । हाल गाउँपालिकामा संचालनमा रहेका सामुदायिक विद्यालयहरूको विवरण तलको तालिकामा समावेश गरिएको छ ।

तालिका नं. ९: सामुदायिक विद्यालय र विद्यार्थी संख्या सम्बन्धी विवरण

| क्र.सं. | विद्यालयको नाम                                      | विद्यार्थी संख्या |       |       |
|---------|-----------------------------------------------------|-------------------|-------|-------|
|         |                                                     | छात्रा            | छात्र | जम्मा |
| १       | इच्छाकामना गाउँपालिका                               | ३९०६              | ४०४४  | ७९५०  |
| २       | श्री नेशनल आधारभूत विद्यालय पैरेनी                  | ३७                | ३०    | ६७    |
| ३       | श्री माध्यमिक विद्यालय ढुङ्गे                       | १०१               | ८०    | १८१   |
| ४       | नेशनल आधारभूत विद्यालय आधामारा (१-५)                | ५०                | ४६    | ९६    |
| ५       | श्री राष्ट्रिय आधारभूत स्कूल, हुस्ती                | २८                | २२    | ५०    |
| ६       | राष्ट्रिय आधारभूत विद्यालय चनौटे                    | ५३                | ५४    | १०७   |
| ७       | सूर्य ज्योति आधारभूत विद्यालय डाँडागाउँ             | ६                 | २७    | ३३    |
| ८       | नेशनल आधारभूत विद्यालय पामडाँडा                     | ९२                | १०२   | १९४   |
| ९       | नेशनल आधारभूत विद्यालय (१-५) तुन्तेश                | ३९                | ४७    | ८६    |
| १०      | देवीभञ्ज्याङ्ग राष्ट्रिय आधारभूत विद्यालय, कालिखोला | ८२                | ७८    | १६०   |
| ११      | आदर्श आधारभूत विद्यालय, लामडार                      | ९                 | १३    | २२    |
| १२      | श्री आदर्श आधारभूत विद्यालय                         | ५६                | ४९    | १०५   |
| १३      | आधारभूत विद्यालय उपरदाङ्गढी                         | १६                | २३    | ३९    |
| १४      | नेशनल आधारभूत विद्यालय, खेतवारी                     | ८२                | ७९    | १६१   |
| १५      | श्री राष्ट्रिय माध्यमिक विद्यालय, गर्दास            | १७७               | १७१   | ३४८   |

| क्र.सं. | विद्यालयको नाम                                  | विद्यार्थी संख्या |       |       |
|---------|-------------------------------------------------|-------------------|-------|-------|
|         |                                                 | छात्रा            | छात्र | जम्मा |
| १६      | नेशनल आधारभुत विद्यालय, सानोभोर्ले              | २३                | १९    | ४२    |
| १७      | श्री राष्ट्रिय आधारभुत विद्यालय कापे            | ११                | १४    | २५    |
| १८      | श्री राष्ट्रिय आधारभुत विद्यालय कुयलघारी (१-८)  | ४५                | ४०    | ८५    |
| १९      | चण्डेश्वरी राष्ट्रिय आधारभुत विद्यालय           | ७४                | ७८    | १५२   |
| २०      | श्री रानीखोला माध्यमिक विद्यालय, स्याङ्दी       | १३८               | १२०   | २५८   |
| २१      | देउराली राष्ट्रिय आधारभुत विद्यालय सुन्दरवस्ती  | १७७               | १३५   | ३१२   |
| २२      | माभगाउँ माध्यमिक विद्यालय                       | ५९                | ६१    | १२०   |
| २३      | बकुल्लहरी राष्ट्रिय आधारभुत विद्यालय            | २५                | २९    | ५४    |
| २४      | श्री आधारभुत विद्यालय (१-८) लामिडाँडा           | २१                | २४    | ४५    |
| २५      | नेशनल आधारभुत विद्यालय १-५ धुपा                 | १३                | २१    | ३४    |
| २६      | गणेश नेशनल आधारभुत विद्यालय ओरेक                | ११                | ३     | १४    |
| २७      | श्री नेशनल आधारभुत विद्यालय, आलडाँडा            | ३८                | ४१    | ७९    |
| २८      | चक्रदेवी राष्ट्रिय आधारभुत विद्यालय, स्याकलाङ्ग | १५                | १७    | ३२    |
| २९      | नेशनल आधारभुत विद्यालय फिस्लिङ                  | १५३               | १२९   | २८२   |
| ३०      | नेशनल आधारभुत विद्यालय, तामिन                   | १४                | ३०    | ४४    |
| ३१      | श्री नेशनल आधारभुत विद्यालय कमेरे               | २०                | १३    | ३३    |
| ३२      | अमरदीप आधारभुत विद्यालय बेलडाँडा सोराथोक        | ७                 | ६     | १३    |
| ३३      | सर्वशान्ति माध्यमिक विद्यालय, कुरीनटार          | ४८८               | ४७८   | ९६६   |
| ३४      | त्रिवेणी बाराह माध्यमिक विद्यालय, मुग्लिन       | २९८               | २३४   | ५३२   |
| ३५      | राष्ट्रिय आधारभुत विद्यालय, चैबुङ               | १३                | ८     | २१    |
| ३६      | सिद्धाकामना आधारभुत विद्यालय, डाँडावारी         | ८                 | १३    | २१    |
| ३७      | प्रगति पाठशाला, कुरीनटार                        | २७२               | ३८९   | ६६१   |
| ३८      | मस्र्याङ्दी शिक्षा सदन विद्यालय, मुग्लिन        | ११४               | १४८   | २६२   |
| ३९      | श्री कुरिन बोर्डिङ स्कूल, कुरीनटार              | ७७                | १२३   | २००   |
| ४०      | ग्रीन फिल्ड माध्यमिक अंग्रेजी स्कूल, मुग्लिन    | १३८               | १६८   | ३०६   |
| ४१      | श्री जन प्रिय माध्यमिक विद्यालय, काउले          | ८०                | ११५   | १९५   |
| ४२      | राष्ट्रिय आधारभुत विद्यालय, बल्याङ              | ३८                | ५३    | ९१    |
| ४३      | जीवन ज्योति आधारभुत विद्यालय                    | ४८                | ६१    | १०९   |
| ४४      | श्री सिराङ्चुली आधारभुत विद्यालय                | २५                | २६    | ५१    |
| ४५      | श्री नेशनल आधारभुत विद्यालय, तिपाङ              | १२                | १३    | २५    |
| ४६      | राष्ट्रिय आधारभुत विद्यालय, भोटेगाउँ            | १६                | १६    | ३२    |
| ४७      | श्री नेशनल आधारभुत विद्यालय, मायाटार            | १०५               | ९६    | २०१   |

| क्र.सं. | विद्यालयको नाम                                  | विद्यार्थी संख्या |             |              |
|---------|-------------------------------------------------|-------------------|-------------|--------------|
|         |                                                 | छात्रा            | छात्र       | जम्मा        |
| ४८      | सिद्धकाली प्रा.वि., छापडाँडा                    | २०                | २०          | ४०           |
| ४९      | श्री नेशनल आधारभूत विद्यालय, भाराङ              | १६४               | १५०         | ३१४          |
| ५०      | नेत्रज्योति राष्ट्रिय आधारभूत विद्यालय, बाँसपुर | २१                | २५          | ४६           |
| ५१      | राष्ट्रिय माध्यमिक विद्यालय, हात्तिवाङ          | १८२               | १४९         | ३३१          |
| ५२      | भुलभुले आधारभूत विद्यालय                        | ३०                | ३५          | ६५           |
| ५३      | चित्रकाली आधारभूत विद्यालय                      | ११                | १२          | २३           |
| ५४      | सरस्वती आधारभूत विद्यालय, मैतेश                 | ९                 | २०          | २९           |
| ५५      | जनता नेशनल आधारभूत विद्यालय, राङ्चुराङ          | ६५                | ९१          | १५६          |
|         | <b>जम्मा</b>                                    | <b>७८१२</b>       | <b>८०८८</b> | <b>१५९००</b> |

स्रोत: गाउँ पार्श्वचित्र, २०८१

### २.३.३ खानेपानी तथा सरसफाई

गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यस गाउँपालिकामा धारा/पाईप (घरपरिवार बाहिर) को पानी प्रयोग गर्नेहरू २,९२० अर्थात ४६.४१ प्रतिशत रहेका छन्। यसैगरी धारा/पाईप (घरपरिवार भित्र) को पानी प्रयोग गर्ने २,८२९ अर्थात ४४.९६ प्रतिशत रहेका छन्। मुल धाराको खानेपानी प्रयोग गर्ने परिवार संख्या ४४४ अर्थात ७.०६ प्रतिशत रहेका छन्। ट्यूबेल तथा हातेपम्प मार्फत खानेपानी प्रयोगकर्ता १५ अर्थात ०.२४ प्रतिशत, खुला ईनार/कुवाको खानेपानी प्रयोगकर्ता ३९ अर्थात ०.६२ प्रतिशत रहेका छन्। तथापी यहाँ अझै पनि सुरक्षित तथा स्वच्छ खानेपानीको पहुँचबाट धेरै घरधुरीहरू टाढा रहेको अवस्था छ।

हाल गाउँपालिकाले स्वच्छ तथा सुरक्षित पानीको विस्तार गर्ने उद्देश्यले सुरक्षित खानेपानीको सहज र भरपर्दो पहुँच विस्तारको लागि **एक घर एक धारा** कार्यक्रमलाई तीव्र रूपमा सञ्चालन गरेको छ भने आगामी दिनहरूमा खानेपानीको विकासका लागि **“मुहानदेखि मुखसम्म स्वच्छ खानेपानी”** भन्ने नाराका साथ सुरक्षित खानेपानीको विस्तारका लागि गाउँपालिका र अन्य सरकारी तथा गैरसरकारी संघ/संस्थासँगको साभेदारीमा विशेष जोड दिने नीति अगाडि सारेको छ। हाल गाउँपालिका क्षेत्रभित्र रहेका खानेपानी तथा सरसफाई आयोजनाहरूको विवरण निम्नानुसार छन् :

**तालिका नं. १०:** गाउँपालिकामा रहेका खानेपानी तथा सरसफाई आयोजनाहरूको विवरण

| क्र.सं | खानेपानी तथा सरसफाई आयोजनाहरूको विवरण |
|--------|---------------------------------------|
| १      | तारसिलिङ खानेपानी आयोजना              |
| २      | चिरवानी खानेपानी आयोजना               |
| ३      | दुम्सीपुक खानेपानी आयोजना             |
| ४      | छापडाँडा खानेपानी आयोजना              |
| ५      | हपनी खानेपानी आयोजना                  |
| ६      | तल्लो काउले खानेपानी आयोजना           |
| ७      | भोटेगाउँ खानेपानी आयोजना              |
| ९      | माथिल्लो काउले खानेपानी आयोजना        |

| क्र.स | खानेपानी तथा सरसफाई आयोजनाहरूको विवरण      |
|-------|--------------------------------------------|
| १०    | कुरिनटार ग्रामिण खानेपानी आयोजना           |
| ११    | लेवाटार खानेपानी आयोजना                    |
| १२    | सोराथोक खानेपानी आयोजना                    |
| १३    | कुयलघारी खानेपानी तथा सरसफाई आयोजना        |
| १४    | स्वरबिसौना खानेपानी तथा सरसफाई आयोजना      |
| १५    | काटीस्वरा खानेपानी तथा सरसफाई आयोजना       |
| १६    | ढापडाँडा मसाङ खानेपानी तथा सरसफाई आयोजना   |
| १७    | दुङ्गे, तुन्तेस खानेपानी तथा सरसफाई आयोजना |
| १८    | ठुलो खोला दाहाखानी खानेपानी लिफ्टड आयोजना  |
| १९    | सिकारीकुना उपरदाङ्गढी खानेपानी आयोजना      |
| २०    | भालुमारा खानेपानी तथा सरसफाई आयोजना        |
| २१    | पिपलटार, सिमलढाप खानेपानी आयोजना           |
| २२    | बाघाखोर खानेपानी आयोजना                    |
| २३    | स्याङ्दी खोनपानी आयोजना                    |

स्रोत: वडागत छलफल २०८१

### २.३.४ लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण

यो गाउँपालिका लैङ्गिक समानताका लागि योजनाबद्ध तथा कार्यक्रमगत रूपमा अगाडि बढेको छ। पालिकाले महिला जनप्रतिनिधिहरूलाई नेतृत्वदायी भूमिका वहन गर्न जिम्मेवारी तथा अधिकार दिनुका साथै महिलाहरूको नेतृत्व विकास, सशक्तिकरण, उद्यमशिलता तथा सीप विकासका गतिविधिलाई जोड दिएको छ। लक्षित वर्ग कार्यक्रमलाई विशेष जोड दिएको यस गाउँपालिकाले विभिन्न अन्तराष्ट्रिय, राष्ट्रिय संघ संस्था, युवा, महिला सञ्जाल, सञ्चार माध्यमहरूसँग निरन्तर सहकार्य एवम् समन्वय गर्दै लैङ्गिक समानताको कार्यक्रमलाई उपलब्धिमूलक बनाउन प्रयासरत रहेको छ। मुख्यतः आदिवासी, दलितहरूको क्षमता अभिवृद्धि, सिमान्तकृत, पिछडा वर्गको लागि सामुदायिक सीप विकास, बाल विकासका क्रियाकलापहरू, महिला जनप्रतिनिधी क्षमता विकास, लैङ्गिक हिंसा न्यूनीकरणका क्रियाकलाप, दलित छात्रवृत्ति कार्यक्रम लगायतका कार्यक्रमहरू संचालनमा रहेका छन्। हाल गाउँपालिकाले ज्येष्ठ नागरिक तथा फरक क्षमता भएका नागरिकहरूका लागि न्यानो कपडा वितरण एवं थप आय आर्जनका कार्यक्रम सहित अनुदान वितरण र दैनिक जीवनलाई सहज बनाउन सहायक सामग्रीको वितरण गरेको छ भने लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरणका क्षेत्रमा समाजमा पछाडी परेका वर्ग, क्षेत्र, लिङ्ग, समुदाय लगायतलाई प्याकेजमा सहयोग उपलब्ध गराउने, बाल विवाह, लैङ्गिक हिंसा, लागू पदार्थ दुर्व्यसन जस्ता कु-संस्कारको अन्त्यका लागि नेपाल प्रहरी लगायत अन्य सरोकारवाला गैर सरकारी र निजी क्षेत्रसँगको सहकार्यमा विशेष कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने, लक्षित वर्ग आत्मनिर्भरता कार्यक्रमलाई थप व्यवस्थित बनाउँदै लैजाने, ज्येष्ठ नागरिक एवं फरक क्षमता भएका व्यक्तिहरूका लागि सहायता सामग्री उपलब्धता गराउने, गाउँपालिकालाई बालमैत्री, लैङ्गिकमैत्री, अपाङ्गमैत्री र ज्येष्ठ नागरिकमैत्री बनाउन विशेष अभियान सञ्चालन गर्ने लगायतका नीति तथा कार्यक्रमहरू अगाडि सारेको छ।

गाउँपालिकाको पाश्चात्त्य, २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँको जम्मा जनसंख्या मध्ये १३,८६५ अर्थात ४९.४२ प्रतिशत महिलाको जनसंख्या रहेको छ। यसैगरी गाउँपालिकामा १४ वर्ष मुनीका बालबालिकाको संख्या ६,५८६

रहेकोमा ३,३८२ जना बालक र ३,२०३ जना बालिकाहरु रहेका छन् । यहाँ ७५ वर्ष उमेर समूह भन्दा माथिका व्यक्तिहरुको संख्या ६७७ रहेकोमा ३५८ जना पुरुष र ३१९ जना महिलाहरु रहेका छन् । यहाँको जम्मा जनसंख्या मध्ये २९९ जना अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरु रहेका छन् ।

### २.३.५ युवा, खेलकुद तथा कला

सामान्यतया १६ देखि ४० वर्ष उमेर समूहको जनसंख्यालाई युवा समूहमा राखिएको छ जसलाई राष्ट्रिय युवा नीति, २०७२ ले परिभाषित गरेको छ । यस गाउँपालिका भित्र १५ देखि ५९ वर्ष सम्मका सकृय युवाको संख्या १८,९६३ अर्थात ६७.५९ प्रतिशत रहेको छ । जसमध्ये पुरुषको संख्या ९,५३५ र महिलाको संख्या ९,४२४ जना रहेको छ । देशको प्रमुख श्रम शक्ति, मानव संसाधन र उर्जाको आधार स्तम्भ नै यी युवाहरु हुन् । युवाको सामर्थ्यलाई पूर्णतः सदुपयोग गरेका राष्ट्रहरुले नै ठूलो फाइदा मारेका छन् । काम गर्न सक्ने उच्च सक्रिय उमेरको जनसंख्या नै जनसांख्यिक लाभान्श हो । यो जनसंख्यालाई उत्पादनमूलक क्षेत्रमा लगाउन गाउँपालिकाले शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्यका लागि खेलकुद भन्ने नाराका साथ गाउँपालिकास्तरीय खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन गरी खेलकुद क्षेत्रको विकास गर्ने नीतिलाई अगाडि सारेको छ । हाल गाउँपालिका क्षेत्रभित्र रहेका खेलमैदान तथा रंगशालाको विवरण निम्नानुसार छन् :

तालिका नं. ११: गाउँपालिकामा रहेका खेलमैदानहरुको विवरण

| क्र.सं. | खेलमैदान, व्यायामशाला, रंगशाला तथा पौडी पोखरीहरुको विवरण |
|---------|----------------------------------------------------------|
| १       | तल्लो काउले कालीरह खेलकुद मैदान                          |
| २       | दोवान खोला खेलकुद मैदान                                  |
| ३       | हुस्ती खेल मैदान                                         |
| ४       | जनप्रिय मा.वि. खेलमैदान                                  |
| ५       | कुरिनटार खेलमैदान                                        |
| ६       | सिद्धि विनायक युवा क्लब खेलकुद मैदान                     |
| ७       | टुँडीखेल खेलकुद मैदान                                    |
| ९       | गर्दास खेलमैदान                                          |
| १०      | सिर्जनशिल खेलमैदान                                       |
| ११      | स्याङ्दी ल्होसे खेलमैदान                                 |
| १२      | सुन्दरबस्ती खेलमैदान                                     |

स्रोत: वडागत छलफल, २०८१

## २.४ पूर्वाधार तथा शहरी विकासको अवस्था

### २.४.१ बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

गाउँपालिकामा मिश्रित जनघनत्व भएका बस्तीहरु छन् । यहाँ बस्ती बसाल्ने सन्दर्भमा बजारको सम्भाव्य क्षेत्र, पानीको सुविधा, खेतीयोग्य क्षेत्र, पशुपालनलाई पायक र अन्न उत्पादनका लागि उपयुक्त जमिन भएको स्थानमा यत्रतत्र छरिएर बस्ने प्रचलन भएकाले पायक पर्ने स्थान अनुसार सबै वडाहरुमा कतै बाक्लो तथा कतै पातलो बस्तीहरु रहेका छन् । यहाँका अधिकांश घरहरु अर्धपक्की तथा पक्की अवस्थाका छन् भने न्यून घरहरुमात्र कच्ची अवस्थामा रहनुले यस क्षेत्रका घरहरु भूकम्पीय तथा अन्य प्रकोप सुरक्षाको दृष्टिकोणले जोखिमयुक्त अवस्थामा भने छैनन् । गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँ जम्मा घरधुरी ६,२९२ मध्ये जस्तापाता/टिनको

छानो भएको घरमा बसोबास गर्ने परिवार संख्या सबैभन्दा बढी अर्थात ५,०२९ अर्थात ७९.९३ प्रतिशत रहेका छन् । सिमेन्ट अथवा ढलान गरेको छानो भएको घरमा बसोबास गर्ने परिवार संख्या ९८५ अर्थात १५.६५ प्रतिशत रहेका छन् यसैगरी खर/पराल/छ्याली भएको घरमा बसोबास गर्नेको संख्या १९५ अर्थात ३.१ प्रतिशत रहेको छ भने टायल, फिंग्टी /खपडा ,काठ, ढुंगा, स्लेट लगायतको छानो भएको घरमा बसोबास गर्नेको संख्या नगण्य रहेको पाइन्छ ।

गाउँपालिकाको पछिल्लो तथ्याङ्क अनुसार यहाँ २५ वटा सामुदायिक भवनहरू रहेका छन् जसमा ११ वटा आमा समूह, सात वटा सामुदायिक वनका भवन रहेका छन् भने चेपाङ संगठन, गुरुङ समाज, कोसेली घर, युवा समूह, हेल्थपोष्ट, प्रहरी चौकी, वडा कार्यालय लगायतका भवनहरू रहेका छन् । हाल गाउँपालिका भित्र रहेका मुख्य बस्तीहरूको विवरण देहाय बमोजिम रहेको छ :

**तालिका नं. १२:** गाउँपालिकामा रहेका मुख्य बस्तीहरूको विवरण

| वडा नं. | मुख्य बस्तीहरूको विवरण                                                                                                                                                                                                                                                           |
|---------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १       | बलम्पुक, हात्तिवाङ्ग, सयरलिङ, पिचिवाङ्ग, तार्सेलिङ, व्यात्से, छाङ्गा, भाराङ, जौतेस, कोलभञ्ज्याङ्ग, मेटराङ, कुलवाङ, तिपाङ, लोवाङ, सापरेनी, दिङलाङ, चौकी डाँडा, ज्यानदाला, थाप्राङ, डाँडाबारी, गौरीगाउँ, चाइनाराङ, राजभोग, जैथली, ढाङ्गकली, कालिङ, छाम्पुक, कोप्चराङ्ग, राङचुराङ्ग |
| २       | बाँसपुर, मोरेगाउँ, रुसिवाङ्ग, तोवाङ्ग, विजोक, दुम्किम, सिमलडाँडा, मायाटार, दुलेपाखा, ल्यामडार, काउले, भोगटेघारी, मैतेस, थापथली, तोरडाँडा, थाइतेस, हपनी, भोटेगाउँ, तोलाङ, ठाडो खोला, सालडाँडा, कोटारी, गोगनपानी, धर्मथली, हेप्चेक, वल्योङ्ग, छाँपडाँडा, देवीथान, घुर्केस,         |
| ३       | सिरानगाउँ, ढाँप, धुपा, ओरेक, डाहकी, माभगाउँ, सिस्नेरी, फिस्लिङ्ग, तोकदाङ्ग, कमेरे, कुरिनघाट, नर्सिङ्गटार, चुम्लिङ्गटार, धारापानी, जमुनडाँडा, रुपलाङ्ग, स्वरविसौना, कुमडाँडा, नयाँ चौतारा                                                                                         |
| ४       | रमाईलो डाँडा, नयाँबस्ती, लामीडाँडा, स्याकलाङ, खैरेनीटार, कुरिनटार, लेवाटार, वेलडाँडा, गैरीगाउँ, धारापानी, कुरिनभित्ता, केवलकार, सोराथोक, नेवाटार, तीनघरे, केरावारी                                                                                                               |
| ५       | मुग्लिङ्ग, तामीन, खहरेखोला, जोगहिरा, फुर्केडाँडा, खर्पन, मुख्यटोल, बदेल्टार, नेपडाँडा, थाकलडाँडा, पहलोढुङ्गा, साठ्ठीमुरे, पानीघट्ट, किटश्वरा                                                                                                                                     |
| ६       | तुन्तेस, रिगिदखोला, कामिटार, ढाँपडाँडा, आधामारा, कालीखोला, चनौटे, नौकिलो, जलबिरे, पाँचकिलो, याक्राङ्ग, पैरेनी, काठीश्वरा, मुडेबाँस, कुयलघारी, टोङ्के, चौतारा, सिरानटुङ्गे, रैबुङ्ग, ढाला, मसराङ, दुङ्गे, खानीगाउँ, भोटेश्वरा                                                     |
| ७       | थाकलाङ्ग, चण्डिथान, गर्दास, पिपलटार, भालुमारा, सिमलढाँप, फाङ्गुङ्गे, स्याङ्दी, नयाँवारी, ल्होसे, सिमलडाँडा, चण्डिस्थान, खेतवारी, कोपगौरी, उपरदाङ्गढी, दाहाखानी, ढाडवारी, घुट्कना, ढापे, संगम, सिर्जनशिल, समीगौडा, ट्याङ्कीडाँडा, देवीथान, भोर्ले                                 |

स्रोत: वडागत छलफल, २०८१

### २.४.२ सडक, पुल तथा यातायात

गाउँपालिकामा सडक तथा यातायातको अवस्था मुलुकका अन्य स्थानीय तहसँग तुलना गर्दा मध्यम प्रकारको रहेको पाउन सकिन्छ । राष्ट्रिय राजमार्ग (पृथ्वी राजमार्ग) ले यसपालिकाको दक्षिण सिमाक्षेत्र हुँदै पार गरेको छ । गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०८१ मा प्राप्त तथ्याङ्क अनुसार यहाँ रहेका जम्मा ६,२९२ घरधुरी मध्ये बाह्रै महिना संचालन योग्य सडकसम्म पुग्नको लागि १७८५ अर्थात ३१.६३ प्रतिशत परिवार १ कि.मि. भन्दा कमको दुरीमा रहेका छन् । यसैगरी १ देखि २ कि.मि.को दुरीमा रहेका परिवार संख्या ४७२ अर्थात ८.३६ प्रतिशत रहेका छन् भने २ देखि ४ कि.मि. को दुरीमा १२ प्रतिशत परिवार र ४ कि.मि. भन्दा बढीको दुरीमा ४८ प्रतिशत परिवार बसोबास गर्दछन् ।

गाउँपालिकाको कार्यालय, राष्ट्रिय राजमार्ग र वडा कार्यालय जोड्ने सडकहरुको स्तरोन्नति सहित बाह्र महिना सहज रुपमा सडक सञ्चालनको लागि कालेपत्रे, ढलान सहितको सडक निर्माणको कार्य भइरहेको छ भने, वडाका विशेष महत्वका सडकहरुलाई स्तरोन्नति गर्न विशेष प्राथमिकता दिने, वडा नं. २ को वडा सम्पर्क कार्यालयलाई व्यवस्थित गरी सेवा प्रवाहमा सहजता कायम गर्ने, **एक वडा एक गौरवको योजना** कार्यान्वयनमा ल्याउने, सडक पूर्वाधार निर्माण गर्दा Bio-Engineering लाई कार्यान्वयनमा लैजान जोड दिने, बजार क्षेत्र भएर जाने पृथ्वी राजमार्गको दायो बायाँ मुग्लिङ कुरिनटार लगायत क्षेत्रको सडक र गाउँपालिका कार्यालय परिसरमा सौन्दर्यकरणको कार्य प्रारम्भ गर्ने लगायतका नीतिहरु पालिकाले अगाडी सारेको छ । हाल गाउँपालिका भित्र सञ्चालनमा रहेका सडकहरुको विवरण देहाय बमोजिम रहेको छ :

**तालिका नं. १३:** गाउँपालिकामा रहेका सडकहरुको विवरण

| वडा नं. | मुख्य सडकहरुको विवरण                                                                                                                                                                                                                                                 |
|---------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १       | हात्तिवाङ्ग-भाराङ, हात्तिवाङ्ग-ज्यानदाला चौकीडाँडा, कालिङ्गभञ्ज्याङ-मेवाङ तिप्लाङ मोटरबाटो निर्माण                                                                                                                                                                   |
| २       | दोभान खोला देखि माथिल्लो काउले सडक निर्माण, वल्योङ हपनी देखी माभ काउले सडक निर्माण, माथिल्लो काउले देखि मैतेस, थापाथली, दुम्किम सडक निर्माण, माभखर्क, हुस्ती सडक निर्माण, इच्छाकामना, तोलाङ्ग, ठाडो खोला, धर्मथली सडक खण्ड निर्माण, घुर्केस भालुभञ्ज्याङ सडक निर्माण |
| ३       | चौतारा देखि इच्छाकामना, चुम्लिङटार देखि सिरानगाउँ, फिस्लिङ देखि धुपा मोटरबाटो निर्माण                                                                                                                                                                                |
| ४       | सर्वशान्ती मा.वि.ठाडो बाटो, नयाँवस्ती नाग्दी खोला सडक                                                                                                                                                                                                                |
| ५       | मुग्लिङ्ग इच्छाकामना सडक, मेजरचोक, पामडाँडा हुँदै किटेश्वरा, साठीमुरे हुँदै ढोसघारी, जौगैरा, भोटेश्वरा, भालु भञ्ज्याङ्ग सडक, शान्ती बजार हुँदै थाकल डाँडा मोटरबाटो निर्माण                                                                                           |
| ६       | जलविरे याकराङ दुङ्गे सडक, कालीखोला रैवुङ मोटरबाटो, कुयलघारी पातिश्वरा मोटरबाटो, दुङ्गे तुन्तेप मोटरबाटो                                                                                                                                                              |
| ७       | जखेडीमाई सिमलहाप, पिपलटार सडक, भोर्ले-दाहाखानी-उपरदाङ्गढी, लाहुरेचोक-भालुमारा-स्याङ्दी, गर्दास मोटरबाटो निर्माण                                                                                                                                                      |

स्रोत: वडागत छलफल, २०८१

### २.४.३ विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा

गाउँपालिकामा विद्युतीकरणको अवस्था सन्तोषजनक नै रहेको भए तापनि ग्रामीण बस्तीहरुका सडकमा सौर्यबत्तीको व्यवस्था गर्नुपर्ने देखिन्छ । गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँ कुल घरपरिवार संख्या मध्ये ४,८७७ अर्थात् ७७.५१ प्रतिशतले बत्ती बाल्नको लागि मुख्य इन्धनको रुपमा विद्युतको उपयोग गर्ने गरेका छन् । यसैगरी १,३१३ अर्थात् २०.८७ प्रतिशतले सोलार, ३२ अर्थात् ०.५१ प्रतिशतले मट्टितेल, १.०६ अन्य र ०.०५ प्रतिशत ले बायोग्याँस प्रयोग गर्ने गर्दछन् । यसैगरी खाना पकाउनका लागि ३,९०१ अर्थात् ६२ प्रतिशतले काठ/दाउरा, २,३४६ अर्थात् ३७.२९ एल.पी ग्याँसको प्रयोग गर्दछन् । काठ दाउराको श्रोत वनजंगलहरु रहेका छन् । काठ दाउराको प्रयोगका थुप्रै नकारात्मक पक्षहरू मध्ये स्वास्थ्यमा पर्ने असर र वन जंगलको विनाश प्रमुख हुन् । गाउँपालिकाका सबै वडाहरुमा विद्युतीकरणको पहुँच रहेता पनि बढ्दो जनसंख्याका कारण विद्युतको क्षमता न्युन रहेको छ र विद्युत क्षमता बढाउनुपर्ने अवस्थामा रहेको छ ।

### २.४.४ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

गाउँपालिकाका सबैजसो वडाहरुमा मोबाइल फोनको सुविधा राम्रो रहेको छ । यहाँका केही वडाहरुमा तारसहितको ल्याण्डलाइन फोन सेवा र बजार क्षेत्रमा इन्टरनेट सेवा सञ्चालनमा रहेको छ । गाउँपालिकालाई सूचना तथा

प्रविधिमैत्री बनाउनका लागि गाउँपालिकाले सामाजिक सञ्जाल, वेबसाइट मार्फत पालिकाका सूचनाहरूलाई अद्यावधिक गर्ने कार्य गरिरहेको छ। त्यसैगरी गाउँपालिकामा निजी क्षेत्रबाट विभिन्न इन्टरनेट सेवा प्रदायक संस्थाहरूले इन्टरनेट सेवा प्रदान गर्दै आएका भए तापनि वडाका सबै स्थानहरूमा इन्टरनेट प्रविधिको अवस्था कमजोर रहेकाले विस्तार र गुणस्तर सुधार गर्नु जरुरी छ।

यस गाउँपालिकामा एक एफ एम दर्ता भई सञ्चालनमा रहेको छ भने स्थानीय पत्रिकाका रूपमा इच्छाकामना न्यूज नामको पत्रिका दर्ता भई प्रकाशन भएको छ। यसका साथै यहाँ विभिन्न राष्ट्रिय दैनिक पत्रिका जस्तै गोरखापत्र, कान्तिपुर आदिको आपूर्ति हुने गरेको छ भने डीसहोम मार्फत टेलिभिजन प्रसारण हुँदै आएकोले गाउँपालिकाबासीले विभिन्न किसिमका समाचारका साथै मनोरञ्जनात्मक कार्यक्रम हेर्ने मौका पाएका छन्।

## २.५ वन, वातावरण तथा विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापनको अवस्था

### २.५.१ वन तथा जैविक विविधता

पालिकाको कूल १६६.७३ वर्ग कि.मि. क्षेत्रफल मध्ये ६४.७० प्रतिशत वन जंगल क्षेत्रले ओगटेको छ। यस गाउँपालिकामा सामुदायिक वन र कबुलियती वन रहेका छन्। यहाँको वनजङ्गल क्षेत्रमा विभिन्न जनावरहरू जस्तै: बाघ, दुम्सी, मृग, कालिज, वन कुखुरा, तिन्ना, बाँदर, वन विरालो, स्याल, मलसाप्रो, हाप्सिलो, बढैल, सालक, चितुवा, जरायो, आदि पाइन्छ। यसैगरी चराचुरुङ्गीमा काँडे भ्याकुर, कोइली, मैना, सुगा, ढुकुर, लुईचे, गौथली, काग, भँगेरा, मयुर, हुट्ट्याउँ, हुँचिल, जुरेली, भद्रायो, चिल, बाज, कोटेरा, चिवे, भ्याकुर, फिस्टो, रूपी, गिद्ध, धनेश, कालिज, लाटोकोसेरो, चमेरो, हाँस, परेवा, कुखुरा, तिन्ना, धोबी चरो, कन्याडकुरुड आदि पाइन्छ। वनस्पतिहरूमा चिलाउने, उत्तिस, मालिता, सिमल, खयस, वास, वाच, साल, चाँप, वर, पिपल, साल, सिमल, बाँफो, खिर्रो, खयर, रातोपाते, घिउकुमारी, हर्रो, वर्रो, अमला, रिठ्ठा, गुर्जो निम, तितेपाती, जीवन्ती/सुनगाभा, घोडटाप्रे, मजिठो, कंटकारी, बावियो, सिमली, आँक, केतुकी, वयर, रिठ्ठा, सिन्दुरे, ऐसेलु, कुकुरडाइनो, जामुन, धाइरो, अल्लो, सिउँडी, सजिवन, मुसली, किम्बु, निउरो, कोइराला आदि रहेका छन्। यहाँ रहेको वनजंगल क्षेत्रलाई जंगल क्षेत्र नै कायम राखी हाल रहेको प्राकृतिक अवस्थाको जंगललाई दिगो वन व्यवस्थापन तथा सिमसार क्षेत्रको उचित संरक्षण र व्यवस्थापन गरी पूर्णरूपमा उत्पादन र प्रतिफलमुखी बनाई गाउँपालिकाको दिगो विकास र समृद्धिमा सदुपयोग गर्नु उपयुक्त हुन्छ। हाल गाउँपालिकामा रहेका धार्मिक तथा सामुदायिक वनहरूको विवरण तलको तालिकामा समावेश गरिएको छ।

तालिका नं. १४: सामुदायिक वन सम्बन्धी विवरण

| सि.नं. | सामुदायिक वन                               | वडा नं. |
|--------|--------------------------------------------|---------|
| १      | सिराईचुली सामुदायिक वन                     | १       |
| २      | अजमुरि सत्यनारायण सिद्धेश्वरी सामुदायिक वन | २       |
| ३      | दम्कनाचुली सामुदायिक वन                    | २       |
| ४      | मनकौरी सामुदायिक वन                        | ६       |
| ५      | चेपाङ्ग सामुदायिक वन                       | ५       |
| ६      | गुरुङ्ग सामुदायिक वन                       | ३       |
| ७      | बुद्धदर्शन सामुदायिक वन                    | ३       |
| ८      | सिद्धिबाबा सामुदायिक वन                    | ६       |
| ९      | इच्छाकामना सामुदायिक वन                    | ५       |

| सि.नं. | सामुदायिक वन                  | वडा नं. |
|--------|-------------------------------|---------|
| १०     | नर्सिङथान सामुदायिक वन        | ४       |
| ११     | ओरेक सामुदायिक वन             | ३       |
| १२     | सिद्धदेवी सामुदायिक वन        | ६       |
| १३     | केरावरी विसौनी सामुदायिक वन   | ४       |
| १४     | अकलादेवी सामुदायिक वन         | २       |
| १५     | रिग्दीखोला सामुदायिक वन       | ६       |
| १६     | नागेन सामुदायिक वन            | १       |
| १७     | तिनकन्या सामुदायिक वन         | ७       |
| १८     | चण्डिस्थान सामुदायिक वन       | ७       |
| १९     | कालिखोला देउराली सामुदायिक वन | ७       |
| २०     | रानीखोला सामुदायिक वन         | ७       |
| २१     | कालिका पिपलटार सामुदायिक वन   | ७       |
| २२     | सोमरी सामुदायिक वन            | ७       |
| २३     | देवीथान सामुदायिक वन          | ७       |

स्रोत: गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

**तालिका नं. १५:** गाउँपालिकामा रहेका कवुलियती वन सम्बन्धी विवरण

| सि नं | कवुलियती वनको नाम       | वडा नं |
|-------|-------------------------|--------|
| १     | सिमलडाडा कवुलियती वन    | ७      |
| २     | स्यांदी कवुलियती वन     | ७      |
| ३     | कोइरालाटार कवुलियती वन  | ७      |
| ४     | लखनकोट कवुलियती वन      | ७      |
| ५     | सिमलघाप कवुलियती वन     | ७      |
| ६     | खेतवारी कवुलियती वन     | ७      |
| ७     | घट्टेकुना कवुलियती वन   | ७      |
| ८     | स्याउलीडाडा कवुलियती वन | ७      |
| ९     | जलजले कवुलियती वन       | ७      |
| १०    | डाम्नेबास कवुलियती वन   | ७      |
| ११    | चुवाडी कवुलियती वन      | ७      |
| १२    | माभुटाँडी कवुलियती वन   | ६      |
| १३    | वैद्यशिखर कवुलियती वन   | ७      |

| सि नं | कवुलियती वनको नाम           | वडा नं |
|-------|-----------------------------|--------|
| १४    | चण्डिथान (क) कवुलियती वन    | ७      |
| १५    | चण्डिथान (ख) कवुलियती वन    |        |
| १६    | चुस्कोटाँडी (क) कवुलियती वन | ७      |
| १७    | चुस्कोटाँडी (ख) कवुलियती वन | ७      |
| १८    | वेलघारी (क) कवुलियती वन     | ७      |
| १९    | वेलघारी (ख) कवुलियती वन     | ७      |
| २०    | वेलघारी (ग) कवुलियती वन     | ७      |
| २१    | वेलघारी (घ) कवुलियती वन     | ७      |
| २२    | वेलघारी (ङ) कवुलियती वन     | ७      |
| २३    | सिकारीकुना कवुलियती वन      | ७      |
| २४    | दोभान कवुलियती वन           | ७      |
| २५    | ईन्द्र कवुलियती वन          | ७      |
| २६    | सुन्दर कवुलियती वन          | ७      |
| २७    | उतम कवुलियती वन             | ७      |
| २८    | नयाँगाउँ कवुलियती वन        | ७      |
| २९    | मुलडाडां कवुलियती वन        | ७      |
| ३०    | वेसिवारी कवुलियती वन        | ७      |
| ३१    | टार कवुलियती वन             | ७      |
| ३२    | केउसरा कवुलियती वन          | ७      |
| ३३    | आँपडाडां कवुलियती वन        | ७      |
| ३४    | कन्या कवुलियती वन           | ७      |
| ३५    | उन्युघारी कवुलियती वन       | ७      |
| ३६    | थाकलडाडां कवुलियती वन       | ७      |
| ३७    | टोङ्के कवुलियती वन          | ७      |
| ३८    | भिमसेन कवुलियती वन          | ७      |
| ३९    | घलेडाडां कवुलियती वन        | ७      |
| ४०    | पिपलटार(क) कवुलियती वन      | ७      |
| ४१    | पिपलटार (ख) कवुलियती वन     | ७      |
| ४२    | पिपलटार (ग) कवुलियती वन     | ७      |
| ४३    | लेकखोरिया (क) कवुलियती वन   | ७      |
| ४४    | लेकखोरिया (ख) कवुलियती वन   | ७      |

| सि नं | कवुलियती वनको नाम          | वडा नं |
|-------|----------------------------|--------|
| ४५    | खानीगाउँ कवुलियती वन       | ६      |
| ४६    | टोड्के कवुलियती वन         | ६      |
| ४७    | शिखर कवुलियती वन           | ६      |
| ४८    | वराहामाई कवुलियती वन       | ६      |
| ४९    | धनकाली कवुलियती वन         | ६      |
| ५०    | गैरिस्वारा कवुलियती वन     | ६      |
| ५१    | वालकुमारी कवुलियती वन      | ६      |
| ५२    | सरस्वती कवुलियती वन        | ६      |
| ५३    | आहाल कवुलियती वन           | ६      |
| ५४    | सूर्यदेवी कवुलियती वन      | ६      |
| ५५    | शान्ति कवुलियती वन         | ६      |
| ५६    | पल्लोगाउँ कवुलियती वन      | ६      |
| ५७    | त्रिशुली कवुलियती वन       | ६      |
| ५८    | गण्डकी कवुलियती वन         | ६      |
| ५९    | फोस्रेपानी कवुलियती वन     | ६      |
| ६०    | पातिस्वारा (क) कवुलियती वन | ६      |
| ६१    | पातिस्वारा (ख) कवुलियती वन | ६      |
| ६२    | सुनाचरी कवुलियती वन        | ६      |
| ६३    | गणेश तिनकन्या कवुलियती वन  | ६      |
| ६४    | कालीखोला कवुलियती वन       | ६      |
| ६५    | जलदेवी कवुलियती वन         | ६      |
| ६६    | तल्लो बाँसघारी कवुलियती वन | ६      |
| ६७    | पहराकुना कवुलियती वन       | ६      |
| ६८    | खेतवारी पाखा कवुलियती वन   | ६      |
| ६९    | चौतारी कवुलियती वन         | ६      |
| ७०    | देविभञ्ज्याङ कवुलियती वन   | ६      |
| ७१    | सल्लेरीपाखा कवुलियती वन    | ६      |
| ७२    | विकोडाँडा कवुलियती वन      | ६      |
| ७३    | तिनघरे कवुलियती वन         | ६      |
| ७४    | सिरुडाँडा कवुलियती वन      | ६      |
| ७५    | जलजले (क) कवुलियती वन      | ६      |

| सि नं | कवुलियती वनको नाम           | वडा नं |
|-------|-----------------------------|--------|
| ७६    | जलजले (ख) कवुलियती वन       | ६      |
| ७७    | सालविस्ना कवुलियती वन       | ६      |
| ७८    | चिउरीगैह्रा कवुलियती वन     | ६      |
| ७९    | रिद्धिखोप कवुलियती वन       | ६      |
| ८०    | निउरेनीगैह्रा कवुलियती वन   | ६      |
| ८१    | अमारेभित्ता                 | ६      |
| ८२    | जाम्वाला कवुलियती वन        | ६      |
| ८३    | सिस्नेखर्क कवुलियती वन      | ६      |
| ८४    | कालीठुटी कवुलियती वन        | ६      |
| ८५    | खरखरे -क) कवुलियती वन       | ६      |
| ८६    | खरखरे -ख) कवुलियती वन       | ६      |
| ८७    | कालीमाटीगैह्रा कवुलियती वन  | ६      |
| ८८    | हुस्लिङ्गपाखा कवुलियती वन   | ६      |
| ८९    | एकलेकटुस कवुलियती वन        | ६      |
| ९०    | अरखलेगैह्रा कवुलियती वन     | ६      |
| ९१    | सिरानडाँडा कवुलियती वन      | ६      |
| ९२    | कालीका कवुलियती वन          | ६      |
| ९३    | वात्युड कवुलियती वन         | ६      |
| ९४    | धानखोरे कवुलियती वन         | ६      |
| ९५    | अमिलेधारी कवुलियती वन       | ६      |
| ९६    | जमुनडाँडा कवुलियती वन       | ६      |
| ९७    | साउनेपानी कवुलियती वन       | ६      |
| ९८    | चाँपगैरी कवुलियती वन        | ६      |
| ९९    | छातिवनपाखा कवुलियती वन      | ६      |
| १००   | दुन्दुरपाखा (क) कवुलियती वन | ६      |
| १०१   | दुन्दुरपाखा (ख) कवुलियती वन | ६      |
| १०२   | माथिल्लोभिरघारी कवुलियती वन | ६      |
| १०३   | पधैरापाखा कवुलियती वन       | ६      |
| १०४   | भुईथान कवुलियती वन          | ६      |
| १०५   | अमलापाखा कवुलियती वन        | ६      |
| १०६   | मनकौरी कवुलियती वन          | ६      |

| सि नं | कवुलियती वनको नाम         | वडा नं |
|-------|---------------------------|--------|
| १०७   | भोर्लेडाँडा कवुलियती वन   | ६      |
| १०८   | माघनेडाँडा कवुलियती वन    | ६      |
| १०९   | चिलाउनेपाखा कवुलियती वन   | ६      |
| ११०   | काईयोघारी कवुलियती वन     | ६      |
| १११   | धारापानी कवुलियती वन      | ६      |
| ११२   | मौवागैह्रा कवुलियती वन    | ६      |
| ११३   | चंगवाड कवुलियती वन        | ६      |
| ११४   | बतासेभञ्ज्याङ कवुलियती वन | ६      |
| ११५   | वनकसीगैह्रा कवुलियती वन   | ६      |
| ११६   | संरक्षण कवुलियती वन       | ६      |
| ११७   | फुसोमाटो कवुलियती वन      | ६      |
| ११८   | स्कूलडाँडा कवुलियती वन    | ६      |
| ११९   | दुम्सिघार कवुलियती वन     | ६      |
| १२०   | विरलीखोला कवुलियती वन     | ६      |
| १२१   | कोदोखोरिया कवुलियती वन    | ६      |
| १२२   | छरछरे कवुलियती वन         | ६      |
| १२३   | मायाँडाँडा कवुलियती वन    | ६      |
| १२४   | सिद्धथान कवुलियती वन      | ६      |
| १२५   | फटिकापाखा कवुलियती वन     | ६      |
| १२६   | जोरसाल कवुलियती वन        | ६      |
| १२७   | जलदेवी कवुलियती वन        | ६      |
| १२८   | कदमतारपाखा कवुलियती वन    | ६      |
| १२९   | फलेदोगैह्रा कवुलियती वन   | ६      |
| १३०   | चमेरापाखा कवुलियती वन     | ६      |
| १३१   | च्यानडाँडा कवुलियती वन    | ६      |
| १३२   | भालुढुङा कवुलियती वन      | ५      |
| १३३   | सिरिगैह्रा कवुलियती वन    | ५      |
| १३४   | चिलाउनेडाँडा कवुलियती वन  | ५      |
| १३५   | चण्डिथान कवुलियती वन      | ५      |
| १३६   | विसाउनेडाँडा कवुलियती वन  | ६      |
| १३७   | वेलडाँडा कवुलियती वन      | ६      |

| सि नं | कवुलियती वनको नाम                     | वडा नं |
|-------|---------------------------------------|--------|
| १३८   | छतिवनढाँड कवुलियती वन                 | ६      |
| १३९   | लातिसेभञ्ज्याङ कवुलियती वन            | ६      |
| १४०   | गोपिनडाँडा कवुलियती वन                | ६      |
| १४१   | लांघालि कवुलियती वन                   | ४      |
| १४२   | जनजागरण कवुलियती वन                   | ४      |
| १४३   | मगर कवुलियती वन                       | ४      |
| १४४   | प्रजा कवुलियती वन                     | ३      |
| १४५   | सिसौदी पाखा कवुलियती वन               | ५      |
| १४६   | इच्छाकामना कवुलियती वन                | ५      |
| १४७   | चौतारी भञ्ज्याङ कवुलियती वन           | ५      |
| १४८   | चिउरीढाँड कवुलियती वन                 | ५      |
| १४९   | थानीमाई कवुलियती वन                   | ५      |
| १५०   | छतिवन कवुलियती वन                     | ५      |
| १५१   | धुसा कवुलियती वन                      | ३      |
| १५२   | सिरुडाँडा कवुलियती वन                 | ३      |
| १५३   | ठुलोढुङ्गा कवुलियती वन                | ३      |
| १५४   | छरछरे कवुलियती वन                     | ५      |
| १५५   | पिपलडाँडा कवुलियती वन                 | ४      |
| १५६   | सिद्ध कवुलियती वन                     | ४      |
| १५७   | गौडा कवुलियती वन                      | ४      |
| १५८   | धापपाखा (क) कवुलियती वन               | ४      |
| १५९   | धापपाखा (ख) कवुलियती वन               | ४      |
| १६०   | बम्बई आँप (क) कवुलियती वन             | ४      |
| १६१   | बम्बई आँप (ख) कवुलियती वन कवुलियती वन | ४      |
| १६२   | बम्बई आँप (ग)                         | ४      |
| १६३   | लेवाटार (क) कवुलियती वन               | ४      |
| १६४   | लेवाटार (ख) कवुलियती वन               | ४      |
| १६५   | भिन्ने (क) कवुलियती वन                | ४      |
| १६६   | भिन्ने (ख) कवुलियती वन                | ४      |
| १६७   | छतिवनपाखा कवुलियती वन                 | ४      |
| १६८   | लसुनेपाखा कवुलियती वन                 | ४      |

| सि नं | कवुलियती वनको नाम         | वडा नं |
|-------|---------------------------|--------|
| १६९   | साउनेदिपाखा कवुलियती वन   | ४      |
| १७०   | छत्रे आँपपाखा कवुलियती वन | ४      |
| १७१   | सिस्नेगैह्रा कवुलियती वन  | ५      |
| १७२   | कुम्भडाँडा कवुलियती वन    | ५      |
| १७३   | सुरुङपाखा कवुलियती वन     | ५      |
| १७४   | दवदवेगैह्राख कवुलियती वन  | ५      |
| १७५   | कुम्भडाँडा कवुलियती वन    | ५      |
| १७६   | न्याउरीवास कवुलियती वन    | ५      |
| १७७   | रिठेखोला कवुलियती वन      | ५      |
| १७८   | ठुलोकरम कवुलियती वन       | ३      |
| १७९   | अमिलोआँप कवुलियती वन      | ३      |
| १८०   | सांखरभिर कवुलियती वन      | ३      |
| १८१   | इजिनडाँडा कवुलियती वन     | ३      |
| १८२   | कात्राक कवुलियती वन       | ३      |
| १८३   | चुम्लीभित्ता कवुलियती वन  | ३      |
| १८४   | पानिधारा कवुलियती वन      | ३      |
| १८५   | पारीपाखा कवुलियती वन      | ५      |
| १८६   | सेपपाखा (क) कवुलियती वन   | ५      |
| १८७   | सेपपाखा (ख) कवुलियती वन   | ५      |
| १८८   | खानीगैह्रा कवुलियती वन    | ५      |
| १८९   | गल्डुङगुल्डुङ कवुलियती वन | ५      |
| १९०   | पधेरीखोला कवुलियती वन     | ४      |
| १९१   | मृगस्थली कवुलियती वन      | ३      |
| १९२   | हरियाली कवुलियती वन       | ४      |
| १९३   | सिमलगैरी कवुलियती वन      | ३      |
| १९४   | ठुलोपाखा कवुलियती वन      | ४      |
| १९५   | भालुदुङ्गा कवुलियती वन    | ५      |
| १९६   | गल्लीपाखा कवुलियती वन     | २      |
| १९७   | माथिल्लोपधेरा कवुलियती वन | २      |
| १९८   | कालिवन कवुलियती वन        | २      |
| १९९   | दुम्सीपुक कवुलियती वन     | २      |

| सि नं | कवुलियती वनको नाम           | वडा नं |
|-------|-----------------------------|--------|
| २००   | सौरडाँडा कवुलियती वन        | २      |
| २०१   | घुमाउने कवुलियती वन         | २      |
| २०२   | भरेडखोप कवुलियती वन         | २      |
| २०३   | भोटेखोला कवुलियती वन        | २      |
| २०४   | ठुलोपाखा कवुलियती वन        | २      |
| २०५   | मोहनीघारी (क) कवुलियती वन   | २      |
| २०६   | मोहनीघारी (ख) कवुलियती वन   | २      |
| २०७   | विजोग (क) कवुलियती वन       | २      |
| २०८   | ईनवाड कवुलियती वन           | २      |
| २०९   | जवाडचुली कवुलियती वन        | २      |
| २१०   | सोलाभाजा कवुलियती वन        | २      |
| २११   | थुम्की क.व.स. कवुलियती वन   | २      |
| २१२   | नयाँ घरटोल कवुलियती वन      | १      |
| २१३   | विजोग कवुलियती वन           | १      |
| २१४   | देवीथान कवुलियती वन         | २      |
| २१५   | गैह्रीगाउँ कवुलियती वन      | २      |
| २१६   | कोकथली कवुलियती वन          | १      |
| २१७   | छाम्पुक कवुलियती वन         | १      |
| २१८   | विरपाती कवुलियती वन         | १      |
| २१९   | भोटेगाउँ जलदेवी कवुलियती वन | २      |
| २२०   | लैईथापचुली कवुलियती वन      | २      |
| २२१   | नन्दवाडजलदेवी कवुलियती वन   | २      |
| २२२   | नारराड कवुलियती वन          | २      |
| २२३   | पन्थर कवुलियती वन           | २      |
| २२४   | गोरीपाखा कवुलियती वन        | २      |
| २२५   | हुक्कावाड कवुलियती वन       | २      |
| २२६   | कल्याणटार कवुलियती वन       | २      |
| २२७   | रनबिरे कवुलियती वन          | २      |
| २२८   | सुकरिडपाखा कवुलियती वन      | २      |
| २२९   | स्याउलीपाखा कवुलियती वन     | २      |

स्रोत: गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

### २.५.२ भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

बाढी, पहिरो, भू-क्षय जस्ता प्राकृतिक प्रकोपबाट कुनै क्षेत्रलाई नष्ट हुनबाट रोक्ने वा बचाउने तथा पानीको आयतन र बहावलाई सामान्य स्थितिमा राख्ने वा पानीको बहावलाई धमिलो हुन नदिई स्वच्छता बनाई राख्ने कार्यलाई भू तथा जलाधार संरक्षण भनिन्छ। गाउँपालिकाको वातावरणलाई स्वच्छ बनाई वातावरणीय सन्तुलन कायम राख्न सामुदायिक वनहरुसँगको सहकार्य र साभेदारीमा वातावरण फोहोरमैला व्यवस्थापन, हरियाली प्रवर्द्धन, परम्परागत रुपमा रहेका पानीको मुहान संरक्षण लगायतका विभिन्न कार्यहरु गर्दै आइरहेको छ। यस गाउँपालिकाभित्र जलस्रोतको मुख्य स्रोतको रुपमा त्रिशुली नदी, प्याक्चीलिङ खोला, बग्याङ्ग खोला, काली खोला, मह खोला आदि रहेका छन्।

### २.५.३ वातावरण व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन

हाम्रो वरपर रहेका प्राकृतिक अवयवहरू जस्तै वायुमण्डल, भूमि, जल, वनजंगल, वनस्पति, जीवजन्तु र प्राकृतिक जीवनचक्र, जलवायु तथा मौसम आदिको अन्तरक्रिया र समग्रताले सिर्जना गरेका भौतिक अवस्थालाई वातावरण भनिन्छ। वातावरण संरक्षण भनेको सम्पूर्ण वातावरणीय अवयवहरूको एकीकृत संरक्षणको पाटो हो। यसमा समग्रमा जल, जमिन, जंगल, वायुमण्डल र हाम्रो वरपरको सेरोफेरोलाई स्वच्छ, सफा र सन्तुलित राख्ने विषय आउँछ। वातावरण प्रदूषणले मानिसमा विभिन्न किसिमका रोगहरू निम्त्याउँछ। नेपालको संविधानमा प्रत्येक नागरिकलाई स्वच्छ र स्वस्थ वातावरणमा बाँच्न पाउने हक हुनेछ भनी मौलिक हकको रुपमा उल्लेख गरिएको छ। गाउँपालिकाले फोहोरमैलाको दिगो व्यवस्थापनका लागि डम्पिङ/ल्याण्डफिल्ड साइटको उचित व्यवस्थापन लगायतका कार्यहरु गर्नुपर्ने छ।

हाल यस पालिकाले वातावरण तथा सरसफाईमा विशेष ध्यान दिदै निजी क्षेत्रसँगको सहकार्यमा बजार क्षेत्रभित्र रहेको फोहोर व्यवस्थापन कार्य गरिरहेको छ। साथै **फोहोरबाट मोहर** सृजना गर्ने अवधारणा अनुरूप शुरुवात गरिएको फोहोरमैला व्यवस्थापन कार्यलाई थप प्रभावकारी बनाउँदै लैजाने, आफ्नो क्षेत्रलाई स्वच्छ र हराभरा राख्ने उद्देश्यले फोहोरलाई स्रोतमै वर्गीकरण गरी उचित व्यवस्थापन गर्नका लागि चेतनामूलक र क्षमता विकास कार्यहरु सञ्चालन गरिरहेको छ।

### २.५.४ महामारी तथा विपद् व्यवस्थापन

भौगोलिक जटिलताका कारण नेपाल प्राकृतिक प्रकोपको उच्च जोखिम क्षेत्रमा रहेको छ। नेपालमा वर्षेनी प्राकृतिक प्रकोपका कारण ठूलो मात्रामा जनधनको क्षति हुने गरेको छ। नेपालमा वि.सं. २०७२ सालको महाभूकम्पको पीडा अझै ताजा नै छ। यस गाउँपालिका पनि प्राकृतिक प्रकोपको दृष्टिकोणले संवेदनशील अवस्थामा रहेको छ। यस गाउँपालिकामा विशेषगरी बाढी, पहिरो, नदी कटान, हावाहुरी, असिना, चट्याङ, अनावृष्टि, सुख्खा खडेरी, डढेलो, भूस्खलन जस्ता प्राकृतिक प्रकोपहरु देखापरेर आइरहेका छन्। यस्ता प्रकोपहरु सामान्यतया पूर्ण नियन्त्रण गर्न नसकेपनि प्रभाव न्यूनीकरणका उपायहरु अवलम्बन गरी जनधनको क्षतिलाई न्यूनीकरण गर्न सकिन्छ। यसका लागि गाउँपालिकाले विपद् व्यवस्थापन पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना तयार पारी लागु गर्नु आवश्यक हुन्छ।

गाउँपालिकाको अधिकांश भू-भाग पहाडी क्षेत्रमा पर्ने भएकाले यो क्षेत्र बाढी, कटान र पहिरोको जोखिम भएको क्षेत्र अन्तर्गत पर्दछ। तसर्थ सडकको दायौँबायौँ नाला निर्माण कार्यलाई उच्च प्राथमिकतामा राखेर दिगो विकासको अवधारणा अनुरूप अगाडि बढ्नुपर्ने देखिन्छ। यसका लागि सडकको स्तरोन्नति सँगसँगै नाला निर्माण गर्ने र नजिकको खोलाहरूमा निकास गर्ने प्रणाली विकास गर्नु पर्दछ। यसरी नालाको कामको थालनी गर्दा सर्वप्रथम बाढी तथा पहिरो प्रभावित क्षेत्रहरूलाई प्राथमिकतामा राख्नु पर्दछ।

## २.६ सुशासन तथा संस्थागत व्यवस्था

### २.६.१ स्थानीय नीति, ऐन तथा सुशासन

स्थानीयवासीलाई चुस्त, पारदर्शी तथा सुविधाजनक सेवा प्रवाह गर्नु गाउँपालिकाको पहिलो दायित्व हो। सही सूचना तथा जानकारी प्राप्त नहुँदा सेवाग्राहीले पटक पटक दुःख पाउने अवस्था आउँछ भने पालिकाप्रति जनविश्वास पनि

घटन जान्छ । तसर्थ चुस्त दुरुस्त तरिकाले सेवा प्रदान गर्नको लागि यस गाउँपालिकाले हालसम्म ७ वटा ऐन, ३३ वटा कार्यविधि, ३ वटा निर्देशिका लगायतका कानूनी दस्तावेजहरु तय गरी कार्यान्वयनमा ल्याइरहेको छ । गाउँपालिकाले तय गरेका कानूनी दस्तावेजहरुको विस्तृत विवरण तलको तालिकामा समावेश गरिएको छ ।

**तालिका नं. १६: गाउँपालिकाले तय गरेका कानूनी दस्तावेजहरुको विवरण**

|                                                                                                                    |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| अपाङ्ग परिचयपत्र वितरण सम्बन्धी कार्यविधि, २०८१                                                                    |
| कृषि तथा पशुजन्य वस्तुको उत्पादनमा आधारित अनुदान सम्बन्धी कार्यविधि, २०८१                                          |
| इच्छाकामना गाउँपालिका स्वास्थ्य संस्था दर्ता, अनुमति, नविकरण तथा स्तरोन्नति सम्बन्धी कार्यविधि, २०८०               |
| आर्थिक ऐन, २०८१                                                                                                    |
| कर्मचारी कार्य विवरण, २०७९                                                                                         |
| इच्छाकामना गाउँपालिकाको नगर प्रहरी छनोट सम्बन्धी कार्यविधि, २०८० (पहिलो संशोधन), २०८०                              |
| अस्पताल संचालन कार्यविधि, २०८०                                                                                     |
| इच्छाकामना गाउँपालिकाको नगर प्रहरी छनोट सम्बन्धी कार्यविधि, २०८०                                                   |
| कृषक समूह गठन तथा परिचालन कार्यविधि, २०८०                                                                          |
| इच्छाकामना गाउँपालिकामा करार शिक्षक तथा विद्यालय कर्मचारी व्यवस्थापन गर्ने सम्बन्धी कार्यविधि, २०८० (पहिलो संशोधन) |
| फिस्लिङ तरकारी संकलन केन्द्र सञ्चालन सम्बन्धी कार्यविधि, २०८०                                                      |
| एक विद्यालय एक करेसवारी कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०८०                                                      |
| बालिका विकास सम्बन्धी कार्यविधि, २०७५ (पहिलो संशोधन), २०८०                                                         |
| इच्छाकामना गाउँपालिका भित्रका सामुदायिक विद्यालयहरुमा प्रधानाध्यापक नियुक्ति सम्बन्धी कार्यविधि, २०८०              |
| शिक्षा ऐन, २०७४ (पहिलो संशोधन), २०८०                                                                               |
| कर तथा गैरकर राजश्व लगाउने र उठाउने सम्बन्धमा बनेको ऐन, २०८०                                                       |
| व्यवसाय कर सम्बन्धी कार्यविधि, २०८०                                                                                |
| सम्पत्ती कर व्यवस्थापन कार्यविधि, २०८०                                                                             |
| विनियोजन ऐन, २०८०                                                                                                  |
| इच्छाकामना गाउँपालिका जलश्रोत तथा मुहान दर्ता कार्यविधि, २०७९                                                      |
| स्थानीय तहमा बाल अधिकार संरक्षण तथा सम्बर्द्धन सम्बन्धी कार्यविधि, २०७९                                            |
| ज्येष्ठ नागरिक परिचय पत्र वितरण निर्देशिका, २०७९                                                                   |
| लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण रणनीति, २०७९                                                                 |
| वडास्तरीय योजना मार्गदर्शन, २०७९                                                                                   |
| इच्छाकामना गाउँपालिका मेलमिलाप केन्द्र सञ्चालन सम्बन्धी कार्यविधि, २०७९                                            |
| इच्छाकामना गाउँपालिका कर्मचारी प्रोत्साहन तथा सेवा सुविधा सम्बन्धी कार्यविधि, २०७९                                 |
| इच्छाकामना गाउँपालिकामा करारमा प्राविधिक कर्मचारी व्यवस्थापन गर्ने सम्बन्धी कार्यविधि, २०७९                        |
| घ वर्गको निर्माण व्यवसायी इजाजतपत्र सम्बन्धी कार्यविधि, २०७९                                                       |
| इच्छाकामना गाउँपालिकाको घर नक्शा अभिलेखीकरण कार्यविधि, २०७९                                                        |
| कृषि एम्बुलेन्स सेवा सञ्चालन कार्यक्रम कार्यविधि, २०७९                                                             |
| एम्बुलेन्स सञ्चालन सम्बन्धी कार्यविधि, २०७९                                                                        |
| गरीब परिवार पहिचान तथा परिचयपत्र वितरण निर्देशिका, २०७५                                                            |
| इच्छाकामना गाउँपालिकाको कार्यसञ्चालन निर्देशिका, २०७७                                                              |

|                                                                                             |
|---------------------------------------------------------------------------------------------|
| इच्छाकामना गाउँपालिकाको उपभोक्ता समिति गठन, परिचालन तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यविधि, २०७४ |
| विपन्नको आँगनमा स्थानीय सरकार कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०७७                         |
| एफ.एम. रेडियो व्यवस्थापन तथा सञ्चालन कार्यविधि, २०७५                                        |
| न्यायिक समितिले उजुरीको कारवाही किनारा गर्दा अपनाउनुपर्ने कार्यविधि, २०७५                   |
| तरकारी संकलन केन्द्र सञ्चालन कार्यविधि, २०७७                                                |
| आर्थिक सहायता सम्बन्धी कार्यविधि, २०७५                                                      |
| टोल विकास संस्था सञ्चालन कार्यविधि, २०७५                                                    |
| इच्छाकामना गाउँपालिकाको आर्थिक ऐन २०७६ (विभिन्न समयमा संशोधन गरिएको)                        |
| इच्छाकामना गाउँपालिकाको सहकारी ऐन, २०७५                                                     |
| इच्छाकामना गाउँपालिका कर्मचारी आचारसंहिता, २०७४                                             |
| इच्छाकामना मेला महोत्सव व्यवस्थापन कार्यविधि, २०७५                                          |
| अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यविधि, २०७५                                                       |
| शिक्षक छनौट परिक्षा सञ्चालन कार्यविधि, २०७५                                                 |

स्रोत: गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

### २.६.२ श्रोत परिचालन

स्थानीय तहको विकासमा सार्वजनिक खर्च व्यवस्थापनको प्रमुख श्रोत माथि उल्लेखित संघीय सरकारबाट प्राप्त अनुदान भए तापनि प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूपमा निजी क्षेत्र, सहकारी, संघ संस्था तथा व्यक्तिगत रूपमा सेवाग्राहीबाट प्राप्त श्रमदानको योगदान र महत्वलाई समेत उच्च स्थानमा राख्नु पर्दछ। नेपाल सरकारको अर्थ, उद्योग र वाणिज्य सम्बन्धी नीतिमा तीन खम्बे नीतिलाई विकासको प्रमुख आधार मानिएको सन्दर्भमा यस गाउँपालिकाको विकासमा समेत उक्त क्षेत्रहरूबाट हुने योगदानलाई कदर गरिएको छ।

### २.६.३ योजना व्यवस्थापन

गाउँपालिकाका आफ्नो क्षेत्राधिकारमा कृषि, पर्यटन विकास, घरेलु उद्योग, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यक्रमहरू र भौतिक पूर्वाधारको विकास गरी रोजगारीको सिर्जना गर्न आफ्नो बजेट केन्द्रित गर्नुपर्ने देखिन्छ। आय र खर्चको समुचित व्यवस्थापन गरी उत्पादनशील रोजगारी सिर्जना गर्ने, आयआर्जन गर्ने, उपलब्ध साधन र स्रोतको समुचित उपयोग गरी आम नागरिकको जीवनस्तरमा सुधार ल्याउने कार्यक्रम सञ्चालन गर्नु जरुरी देखिन्छ।

## परिच्छेद - ३: सोच तथा विकासको अवधारणा

### ३.१ पृष्ठभूमि

संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्थाको माध्यमद्वारा दिगो शान्ति, सुशासन, विकास र समृद्धिको आकांक्षा पूरा गर्न संविधान सभाबाट पारित गरी जारी भएको नेपालको संविधान २०७२ ले देशको शासन संघ, प्रदेश र स्थानीय तहका सरकारहरूले आपसी समन्वयबाट गर्ने संवैधानिक व्यवस्था गरेको छ। तिनवटै सरकारका आ-आफ्ना अधिकार क्षेत्रहरू तोकिएका छन्। कतिपय साभ्ना अधिकार छन् भने कतिपय एकल अधिकार छन्। संविधानको अनुसूची-८ अन्तर्गत स्थानीय सरकारका विकास योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन र मूल्याङ्कन गर्ने एकल अधिकार स्थानीय सरकारलाई प्राप्त भएकाले सोही बमोजिम इच्छाकामना गाउँपालिकाले आवधिक योजना तयार पारेको हो।

### ३.२ प्रमुख समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ खेतीयोग्य जमिनमा सिँचाई सुविधा राम्रो प्रवन्ध गर्न नसकिएको।</li> <li>➤ गाउँपालिकासँग निकट ठूला उपभोक्ता बजारहरू (चितवन, पोखरा, काठमाडौँ) सँगको Connectivity लाई थप प्रभावकारी र लाभयुक्त बनाउन नसकिएको।</li> <li>➤ पर्यटनको राम्रो सम्भावना भएपनि आधारभूत पर्यटन पूर्वाधारको दिगो विकास हुन नसकेको।</li> <li>➤ पर्यटनलाई व्यावसायिक बनाउन चुनौती रहेको।</li> <li>➤ कृषि तथा स्थानीय उपजमा आधारित ठूला उद्योगहरूको विकास हुन नसकेको।</li> <li>➤ बाढी र पहिरोको समस्या रहेको।</li> <li>➤ विकास र समृद्धि तर्फको यात्रामा व्यापक जनचेतना अभिवृद्धि गर्नुपर्ने अवस्था रहेको।</li> <li>➤ युवा जनशक्तिलाई गाउँपालिकाकै विकासमा केन्द्रित गरी बस्ने वातावरण सिर्जना गर्नुपर्ने चुनौती रहेको।</li> <li>➤ विकासका भौतिक पूर्वाधारहरूको थप विकास र विस्तार गर्नुपर्ने अवस्था रहेको।</li> <li>➤ परम्परागत चिन्तन शैलीमा व्यापक परिवर्तन नभइसकेकोले लैङ्गिकता, सामाजिक विभेद लगायतका सामाजिक सन्तुलनका विषयहरूमा प्रशस्त जागरण गर्नुपर्ने अवस्था रहेको।</li> <li>➤ स्थानीय तहहरूमा आवश्यक तथ्याङ्कहरू अद्यावधिक नभइ सकेको हुनाले दिगो विकास लक्ष्यको सूचाङ्क अनुसार सूचनाहरू अद्यावधिक गर्नुपर्ने भएको।</li> </ul> |

### ३.३ प्रमुख सम्भावना तथा अवसर

| सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ ऐतिहासिक, धार्मिक पर्यटन, पर्यापर्यटन, र कृषि पर्यटनको प्रचुर सम्भावना रहेको।</li> <li>➤ इच्छाकामना गाउँपालिकाको भरतपुर महानगरपालिका, पोखरा महानगरपालिका तथा काठमाडौँ महानगरपालिकासँग भौगोलिक निकटता रहेकाले ठूला उपभोक्ता बजारसँगको सन्निकटता रहेको।</li> <li>➤ कृषि शहर विकास गरी कृषिमा आधारित ठूला तथा मझौला उद्योग स्थापना गर्न सकिने।</li> <li>➤ स्थानीय उपजमा आधारित उद्योगको प्याकेजिङ र ब्रान्डिङ गरी राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा निर्यात गर्न सकिने।</li> <li>➤ युवा जनशक्तिको जनसांख्यिक लाभांशको उच्चतम सदुपयोग गरी समृद्धिको यात्रा तय गर्न सकिने।</li> <li>➤ पृथ्वी राजमार्गको राम्रो पहुँच रहेको।</li> </ul> |

#### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- स्थानीय आवश्यकता र विशिष्टताको आधारमा आफ्ना योजना आफै निर्माण र कार्यान्वयन गर्ने गराउने अधिकार स्थानीय सरकारलाई प्राप्त भएको ।
- स्थानीय सरकारको नेतृत्व अनुभवी तथा परिपक्व हुँदै गएको तथा विकास निर्माणप्रति जनचासो बढ्दै गएको ।
- इच्छाकामना गाउँपालिकाभित्र सामुदायिक वन र कवुलियत वन गरी २०० वटा भन्दा बढी वनहरू रहेका ।

### ३.४ निर्देशक सिद्धान्त

तीव्र आर्थिक र सामाजिक विकास मार्फत आम नागरिकको जीवनमा सकारात्मक रूपान्तरण गरी सुखी र समृद्ध समाजको निर्माण गर्न आवधिक योजनाका समग्र कार्यक्रमहरू लक्षित रहने छन् । यसर्थ यी कार्यक्रमहरूको सफल कार्यान्वयन गरी अपेक्षित उपलब्धिहरू हासिल गर्न तय गरिएका मूल निर्देशक सिद्धान्तहरू निम्न बमोजिम छन् :

१. विकासका आधारभूत पूर्वाधार निर्माणसँगै आम नागरिकका दैनिक आधारभूत आवश्यकता पूर्ति हुने गरी प्रत्यक्ष योगदान पुऱ्याउने कार्यक्रम कार्यान्वयन
२. शान्त, सौहार्द, समतामूलक, समावेशी, आर्थिक, सामाजिक र साँस्कृतिक विकास
३. समाजवाद उन्मुख आत्मनिर्भर अर्थतन्त्र
४. दिगो, सन्तुलित र हरित अर्थतन्त्रमा आधारित विकास
५. शिक्षा, स्वास्थ्य र मानव संसाधन निर्माण
६. बालमैत्री, महिलामैत्री तथा लैङ्गिक सन्तुलनयुक्त, युवा उद्यमी तथा रोजगारी केन्द्रित विकास
७. न्यायमा आधारित भेदभाव रहित समाज तथा सामाजिक सुरक्षा
८. रैथाने संस्कृति, भुगोल, सम्भावना, पहिचान तथा परिवेशमा आधारित विकास
९. सार्वजनिक, निजी, सहकारी र सामुदायिक सहभागितामा आधारित विकास
१०. असल शासन र उत्तरदायी स्थानीय सरकार
११. संघीय, प्रादेशिक तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रतिबद्धताहरूलाई स्थानीयकरण गर्दै दिगो विकास लक्ष्य हासिल तर्फको विकास यात्रा
१२. सूचना प्रविधिमा आधारित विकास

### ३.५ सोच, लक्ष्य तथा उद्देश्य

#### दीर्घकालीन सोच

“सुखी, खुशी र समृद्ध इच्छाकामना ! कृषि, पर्यटन र पूर्वाधार विकास हाम्रो चाहना !!”

#### लक्ष्य

भूमिको वैज्ञानिक सदुपयोग गरि आधुनिक र व्यवसायिक कृषि, पर्यटन र दिगो पुर्वाधार विकास मार्फत स्वच्छ, सुन्दर र समुन्नत गाउँपालिका निर्माण गर्ने ।

#### उद्देश्यहरू

- दिगो विकास लक्ष्य र निर्धारित सूचकहरू हासिल गर्नु ।
- शिक्षा, स्वास्थ्य लगायत आधारभूत सेवा तथा संरचनाहरूमा सबैको पहुँचको सुनिश्चितता गर्नु ।
- समावेशी विकास प्रवर्द्धन सहित असमानता न्यूनीकरण गरी विकासमा सबैको अपनत्व सुनिश्चित गर्नु ।
- कृषि उत्पादकत्व वृद्धि तथा उद्यम विकास गरी द्रुत आय आर्जनका अवसरहरू सिर्जना गरेर उच्च आर्थिक वृद्धिदर प्राप्त गर्नु ।
- सुशासन तथा गाउँपालिकावासीहरूलाई सामाजिक न्यायको प्रत्याभूति गर्नु ।

- प्रविधि विकास तथा विस्तार गर्नु ।
- मानव अधिकार संरक्षण, दण्डहिन्ताको अन्त्य सहितको सामाजिक सुरक्षालाई सुनिश्चित गर्नु ।

### ३.६ परिमाणात्मक लक्ष्य

तालिका नं. १७: गाउँपालिकाका समष्टिगत परिमाणात्मक लक्ष्यहरू

| क्र.सं. | लक्ष्य, गन्तव्य र सूचक                                                | एकाई        | आ.व.<br>२०८०/८१ | आ.व. २०८४/८५<br>को लक्ष्य |
|---------|-----------------------------------------------------------------------|-------------|-----------------|---------------------------|
| १.      | आर्थिक वृद्धिदर (औसत) (बागमती प्रदेश )                                | प्रतिशत     |                 |                           |
| २.      | कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि क्षेत्रको योगदान                        | प्रतिशत     |                 |                           |
| ३.      | कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान                      | प्रतिशत     |                 |                           |
| ४.      | कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा सेवा क्षेत्रको योगदान                        | प्रतिशत     |                 |                           |
| ५.      | कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा पर्यटन क्षेत्रको योगदान                      | प्रतिशत     |                 |                           |
| ६.      | प्रतिव्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय (बागमती प्रदेश)                         | अमेरिकी डलर |                 |                           |
| ७.      | गरिवीको रेखामुनी रहेको जनसंख्या (निरपेक्ष गरिवी)                      | प्रतिशत     |                 |                           |
| ९.      | श्रम सहभागिता दर (१५ वर्ष माथि)                                       | प्रतिशत     |                 |                           |
| १०.     | बेरोजगारी दर                                                          | प्रतिशत     |                 |                           |
| ११.     | रोजगारीमा औपचारिक क्षेत्रको हिस्सा                                    | प्रतिशत     |                 |                           |
| १२.     | विद्युतमा पहुँच प्राप्त परिवार                                        | प्रतिशत     |                 |                           |
| १३.     | ३० मिनेटसम्मको दुरीमा यातायात पहुँच भएको परिवार                       | प्रतिशत     |                 |                           |
| १४.     | इन्टरनेट प्रयोगकर्ता कुल परिवार                                       | प्रतिशत     |                 |                           |
| १५.     | अपेक्षित आयु (जन्म हुँदाको) (बागमती प्रदेश)                           | वर्ष        |                 |                           |
| १६.     | मातृ मृत्युदर (प्रति हजार जीवित जन्ममा)                               | संख्या      |                 |                           |
| १७.     | पाँच वर्ष मुनीको बाल मृत्युदर (प्रति हजार जीवित जन्ममा)               | संख्या      |                 |                           |
| १८.     | ४ वर्ष मुनीका कमतौल भएका बालबालिका                                    | प्रतिशत     |                 |                           |
| १९.     | साक्षरता दर (१५ वर्ष माथि)                                            | प्रतिशत     |                 |                           |
| २०.     | माध्यमिक तह (९-१२) मा खुद भर्नादर                                     | प्रतिशत     |                 |                           |
| २१.     | उच्च शिक्षामा कुल भर्नादर                                             | प्रतिशत     |                 |                           |
| २२.     | उच्च मध्यम स्तरको खानेपानी सुविधा पुगेको घरधुरी                       | प्रतिशत     |                 |                           |
| २३.     | आधारभूत सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध जनसंख्या                              | प्रतिशत     |                 |                           |
| २४.     | लैंगिक विकास सूचकांक (बागमती प्रदेश )                                 | सूचकांक     |                 |                           |
| २५.     | मानव विकास सूचकांक (बागमती प्रदेश )                                   | सूचकांक     |                 |                           |
| २६.     | आधारभूत खाद्य सुरक्षाको स्थितिमा रहेका घरपरिवार                       | प्रतिशत     |                 |                           |
| २७.     | जीवनकालमा शारीरिक वा मानसिक वा यौन हिंसा पिडित महिला (बागमती प्रदेश ) | प्रतिशत     |                 |                           |

| क्र.सं. | लक्ष्य, गन्तव्य र सूचक                       | एकाई    | आ.व. २०८०/८१ | आ.व. २०८४/८५ को लक्ष्य |
|---------|----------------------------------------------|---------|--------------|------------------------|
| २८.     | आफ्नै स्वामित्वको आवासमा बसोवास गर्ने परिवार | प्रतिशत |              |                        |
| २९.     | सिंचित क्षेत्रफल                             | प्रतिशत |              |                        |
| ३०.     | पक्की सडकमा पहुँच भएको घरपरिवार              | प्रतिशत |              |                        |
| ३१.     | लैङ्गिक असमानता सूचक (वागमती प्रदेश)         | सूचकांक |              |                        |

### ३.७ रणनीति तथा प्राथमिकता

| प्रमुख रणनीतिहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ आर्थिक क्षेत्रका मूल स्तम्भहरू जस्तै कृषि, वन, व्यापार, उद्योग र पर्यटन क्षेत्रको समुचित विकास गर्न ती क्षेत्रहरूलाई वैज्ञानिक र व्यवसायिक बनाई यसमा संलग्न मानव स्रोतलाई सक्षम र प्रतिस्पर्धी तुल्याउने ।</li> <li>➤ हरेक क्षेत्रको विकासमा अपरिहार्य आधारको रूपमा रहेका आधारभूत भौतिक पूर्वाधार जस्तै-सडक, उर्जा, सिंचाई, खानेपानी आदिको विकासलाई उच्च प्राथमिकता दिने ।</li> <li>➤ सम्पूर्ण क्षेत्रको दीर्घकालीन विकासलाई प्रत्यक्ष प्रभाव पार्ने शिक्षा र स्वास्थ्य क्षेत्रको संस्थागत विकास गरी मानव स्रोत निर्माण, अध्ययन र अनुसन्धान तर्फ केन्द्रित नीति तथा कार्यक्रमलाई महत्वका साथ कार्यान्वयन गर्ने ।</li> <li>➤ सामाजिक न्याय स्थापित गरी समावेशीकरण र पछाडि परेका वर्गलाई मूल प्रवाहीकरण गर्न सहभागितामूलक विकास पद्धति अवलम्बन गरी राज्यको नजरमा कोही पछि नपर्ने नीति कार्यान्वयन गर्ने ।</li> <li>➤ विकास निर्माणका हरेक क्रियाकलापमा वातावरण संरक्षण र प्रवर्द्धन हुने क्रियाकलाप समेत गर्न सोको सुनिश्चितता गर्ने ।</li> <li>➤ जनमुखी असल शासन स्थापित गर्न संघीय र लोकतान्त्रिक सफल राज्यहरूमा अवलम्बन गरिएका असल अभ्यासहरूलाई हाम्रो विशिष्टीकृत परिस्थिति अनुरूप अनुसरण गर्ने ।</li> </ul> |

### ३.८ लगानी, स्रोत अनुमान र बाँडफाँट

नेपालको संविधान २०७२ को धारा ५९ मा आर्थिक अधिकारको प्रयोग सम्बन्धी व्यवस्था गरिएको छ । यसैगरी धारा ६० मा राजश्व स्रोतको बाँडफाँट सम्बन्धी व्यवस्था छ । धारा ६० को उपधारा २ बमोजिम नेपाल सरकारले संकलन गरेको राजश्व संघ, प्रदेश र स्थानीय तहलाई न्यायोचित वितरण गर्ने उल्लेख छ । यस व्यवस्थाको कार्यान्वयनका लागि अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४ जारी गरिएको छ । त्यसैगरी संविधानको धारा २२९ मा स्थानीय संचित कोषको प्रवन्ध गरिएको छ । यस कोषमा स्थानीय तहलाई प्राप्त हुने सबै प्रकारको राजश्व नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने अनुदान तथा स्थानीय तहले लिएको ऋण र अन्य स्रोतबाट प्राप्त हुने रकम जम्मा हुनेछ ।

स्थानीय संचित कोषमा जम्मा हुने रकमका स्रोतहरू देहाय बमोजिम रहेका छन् ।

- १) आन्तरिक राजश्व
- २) राजश्व बाँडफाँटबाट प्राप्त रकम
- ३) संघीय सरकारबाट प्राप्त रकम तथा अनुदान
- ४) प्रदेश सरकारबाट प्राप्त अनुदान तथा अन्य रकम
- ५) कुनै व्यक्ति, संघ, संस्थाबाट प्राप्त रकम
- ६) संघीय सरकारको पहिलमा प्राप्त वैदेशिक सहायता रकम
- ७) अन्य स्थानीय तहहरूबाट प्राप्त सहयोग तथा अनुदान
- ८) आन्तरिक ऋणबाट प्राप्त रकम
- ९) अन्य कुनै स्रोतबाट प्राप्त रकम

नेपालको संविधानको मर्म अनुरूप अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ बमोजिम तीन तहका सरकारहरूलाई प्राप्त व्यवस्था अनुरूपका आयका श्रोतहरू देहाय बमोजिम छन् ।

**(क) राजश्वको बाँडफाँट**

यस अन्तर्गत मूल्य अभिवृद्धि कर र अन्त शुल्कबाट उठेको रकम बाँडफाँड गर्ने व्यवस्था रहेको छ । यी कर तथा शुल्कहरू संघीय विभाज्य कोषमा जम्मा भई कूल रकमको ७० प्रतिशत संघीय सरकारलाई, १५ प्रतिशत प्रदेश सरकारलाई र १५ प्रतिशत स्थानीय सरकारलाई प्राप्त हुन्छ ।

**(ख) प्राकृतिक श्रोतबाट प्राप्त हुने रोयल्टीको बाँडफाँट**

प्राकृतिक श्रोत अन्तर्गत विशेष गरी पर्वता रोहण, विद्युत, वन, खानी तथा खनिज, पानी तथा अन्य प्राकृतिक श्रोतबाट प्राप्त हुने रकम मध्ये संघीय विभाज्य कोषमा जम्मा भएको कूल रकमको ५० प्रतिशत संघलाई, २५ प्रतिशत सम्बन्धित प्रदेशलाई र २५ प्रतिशत सम्बन्धित स्थानीय तहलाई प्राप्त हुन्छ ।

**(ग) अनुदानबाट प्राप्त रकम**

अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ बमोजिम संघीय सरकार र प्रदेश सरकारले स्थानीय सरकारलाई देहाय बमोजिमका अनुदानहरू प्रदान गर्दछन् ।

- १) वित्तिय समानिकरण अनुदान
- २) सशर्त अनुदान
- ३) समपुरक अनुदान
- ४) विशेष अनुदान
  - (घ) संघीय सरकारद्वारा लिइएको वैदेशिक सहायताबाट स्थानीय तहलाई प्राप्त रकम
  - (ङ) नेपाल सरकारको स्वीकृतिमा स्थानीय तहले लिएको आन्तरिक ऋण
  - (च) नेपाल सरकारले स्थानीय सरकारलाई दिएको ऋण

संविधानले दिएको अधिकार साथै विभिन्न ऐन तथा कानूनले गरेको व्यवस्थाका आधारमा यस योजनामा बजेटको स्रोत अनुमान तथा प्रक्षेपण गरिएको छ । आवधिक योजनाले निर्दिष्ट गरेको लक्ष्य प्राप्तिको लागि बजेट व्यवस्थापन र संचालनको विषयमा यस परिच्छेदमा चर्चा गरिएको छ ।

### ३.८.१ आवधिक योजना कार्यान्वयनका लागि आवश्यक बजेटको श्रोत अनुमान तथा प्रक्षेपण (रकम रू. हजारमा)

| विवरण                           | आ.व. २०८०/८१ को यथार्थ | चालुआ.व. २०८१/८२ को विनियोजित बजेट | मध्यमकालीन बजेट अनुमान र प्रक्षेपण |                     |                     |                     |
|---------------------------------|------------------------|------------------------------------|------------------------------------|---------------------|---------------------|---------------------|
|                                 |                        |                                    | ०८२/८३ को प्रक्षेपण                | ०८३/८४ को प्रक्षेपण | ०८४/८५ को प्रक्षेपण | ०८५/८६ को प्रक्षेपण |
| बजेट अनुमान                     | ६७,००,७०               | ७७,८८,९२                           | ८५,६७,८१                           | ९४,२४,५९            | १,०३,६७,०५          | १,१४,०३,७५          |
| चालु खर्च                       | ३८,५३,७०               |                                    |                                    |                     |                     |                     |
| पूँजीगत खर्च                    | २८,४७,००               |                                    |                                    |                     |                     |                     |
| आय अनुमान                       | ६७,००,७०               | ७७,८८,९२                           | ८५,६७,८१                           | ९४,२४,५९            | १,०३,६७,०५          | १,१४,०३,७५          |
| आन्तरिक आय                      | २,७१,०५                | ३,००,००                            | ३,३०,००                            | ३,६३,००             | ३,९९,३०             | ४,३९,२३             |
| राजस्व बाँडफाँट बाट प्राप्त रकम | १२,८६,५६               | १५,३८,५८                           | १६,९२,४३                           | १८,६१,६८            | २०,४७,८४            | २२,५२,६३            |
| क. नेपाल सरकार                  | ९,४०,४५                | ९,९८,००                            | १०,९७,८०                           | १२,०७,५८            | १३,२८,३३            | १४,६१,१७            |
| ख. प्रदेश सरकार                 | २,२९,५७                | ३,०९,६४                            | ३,४०,६१                            | ३,७४,६७             | ४,१२,१४             | ४,५३,३५             |
| रोयल्टी बाँडफाँट                |                        |                                    |                                    |                     |                     |                     |
| क. वन रोयल्टी                   | १,१६,५२                | २,३०,९३                            | २,५४,०२                            | २,७९,४२             | ३,०७,३६             | ३,३८,१०             |
| नेपाल सरकार वित्तीय हस्तान्तरण  | ३९,०९,००               | ४७,४२,००                           | ५२,१६,२०                           | ५७,३७,८२            | ६३,११,६०            | ६९,४२,७६            |
| क. वित्तीय समानीकरण अनुदान      | ९,८७,००                | ९,९७,००                            | १०,९६,७०                           | १२,०६,३७            | १३,२७,००            | १४,५९,७०            |
| ख. सशर्त अनुदान (चालु)          | २४,६६,००               | २४,९५,००                           | २७,४४,५०                           | ३०,१८,९५            | ३३,२०,८४            | ३६,५२,९२            |
| ग. सशर्त अनुदान (पूँजीगत)       | १,४१,००                | ७,७०,००                            | ८,४७,००                            | ९,३१,७०             | १०,२४,८७            | ११,२७,३५            |
| घ. विशेष अनुदान (पूँजीगत)       | १,५०,००                | ३,३०,००                            | ३,६३,००                            | ३,९९,३०             | ४,३९,२३             | ४,८३,१५             |
| ड. समपुरक अनुदान (पूँजीगत)      | १,६५,००                | १,५०,००                            | १,६५,००                            | १,८१,५०             | १,९९,६५             | २,१९,६१             |
| प्रदेश सरकार वित्तीय हस्तान्तरण | ५,६५,४९                | ७,०८,३४                            | ७,७९,१७                            | ८,५७,०९             | ९,४२,८०             | १०,३७,०८            |
| क. वित्तीय समानीकरण अनुदान      | ९६,५९                  | ९५,३४                              | १,०४,८७                            | १,१५,३६             | १,२६,८९             | १,३९,५८             |
| ख. सशर्त अनुदान (चालु)          | २,६८,९०                | ३,४३,००                            | ३,७७,३०                            | ४,१५,०३             | ४,५६,५३             | ५,०२,१८             |
| ग. विशेष अनुदान (चालु)          | ०                      | ७०,००                              | ७७,००                              | ८४,७०               | ९३,१७               | १,०२,४८             |

| विवरण                         | आ.व. २०८०/८१ को यथार्थ | चालुआ.व. २०८१/८२ को विनियोजित बजेट | मध्यमकालीन बजेट अनुमान र प्रक्षेपण |                     |                     |                     |
|-------------------------------|------------------------|------------------------------------|------------------------------------|---------------------|---------------------|---------------------|
|                               |                        |                                    | ०८२/८३ को प्रक्षेपण                | ०८३/८४ को प्रक्षेपण | ०८४/८५ को प्रक्षेपण | ०८५/८६ को प्रक्षेपण |
| घ. समपुरक अनुदान (चालु)       | २,००,००                | २,००,००                            | २,२०,००                            | २,४२,००             | २,६६,२०             | २,९२,८२             |
| आन्तरिक ऋण                    |                        |                                    | ०                                  | ०                   | ०                   | ०                   |
| अन्य (नगर विकास कोष)          |                        |                                    | ०                                  | ०                   | ०                   | ०                   |
| जनसहभागिता                    |                        |                                    |                                    |                     |                     |                     |
| अन्तर स्थानीय तह साभेदारी रकम |                        |                                    |                                    |                     |                     |                     |
| मौज्दात रकम                   | ६,६८,५९                | ५,००,००                            | ५,५०,००                            | ६,०५,००             | ६,६५,५०             | ७,३२,०५             |
| कुल                           |                        |                                    |                                    |                     |                     |                     |
| बचत (-) न्यून (+)             |                        |                                    |                                    |                     |                     |                     |

### ३.८.२ सार्वजनिक खर्चको बाँडफाँट (रकम रू. हजारमा)

| क्र.सं. | शिरषक                         | आ.व. २०८०/०८१ को यथार्थ | आ.व. २०८१/०८२ को विनियोजन | आ.व. २०८२/०८३ को प्रक्षेपण | आ.व. २०८३/०८४ को प्रक्षेपण | आ.व. २०८४/०८५ को प्रक्षेपण | आ.व. २०८५/०८६ को प्रक्षेपण |
|---------|-------------------------------|-------------------------|---------------------------|----------------------------|----------------------------|----------------------------|----------------------------|
| १.      | कूल बजेट                      | ६७,००,७०                | ७७,८८,९२                  | ८५,६७,८१                   | ९४,२४,५९                   | १०३६७०५२५२                 | १,१४,०३,७५                 |
|         | चालु खर्च                     | ३८,५३,७०                |                           | ०                          | ०                          | ०                          | ०                          |
|         | पूँजीगत खर्च                  | २८,४७,००                |                           | ०                          | ०                          | ०                          | ०                          |
| २.      | कूल खर्चको क्षेत्रगत बाँडफाँट | ६७,००,७०                | ७७,८८,९२                  | ८५,६७,८१                   | ९४,२४,५९                   | १०३६७०५२५२                 | १,१४,०३,७५                 |
| २.१     | आर्थिक क्षेत्र                | २,०८,७५                 | ६,२३,११                   | ६,८५,४२                    | ७,५३,९६                    | ८२९३६४२०                   | ९,१२,३०                    |
| २.२     | सामाजिक क्षेत्र               | २९,०९,१३                | ३५,०५,०१                  | ३८,५५,५१                   | ४२,४१,०६                   | ४६६५१७३६३                  | ५१,३१,६९                   |
| २.३     | पूर्वाधार विकास               | २२,२५,४१                | २३,३६,६७                  | २५,७०,३४                   | २८,२७,३७                   | ३११०११५७६                  | ३४,२१,१२                   |

Commented [N1]: रुहजारमा मिलाउन बाँकी

| क्र.सं. | शिर्षक                             | आ.व. २०८०/०८१ को यथार्थ | आ.व. २०८१/०८२ को वित्तियोजन | आ.व. २०८२/०८३ को प्रक्षेपण | आ.व. २०८३/०८४ को प्रक्षेपण | आ.व. २०८४/०८५ को प्रक्षेपण | आ.व. २०८५/०८६ को प्रक्षेपण |
|---------|------------------------------------|-------------------------|-----------------------------|----------------------------|----------------------------|----------------------------|----------------------------|
| २.४     | वन वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन    | २,००,१२                 | १,२४,६२                     | १,३७,०८                    | १,५०,७९                    | १,६५,८७                    | १,८२,४६                    |
| २.५     | शुसासन तथा अन्तर सम्बन्धित क्षेत्र | ११,५७,२९                | ११,९९,४९                    | १३,१९,४४                   | १४,५१,३८                   | १५,९६,५२                   | १७,५६,१७                   |

### ३.८.३ विषय क्षेत्रगत बजेट बाँडफाँडको विस्तृत विवरण (रकम रु. हजारमा)

| क्र.सं. | विषय क्षेत्र/उपक्षेत्र        | रकम रु. हजारमा          |                                 |                            |                            |                            |                            |
|---------|-------------------------------|-------------------------|---------------------------------|----------------------------|----------------------------|----------------------------|----------------------------|
|         |                               | आ.व. २०८०/०८१ को यथार्थ | आ.व. २०८१/०८२ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०८२/०८३ को प्रक्षेपण | आ.व. २०८३/०८४ को प्रक्षेपण | आ.व. २०८४/०८५ को प्रक्षेपण | आ.व. २०८५/०८६ को प्रक्षेपण |
| १.      | आर्थिक क्षेत्र                |                         | ६,२३,११                         | ६,८५,४२                    | ७,५३,९६                    | ८,२९,३६                    | ९१,२३,००                   |
|         | कृषि विकास तथा पशुपन्छी विकास |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |
|         | सहकारी तथा रोजगारी प्रवर्द्धन |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |
|         | पर्यटन तथा उद्योग वाणिज्य     |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |
| २.      | सामाजिक क्षेत्र               |                         | ३५,०५,०१                        | ३८,५५,५१                   | ४२,४१,०६                   | ४६,६५,१७                   | ५१,३१,६९                   |
|         | शिक्षा विकास                  |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |
|         | स्वास्थ्य सेवा                |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |
|         | युवा तथा खेलकुद               |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |
|         | भाषा कला साहित्य संस्कृति     |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |
|         | खानेपानी तथा सरसफाई           |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |

| क्र.सं. | विषय क्षेत्र/उपक्षेत्र                                  | रकम रु. हजारमा                |                                          |                                  |                               |                               |                               |
|---------|---------------------------------------------------------|-------------------------------|------------------------------------------|----------------------------------|-------------------------------|-------------------------------|-------------------------------|
|         |                                                         | आ.व.<br>२०८०/०८१ को<br>यथार्थ | आ.व. को<br>२०८१/०८२ को<br>संशोधित अनुमान | आ.व.<br>२०८२/०८३ को<br>प्रक्षेपण | आ.व. २०८३/०८४ को<br>प्रक्षेपण | आ.व. २०८४/०८५<br>को प्रक्षेपण | आ.व. २०८५/०८६<br>को प्रक्षेपण |
|         | लैङ्गिक समानता, महिला शसक्तिकरण<br>र सामाजिक समावेशीकरण |                               |                                          |                                  |                               |                               |                               |
| ३.      | पूर्वाधार                                               |                               | २३,३६,६७                                 | २५,७०,३४                         | २८,२७,३७                      | ३१,१०,११                      | ३४,२१,१२                      |
|         | शहरी पूर्वाधार, भू-उपयोग तथा वस्ती<br>विकास             |                               |                                          |                                  |                               |                               |                               |
|         | सूचना तथा प्रविधि एवं डिजिटल<br>प्रणाली                 |                               |                                          |                                  |                               |                               |                               |
| ४.      | वन वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन                         |                               | १,२४,६२                                  | १,३७,०८                          | १,५०,७९                       | १,६५,८७                       | १,८२,४६                       |
|         | वातावरण तथा सरसफाई र हरियाली<br>प्रवर्द्धन              |                               |                                          |                                  |                               |                               |                               |
|         | विपद् व्यवस्थापन/वन वातावरण                             |                               |                                          |                                  |                               |                               |                               |
| ५.      | संस्थागत विकास                                          |                               | ११,९९,४९                                 | १३,१९,४४                         | १४,५१,३८                      | १५,९६,५२                      | १७,५६,१७                      |
|         | राजश्व प्रशासन                                          |                               |                                          |                                  |                               |                               |                               |
|         | कर्मचारी प्रशासन, जनशक्ति विकास<br>तथा सुशासन           |                               |                                          |                                  |                               |                               |                               |
|         | सेवा प्रवाह र प्रशासन                                   |                               |                                          |                                  |                               |                               |                               |

### ३.८.४ बजेटका अन्य स्रोतहरूको परिचालन तथा व्यवस्थापन

स्थानीय तहको विकासमा सार्वजनिक खर्च व्यवस्थापनको प्रमुख स्रोत माथि उल्लेखित संघीय सरकारबाट प्राप्त अनुदान भए तापनि प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूपमा निजी क्षेत्र, सहकारी, संघ संस्था तथा व्यक्तिगत रूपमा सेवा ग्राहीबाट प्राप्त श्रमदानको योगदान र महत्वलाई समेत उच्च स्थानमा राख्नु पर्दछ। नेपाल सरकारको अर्थ, उद्योग र वाणिज्य सम्बन्धी नीतिमा तीन खम्बे नीतिलाई विकासको प्रमुख आधार मानिएको सन्दर्भमा यस गाउँपालिकाको विकासमा समेत यो क्षेत्रहरूबाट हुने योगदानलाई कदर गर्दै निम्नानुसार प्रक्षेपण तथा विश्लेषण गरिएको छ।

| क्र.सं. | शिरषक                            | गत वर्षको यथार्थ | चालु वर्षको संशोधित अनुमान | आगामी वर्षको प्रक्षेपण | कुल जम्मा | प्रतिशत |
|---------|----------------------------------|------------------|----------------------------|------------------------|-----------|---------|
| (क)     | सहकारी क्षेत्र                   |                  |                            |                        |           |         |
| (ख)     | निजी क्षेत्र                     |                  |                            |                        |           |         |
| (ग)     | व्यक्तिगत सहायता तथा संघ, संस्था |                  |                            |                        |           |         |
| (घ)     | सार्वजनिक क्षेत्र                |                  |                            |                        |           |         |

## ३.९ गाउँपालिकाका समृद्धिका मुख्य संवाहकहरू (Lead Sectors)

### ३.९.१ कृषिक्षेत्र (कृषि ग्राम)

गाउँपालिकाको अधिकांश भू-भाग पहाडी क्षेत्र एवं भिरालोपन रहेको हुनाले यहाँ खोला, नदी एवं वेशी क्षेत्रमा बलौटे दोमट र पाँगो माटो पाइन्छ भने माथिल्लो पहाडी भू-भागमा चिम्त्याइलो माटोको प्रधानता रहेको छ। यहाँ बाह्र महिना सिँचाईको सुविधा पुग्ने क्षेत्रको विकास र विस्तार गरी वैज्ञानिक, व्यवसायिक र तीव्र उत्पादनमूखी कृषिको प्रवर्द्धन गरी समग्र कृषि भण्डारको रूपमा विकास गर्न सकिन्छ।

### ३.९.२ वनजंगल

यस गाउँपालिकाको कुल जमिनको ६४.७० प्रतिशत जमिन वनजंगलले ढाकेको छ। प्राकृतिक अवस्थामा नै रहेको वनको स्याहार सम्भार गर्नुको साटो वर्षेनी अतिक्रमण, डढेलो, चरिचरण र लुकिछिपी फडाँनीको चपेटामा परेको यथार्थ छ। भुडी बूट्यान क्षेत्रलाई पुर्नउत्थान गरी प्रतिफलमूखी जडीबुटी र फलफूल लगाउन सके तथा कृषि फर्म जस्तै- वन जंगलको स्याहार, संरक्षण र वैज्ञानिक सदुपयोग गर्न सके यसबाट प्रत्यक्ष आर्थिक तथा पर्यावरणीय लाभ लिन सकिन्छ। विशेष गरी यस गाउँपालिकाको वन जंगललाई (Agro Forest) को अवधारणा अनुरूप दिगो वन व्यवस्थापन गर्न सके यो समृद्धिको बलियो स्तम्भ हुन सक्छ।

### ३.९.३ पर्यटन

विशेष गरी यस गाउँपालिकालाई ऐतिहासिक, धार्मिक पर्यटन, पर्यापर्यटन र कृषि पर्यटनका हिसाबले विकास गर्न सकिन्छ। त्यसैगरी पालिकामा जातिगत विविधता रहेको कारण होमस्टे र साँस्कृतिक पर्यटनको उत्तिकै सम्भावना छ। तसर्थ पर्यटन क्षेत्र यो गाउँपालिकाको समृद्धिको अर्को मुख्य संवाहक हो।

### ३.९.४ स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योगहरू

यस गाउँपालिकाको प्रमुख विकास संवाहकको रूपमा रहेको कृषि तथा पशुपालन क्षेत्रको समुचित विकास पश्चात कृषि तथा पशुउपजमा आधारित प्याकेजिङ, प्रशोधन र गुणस्तर कायम गरी त्यस्ता बस्तुहरूको ब्रान्डिङ गर्न, उद्योगहरू खोल्न सकिने ठूलो सम्भावना रहेको छ।

### ३.१० विकासका मुख्य सहयोगी क्षेत्रहरू

#### ३.१०.१ ठूला शहर र राजमार्ग प्रणालीसँगको सन्निकटता

पृथ्वी राजमार्गले पार गरेको यस गाउँपालिकामा १०० वटा भन्दा बढी स-साना सडक मार्गहरू संचालनमा रहेका छन् । प्रदेश राजधानी हेटौडा, भरतपुर महानगरपालिका, पोखरा तथा संघीय राजधानी काठमाडौंसँग सन्निकट रहेको यो गाउँपालिका विरगञ्ज, जस्तो औद्योगिक व्यापारिक र अन्तराष्ट्रिय नाकासँग पनि निकट रहेकाले Connectivity लाई प्रभावकारी बनाई ठूला उपभोक्ता बजारहरू सम्म बृहत सञ्जाल निर्माण गर्न सकिन्छ ।

#### ३.१०.२ प्राकृतिक सम्पदाहरू

उब्जाउयुक्त जमिन, वनजंगल क्षेत्र, स-साना खोला, ताल तलैया जस्ता जलसम्पदा यहाँका मुख्य प्राकृतिक सम्पदाहरू हुन् । यी सम्पदा नै विकासलाई गति दिने आधारहरू हुन् ।

#### ३.१०.३ धार्मिक र सामाजिक सहिष्णुता

सबै जातजातिका बिच आपसी सहयोग र सहकार्य गरी सौहार्द्रतापूर्वक रहनु यहाँको विकासको अर्को महत्वपूर्ण सहयोगी तत्व हो । यसका साथै यहाँ रहेका आदिवासीहरू जस्तै: चेपाङ/प्रजा, गुरुङ, मगर, तामाङ, ब्राम्हण, क्षेत्री, घर्ती/भुजेल, नेवार, विश्वकर्मा, परियार लगायतका जातजातिहरूको साँस्कृतिक र मानवशास्त्रीय विशेषताको अध्ययन, अनुसन्धान र संरक्षण मार्फत विकासमा टेवा पुर्‍याउन सकिन्छ ।

#### ३.१०.४ जनसांख्यिक लाभांश

गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँ १५ देखि ५९ वर्ष सम्मका सक्रिय युवाको संख्या १८,९६३ अर्थात ६७.५९ प्रतिशत रहेको छ । जनसांख्यिक चक्रमा यसप्रकारको जनसांख्यिक लाभ प्राप्त हुने अवसर इतिहासमा दुर्लभ हुन्छ, तसर्थ युवा र सक्रिय जनसंख्याको बाहुल्यता भएको हालको अवस्था गाउँपालिकाको विकासका लागि अति महत्वपूर्ण कालखण्ड हो । यो नै विकासको महत्वपूर्ण सहयोगी तत्व हो ।

### ३.११ इच्छाकामना गाउँपालिकाका गौरवका आयोजना (Signature Projects)

यस गाउँपालिकालाई आर्थिक सामाजिक तथा वातावरणीय हिसावले सम्बृद्ध सौहार्द र स्वच्छ तुल्याउन प्रत्यक्ष र परोक्ष रुपमा योगदान गर्ने साथै पालिकाको उच्च प्राथमिकतामा परेका आयोजनाहरूलाई पालिकाका गौरवका आयोजनाको रुपमा पहिचान गरिएको छ । यसरी आयोजना तय गर्दा गाउँपालिकाको सबल पक्षहरू, उपलब्ध प्राकृतिक तथा मानवस्रोत, साधन र स्थानीय आवश्यकतालाई समेत मध्यनजर गरिएको छ । पालिकाका गौरवका आयोजनाहरूको संक्षिप्त विवरण देहायबमोजिम रहेको छ ।

तालिका नं. १: गाउँपालिकाका गौरवका आयोजना सम्बन्धी विवरण

| क्र.सं. | कार्यक्रम तथा आयोजना                                    | इकाई | उद्देश्य                                | अनुमानित लागत (रु हजारमा) | आयोजना स्थल                          | पुष्ट्याईको आधार           | आगामी ५ वर्षको उपलब्धि सुचक                       |
|---------|---------------------------------------------------------|------|-----------------------------------------|---------------------------|--------------------------------------|----------------------------|---------------------------------------------------|
| १.      | इच्छाकामना मन्दिर भौतिक पूर्वाधार निर्माण               | १    | धार्मिक पर्यटन अभिवृद्धि                | २००००                     | इच्छाकामना वडा नं. २, ३ र ५          | वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम | पर्यटकको संख्या तथा आर्थिक क्रियाकलापहरूमा वृद्धि |
| २.      | गाउँपालिका भित्रको पर्यटन विकासको लागि त्रिभुज परियोजना | ३    | पर्यटक तथा स्थानीय उत्पादनको प्रवर्द्धन | १०००००                    | इच्छाकामना वडा नं. १, २, ३, ५, ६ र ७ | वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम | पर्यटकको संख्या तथा आर्थिक क्रियाकलापहरूमा वृद्धि |

| क्र.सं. | कार्यक्रम तथा आयोजना                                                         | इकाई | उद्देश्य                                                  | अनुमानित लागत (रु हजारमा) | आयोजना स्थल      | पुष्ट्याईको आधार           | आगामी ५ वर्षको उपलब्धि सुचक                       |
|---------|------------------------------------------------------------------------------|------|-----------------------------------------------------------|---------------------------|------------------|----------------------------|---------------------------------------------------|
| ३.      | पशुपालन तथा वेमौसमी तरकारी खेती प्रवर्द्धन                                   | २    | कृषकहरुको आयआर्जनमा वृद्धि                                | २००००                     | सबै वडाहरुमा     | वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम | कृषकहरुको आयआर्जन तथा जीवनरस्तरमा बढोत्तरी        |
| ४.      | सुन्तला तथा फलफूल खेती प्रवर्द्धन                                            | ३    | कृषकहरुको आयआर्जनमा वृद्धि                                | २००००                     | सबै वडाहरुमा     | वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम | कृषकहरुको आयआर्जन तथा जीवनरस्तरमा बढोत्तरी        |
| ५.      | कोट, हात्तिवाङ, कोलभञ्ज्याङ, चौकीडाँडा सडक योजना                             | १    | कृषक उपजको बजारीकरण तथा पर्यटन प्रवर्द्धन                 | ४००००                     | वडा नं. १        | वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम | कृषकहरुको आयआर्जन तथा जीवनरस्तरमा बढोत्तरी        |
| ६.      | जलविरे, दुङ्ग्रे, तुल्तेस, हुस्ती, बल्योङ, हपनी, भोटेगाउँ, मायाटार सडक योजना | ३    | यातायात पूर्वाधार तथा पर्यटन प्रवर्द्धन                   | १५००००                    | वडा नं. २ र ६    | वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम | यातायात पूर्वाधारको निर्माण तथा पर्यटन प्रवर्द्धन |
| ७.      | मुग्लिन, तामिन, भालुभञ्ज्याङ, मायाटार सडक योजना                              | ३    | यातायात पूर्वाधार, पर्यटन प्रवर्द्धन, कृषक उपजको बजारीकरण | २०००००                    | वडा नं. २, ५ र ६ | वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम | यातायात पूर्वाधारको निर्माण तथा पर्यटन प्रवर्द्धन |

## परिच्छेद - ४: आर्थिक क्षेत्र

### ४.१ कृषि तथा पशुपन्छी

#### ४.१.१ कृषि

##### क) पृष्ठभूमि

गाउँपालिकाको अधिकांश भू-भाग पहाडी क्षेत्र एवं भिरालोपन भएतापनि यहाँको समृद्धिको प्रमुख संवाहक नै कृषि तथा पशुपालन क्षेत्र नै हुन् । यहाँको कुल क्षेत्रफल मध्ये ३३.१२ प्रतिशत भू-भाग कृषि क्षेत्रले ओगटेको छ । यहाँ तरकारी खेती, अमिला जातका फलफूल खेती, माहुरी पालन, फूल खेती, जडिबुटी खेती, ट्राउट माछापालन, बाँस तथा घाँस खेतीको प्रबल सम्भावना रहेको छ । पहाडी भू-भागमा सुन्तला तथा कागतीको राम्रो उत्पादन हुने गरेको छ । मौरीपालनको राम्रो सम्भावना बोकेको यस गाउँपालिकामा करिब ५०० घरधुरी मौरीपालन व्यवसायमा संलग्न रहेका छन् भने यहाँको पाखो बारी तथा वनजंगलमा तितेपाति, बाह्रदुसे, चिराइतो, सेतो जरा, पाँच औले, भाजुरी, काजल, पाखनवेद, टिमुर, अमला, अदुवा, कुरिलो, बोभो, कुकुरदनी, बाजुरी, सिमल, गुर्जो, आकासवेदी, बाह्रदुसे, आकासवेली, कुकुरतरुल, वेलवती, लालीगुराँस, कुकुर डाइनो, पानी अमला आदि जस्ता जडिबुटीहरूको उपलब्धता रहेको छ तथापी यसको व्यवसायिक उत्पादन र बजारीकरण भने हुन सकेको छैन ।

##### ख) समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्षहरू                                                                                                                                                         |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ✓ कृषिको पूर्ण व्यवसायीकरण र वैज्ञानिकीकरण गर्न नसकिएको ।                                                                                                              |
| ✓ कृषि उत्पादन भण्डारणको उचित प्रवन्ध नभएको ।                                                                                                                          |
| ✓ कृषि सडकहरूको अभाव रहेको ।                                                                                                                                           |
| ✓ बीउ विजन, मलखाद र अन्य पूर्वाधारको उचित प्रवन्ध नभएको ।                                                                                                              |
| ✓ मलखाद तथा कृषि सामग्रीको आपूर्तिमा असहजता रहेको ।                                                                                                                    |
| ✓ किटनाशक औषधी, कृषि औजार, आधुनिक प्रविधि, पशु औषधालय, उन्नत पशु नश्ल, समूचित बजार व्यवस्था, प्राविधिक जनशक्तिको कमी तथा कृषि तथा पशु बीमाको पर्याप्त व्यवस्था नभएको । |
| ✓ कृषिजन्य पशु उत्पादन लागत मुल्यमा वृद्धि भई उत्पादन अपेक्षाकृत वृद्धि हुन नसकेको ।                                                                                   |
| ✓ आवश्यकता अनुसार पशु तथा कृषिको घुम्ती शिविर सञ्चालन गर्न नसकिएको ।                                                                                                   |
| ✓ कृषकहरू परम्परागत कृषि प्रणालीमा आधारित रहेको ।                                                                                                                      |

| चुनौती तथा जोखिमहरू                                                                                                                                              |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ✓ कृषि पेशाबाट युवा तथा अन्य श्रमशक्तिको व्यापक पलायन भएकाले कृषि व्यवसायतर्फ आकर्षण गरी कृषकको लगानीबाट उचित प्रतिफल प्राप्त गर्न सक्ने स्थितिको निर्माण गर्न । |
| ✓ परम्परागत कृषि प्रणालीलाई न्यूनीकरण गर्दै पूर्ण रूपमा वैज्ञानिकीकरण गरी व्यवसायिक बनाउने चुनौती ।                                                              |
| ✓ कृषि क्षेत्रमा रहेको अदृश्य बेरोजगारीको अन्त्य गर्नु ।                                                                                                         |
| ✓ वास्तविक किसानसँग खेती योग्य जमिनको अभाव हुनु ।                                                                                                                |
| ✓ समय सापेक्ष रासायनिक मल र किटनाशक औषधीको सन्तुलित प्रयोग गर्ने सचेतना अभिवृद्धि गर्ने ।                                                                        |
| ✓ माटोको उर्वराशक्ति कायम गर्नको लागि ठोस कदम चाल्न ।                                                                                                            |
| ✓ गाउँपालिकामा रहेको कृषि भूमिलाई उत्पादनमूलक बनाउनको लागि सिँचाईको प्रवन्ध गर्न ।                                                                               |

| चुनौती तथा जोखिमहरू                                                                                         |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ✓ तरकारी तथा फलफूल चिस्यान केन्द्र पर्याप्त संख्यामा स्थापना गर्न ।                                         |
| ✓ कृषि तथा पशु विज्ञ प्राविधिकहरूको पर्याप्त व्यवस्था गर्न ।                                                |
| ✓ कृषिवालीको समय अनुसार मल, बीउ विजन र औषधीको उपलब्धता गराउन ।                                              |
| ✓ कृषि बजारीकरण र मूल्य सन्तुलनमा ठोस काम गर्न ।                                                            |
| ✓ कृषि उपज वस्तुहरूको भण्डारणको उचित प्रवन्ध गर्न ।                                                         |
| ✓ कृषिमा प्रयोग गरिँदै आएका किटनाशक विषादीको प्रयोगलाई निरुत्साहित गरी अर्गानिक कृषि प्रणालीको विकास गर्न । |
| ✓ रैथाने जातका वालीनालीहरू लोप हुने जोखिम रहेको ।                                                           |
| ✓ आयातित तरकारीहरूको न्यूनीकरण गरी उत्पादित तरकारीहरूलाई बढावा दिन ।                                        |

#### ग) सम्भावना तथा अवसर

| सबल पक्षहरू                                                                                                                                                                |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ✓ गाउँपालिकाले कृषकको उत्पादनलाई सिधै बजारसँग पहुँच स्थापना गर्नका लागि कृषि एम्बुलेन्स सञ्चालन गरेको ।                                                                    |
| ✓ गाउँपालिकाले कृषि वाली र पशुपंक्षीमा देखा पर्ने रोग नियन्त्रणका लागि गाउँपालिकास्तरीय QRT शिघ्र प्रतिक्रिया टोली गठन गरेको ।                                             |
| ✓ गाउँपालिकामा जलवायु अनुकुलका वालीनाली, फलफूल तथा जडिवुटी प्रशस्त मात्रामा उत्पादन गर्न सकिने ।                                                                           |
| ✓ गाउँपालिकाले कृषि वालीमा फैलिने संक्रामक रोग नियन्त्रणका लागि मिनि ल्याब एवं औषधोपचार कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने नीति अगाडि सारेको ।                                        |
| ✓ गाउँपालिकाले रैथाने वालीहरूको बीउ संरक्षण, उपयोग तथा प्रचारको लागि सामुदायिक बीज बैङ्कको स्थापनामा जोड दिने नीति अगाडि सारेको ।                                          |
| ✓ गाउँपालिकाले सिँचाईको अभाव कम गर्न प्लाष्टिक पोखरी र थोपा सिँचाई कार्यक्रमको नीति अगाडि सारेको ।                                                                         |
| ✓ गाउँपालिकामा कृषि प्राविधिकहरूको उपलब्धता रहेको ।                                                                                                                        |
| ✓ साना सिँचाई र थोपा सिँचाई कार्यको सम्पन्नता सँगै कृषि उत्पादनमा थप योगदान पुगेको ।                                                                                       |
| ✓ गाउँपालिकाले बाँझो एवं सरकारी जग्गामा सम्भाव्यताका आधारमा सामूहिक खेती एवं नवप्रवर्तनीय व्यवसाय गर्ने कृषक समूहलाई विशेष सहयोग प्याकेज उपलब्ध गराउने नीति अगाडि सारेको । |
| ✓ गाउँपालिकामा इच्छुकामना सुन्तला महोत्सव संचालन गर्ने गरिएको ।                                                                                                            |
| ✓ फिस्लिड तरकारी सङ्कलन केन्द्रलाई कृषक हित अनुकुल हुने गरी सञ्चालनमा ल्याउने नीति अगाडी सारेको ।                                                                          |
| ✓ गाउँपालिकाले प्राकृतिक रुपमा उत्पादन हुने फलफूल, तरकारी र कन्दमुलहरूको व्यवसायीकरण तथा बजारीकरणमा जोड दिने नीति अगाडि सारेको ।                                           |

| सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                        |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ✓ गाउँपालिकाले अनुदानमा कृषि यन्त्रहरू आवश्यकता अनुसार विस्तार तथा वितरण गर्न सकिने ।                                     |
| ✓ बीउ विजनहरूमा अनुदान दिई कृषकलाई प्रोत्साहन गर्न सकिने ।                                                                |
| ✓ युवा वर्गलाई कृषिमा आकर्षित गर्न युवा लक्षित कृषि कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने ।                                        |
| ✓ कृषक समूह, सहकारी, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्था र स्थानीय संघ संस्थाको साभेदारीमा कृषि कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्न सकिने । |

| सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                                                                                                                       |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ✓ यस गाउँपालिकामा मौरी चरनको राम्रो सम्भावना भएकाले मौरी पालन कृषकहरूलाई अनुदान तथा प्रोत्साहन गरी उत्पादित महको बजारीकरण गर्न सकिने ।                                                                                   |
| ✓ गाउँपालिकाका विभिन्न स्थानमा माटो परीक्षण शिविर सञ्चालन गर्न सकिने ।                                                                                                                                                   |
| ✓ पशुपालन व्यवसायलाई प्रोत्साहन गर्न पशु बीमा, गोठ सुधार जस्ता कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने ।                                                                                                                            |
| ✓ गाउँपालिकालाई फलफूल उत्पादन, पशुपंक्षीपालनमा देशकै नमूना गाउँपालिकाको रूपमा विकास गर्न सकिने ।                                                                                                                         |
| ✓ गाउँपालिकामा दर्ता भएका कृषि समूह तथा सहकारीबाट व्यवसायिक कृषि कर्जा प्रदान गरी कृषि क्षेत्रको विकास गर्न सकिने ।                                                                                                      |
| ✓ कृषक समूह निर्माण गरी उनीहरूको जग्गालाई व्यवसायिक खेतीमा जान चक्काबन्दी गर्न सकिने ।                                                                                                                                   |
| ✓ अध्ययन तथा अनुसन्धान गरी गाउँपालिकाका विभिन्न क्षेत्रमा विभिन्न प्रजातिका नगदे बाली, फलफूल, जडिबुटी अर्थात गैर काष्ठजन्य बहुमूल्य वन पैदावारको व्यवसायिक उत्पादन गर्न सकिने ।                                          |
| ✓ कृषक पाठशाला कार्यक्रमको निरन्तरता र नयाँ सञ्चालन गर्न सकिने ।                                                                                                                                                         |
| ✓ सम्भाव्य खेतीयोग्य क्षेत्रको पहिचान गरी कृषि पकेट क्षेत्र, सुपरजोन तथा जोनको रूपमा घोषणा गरी कृषि उत्पादन वृद्धि गर्न सकिने ।                                                                                          |
| ✓ कृषि सडकहरूको विकास गरी कृषकको उत्पादनलाई सहज रूपले बजारीकरण गर्न सकिने ।                                                                                                                                              |
| ✓ गाउँपालिकालाई प्राङ्गारिक तथा अर्गानिक गाउँपालिकाको रूपमा विकास गर्ने उद्देश्यले जनचेतनामूलक फ्लेक्स तथा पम्प्लेटहरू वितरण गर्नुको साथै जैविक मल बनाउनका लागि तालिम सहित अनुदानमा प्लाष्टिक ड्रमहरू वितरण गर्न सकिने । |
| ✓ वेमौसमी तरकारी उत्पादनको लागि कृषकहरूलाई जनचेतना सहित टनेल (Green House) निर्माणका लागि आवश्यक सामग्रीहरू तथा उन्नत जातको बीउ विजनहरू वितरण गर्न सकिने ।                                                               |
| ✓ आयातित तरकारीहरूलाई न्यूनीकरण गरी स्थानीयस्तरमा उत्पादित तरकारीहरूलाई बढावा दिन सकिने ।                                                                                                                                |

#### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                                                                                                                                                                                                  |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| आधुनिक, व्यावसायिक र उच्च प्रतिफलयुक्त निर्यातमुखी कृषि ।                                                                                                                                                                                       |
| लक्ष्य                                                                                                                                                                                                                                          |
| गाउँपालिकाको आर्थिक समृद्धिको मूल संवाहकको रूपमा कृषिको विकास गर्ने ।                                                                                                                                                                           |
| उद्देश्यहरू                                                                                                                                                                                                                                     |
| <ul style="list-style-type: none"> <li>✓ कृषिमा आधुनिकीकरण, भूमि बैङ्कको स्थापना, व्यवसायीकीकरण विविधीकरण, स्थानीय सीप, श्रोत साधनमा आधारित उद्योग एवं उद्यमशिलता विकास, पर्यटन क्षेत्रको क्षमता विकास गदै दिगो आर्थिक विकास गर्ने ।</li> </ul> |

| उद्देश्य १: व्यावसायिक र उच्च प्रतिफलमुखी उत्पादनमा केन्द्रित हुनु । |            |                                                                                              |
|----------------------------------------------------------------------|------------|----------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                               | कार्यनीति  |                                                                                              |
| १.१ व्यावसायिक अभिवृद्धि गर्न                                        | सोचको कृषक | १.१.१ गाउँपालिकाभर कृषक परिचय पत्र वितरण गर्न कृषकहरूको वर्गीकरण गर्ने नीति निर्माण गरिनेछ । |

| उद्देश्य १: व्यावसायिक र उच्च प्रतिफलमुखी उत्पादनमा केन्द्रित हुनु । |                                                                                                                                                          |
|----------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                               | कार्यनीति                                                                                                                                                |
| अभिमूखीकरण तथा तालिमको व्यवस्था गर्ने ।                              | १.१.२ अगुवा कृषकहरूको पहिचान तथा कृषि सम्बन्धी विवरण संकलन लागि आधारभूत सर्वेक्षण गरिनेछ ।                                                               |
|                                                                      | १.१.३ वर्षमा कम्तीमा एकपटक कृषिको व्यवसायीकरण सन्दर्भमा अगुवा कृषकहरूलाई अभिमूखीकरण गरिनेछ ।                                                             |
|                                                                      | १.१.४ वडास्तरीय कृषक पाठशाला सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                            |
|                                                                      | १.१.५ गाउँपालिकास्तरीय कृषक सञ्जाल निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                      |
|                                                                      | १.१.६ कृषि उपज विशेष कृषक समूह गठन गरी कृषि सहकारीसँग आवद्ध गरिनेछ ।                                                                                     |
|                                                                      | १.१.७ सहकारी तथा कृषक समूहसँगको सहकार्यमा कृषि उपजहरूको समर्थन मूल्य तोकी कृषकहरूलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।                                                 |
|                                                                      | १.१.८ कृषिमा आत्मनिर्भर भन्ने अभियानलाई अगाडी बढाइनेछ ।                                                                                                  |
|                                                                      | १.१.९ कृषि उद्यम विशेष प्रोत्साहन कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।                                                                                              |
|                                                                      | १.१.१० कृषि क्षेत्रमा उच्च शिक्षा अध्ययन गर्न चाहने युवाहरूलाई मापदण्डको आधारमा प्रोत्साहन गरिनेछ ।                                                      |
| १.२ उच्च, प्रतिफलमुखी सघन खेती प्रणालीको अवलम्बन गर्ने ।             | १.२.१ असिंचित क्षेत्रलाई क्रमश सिंचित तुल्याउन सिँचाई योजनाहरूको प्राथमिकीकरण गरिनेछ ।                                                                   |
|                                                                      | १.२.२ प्रत्येक वडामा उर्वर र कृषियोग्य क्षेत्रको पहिचान गरी सघन खेतीका लागि मिश्रित बाली पहिचान गरिनेछ ।                                                 |
|                                                                      | १.२.३ प्रत्येक वडामा उच्च मूल्यका कृषि उपजको पहिचान गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                                                      |
|                                                                      | १.२.४ प्रत्येक वडामा रहेका बाँझो क्षेत्रको पुर्नउत्थानका लागि सर्वेक्षण गरिनेछ ।                                                                         |
|                                                                      | १.२.५ जग्गाको वर्गीकरण गरि कृषि योग्य जग्गाको चक्काबन्दी तथा कन्ट्र्याक्ट फार्मिङका (करार खेती) लागि समन्वय गरिनेछ ।                                     |
| १.३ कृषि पकेट क्षेत्रको विकास गर्ने ।                                | १.३.१ प्रत्येक वडामा बाली विशेष पकेट क्षेत्रको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                                                                |
|                                                                      | १.३.२ फलफूल तथा नगदेबाली विशेष नर्सरी स्थापना गरिनेछ ।                                                                                                   |
|                                                                      | १.३.३ बाली विशेष पकेट क्षेत्रलाई केन्द्रित गरी गुणस्तरीय र उन्नत बीउ विजनका लागि स्रोत केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।                                          |
|                                                                      | १.३.४ व्यावसायिक फलफूल तथा नगदेबालीले ओगटेको क्षेत्रफल क्रमशः विस्तार गरिनेछ ।                                                                           |
|                                                                      | १.३.५ व्यावसायिक तथा दिगो सुन्तला खेतीका लागि सुन्तलाको बीज केन्द्र स्थापना साथै प्रविधि हस्तान्तरण कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।                            |
|                                                                      | १.३.६ प्रत्येक वडामा उच्च मूल्यका कृषि उपज (जस्तै: सुन्तला, कागती, टिमुर, अदुवा, अमला) खेतीमा अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ ।                                 |
|                                                                      | १.३.७ समूह, सहकारीको लागत साभेदारीमा कृषकहरूलाई उन्नत बीउ विजन उत्पादन गरी खाद्यान्न बाली तथा तरकारी बालीमा आत्मनिर्भर बनाउने कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |

| उद्देश्य १: व्यावसायिक र उच्च प्रतिफलमुखी उत्पादनमा केन्द्रित हुनु ।                   |                                                                                                                                                                                          |
|----------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                 | कार्यनीति                                                                                                                                                                                |
| १.४ अत्यावश्यकीय कृषि सामाग्रीको पहुँच र उपलब्धता सुनिश्चित गर्ने ।                    | १.३.८ जंगली जनावरबाट हुने क्षति न्यूनीकरण गर्दै न्युन जोखिमयुक्त वालीनाली प्रवर्द्धनमा प्राथमिकता दिइनेछ ।                                                                               |
|                                                                                        | १.४.१ आवश्यक रासायनिक मलको आयतन आंकलन गरी समयमै आपूर्ति गर्न गाउँपालिकास्तरीय संयन्त्र निर्माण गरिनेछ ।                                                                                  |
|                                                                                        | १.४.२ प्रत्येक वडामा प्राङ्गारिक तथा हरित मल उत्पादन सम्बन्धी तालिमको आयोजना गरिनेछ ।                                                                                                    |
|                                                                                        | १.४.३ व्यावसायिक प्राङ्गारिक तथा जैविक मल उत्पादन गर्ने कृषकलाई विशेष अनुदानको प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                                          |
|                                                                                        | १.४.४ व्यावसायिक कृषकहरूलाई फलफुलका बिरुवाहरू अनुदानमा वितरण गरिनेछ ।                                                                                                                    |
|                                                                                        | १.४.५ कृषि यान्त्रिकीकरण अन्तर्गत किसानले खरिद गर्ने औजार (जस्तै: च्यापकटर, ब्रसकटर, मिनी टेलर, पावर टेलर, मिल्कएनलाइजर, स्प्रे आदि) मा मापदण्डका आधारमा निश्चित प्रतिशत अनुदान दिइनेछ । |
|                                                                                        | १.४.६ साना किसान तथा समग्र कृषि क्षेत्रलाई क्रमश यान्त्रिकीकरण गर्न एक गाउँपालिकास्तरीय Custom Hiring Center को निर्माण गर्न प्रदेश र संघीय सरकारसँग समन्वय गरिनेछ ।                     |
|                                                                                        | १.४.७ बजारको पहुँच नभएको क्षेत्रहरूको कृषि उपजलाई बजारसम्म पुऱ्याउन मापदण्डका आधारमा ढुवानीको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                          |
|                                                                                        | १.४.८ कृषि विज्ञ सहितको कृषि एम्बुलेन्स संचालन गरिनेछ ।                                                                                                                                  |
| १.५ खाद्यान्न तथा मल भण्डारण तथा विषादीको प्रयोग सम्बन्धी कृषक ज्ञान अभिवृद्धि गर्ने । | १.५.१ मलको प्रयोग र अनुपात समय आदिका विषयमा प्रत्येक कृषकलाई सुसूचित गर्न स्थानीय सञ्चार माध्यमको प्रयोग गरिनेछ ।                                                                        |
|                                                                                        | १.५.२ वडास्तरीय कृषक पाठशालामा मल, बीउ विजन र विषादी प्रयोग सम्बन्धी सामाग्रीको विकास र सम्प्रेषण गरिनेछ ।                                                                               |
|                                                                                        | १.५.३ गाउँपालिकास्तरीय कृषि प्रयोगशाला स्थापना गरिनेछ । (माटो परीक्षण तथा वाली संरक्षण प्रयोगशाला)                                                                                       |
|                                                                                        | १.५.४ जैविक विषादीको उत्पादन र प्रयोग सम्बन्धी वडास्तरीय तालिमको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                                                       |
|                                                                                        | १.५.५ वेमौसमी तरकारी खेती विशेष तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                   |
|                                                                                        | १.५.६ कृषकहरूलाई प्राविधिक ज्ञान सम्प्रेषण गर्न कृषि घुम्ती सेवा सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                        |
|                                                                                        | १.५.७ वाली भित्र्याइसके पछि हुने क्षति न्यूनीकरण गर्न कृषि उपज भण्डारण सम्बन्धी विशेष तालिम तथा परम्परागत सीप हस्तान्तरण गरिनेछ ।                                                        |
|                                                                                        | १.५.८ खाद्य भण्डारण डिपोहरूको स्थापना गरिनेछ ।                                                                                                                                           |

| उद्देश्य १: व्यावसायिक र उच्च प्रतिफलमुखी उत्पादनमा केन्द्रित हुनु । |                                                                                                                                                                           |
|----------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                               | कार्यनीति                                                                                                                                                                 |
|                                                                      | १.५.९ विषादी प्रयोग न्यूनीकरणका लागि विषादी परीक्षण प्रयोगशाला निर्माण गरिनेछ ।                                                                                           |
|                                                                      | १.५.१० प्राङ्गारिक तथा जैविक खेती गर्ने किसानलाई विशेष प्रोत्साहन गरिनेछ ।                                                                                                |
|                                                                      | १.५.११ अर्गानिक मल उत्पादनलाई व्यवस्थित ढंगले सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                            |
| १.६ सहूलियतपूर्ण कृषि कर्जाको व्यवस्था गर्ने ।                       | १.६.१ संघीय र प्रदेश सरकार तथा गाउँपालिकाको सहजीकरण तथा समन्वयमा व्यावसायिक योजना अनुरूप खेती गर्न चाहने कृषकलाई सहूलियतपूर्ण कृषि कर्जाको व्यवस्था गरिनेछ ।              |
|                                                                      | १.६.२ सहकारी क्षेत्रलाई कृषि क्षेत्रमा लगानी गर्न कृषि सहकारी विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                            |
|                                                                      | १.६.३ वैदेशिक रोजगारीमा कृषि पेशामा संलग्न भई स्वदेश फर्केका युवाहरूलाई कृषिमा लगानी गर्न इच्छुक भए मापदण्डका आधारमा कृषि कर्जाको व्याजमा अनुदान दिने व्यवस्था मिलाइनेछ । |
| १.७ कृषि बीमालाई प्रभावकारी बनाउने ।                                 | १.७.१ गाउँपालिकाको समन्वय र सहजीकरणमा कृषि बीमालाई अनिवार्य बनाई बीमा प्रदायक कम्पनीहरूसँगको सहकार्यमा कृषकमैत्री बनाइनेछ ।                                               |
|                                                                      | १.७.२ कृषकहरूलाई कृषि बीमाको आवश्यकता र महत्वका विषयमा सु-सूचित गर्न बीमा कम्पनीहरूको सहयोगमा नियमित अभिमूखीकरण कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।                                 |
|                                                                      | १.७.३ न्यून आय भएका साना किसानहरूलाई निश्चित मापदण्डका आधारमा कृषि बीमामा सहूलियत तथा अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                          |

| उद्देश्य २: नमूना कृषि क्षेत्रको रूपमा विकास गर्नु      |                                                                                                                                                                                              |
|---------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                  | कार्यनीति                                                                                                                                                                                    |
| २.१ असल अभ्यासहरूको अध्ययन र अवलोकन गर्ने ।             | २.१.१ कृषि शाखाको समन्वयमा गाउँपालिकाका अगुवा र आकांक्षी कृषकहरूलाई देश तथा विदेशमा सघन कृषि क्षेत्र वा कृषि ग्रामको रूपमा विकास भैरहेका क्षेत्रको स्थलगत अवलोकन भ्रमण गराइनेछ ।             |
|                                                         | २.१.२ अवलोकनबाट प्राप्त अनुभवहरूलाई गाउँपालिकाका अन्य कृषकहरूलाई सम्प्रेषण गर्न वर्षमा कम्तीमा १ पटक गाउँपालिकास्तरीय कृषक अन्तरक्रिया कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।                             |
|                                                         | २.१.३ नियमित रूपमा वार्षिक कृषि मेलाको आयोजना गरी बजारको प्रवर्द्धन गरिनेछ ।                                                                                                                 |
| २.२ सघन कृषि उत्पादन क्षेत्रको वर्गीकरण र घोषणा गर्ने । | २.२.१ उर्वर र खेतीयोग्य क्षेत्रलाई वर्गीकरण गरी क्रमश सघन खेतीक्षेत्र घोषणा गरिनेछ ।                                                                                                         |
|                                                         | २.२.२ सघन खेती क्षेत्रहरूलाई निश्चित मापदण्ड तथा राष्ट्रिय, प्रादेशिक र स्थानीय भू-उपयोग नीति अनुरूप खेतीपाती बाहेक अन्य क्रियाकलापमा प्रयोग गर्न निरुत्साहन गर्ने नीति कार्यान्वयन गरिनेछ । |
| २.३ कृषिको विकासका                                      | २.३.१ गाउँपालिकाभित्रका प्रमुख कृषि सडकहरूको पहिचान गरिनेछ ।                                                                                                                                 |

| उद्देश्य २: नमूना कृषि क्षेत्रको रुपमा विकास गर्नु                               |                                                                                                                            |
|----------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                           | कार्यनीति                                                                                                                  |
| लागि आवश्यक भौतिक कृषि पूर्वाधारको क्रमश विकास गर्दै नमूना कृषि क्षेत्र बनाउने । | २.३.२ प्राथमिकताका आधारमा सघन क्षेत्रका कृषि सडकहरूको स्तरोन्नति गरिनेछ ।                                                  |
|                                                                                  | २.३.३ प्रत्येक वडामा सघन खेती क्षेत्रलाई उपयुक्त हुने स्थानमा कृषि उपज संकलन केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।                    |
|                                                                                  | २.३.४ गाउँपालिकाभित्र आवश्यकताका आधारमा चिस्यान केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।                                                 |
|                                                                                  | २.३.५ गाउँपालिकामा उच्च उत्पादन सम्भावना रहेका वाली जस्तै सुन्तला, अदुवा, टिमुर तथा तरकारी वाली बीज बैङ्क स्थापना गरिनेछ । |
|                                                                                  | २.३.६ गाउँपालिकास्तरीय सामुदायिक कृषि सेवा श्रोत तथा सूचना केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।                                        |

| उद्देश्य ३: वातावरणमैत्री दिगो कृषि र कृषिमा आधारित उद्योगहरूको विकास गर्नु                            |                                                                                                                                                                                     |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                                 | कार्यनीति                                                                                                                                                                           |
| ३.१ वातावरणमैत्री दिगो कृषि अभिमूखीकरण गर्ने ।                                                         | ३.१.१ दिगो कृषिको सैद्धान्तिक र व्यवहारिक पक्षका विषयमा विज्ञहरूद्वारा सम्प्रेषित ज्ञान अगुवा कृषकको अगुवाइमा अन्य कृषकलाई सम्प्रेषण गर्न वर्षमा १ पटक अन्तरक्रिया सञ्चालन गरिनेछ । |
|                                                                                                        | ३.१.२ रैथाने प्रजातिका वाली संरक्षणमा विशेष अनुदान प्रदान गरिनेछ ।                                                                                                                  |
|                                                                                                        | ३.१.३ जलवायु अनुकूलन विशेष बालीनालीको पहिचान र प्रवर्द्धन गरिनेछ ।                                                                                                                  |
|                                                                                                        | ३.१.४ सामुदायिक बीज बैङ्क स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                                                                                                   |
| ३.२ गाउँपालिकामा निरन्तर उत्पादन हुन सक्ने कृषिजन्य कच्चा पदार्थको पहिचान गर्ने ।                      | ३.२.१ वडास्तरमा जलवायु र माटो अनुकूल उत्पादन हुने प्रमुख बालीका आधारमा पकेट क्षेत्रहरूको पहिचान र घोषणा गरिनेछ ।                                                                    |
|                                                                                                        | ३.२.२ कृषि पकेट क्षेत्रस्तरीय उत्पादित प्रमुख उत्पादनको वार्षिक तथ्याङ्क प्राप्त गर्न स्वचालित तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण गरिनेछ ।                                                  |
|                                                                                                        | ३.२.३ कृषि उपज बजारीकरण तथा निर्यात प्रवर्द्धन गर्न अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                                                      |
|                                                                                                        | ३.२.४ कृषि उपजहरूलाई सन्तुलित मूल्य शृंखलामा समेटिनेछ ।                                                                                                                             |
| ३.३ निजी क्षेत्र र अगुवा कृषकको समन्वय र सहकार्यमा “एक वडा एक कृषि” मा आधारित उद्योगको निर्माण गर्ने । | ३.३.१ वाली विशेष पकेट क्षेत्रका आधारमा उपलब्ध हुन सक्ने कच्चा पदार्थमा आधारित प्रत्येक वडामा सम्भाव्य उद्योगहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                        |
|                                                                                                        | ३.३.२ पहिलो चरणमा “एक वडा एक कृषि” उद्योग स्थापना गर्न उद्योगी कृषक वा कृषक समूह पहिचान गरिनेछ ।                                                                                    |
|                                                                                                        | ३.३.३ उद्यमी कृषकहरूलाई लक्षित अध्ययन तथा अभिमूखीकरण तालिमका लागि गाउँपालिकाद्वारा सहयोग प्रदान गरिनेछ ।                                                                            |
| ३.४ स्थानीय कृषि उद्योगबाट उत्पादित सामग्रीको ब्रान्डिङ गर्ने ।                                        | ३.४.१ कृषि उद्योगबाट उत्पादित उत्पादनहरूको प्रशोधन प्याकेजिङ लेबलिङ, गुणस्तर तथा ब्रान्डिङ गर्नका लागि विशेष अभिमूखीकरण तथा तालिम प्रदान गरिनेछ ।                                   |

| उद्देश्य ३: वातावरणमैत्री दिगो कृषि र कृषिमा आधारित उद्योगहरूको विकास गर्नु |                                                                                                                                 |
|-----------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                      | कार्यनीति                                                                                                                       |
|                                                                             | ३.४.२ संघीय तथा प्रादेशिक सरकारको सहयोगमा गाउँपालिकास्तरीय खाद्य गुणस्तर मापनको व्यवस्था गरिनेछ ।                               |
|                                                                             | ३.४.३ स्थानीय उपज तथा औद्योगिक उत्पादनको खपत हुन सक्ने सम्भाव्य उपभोक्ता बजारहरूको अध्ययन गरिनेछ ।                              |
|                                                                             | ३.४.४ स्थानीय उपज उपभोग हुने उपभोक्ता बजारको मागको अध्ययन गरी वस्तुगत सूचना संकलन गरिनेछ ।                                      |
|                                                                             | ३.४.५ उत्पादनमा स्थानीय पहिचान राख्न सक्ने बाली तथा उत्पादनको पहिचान गरिनेछ ।                                                   |
|                                                                             | ३.४.६ गुणस्तर र ब्रान्ड कायम गर्न सक्ने बाली तथा उत्पादनको गुणस्तर प्रवर्द्धन गर्न जैविक प्रविधिको अवलम्बन गरिनेछ ।             |
|                                                                             | ३.४.७ जैविक प्रविधिको अधिकतम प्रयोग गर्न गुणस्तरीय उत्पादन गर्न र कृषकहरूलाई नियमित तालिम तथा अभिमूखीकरण तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
|                                                                             | ३.४.८ मेड इन इच्छाकामनाको ब्राण्डीङका लागि प्रोत्साहन गरिनेछ ।                                                                  |
| ३.५ कृषि र पर्यावरणमैत्री मौरीपालन व्यवसाय प्रवर्द्धन गर्ने ।               | ३.५.१ मौरीपालक कृषकको विवरण संकलन गरिनेछ ।                                                                                      |
|                                                                             | ३.५.२ मौरीपालक कृषकलाई प्राविधिक तालिम प्रदान गरिनेछ ।                                                                          |
|                                                                             | ३.५.३ व्यावसायिक मौरीपालक कृषकलाई धारमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।                                                                  |
|                                                                             | ३.५.४ उत्पादित महलाई प्रशोधन र लेबलिङ तथा प्याकेजिङ गरिनेछ ।                                                                    |
|                                                                             | ३.५.५ मह उपभोक्ता बजार तथा मागको अध्ययन गरिनेछ ।                                                                                |

#### ४.१.२ जडीबुटी

##### क) पृष्ठभूमि

नेपालमा भौगोलिक तथा जैविक विविधताका कारण वनजंगल क्षेत्रमा विभिन्न प्रकारका जडीबुटीहरू पाइन्छन् । यस गाउँपालिकामा वनजंगल क्षेत्रले कूल भू-भागको ६४.७० प्रतिशत भू-भाग ओगटेको हुदाँ यहाँ विभिन्न प्रकारका जडीबुटीहरू पाइन्छन् । यहाँ विशेष गरी तितेपाती, बाह्रटुसे, चिराइतो, सेतो जरा, पाँचऔले, भाजुरी, काजल, पाखनवेद, टिमुर, अमला, अदुवा, कुरिलो, बोभो, बाजुरी, सिमल, गुर्जो, आकासबेली, कुकुरतरुल, वेलवती, लालीगुराँस, कुकुर डाइनो, पानी अमला लगायतका जडीबुटीहरू पाइन्छन् । यस्ता जडीबुटीहरूको पहिचान गरी व्यावसायिक उत्पादन, प्रशोधन र बजार प्रवर्द्धन गर्न सकेमा स्थानीयवासीको आय आर्जनमा समेत टेवा पुर्‍याउन सकिन्छ ।

##### ख) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| उद्देश्य ४ : व्यावसायिक जडीबुटी उत्पादनको सुरुवात गर्नु |                                                                                       |
|---------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                  | कार्यनीति                                                                             |
|                                                         | ४.१.१ विज्ञको सहयोगमा गाउँपालिकाभर पाइने जडीबुटीहरूको पहिचान गरी विवरण संकलन गरिनेछ । |

#### उद्देश्य ४ : व्यावसायिक जडीबुटी उत्पादनको सुरुवात गर्नु

| रणनीति                                                                   | कार्यनीति                                                                                                                                                                                               |
|--------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ४.१ गाउँपालिकामा पाइने बहुमूल्य जडीबुटीहरूको पहिचान र संरक्षण गर्ने      | ४.१.२ पहिचान भएका जडीबुटीको नमूना तथा तीनको गुण विशेषता र उपयोग समेटेर गाउँपालिकामा एक नमूना Herbarium तयार पारिनेछ ।                                                                                   |
|                                                                          | ४.१.३ आफ्नो वरपर रहेका बहुमूल्य जडीबुटीको पहिचान र संरक्षण गर्न जनस्तरमा जनचेतना फैलाउन स्थानीय सञ्चार माध्यमहरूको सहयोग लिइनेछ ।                                                                       |
|                                                                          | ४.१.४ पूर्ण विवरण तयार पारी जडीबुटीको फाईदा र विशेषता सहित ब्रोसर तथा पुस्तक तयार पारिनेछ ।                                                                                                             |
|                                                                          | ४.१.५ स्थानीयस्तरमा प्राप्त हुने बहुमूल्य र स्वास्थ्य हितकारी जडीबुटीहरूको पहिचान र संरक्षण गरी सदुपयोग गर्न जनचेतनामूलक कार्यक्रम निर्माण गरी प्रसारण गरिनेछ ।                                         |
| ४.२ कृषकलाई व्यवसायिक जडीबुटी उत्पादनका लागि प्रोत्साहन गर्ने ।          | ४.२.१ गाउँपालिकामा जडीबुटी उत्पादनलाई पेशागत र व्यावसायिक बनाउन चाहने कृषकको विवरण संकलन गरिनेछ ।                                                                                                       |
|                                                                          | ४.२.२ इच्छुक कृषकहरूलाई गाउँपालिकाको तर्फबाट व्यावसायिक जडीबुटी उत्पादनको सम्भाव्यता, बजार र प्राविधिक ज्ञानबारे तालिम प्रदान गर्न सहयोग गरिनेछ ।                                                       |
|                                                                          | ४.२.३ गाउँपालिकाभर प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद विज्ञान तथा योग साधनामा लागेका विज्ञहरूको सहयोगमा व्यवसायिक किसानको मनोबल बढाउन वर्षमा एक पटक जडीबुटीको व्यवसायिक उत्पादन सम्बन्धी अन्तरक्रिया गरिनेछ । |
| ४.३ कृषि र जडीबुटी उत्पादनलाई एकीकृत गरी व्यावसायिकता प्रवर्द्धन गर्ने । | ४.३.१ कृषिसँगै जडीबुटी समेत उत्पादन गर्ने कृषकलाई जडीबुटी उत्पादन सम्बन्धी ज्ञान, सीप र प्रविधि हस्तान्तरण गर्न सहयोग पुऱ्याइनेछ ।                                                                      |
|                                                                          | ४.३.२ अन्तरवाली अन्तर्गत कृषि बाली सँगसँगै जडीबुटी उत्पादन गर्ने कृषकलाई तालिमको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                                                      |
|                                                                          | ४.३.३ गाउँपालिकामा खेर गैरहेको जमिन र वन क्षेत्रलाई व्यावसायिक जडीबुटी उत्पादन गर्न निजी क्षेत्रलाई लजमा दिन व्यवस्था मिलाइनेछ ।                                                                        |
|                                                                          | ४.३.४ कृषि उपज संकलन केन्द्रलाई जडीबुटी समेत संकलन केन्द्रका रुपमा विकास गरिनेछ ।                                                                                                                       |
|                                                                          | ४.३.५ अति विपन्न वर्ग र न्यून आय भएका कृषकहरूलाई जडीबुटी उत्पादनमा आर्कषण गर्न व्याजमा अनुदान दिने व्यवस्था मिलाइनेछ ।                                                                                  |
|                                                                          | ४.३.६ व्यावसायिक जडीबुटी उत्पादन विस्तार कार्यक्रम अन्तर्गत समूहमा व्यावसायिक जडीबुटी खेती गर्न चाहने कृषक समूहलाई मापदण्डका आधारमा प्राविधिक सहयोग तथा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।                          |

#### ४.१.३ पशुपंक्षी विकास तथा मत्स्यपालन

##### क) पृष्ठभूमि

नेपालका अन्य स्थानहरूमा जस्तै यस गाउँपालिकाका अधिकांश घरपरिवारहरूले पशुपंक्षी तथा मत्स्यपालन गर्ने गरेका छन् । यहाँ गाई, भैँसी, बाख्रा, सुँगुर, बंगुरा, कुखुरा, हाँस, लगायतका पशुपंक्षी पाल्ने र बिक्री गर्ने गर्दछन् । हाल सम्म गाउँपालिकामा ३६३ वटा कृषि तथा पशुपंक्षीपालन फर्महरू विधिवत रुपमा दर्ता भइ सञ्चालनमा रहेका छन् ।

यहाँ उपयुक्त जातका पशुपन्थीहरूको व्यवसायिक उत्पादनको राम्रो सम्भावना रहेको हुनाले यिनै कृषि तथा पशु फर्महरू मार्फत पशुपन्थीहरूको व्यवसायिक उत्पादन समेत हुँदै आएको छ ।

## ख) समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>पशुपंक्षी तथा मत्स्यपालन व्यवसायको आधुनिकीकरण हुन नसकेको ।</li> <li>कृषि पूर्वाधार विकासमा चुनौती रहेको ।</li> <li>युवा तथा व्यवसायिक सोचका कृषि उद्यमीहरूलाई यस क्षेत्रमा आकर्षण गर्ने चुनौती रहेको ।</li> <li>पशुपंक्षी, मत्स्यपालन सेवा केन्द्र तथा दक्ष प्राविधिकहरूको अभाव ।</li> <li>पशुपंक्षी उपचार पर्याप्तता नभएको ।</li> <li>कृषि उपज भण्डारण तथा उचित बजारको सुनिश्चितता हुन नसकेको ।</li> <li>पानीको मुहान सुख्खा हुँदै गइरहेकाले पशुपंक्षी पालनमा समस्या भएको ।</li> <li>दिन प्रति दिन वनजंगल विनाश भइरहेको ।</li> </ul> |

## ग) सम्भावना तथा अवसर

| सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकामा विभिन्न कृषि तथा पशु फर्महरू मार्फत गाई, भैँसी, कुखुरा, बाख्रा, माछा, बंगुर, सुंगुर लगायतका पशुपंक्षीहरूको व्यावसायिक उत्पादन हुँदै आएको ।</li> <li>दुध, माछा, मासु र अण्डाको खपत बढिरहेकोले राम्रो आमदानी गर्न सकिने ।</li> <li>पशुपन्थीजन्य उत्पादनमा आधारित उद्योगहरू सञ्चालन गर्न सकिने ।</li> <li>गाउँपालिकाले “उत्पादन साथमा अनुदान हातमा” भन्ने अवधारणा लाई अभियानको साथमा अगाडी बढाउने नीति लिएको ।</li> <li>व्यावसायिक उत्पादन बढाउन सके माछाको बजारको समेत राम्रो सम्भावना रहेको ।</li> <li>गाउँपालिकाले पशुपालन किसानको लागि तोकिएका पशुजन्य औषधीहरू निशुल्क उपलब्ध गराउने तथा पशु बीमाको लागि प्रोत्साहन कार्यक्रम संचालन गर्ने नीति लिएको ।</li> </ul> |

## घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                                                                                                                                                                                                                |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| व्यावसायिक पशुपन्थी तथा मत्स्यपालन मार्फत आर्थिक समृद्धि                                                                                                                                                                                                      |
| लक्ष्य                                                                                                                                                                                                                                                        |
| आधुनिक, वैज्ञानिक र व्यावसायिक पशुपंक्षी तथा मत्स्यपालन मार्फत निर्यातमूखी उत्पादनलाई बढावा दिने                                                                                                                                                              |
| उद्देश्यहरू                                                                                                                                                                                                                                                   |
| <ul style="list-style-type: none"> <li>✓ पशुपंक्षी तथा मत्स्यपालनलाई व्यवसायिक बनाउनु ।</li> <li>✓ पशुपंक्षीजन्य उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु ।</li> <li>✓ माछाको व्यवसायिक उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु ।</li> </ul> |

| उद्देश्य १: पशुपन्छीपालनलाई व्यवसायिक बनाउनु                                      |                                                                                                                                                                                        |
|-----------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                            | कार्यनीति                                                                                                                                                                              |
| १.१ पशुपन्छीपालनमा व्यवसायिकता अभिवृद्धि गर्न कृषक अभिमूखीकरण गर्ने ।             | १.१.१ वडास्तरमा उद्यमशील सोच भएका इच्छुक युवा तथा अग्रणी कृषकहरूको पहिचान गरिनेछ ।                                                                                                     |
|                                                                                   | १.१.२ कृषि उद्यमीहरूको उत्प्रेरणाका लागि वडास्तरमा उनीहरूको सोच र योजनाबारे सूचना संकलन गरी शुरुआत (Start-up) का लागि अभिमूखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                            |
|                                                                                   | १.१.३ इच्छुक युवा तथा अन्य अग्रणी कृषकहरूको लगत संकलन पश्चात पशुपक्षी तथा मत्स्यपालन सम्बन्धी असल अभ्यास तथा प्राविधिक पक्षहरूबारे वर्षमा एक पटक अभिमूखीकरण तथा तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
|                                                                                   | १.१.४ अतिविपन्न घरपरिवार निर्वाहमूखी पशुपक्षीपालन कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिइनेछ ।                                                                                                      |
|                                                                                   | १.१.५ हरियो घाँसमा आधारित पशुपालन कार्यक्रमलाई प्राथमिकता दिइनेछ ।                                                                                                                     |
| १.२ युवा उद्यमीहरूलाई यसतर्फ आकर्षण गर्न विशेष सहूलियत प्रदान गर्ने ।             | १.२.१ निश्चित मापदण्डका आधारमा एकल तथा सामूहिक रूपमा पशुपन्छी पालनमा व्यावसायिक रूपमा जान खोज्ने कृषक, कृषक समूह तथा वैदेशिक रोजगारीबाट फर्किएका युवाहरूलाई व्याजमा अनुदान दिइनेछ ।    |
|                                                                                   | १.२.२ उच्च मूल्य पर्ने पशुपक्षीजन्य उत्पादनका लागि आवश्यक उन्नत जातका नश्लको प्रवर्द्धन गर्न बोका तथा माउ आदिमा निश्चित मापदण्डका आधारमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।                        |
|                                                                                   | १.२.३ स्थानीय सहकारी तथा समूहमा पशुपालन व्यवसाय गर्न चाहनेहरूलाई निश्चित प्रतिशत व्याज तथा सहूलियत तथा लगानीमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।                                                  |
|                                                                                   | १.२.४ स्थानीय जातका लोकल कुखुरा, कालिज, बट्टाइ, बड्गुर लगायत पशुपक्षी पाल्न चाहने बेरोजगार युवाहरूलाई निश्चित मापदण्डका आधारमा प्रोत्साहनको प्रवन्ध गरिनेछ ।                           |
|                                                                                   | १.२.५ गाउँपालिका भित्रका दुध उत्पादक किसानलाई दुधजन्य पदार्थको उत्पादन र बिक्री वितरणमा अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                     |
| १.३ पशुपन्छी उत्पादनलाई आवश्यक कृषि सामग्री तथा प्रविधिको उपलब्धता वृद्धि गर्ने । | १.३.१ पशुपालनलाई आवश्यक घाँसको उत्पादन, बीउ तथा बेर्ना वितरण गरिनेछ ।                                                                                                                  |
|                                                                                   | १.३.२ घाँसेवाली उत्पादन क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                     |
|                                                                                   | १.३.३ खेर गैरहेको जमिनमा घाँस रोप्न कृषकलाई प्रोत्साहन गर्न घाँसको व्यावसायिक उत्पादन सम्बन्धी तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                  |
|                                                                                   | १.३.४ प्रत्येक वडामा पशुसेवा केन्द्रद्वारा प्रदान गरिने सेवालाई घुम्ती सेवामार्फत विस्तार गरिनेछ ।                                                                                     |
|                                                                                   | १.३.५ पशु बीमा कार्यक्रमलाई कृषक मैत्री र प्रभावकारी बनाउन बीमा कम्पनीको समन्वयमा अन्तरक्रिया गरिनेछ ।                                                                                 |
|                                                                                   | १.३.६ पशु रोग नियन्त्रणका लागि भ्याक्सिनेसन तथा Call Center को व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                                                       |
|                                                                                   | १.३.७ छाडा कुकुर बन्ध्याकरण तथा रेविज विरुद्धको खोप अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                            |
|                                                                                   | १.३.८ विद्यालय तथा समुदायमा रेविज, बर्डफ्लु, बुसेलोसिस, एन्थ्राक्स र अन्य छाला सम्बन्धी जेनेटिक रोगबारे व्यापक सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                       |
|                                                                                   | १.३.९ पशु बधशाला तथा मासु बिक्री केन्द्रहरूलाई नियमन गरी व्यवस्थापन गरिनेछ ।                                                                                                           |
|                                                                                   | १.३.१० कुखुराको चल्ला, दाना, अण्डा, मासु तथा भेटनरी औषधी एकै स्थलबाट बिक्री वितरण गर्न रोक लगाइनेछ ।                                                                                   |

| उद्देश्य १: पशुपन्छीपालनलाई व्यवसायिक बनाउनु |                                                                                                                              |
|----------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                       | कार्यनीति                                                                                                                    |
|                                              | १.३.११ एक बडा एक पशु प्राविधिकको प्रबन्ध गरिनेछ ।                                                                            |
|                                              | १.३.१२ गाउँपालिकालाई क्रमश माछा, मासु, दुध र अण्डामा आत्मनिर्भर तुल्याइनेछ ।                                                 |
|                                              | १.३.१३ सघन पशुपन्छीपालन क्षेत्र लक्षित भेटेरिनरीको स्थापना गरिनेछ ।                                                          |
|                                              | १.३.१४ उन्नत र उच्च प्रतिफल दिने पशुनश्ल सुधार तथा कृत्रिम गर्भाधान सेवालाई विस्तार गरिनेछ ।                                 |
|                                              | १.३.१५ उन्नत पशुनश्ल श्रोत केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।                                                                          |
|                                              | १.३.१६ स्थानीय उपजमा आधारित दाना उद्योग खोल्ने उद्यमीलाई मापदण्डका आधारमा सहूलियत प्रदान गरिनेछ ।                            |
|                                              | १.३.१७ पशुशिक्षा प्रवर्द्धन गर्न बडास्तरमा कृषक पाठशाला सञ्चालन गरिनेछ ।                                                     |
|                                              | १.३.१८ व्यावसायिक पशुपालक कृषकलाई लागत सहभागिता Cow Mat वितरण गरिनेछ ।                                                       |
|                                              | १.३.१९ पशुपालन पकेट क्षेत्रस्तरीय घाँस बीज बैङ्क तथा डालेघाँस नर्सरी स्थापनाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।               |
|                                              | १.३.२० गाउँपालिकामा सम्भाव्यता हेरी दुग्ध चिस्यान केन्द्र तथा दुग्ध प्रशोधन केन्द्र स्थापना तथा विस्तार गरिनेछ ।             |
|                                              | १.३.२१ चल्ता उत्पादन गर्ने ह्याचरी उद्योग संचालनका लागि निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया गरी विशेष प्रोत्साहनको व्यवस्था गरिनेछ । |
|                                              | १.३.२२ गाउँपालिकाका दुध उपभोक्ता सहकारी संस्था लिमिटेडहरूलाई मापदण्डका आधारमा प्राविधिक सहयोग प्रदान गरिनेछ ।                |
|                                              | १.३.२३ व्यावसायिक पशुपालक कृषकलाई अनुदानमा मिल्किङ मेशिन तथा आवश्यक उपकरण वितरण गरिनेछ ।                                     |

| उद्देश्य २: पशुपन्छीजन्य उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु |                                                                                                                                |
|---------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                    | कार्यनीति                                                                                                                      |
| २.१ कृषि तथा पशुपन्छी तथ्याङ्क प्रणालीको विकास गर्ने ।                    | २.१.१ गाउँपालिका भरी पालिने पशुपंक्षीको विवरण अद्यावधिक गर्ने तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण गरिनेछ ।                              |
|                                                                           | २.१.२ गाउँपालिकामा हरेक वर्ष पशुपन्छी जन्य उत्पादनको माग आपूर्तिको वस्तुपरक सूचना प्राप्त गरी उत्पादनलाई निर्यातमुखी बनाइनेछ । |
|                                                                           | २.१.३ हरेक वर्ष गाउँपालिकाबाट निर्यात हुने पशुजन्य उत्पादनको वस्तुपरक सूचना अद्यावधिक गरिनेछ ।                                 |
| २.२ पशुपन्छीजन्य उत्पादनको निर्यात गर्ने ।                                | २.२.१ गाउँपालिकामा रहेका पशुपंक्षी संकलन केन्द्रको सुधार गरिनेछ ।                                                              |
|                                                                           | २.२.२ पशुपन्छीजन्य उत्पादन निर्यात हुन सक्ने सम्भाव्य निकटवर्ती बजार तथा हाटबजारको मागको अध्ययन गरिनेछ ।                       |
|                                                                           | २.२.३ उत्पादित वस्तुहरूको ब्रान्डिङ, लेबलिङ, प्याकेजिङ तथा गुणस्तर जाँच गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ ।                              |
|                                                                           | २.२.४ उत्पादन र मागको सन्तुलन कायम गर्न ठूला बजारका कृषि उपज                                                                   |

| उद्देश्य २: पशुपन्थीजन्य उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु |                                                                                    |
|---------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                    | कार्यनीति                                                                          |
|                                                                           | संकलन तथा व्यापारीहरूसँग सम्पर्क तथा मार्ग संकलन गर्ने संयन्त्रको निर्माण गरिनेछ । |

| उद्देश्य ३ : माछाको व्यावसायिक उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
|---------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                          | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| ३.१ माछापालनमा इच्छुक कृषक पहिचान गर्ने ।                                       | ३.१.१ प्रत्येक वडामा सम्भाव्यताका आधारमा माछापालन गर्न चाहने र गरिरहेका कृषक पहिचान गरिनेछ ।<br>३.१.२ माछापालन गर्न चाहने कृषकलाई प्राविधिक ज्ञान र सीपका लागि तालिमको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                             |
| ३.२ माछाका भूरा मा अनुदान दिने ।                                                | ३.२.१ निश्चित मापदण्डका आधारमा माछापालक कृषकलाई पहिलो पटक भूरा मा अनुदान दिइनेछ ।<br>३.२.२ स्थानीय जलवायू अनुकूल उत्पादन हुन सक्ने माछाका बारेमा कृषकलाई जानकारी प्रदान गरिनेछ ।<br>३.२.३ माछाको लागि दाना उत्पादन गर्ने प्रविधि सहित मेशिनहरू उपलब्ध गरिनेछ ।<br>३.२.४ माछा उत्पादन सम्बन्धी सल्लाह दिन प्राविधिक सहयोग प्रदान गरिनेछ ।                                             |
| ३.३ माछाको स्थानीय मार्ग पूरा गरी निर्यात गर्ने ।                               | ३.३.१ स्थानीयस्तरमा उत्पादित माछाको खपत हुन सक्ने प्रमुख बजारहरूको अध्ययन गरिनेछ ।<br>३.३.२ माछाको निर्यातका लागि संकलन भण्डारण तथा प्याकेजिङ केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                                             |
| ३.४ पोखरी निर्माणमा अनुदान तथा सहूलियत दिने ।                                   | ३.४.१ स्थानीय जल पर्यावरणीय प्रणालीको विकास गर्न वडास्तरमा नमूना माछापोखरी निर्माण गर्ने कृषकहरूलाई लागत सहभागिता तथा ब्याजमा अनुदान दिइनेछ ।<br>३.४.२ त्यस्ता पोखरी निर्माण गर्ने कृषकलाई प्राविधिक सहयोग प्रदान गरिनेछ ।<br>३.४.३ गाउँपालिकामा पानीको उपलब्धता हुने सार्वजनिक जग्गाहरूमा पोखरीहरू निर्माण गरी ठेक्कामा लगाइनेछ । साथै प्रयोगमा आएका पोखरीहरूको स्तरोन्नति गरिनेछ । |

### कृषि तथा पशुपन्छीको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य         | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                      | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|------------------|--------|-----------|--------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|                  |        |           |                                                                                | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
| कृषि तथा जडिबुटि |        |           |                                                                                |                   |             |             |           |             |                 |
| १.               | १.१    | १.१.१     | कृषक वर्गीकरण तथा परिचय पत्र वितरण                                             | ५००               |             |             |           |             |                 |
|                  |        | १.१.२     | अगुवा कृषकको विवरण संकलन                                                       |                   | १००         |             |           |             |                 |
|                  |        | १.१.३     | व्यवसायिकरण सम्बन्धी अगुवा कृषक अभिमूखीकरण                                     |                   | ५०          | ६०          | ७०        | ८०          |                 |
|                  |        | १.१.४     | कृषक पाठशाला सञ्चालन तथा शिक्षक व्यवस्था                                       | ३००               | ३५०         | ४००         | ५००       | ६००         |                 |
|                  |        | १.१.५     | किसान क्लब गठन                                                                 | २०                | २५          | ३०          | ३५        | ४०          |                 |
|                  |        | १.१.६     | कृषक समूह गठन सहजिकरण                                                          | २०                | २५          | ३०          | ४०        | ५०          |                 |
|                  |        | १.१.७     | उत्पादित कृषि उपजको मूल्य श्रृंखला निर्धारण                                    |                   |             | १०          |           |             |                 |
|                  |        | १.१.८     | कृषिमा आत्मनिर्भर विशेष कार्यक्रम                                              | २५०               | २६०         | २७०         | २८०       | २९०         |                 |
|                  |        | १.१.९     | कृषि उद्यम विशेष प्रोत्साहन कार्यक्रम                                          | २५०               | २६०         | २७०         | २८०       | २९०         |                 |
|                  |        | १.१.१०    | युवाहरुलाई मापदण्डका आधारमा प्रोत्साहन                                         | २५०               | २६०         | २७०         | २८०       | २९०         |                 |
|                  | १.२    | १.२.१     | गाउँपालिकाका प्रमुख सिँचाई योजनाहरुको प्राथमिकिकरण                             | १००               |             |             |           |             |                 |
|                  |        | १.२.२     | वडास्तरीय सघन कृषि क्षेत्र तथा खेती मिश्रित बाली/अन्तरबाली वर्गीकरण तथा पहिचान |                   |             | २००         |           |             |                 |
|                  |        | १.२.३     | वडास्तरीय उच्च मूल्यका बाली तथा उत्पादन सम्भाव्यता अध्ययन                      |                   | २००         |             |           |             |                 |
|                  |        | १.२.४     | बाँझो क्षेत्र खेती क्षेत्र पहिचान र विवरण संकलन                                |                   | २००         |             |           |             |                 |
|                  |        | १.२.५     | चक्लाबन्दी तथा कन्ट्र्याक्ट फार्मिङका लागि समन्वय                              |                   | २००         |             |           |             |                 |
|                  | १.३    | १.३.१     | प्रत्येक वडामा बाली विशेष पकेट क्षेत्र निर्माणका लागि सम्भाव्यता अध्ययन        | २५०               |             |             |           |             |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                 | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|---------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                           | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | १.३.२     | फलफूल तथा नगदेवाली विशेष नर्सरी स्थापना                                   |                   | २५०         |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.३     | पकेट क्षेत्रस्तरीय स्रोतकेन्द्र निर्माण                                   |                   |             | ५००         |           |            |                 |
|          |        | १.३.४     | व्यावसायिक फलफूल तथा नगदेवाली विस्तार कार्यक्रम                           | ५००               | ५००         | ५००         | ५००       | ५००        |                 |
|          |        | १.३.५     | सुन्तला खेतीमा अनुदान तथा प्राविधिक सहयोग कार्यक्रम                       | ५००               | ५००         | ५००         | ५००       | ५००        |                 |
|          |        | १.३.६     | सुन्तला, कागती, टिमुर जस्ता उच्च मूल्यका कृषि उपज उत्पादनका लागि अनुदान   | २००               | २५०         | ३००         | ३५०       | ४००        |                 |
|          |        | १.३.७     | उन्नत बीउ विजन मार्फत कृषकलाई आत्मनिर्भर                                  | २००               | २५०         | ३००         | ३५०       | ४००        |                 |
|          |        | १.३.८     | न्यून जोखिमयुक्त बालीनाली (जस्तै कागती, बाँस आदि) प्रवर्द्धनमा प्रोत्साहन | २००               | २५०         | ३००         | ३५०       | ४००        |                 |
|          | १.४.   | १.४.१     | रासायनिक मल माग तथा आपूर्ति तथ्याङ्क प्रणाली निर्माण                      | २५०               |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.४.२     | वडास्तरीय प्राङ्गारिक तथा हरित मल उत्पादन तालिम                           | १००               | १५०         | २००         | २५०       | ३००        |                 |
|          |        | १.४.३     | व्यावसायिक प्राङ्गारिक तथा जैविक मल उत्पादन अनुदान                        | १००               | १५०         | २००         | २५०       | ३००        |                 |
|          |        | १.४.४     | फलफूलका बीउ/बिरुवा खरिदमा ५० प्रतिशत अनुदान                               | ७००               | ७००         | ८००         | ८००       | ९००        |                 |
|          |        | १.४.५     | कृषि यन्त्र खरिदमा अनुदान                                                 | ३००               | ३००         | ३००         | ३००       | ३००        |                 |
|          |        | १.४.६     | गाउँपालिकास्तरीय Custom Hiring Center निर्माण                             | २००               | २००         | २००         | २००       | २००        |                 |
|          |        | १.४.७     | कृषि उपजलाई बजारसम्म पुर्याउन ढुवानी अनुदान                               | ५००               | ५००         | ५००         | ५००       | ५००        |                 |
|          |        | १.४.८     | कृषि विज्ञ सहितको कृषि एम्बुलेन्स संचालन                                  | ५००               | ५००         | १०००        | १२००      | १५००       |                 |
|          |        | १.४.९     | एक वडा एक कृषि बजार स्थापना                                               | ५००               | ५००         | ५००         | ५००       | ५००        |                 |
|          | १.५    | १.५.१     | मल, बीउ, विषादी आदिको जानकारीका लागि सञ्चार माध्यमसँग समन्वय              | ३०                | ३०          | ३०          | ३०        | ३०         |                 |
|          |        | १.५.२     | मल, बीउ, विषादी आदिको प्रयोग सम्बन्धी कृषि शिक्षा प्रसारण                 |                   |             | २५०         |           |            |                 |
|          |        | १.५.३     | गाउँपालिकास्तरीय कृषि प्रयोगशालाको स्थापना                                |                   |             |             | ५००       | ५००        |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति                                     | कार्यक्रम                                                   | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------------------------------------------|-------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |                                               |                                                             | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | १.५.४                                         | जैविक विषादी उत्पादन तालिम                                  |                   | १००         |             |           |            |                 |
|          |        | १.५.५                                         | बेमौसमी तरकारी खेती विशेष तालिम                             | ६०                | ६०          | ६०          | ७०        | ८०         |                 |
|          |        | १.५.६                                         | कृषि घुम्ती सेवा सञ्चालन                                    | ५०                | ५०          | ६०          | ७०        | ८०         |                 |
|          |        | १.५.७                                         | कृषि उपज भण्डारण तालिम                                      | ५०                | ५०          | ६०          | ६५        | ८०         |                 |
|          |        | १.५.८                                         | खाद्य भण्डारण डिपो स्थापना                                  |                   | १०००        |             |           |            |                 |
|          |        | १.५.९                                         | विषादी परीक्षण प्रयोगशाला निर्माण                           | १५००              |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.५.१०                                        | प्राङ्गारिक तथा जैविक खेती गर्ने किसानलाई प्रोत्साहन अनुदान | १००               | १००         | १००         |           |            |                 |
|          |        | १.५.११                                        | अर्गानिक मल उत्पादनलाई व्यवस्थित ढंगले सञ्चालन              | १५०               | १६०         | १७०         | १८०       | १९०        |                 |
| १.६      | १.६.१  | व्यावसायिक कृषि योजना अनुदान तथा सहूलियत      |                                                             | १५०               | २००         | २५०         |           |            |                 |
|          |        | १.६.२                                         | कृषक तथा सहकारी विशेष अन्तरक्रिया                           | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | १.६.३                                         | वैदेशिक रोजगारीबाट फर्किएका युवालाई विशेष कृषक अभिमूखीकरण   | ४०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
| १.७      | १.७.१  | कृषक तथा बीमा कम्पनीविच अन्तरक्रिया कार्यक्रम |                                                             | १५०               | १६०         | १७०         | १८०       | १९०        |                 |
|          |        | १.७.२                                         | नियमित अभिमूखीकरण कार्यक्रम                                 | ५०                | ६०          | ७०          | ८०        | ९०         |                 |
|          |        | १.७.३                                         | विपन्न कृषक बीमा अनुदान                                     |                   |             |             |           |            |                 |
| २.       | २.१    | २.१.१                                         | अगुवा कृषक अध्ययन तथा अवलोकन भ्रमण                          | १००               | १५०         | २००         | २५०       | ३००        |                 |
|          |        | २.१.२                                         | अगुवा तथा साना किसान विच अन्तरक्रिया कार्यक्रम              | ३०                | ४०          | ५०          | ६०        | ७०         |                 |
|          |        | २.१.३                                         | वार्षिक कृषि मेलाको आयोजना                                  | ४००               | ५००         | ६००         | ६५०       | ७००        |                 |
|          | २.२    | २.२.१                                         | सघन कृषि क्षेत्र विशेष मापदण्ड निर्माण                      | ३५०               |             |             |           |            |                 |
|          |        | २.२.२                                         | सघन कृषि क्षेत्र विस्तार अनुदान                             | १००               | १५०         | २००         | ३००       | ३५०        |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                            | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|----------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                      | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          | २.२    | २.२.१     | कृषि सडक (घोषणाका लागि) पहिचान                                       |                   | १५०         |             |           |            |                 |
|          |        | २.२.२     | प्राथमिकताका आधारमा कृषि सडकहरुको स्तरोन्नति                         | १००               |             |             |           |            |                 |
|          |        | २.२.३     | बडास्तरीय कृषि उपज तथा जडीबुटी संकलन केन्द्र निर्माण                 |                   | ३००         |             |           |            |                 |
|          |        | २.२.४     | गाउँपालिकास्तरीय एक शीत भण्डार निर्माणका लागि सम्भाव्यता अध्ययन      |                   |             |             | ३००       | ३००        |                 |
|          |        | २.२.५     | सुन्तला, अदुवा, टिमुरको बीज बैङ्क स्थापना                            |                   | १००         | १००         | १००       | १५०        |                 |
|          |        | २.२.६     | गाउँपालिकास्तरीय सामुदायिक कृषि सेवा श्रोत तथा सूचना केन्द्र स्थापना |                   |             |             | १००००     |            |                 |
| ३.       | ३.१    | ३.१.१     | वातावरण र दिगो कृषि विषयक अगुवा कृषक अभिमूखीकरण                      | ३०                | ३०          | ३५          | ४०        | ५०         |                 |
|          |        | ३.१.२     | रैथाने प्रजातिका बाली संरक्षण अनुदान                                 | ४०                | ४५          | ४५          | ४५        | ५०         |                 |
|          |        | ३.१.३     | जलवायु अनुकूलन विशेष बाली प्रवर्द्धन कार्यक्रम                       | ४५                | ५०          | ६०          | ६०        | ७०         |                 |
|          |        | ३.१.४     | सामुदायिक बीज बैङ्क स्थापनाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन                 | ५००               |             |             |           |            |                 |
|          | ३.२    | ३.२.१     | कृषि पकेट क्षेत्रहरुको पहिचान                                        |                   | १००         |             |           |            |                 |
|          |        | ३.२.२     | कृषि पकेट क्षेत्रस्तरीय स्वचालित कृषि तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण     |                   |             | २००         |           |            |                 |
|          |        | ३.२.३     | कृषि उपज बजारीकरण तथा निर्यात प्रवर्द्धन अनुदान                      | ५००               | ५००         | ६००         | ६००       | ८००        |                 |
|          |        | ३.२.४     | कृषि उपज सन्तुलित मूल्य श्रृंखला विकास कार्यक्रम                     | ५०                | ६०          | ७०          | ८०        | ९०         |                 |
|          | ३.३    | ३.३.१     | पकेट क्षेत्र वा जोन/सूपर जोन स्तरीय कृषि उद्योगको सम्भाव्यता अध्ययन  |                   |             | ३००         |           |            |                 |
|          |        | ३.३.२     | कृषि उद्यमी पहिचान कार्यक्रम                                         | ५०                |             |             |           |            |                 |
|          |        | ३.३.३     | अगुवा कृषि उद्यमी विशेष अभिमूखीकरण तथा अन्तरक्रिया                   | ३०                | ३०          | ३५          | ४०        | ४५         |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                            | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|--------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                      | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          | ३.४    | ३.४.१     | कृषि उपज प्याकेजिङ, लेबलिङ गुणस्तर जाँच तथा ब्रान्डीड सम्बन्धी तालिम तथा अन्तरक्रिया | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | ३.४.२     | खाद्य तथा कृषि उपज गुणस्तर मापन केन्द्र स्थापना                                      |                   |             | ५००         |           |            |                 |
|          |        | ३.४.३     | कृषि उपभोक्ता बजारको सम्भाव्यता अध्ययन                                               | २००               |             |             |           |            |                 |
|          |        | ३.४.४     | कृषि सम्बन्धी उपभोग्य वस्तुको वस्तुगत माग सम्बन्धी तथ्याङ्क संकलन                    |                   | ८०          |             |           |            |                 |
|          |        | ३.४.५     | रैथाने प्रजातिका वालीहरूको पहिचान तथा बीज बैङ्क स्थापना                              |                   |             | ५००         |           |            |                 |
|          |        | ३.४.६     | जैविक प्रविधि र खेती सम्बन्धी नियमित तालिम                                           | ६०                | ६०          | ६०          | ६०        | ६०         |                 |
|          |        | ३.४.७     | जैविक प्रविधि र खेती सम्बन्धी अभिमूखीकरण तालिम                                       | ५०                | ५५          | ६०          | ६०        | ६०         |                 |
|          |        | ३.४.८     | मेड इन इच्छाकामनाको ब्रान्डीडका लागि प्रोत्साहन                                      | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          | ३.५    | ३.५.१     | मौरीपालक कृषकको विवरण संकलन                                                          | ५०                |             |             |           |            |                 |
|          |        | ३.५.२     | मौरीपालन तालिम सञ्चालन                                                               | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | ३.५.३     | लागत सहभागितामा मौरीको घरमा अनुदान                                                   |                   | १५०         | १५०         | १५०       | १५०        |                 |
|          |        | ३.५.४     | मह ब्रान्डीड सम्बन्धी तालिम सञ्चालन                                                  | ८०                | ८०          | ८०          | ८०        | ८०         |                 |
|          |        | ३.५.५     | मह उपभोक्ता बजारको अध्ययन                                                            | १००               |             |             |           |            |                 |
| ४.       | ४.१    | ४.१.१     | गाउँपालिकामा पाइने सबै प्रकारका जडीबुटीको पार्श्वचित्र (Profile) तयार                | ३००               |             |             |           |            |                 |
|          |        | ४.१.२     | गाउँपालिकास्तरीय Herbarium निर्माण                                                   |                   |             |             |           | ५००        |                 |
|          |        | ४.१.३     | जडीबुटी सम्बन्धी जनचेतना सञ्चार                                                      | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | ४.१.४     | जडीबुटी सम्बन्धी ब्रोसर तथा पार्श्वचित्र (Profile) प्रकाशन                           |                   |             | १००         |           |            |                 |
|          |        | ४.१.५     | स्थानीय जडीबुटी पहिचान तथा उपयोगिता र संरक्षण बारे जनचेतना अभियान                    | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |

| उद्देश्य                        | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                              | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|---------------------------------|--------|-----------|----------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|                                 |        |           |                                                                                        | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|                                 | ४.२    | ४.२.१     | जडीबुटी उत्पादक कृषकको विवरण संकलन                                                     |                   | १५०         |             |           |            |                 |
|                                 |        | ४.२.२     | जडीबुटी उत्पादन सम्बन्धी तालिम सञ्चालन                                                 | ५०                | ६०          | ६०          | ६०        | ७०         |                 |
|                                 |        | ४.२.३     | प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद विज्ञान, योग साधनामा लागेका विज्ञहरू तथा कृषक अन्तरक्रिया |                   |             | १००         | १००       | १००        |                 |
|                                 | ४.३    | ४.३.१     | जडीबुटी उत्पादन प्राविधिक सहयोग कक्ष निर्माण                                           |                   |             |             |           | १५०        |                 |
|                                 |        | ४.३.२     | अन्तरबाली अन्तर्गत जडीबुटी उत्पादन तालिम सञ्चालन                                       | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|                                 |        | ४.३.३     | खेर गैरहेको जमिन र वन क्षेत्रलाई लिजमा दिन अभिलेखिकरण                                  |                   |             |             |           |            |                 |
|                                 |        | ४.३.४     | कृषि उपज संकलन केन्द्रमा जडीबुटी संकलन कक्ष निर्माण                                    |                   |             |             |           |            |                 |
|                                 |        | ४.३.५     | अति विपन्न कृषकलाई जडीबुटीको व्यावसायिक उत्पादनमा अनुदान                               |                   | ३००         | ३००         | ३००       | ३००        |                 |
|                                 |        | ४.३.६     | व्यावसायिक जडीबुटी उत्पादन विस्तार कार्यक्रम अनुदान                                    |                   | ३००         | ३००         | ३००       | ३००        |                 |
| <b>पशुपंक्षी तथा मत्स्यपालन</b> |        |           |                                                                                        |                   |             |             |           |            |                 |
| १.                              | १.१    | १.१.१     | अगुवा तथा युवा पशुपन्छी पालक कृषक पहिचान                                               | १००               |             |             |           |            |                 |
|                                 |        | १.१.२     | व्यावसायिक पशुपन्छी पालनलाई Venture Capital को प्रवन्ध                                 |                   |             | १०००        |           |            |                 |
|                                 |        | १.१.३     | अगुवा तथा युवा कृषक विशेष अभिमूखीकरण तथा तालिम                                         | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|                                 |        | १.१.४     | निर्वाहमूखी पशुपंक्षीपालन कार्यक्रमको निरन्तरता                                        | ६०                | ६०          | ६०          | ६०        | १००        |                 |
|                                 |        | १.१.५     | हरियो घाँसमा आधारित पशुपालन कार्यक्रम                                                  | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|                                 | १.२    | १.२.१     | व्यावसायिक पशुपन्छी पालक कृषकलाई ब्याज अनुदान                                          |                   | २००         | २५०         | ३००       | ३५०        |                 |
|                                 |        | १.२.२     | उन्नत जातका बोका, राँगा, बहर तथा माउमा अनुदान                                          | २००               | २००         | २५०         | ३००       | ३५०        |                 |
|                                 |        | १.२.३     | सामुहिक व्यवसाय गर्ने समूहलाई ब्याजमा सहूलियत                                          | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|                                 |        | १.२.४     | बेरोजगार युवाहरूलाई रैथाने जातका पशुपंक्षीपालन विशेष Venture Capital                   | ५००               | ५००         | ६००         | ६००       | १०००       |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                   | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|-----------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                             | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | १.२.५     | दुधमा अनुदान कार्यक्रम                                                      | १००               |             |             |           |            |                 |
|          | १.३    | १.३.१     | घाँसको बीउ तथा बेर्ना वितरण                                                 |                   | १५०         | २००         | २५०       | ३००        |                 |
|          |        | १.३.२     | घाँसेवाली उत्पादन क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम                                 | ८०                | ८०          | ८०          | ८०        | ८०         |                 |
|          |        | १.३.३     | घाँसको व्यावसायिक उत्पादन सम्बन्धी कृषक तालिम                               | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|          |        | १.३.४     | पशुपन्छी स्वास्थ्य घुम्ती सेवा सञ्चालन                                      | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|          |        | १.३.५     | पशुबीमा अनुदान तथा अन्तरक्रिया                                              | १५०               | १५०         | २००         | २००       | २००        |                 |
|          |        | १.३.६     | पशुखोप तथा Call Center को विस्तार                                           | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|          |        | १.३.७     | छाडा कुकुर वनध्याकरण तथा रेविज विरुद्ध खोप अभियान सञ्चालन                   | १५०               | १६०         | १७०         | १८०       | १९०        |                 |
|          |        | १.३.८     | पशुपंक्षीमा लाग्ने रोगहरुबारे सचेतना कार्यक्रम                              | ५०                | ६०          | ७०          | ८०        | ९०         |                 |
|          |        | १.३.९     | पशुवधशाला तथा मासु विक्री केन्द्र संचालन मापदण्ड निर्माण                    |                   | १००         |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.१०    | भेटेरिनरी औषधी, पशुपंक्षी, पशुआहारा विक्री वितरण मापदण्ड निर्माण            |                   |             | १२०         |           |            |                 |
|          |        | १.३.११    | 'एक वडा एक पशु' प्राविधिकको प्रवन्ध                                         | ४००               | ४२०         | ४४०         | ४६०       | ४८०        |                 |
|          |        | १.३.१२    | "इच्छाकामनाको रहस्य माछा, मासु, दुध, तरकारी र अण्डामा आत्मनिर्भर" कार्यक्रम | १००               | १२०         | १३०         | १४०       | १५०        |                 |
|          |        | १.३.१३    | भेटेरिनरी स्थापनार्थ निजी क्षेत्र समन्वय                                    | २०                | २५          | ३०          | ३५        | ४०         |                 |
|          |        | १.३.१४    | कृत्रिम गर्भाधान सेवा सञ्चालन                                               | १००               | १२०         | १३०         | १४०       | १५०        |                 |
|          |        | १.३.१५    | उन्नत पशुनश्ल श्रोत केन्द्र स्थापना                                         |                   | ३५०         |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.१६    | कृषिदाना उद्योग सहूलियत अनुदान                                              |                   | १०००        |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.१७    | पशु कृषक पाठशाला सञ्चालन तथा शिक्षक प्रवन्ध                                 |                   |             | ५००         |           |            |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                                       | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|-------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                                 | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | १.३.१८    | लागत सहभागितामा Cow Mat वितरण                                                                   | २००               |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.१९    | पशुपालन पकेट क्षेत्रस्तरीय घाँस बीज बैङ्क स्थापना तथा डालेघाँस नर्सरी स्थापना सम्भाव्यता अध्ययन |                   |             |             | १०००      |            |                 |
|          |        | १.३.२०    | दुध पकेट क्षेत्रस्तरीय चिस्यान केन्द्र स्थापना                                                  |                   | ३००         |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.२१    | ह्याचरी उद्योग स्थापना सम्भाव्यता अध्ययन तथा निजी क्षेत्र अन्तरक्रिया                           |                   |             | १०००        |           |            |                 |
|          |        | १.३.२२    | दुग्ध सहकारी प्राविधिक सहयोग अनुदान                                                             |                   | ५०००        |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.२३    | मिल्किङ मेशिनमा अनुदान                                                                          |                   |             | १०००        |           |            |                 |
| २.       | २.१    | २.१.१     | पशुपंक्षी पालिने तथ्याङ्क अद्यावधिक प्रणाली निर्माण                                             |                   | २००         |             |           |            |                 |
|          |        | २.१.२     | वार्षिक पशुजन्य उत्पादन माग तथा आपूर्ति तथ्याङ्क प्रणाली निर्माण                                |                   | ३५०         |             |           |            |                 |
|          |        | २.१.३     | निर्यात हुने पशुजन्य उत्पादनको वस्तुपरक सूचना अद्यावधिक प्रणाली निर्माण                         | ५००               | ५००         | ५००         | ५००       | ५००        |                 |
|          | २.२    | २.२.१     | पशुपन्छी संकलन केन्द्र सुधार कार्यक्रम                                                          |                   | २००         |             |           |            |                 |
|          |        | २.२.२     | पशु निर्यातका लागि हाटबजारको सम्भाव्यता अध्ययन                                                  | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|          |        | २.२.३     | उत्पादित वस्तुहरुको ब्रान्डिङ, लेबलिङ, प्याकेजिङ तथा गुणस्तर जाँच                               | ५०                | ६०          | ७०          | ८०        | ९०         |                 |
|          |        | २.२.४     | मुख्य उपभोक्ता बजार स्थित व्यापारीहरूसँग माग संकलन                                              |                   | ८०          |             |           |            |                 |
| ३.       | ३.१    | ३.१.१     | माछा पालक कृषक विवरण संकलन                                                                      | ५०                |             |             |           |            |                 |
|          |        | ३.१.२     | माछापालन तालिम सञ्चालन                                                                          | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|          | ३.२    | ३.२.१     | माछाका भुरा वितरण अनुदान                                                                        |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | ३.२.२     | माछापालक कृषक प्राविधिक ज्ञान सम्प्रेषण                                                         | ४०                | ४०          | ४०          | ४०        | ४०         |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                               | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|---------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                         | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | ३.२.३     | माछापालनका लागि प्रविधि हस्तान्तरण/प्राविधिक सहयोग      |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | ३.२.४     | माछापालन प्राविधिक सहयोग कक्ष स्थापना                   |                   |             | २००         |           |            |                 |
|          | ३.३    | ३.३.१     | स्थानीय तथा ठूला उपभोक्ता बजारमा मागको अध्ययन           | १००               |             |             |           |            |                 |
|          |        | ३.३.२     | माछा संकलन, भण्डारण तथा प्याकेजिङ केन्द्रको स्थापना     |                   |             |             | ५००       |            |                 |
|          | ३.४    | ३.४.१     | माछा पोखरी निर्माण गर्ने कृषकलाई लागत सहभागितामा अनुदान | १००               | १००         | १००         | २००       | २००        |                 |
|          |        | ३.४.२     | पोखरी निर्माणमा प्राविधिक सहयोग                         |                   |             | २५०         |           |            |                 |
|          |        | ३.४.३     | ठेक्कामा लगाउन पोखरीहरू निर्माण                         |                   |             |             | ५००       |            |                 |

#### ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- सम्पूर्ण खेतीयोग्य जमिनको पूर्ण सदुपयोग भएको हुनेछ ।
- कृषि क्षेत्र व्यावसायिक र वैज्ञानिक भएको हुनेछ ।
- खाद्यान्न, मासु, अण्डा, दुधमा निर्यात प्रवर्द्धन हुनेछ ।
- कृषिमा युवा कृषकहरूको आकर्षण बढेको हुनेछ ।
- कृषि ग्रामका लागि आवश्यक पूर्वाधारहरूको विकास भएको हुनेछ ।
- व्यवसायिक जडीबुटी उत्पादनका सुरुवात भएको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                | इकाई         | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|-----------------------------------------------------------|--------------|-----------|-------------|
| १.      | कृषि       |                                                           |              |           |             |
|         | प्रभाव     | कृषिमा छुट्याइएको कूल बजेटको प्रतिशत (२.क.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत      |           |             |
|         | प्रभाव     | कृषि क्षेत्रको उत्पादन वृद्धि दर                          | प्रतिशत      |           |             |
|         | प्रभाव     | कृषि क्षेत्रको कुल गार्हस्थ उत्पादनका योगदान              | प्रतिशत      |           |             |
|         | प्रभाव     | पूर्ण खाद्य सुरक्षा भएका घरधुरी                           | प्रतिशतमा    |           |             |
|         | असर        | व्यवसायिक कृषिमा लागेका ४० वर्ष मूनिका युवा कृषक          | संख्यामा     |           |             |
|         | असर        | धान उत्पादन                                               | मे.टन/हेक्टर |           |             |
|         | असर        | मकै उत्पादन                                               | मे.टन/हेक्टर |           |             |
|         | असर        | गहुँ उत्पादन                                              | मे.टन/हेक्टर |           |             |
|         | असर        | अन्य फलफुल                                                | मे.टन/हेक्टर |           |             |
|         | असर        | तरकारीजन्य उत्पादन                                        | मे.टन/हेक्टर |           |             |
|         | असर        | दलहन उत्पादन                                              | मे.टन/हेक्टर |           |             |
|         | असर        | दुध उत्पादन                                               | लिट्र        |           |             |
|         | असर        | तेलहन वाली उत्पादन                                        | मे.टन/हेक्टर |           |             |
|         | प्रतिफल    | कृषि सूचना तथा स्रोत केन्द्र                              | संख्या       |           |             |
|         | प्रतिफल    | एगोभेट                                                    | संख्या       |           |             |
|         | प्रतिफल    | पशु उपचार केन्द्र                                         | संख्या       |           |             |
|         | प्रतिफल    | कृषि औजार बिक्री केन्द्र                                  | संख्या       |           |             |
|         | प्रतिफल    | Custom Hiring Center                                      | संख्या       |           |             |
|         | प्रतिफल    | कृषि तथा पशु उपज बिक्री केन्द्र/संकलन केन्द्र             | संख्या       |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                                       | इकाई           | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------|-----------|-------------|
|         | प्रतिफल    | व्यावसायिक कृषि फर्म                                                                             | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | कृषि घुम्ती सेवा                                                                                 | वार्षिक संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | कृषक पाठशाला                                                                                     | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | व्यावसायिक कृषि नर्सरी                                                                           | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | ब्रान्डेड कृषि उपज                                                                               | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | व्यावसायिक फलफुल खेती गरिएको क्षेत्रफल                                                           | हेक्टर         |           |             |
|         | प्रतिफल    | आधुनिक कृषि औजार तथा यन्त्र प्रयोगकर्ता                                                          | कृषक संख्या    |           |             |
|         | प्रतिफल    | कृषि सहकारी संस्था                                                                               | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | सामुहिक खेतीमा संलग्न समूह                                                                       | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | चक्लावनदी गरी खेती गरिएको जमिनको क्षेत्रफल                                                       | हेक्टर         |           |             |
|         | प्रतिफल    | जलवायु अनुकूलन विशेष बालीनाली                                                                    | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | सामुदायिक बीज बैंकको संख्या (२.५.२.४) (प.दि.वि.ल.)                                               | संख्या         |           |             |
|         | असर        | स्थानीयस्तरमा उत्पादन भई निकासी हुने बीज                                                         | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | जैविक किटनासक प्रयोगकर्ता                                                                        | कृषक संख्या    |           |             |
|         | प्रतिफल    | गाउँपालिकाबाट कृषि उपज निर्यात तथा बजारीकरणका लागि दिइएको अनुदान सहायता रकम (२.ख.१) (प.दि.वि.ल.) | रु लाखमा       |           |             |
|         | प्रतिफल    | कृषि क्षेत्रलाई छुट्याइएको बजेटको प्रतिशत (कूल बजेटको) (२.क.१) (प.दि.वि.ल.)                      | प्रतिशत        |           |             |
|         | प्रतिफल    | बाली भित्र्याइसकेपछि हुने क्षती                                                                  | प्रतिशतमा      |           |             |
|         | प्रतिफल    | वैकल्पिक सिँचाई प्रविधि प्रयोगकर्ता कृषक                                                         | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | कृषि तथा पशु प्राविधिक जनशक्ति                                                                   | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | कृषिमा आधारित उद्योग                                                                             | संख्या         |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                         | इकाई     | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|--------------------------------------------------------------------|----------|-----------|-------------|
|         | प्रतिफल    | पशुधन निर्यातबाट प्राप्त रकम                                       | लाखमा    |           |             |
|         | प्रतिफल    | पन्छीजन्य निर्यातबाट प्राप्त रकम                                   | लाखमा    |           |             |
|         | प्रतिफल    | माछा निर्यातबाट प्राप्त रकम                                        | लाखमा    |           |             |
|         | प्रतिफल    | मह निर्यातबाट प्राप्त रकम                                          | लाखमा    |           |             |
|         | प्रतिफल    | कृषक समूह                                                          | संख्या   |           |             |
|         | प्रतिफल    | दुध चिस्यान तथा डेरी                                               | संख्या   |           |             |
|         | प्रतिफल    | कृषि पकेट जोन/सुपर जोन                                             | संख्या   |           |             |
|         | प्रतिफल    | व्यावसायिक जडिबुटी खेती गरिएको क्षेत्रफल जडीबुटी नर्सरी            | संख्या   |           |             |
|         | प्रतिफल    | औषधिय गुण भएका तथा सुगन्धित जडिबुटी संख्या (१५.५.१.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या   |           |             |
|         | प्रतिफल    | व्यावसायिक तरकारी उत्पादन गरिएको क्षेत्रफल                         | हेक्टर   |           |             |
|         | प्रतिफल    | कृषि सडकको पहुँचले जोडिएको कृषि क्षेत्रको                          | प्रतिशत  |           |             |
|         | प्रतिफल    | रासायनिक मल समयमा प्राप्त हुन नसकि प्रभावित कृषक                   | प्रतिशत  |           |             |
|         | प्रतिफल    | व्यवसायिक रुपमा प्राङ्गारिक मल उत्पादन गर्ने कृषक                  | संख्या   |           |             |
|         | प्रतिफल    | सघन खेतीपातीले ओगटेको क्षेत्रफल                                    | हेक्टर   |           |             |
|         | प्रतिफल    | करार खेतीले ओगटेको क्षेत्रफल                                       | हेक्टर   |           |             |
|         | प्रतिफल    | कृषि क्षेत्रले ओगटेको क्षेत्रफल                                    | हेक्टर   |           |             |
|         | प्रतिफल    | कृत्रिम गर्भादान सेवा संख्या                                       | वार्षिक  |           |             |
|         | प्रतिफल    | उन्नत नश्लका पशुपन्छी स्रोत केन्द्र                                | संख्या   |           |             |
|         | प्रतिफल    | रैथाने पन्छी तथा पशुपालक फार्म                                     | संख्या   |           |             |
|         | प्रतिफल    | घाँसेवालीले ओगटेको कृषि क्षेत्र                                    | हेक्टरमा |           |             |
|         | प्रतिफल    | भेटिरिनरी प्रयोगशाला                                               | संख्या   |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                           | इकाई           | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|----------------------------------------------------------------------|----------------|-----------|-------------|
|         | प्रतिफल    | कृषि प्रदर्शनी तथा मेला                                              | संख्या वार्षिक |           |             |
|         | प्रतिफल    | माछा पोखरीले ओगटेको क्षेत्रफल                                        | हेक्टर         |           |             |
|         | प्रतिफल    | मौरी घर                                                              | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | कृषि प्राविधिक तालिम तथा अभिमूखीकरणबाट पूर्ण लाभान्वित छु भन्ने कृषक | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | माछाका भूरा वितरण संख्या                                             | प्रतिवर्ष      |           |             |

स्रोत: गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

#### च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीयस्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ४.२ सिँचाई

### ४.२.१ पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकामा ३३.९२ प्रतिशत कृषियोग्य जमिन रहेको छ। यहाँ विशेषतः तरकारी बाली, अमिला जातका फलफूल बालीहरूको राम्रो उत्पादनको सम्भावना रहेको र उत्पादन समेत भइरहेका छन्। यहाँ सिँचाईका लागि काउले डाँडाबाट उत्पत्ति भई त्रिशुली नदीमा मिसिएको रिग्दी खोला मुख्य स्रोत हो। यसका अतिरिक्त नाग्दी खोला, बारवाड खोला, सोताबगर खोला, कुम खोला, काली खोला, सेती खोला, स्याङ्गदी खोला, थाङ्ग खोला, सिमलढाप खोला, खगेरी खोला जस्ता साना खोलाहरू पनि रहेका छन्। वर्षैभरी बग्ने खोलाहरू ३ वटा र वर्षातको समयमा बग्ने ५ भन्दा बढी खहरे खोलाहरू रहेका छन्। रिग्दीखोला, कालीखोला, सेती खोला जस्ता खोला र अन्य स्रोतबाट गाउँपालिका भित्र सानातिना सिँचाई कूलो तथा पोखरीहरू संचालनमा रहेका छन्। सिँचाई कृषि उत्पादनका लागि अत्यावश्यक पूर्वाधार भएको हुँदा उच्च प्राथमिकताका साथ नहर तथा सिँचाई आयोजनाहरू निर्माण गरी सिँचाई कार्य गर्नु नितान्त जरुरी छ।

### ४.२.२ समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- उपलब्ध जलस्रोतको पूर्णरूपमा सही सदुपयोग हुन नसकेको हुँदा खेतीयोग्य जमिन बाँझो हुने गरेको।
- परम्परागत प्रविधिमा आधारित कुलो तथा नहरहरूको मर्मत सम्भार नियमित हुन नसकेको।
- खोलानाला नजिक भएका तथा सिँचाईका आयोजनाहरूमा प्रत्येक वर्ष क्षति पुग्ने गरेको।
- आधुनिक सिँचाई परियोजनाहरू खर्चिलो भएका कारण ठुलो आकारको बजेट आवश्यकता पर्ने।
- पानीका स्रोतहरू दिनानुदिन सुक्दै जानु।
- कृषि विद्युतीकरण मार्फत सिँचाईका मेसिन चलाउन खर्चिलो रहेको र सिँचाईका लागि उपयोग हुने मोटरहरूबाट उत्पन्न हुने धुवाले प्रदूषण बढाउने।

### ४.२.३ सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकामा रहेका नदी नालाहरू तथा कुलो मार्फत गाउँपालिकाका सबै वडाहरूलाई सहजै सिंचित गर्न सकिने।
- गाउँपालिकामा रहेका पानीका मुहानहरूलाई संरक्षण गरी उक्त क्षेत्रहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गरी सिँचाई योजना निर्माण गरी कृषि उत्पादनमा व्यापक वृद्धि गर्न सकिने।
- प्रत्येक वडामा रहेका परम्परागत सिँचाई कुला र नहरहरूको मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति गरी सुविधायुक्त बनाउन सकिने।
- गाउँपालिकाले सिँचाईको अभाव कम गर्न प्लाष्टिक पोखरी निर्माण गर्ने तथा थोपा सिँचाई कार्यक्रमको शुरुवात गर्ने नीति अगाडि सारेको।
- कृषि विद्युतीकरण मार्फत सिँचाई सहजीकरण गर्न सकिने।
- यहाँ अवस्थित त्रिशुली नदीको भरपुर सदुपयोग गर्न सकेमा सहज रूपमा सिँचाई सुविधा विस्तार गर्न सकिने।
- गाउँपालिकाले नै बोरिङ उपलब्ध गरि सिँचाई सञ्चालन एकीकृत सिँचाई कार्यक्रमको सम्भाव्यता अध्ययन गरी स्रोतको बहु उपयोग गर्न सकिने।

#### ४.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                                                                        |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| बाह्रै महिना पूर्ण सिँचाईयुक्त गाउँपालिका                                                                             |
| लक्ष्य                                                                                                                |
| सम्पूर्ण खेतीयोग्य तथा बाँझो जमिनमा दिगो सिँचाईको व्यवस्थापन गरी उच्च प्रतिफल युक्त कृषि उत्पादनमा योगदान पुऱ्याउने । |
| उद्देश्यहरू                                                                                                           |
| ✓ खेतीयोग्य भूमिमा वर्षै भरी भरपर्दो एवं व्यवस्थित तवरले सिँचाई सुविधा पुऱ्याउनु ।                                    |

| उद्देश्य १. सम्पूर्ण खेतीयोग्य तथा बाँझो जमिनमा सिँचाई सुविधा पुऱ्याउनु ।                   |                                                                                                                                                                                                                                                     |
|---------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                      | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                                                           |
| १.१. परम्परागत तथा वैकल्पिक प्रविधिको प्रयोग गरी खेतीयोग्य जमिनमा सिँचाई सुविधा पुऱ्याउने । | १.१.१. गाउँपालिका भएर बग्ने नदी, खोला नाला, ताल पोखरीहरू, सिमसार क्षेत्रहरू लगायत पानीका मुख्य स्रोतहरू र तिनका जलाधार क्षेत्रको नक्सांकन गरी विस्तृत विवरण (inventory profile) तयार गरिनेछ ।                                                       |
|                                                                                             | १.१.२. परम्परागत सिँचाई कुला र नहरहरूको मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति गरी सुविधायुक्त बनाइनेछ ।                                                                                                                                                       |
|                                                                                             | १.१.३. सम्भाव्यता अध्ययन गरी भूमिगत तथा सतह सिँचाई संरचनाहरू क्रमशः निर्माण गर्दै सिँचाई सुविधा बढाउँदै लगिनेछ ।                                                                                                                                    |
|                                                                                             | १.१.४. सतह सिँचाईको सम्भावना नभएका स्थानमा वैकल्पिक तथा नयाँ प्रविधिमा आधारित सिँचाई जस्तै थोपा सिँचाई, फोहोरा सिँचाई, वर्षातको पानी संकलन, प्लाष्टिक पोखरीको सम्भाव्यता अध्ययन गरी उपयुक्त स्थान र वडाहरूमा कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।               |
|                                                                                             | १.१.५. जलपर्यावरण र जलश्रोत संरक्षणका हिसाबले अत्यन्त उपयुक्त पोखरीहरूको निर्माण र व्यवस्थापन अभियानका रुपमा सञ्चालन गरी प्रत्येक वडामा बहुउद्देश्यीय नमूना पोखरी निर्माण गरिनेछ । यस अभियान अर्न्तगत पोखरीहरूको पुर्नउत्थानलाई प्राथमिकता दिइनेछ । |

| उद्देश्य २. सिँचाई प्रणालीको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने ।                                                 |                                                                                                                                  |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                                              | कार्यनीति                                                                                                                        |
| २.१. उच्च प्रतिफल युक्त कृषि उत्पादनको सम्भावना बोकेका क्षेत्रलाई प्राथमिकतामा राखेर सिँचाई प्रणालीको विकास गर्ने । | २.१.१. चक्लाबन्दी भएका क्षेत्र, कृषि पकेट क्षेत्र तथा निजी ठूला कृषि फर्ममा आवश्यकताको आधारमा सिँचाईको व्यवस्था गरिनेछ ।         |
|                                                                                                                     | २.१.२. कृषि विद्युतीकरण मार्फत भूमिगत तथा सतहगत सिँचाई प्रणाली सुदृढीकरण गरिनेछ ।                                                |
| २.२. कृत्रिम जलाशयहरू निर्माण गरी वैकल्पिक सिँचाई प्रवर्द्धन गर्ने ।                                                | २.२.१. प्रत्येक वडामा कृत्रिम जलाशयहरू निर्माण गरी माछापालन, सिँचाई तथा पर्यटकलाई आकर्षित गर्नका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
| २.३. संस्थागत सुदृढीकरण गर्ने ।                                                                                     | २.३.१. मर्मत सम्भार कोष स्थापना गरी नियमित मर्मत सम्भार गर्ने व्यवस्था गरिनेछ ।                                                  |

| उद्देश्य २. सिँचाई प्रणालीको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने । |                                                                                                                                                                                                     |
|---------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                              | कार्यनीति                                                                                                                                                                                           |
|                                                                     | २.३.२. पोखरी, खोला तथा मुहान संरक्षणका लागि स्थानीयवासीहरूको सहभागिता सुनिश्चित गरिनेछ साथै सिँचाई उपभोक्ता समितिको क्षमता विकास गरिनेछ ।                                                           |
|                                                                     | २.३.३. मुहानहरू संरक्षण कार्य योजना जस्तै बायो इन्जिनियरिङ्ग, पोखरी तथा हरित क्षेत्र विकास कार्यक्रम प्रत्येक वडामा सम्भाव्य क्षेत्रमा संचालन गरिनेछ ।                                              |
|                                                                     | २.३.४. मानवीय हस्तक्षेप तथा जलवायु परिवर्तनका कारण जलस्रोत क्षेत्रमा परेको असर न्यूनीकरण गर्ने कार्ययोजना निर्माण गरी लागू गरिनेछ ।                                                                 |
|                                                                     | २.३.५. सिँचाई आयोजना सञ्चालन र व्यवस्थापन प्रणालीलाई स्वचालित र आत्मनिर्भर बनाउनका लागि न्यूनतम उपभोगको मात्रा अनुसार सेवा शुल्क निर्धारण गरी संकलन गरिनेछ ।                                        |
|                                                                     | २.३.६. मुहान तथा जलाधार संरक्षणका लागि प्रत्येक घरपरिवारको सहभागिता सुनिश्चित गर्न <b>“हामी जोगाउँछौ हाम्रो मुहान”</b> कार्यक्रमलाई अभियानका रूपमा वडास्तरमा व्यापक जागरण कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । |

### सिँचाईको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                        | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|----------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                  | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
| १        | १.१.   | १.१.१.    | जलाधार क्षेत्रको विवरण संकलन तथा नक्साङ्कन                                       | ६५                |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.२.    | प्राथमिकता प्राप्त कुलो तथा नहरहरूको मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति                 | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          |        | १.१.३.    | भूमिगत तथा सतह सिँचाई सम्भाव्यता अध्ययन तथा निर्माण                              |                   |             |             | ४००       |             |                 |
|          |        | १.१.४.    | वैकल्पिक सिँचाईको व्यवस्था                                                       |                   |             | ३००         |           |             |                 |
|          |        | १.१.५.    | प्रत्येक वडामा बहुउद्देश्यीय नमूना पोखरी निर्माण                                 | २००               | ३००         | ३००         | ३००       | ३००         |                 |
| २        | २.१.   | २.१.१.    | ठूला कृषि उत्पादन क्षेत्रमा सिँचाईको विशेष व्यवस्था                              |                   |             |             | ४००       |             |                 |
|          |        | २.१.२.    | विद्युतका पोल तथा लाइनको व्यवस्था                                                |                   |             | ५००         |           |             |                 |
|          | २.२.   | २.२.१.    | कृत्रिम जलाशय निर्माणको सम्भाव्यता अध्ययन                                        |                   |             | ६००         |           |             |                 |
|          | २.३.   | २.३.१.    | मर्मत सम्भार कोष स्थापना                                                         | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          |        | २.३.२.    | सिँचाई उपभोक्ता समितिलाई मुहान संरक्षण तथा दिगो सिँचाई सम्बन्धी तालिमको व्यवस्था | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | २.३.३.    | हरित क्षेत्र विकास कार्यक्रम संचालन                                              | ४५                | ४५          | ४५          | ४५        | ४५          |                 |
|          |        | २.३.४.    | Climate adaptation and mitigation कार्यक्रम संचालन                               | ४५                | ४५          | ४५          | ४५        | ४५          |                 |
|          |        | २.३.५.    | सिँचाई सेवा शुल्क निर्धारण तथा संकलन                                             | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          |        | २.३.६.    | मुहान तथा जलाधार क्षेत्र संरक्षण कार्यक्रम संचालन                                | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |

### ४.२.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- सम्पूर्ण खेतीयोग्य तथा बाँझो जमिनमा सिँचाई सुविधा पुगेको हुनेछ र
- उच्च प्रतिफलयुक्त कृषि उत्पादन भएको हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                        | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|-----------------------------------|---------|-----------|-------------|
| १.      | सिँचाई     |                                   |         |           |             |
|         | असर        | पूर्ण रुपमा सिँचाई भएको क्षेत्रफल | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | वैकल्पिक सिँचाई प्रयोगकर्ता कृषक  | संख्या  |           |             |

#### ४.२.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको दैवी विपत्ती आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

### ४.३ पर्यटन, साँस्कृतिक तथा सम्पदा

#### ४.३.१ पर्यटन

##### क) पृष्ठभूमि

इच्छाकामना गाउँपालिका धार्मिक, ऐतिहासिक, भौगोलिक, सामाजिक तथा साँस्कृतिक हिसाबले प्रसिद्ध रहेको छ । गाउँपालिकाका सबै वडाहरूमा सानाठूला धार्मिक तथा ऐतिहासिक पर्यटकीय स्थलहरू रहेका छन् । जसमा इच्छाकामना मन्दिर, सिराईचुली, उपदाङगढी, कविलासपुरगढी, कानदाङगढी, चिसापानीगढी, देवीथान, दिङलाङ्ग, बालगौरी, पाथिभारा, शंखदेवी मन्दिर, भद्रकाली मन्दिर, लखन गुफा, चमेरे गुफा लगायतका स्थानहरू मुख्य हुन् । यहाँ रहेका पहरा, छाँगा र छहराको संयोग, प्राकृतिक छटाले भरिपूर्ण जलविरे भरना (लामो भरना) निरन्तर बगी रहने त्रिशुली/नारायणी नदीको मनमोहक दृष्यहरू पर्यटकहरूलाई लोभ्याउने थप आकर्षणहरू हुन् । विशेषगरी यो गाउँपालिकालाई धार्मिक तथा साँस्कृतिक पर्यटन, कृषि पर्यटन, पर्यापर्यटन र शैक्षिक पर्यटनका हिसाबले विकास गर्न सकिन्छ । प्राकृतिक सुन्दरताले भरिपूर्ण यस क्षेत्रमा पर्यटकहरूको बसाई लम्बाउन सक्ने गरी पूर्वाधार निर्माण हुन सके गाउँपालिकाको आर्थिक समृद्धिमा सघाउ पुग्ने सुनिश्चित छ ।

गाउँपालिकाको पाश्चात्त २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँको जम्मा जनसंख्या २८,०५६ जनसंख्या मध्ये १८,७६० अर्थात् ६६.८७ प्रतिशत जनसंख्याले हिन्दु धर्म मान्दछन्, ५,००४ अर्थात् १७.८४ प्रतिशत बौद्धमार्गी रहेका छन् भने क्रिश्चियन धर्म मान्नेहरू ३,८४३ अर्थात् १३.७ प्रतिशत रहेका छन् । त्यसैगरी बोन धर्मावलम्बी २१९ अर्थात् ०.७८ प्रतिशत रहेका छन् । यसका अलावा इस्लाम, किराँत, प्रकृति लगायतका धर्मावलम्बीहरूले बसोबास गर्ने गरेकाले यहाँ होमस्टे र साँस्कृतिक पर्यटनको पनि व्यापक सम्भावना रहेको छ ।

## ख) समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>पर्यटक बस्न उपयुक्त पर्याप्त होटल तथा रेष्टुरेन्ट आदिको सुविधा नभएको ।</li> <li>पर्यटन सूचना केन्द्र लगायतका सञ्चारका साधनहरूको पर्याप्त विकास नभएको ।</li> <li>पर्यटकको सुरक्षाको उचित प्रवन्ध नभएको ।</li> <li>एकीकृत पर्यटन विकासको योजना नबनेको ।</li> <li>पर्यटक पथप्रदर्शक तथा व्यवसायिक ट्रामल एजेन्सीहरू पर्याप्त नभएको ।</li> <li>गाउँपालिकाका प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक र पुरातात्विक महत्वका स्थलहरूका बारेमा पर्याप्त प्रचारप्रसार नभएको ।</li> <li>गाउँपालिकाको सीमित आय स्रोतका कारण पर्यटकीय पूर्वाधार विकास गर्न चुनौतीपूर्ण भएको ।</li> <li>सुविधा सम्पन्न होटल, रेष्टुरेन्ट तथा लजहरू खोल्न खर्चिलो भएको ।</li> <li>वाह्य पर्यटकहरूको प्रभावले मौलिक संस्कृति लोप हुन सक्ने तर्फ सजग हुनुपर्ने ।</li> <li>पर्यटकहरूका कारण सामाजिक विकृतिहरू बढ्न सक्ने जोखिम रहेको ।</li> <li>पर्यटकीय क्षेत्रहरू अव्यवस्थित र फोहोर रहेको ।</li> </ul> |

## ग) सम्भावना तथा अवसर

| सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकाले पर्यटनसँग जोडिएका होटल व्यवसाय, यातायात व्यवसाय, होमस्टे, कला संस्कृति प्रवर्द्धन एवं स्थानीय रैथाने बालीको संरक्षणका लागि एकीकृत कार्यक्रम सञ्चालनमा ल्याउने नीति अगाडि सारेको ।</li> <li>गाउँपालिकाले लामो भरना, बालगौरी पाथिभरा मन्दिर, मुग्लिन महादेवस्थान, हात्तीबाङ्ग, कुरिनघाट शिवालय जस्ता धार्मिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक एवं पर्यटकीय स्थलहरूको भौतिक संरचना निर्माणमा थप लगानी गरी पर्यटन प्रवर्द्धनका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने नीति अगाडि सारेको ।</li> <li>स्थानीय मौलिक कला र संस्कृति तथा लोपोन्मुख जातजातिको संस्कृति विकास र संरक्षण गरी अध्ययन केन्द्रको रूपमा विकास गर्न सकिने ।</li> <li>गाउँपालिकाले उपरदाङ्गढी क्षेत्रमा ऐतिहासिक र पुरातात्विक महत्व भत्किने गरी गढी दरबारको निर्माण गरी पुरातात्विक तथा ऐतिहासिक संग्रहालयको रूपमा विकास गर्ने नीति अगाडि सारेको ।</li> <li>गाउँपालिकामा रहेका, आदिवासी, जनजाति तथा अन्य लोपोन्मुख जातजातिहरूको संस्कृति र धर्मको संरक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने ।</li> <li>गाउँपालिकाले उपरदाङ्गढी, सिराईचुली र इच्छाकामना मन्दिर लगायतका पर्यटकीय क्षेत्रहरूको उचित एवं व्यवस्थित विकास र विस्तारको लागि इच्छाकामना त्रिभुज परियोजना सञ्चालन गर्ने नीति अगाडि सारेको ।</li> <li>पर्यटनका विभिन्न आयामहरू जस्तै धार्मिक पर्यटन, साँस्कृतिक पर्यटन, पर्यापर्यटन, कृषि पर्यटनको विकास र विस्तार गर्न सकिने ।</li> <li>गाउँपालिकाले इच्छाकामना मन्दिर क्षेत्रमा धार्मिक सम्पदाहरूको विकास गर्ने तथा सिराईचुली क्षेत्रमा प्राकृतिक सौन्दर्य र पदमार्गको विकास तथा विस्तारमा जोड दिने नीति अगाडि सारेको ।</li> <li>प्रत्येक वर्ष विविध जातजाति महोत्सव आयोजना गरी साँस्कृतिक भाँकी, भेषभूषा प्रदर्शनी, खानपान तथा परम्परागत सीपहरूको प्रदर्शनी गर्न सकिने ।</li> </ul> |

**सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू**

- पोखरी, तलाउ तथा खोलानालामा माछापालन, कृषि, तरकारी र फलफूल फर्महरू र अरु साना उद्योगहरू स्थापना गरी कृषि पर्यटकहरू भित्र्याउन सकिने साथै पुरै गाउँपालिकालाई नै नमूना कृषि पर्यटकीय स्थलको रूपमा विकास गर्न सकिने ।

**घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम**

**दीर्घकालीन सोच**

पर्यटन पूर्वाधार विकास : आर्थिक, सामाजिक र साँस्कृतिक सम्बृद्धिको आधार

**लक्ष्य**

आर्थिक, सामाजिक र साँस्कृतिक सम्पन्नताका लागि आगामी ५ वर्षमा पर्यटन क्षेत्रलाई एक आधारशिलाको रूपमा विकास गर्ने ।

**उद्देश्यहरू**

- ✓ सुन्दर, व्यवस्थित र आकर्षक पर्यटकीय पूर्वाधारको विकास गर्नु ।

**उद्देश्य १: आधारभूत पर्यटन पूर्वाधारको विकास गर्नु**

| रणनीति                                                                      | कार्यनीति                                                                                                                                  |
|-----------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १.१ प्रमुख पर्यटकीय स्थलसम्म पुग्ने सडकहरूको स्तरोन्नति गर्ने ।             | १.१.१ प्रमुख पर्यटकीय क्षेत्रको विस्तृत विवरण र त्यहाँ पुग्ने प्रमुख मार्गहरूको वस्तुगत विवरण संकलन गरी प्रकाशन गरिनेछ ।                   |
|                                                                             | १.१.२ संघीय र प्रादेशिक सरकारको सहयोगमा ती प्रमुख पर्यटकीय स्थलसम्म पुग्ने सडक विस्तार तथा स्तरोन्नति गरिनेछ ।                             |
|                                                                             | १.१.३ पर्यटकीय सम्भावना बोकेका क्षेत्रहरूलाई सडक सञ्जाल मार्फत एक अर्कामा जोडी <b>इच्छाकामना पर्यटन हबको</b> रूपमा निर्माण गरिनेछ ।        |
| १.२ पर्यटन सूचना व्यवस्थापन तथा सूचना केन्द्रलाई पूर्वाधार सम्पन्न बनाउने । | १.२.१ गाउँपालिकास्तरीय एक पर्यटन सूचना केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।                                                                          |
|                                                                             | १.२.२ पर्यटकीय क्षेत्र वरपर इन्टरनेट हटस्पटको प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                             |
|                                                                             | १.२.३ पर्यटन वेबसाइट निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                      |
|                                                                             | १.२.४ पर्यटन क्यालेन्डरको विकास गरिनेछ ।                                                                                                   |
|                                                                             | १.२.५ पर्यटन सम्बद्ध पत्रकारहरूसँग पत्रकार सम्मेलन गरिनेछ ।                                                                                |
|                                                                             | १.२.६ पर्यटन सम्बद्ध Vloggers जस्तै “घुमन्ते” हरूसँग अन्तर्क्रिया गरी प्रवर्द्धन सहयोग लिइनेछ ।                                            |
|                                                                             | १.२.७ पर्यटन सूचना नक्शा तयार गरिनेछ ।                                                                                                     |
|                                                                             | १.२.८ आवश्यकताको आधारमा पथप्रदर्शकहरूको परिचालनको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                        |
| १.३ बसोबासको र सुरक्षाको आवश्यक प्रवन्ध गर्ने ।                             | १.३.१ गाउँपालिकामा आउने पर्यटकलाई बसोबासको बन्दोबस्ती गर्न निजी क्षेत्रसँग अन्तर्क्रिया गरी होटल, रिसोर्ट खोल्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
|                                                                             | १.३.२ ठूला होटल तथा रिसोर्टको तत्काल व्यवस्था गर्न नसक्ने स्थितिमा घरबास (होमस्टे) पर्यटन प्रवर्द्धन गरिनेछ ।                              |
|                                                                             | १.३.३ गाउँपालिकास्तरीय आकस्मिक उद्धार संयन्त्रको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                         |

| उद्देश्य १: आधारभूत पर्यटन पूर्वाधारको विकास गर्नु                  |                                                                                                                                          |
|---------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                              | कार्यनीति                                                                                                                                |
| १.४ पर्यटन क्षेत्रस्तरीय योजना र पर्यटन विकास समिति निर्माण गर्ने । | १.३.४ पर्यटक आकस्मिक स्वास्थ्य सेवाको प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                                   |
|                                                                     | १.३.५ अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटक आकर्षण गर्न विशेष सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                                                |
|                                                                     | १.४.१ पर्यटन क्षेत्रस्तरीय समितिका सदस्यहरूलाई पर्यटक व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम प्रदान गरिनेछ ।                                          |
|                                                                     | १.४.२ समिति मार्फत स्थानीय उत्पादन जस्तै रैथाने परिकार, चिनो कोशेली, साँस्कृतिक गतिविधि, मेला सञ्चालन गर्न तालिम तथा अभिमूखीकरण गरिनेछ । |
|                                                                     | १.४.३ पर्यटन व्यवसायमा लाग्न इच्छुक युवा तथा लगानीकर्ताको पहिचान गरी अन्तरक्रिया गरिनेछ ।                                                |
|                                                                     | १.४.४ घरबास पर्यटन तथा अन्य पर्यटन प्रवर्द्धन गर्न पर्यटन व्यवसायीलाई लागत सहभागितामा आतिथ्य सत्कार (Hospitality) तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
|                                                                     | १.४.५ समग्र क्षेत्रलाई समेटेर एक पर्यटन विकास गुरुयोजना निर्माण गरिनेछ ।                                                                 |
|                                                                     | १.४.६ दिगो पर्यटन विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                       |
|                                                                     | १.४.७ पर्यटनलाई रोजगार कार्यक्रमहरूसँग समाहित गरी रोजगारी अभिवृद्धि गरिनेछ ।                                                             |

| उद्देश्य २: कृषि पर्यटनको आधार विकास गर्नु । |                                                                                                                                               |
|----------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                       | कार्यनीति                                                                                                                                     |
| २.१ सघन कृषि क्षेत्रको विकास गर्ने ।         | २.१.१ फलफूल, जडिबुटी, पशुपक्षीपालन तथा नगदेवाली नमूना सघन क्षेत्रहरूको राष्ट्रिय र क्षेत्रियस्तरमा प्रचारप्रसार गर्न पत्रकार सम्मेलन गरिनेछ । |
|                                              | २.१.२ कृषि विषय अध्ययनरत विद्यार्थीहरूलाई परियोजना कार्य तथा अध्ययनका लागि कृषि क्याम्पसहरूसँग समन्वय गरी गाउँपालिकामा आकर्षण गरिनेछ ।        |

| उद्देश्य ३: ऐतिहासिक तथा धार्मिक पर्यटनको विकास गर्नु ।   |                                                                                                    |
|-----------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                    | कार्यनीति                                                                                          |
| ३.१ धार्मिक स्थलको निर्माण र जिर्णोद्धार गर्ने ।          | ३.१.१ सम्पूर्ण धार्मिक स्थलहरूको विस्तृत विवरण सहित ब्रोसर तयार पारिनेछ ।                          |
|                                                           | ३.१.२ सम्पूर्ण मुख्य धार्मिक तथा ऐतिहासिक पर्यटकीय स्थलहरूको डि.पि.आर तथा गुरुयोजना तयार पारिनेछ । |
|                                                           | ३.१.३ प्राथमिकता प्राप्त धार्मिकस्थलको जिर्णोद्धार तथा निर्माण कार्य थालनी गरिनेछ ।                |
|                                                           | ३.१.४ प्रत्येक वडामा रहेका प्रमुख धार्मिक तथा ऐतिहासिक स्थलहरूको व्यवस्थापन योजना निर्माण गरिनेछ । |
| ३.२ गाउँपालिकाका पर्यटकीय स्थलहरूको प्रचार प्रसार गर्ने । | ३.२.१ पर्यटन प्रवर्द्धनको लागि धार्मिक, साँस्कृतिक मेला, महोत्सव आयोजना गरिनेछ ।                   |

| उद्देश्य ३: ऐतिहासिक तथा धार्मिक पर्यटनको विकास गर्नु । |                                                                                                                 |
|---------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                  | कार्यनीति                                                                                                       |
|                                                         | ३.२.२ सबै धार्मिक र पर्यटकीय क्षेत्र समेटेर वृत्तचित्र निर्माण गरी सामाजिक सञ्जाल मार्फत प्रचार प्रसार गरिनेछ । |
|                                                         | ३.२.३ नविन पर्यटकीय गन्तव्य र गतिविधिको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                              |
|                                                         | ३.२.४ सम्पूर्ण जात तथा धर्मको परम्परा तथा सँस्कृति, संरक्षण गर्ने नीतिलाई निरन्तरता दिइनेछ ।                    |
|                                                         | ३.२.५ पालिकाका मुख्य पर्यटकीय सम्पदाहरूलाई समेटेर इच्छाकामना पर्यटन सर्किटको विकास गरिनेछ ।                     |

| उद्देश्य ४: पर्यापर्यटन तथा शैक्षिक पर्यटनको विकास गर्नु ।                                  |                                                                                                                                                  |
|---------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                      | कार्यनीति                                                                                                                                        |
| ४.१ गाउँपालिका भर सञ्चालन गर्न सकिने सम्पूर्ण पद मार्गहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने ।       | ४.१.१ गाउँपालिकाभरी सञ्चालन हुन सक्ने Tourism circuit र पदमार्गहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गरी विवरण प्रकाशन गरिनेछ ।                                |
|                                                                                             | ४.१.२ गाउँपालिकाको वन सम्पदामा आधारित पदमार्ग पहिचान गरी वन्यजन्तु तथा चरा साथै वनस्पति अवलोकन गर्न पर्यटक आकर्षण गरिनेछ ।                       |
| ४.२ इच्छाकामना क्षेत्रबारे प्रचार गर्न शैक्षिक संघ संस्था, शिक्षण संस्थासंग सहकार्य गर्ने । | ४.२.१ यस गाउँपालिकाबाट अध्ययन गरी उच्च शिक्षा हासिल गर्न बाहिरिएकाहरूसँग अन्तरक्रिया गरिनेछ ।                                                    |
|                                                                                             | ४.२.२ जलाधार तथा सिमसार क्षेत्रको एकिकृत विकासका लागि एक बृहत गुरुयोजना निर्माण गरिनेछ ।                                                         |
|                                                                                             | ४.२.३ गाउँपालिकाबाट निकट रहेका कृषि क्याम्पस, इन्जिनियरिङ कलेज र अन्य कलेजसँग अन्तरक्रिया गरिनेछ ।                                               |
|                                                                                             | ४.२.४ मानवशास्त्री, सँस्कृति जस्ता विषयमा सोध अध्ययन गर्न चाहने विद्यार्थीहरूलाई मापदण्डका आधारमा प्रोत्साहन छात्रवृत्तिको व्यवस्था गरिनेछ ।     |
|                                                                                             | ४.२.५ गाउँपालिकाबाट उच्च शिक्षाका लागि बाहिरिने विद्यार्थीहरूलाई पर्यटन स्वयंसेवा अन्तर्गत पर्यटन Ambassador घोषणा गर्ने अभियान सञ्चालन गरिनेछ । |
|                                                                                             | ४.२.६ शैक्षिक भ्रमणमा आउने विद्यार्थी तथा अनुसन्धानकर्ताको बसोबासको व्यवस्था मिलाउन पर्यटन क्षेत्रस्तरीय समितिलाई व्यवस्थापन तालिम दिइनेछ ।      |
|                                                                                             | ४.२.७ शैक्षिक पर्यटन अन्तर्गत गर्न सकिने गतिविधिहरूको अध्ययन गरी विस्तृत विवरण तयार पारिनेछ ।                                                    |

पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा क्षेत्रको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                           | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|---------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                     | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | पर्यटकीय मार्गको वस्तुगत विवरण संकलन तथा प्रकाशन                    | ५०                |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.२     | मुख्य पर्यटकीय केन्द्र जोड्ने सडक विस्तार तथा स्तरोन्नति            | १०००              | १२००        | १५००        | १८००      | २०००        |                 |
|          |        | १.१.३     | इच्छाकामना पर्यटन (HUB) स्थापना                                     | १०००              | १२००        | १५००        |           |             |                 |
|          | १.२    | १.२.१     | पर्यटन सूचना केन्द्रको स्थापना                                      |                   |             | ३००         |           |             |                 |
|          |        | १.२.२     | प्रमुख पर्यटकीय क्षेत्रमा Hotspot सेवाको प्रवन्ध                    | १००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.३     | पर्यटन (Portal) वेबसाइट निर्माण                                     | १००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.४     | वार्षिक पर्यटन पात्रोको निर्माण                                     | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.२.५     | पर्यटन सम्बन्धी पत्रकार सम्मेलन                                     | ८०                | ८०          | ८०          | ८०        | ८०          |                 |
|          |        | १.२.६     | पर्यटन सम्बन्धी Vloggers सँग अन्तरक्रिया                            | ४०                | ५०          | ६०          | ७०        | ८०          |                 |
|          |        | १.२.७     | पर्यटन सूचना नक्शा तयारी                                            |                   |             | ४००         |           |             |                 |
|          |        | १.२.८     | पथप्रदर्शकहरू परिचालन                                               | ४०                | ४५          | ६०          | ७०        | ८०          |                 |
|          | १.३    | १.३.१     | सम्भाव्य स्थानमा होटल तथा रिसोर्ट खोल्न निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया | ५०                |             | ५०          |           | ५०          |                 |
|          |        | १.३.२     | सघन क्षेत्रमा होमस्टे सञ्चालन तालिम प्रदान                          | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.३.३     | आकस्मिक उद्धार संयन्त्रको निर्माण                                   |                   | ५००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.३.४     | पर्यटक आकस्मिक स्वास्थ्य सेवाको प्रवन्ध                             | १००               | १५०         | २००         | २५०       | ३००         |                 |
|          |        | १.३.५     | अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटकहरूको संख्या वृद्धि गर्न सम्भाव्यता अध्ययन    |                   |             | ३००         |           |             |                 |
|          | १.४    | १.४.१     | व्यवस्थापन समितिका पदाधिकारीहरूलाई तालिम तथा अभिमूखीकरण             | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.४.२     | स्थानीय मौलिक उत्पादन, चिनो, परिकार आदि निर्माण तालिम               | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                   | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|-----------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                             | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
|          |        | १.४.३     | पर्यटन व्यवसायमा व्यावसायिक रूपमा लाग्न चाहने उद्यमीहरूसँग अन्तरक्रिया      | ६०                | ६५          | ७०          | ७५        | ८०          |                 |
|          |        | १.४.४     | घरबास तथा अन्य पर्यटन सम्बन्धी आतिथ्य सत्कार तालिम                          | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.४.५     | पर्यटन विकास गुरुयोजना निर्माण                                              |                   | १०००        |             |           |             |                 |
|          |        | १.४.६     | दिगो पर्यटन विकास कार्यक्रम निर्माण                                         | ६०                | ६०          | ६०          | ६०        | ६०          |                 |
|          |        | १.४.७     | पर्यटन रोजगार प्रवर्द्धन कार्यक्रम निर्माण                                  | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
| २.       | २.१    | २.१.१     | जीव तथा वनस्पति नमुना सघन क्षेत्र सम्बन्धी प्रचार प्रसार                    |                   |             |             | १५००      | २०००        |                 |
|          |        | २.१.२     | कृषि क्याम्पस तथा विद्यार्थीहरूसँग अन्तरक्रिया                              |                   |             | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
| ३.       | ३.१    | ३.१.१     | धार्मिक र अन्य पर्यटकीय क्षेत्र विशेष ब्रोसर निर्माण                        |                   | २००         |             |           |             |                 |
|          |        | ३.१.२     | मुख्य धार्मिक तथा पर्यटकीय क्षेत्रको डि.पि.आर. साथै विकास गुरुयोजना निर्माण |                   |             | १०००        |           |             |                 |
|          |        | ३.१.३     | प्रमुख धार्मिक क्षेत्रहरूको जिर्णोद्धार तथा निर्माण                         |                   | ५००         |             | ५००       |             |                 |
|          |        | ३.१.४     | वडास्तरीय धार्मिक स्थलहरू व्यवस्थापन योजना                                  |                   |             | ४००         |           |             |                 |
|          | ३.२    | ३.२.१     | पर्यटन प्रवर्द्धनको लागि धार्मिक, साँस्कृतिक मेला, महोत्सव आयोजना           | ३५०               | ३५०         | ३५०         | ३५०       | ३५०         |                 |
|          |        | ३.२.२     | धार्मिक तथा अन्य पर्यटकीय क्षेत्र समेटेर एक वृत्तचित्र निर्माण              |                   | २००         |             |           |             |                 |
|          |        | ३.२.३     | नविन पर्यटकीय गन्तव्य र गतिविधिहरूको सम्भाव्यता अध्ययन                      | ५००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | ३.२.४     | साँस्कृतिक केन्द्र गुरुयोजना निर्माण                                        | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          |        | ३.२.५     | इच्छाकामना पर्यटन सर्किट घोषणा                                              |                   |             |             | ४००       |             |                 |
| ४.       | ४.१    | ४.१.१     | Tourism Circuit तथा पदमार्गहरूको सम्भाव्यता अध्ययन                          |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | ४.१.२     | वन सम्पदामा आधारित पदमार्ग पहिचान                                           |                   |             |             | ५००       |             |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                                      | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                                | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
|          | ४.२    | ४.२.१     | गाउँपालिकाबाट उच्च शिक्षा हासिल गरी बाहिरिएकाहरूसँग अन्तरक्रिया                                |                   |             | ५००         |           |             |                 |
|          |        | ४.२.२     | सिमसार क्षेत्र विकास गुरुयोजना निर्माण                                                         |                   | १५००        |             |           |             |                 |
|          |        | ४.२.३     | गाउँपालिकाको निकट रहेका शैक्षिक संस्थाहरूसँग अन्तरक्रिया                                       |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | ४.२.४     | जात जातीको संस्कृती बारे सोध अध्ययन गर्न चाहने विद्यार्थीलाई प्रोत्साहन छात्रवृत्तिको व्यवस्था |                   | ५००         |             | ५००       |             |                 |
|          |        | ४.२.५     | पर्यटन स्वयंसेवक तथा Ambassador घोषणा तथा अभिमूखीकरण                                           |                   |             | १२०         |           |             |                 |
|          |        | ४.२.६     | विद्यार्थी पर्यटक बसोबास व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम तथा अन्तरक्रिया                             | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | ४.२.७     | शैक्षिक पर्यटन गतिविधि अन्तर्गत गर्न सकिने गतिविधिको अध्ययन                                    | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |

#### ड) आपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ आधारभूत पर्यटन पूर्वाधारको विकास हुनेछ ।
- ✓ कृषक पर्यटकहरूको आवागमन हुनेछ ।
- ✓ ऐतिहासिक तथा धार्मिक पर्यटनको विकास हुनेछ ।

#### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                       | इकाई          | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|------------------------------------------------------------------|---------------|-----------|-------------|
| १.      | पर्यटन     |                                                                  |               |           |             |
|         | प्रतिफल    | पर्यटक आगमन (८.९.१.१) (प.दि.वि.ल.)                               | संख्या(लाखमा) |           |             |
|         | असर        | पर्यटनबाट श्रृजित रोजगारी (८.९.१.३) (प.दि.वि.ल.)                 | संख्या        |           |             |
|         | असर        | कुलग्राहस्थ उत्पादनमा योगदान (८.९.१.२) (प.दि.वि.ल.)              | प्रतिशत       |           |             |
|         | असर        | दिगो पर्यटन निती तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन (१२.ख.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या        |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                             | इकाई           | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|--------------------------------------------------------|----------------|-----------|-------------|
|         | असर        | पर्यटक बसाइ अवधि                                       | दिन            |           |             |
|         | असर        | प्रति पर्यटक प्रतिदिन खर्च                             | अमेरिकी डलर    |           |             |
|         | प्रतिफल    | आधारभूत पूर्वाधार पूर्ण भएका पर्यटकीय गन्तव्य          | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | तालिम प्राप्त पर्यटन सम्बद्ध जनशक्ति                   | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | पर्यटन सम्बद्ध ब्रोसर तथा प्रोफाईल                     | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | पर्यटकीय क्षेत्र Hotspot                               | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | पर्यटन पत्रकार तथा Vlogger अन्तर्क्रिया                | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | पर्यटक उद्धार तथा सहायता वार्षिक                       | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | पर्यटन प्याकेज तथा गतिविधि                             | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | पर्यटन सम्बन्धी तालिम                                  | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | पर्यटकीय क्षेत्र संरक्षण निर्माण                       | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | पर्यटन मेला तथा महोत्सव                                | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | पर्यटन वृत्तचित्र                                      | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटक                                 | संख्या (लाखमा) |           |             |
|         | प्रतिफल    | आधारभूत सुविधायुक्त होटल, रिसोर्ट, लज                  | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | होमस्टे                                                | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | पर्यटन सूचना केन्द्र                                   | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | वार्षिक पर्यटन पात्रो अन्तर्गत समेटिएका पर्यटन गतिविधि | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | चिनो, कोशेली तथा पर्यटन सामग्री विक्री केन्द्र         | संख्या         |           |             |
|         | प्रतिफल    | नविनतम पर्यटन गन्तव्य                                  | संख्या         |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                              | इकाई   | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|-----------------------------------------|--------|-----------|-------------|
|         | प्रतिफल    | पक्की सडकको पहुँच पुगेका पर्यटन गन्तव्य | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | पूर्णरूपमा पर्यटनमा संलग्न रोजगारको     | संख्या |           |             |

स्रोत: गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

#### च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीयस्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

### ४.३.२ सँस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्य

#### क) पृष्ठभूमि

कुनै पनि समुदायको आफ्नै विशिष्ट पहिचान, जीवनशैली, भेषभूषा र रहनसहन हुन्छ । सदियौं देखि अभ्यास गर्दै आइरहेका रीतिरिवाजले मानिसको दैनिक जीवनलाई नियमित र व्यवस्थित गर्न सहयोग पुऱ्याइरहेको हुन्छ । अर्कोतर्फ समुदायपिच्छे आ-आफ्ना धर्म, सँस्कृति, रीतिरिवाज र परम्पराहरू हुन्छन् । ती फरक रीतिरिवाज, रहनसहन र परम्पराहरू समुदाय र समाजका विशिष्ट पहिचान साथै बौद्धिक सम्पदा (Intellectual Property) भएकाले तिनीहरूको संरक्षण गर्नु जरुरी छ । इच्छुकामना गाउँपालिका यस्ता मौलिक तथा साँस्कृतिक विविधतामा धनी गाउँपालिका हो । यहाँ विगत लामो समयदेखि चेपाङ/प्रजा, गुरुङ, मगर, तामाङ, ब्राम्हण, क्षेत्री, घर्ती/भुजेल, नेवार, विश्वकर्मा, परियार लगायतका जातजातिहरूको बसोबास रहेको छ । उनीहरूको पहिचान भल्किने आफ्नै मौलिक सँस्कृति, भेषभूषा र चाडपर्व रहेका छन् । सबै जातजाति र सम्प्रदायका आ-आफ्नै किसिमका धर्म, सँस्कृति र चालचलनहरू छन् । पालिकामा दशैं, तिहार, उधौली पर्व, उभौली पर्व, माघे संक्रान्ति, होली, छठ, शिवरात्री, कृष्णजन्माष्टमी, तिज, चेपाङ समुदायको छोनाम अर्थात् न्वागी जस्ता चाडपर्व मनाउने गरेको पाइन्छ ।

गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँको जम्मा जनसंख्या २८,०५६ जनसंख्या मध्ये १८,७६० अर्थात् ६६.८७ प्रतिशत जनसंख्याले हिन्दु धर्म मान्दछन्, ५,००४ अर्थात् १७.८४ प्रतिशत बौद्धमार्गी रहेका छन् भने क्रिश्चियन धर्म मान्नेहरू ३,८४३ अर्थात् १३.७ प्रतिशत रहेका छन् । त्यसैगरी बोन धर्मावलम्बी २१९ अर्थात् ०.७८ प्रतिशत रहेका छन् । यसका अलावा इस्लाम, किराँत, प्रकृति, लगायतका धर्मावलम्बीहरूको पनि बसोबास रहेको छ ।

#### ख) समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>पश्चिमा सँस्कृति तथा विदेशी सञ्चार माध्यमको प्रभावका कारण मौलिक सँस्कृति लोप हुने जोखिम रहेको ।</li> <li>विभिन्न धार्मिक स्थलहरू मर्मत सम्भार नहुँदा जीर्ण अवस्थामा पुगेका ।</li> <li>कतिपय आदिवासी जनजातिहरू विपन्न अवस्थामा रहेकोले उनीहरूको सबलीकरणका लागि ठोस कार्यक्रमहरू नभएको ।</li> <li>कतिपय प्राचीन धरोहरहरू उचित प्रचारप्रसार, संरक्षण तथा जिर्णोद्धारको पर्खाइमा रहेका ।</li> <li>समुदाय र राज्य दुवैका उदासिनताका कारण स्थानीय र मौलिक सँस्कृतिहरू लोप भई पहिचान नै संकटमा पर्न सक्ने ।</li> <li>विभिन्न जातिको भेषभूषा तथा भाषाको संरक्षण गर्नुपर्ने ।</li> <li>सम्बन्धित समुदाय र राज्यले मिलेर साँस्कृतिक संरक्षण प्रवर्द्धनमा ठोस र दीर्घकालीन कार्यक्रमहरू तत्काल सञ्चालन गर्नुपर्ने ।</li> <li>विभिन्न लोक भाकाको संरक्षण गर्नुपर्ने ।</li> <li>आर्थिक प्रलोभनमा पारी धर्म परिवर्तन गराउने परिपाटी रोक्नुपर्ने ।</li> </ul> |

#### ग) सम्भावना तथा अवसर

| सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                                                                                                                                                                   |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकामा चेपाङ/प्रजा, गुरुङ, मगर, तामाङ, ब्राम्हण, क्षेत्री, घर्ती/भुजेल, नेवार, विश्वकर्मा, परियार लगायतका जातिहरूको बसोबास रहेको ।</li> <li>विविध जात, धर्म, सम्प्रदाय र सँस्कृतिका समुदायहरू सौहार्दपूर्ण वातावरणमा बसेका ।</li> </ul> |

| सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>धार्मिक हिसाबले विभिन्न धर्मावलम्बीहरूले आफ्ना धर्म, संस्कृति र परम्परा कायम राखिरहेको ।</li> <li>विविध समुदायहरूको मानवशास्त्रीय अध्ययनका लागि शैक्षिक पर्यटनको गन्तव्यस्थल बनाउन सकिने ।</li> <li>कला, संस्कृतिलाई अर्थोपार्जनमा जोड्न सकिने ।</li> <li>गाउँपालिकाभित्र धार्मिकस्थल लगायत विभिन्न जाति तथा समुदायका आ-आफ्ना मठ, मन्दिर तथा धार्मिक स्थलहरू रहेका ।</li> <li>चाडपर्वको अवसरमा नाचगान गर्दा धोती, कुर्ता, ब्लाउज, दौरा सुरुवाल, चौवनदी चोली जस्ता साँस्कृतिक भेषभूषाबाट संस्कृतिको जर्गेना गर्ने प्रयास भइरहेको ।</li> <li>गाउँपालिकालाई मौलिक संस्कृति र सभ्यताको केन्द्रको रूपमा विकास गरी साँस्कृतिक पर्यटन प्रवर्द्धन गर्न सकिने ।</li> <li>गाउँपालिका क्षेत्रका सर्जक तथा कलाकारको उत्थान र वृत्ति विकास गर्न सकिने ।</li> <li>गाउँपालिका क्षेत्रमा रहेका विभिन्न धार्मिक तथा साँस्कृतिक स्थलहरूको विकास गर्न सकिने ।</li> <li>लोपोन्मुख लोकभाका तथा परम्परागत बाजागाजाको संरक्षण गरी लोक संस्कृतिको उत्थान गर्न सकिने ।</li> <li>गाउँपालिकाले स्थानीय भाषा, कला, संस्कृति, साहित्य र परम्पराको संरक्षण गर्दै आर्थिक विकासको आधारका रूपमा विकास गर्ने नीति अगाडि सारेको ।</li> </ul> |

#### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                                                                                                                                                                            |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| सभ्य र सु-संस्कृति समाजको निर्माण                                                                                                                                                                                         |
| लक्ष्य                                                                                                                                                                                                                    |
| संस्कृति, भाषा, कला र साहित्यको जर्गेना र विकास मार्फत सभ्य र सौहार्द समाजको स्थापना गर्ने ।                                                                                                                              |
| उद्देश्यहरू                                                                                                                                                                                                               |
| <ul style="list-style-type: none"> <li>✓ स्थानीय पहिचान कायम हुने भाषा, कला, संस्कृति, साहित्यको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्नु ।</li> <li>✓ संस्कृति भाषा, कला तथा साहित्यको सिर्जनात्मक विकासमा टेवा पुऱ्याउनु ।</li> </ul> |

| उद्देश्य - १: स्थानीय पहिचान कायम हुने भाषा कला, संस्कृति, साहित्यको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्नु |                                                                                                                                                                                                                    |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                          | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                          |
| १.१ संस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्यको वस्तुगत अभिलेखिकरण गर्ने ।                                | १.१.१ गाउँपालिकामा प्रचलनमा रहेका सबै प्रकारका अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदा (Intangible Cultural Heritjge) को वस्तुगत तथा विस्तृत पार्श्वचित्र तयार पारिनेछ ।                                                          |
|                                                                                                 | १.१.२ सबै बौद्धिक सम्पदा (Intellectual Property) को विवरण प्रकाशन गरिनेछ ।                                                                                                                                         |
|                                                                                                 | १.१.३ यस प्रकारका साँस्कृतिक तथा बौद्धिक सम्पदाहरूलाई स्थानीय पाठ्यक्रममा समावेश गरिनेछ ।                                                                                                                          |
|                                                                                                 | १.१.४ गाउँपालिकाको मौलिकता दर्शाउने सम्पदा समेटेर वृत्तचित्रहरू निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                                                   |
|                                                                                                 | १.१.५ गाउँपालिकाबाट प्रादेशिक तथा राष्ट्रिय कला, संस्कृति र साहित्यमा योगदान पुऱ्याउने लेखक, गायक, अभिनेता, संगीतकार, रंगकर्मी, नृत्याङ्गना, साहित्यकार संस्कृतिविद् लगायतका कलाकारको विस्तृत विवरण तयार पारिनेछ । |

| उद्देश्य - १: स्थानीय पहिचान कायम हुने भाषा कला, संस्कृति, साहित्यको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्नु |                                                                                                                                                                                                         |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                          | कार्यनीति                                                                                                                                                                                               |
| १.२ भाषा, संस्कृति, कला साहित्यलाई जीवन्त तुल्याउने ।                                           | १.१.६ लोपोन्मुख अर्मुत साँस्कृतिक सम्पदाहरूलाई संस्थागत स्मरणमा ( Institutional Memory) राख्न कला संस्कृति तथा साहित्यप्रेमी कलाकारहरूको सहयोगमा रेकर्ड गरिनेछ । जस्तै लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा आदि । |
|                                                                                                 | १.२.१ वर्षभरी निरन्तर साँस्कृतिक र साहित्यिक गतिविधि सञ्चालन र त्यसको निरन्तरताका लागि वार्षिक भाषा, कला, साहित्य तथा साँस्कृतिक पात्रो निर्माण गरी लागू गरिनेछ ।                                       |
|                                                                                                 | १.२.२ विद्यालयस्तरमा कला, साहित्य र साँस्कृतिमा विशेष भुकाव भएका विद्यार्थीहरूको पहिचान गरी अभिलेख तयार पारिनेछ ।                                                                                       |
|                                                                                                 | १.२.३ त्यस्ता प्रतिभाहरूको प्रतिभा उजागर गर्न हरेक महिना विद्यालयस्तरीय र निश्चित समयको अन्तरालमा अन्तरविद्यालय साँस्कृतिक, साहित्यिक प्रतियोगिता आयोजना गरिनेछ ।                                       |
|                                                                                                 | १.२.४ राष्ट्रिय र प्रादेशिक तहका प्रतियोगितामा भाग लिने कलाकार साहित्यकार आदिको प्रशिक्षण तथा तयारीका लागि एक प्रोत्साहन कोषको निर्माण गरिनेछ ।                                                         |
|                                                                                                 | १.२.५ वडास्तरीय साँस्कृतिक समितिहरू गठन गरी वार्षिक साँस्कृतिक पात्रो कार्यान्वयनमा ल्याउन साँस्कृतिक अभ्यासहरू सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                        |
|                                                                                                 | १.२.६ हरेक विशेष चाडपर्व मेला र साँस्कृतिक उत्सवलाई भव्य बनाउन साँस्कृतिक समितिहरूलाई जिम्मेवारी प्रदान गरी सो सञ्चालनका लागि रकमहरूको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                |
|                                                                                                 | १.२.७ साँस्कृतिक गतिविधिहरू पर्यटनसँग आबद्ध गर्न व्यापक प्रचार प्रसार गरिनेछ ।                                                                                                                          |
|                                                                                                 | १.२.८ मातृभाषामा आधारभूत शिक्षा दिन सकिने समुदायका वारेमा सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                                                                                                    |
|                                                                                                 | १.२.९ लोपोन्मुख साँस्कृतिक गाथाहरू संरक्षण गर्न विशेष समारोह आयोजना गरिनेछ ।                                                                                                                            |

| उद्देश्य २: संस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्यको श्रृजनात्मक विकासमा टेवा पुर्‍याउनु । |                                                                                                                                              |
|-------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                              | कार्यनीति                                                                                                                                    |
| २.१ कला, साहित्य, भाषा संस्कृतिका सर्जकहरूलाई सहयोग र प्रोत्साहन गर्ने ।            | २.१.१ कला, साहित्य, भाषा तथा संस्कृतिका सर्जकहरूलाई यी क्षेत्रको विकासका लागि आवश्यक मागहरूको सम्बोधन गर्न विशेष अन्तरक्रिया आयोजना गरिनेछ । |
|                                                                                     | २.१.२ यस प्रकारका सर्जकहरूलाई सहयोग र प्रोत्साहन तथा पुरस्कृत गर्न एक गाउँपालिकास्तरीय साँस्कृतिक कोषको निर्माण गरिनेछ ।                     |
|                                                                                     | २.१.३ विभिन्न राष्ट्रिय तथा गाउँपालिकास्तरीय विशेष अवसरमा यस्ता सर्जक तथा कलाकारहरूलाई सम्मान र पुरस्कृत गरिनेछ ।                            |
|                                                                                     | २.१.४ हरेक विद्यालयमा अतिरिक्त क्रियाकलापहरूमा यी विषय समावेश गरी नियमित अभ्यास र पठनपाठन गर्न आंशिक शिक्षकको प्रवन्ध गरिनेछ ।               |

| उद्देश्य २: साँस्कृतिक, भाषा, कला तथा साहित्यको श्रृजनात्मक विकासमा टेवा पुऱ्याउनु । |                                                                                                                                                                                        |
|--------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                               | कार्यनीति                                                                                                                                                                              |
| २.२ साँस्कृतिक, साहित्यिक, भाषिक तथा कला सम्बन्धी पूर्वाधार निर्माण ।                | २.१.५ वडास्तरीय भाँकीहरू प्रस्तुत गर्न साँस्कृतिक समितिमार्फत अभ्यास सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                  |
|                                                                                      | २.२.१ गाउँपालिकास्तरीय एक साँस्कृतिक केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।                                                                                                                        |
|                                                                                      | २.२.२ साँस्कृतिक केन्द्रलाई चलायमान बनाउन नाटक, नृत्य, पञ्चेबाजा प्रवर्द्धन, साँगीतिक कार्यक्रम, साहित्यिक कार्यक्रम, चित्रकला प्रदर्शनीहरूको साँस्कृतिक पात्रो बमोजिम आयोजना गरिनेछ । |
|                                                                                      | २.२.३ हरेक वर्षमा एक पटक साँस्कृतिक पर्व (Cultural Festival) को आयोजना गरिनेछ ।                                                                                                        |
|                                                                                      | २.२.४ गाउँपालिकास्तरीय एक कला संग्रहालयको निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                                             |
|                                                                                      | २.२.५ भाषा, कला तथा साहित्यमा अभिरुची हुनेहरूको संलग्नतामा एक गाउँपालिकास्तरीय बौद्धिक समाज निर्माण गर्न अन्तरक्रिया संचालन गरिनेछ ।                                                   |
|                                                                                      | २.२.६ गाउँपालिकास्तरीय बौद्धिक समाजको मुखपत्र मार्फत बौद्धिक तथा साहित्यिक लेख/रचनाहरू नियमित प्रकाशन गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                                  |

### सँस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्यको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                              | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                        | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदाको वस्तुगत तथा विस्तृत पार्श्वचित्र तयारी      | ५०                |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.२     | बौद्धिक सम्पदाको विवरण प्रकाशन                                         | ३०                |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.३     | साँस्कृतिक तथा बौद्धिक सम्पदा सम्बन्धी पाठ्यक्रम निर्माण               |                   | १००         |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.४     | साँस्कृतिक वृत्तचित्र निर्माण                                          |                   | १००         |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.५     | लेखक, कलाकार, साहित्यकारहरूको विवरण संकलन                              | २०                |             |             |           |            |                 |
|          | १.२    | १.१.६     | लोपोन्मुख अर्मुत साँस्कृतिक सम्पदाहरूको संरक्षण                        |                   | ५०          | ६०          | ७०        | ८०         |                 |
|          |        | १.२.१     | साँस्कृतिक पात्रो निर्माण                                              | ४०                | ४०          | ४०          | ४०        | ४०         |                 |
|          |        | १.२.२     | विशेष कला भएका विद्यार्थी पहिचान                                       | ३०                | ३०          | ३०          | ३०        | ३०         |                 |
|          |        | १.२.३     | विद्यालय तथा अन्तर विद्यालय साँस्कृतिक प्रतियोगिता आयोजना              | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | १.२.४     | राष्ट्रिय तथा प्रादेशिकस्तरको साँस्कृतिक प्रतियोगिता तयारी कोष निर्माण | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|          |        | १.२.५     | वडास्तरीय साँस्कृतिक समितिहरू मार्फत अभ्यासका लागि प्रोत्साहन अनुदान   | ६०                | ६०          | ६०          | ६०        | ६०         |                 |
|          |        | १.२.६     | विशेष पर्व तथा उत्सव तयारी अनुदान                                      | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|          |        | १.२.७     | साँस्कृतिक गतिविधि प्रचारप्रसार गरी पर्यटन प्रवर्द्धन                  | ४०                | ४०          | ४०          | ४०        | ४०         |                 |
|          |        | १.२.८     | मातृभाषामा आधारभूत शिक्षाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन                     |                   | २००         |             |           |            |                 |
|          |        | १.२.९     | लोपोन्मुख साँस्कृतिक गाथा संरक्षण कार्यक्रम                            | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
| २.       | २.१    | २.१.१     | कला, साहित्य र सँस्कृतिका सर्जक तथा कलाकारहरूसँग अन्तरक्रिया           | ४०                | ४०          | ४०          | ४०        | ४०         |                 |
|          |        | २.१.२     | गाउँपालिकास्तरीय साँस्कृतिक कोषको निर्माण                              |                   |             | १५००        |           |            |                 |
|          |        | २.१.३     | कलाकार, सर्जक तथा कला-पत्रकार सम्मानित                                 | ८०                | ८०          | ८०          | ८०        | ८०         |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                        | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                  | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
|          |        | २.१.४     | साँस्कृतिक गतिविधि तथा पठनपाठनका लागि आंशिक शिक्षक व्यवस्थापन    | ७०                | ७०          | ७०          | ७०        | ७०          |                 |
|          |        | २.१.५     | साँस्कृतिक भाँकी तयारी                                           | १००               |             |             |           |             |                 |
|          | २.२    | २.२.१     | साँस्कृतिक केन्द्र निर्माण                                       |                   |             | ३००         | ३५०       | ४००         |                 |
|          |        | २.२.२     | साँस्कृतिक पात्रो बमोजिम साँस्कृतिक क्रियाकलापको आयोजना          | १००               | १५०         | २००         | २५०       | ३००         |                 |
|          |        | २.२.३     | नियमित साँस्कृतिक गतिविधि, उत्सव (Cultural Festival) आयोजना      | २००               | २५०         | ३००         | ३५०       | ४००         |                 |
|          |        | २.२.४     | गाउँपालिकास्तरीय कला संग्रहालयको निर्माण                         |                   |             | ७००         |           |             |                 |
|          |        | २.२.५     | गाउँपालिकास्तरीय बौद्धिक समाज निर्माण गर्न अन्तरक्रिया संचालन    | १५०               | १५०         | १५०         | १५०       | १५०         |                 |
|          |        | २.२.६     | गाउँपालिकास्तरीय बौद्धिक समाज मुखपत्र सम्बन्धी सम्भाव्यता अध्ययन |                   | ६००         |             |           |             |                 |

### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह                      | नतिजा सूचक                                                                       | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|---------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| १.      | संस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्य |                                                                                  |         |           |             |
|         | प्रतिफल                         | साँस्कृतिक सम्पदाको संरक्षणको निम्ती विनियोजन गरेको बजेट (१४.४.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल                         | अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदामा सूचिकृत सम्पदा                                        | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल                         | साँस्कृतिक सम्पदा मध्ये स्थानीय पाठ्यक्रमका समावेश (सम्पदा)                      | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल                         | साँस्कृतिक वृत्त चित्र                                                           | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल                         | कलाकार विवरणमा समावेश कलाकार                                                     | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल                         | साँस्कृतिक पात्रोमा समावेश गतिविधि (वार्षिक)                                     | संख्या  |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                            | इकाई   | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|-----------------------------------------------------------------------|--------|-----------|-------------|
|         | प्रतिफल    | साँस्कृतिक प्रतियोगिता तथा कार्यक्रम (वार्षिक)                        | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | स्थानीय मातृभाषा पाठ्यक्रम                                            | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | साहित्यिक गतिविधि (कार्यक्रम) (वार्षिक)                               | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | कला तथा भौकी प्रदर्शनी (वार्षिक)                                      | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | साँस्कृतिक केन्द्र                                                    | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | कला तथा संगीत प्रशिक्षण केन्द्र                                       | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | स्थानीय साहित्यकार तथा लेखक                                           | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | संरक्षित लोपोन्मुख स्थानीय कला, गाथा साँस्कृतिक बौद्धिक समाज तथा क्लब | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | बौद्धिक सम्पदाको रुपमा सूचिकृत सम्पदा                                 | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | साँस्कृतिक समिति तथा क्लब संख्या                                      | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | साँस्कृतिक उत्सव (Art and Literature Festival)                        | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | कला संग्रहालय                                                         | संख्या |           |             |

## ४.४ उद्योग, व्यापार, व्यावसाय तथा आपूर्ति

### ४.४.१ उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय

#### क) पृष्ठभूमि

गाउँपालिकामा मुख्यतया कृषि पेशामा संलग्न घरपरिवारको संख्या बढी भएकाले विशेष गरी कृषिमा आधारित साना तथा मध्यम किसिमका उद्योग र अन्य घरेलु उद्योगहरू यहाँ सञ्चालनमा रहेका छन् यसका साथै ठूलो स्तरका उपभोक्ता बजारहरूको निकटता रहेकाले यहाँ व्यावसायिक रूपमा गाई, भैँसी, बंगुर, सुँगुर, माछा, कुखुरा, बाख्रा आदि पालन भइरहेको छ । गाउँपालिकाबाट प्राप्त तथ्याङ्क अनुसार यहाँ हाल ३६३ वटा कृषि तथा पशुपंक्षीसँग सम्बन्धित फर्म, १८ वटा उद्योग तथा व्यवसायहरू विधिवत रूपमा दर्ता भई सञ्चालनमा रहेका छन् । यहाँ विशेष गरी कृषि, पशु, फलफूल, तरकारी र जडिबुटीको उत्पादन, प्रशोधन र बजारीकरण सम्बन्धी उद्योगको सम्भावना रहेको छ । यहाँ विशेष गरी कृषि, पशु, माछा र जडिबुटीको उत्पादन, प्रशोधन र बजारीकरण सम्बन्धी उद्योगको सम्भावना रहेको छ । कृषि, पशुपन्छी, माछा, जडिबुटी उत्पादनको लागि आवश्यक प्रविधि, सामग्री र वस्तु सेवा र स्थानीय उत्पादन बजारीकरण सम्बन्धी व्यापार व्यवसायमा पनि क्रमिक वृद्धि हुँदै गइरहेको छ ।

#### ख) समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"><li>उद्योगको प्रचुर सम्भावना भए तापनि औद्योगिक पूर्वाधारहरू जस्तै सडक, उर्जा, पूँजी, दक्ष जनशक्ति, प्रविधि आदिको अवस्था अत्यन्त कमजोर रहेको ।</li><li>युवा जनशक्ति विदेश पलायन भइरहेका ।</li><li>औद्योगिक उत्पादनको सीप सिकाउने शिक्षा प्रणाली नभएको ।</li><li>गाउँपालिकाका बजार केन्द्रहरूमा ठूलो स्तरको आर्थिक गतिविधि नभएका ।</li><li>निजी क्षेत्रको लगानी आकर्षण गर्न नसकिएको ।</li><li>वित्तीय सुरक्षाको पर्याप्त प्रत्याभूति नभएको ।</li><li>स्थानीय पूँजी बजारको विकास आशातित रूपमा नभएको ।</li><li>उद्योगमा संलग्न मजदुर तथा औद्योगिक क्रियाकलापका दौरान सामाजिक जटिलता, अपराध आदिको वृद्धि हुन सक्ने ।</li><li>लगानी सुरक्षाको वातावरण आवश्यक पर्ने ।</li><li>औद्योगिक पूर्वाधार विकासमा यथेष्ट बजेट व्यवस्था गरी योजनाबद्ध ढंगले लाग्नुपर्ने ।</li><li>उद्योग विकासको लागि सडक, यातायात, विद्युत् तथा अन्य भौतिक पूर्वाधारको विकास गर्नुपर्ने ।</li><li>विभिन्न प्रकारका उद्योगहरू स्थापना गर्दा औद्योगिक प्रदूषण वृद्धि हुन सक्ने ।</li><li>ठूलो आकारको लगानीको व्यवस्था गर्नुपर्ने ।</li></ul> |

#### ग) सम्भावना तथा अवसर

| सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"><li>कृषिमा आधारित औद्योगिक कच्चा पदार्थको उपलब्धता रहेको ।</li><li>व्यवसायिक रूपमा माछा, कुखुरा, गाई, भैँसी, बाख्रा आदि पालन भइरहेको ।</li><li>गाउँपालिकाले स्थानीय उत्पादनमा आधारित साना तथा घरेलु उत्पादन/प्रशोधन उद्योग सञ्चालन गर्ने उद्यमीहरूलाई विशेष प्रोत्साहनको व्यवस्था मिलाउनुको साथै प्रोत्साहन कार्यका लागि गाउँपालिकाको लागत साभेदारी समेतको व्यवस्था मिलाउने नीति अगाडि सारेको ।</li></ul> |

| सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>स्थानीय जनशक्तिको सदुपयोग हुने कम खर्चिलो श्रमशक्ति प्राप्त गर्न सकिने ।</li> <li>पशुजन्य उत्पादनमा आधारित डेरी तथा मासु, हाड, छाला प्रशोधन उद्योगहरूको स्थापना गर्न सकिने ।</li> <li>कपडा उद्योग, हस्तकला, काष्ठकला तथा ललितकलामा आधारित उद्योगहरू सञ्चालन गर्न सकिने ।</li> <li>स्थानीय सम्भाव्यताका आधारमा सुन्तला खेती, अदुवा खेती, टिमुर खेती, कुखुरापालन, पशुपालन र तरकारी खेती उत्पादनलाई प्रवर्द्धन गरी कृषिमा आधारित उद्योगको विस्तार गर्न सकिने ।</li> <li>कृषि पर्यटन विकास गर्न सकिने ।</li> <li>स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित कृषि उद्योगहरूको स्थापना गर्न सकिने ।</li> <li>औद्योगिक पूर्वाधारहरूको यथोचित विकास गर्न सके गाउँपालिकामा रोजगारीको सम्भावना र अवसरहरूको प्रचुरता रहेको ।</li> <li>गाउँपालिकाभित्र सञ्चालित व्यवसायलाई दर्ता, नवीकरण तथा अन्य कानूनी प्रक्रियामा सरलता ल्याई प्रवर्द्धन र संरक्षण गर्न सकिने ।</li> <li>डेरी उद्योग र हस्तकलामा आधारित घरेलु उद्योगहरूको विकास गर्न सकिने ।</li> <li>सिलाई/कटाई/बुनाई, मैनबत्ती बनाउने तालिम, मोटरसाईकल तथा साइकल मर्मत तालिम, कृषिजन्य तालिम प्रदान गरी साना तथा घरेलु उद्योगको लागि दक्ष जनशक्ति तयार गर्न सकिने ।</li> </ul> |

#### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                                                                                     |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| गाउँपालिकामा उद्योग घरघरमा उत्पादन, जनसहभागितामूलक रोजगारी र आयआर्जन                                                               |
| लक्ष्य                                                                                                                             |
| आगामी पाँच वर्षमा गाउँपालिकाको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान कम्तीमा २० प्रतिशत पुऱ्याई रोजगारी श्रृजना गर्ने । |
| उद्देश्यहरू                                                                                                                        |
| ✓ उत्पादन तथा औद्योगिक एवं व्यवसायिक स्तरमा वृद्धि गर्नु ।                                                                         |

| उद्देश्य १ : उद्योगका लागि आधारभूत पूर्वाधारको विकास गर्नु । |                                                                                                                                                                                                                                                |
|--------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                       | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                                                      |
| १.१ नीतिगत सुधार गरी लगानी मैत्री वातावरण निर्माण गर्ने ।    | १.१.१ उद्योगमा लगानीमैत्री वातावरण निर्माण गर्न उद्योगका लागि जग्गा, रजिष्ट्रेशन, करारमा लिन विशेष सहूलियत र छुट दिने नीति तथा मापदण्ड निर्माण गरिनेछ ।                                                                                        |
|                                                              | १.१.२ उद्योगमा लगानी गर्न असहज र प्रतिकूल रहेका विद्यमान स्थानीय कानूनहरूमा उद्योग लगानी मैत्री हुने गरी संशोधन गरिनेछ र श्रमिकहरूको सुरक्षा हक र हितका लागि कानूनको अधिनमा रही स्थानीय नीति र मापदण्ड श्रमिक उद्योग र उद्यमी मैत्री बनाइनेछ । |
|                                                              | १.१.३ महिला र युवा उद्यमीहरूलाई प्रोत्साहन गर्न विशेष अनुदान र सहूलियतको प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                                                                                                      |
|                                                              | १.१.४ ठूलोस्तरको बाह्य लगानी भित्र्याउन सरकारी जमिनको सम्भाव्यता अध्ययन गरी निजी क्षेत्रका उद्यमीहरूसँग विशेष छुट र सहूलियत वारे अन्तरक्रिया गरिनेछ ।                                                                                          |
|                                                              | १.१.५ कम्तीमा ३ जनालाई रोजगारी दिन सक्ने उद्योगका लागि दशलाख पूँजी लगानीको प्रस्ताव सहित आउने स्थानीय उद्यमीलाई ५० प्रतिशत लगानीको व्याजमा अनुदान दिइनेछ ।                                                                                     |

| उद्देश्य १ : उद्योगका लागि आधारभूत पूर्वाधारको विकास गर्नु । |                                                                                                                                                               |
|--------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                       | कार्यनीति                                                                                                                                                     |
|                                                              | १.१.६ गैरकृषि क्षेत्रको रोजगारी वृद्धि गर्न गैरकृषि क्षेत्रका उद्योगहरूको व्यापक अध्ययन गरिनेछ ।                                                              |
|                                                              | १.१.७ ७० प्रतिशत भन्दा बढी स्थानीय बासिन्दालाई रोजगार प्रदान गर्ने उद्योगलाई राजश्वमा छुट दिइनेछ ।                                                            |
|                                                              | १.१.८ उद्योग संचालन कार्यविधि तयार गरिनेछ ।                                                                                                                   |
|                                                              | १.१.९ नियमित कर तिर्ने र ५० भन्दा धेरैलाई रोजगारी दिने उत्कृष्ट उद्योगलाई सम्मान गरिनेछ ।                                                                     |
|                                                              | १.१.१० व्यवसायिक कृषक र कृषक समुहलाई हाट बजारमा स्टल राख्दा सहूलियत हुने नीतिगत व्यवस्था गरिनेछ ।                                                             |
| १.२ प्रमुख औद्योगिक पूर्वाधारको सुनिश्चितता गर्ने ।          | १.२.१ मुख्य औद्योगिक क्षेत्रसम्मका पहुँच सडकलाई कृषि र पर्यटन सडकसँग एकीकृत गरी स्तरोन्नति गरिनेछ ।                                                           |
|                                                              | १.२.२ स्थानीय कृषि उपजमा आधारित उद्योगलाई प्राथमिकता दिइ कच्चा पदार्थ उत्पादन सुनिश्चित गर्न सम्भाव्य उद्योगी र कृषकबिच अन्तरक्रिया कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । |
|                                                              | १.२.३ उद्योग क्षेत्रहरूमा आवश्यक विद्युतीकरण विस्तार गरिनेछ ।                                                                                                 |
|                                                              | १.२.४ औद्योगिक सुरक्षाका लागि सुरक्षा निकायसँगको सहकार्यमा शान्ति सुरक्षाको प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                  |
|                                                              | १.२.५ औद्योगिक श्रमिकहरूको उपलब्धताका लागि स्थानीय रोजगार केन्द्रमा श्रम सूचना तथा तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण गरिनेछ ।                                        |
|                                                              | १.२.६ दश वटा उद्योग केन्द्रित गरि निजी क्षेत्रबाट उद्योग ग्राम स्थापना गर्न चाहेमा पूर्वाधार निर्माण कार्यमा प्रोत्साहन गरिनेछ ।                              |
|                                                              | १.२.७ औद्योगिक पाठशालामा सीप विकास एवं क्षमतावृद्धि तालिम संचालन गरिनेछ ।                                                                                     |

| उद्देश्य २: स्थानीय कच्चा पदार्थ तथा कृषि उपजमा आधारित उद्योग स्थापनामार्फत आर्थिक वृद्धिदर हासिल गर्नु     |                                                                                                                                                     |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                                      | कार्यनीति                                                                                                                                           |
| २.१ निजी क्षेत्र र अगुवा कृषकको समन्वय र सहकार्यमा कम्तीमा एक वडा एक कृषिमा आधारित उद्योगको निर्माण गर्ने । | २.१.१ बाली विशेष पकेट क्षेत्रका आधारमा उपलब्ध हुन सक्ने कच्चा पदार्थमा आधारित प्रत्येक वडामा सम्भाव्य उद्योगहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।        |
|                                                                                                             | २.१.२ पहिलो चरणमा एक वडा एक कृषि उद्योग स्थापना गर्न उद्योगी कृषक वा कृषक समूह पहिचान गरिनेछ ।                                                      |
|                                                                                                             | २.१.३ उद्यमी कृषकहरू लक्षित अध्ययन तथा अभिमूखीकरण तालिमका लागि गाउँपालिकाद्वारा सहयोग प्रदान गरिनेछ ।                                               |
| २.२ स्थानीय कृषि उद्योगबाट उत्पादित सामग्रीको ब्रान्डिङ गर्ने ।                                             | २.२.१ कृषि उद्योगबाट उत्पादित उत्पादनहरूको प्रशोधन, प्याकेजिङ, लेबलिङ, गुणस्तर तथा ब्रान्डिङ गर्नका लागि विशेष अभिमूखीकरण तथा तालिम प्रदान गरिनेछ । |
|                                                                                                             | २.२.२ संघीय तथा प्रादेशिक सरकारको सहयोगमा गाउँपालिकास्तरीय खाद्य गुणस्तर मापनको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                   |
|                                                                                                             | २.२.३ स्थानीय उपज तथा औद्योगिक उत्पादनको खपत हुन सक्ने सम्भाव्य उपभोक्ता बजारहरूको अध्ययन गरिनेछ ।                                                  |

| उद्देश्य ३ : खानी तथा खनिज क्षेत्रको अन्वेषण गर्नु                  |                                                                                                                                    |
|---------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                              | कार्यनीति                                                                                                                          |
| ३.१ खानी तथा खनिज क्षेत्रको अन्वेषण, उत्खनन् तथा व्यवस्थापन गर्ने । | ३.१.१ संघ र प्रदेशसँगको समन्वयमा स्थानीय खानी तथा खनिज अन्वेषण र उत्खननका लागि आवश्यक नीति, ऐन, नियम र मापदण्डको निर्माण गरिनेछ ।  |
|                                                                     | ३.१.२ गाउँपालिकाभरी रहेका वा हुन सक्ने खानी तथा खनिजको अन्वेषण गर्न खानी तथा भू-गर्भ विभागसँग समन्वय गरी विज्ञसँग परामर्श लिइनेछ । |

| उद्देश्य ४ : स्थानीय बजार प्रवर्द्धन र व्यवस्थापन मार्फत वाणिज्य, बजार र आपूर्ति प्रणाली सुदृढ गर्ने । |                                                                                                                                                                                                 |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                                 | कार्यनीति                                                                                                                                                                                       |
| ४.१ बजार, व्यापार तथा वाणिज्य व्यवस्थापन सूचना प्रणाली निर्माण गर्ने ।                                 | ४.१.१ स्थानीय व्यापार, व्यवसाय, आपूर्ति, उपभोक्ता हित सम्वन्धमा नीति, कानून र मापदण्ड निर्माण गरिनेछ ।                                                                                          |
|                                                                                                        | ४.१.२ गाउँपालिकाभर सञ्चालन भएका व्यवसाय दर्ता तथा अभिलेखीकरण प्रणाली निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                           |
|                                                                                                        | ४.१.३ समग्र व्यापार र वाणिज्यलाई समेटेर वार्षिक रुपमा हुने कारोबारका आधारमा माग तथा आपूर्ति र कारोबारको आकार साथै व्यापार नाफा/घाटाको तथ्याङ्क प्राप्त हुने तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण गरिनेछ । |
|                                                                                                        | ४.१.४ रोजगार बैङ्क पोर्टल संचालन गरिनेछ ।                                                                                                                                                       |
| ४.२ स्थानीय बजार प्रवर्द्धन कार्ययोजना निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्ने ।                                 | ४.२.१ स्थानीय व्यापारिक फर्म तथा व्यवसायको दर्ता अनुमती नवीकरण, खारेजी, बजार तथा गुणस्तर अनुगमन र नियमन गर्न संयन्त्र र नियमित कार्यतालिका बनाइनेछ ।                                            |
|                                                                                                        | ४.२.२ मुख्य बजार केन्द्रलाई लक्षित गरी निजी क्षेत्रसँगको समन्वयमा व्यापारिक स्टल निर्माण गरी बहालमा दिइनेछ ।                                                                                    |
|                                                                                                        | ४.२.३ वार्षिक रुपमा मुख्य चाडपर्व तथा अवसर हेरी व्यापारिक मेला/औद्योगिक प्रदर्शनी आयोजना गर्न वार्षिक पात्रो निर्माण गरिनेछ ।                                                                   |
|                                                                                                        | ४.२.४ परम्परागत रुपमा चलि आएका स्थानीय हाटबजारलाई व्यवस्थित र वैज्ञानिक बनाउन अध्ययन गरी पूर्वाधार विकास गरिनेछ ।                                                                               |
|                                                                                                        | ४.२.५ प्रत्येक वर्ष नियमित आम उपभोक्ता हित र अधिकारका साथै खाद्य गुणस्तर सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                        |
|                                                                                                        | ४.२.६ इच्छुकामना नमुना उद्योग क्षेत्र स्थापनाको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                                                                                                      |
|                                                                                                        | ४.२.७ स्थानीय हाट बजार लगायत उपयुक्त स्थानमा यस गाउँपालिकाका स्थानीय उत्पादनहरुलाई बजारीकरण गर्न त्यस्ता उत्पादन केन्द्रित सुपथ मूल्य विक्री केन्द्रहरुको निर्माण गरिनेछ ।                      |

**उद्योग, व्यापार, व्यावसाय तथा आपूर्तिको विस्तृत कार्यक्रम**

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                        | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|----------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                  | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | उद्योगका लागि करारमा दिन सकिने जग्गा पहिचान गर्न अध्ययन                          |                   | ५००         |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.२     | श्रमिक, उद्योग र उद्यमी मैत्री सम्बन्धी नीति, कानून संशोधन गर्न विज्ञसँग परामर्श | ५०                |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.३     | महिला तथा युवा उद्यमी पहिचान, सहूलियत तथा अनुदान                                 | १००               | १५०         | २००         | २५०       | ३००        |                 |
|          |        | १.१.४     | ठूला लगानी भित्र्याउन बाध्य लगानीकर्ताहरूसँग लगानी सम्मेलन                       |                   | ५००         |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.५     | दश लाख सम्मको उद्योग लगानी प्रस्तावका लागि ब्याजमा अनुदान                        | २००               | २००         | २००         | २००       | २००        |                 |
|          |        | १.१.६     | गैर कृषि क्षेत्रका उद्योगहरूको सम्भाव्यता अध्ययन                                 |                   | २००         |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.७     | स्थानीय बासिन्दालाई रोजगार प्रदान गर्ने उद्योगलाई राजश्वमा छुटको व्यवस्था        |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.८     | उद्योग संचालन कार्यविधि तयार                                                     | ५०                |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.९     | नियमित कर तिर्ने उत्कृष्ट उद्योगलाई सम्मान                                       | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | १.१.१०    | व्यवसायिक कृषक र कृषक समूहलाई सहूलियत हुने नीतिगत व्यवस्था                       |                   |             |             |           |            |                 |
|          | १.२    | १.२.१     | औद्योगिक सडक पहिचान तथा स्तरोन्नति                                               | ७००               | ७००         | ७००         | ७००       | ७००        |                 |
|          |        | १.२.२     | कच्चा पदार्थ उत्पादन केन्द्रित उद्योगी कृषक अन्तरक्रिया                          | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|          |        | १.२.३     | औद्योगिक क्षेत्र विद्युतिकरण                                                     |                   | १००         | १५०         | १५०       | १५०        |                 |
|          |        | १.२.४     | औद्योगिक क्षेत्र केन्द्रित प्रहरी बिट स्थापना तथा निर्माण                        |                   | २००         | ३००         |           |            |                 |
|          |        | १.२.५     | औद्योगिक श्रमिक तथा श्रम सूचना तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण                        | १००               |             |             |           |            |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                            | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|--------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                      | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | १.२.६     | निजी क्षेत्रबाट उद्योग ग्राह्य स्थापनाका लागि पूर्वाधार निर्माण कार्यमा प्रोत्साहन   |                   | ५००         | ८००         | १०००      | १०००       |                 |
|          |        | १.२.७     | औद्योगिक पाठशालामा सीप विकास एवं क्षमता वृद्धि तालिम संचालन                          | ३००               | ३००         | ३००         | ३००       | ३००        |                 |
| २        | २.१    | २.१.१     | बाली विशेष पकेट क्षेत्रस्तरीय उद्योगहरूको सम्भाव्यता अध्ययन                          |                   |             | ५००         |           |            |                 |
|          |        | २.१.२     | एक वडा एक कृषि उद्योग अर्न्तगत उद्योगी पहिचान                                        |                   | ३००         |             |           |            |                 |
|          |        | २.१.३     | कृषि उद्योगी विशेष अभिमूखीकरण कार्यक्रम                                              | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|          | २.२    | २.२.१     | कृषि उपज प्याकेजिङ, लेबलिङ गुणस्तर जाँच तथा ब्रान्डीड सम्बन्धी तालिम तथा अन्तरक्रिया | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|          |        | २.२.२     | खाद्य तथा कृषि उपज गुणस्तर मापन केन्द्र स्थापना                                      |                   |             | ५००         |           |            |                 |
|          |        | २.२.३     | कृषि उपभोक्ता बजारको सम्भाव्यता अध्ययन                                               |                   | ४००         |             |           |            |                 |
| ३        | ३.१    | ३.१.१     | खानी, खनिज, अन्वेषण, उत्खनन् र व्यवस्थापन मापदण्ड निर्माण                            |                   |             | ५००         |           |            |                 |
|          |        | ३.१.२     | खानी तथा खनिज सम्भाव्यता अध्ययन                                                      |                   |             | ६००         |           |            |                 |
| ४.       | ४.१    | ४.१.१     | मापदण्ड निर्माण                                                                      |                   | १००         |             |           |            |                 |
|          |        | ४.१.२     | व्यवसाय दर्ता तथा अभिलेखीकरण प्रणाली निर्माण                                         |                   | १००         |             |           |            |                 |
|          |        | ४.१.३     | माग तथा आपूर्ति र कारोबारको तथ्याङ्क प्राप्त हुने तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण         |                   | १००         |             |           |            |                 |
|          |        | ४.१.४     | रोजगार बैङ्क पोर्टल संचालन                                                           | १००               |             |             |           |            |                 |
|          | ४.२    | ४.२.१     | बजार अनुगमन तथा निरीक्षण आन्तरिक पात्रो निर्माण                                      | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                      | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|----------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | ४.२.२     | बहाल विटौरी कर लागू गर्ने गरी व्यापारिक स्टल निर्माण           |                   |             | १००         |           |            |                 |
|          |        | ४.२.३     | वार्षिक पात्रो अनुसार व्यापारिक मेला/औद्योगिक प्रदर्शनी आयोजना | ३००               | ३००         | ३००         | ३००       | ३००        |                 |
|          |        | ४.२.४     | हाटबजार पूर्वाधार निर्माण                                      |                   |             |             | १०००      |            |                 |
|          |        | ४.२.५     | उपभोक्ता हित सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन            | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|          |        | ४.२.६     | नमुना उद्योग स्थापनाको सम्भाव्यता अध्ययन                       |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | ४.२.७     | सुपथ मूल्य विक्री केन्द्रहरूको निर्माण                         |                   |             |             |           |            |                 |

#### ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- उद्योगका लागि न्यूनतम आधारभूत पूर्वाधार जस्तै सडक, उर्जा, जमिन, श्रमशक्ति, सुरक्षा तथा लगानी आदिको प्रवन्ध भएको हुनेछ ।
- स्थानीय कच्चा पदार्थ विशेष गरी कृषिमा आधारित उद्योगहरूको संख्या वृद्धि भएको हुनेछ ।
- उद्योग क्षेत्रको कुल ग्राहस्थ उत्पादनमा २० प्रतिशत भन्दा माथि योगदान हुनेछ ।
- स्थानीय बजार तथा आपूर्ति प्रणाली सुदृढ भएको हुनेछ ।

#### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह                             | नतिजा सूचक                                                         | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|----------------------------------------|--------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| १.      | खानी, खनिज, उद्योग वाणिज्य तथा आपूर्ति |                                                                    |         |           |             |
|         | असर                                    | गैर कृषि क्षेत्रमा (उद्योगमा) संलग्न रोजगारहरू                     | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                                    | कूल रोजगारीमा ठूला उद्योगको योगदान (९.२.२) (प.दि.वि.ल.)            | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                                    | कूल ग्राहस्थ उत्पानमा उद्योग क्षेत्रको योगदान (८.३.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                       | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|--------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
|         | प्रतिफल    | थोक व्यापार क्षेत्रमा संलग्न जनसंख्या            | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | खुद्रा व्यापारमा संलग्न जनसंख्या                 | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | आयात मूल्य                                       | रकममा   |           |             |
|         | प्रतिफल    | निर्यात मूल्य                                    | रकममा   |           |             |
|         | प्रतिफल    | थोक तथा खुद्रा व्यापारमा कुल लगानी               | रकममा   |           |             |
|         | प्रतिफल    | खानीमा आधारित उद्योग संख्या                      | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | साना उद्योग संख्या                               | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | कूल रोजगारीमा साना उद्योगहरूको हिस्सा            | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | मझौला उद्योग संख्या                              | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | ठूला उद्योग संख्या                               | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | व्यावसायिक अभिमूखीकरण तालिम (वार्षिक)            | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | महिला उद्यमीहरूको संख्या                         | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | युवा उद्यमीहरूको संख्या                          | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | समग्र उद्यमीहरूको संख्या (व्यक्तिगत नाममा दर्ता) | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | उद्योगका लागि करारमा दिन सकिने जग्गा             | हेक्टर  |           |             |
|         | प्रतिफल    | औद्योगिक लगानी सम्मेलन                           | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | औद्योगिक लगानी तथा अनुदान                        | रकम     |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                              | इकाई   | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|---------------------------------------------------------|--------|-----------|-------------|
|         | प्रतिफल    | गैह कृषि उद्योग संख्या                                  | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | औद्योगिक कच्चा पदार्थ उत्पादनमा संलग्न कृषक संख्या      | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | औद्योगिक सुरक्षाकर्मी संख्या                            | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | खानीमा आधारित अन्वेषण संख्या                            | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | वार्षिक बजार अनुगमन                                     | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | बहाल विटैरी कर लागू गरिएका सार्वजनिक सम्पत्ति           | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | वार्षिक औद्योगिक तथा व्यापार मेला संख्या                | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | व्यवस्थित हाट बजार संख्या                               | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | उपभोक्ता हित सम्बन्धी कार्यान्वयन भएका कार्यक्रम संख्या | संख्या |           |             |

#### च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।
- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।

## ४.४.२ सहकारी

### क) पृष्ठभूमि

ग्रामिण पूँजीको संकलन र उचित सदुपयोग मार्फत आय आर्जन गर्न सहकारीको महत्वपूर्ण भूमिका हुन्छ। राष्ट्रिय अर्थतन्त्रको ३ प्रमुख खम्बा मध्ये एक महत्वपूर्ण खम्बाको रूपमा रहेको सहकारी क्षेत्रको ग्रामीण अर्थतन्त्र सुदृढिकरणमा मुख्य सहयोगी भूमिका हुन्छ। हाल गाउँपालिकामा विधिवत रूपमा दर्ता भई २९ वटा सहकारीहरूले वित्तीय सेवा प्रवाह गरिरहेका छन्। यहाँ ८० भन्दा बढी बचत समूह र ६० भन्दा बढी आमा समूहहरू सक्रिय रहेका छन्।

### ख) समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>सहकारीको संख्यात्मक वृद्धि भएतापनि गुणात्मक विकास हुन नसकेको।</li> <li>सहकारी क्रियाकलाप उत्पादनमुखी तथा रोजगारी सिर्जना भन्दा पनि बचत तथा ऋण कारोबारमा बढी लगाव रहेको।</li> <li>सहकारीमा आर्थिक अनुशासन कायम हुन नसक्दा आम नागरिकको बचत जोखिममा पर्ने गरेको।</li> <li>सहकारीहरू अपेक्षित मूल्य, मान्यता तथा आदर्शका मर्म अनुसार विकास हुन नसकेको।</li> <li>नियामक निकायको प्रभावकारितामा कमी रहेको।</li> <li>आवश्यकता अनुसार कृषकलाई ऋण उपलब्ध गर्न नसकेको।</li> <li>एक सहकारी एक व्यक्तिको विकास गर्न जरुरी रहेको।</li> <li>कृषि सहकारीलाई समयमा मल, खाद, बिउ, विजन समयमा उपलब्ध हुन नसकेको।</li> <li>सहकारी सम्बन्धी जनचेतनाको व्यापक विकास गर्नुपर्ने।</li> <li>कृषि, उद्योग तथा व्यवसायिकता विकासमा यसको योगदान वृद्धि गर्नुपर्ने।</li> </ul> |

### ग) सम्भावना तथा अवसर

| सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिका भित्र २९ वटा सहकारी संस्थाहरू संचालनमा रहेका।</li> <li>सहकारी क्षेत्रतर्फ क्रमशः जनताको आकर्षण बढ्दै गइरहेका कारण पालिकाभित्र विभिन्न बचत समूहहरू संचालनमा रहेका।</li> <li>गाउँपालिकाले सहकारी संस्थाहरूको अनुगमन, नियमन, पारदर्शिताको व्यवस्थापनको लागि सहकारी शिक्षा प्रदान गर्ने नीति अगाडि सारेको।</li> <li>सानो रकम भए पनि बचत गर्नुपर्छ भन्ने चेतनाको क्रमश विकास भएको।</li> <li>कृषि उत्पादन र उपभोक्ता विचमा पुलको काम गर्ने संस्थाको रूपमा सहकारीको विकास गर्न सकिने।</li> <li>सामूहिकता र सहकार्यमार्फत आर्थिक विकासको सम्भावना रहेको।</li> <li>गाउँपालिकाले सहकारी तथा गरिवी सम्बन्धी व्यवस्थापनमा सूचना प्रणाली COPOMIS लाई अनिवार्य गर्ने नीति अगाडि सारेको।</li> <li>सहकारीको परिचालन, नियमन, अनुगमन र खारेजी सम्बन्धी अधिकार स्थानीय सरकारलाई प्राप्त भएको।</li> </ul> |

### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                        |
|-----------------------------------------------------------------------|
| सामूहिकता र सहकार्य मार्फत सबल अर्थतन्त्रको निर्माण                   |
| लक्ष्य                                                                |
| सहकारीको संस्थागत विकास मार्फत आम बचतकर्ताको जीवनस्तर उकास्ने ।       |
| उद्देश्यहरू                                                           |
| ✓ गाउँपालिकावासीमा बैङ्क तथा वित्तीय सेवाको सहज पहुँच विस्तार गर्नु । |

| उद्देश्य १: सहकारी संस्थाको संस्थागत विकास, क्षमता अभिवृद्धि, कुशल व्यवस्थापन र विस्तार गर्नु |                                                                                                                                                                                                                                             |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                        | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                                                   |
| १.१ सहकारी शिक्षाको माध्यमबाट जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने ।                                       | १.१.१ स्थानीय सञ्चार माध्यमको सहयोगमा सहकारीको महत्व सम्बन्धमा नियमित जनचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ र सहकारी सञ्चालकहरूलाई संस्थागत क्षमता विकास गर्न संघीय तथा प्रदेश सरकारहरूको सहयोगमा क्षमता विकास अभिमूखीकरण तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
|                                                                                               | १.१.२ महिलाहरूलाई सहकारीतर्फ आकर्षण गर्न महिला सहकारी विस्तार उत्प्रेरणा तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                             |
|                                                                                               | १.१.३ सहकारीले स्थानीय अर्थतन्त्रमा पार्ने र पारेको प्रभावहरूको वस्तुगत अध्ययन गरिनेछ ।                                                                                                                                                     |
|                                                                                               | १.१.४ सहकारी क्षेत्रमा आम सर्वसाधारणको बचत सुरक्षित भए नभएको अध्ययन गरी यस क्षेत्रका समग्र समस्याको समाधान गर्न एक गाउँपालिकास्तरीय संयन्त्र, निर्माण गरिनेछ ।                                                                              |
|                                                                                               | १.१.५ समग्र सहकारी क्षेत्रलाई सुव्यवस्थित गर्न स्थानीय सहकारी नियमन प्रणालीको विकास र कार्यान्वयन गरिनेछ ।                                                                                                                                  |
|                                                                                               | १.१.६ सहकारी संस्थाका सञ्चालक लक्षित क्षमता विकास तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                                                    |
|                                                                                               | १.१.७ समग्र सहकारी संस्थाको विवरण निश्चित समय सिमाभित्र अध्यावधिक गरी डिजिटलाइजेसन गरिनेछ ।                                                                                                                                                 |
|                                                                                               | १.१.८ सहकारीहरू स्वीच Meger का लागि प्रोत्साहन कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                                                   |
|                                                                                               | १.१.९ गाउँपालिका भित्रका सहकारी संस्थाको एकरूपता कायम गर्न एकै प्रकारका साइन बोर्ड राख्ने प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                                                                                  |
|                                                                                               | १.१.१० गाउँभित्रका सहकारीहरूको लेखापरीक्षक गाउँपालिकामा सूचिकृत गर्नुपर्ने प्रावधान कार्यान्वयन गरिनेछ ।                                                                                                                                    |

| उद्देश्य २: सहकारी क्षेत्रलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा लाग्न उपयुक्त वातावरण निर्माण गर्नु । |                                                                                                                                                                      |
|------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                   | कार्यनीति                                                                                                                                                            |
| २.१ सहकारी नीति परिमार्जन तथा निर्माण गरी ग्रामीण अर्थतन्त्र मैत्री बनाउने ।             | २.१.१ सहकारी क्षेत्रलाई उत्पादनशील क्षेत्र जस्तै कृषि, उद्योग तथा पर्यटनमा लगानी अभिवृद्धि गर्न स्थानीय सहकारी नीति र ऐनमा आवश्यक सुधार, संशोधन र परिमार्जन गरिनेछ । |
|                                                                                          | २.१.२ अति विपन्न नागरिक तथा मजदुरहरूलाई सामूहिक बचत गर्ने बानी बसाल्न उत्प्रेरणा/अभिमूखीकरण गरिनेछ ।                                                                 |

| उद्देश्य २: सहकारी क्षेत्रलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा लाग्न उपयुक्त वातावरण निर्माण गर्नु । |                                                                                                                                                                                   |
|------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                   | कार्यनीति                                                                                                                                                                         |
|                                                                                          | २.१.३ निश्चित मापदण्डका आधारमा बचत, लगानी तथा ऋण परिचालनमा अब्बल एक सहकारीलाई वार्षिक उचित पुरस्कारको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                           |
|                                                                                          | २.१.४ सहकारीलाई उत्पादन तथा रोजगारीसँग जोडी नागरिकको जीवनस्तरमा सुधार ल्याइनेछ ।                                                                                                  |
|                                                                                          | २.१.५ एक सहकारी एक उत्पादनको अभियान सघन रुपमा अघि बढाइनेछ ।                                                                                                                       |
|                                                                                          | २.१.६ कृषकलाई उत्पादन सहकारी खोल्न लगाई बजारसम्म पहुँच पुऱ्याउनका लागि सहजीकरण गरिनेछ ।                                                                                           |
| २.२ सहकारीलाई व्यावसायीकरणका अभ्याससँग एकीकृत गर्ने ।                                    | २.२.१ सहकारी खेतीलाई प्रोत्साहन गर्न कृषि सहकारी संस्थाको सहयोगमा व्यावसायिकता प्रवर्द्धन तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                  |
|                                                                                          | २.२.२ सहकारीसँग उद्योग र सेवा क्षेत्र विस्तार गर्ने नीति अनुरूप सहकारीमा आधारित स्थानीय उद्योग र सेवाक्षेत्रको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                         |
|                                                                                          | २.२.३ सम्भाव्यता र लागत लाभका आधारमा सहकारी खेती वा उद्योग वा सेवा क्षेत्रमा लाग्न चाहने सहकारीका सरोकारवाला सदस्यहरूलाई व्यवसाय विशेष क्षमता अभिवृद्धि तालिमको व्यवस्था गरिनेछ । |
|                                                                                          | २.२.४ सहकारी शिक्षा र तालिम मार्फत संस्थाको क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।                                                                                                             |
|                                                                                          | २.२.५ सहकारीको एकीकरण र डिजिटल कारोबारलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।                                                                                                                     |
|                                                                                          | २.२.६ सहकारी मार्फत उद्यमशीलता अभिवृद्धि कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।                                                                                                                |

### सहकारीको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                            | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|----------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                      | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | स्थानीय सञ्चार माध्यम मार्फत सहकारी शिक्षा सञ्चार कार्यक्रम सञ्चालन  |                   | ८०          |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.२     | महिला सहकारी विकास तथा विस्तार उत्प्रेरणा तालिम                      | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|          |        | १.१.३     | सहकारीले स्थानीय अर्थतन्त्रमा पारेको प्रभाव अध्ययन                   |                   | ५००         |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.४     | गाउँपालिकास्तरीय संयन्त्र निर्माण                                    |                   |             | ४००         |           |            |                 |
|          |        | १.१.५     | स्थानीय सहकारी नियमन प्रणाली निर्माण                                 |                   | ४००         |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.६     | क्षमता विकास तालिम सञ्चालन                                           | ३५०               | ४००         | ४५०         | ५००       | ५५०        |                 |
|          |        | १.१.७     | सहकारी संस्थाको विवरण अद्यावधिक                                      | ४०                | ४५          | ५०          | ५५        | ६०         |                 |
|          |        | १.१.८     | सहकारी स्वीच Meger का लागि प्रोत्साहन कार्यक्रम                      | १०                | १२          | १४          | १६        | १८         |                 |
|          |        | १.१.९     | सहकारी संस्थामा एकरूपता कायम                                         | १०                | १२          | १४          | १६        | १८         |                 |
|          |        | १.१.१०    | लेखापरीक्षक सूचिकृत गर्ने नीतिगत व्यवस्था                            |                   |             | १५०         |           |            |                 |
| २.       | २.१    | २.१.१     | उत्पादनशील क्षेत्रमा सहकारी लगानी अभिवृद्धिका लागि सम्भाव्यता अध्ययन |                   | ३००         |             |           |            |                 |
|          |        | २.१.२     | अति विपन्न नागरिक घरधुरीलाई सहकारीमा प्रवेश गराउन बीउ, पूँजी वितरण   | ३००               |             |             |           |            |                 |
|          |        | २.१.३     | उत्कृष्ट सहकारी पुरस्कार प्रदान                                      | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | २.१.४     | सहकारीमार्फत सुपथ मूल्यको पसल स्थापना गर्न प्रोत्साहन                | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                        | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                  | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | २.१.५     | एक सहकारी एक उत्पादनको अभियान                                    |                   | २००         |             |           |            |                 |
|          |        | २.१.६     | उत्पादन सहकारी मार्फत बजारीकरणमा सहजीकरण                         |                   | १२०         | १४०         | १६०       | १८०        |                 |
|          | २.२    | २.२.१     | सहकारी खेती प्रवर्द्धन तालिम                                     | ७५                | ७५          | ७५          | ७५        | ७५         |                 |
|          |        | २.२.२     | सहकारीमा आधारित उद्योग तथा सेवा क्षेत्रको सम्भाव्यता अध्ययन      | ३००               |             |             |           |            |                 |
|          |        | २.२.३     | सहकारी उद्योग तथा सेवा क्षेत्रमा जान चाहने उद्यमीलाई विशेष तालिम | ८०                | ८०          | ८०          | ८०        | ८०         |                 |
|          |        | २.२.४     | सहकारी शिक्षा र तालिम मार्फत संस्थाको क्षमता अभिवृद्धि           | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | २.२.५     | सहकारीको एकीकरण र डिजिटल कारोबारलाई प्रोत्साहन                   |                   | १००         |             |           |            |                 |
|          |        | २.२.६     | सहकारी मार्फत उद्यमशीलता अभिवृद्धि कार्यक्रम संचालन              | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |

#### ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ सहकारी संस्थाहरूको संस्थागत र गुणात्मक विकास हुनेछ ।
- ✓ सहकारी संस्थाहरूको क्षमता विकास र सेवा विस्तार हुनेछ ।
- ✓ कृषि, उद्योग, पर्यटन तथा सेवा क्षेत्रको विकासमा सहकारीको भूमिका वृद्धि हुनेछ ।
- ✓ महिला वर्गको सहकारी क्षेत्रमा सदस्यता संख्यामा उल्लेख्य वृद्धि हुनेछ ।
- ✓ विपन्न वर्गलाई सहकारीमा आवद्ध गर्न सहयोग पुग्नेछ ।

### ४.४.३ बैङ्क तथा वित्तीय क्षेत्र

#### क) पृष्ठभूमि

स्थानीय स्तरमा व्यापक रूपमा पूँजीप्रवाह भैरहने वातावरणका लागि बैङ्किङ तथा वित्तीय संस्थाहरूको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ। कुनैपनि स्थानको अर्थतन्त्र सबल हुन कृषि, पर्यटन र उद्योग क्षेत्र चलायमान हुनुपर्ने भएकाले ती क्षेत्रको क्रमिक विकाससँगै बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको विकास स्वतः हुन जान्छ। यस गाउँपालिकामा गरिमा बैङ्क, एन आई एम बी बैङ्क लगायत २९ वटा सहकारी संस्थाहरूले वित्तीय सेवा प्रवाह गरिरहेका छन्।

#### ख) समस्या तथा चुनौती

##### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- वित्तीय संस्थाहरूमा सहज पहुँच नहुँदा तथा अर्थतन्त्र चलायमान नहुँदा स्थानीय पूँजीको विकास कमजोर रहेको।
- लगानीको क्षेत्र र दायरा ठूलो हुन नसकेको।
- औद्योगिक पूर्वाधार, उद्योग, व्यापारिक केन्द्र र स्थानीय पूँजीको विकास गर्नुपर्ने।

#### ग) सम्भावना तथा अवसर

##### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकामा पर्याप्त रूपमा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरू संचालनमा रहेको।
- अति विपन्न वर्गमा नियमित बचत गर्ने बानीको विकास गर्न प्रोत्साहन गर्न सकिने।
- गाउँपालिकामा ऋण तथा कर्जा सेवा प्रदान गर्न विभिन्न कृषि तथा महिला समूहहरू सक्रिय रहेका।
- उद्योग, कलकारखाना, बजार केन्द्र, व्यापारिक कारोबारको विस्तार गर्दै बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूको विकास गर्न सकिने।
- अन्य बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूलाई आकर्षण गर्न सकिने।
- स्थानीय जनताको अग्रसरतामा माइक्रो फाइनेन्स तथा सहकारीहरूको विकास र विस्तार गर्न सकिने।

#### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

##### दीर्घकालीन सोच

वित्तीय पहुँच वृद्धिमाफत आर्थिक क्षेत्रको गतिशिलता।

##### लक्ष्य

प्रत्येक घरधुरीमा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूको सहज पहुँच स्थापित गर्ने।

##### उद्देश्यहरू

- ✓ बैङ्क तथा वित्तीय संस्थातर्फ आम सर्वसाधारणलाई आकर्षण गर्नु।
- ✓ सहजकर्जा प्रवाह र बचत परिचालन माफत उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी अभिवृद्धि गरी आर्थिक वृद्धि हासिल गर्नु।

| उद्देश्य १: बैङ्क तथा वित्तीय संस्था तर्फ आम सर्वसाधारणलाई आकर्षण गर्नु           |                                                                                                                                                                                |
|-----------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                            | कार्यनीति                                                                                                                                                                      |
| १.१ वित्तीय पहुँच नपुगेका घरपरिवारमा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको पहुँच पुर्याउने । | १.१.१ आफ्नो नाममा बैङ्क खाता नभएका घरधुरीको पूर्ण विवरण संकलन गरिनेछ ।                                                                                                         |
|                                                                                   | १.१.२ निजी क्षेत्रमा बैङ्कहरूसँग सहकार्य गरी इच्छुक घरधनीको घरमा घुम्ती बैङ्क खाता खोल्ने अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।                                                              |
|                                                                                   | १.१.३ बैङ्क खाता खोल्दा हुने फाईदाका विषयमा तथा महिलालाई बैङ्क खाता खोल्न प्रोत्साहन गर्न बैङ्कसँगको सहकार्यमा स्थानीय सञ्चार माध्यमबाट जनचेतनामूलक कार्यक्रम प्रशारण गरिनेछ । |
|                                                                                   | १.१.४ पालिकाका सबै वडामा बैङ्किङ सुविधा (बैङ्कबाट भौगोलिक दुरी टाढा भएका गाउँपालिकाबासीका लागि Virtual Banking सुविधा) पुर्याइनेछ ।                                            |

| उद्देश्य २ : सहजकर्जा प्रवाह र बचत परिचालन माफत उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी अभिवृद्धि गरी आर्थिक वृद्धि हासिल गर्नु । |                                                                                                                                                                                                                              |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                                               | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                                    |
| २.१ व्यावसायिक, उत्पादनमूलक साना तथा मझौला उद्योगमा ऋण प्रवाह अभिवृद्धि गर्ने ।                                      | २.१.१ स्थानीय उद्यमी तथा बैङ्कहरू बिच ऋण प्रवाहमा सहजीकरण गर्न गाउँपालिकाद्वारा अन्तरक्रिया गरिनेछ ।                                                                                                                         |
|                                                                                                                      | २.१.२ स्थानीय रोजगारी श्रृजना गर्न युवा उद्यमी र महिलाले तयार गरेको व्यावसायिक योजना, मझौला उद्योग क्षेत्र, पर्यटन वा कृषिमा लगानीका लागि ऋण प्रवाह गर्न गाउँपालिका जमानत बसी व्याजमा निश्चित प्रतिशत अनुदान प्रदान गरिनेछ । |

### बैङ्क तथा वित्तीय क्षेत्रको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                        | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                  | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | बैङ्क खाता नभएका घरधुरीको लगत संकलन                              | ५०                |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.२     | घुम्ती बैङ्किङ सेवा अभियान सञ्चालन                               | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.१.३     | महिलाको बैङ्किङ जनचेतनामूलक कार्यक्रम प्रशारण                    |                   | ८०          | ८५          | ९०        | ९५          |                 |
|          |        | १.१.४     | बैङ्कबाट भौगोलिक दुरी टाढा भएकाहरूका लागि Virtual Banking सुविधा | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          | २.१    | २.१.१     | उद्यमी तथा बैङ्कहरूविच अन्तरक्रिया सहजीकरण                       | ४५                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | २.१.२     | युवा र महिला उद्यमीलाई मझौला उद्योगतर्फ विशेष ब्याज अनुदान       | १००               | १२०         | १५०         | १७०       | १९०         |                 |

### च) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- आगामी ५ वर्षमा गाउँपालिकाका ९० प्रतिशत भन्दा बढी घरपरिवारका सदस्यहरूको आफ्नो नाममा बैङ्क खाता हुनेछ ।
- व्यक्तिगत ऋण लिने प्रवृत्तिमा उल्लेख्य कमी आएको हुनेछ ।
- उत्पादनशील क्षेत्रमा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूको ऋण प्रवाह वृद्धि भएको हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह                        | नतिजा सूचक                              | इकाई   | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|-----------------------------------|-----------------------------------------|--------|-----------|-------------|
| १       | बैङ्क, वित्तीय क्षेत्र तथा सहकारी |                                         |        |           |             |
|         | प्रतिफल                           | आफ्नै नाममा बैङ्क खाता भएका घरपरिवार    | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल                           | गाउँपालिकामा विस्तार भएका वाणिज्य बैङ्क | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल                           | गाउँपालिकामा विस्तार भएका विकास बैङ्क   | संख्या |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                      | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|---------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
|         | प्रतिफल    | गाउँपालिकामा विस्तार भएका लघुवित्त                                              | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | गाउँपालिकामा रहेका सहकारी                                                       | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | महिला सहकारी सदस्य                                                              | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | सहकारीबाट उत्पादनशील क्षेत्रमा भएको लगानी                                       | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | सहकारी सम्बन्धी तालिम                                                           | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | सहकारी सदस्यताका लागि विपन्न वीउ पूँजीबाट लाभान्वित सदस्य                       | संख्या  |           |             |
|         | असर        | औपचारिक वित्तीय सेवाको पहुँचमा रहेका घर परिवार (१.४.१.२) र (८.३.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | सहकारी सेवामा पहुँच भएका घरपरिवार (८.३.२) (प.दि.वि.ल.)                          | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | प्रति १ लाख वयस्कहरूमा वाणिज्य बैङ्कहरूमा शाखा (८.१०.१ क) (प.दि.वि.ल.)          | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | प्रति १ लाख वयस्कहरूमा ए.टि.एम (८.१०.१ ख) (प.दि.वि.ल.)                          | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | बैङ्कबाट ऋण लिएर व्यवसायका उद्योग सञ्चालन गर्ने व्यवसायीको (९.३.२) (प.दि.वि.ल.) | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | ऋण वा लाइन अफ क्रेडिट भएका साना स्तरका उद्योग (९.३.२) (प.दि.वि.ल.)              | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | लघुवित्तद्वारा समेटिएको खेती गर्ने परिवार प्रतिशत (१०.५.१.१) (प.दि.वि.ल.)       | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | ३० मिनेटको पैदल दुरीमा बैङ्किङ सेवामा पहुँच भएका परिवार                         | प्रतिशत |           |             |

## ४.५ श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा

### ४.५.१ श्रम तथा रोजगारी

#### क) पृष्ठभूमि

श्रम तथा रोजगारीको हकलाई नेपालको संविधानले मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरेको छ भने यसको केन्द्र विन्दुमा युवा रहेका छन्। देशको प्रमुख श्रम शक्ति, मानव संसाधन र उर्जाको आधार स्तम्भ नै युवाहरू हुन्। युवाको सामर्थ्यलाई पूर्णतः सदुपयोग गरेका राष्ट्रहरूले नै ठूलो फड्को मारेका छन्। काम गर्न सक्ने उच्च सक्रिय उमेरको जनसंख्या नै जनसांख्यिक लाभान्ना हो। हाल गाउँपालिकामा प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अर्न्तगत श्रमको सम्मान राष्ट्रको अभियान अर्न्तर्गतका विभिन्न कार्यक्रमहरू संचालन भइरहेका छन्। गाउँपालिकाको पाश्चिमाञ्चल २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यस गाउँपालिकामा १५-५९ वर्ष उमेर समूहका सक्रिय युवाहरूको संख्या १८९६३ अर्थात् ६७.५९ प्रतिशत रहेको छ। यसरी जनसंख्याको उपस्थिति तथा मानव संसाधन विकास तथा श्रम शक्तिका हिसाबले ठूलो जनसांख्यिक लाभ बोकेको यस गाउँपालिकाले युवा शक्तिलाई देशमै उपयुक्त रोजगारी दिनसके छोटो अवधि मै आर्थिक तथा सामाजिक समृद्धि हासिल गर्न सकिन्छ।

#### ख) समस्या तथा चुनौती

##### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- गाउँपालिकामा युवा लक्षित कार्यक्रमले युवा वर्गलाई यथोचित सम्बोधन गर्न नसकेको।
- गाउँपालिकाबाट स्वभाविक रूपमा ठूलो हिस्सा युवा जनशक्ति शिक्षा तथा रोजगारका लागि शहरी क्षेत्र तथा विदेश पलायन भइरहेको।
- प्रधानमन्त्री युवा रोजगार कार्यक्रम आशातित रूपमा युवा आकर्षण र युवामैत्री हुन नसकेको।
- युवा जनशक्तिलाई यथोचित अभिमूखीकरण तथा तालिमको व्यवस्था हुन नसकेको।
- गाउँपालिकामा रहेका युवाहरू पनि निराश, निष्क्रिय भई मोबाइल लगायतका सूचना प्रविधिमा व्यस्त रहने लत बढ्दै गएको।
- कतिपय युवाहरू गलत संगत, लागूपदार्थ सेवन, भैँ-भगडा लगायतका कुलतमा फस्ने अवस्था रहेको।
- गाउँपालिकामा अध्ययन तथा रोजगारका लागि शहर तथा विदेश गएकाहरूलाई स्वदेशमै रोजगार सिर्जना गर्ने चुनौती रहेको।
- गाउँपालिकामा सम्पूर्ण बेरोजगार युवाहरूलाई थेग्न सक्ने गरी रोजगारीको सिर्जन गर्न चुनौती रहेको।
- पूर्वाधारको समुचित विकास गर्न नसकिएको कारण तोकिएका खेलकुद मैदानहरू, क्लब तथा मनोरञ्जनात्मक स्थलहरू स्तरोन्नति गर्ने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको।
- कुलतमा फसेका वा फस्ने खतरामा रहेका युवाहरूलाई रोक्ने कार्यक्रम तत्काल संचालन गर्नुपर्ने चुनौती रहेको।

#### ग) सम्भावना तथा अवसर

##### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- युवा शक्ति गाउँपालिकाको मानव संसाधनको महत्वपूर्ण स्रोत भएको।
- गाउँपालिकाको भावी समृद्धि युवाको काँधमा रहेको।
- गाउँपालिकाले स्थानीय रोजगारीको अवसर सिर्जना गर्न “अध्यक्षसँग युवा तथा खेलकुद र उपाध्यक्षसँग महिला तथा सीप विकास” कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिने नीति अगाडि सारेको।

| सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                        |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| गाउँपालिकामा युवासँग सम्बन्धित क्लब, खेलकुद मैदान तथा साँस्कृतिक टोलीहरू रहेको ।                                                          |
| गाउँपालिकामा विभिन्न विकास कार्यहरूलाई निरन्तरता दिन सके, उद्योग, व्यापार, कृषि क्षेत्रमा अनुदान उत्प्रेरणा दिन सकिने ।                   |
| गाउँपालिकाले प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रमबाट दिगो निर्माणको सुनिश्चितताका लागि आवश्यक निर्माण सामग्री उपलब्ध गराउने नीति अगाडि सारेको । |
| युवा शक्तिमा रहेको जागरुकतालाई यथोचित सम्बोधन गर्न सके गाउँपालिकाको विकासमा कायापलट हुन सक्ने ।                                           |
| गाउँपालिकाको युवा लक्षित वार्षिक नीति तथा कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्न सकिने ।                                                 |
| गाउँपालिकाले बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूको सहयोग र साभेदारीमा सहूलियत स्टार्ट अप व्यवसाय कर्जामा सहजीकरण गर्ने नीति अगाडि सारेको ।        |
| गैरसरकारी तथा निजी क्षेत्रसँग समन्वय गरी युवामैत्री तालिम, गोष्ठी तथा सेमिनार आयोजना गरी आय आर्जनका गतिविधिमा आबद्ध गराउन सकिने ।         |
| गाउँपालिकामा विभिन्न प्रयोगात्मक कार्यक्रमहरू आयोजना गरी युवाहरूलाई प्रतिस्पर्धात्मक तथा जागरुक बनाउन सकिने ।                             |
| उच्च तथा प्राविधिक शिक्षाका अवसरहरू गाउँपालिकामै सिर्जना गरी रोजगारीका अवसरहरू सिर्जना गर्न सकिने ।                                       |

#### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                                              |
|---------------------------------------------------------------------------------------------|
| श्रमशिल, कर्मठ र दक्ष युवा मानव संसाधन निर्माण                                              |
| लक्ष्य                                                                                      |
| गाउँपालिकाको युवा जनसंख्यालाई पूर्ण रोजगार र उच्च उत्पादनमुखी बनाउने ।                      |
| उद्देश्यहरू                                                                                 |
| ✓ श्रमशिल र सक्रिय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु |

| उद्देश्य १: श्रमशिल र सक्रिय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु |                                                                                                                                                                |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                                | कार्यनीति                                                                                                                                                      |
| १.१ युवा श्रमशक्तिको उच्चतम सदुपयोग गर्ने ।                                                           | १.१.१ पालिकाभित्र रहेका बेरोजगार व्यक्तिहरूको तथ्याङ्क संकलन गरिनेछ ।                                                                                          |
|                                                                                                       | १.१.२ बेरोजगार व्यक्तिको अद्यावधिक सूचीलाई रोजगार व्यवस्थापन सूचना प्रणालीमा प्रविष्ट गराइनेछ ।                                                                |
|                                                                                                       | १.१.३ युवा उद्यमीहरूको वडागत विवरण सङ्कलन गरी उनीहरूको थप नेतृत्व विकास तथा उद्यमशील विकास तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।                                              |
|                                                                                                       | १.१.४ विदेशबाट फर्किएका युवाहरूलाई प्राथमिकतामा राखी रोजगारमूलक प्राविधिक तालिम, प्रशिक्षण प्रदान गरि प्राविधिक उपकरण खरिदमा ऋण तथा अनुदान प्रोत्साहन गरिनेछ । |

**उद्देश्य १: श्रमशिल र सक्रिय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु**

| रणनीति                                                              | कार्यनीति                                                                                                                                                        |
|---------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|                                                                     | १.१.५ जेहेन्दार युवा उच्च शिक्षा विशेष छात्रवृत्तिको प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                                            |
|                                                                     | १.१.६ मापदण्डका आधारमा युवा Start up तथा उद्यमशिलता विकासका लागि व्याजमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।                                                                  |
|                                                                     | १.१.७ “युवा उद्यमीलाई राहत, इच्छुकामना गाउँपालिकाको साथ” भन्ने नारालाई मूर्त रुप दिन रोजगारमूलक र उत्पादनमूलक कार्यक्रममा बजेट छुट्याइनेछ ।                      |
|                                                                     | १.१.८ “हामी गछौं हाम्रो काम युवा स्वरोजगार कार्यक्रम” अगाडि बढाइनेछ ।                                                                                            |
|                                                                     | १.१.९ रोजगार सेवा केन्द्रलाई रोजगार बैङ्कको रुपमा विकास गरिनेछ ।                                                                                                 |
|                                                                     | १.१.१० पालिकाको रोजगार रणनीति तयार पारी लागु गरिनेछ ।                                                                                                            |
|                                                                     | १.१.११ पालिकाका बेरोजगारहरूलाई रोजगारदातासँग सम्झौता गरी कार्यस्थलमा आधारित रोजगार कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                    |
|                                                                     | १.१.१२ गाउँपालिका तथा वडागत आयोजनाहरू प्रधामन्त्री रोजगार कार्यक्रमसँग साभेदारी गरि आवश्यक श्रमिकहरू रोजगार सेवा केन्द्रबाट व्यवस्थापन हुने गरि सञ्चालन गरिनेछ । |
|                                                                     | १.१.१३ रोजगार Bank Portal निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                                       |
|                                                                     | १.१.१४ राष्ट्रिय परिचयपत्रसँग प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रमलाई link गरी एकद्वार प्रणालीबाट कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                           |
| १.२ युवा रोजगारका अवसरहरूको सिर्जना गरी बेराजगारी न्यूनीकरण गर्ने । | १.२.१ यसरी प्रविष्ट गरिएका बेरोजगार व्यक्तिहरूलाई पारिश्रमिकमा आधारित सामुदायिक आयोजना तथा युवा रोजगारीमा जान चाहने युवा लक्षित सहायता कक्षको प्रवन्ध गरिनेछ ।   |
|                                                                     | १.२.२ वैदेशिक रोजगारीमा जान चाहने युवा लक्षित सहायता कक्षको प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                                     |
|                                                                     | १.२.३ रोजगार सेवा केन्द्रलाई Job Hub का रूपमा विकास गरिनेछ ।                                                                                                     |
|                                                                     | १.२.४ पालिकाको रोजगार रणनीति तर्जुमा गरिनेछ ।                                                                                                                    |
|                                                                     | १.२.५ पालिकाभित्र आन्तरिक रोजगारीको अवसरहरूको पहिचान गर्न एक विशेष अध्ययन गरिनेछ ।                                                                               |
|                                                                     | १.२.६ इच्छुक युवाहरूलाई सूचना प्रविधिमा आधारित रोजगारमूलक तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                 |
|                                                                     | १.२.७ स्थानीय स्रोत उपयोग गरी रोजगार सिर्जना गरिनेछ ।                                                                                                            |

**श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा विस्तृत कार्यक्रम**

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                     | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|---------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                               | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | बेरोजगार व्यक्तिहरूको तथ्याङ्क संकलन                          | ५०                | ६०          | ७०          | ८०        | ९०          |                 |
|          |        | १.१.२     | अध्यावधिक सूचीलाई रोजगार व्यवस्थापन सूचना प्रणालीमा प्रविष्ट  |                   | १५०         |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.३     | नेतृत्व विकास तथा उद्यमशील विकास तालिम सञ्चालन                |                   | २००         | २३०         | २४०       | २५०         |                 |
|          |        | १.१.४     | प्राविधिक उपकरण खरिदमा ऋण तथा अनुदान                          | १००               | २००         | २५०         | ३००       | ३५०         |                 |
|          |        | १.१.५     | जेहेन्दार यूवा उच्च शिक्षा विशेष छात्रवृत्तिको प्रवन्ध        |                   | ५००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.६     | यूवा Start up तथा उद्यमशिलता विकासका लागि ब्याजमा अनुदान      | ५००               | ६००         | ७००         | ८००       | ९००         |                 |
|          |        | १.१.७     | रोजगारमूलक र उत्पादनमूलक कार्यक्रममा बजेट विनियोजन            | १५००              | १७००        | १९००        | २१००      | २३००        |                 |
|          |        | १.१.८     | “हामी गछौं हाम्रो काम युवा स्वरोजगार कार्यक्रम”               | २००               | २५०         | ३००         | ३५०       | ४००         |                 |
|          |        | १.१.९     | रोजगार बैङ्कको स्थापना                                        |                   | ५००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.१०    | रोजगार रणनीति तयार                                            | २००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.११    | कार्यस्थलमा आधारित रोजगार कार्यक्रम सञ्चालन                   | २००               | २१०         | २२०         | २३०       | २४०         |                 |
|          |        | १.१.१२    | वस्तुगत युवा उत्थान तथा सवलिकरण कार्यक्रम संचालन              | १००               | १२०         | १३०         | १४०       | १५०         |                 |
|          |        | १.१.१३    | रोजगार Bank Portal निर्माण                                    |                   | ३००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.१४    | एकद्वार प्रणालीमार्फत कार्यक्रम सञ्चालन                       | १५००              | १७००        | १९००        | २१००      | २३००        |                 |
| १.२      | १.२.१  |           | युवा लक्षित सहायता कक्षको प्रवन्ध                             | १२०               |             |             |           |             |                 |
|          | १.२.२  |           | वैदेशिक रोजगारीमा जान चाहने युवा लक्षित सहायता कक्षको प्रवन्ध |                   |             | २००         |           |             |                 |
|          | १.२.३  |           | रोजगार सेवा केन्द्रलाई Job Hub का रूपमा विकास                 |                   |             |             |           |             |                 |
|          | १.२.४  |           | रोजगार रणनीति तर्जुमा                                         |                   |             |             |           |             |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                          | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                    | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
|          |        | १.२.५     | आन्तरिक रोजगारीका अवसरहरूको पहिचान |                   |             | १५०         |           |             |                 |
|          |        | १.२.६     | रोजगारमूलक तालिम सञ्चालन           | ३००               | ३५०         | ४००         | ४५०       | ५००         |                 |
|          |        | १.२.७     | रोजगारी सिर्जना                    | ५००               | ६००         | ७००         | ८००       | ९००         |                 |

#### ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ सीपयुक्त अर्धदक्ष र दक्ष मानव संसाधनको विकास हुनेछ ।
- ✓ बेरोजगार युवाको जनसंख्यामा उल्लेख्य कमी आएको हुनेछ ।

#### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह           | नतिजा सूचक                                                                                  | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|----------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| १.      | युवा श्रम तथा रोजगार |                                                                                             |         |           |             |
|         | असर                  | अर्ध बेरोजगार युवा (८.६.१.१) (प.दि.वि.ल.)                                                   | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                  | बेरोजगार युवा (प्रतिशत)                                                                     | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                  | पुरुष बेरोजगार युवा (८.५.२) (प.दि.वि.ल.)                                                    | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                  | महिला बेरोजगार युवा                                                                         | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                  | महिला कामदारको प्रतिघण्टा औषत आम्दानी (८.५.१) (प.दि.वि.ल.)                                  | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                  | पुरुष कामदारको प्रतिघण्टा औषत आम्दानी (८.५.१) (प.दि.वि.ल.)                                  | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                  | प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत दर्ता भएका बेरोजगारको संख्या (८.५.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                                          | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
|         | असर        | यूवा रोजगारीका लागि विशेष रूपमा कार्यान्वयन भएका कार्यक्रम संख्या (८.ख.१) (प.दि.वि.ल.)              | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | यूवा लक्षित विशेष Career Counselling तथा Entrepreneurship तालिम                                     | संख्या  |           |             |
|         | असर        | १५-२४ वर्षका कुनै प्रकारको शिक्षा, तालिम वा रोजगारीमा संलग्न नभएका यूवा संख्या (८.६.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | रोजगार युवा (प्रतिशत)                                                                               | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | पुरुष रोजगार युवा                                                                                   | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | महिला रोजगार युवा                                                                                   | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | न्यूनतम रोजगारीका लागि विदेशिने युवाहरू                                                             | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | आफ्नै स्वामित्वमा उद्योग भएका युवा उद्यमीहरूको                                                      | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | महिला युवा उद्यमीहरूको                                                                              | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | स्नातक तह उत्तीर्ण गर्न नसकि अध्ययन छाडेका युवाको                                                   | संख्या  |           |             |
|         | असर        | कामअनुसारको पारिश्रमिक वा आम्दानीबाट बञ्चित युवाको प्रतिशत                                          | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | कामअनुसारको पारिश्रमिक वा आम्दानीबाट सन्तुष्ट युवाको प्रतिशत                                        | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | दुर्व्यसनमा फसेका युवाको प्रतिशत                                                                    | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | दुर्व्यसन सुधार गृह                                                                                 | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | जटिल प्रकारका रोगबाट ग्रसित युवाको संख्या                                                           | संख्या  |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                                                 | इकाई   | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------|-----------|-------------|
|         | प्रतिफल    | अपराधिक कार्यमा संलग्न युवाको संख्या                                                                       | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | राष्ट्रिय रूपमा ख्याती प्राप्त युवाको संख्या<br>(कलाकारिता, नेतृत्व, उद्यमी, खेलकुद, अध्ययन अनुसन्धान आदि) | संख्या |           |             |

#### च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ४.५.२ सामाजिक सुरक्षा

### क) पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानको धारा ४३ मा मौलिक हक अन्तर्गत सामाजिक सुरक्षाको हकको व्यवस्था गरिएको छ। जस अनुसार आर्थिक रूपले विपन्न, अशक्त र असहाय अवस्थामा रहेका, एकल महिला, अपाङ्गता भएका, बालबालिका, आफ्नो हेरचाह आफैं गर्न नसक्ने तथा लोपोन्मुख जातिका नागरिकलाई कानून बमोजिम सामाजिक सुरक्षाको हक हुनेछ भनी स्पष्ट पारिएको छ। अर्कोतर्फ स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ ले संघ र प्रदेश कानूनको अधिनमा रही सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमको कार्यान्वयन, सञ्चालन तथा व्यवस्थापन गर्ने अधिकार स्थानीय सरकारलाई प्रदान गरेको छ।

गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँको जम्मा जनसंख्या मध्ये १३,८६५ अर्थात् ४९.४२ प्रतिशत महिलाको जनसंख्या रहेको छ। यसैगरी गाउँपालिकामा १४ वर्ष मुनीका बालबालिकाको संख्या ६,५८६ रहेकोमा ३,३८२ जना बालक र ३,२०३ जना बालिकाहरु रहेका छन्। यहाँ ७५ वर्ष उमेर समूह भन्दा माथिका व्यक्तिहरुको संख्या ६७७ रहेकोमा ३५८ जना पुरुष र ३१९ जना महिलाहरु रहेका छन्। यहाँको जम्मा जनसंख्या मध्ये २९९ जना अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरु रहेका छन्।

### ख) समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- सामाजिक सुरक्षाका कार्यक्रमहरू लक्षित समुदायमा केन्द्रित भई पूर्ण प्रभावकारी र संस्थागत हुन नसक्नु।
- सामाजिक सुरक्षाले समेट्नु पर्ने वर्गलाई समेट्न एकीकृत सूचना प्रणालीको व्यवस्था नहुनु साथै त्यस्ता वर्ग छुट्न जानु।
- हाल प्राप्त भैरहेको सामाजिक सुरक्षा भत्ताको रकम जीवन निर्वाहका लागि आवश्यक न्यूनतम सहयोग समेत नपुग्ने रकम भएकाले नाम मात्रको सामाजिक सुरक्षा हुनु।

### ग) सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- स्थानीय तहलाई सामाजिक सुरक्षाको अधिकार प्राप्त हुनु।
- नेपाल सरकारले सामाजिक सुरक्षाको विषयलाई प्राथमिकता प्रदान गर्नु।
- योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमको सुरुवात हुनु।
- सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धी जनचेतनामा समेत वृद्धि हुनु।
- सामाजिक सुरक्षा मौलिक हकको रूपमा स्थापित हुनु।
- गाउँपालिकाले समाजमा पछाडी परेका वर्ग तथा समुदायलाई प्याकेजमा सहयोग उपलब्ध गराउने नीति अगाडी सारेको।
- गाउँपालिकाले ज्येष्ठ नागरिक तथा अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुलाई सहायक सामग्री उपलब्ध गराउने नीति अगाडी सारेको।

### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

#### दीर्घकालीन सोच

अशक्त अवस्थामा, निश्चिन्तता सामाजिक सुरक्षा

| लक्ष्य                                                                                                         |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| असक्षम र अशक्त भई जीवन निर्वाह गर्न नसक्ने अवस्थाका सबैलाई राज्यद्वारा अभिभावकत्व प्रदान गर्ने ।               |
| उद्देश्यहरू                                                                                                    |
| ✓ सामाजिक जीवनमा विभिन्न कारणले असक्षम र अशक्त भई अरुको सहाराको आवश्यकता पर्ने सबैलाई राज्यद्वारा सहारा दिनु । |

उद्देश्य १. सामाजिक जीवनमा विभिन्न कारणले असक्षम र अशक्त भई अरुको सहाराको आवश्यकता पर्ने सबैलाई राज्यद्वारा सहारा दिनु ।

| रणनीति                                                                                       | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                                                                                        |
|----------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १.१ सामाजिक सुरक्षाको आवश्यकता पर्ने सम्पूर्ण नागरिकको पहिचान गर्ने संयन्त्र निर्माण गर्ने । | १.१.१ सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रममा समेटिने वर्गको परिभाषा र मापदण्ड संघीय र प्रादेशिक सरकारको नीति र कानूनको अधिनमा रही निर्माण गर्ने र सो को आधारमा त्यस्ता व्यक्तिहरूको व्यक्तिगत विवरण तयार पारी सूचना प्रणालीमा आवद्ध गरिनेछ ।                                                |
|                                                                                              | १.१.२ सामाजिक सुरक्षाका प्रकारहरू निश्चित गरी आवश्यकता र संवेदनशीलताका आधारमा तहहरू छुट्याइनेछ । यसरी संवेदनशीलताको तह बमोजिम सुरक्षाको प्रकार, निश्चय गरिनुका साथै मापदण्ड र विद्यमान ऐन कानूनको परिधिमा रही सामाजिक सुरक्षाको दायरा वृद्धि गर्न स्रोतका आधारमा अध्ययन गरिनेछ । |
|                                                                                              | १.१.३ योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था लागू गर्न आवश्यक तयारी अध्ययन गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                            |
|                                                                                              | १.१.४ निजी र अनौपचारिक क्षेत्रमा काम गर्ने श्रमिक तथा अन्य जनशक्तिलाई योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध गर्न निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया गरिनेछ ।                                                                                                                          |
|                                                                                              | १.१.५ सामाजिक सुरक्षाका विषयमा जनचेतनामूलक कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                                             |

#### सामाजिक सुरक्षाको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                    | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                              | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | सामाजिक सुरक्षा तथ्याङ्क व्यवस्थापन प्रणाली निर्माण                          |                   | १००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.२     | सामाजिक सुरक्षाका प्रकृति र तहहरूको निर्यात गर्ने र दायरा वृद्धि गर्न अध्ययन | ८०                |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.३     | योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थित गर्न तयारी                         |                   | ५०          |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.४     | निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया                                                  | ३०                | ३०          | ३०          | ३०        | ३०          |                 |
|          |        | १.१.५     | जनचेतनामूलक कार्यक्रम संचालन                                                 | ४०                | ४०          | ४०          | ४०        | ४०          |                 |

#### ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ नागरिकहरूमा सामाजिक सुरक्षा पाउनु मौलिक हक हो र यसमा सक्रिय जीवनमा सहयोग गर्नुपर्छ भन्ने जनचेतनाको विकास हुनेछ ।
- ✓ असक्षम, अशक्त र असहाय अवस्थाका सबै नागरिकलाई राज्यले सामाजिक सुरक्षाको सहारा सुनिश्चित गरेको हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                          | इकाई   | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|-----------------------------------------------------|--------|-----------|-------------|
| १.      |            | सामाजिक सुरक्षा                                     |        |           |             |
|         | असर        | सामाजिक सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति                     | संख्या |           |             |
|         | असर        | योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षामा समेटिएको जनसंख्या | संख्या |           |             |

## परिच्छेद - ५: सामाजिक क्षेत्र

### ५.१ स्वास्थ्य तथा पोषण

#### ५.१.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानको धारा ३५ मा स्वास्थ्य सम्बन्धी हकलाई मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरिएको छ। उपधारा १ मा प्रत्येक नागरिकलाई राज्यबाट आधारभूत स्वास्थ्य सेवा निःशुल्क प्राप्त गर्ने हक हुनेछ र कसैलाई पनि आकस्मिक स्वास्थ्य सेवाबाट वञ्चित गरिने छैन भनि उल्लेख गरिएको छ। यसै हकको कार्यान्वयन गराउने दायित्व स्थानीय सरकारको भएकोले गाउँपालिकामा आधारभूत स्वास्थ्य पूर्वाधार र सेवाहरूको प्रवन्ध हुन अपरिहार्य छ।

गाउँपालिकामा हाल सामान्यस्तरको स्वास्थ्य सेवाहरू यहाँ रहेका विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाहरू मार्फत प्रदान भइरहेको पाइन्छ। गाउँपालिकाबाट प्राप्त पछिल्लो तथ्याङ्क अनुसार यहाँ ४ वटा स्वास्थ्य चौकी, ४ वटा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र, ३ वटा सामुदायिक स्वास्थ्य इकाई सहित १ वटा आधारभूत अस्पताल संचालनमा रहेका छन्। यसका अलावा २० वटा खोप केन्द्र, गाउँघर क्लिनिक ७ स्थानमा, १ ट्रमा अस्पताल, १ आयुर्वेद आरोग्य केन्द्रका साथै ११ वटै स्वास्थ्य संस्थामा घुम्ती शिविर संचालनको कार्यहरू निरन्तर रूपमा संचालनमा रहेका छन्। यहाँ निजी तर्फ सामुदायिक हाइवे अस्पताल, जनता हाइवे अस्पताल, पोलिक्लिनिक २ वटा र १० वटा मेडिकल सेन्टरहरू संचालनमा रहेका छन्।

#### ५.१.२ समस्या तथा चुनौती

##### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- स्वास्थ्य चेतना अभावका कारण बालबालिका, महिला तथा प्रजनन स्वास्थ्य, ज्येष्ठ नागरिकहरूको स्वास्थ्य र समग्र सामुदायिक स्वास्थ्य जोखिममा पर्न सक्ने।
- समग्र स्वास्थ्य क्षेत्रको सुधारका लागि ठूलो आकारको बजेट तथा कर्मचारी र विशेषज्ञहरूको प्रवन्ध गर्न चुनौती रहेको।
- आधारभूत तहबाट नै पूर्वाधारहरूको विकास गर्न ठूलो बजेटको व्यवस्थापन गर्ने चुनौती रहेको।
- खेतबारीमा प्रयोग गरिने किटनाशक विषादी, भारनाशक विषादी लगायतले मानवीय स्वास्थ्यमा समेत असर पार्ने भएकाले न्यूनीकरण चुनौतीपूर्ण रहेको।
- नसर्ने रोगहरू जस्तै क्यान्सर, मधुमेह, मुटुरोग जस्ता रोगहरूको न्यूनीकरणमा चुनौती रहेको।

#### ५.१.३ सम्भावना तथा अवसर

##### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाले सुलभ स्वास्थ्य सेवा नागरिकलाई टेवा अभियान अन्तर्गत इच्छाकामना आधारभूत अस्पतालको निर्माणलाई तीव्रता दिने नीति अगाडि सारेको।
- गाउँपालिकाका स्वास्थ्य संस्थाहरूबाट खोप सेवा, परिवार नियोजन सेवा लगायत स्वास्थ्यका विभिन्न आधारभूत सेवा उपलब्ध हुँदै आएको।
- प्रत्येक वडामा स्वास्थ्य स्वयमसेविका मार्फत परिवार नियोजन सेवा, प्रजनन तथा प्रसूती सेवा तथा पोषण सेवा सञ्चालनमा रहेका।
- एम्बुलेन्स सेवा विस्तार गरी ज्येष्ठ नागरिक तथा गर्भवती महिलालाई सुत्केरी हुने बेलामा गाउँपालिकाबाट निःशुल्क एम्बुलेन्स सेवा प्रदान गर्न सकिने।
- गाउँपालिकाले ज्येष्ठ नागरिक, बालबालिका र गर्भवती महिलाहरूको नियमित स्वास्थ्य परीक्षणको प्रभावकारी व्यवस्था मिलाउने नीति अगाडि सारेको।

| सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                      |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| गाउँपालिकाले २४ सै घण्टा प्रयोगशाला सेवा सहितको चिकित्सकीय सेवालाई थप सुदृढीकरण गर्ने नीति अगाडि सारेको ।                                |
| वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति जस्तै जडीबुटी, होमियोप्याथी, प्राकृतिक चिकित्सा तथा योग तथा ध्यान केन्द्रको व्यवस्था गर्न सकिने ।               |
| विद्यमान स्वास्थ्य पूर्वाधारहरूलाई स्तरोन्नति गरी तिनीहरूको सेवा प्रभावकारी बनाउन सकिने ।                                                |
| खोप केन्द्रलाई चुस्त दुरुस्त बनाउन सकिने ।                                                                                               |
| प्रत्येक वडामा बर्थिङ सेन्टरहरू निर्माण गरी सेवा प्रदान गर्न सकिने ।                                                                     |
| गाउँपालिकाले “रक्तदान जीवनदान” भन्ने नाराका साथ गाउँपालिकाद्वारा विभिन्न अवसरहरू रक्तदान शिविर सञ्चालन गर्ने नीति अगाडि सारेको ।         |
| प्रत्येक वडामा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र निर्माण गरी गाउँपालिकावासीमा स्वास्थ्य सेवाको पहुँच विकास गर्न सकिने ।                     |
| गाउँपालिकाले स्वास्थ्य संस्थाहरूको सुदृढीकरणका लागि सूचक सहितको कार्ययोजना तयार गरी कार्यान्वयनमा ल्याउने नीति अगाडि सारेको ।            |
| महिला स्वास्थ्य स्वयंसेवीलाई थप सबलीकरण गरी स्वास्थ्य सेवामा परिचालन गर्न सकिने ।                                                        |
| गाउँपालिकाले विशेषज्ञ सहितको निशुल्क स्वास्थ्य शिविर वडा तहसम्म सञ्चालन गरी जटिल एवं कडा रोगको उपचारमा सहजता ल्याउने नीति अगाडि सारेको । |

#### ५.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                                    |
|-----------------------------------------------------------------------------------|
| घरदैलो मै आधारभूत स्वास्थ्य सेवाको सुनिश्चितता                                    |
| लक्ष्य                                                                            |
| आगामी पाँच वर्ष भित्र आधारभूत स्वास्थ्य पूर्वाधार निर्माण सम्पन्न गर्ने ।         |
| उद्देश्यहरू                                                                       |
| ✓ आधारभूत चिकित्सकीय स्वास्थ्य सेवामा सहज पहुँच तथा गुणस्तरीयता अभिवृद्धि गर्नु । |

| उद्देश्य १: आकस्मिक र आधारभूत स्वास्थ्य सेवा गाउँपालिका मै उपलब्ध गराउनु । |                                                                                                                 |
|----------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                     | कार्यनीति                                                                                                       |
| १.१ आधारभूत स्वास्थ्य पूर्वाधार निर्माण गर्ने ।                            | १.१.१ प्रत्येक वडामा रहेका स्वास्थ्य संस्थाहरूको क्रमशः स्तरोन्नति गरिनेछ ।                                     |
|                                                                            | १.१.२ इच्छुकामना आधारभूत अस्पतालको यथासक्य कार्य सम्पन्न गरिनेछ ।                                               |
|                                                                            | १.१.३ गाउँपालिकास्तरीय एक प्रयोगशाला डाइग्नोस्टिक (Diagnostic) ल्याबको निर्माण गरिनेछ ।                         |
|                                                                            | १.१.४ आधारभूत अस्पतालमा एक सुविधा सम्पन्न आकस्मिक उपचार कक्षको निर्माण गरिनेछ ।                                 |
|                                                                            | १.१.५ आधारभूत अस्पताल अन्तर्गत एक २४ सै घण्टा सेवा सञ्चालन हुने प्रसूति सेवा केन्द्र निर्माण गरिनेछ ।           |
|                                                                            | १.१.६ पालिकास्तरीय अस्पतालबाट बाल उपचार सेवा सञ्चालन गरिनेछ ।                                                   |
|                                                                            | १.१.७ गाउँपालिका भर समेट्ने गरी आवश्यक संख्यामा २४ सै घण्टा सेवा उपलब्ध हुने एम्बुलेन्स सेवाको प्रवन्ध गरिनेछ । |

| उद्देश्य १: आकस्मिक र आधारभूत स्वास्थ्य सेवा गाउँपालिका मै उपलब्ध गराउनु । |                                                                                                                                            |
|----------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                     | कार्यनीति                                                                                                                                  |
|                                                                            | १.१.८ गाउँपालिकामा रहेका सबै स्वास्थ्य संस्थाहरुबाट प्रजनन सेवा, परिवार नियोजन तथा सुरक्षित गर्भपतन सेवा प्रदान गरिनेछ ।                   |
|                                                                            | १.१.९ गाउँपालिकास्तरीय अस्पतालबाट मनोपरामर्श सेवा प्रदान गरिनेछ ।                                                                          |
|                                                                            | १.१.१० गाउँपालिकास्तरीय अस्पतालबाट दन्त उपचार सेवा प्रदान गरिनेछ ।                                                                         |
|                                                                            | १.१.११ कोल्ड चेन व्यवस्थापन गरिनेछ ।                                                                                                       |
|                                                                            | १.१.१२ गाउँपालिकास्तरीय अस्पतालबाट नाक, कान, घाँटी उपचार सेवा प्रदान गरिनेछ ।                                                              |
|                                                                            | १.१.१३ गाउँपालिकास्तरीय अस्पतालबाट आँखा उपचार सेवा प्रदान गरिनेछ ।                                                                         |
|                                                                            | १.१.१४ गाउँपालिकास्तरीय अस्पतालबाट छाला तथा यौन रोग सेवा प्रदान गरिनेछ ।                                                                   |
|                                                                            | १.१.१५ गाउँपालिकास्तरीय अस्पतालबाट सामान्य शल्यचिकित्सा सेवा प्रदान गरिनेछ ।                                                               |
|                                                                            | १.१.१६ गाउँपालिकास्तरीय अस्पतालबाट रेडियोलोजी सेवा प्रदान गरिनेछ ।                                                                         |
|                                                                            | १.१.१७ गाउँपालिकास्तरीय अस्पतालबाट अल्ट्रासोनोग्राफी सेवा प्रदान गरिनेछ ।                                                                  |
|                                                                            | १.१.१८ गाउँपालिकास्तरीय अस्पतालबाट इ.सि.जी. सेवा प्रदान गरिनेछ ।                                                                           |
|                                                                            | १.१.१९ गाउँपालिकामा एक ट्रमा सेवा इकाई निर्माणको पहल गरिनेछ ।                                                                              |
|                                                                            | १.१.२० गाउँपालिकास्तरीय अस्पतालको व्यवस्थापनलाई सुदृढ पारिनेछ ।                                                                            |
|                                                                            | १.१.२१ गाउँपालिकास्तरीय अस्पतालबाट क्यान्सर रोग पहिचानको लागि आवश्यक उपकरण तथा जनशक्तिको व्यवस्था गरिनेछ ।                                 |
|                                                                            | १.१.२२ गाउँपालिकास्तरीय अस्पतालमा एक फिजियोथेरापी सेवा र सर्पदंश उपचार केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।                                            |
| १.२ स्वास्थ्यकर्मीको दरबन्दी व्यवस्थापन तथा क्षमता विकास गर्ने ।           | १.२.१ गाउँपालिकामा स्वीकृत संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण प्रतिवेदन बमोजिम आवश्यक दक्ष स्वास्थ्यकर्मीको दरबन्दी व्यवस्थापन गरिनेछ ।        |
|                                                                            | १.२.२ महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविकाको क्षमता अभिवृद्धि तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                |
|                                                                            | १.२.३ ६० वर्ष उमेर पुरा भएका महिला स्वास्थ्य स्वयं सेविकालाई सम्मान तथा बिदाई गरिनेछ ।                                                     |
|                                                                            | १.२.४ सम्पूर्ण स्वास्थ्यकर्मीहरूलाई क्षमता विकास सम्बन्धी नियमित तालिमको प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                  |
|                                                                            | १.२.५ गाउँपालिकामा संचालित सरकारी एवं निजी स्वास्थ्य संस्थाहरुको अनुगमन तथा नियमन गरि गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवाको अधिकार सुनिश्चित गरिनेछ । |
| १.३ आधारभूत स्वास्थ्य सेवाबाट अति विपन्न र आम नागरिकलाई बञ्चित हुन नदिने । | १.३.१ अति विपन्न तथा आम नागरिकको आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा पहुँच सुनिश्चित गर्न स्वास्थ्य बीमामा मापदण्डका आधारमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।    |
|                                                                            | १.३.२ वडास्तरमा नियमित निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                      |
|                                                                            | १.३.३ निःशुल्क वितरण गरिने औषधीको आपूर्ति र भण्डारण प्रणाली चुस्त र दुरुस्त पारिनेछ ।                                                      |

| उद्देश्य १: आकस्मिक र आधारभूत स्वास्थ्य सेवा गाउँपालिका मै उपलब्ध गराउनु । |                                                                                                                                                                     |
|----------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                     | कार्यनीति                                                                                                                                                           |
|                                                                            | १.३.४ खोप तथा गाउँघर क्लिनिक व्यवस्थापन गरिनेछ ।                                                                                                                    |
|                                                                            | १.३.५ अति विपन्न तथा विपन्न परिवारमा सुनौलो हजार दिनमा शिशु र आमाको पोषण पूरा गर्न पोषण प्याकेजको निर्माण गरिनेछ ।                                                  |
|                                                                            | १.३.६ बालबालिकाको नियमित तौल र उचाई समेत जाँच्ने प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                                                   |
|                                                                            | १.३.७ २ वर्ष मुनीका बालबालिकाहरूलाई खोप तालिका अनुसार खोप प्रदान गरी पूर्ण खोप सुनिश्चित गाउँपालिका घोषणा गरिनेछ ।                                                  |
|                                                                            | १.३.८ ज्येष्ठ नागरिक विशेष निःशुल्क घुम्ती स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                    |
|                                                                            | १.३.९ वडास्तरीय महिला प्रजनन स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                  |
|                                                                            | १.३.१० दक्ष प्रसूतिकर्मीद्वारा स्वास्थ्य संस्थामा नै सुत्केरी गराउन विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                |
|                                                                            | १.३.११ प्रोटोकल अनुसार गर्भवती महिला लक्षित विशेष प्याकेज निर्माण गरिनेछ ।                                                                                          |
|                                                                            | १.३.१२ प्रोटोकल अनुसार शिशुको जन्म पश्चात कम्तीमा ३ पटक स्वास्थ्य जाँच गराउन विशेष सुत्केरी प्याकेज निर्माण गरिनेछ ।                                                |
|                                                                            | १.३.१३ बालबालिका विशेष पुङ्कोपना, कमतौल, रक्तअल्पता र कुपोषण जाँच निशुल्क शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                    |
|                                                                            | १.३.१४ महिलाको आड खस्ने र पाठेघरको क्यान्सर सम्बन्धी स्वास्थ्य जाँच शिविर नियमित रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।                                                             |
|                                                                            | १.३.१५ HIV AIDS रोगीलाई Antiviral औषधीको उपलब्धता सुनिश्चित गरिनेछ ।                                                                                                |
|                                                                            | १.३.१६ विपन्न, उत्पीडित, सुकुम्बासी, विपन्न समुदायका महिलाहरूलाई सुत्केरी हुन अस्पताल जाँदा एम्बुलेन्स खर्चमा शत प्रतिशत छुट दिइनेछ ।                               |
|                                                                            | १.३.१७ दलित, असहाय र अपाङ्गका लागि गाउँपालिकाले स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम अगाडि वनाउनेछ ।                                                                            |
|                                                                            | १.३.१८ स्वास्थ्यमा पालिकावासीको पहुँच सुनिश्चित गर्न जनस्वास्थ्य प्रवर्द्धन कार्यक्रममा विशेष जोड दिनुका साथै यसमा संलग्न जनशक्तिलाई प्रोत्साहनको व्यवस्था गरिनेछ । |

| उद्देश्य २ : स्वास्थ्य चेतना र आहार विहारमा सुधार ल्याई प्रवर्द्धनात्मक र निरोधात्मक जनस्वास्थ्य सुदृढ गर्नु । |                                                                                                                                                               |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                                         | कार्यनीति                                                                                                                                                     |
| २.१ स्वास्थ्य प्रति सचेत नागरिक निर्माण गर्न व्यापक जनचेतना जागरण अभियान सञ्चालन गर्ने ।                       | २.१.१ स्थानीय सञ्चार माध्यम तथा सामाजिक सञ्जालमार्फत गाउँपालिका सक्रियतामा व्यक्तिगत स्वास्थ्य तथा स्वस्थ व्यवहार सम्बन्धी सामग्रीहरू नियमित प्रसारण गरिनेछ । |
|                                                                                                                | २.१.२ प्रत्येक सघन बस्ती भएका टोलहरूमा योग साधना तथा प्रवचन केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।                                                                          |

| उद्देश्य २ : स्वास्थ्य चेतना र आहार विहारमा सुधार ल्याई प्रवर्द्धनात्मक र निरोधात्मक जनस्वास्थ्य सुदृढ गर्नु । |                                                                                                                                                                                       |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                                         | कार्यनीति                                                                                                                                                                             |
|                                                                                                                | २.१.३ शारीरिक व्यायाम वा श्रमको स्वास्थ्यमा पर्ने सकारात्मक असर बारे नियमित जनचेतना फैलाउन सञ्चार माध्यमसँग सहकार्य गरिनेछ ।                                                          |
|                                                                                                                | २.१.४ धुम्रपान र मद्यपानलाई नियन्त्रण र कम गर्न निश्चित अवधि वा स्थानबाट बिक्री वितरण हुने व्यवस्था मिलाई जनचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ ।                                                  |
|                                                                                                                | २.१.५ लागु औषध तथा दुर्व्यसन नियन्त्रण सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                |
|                                                                                                                | २.१.६ आफ्नै घरआँगन र करेसावारीमा उपलब्ध हुने सागसब्जी, फलफुल र खाद्यान्नहरूको पोषणको स्तर तथा सन्तुलित भोजनका बारेमा विद्यालयस्तरमा नियमित रूपमा चेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
|                                                                                                                | २.१.७ बहुक्षेत्रीय पोषण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                    |
|                                                                                                                | २.१.८ आम नागरिकलाई नियमित सम्पूर्ण स्वास्थ्य जाँचका फाईदाबारे व्यापक प्रचार प्रसार गरिनेछ ।                                                                                           |
|                                                                                                                | २.१.९ कुष्ठरोग, कालाजार, हात्तीपाइले, डेङ्गु लगायतका रोगहरुबाट बच्न विशेष जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                      |
|                                                                                                                | २.१.१० मनोसामाजिक परामर्श सेवाका कार्यक्रमहरुलाई अभियानका रूपमा वडास्तरमा सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                            |
|                                                                                                                | २.१.११ सडक दुर्घटना न्यूनीकरण गर्न ट्राफिक तथा स्थानीय संघ संस्थासँग अन्तर्क्रिया गरी व्यापक जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                   |
|                                                                                                                | २.१.१२ प्रत्येक स्वास्थ्य संस्थामा बालबालिका पोषणयुक्त आहाराको सुनिश्चितता गरिनेछ ।                                                                                                   |
|                                                                                                                | २.१.१३ सुर्तीजन्य पदार्थ निषेधित गाउँपालिका घोषणा गर्न आवश्यक कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।                                                                                               |
|                                                                                                                | २.१.१४ सरुवा तथा भेक्टरजन्य रोग रोकथामका लागि आवश्यक तयारी एवं समुदाय परिचालन लगायतका एकीकृत कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                               |
| २.२ वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतिको विकास र त्यसको अवलम्बन गरी जनस्वास्थ्य सुदृढ गर्ने ।                            | २.१.१५ गाउँपालिकालाई क्षयरोग मुक्त पालिका घोषणाका लागि कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                     |
|                                                                                                                | २.२.१ स्थानीयस्तरमा रहेका धामी, लामा भौकी तथा बैद्यहरुलाई विज्ञान सिद्ध स्वास्थ्य चेतना फैलाउन विशेष तालिम प्याकेज निर्माण गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।                                   |
|                                                                                                                | २.२.२ गाउँपालिकास्तरीय नागरिक आरोग्य सेवा केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।                                                                                                                    |
|                                                                                                                | २.२.३ दिर्घरोगीहरुलाई मापदण्डका आधारमा उपचार सहायता रकम वितरण गरिनेछ ।                                                                                                                |

| उद्देश्य ३: विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम सञ्चालन गर्नु । |                                                                                                                                                            |
|----------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                   | कार्यनीति                                                                                                                                                  |
| ३.१ विद्यार्थीको स्वास्थ्यलाई प्राथमिकतामा राख्नु ।      | ३.१.१ विद्यार्थीहरुको समग्र स्वास्थ्य स्थितिको लेखाजोखा हुने गरी स्वास्थ्य कार्ड वितरण गरिनेछ साथै पूर्ण खोपकार्ड, विद्यालय भर्नाको लागि अनिवार्य गरिनेछ । |
|                                                          | ३.१.२ एक विद्यालय एक स्वास्थ्यकर्मी कार्यक्रमलाई सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                          |
|                                                          | ३.१.३ विद्यालयमा जङ्गफुड निषेध गर्न विद्यालय व्यवस्थापन तथा अभिभावकसँग नियमित अन्तरक्रिया गरिनेछ ।                                                         |

| उद्देश्य ३: विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम सञ्चालन गर्नु । |                                                                                                                  |
|----------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                   | कार्यनीति                                                                                                        |
|                                                          | ३.१.४ हरेक विद्यालयमा प्राथमिक उपचार कक्ष व्यवस्थापन गरिनेछ ।                                                    |
|                                                          | ३.१.५ हरेक विद्यालयमा महिनावारी विश्राम कक्ष निर्माण गरिनेछ ।                                                    |
|                                                          | ३.१.६ प्रत्येक वर्ष विद्यालयमा आँखा तथा कान सम्बन्धी स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।                            |
|                                                          | ३.१.७ प्रत्येक वर्ष विद्यालयमा बालविवाह तथा लागु औषध दुर्व्यसन न्यूनीकरणका लागि स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन गरिनेछ । |

### स्वास्थ्य तथा पोषणको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                               | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|-----------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                         | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | स्वास्थ्य संस्थाहरूको स्तरोन्नति                                                        | १०००              | १५००        | १५००        | १५००      | १५००        |                 |
|          |        | १.१.२     | पालिकास्तरीय अस्पतालको स्तरोन्नति                                                       |                   | २५००        | ३०००        |           |             |                 |
|          |        | १.१.३     | गाउँपालिकास्तरीय ल्याबको व्यवस्था                                                       | ५००               | ५००         | ५००         | ५००       | ५००         |                 |
|          |        | १.१.४     | सुविधा सम्पन्न आकस्मिक उपचार कक्ष निर्माण                                               | ५००               | ५००         | ५००         | ५००       | ५००         |                 |
|          |        | १.१.५     | २४ सै घण्टा सेवा सञ्चालन हुने प्रसूती सेवा केन्द्र निर्माण                              | ५००               | ५००         | ५००         | ६००       | ६५०         |                 |
|          |        | १.१.६     | पालिकास्तरीय अस्पतालमा बाल उपचार सेवा सञ्चालन                                           |                   |             | ७००         |           |             |                 |
|          |        | १.१.७     | २४ सै घण्टा सञ्चालन हुने एम्बुलेन्स सेवाको व्यवस्था                                     | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          |        | १.१.८     | स्वास्थ्य संस्थाहरूमा प्रजनन सेवा, परिवार नियोजन तथा सुरक्षित गर्भपतन सेवा इकाई स्थापना | ५००               | ५००         | १५००        | ५००       | ५००         |                 |
|          |        | १.१.९     | मनोपरामर्श सेवा केन्द्र स्थापना                                                         | ३००               | ३००         | ३००         | ३००       | ३००         |                 |
|          |        | १.१.१०    | दन्त उपचार सेवा केन्द्र स्थापना                                                         | ५००               | ६००         | ७००         | ८००       | ९००         |                 |
|          |        | १.१.११    | कोल्ड चेन व्यवस्थापन                                                                    | १००               | ११०         | १२०         | १३०       | १४०         |                 |
|          |        | १.१.१२    | नाक, कान, घाँटी उपचार इकाई निर्माण                                                      |                   | २००         | ५००         |           |             |                 |
|          |        | १.१.१३    | आँखा उपचार इकाई निर्माण                                                                 |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.१४    | छाला तथा यौन रोग इकाई निर्माण                                                           |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.१५    | सामान्य शल्यचिकित्सा इकाई निर्माण                                                       |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.१६    | रेडियोलोजी सेवा इकाई निर्माण                                                            |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.१७    | अल्ट्रासोनोग्राफी इकाई निर्माण                                                          |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.१८    | इ.सि.जी. सेवा इकाई निर्माण                                                              |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.१९    | एक प्राथमिक ट्रमा सेवा इकाई निर्माणको पहल                                               |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.२०    | पालिका अस्पतालको थप व्यवस्थापन                                                          |                   |             |             |           |             |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                     | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|-------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                               | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | १.१.२१    | पालिका अस्पतालबाट क्यान्सर रोग पहिचानको व्यवस्था                              |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.२२    | गाउँपालिकास्तरीय अस्पतालमा फिजिओथेरापी सेवा र र सर्पदंश उपचार केन्द्र निर्माण |                   |             |             |           |            |                 |
|          | १.२    | १.२.१     | स्वास्थ्यकर्मीको दरबन्दी व्यवस्था                                             | ३००००             | ३००००       | ३५०००       | ३५०००     | ४००००      |                 |
|          |        | १.२.२     | महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविका क्षमता अभिवृद्धि तालिम                            | ५००               | ५२०         | ५४०         | ५६०       | ५८०        |                 |
|          |        | १.२.३     | ६० वर्ष उमेर पुरा भएका महिला स्वास्थ्य स्वयं सेविकालाई सम्मान                 |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.२.४     | स्वास्थ्यकर्मीलाई क्षमता विकास सम्बन्धी तालिमको व्यवस्था                      | ५००               | ५२०         | ५४०         | ५६०       | ५८०        |                 |
|          |        | १.२.५     | गाउँपालिकामा संचालित सरकारी एवं निजी स्वास्थ्य संस्थाहरुको अनुगमन तथा नियमन   | ५०                | ६०          | ७०          | ८०        | ९०         |                 |
|          | १.३    | १.३.१     | स्वास्थ्य बीमामा अनुदान                                                       | ४०००              | ४२००        | ४४००        | ४६००      | ४८००       |                 |
|          |        | १.३.२     | वडास्तरीय निशुल्क स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन                                     | ५००               | ५५०         | ६००         | ६५०       | ७००        |                 |
|          |        | १.३.३     | निःशुल्क वितरण हुने औषधीको नियमित आपूर्ति तथा भण्डारण                         | ५००               | ६००         | ८००         | ९००       | १०००       |                 |
|          |        | १.३.४     | खोप तथा गाउँघर क्लिनिक व्यवस्थापन                                             | १५०               | १७०         | १९०         | २००       | २००        |                 |
|          |        | १.३.५     | अति विपन्न तथा विपन्न परिवारका सुत्केरी महिलालाई पोषण प्याकेज निर्माण         |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.६     | बालबालिकाको नियमित तौल र उचाई जाँच्ने व्यवस्था                                |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.७     | पूर्ण खोप सुनिश्चित गाउँपालिका घोषणा                                          |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.८     | ज्येष्ठ नागरिक विशेष निःशुल्क घुम्ती स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालन             |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.९     | वडास्तरीय महिला प्रजनन स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालन                           |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.१०    | दक्ष प्रसूतीकर्मीद्वारा सुत्केरी विशेष कार्यक्रम                              |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.११    | गर्भवती महिला लक्षित विशेष प्याकेज निर्माण                                    |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.१२    | विशेष सुत्केरी प्याकेज निर्माण                                                |                   |             |             |           |            |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                                     | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|-----------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                               | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | १.३.१३    | बालबालिका विशेष पुङ्कोपना, कमतौल, रक्तअल्पता र कुपोषण जाँच निशुल्क शिविर सञ्चालन              |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.१४    | महिलाको आङ्ग खस्ने र पाठेघरको क्यान्सर सम्बन्धी स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन                       |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.१५    | HIV AIDS रोगीलाई Antiviral औषधीको उपलब्धता                                                    |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.१६    | विपन्न, उत्पीडित, सुकुम्बासी, विपन्न समुदायका महिलालाई एम्बुलेन्स खर्चमा छुटको व्यवस्था       |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.१७    | दलित, असहाय र अपाङ्गका लागि स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम                                          |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.१८    | जनस्वास्थ्य प्रवर्द्धन कार्यक्रम                                                              |                   |             |             |           |            |                 |
| २.       | २.१    | २.१.१     | स्थानीय सञ्चार माध्यम मार्फत स्वास्थ्य सामग्री प्रसारण                                        | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | २.१.२     | योग साधना प्रवचन केन्द्र स्थापना                                                              | १५००              | १५००        | १५००        | १५००      | १५००       |                 |
|          |        | २.१.३     | शारीरिक व्यायामले स्वास्थ्यमा पर्ने सकारात्मक असरबारे जनचेतना फैलाउन सञ्चार माध्यमसँग सहकार्य | ५०                | ८०          | १००         | १२०       | १४०        |                 |
|          |        | २.१.४     | धुम्रपान र मध्यपान नियन्त्रण सचेतना अभियान                                                    | ५५                | ६०          | ६५          | ७०        | ७५         |                 |
|          |        | २.१.५     | कुलत तथा दुर्व्यसन नियन्त्रण कार्यक्रम                                                        | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | २.१.६     | “सन्तुलित र पोषिलो भोजन रोजौं, घर आँगन नै खोजौं” कार्यक्रम                                    | २००               | ३००         | ३५०         | ४००       | ४५०        |                 |
|          |        | २.१.७     | बहुक्षेत्रीय पोषण कार्यक्रम                                                                   | ८००               | १०००        | १२००        | १४००      | १६००       |                 |
|          |        | २.१.८     | नियमित स्वास्थ्य जाँचको महत्वबारे जनचेतनामूलक कार्यक्रम                                       | १००               | १२०         | १३०         | १४०       | १५०        |                 |
|          |        | २.१.९     | सर्ने तथा नसर्ने रोगबाट बच्न विशेष जनचेतनामूलक कार्यक्रम                                      | ५०                | ६०          | ७०          | ८०        | ९०         |                 |
|          |        | २.१.१०    | मनोसामाजिक परामर्श सेवा कार्यक्रम                                                             | १००               | १२०         | १३०         | १४०       | १५०        |                 |
|          |        | २.१.११    | सडक दुर्घटना सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम                                                        | १००               | १२०         | १३०         | १४०       | १५०        |                 |
|          |        | २.१.१२    | वडास्तरीय पोषण केन्द्रको स्थापना                                                              | ५००               | ५००         | ५००         | ५००       | ५००        |                 |
|          |        | २.१.१३    | सुर्तीजन्य पदार्थ निषेधित पालिका घोषणा                                                        |                   |             |             | ५००       |            |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                                        | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|--------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                                  | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | २.१.१४    | सरुवा तथा भेक्टरजन्य रोग रोकथामका लागि आवश्यक एकीकृत कार्यक्रम सञ्चालन                           | ६०                | ६५          | ७०          | ८०        | ८५         |                 |
|          |        | २.१.१५    | क्षयरोग मुक्त पालिका घोषणा कार्यक्रम सञ्चालन                                                     |                   |             |             |           |            |                 |
|          | २.२    | २.२.१     | धामी, लामा भौकी तथा बैद्यहरूलाई विज्ञान सिद्ध स्वास्थ्य चेतना फैलाउन विशेष तालिम प्याकेज निर्माण | ५०                | ५५          | ६०          | ६५        | ७०         |                 |
|          |        | २.२.२     | पालिकास्तरीय आयुर्वेद औषधालय विस्तार                                                             | ८००               | ८००         | ८००         | ८००       | ८००        |                 |
|          |        | २.२.३     | दिर्घरोगीहरूलाई उपचार सहायता रकम वितरण                                                           | १२००              | १५००        | १७००        | २०००      | २५००       |                 |
| ३        | ३.१    | ३.१.१     | विद्यार्थीहरूको स्वास्थ्य स्थितिका आधारमा स्वास्थ्य कार्ड वितरण                                  | ५००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | ३.१.२     | एक विद्यालय एक स्वास्थ्यकर्मी कार्यक्रम सञ्चालन                                                  | १४००              | १५००        | १६००        | १७००      | १८००       |                 |
|          |        | ३.१.३     | जङ्गफुड निषेध गर्न विद्यालय व्यवस्थापन तथा अभिभावकसँग अन्तरक्रिया                                | २५०               | ३००         | ३५०         | ४००       | ४५०        |                 |
|          |        | ३.१.४     | विद्यालयमा प्राथमिक उपचार कक्षको व्यवस्थापन                                                      | ३००               | ३००         | ३००         | ३००       | ३००        |                 |
|          |        | ३.१.५     | महिनावारी विश्राम कक्ष निर्माण                                                                   | ७००               | ७००         | ७००         | ७००       | ७००        |                 |
|          |        | ३.१.६     | विद्यालय स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन                                                                 | ५००               | ७००         | ८००         | ९००       | १०००       |                 |
|          |        | ३.१.७     | बालविवाह तथा दुर्व्यसन न्यूनीकरण स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन                                         |                   |             |             |           |            |                 |

#### ५.१.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ आधारभूत स्वास्थ्य पूर्वाधारको विकास भएको हुनेछ ।
- ✓ आवश्यक मात्रामा दक्ष स्वास्थ्य जनशक्तिको प्रवन्ध हुनेछ ।
- ✓ आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा अति विपन्न नागरिकको पहुँच स्थापित हुनेछ ।
- ✓ स्वास्थ्य चेतनामा व्यापक सुधार आउनेछ ।
- ✓ वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति तर्फ आम सर्वसाधारणको आकर्षण बढेको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं.   | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                 | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|-----------|------------|----------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| स्वास्थ्य |            |                                                                            |         |           |             |
|           | असर        | दक्ष प्रसूतीकर्मीहरूको सहयोगमा भएको जन्मको (३.१.२) (प.दि.वि.ल.)            | प्रतिशत |           |             |
|           | असर        | पाँच वर्षमूनिको बाल मृत्युदर (प्रतिहजार जिवित जन्ममा) (३.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |
|           | असर        | नवजात शिशु मृत्युदर (प्रतिहजार जिवित जन्ममा) (३.२.२) (प.दि.वि.ल.)          | प्रतिशत |           |             |
|           | प्रतिफल    | कुष्ठरोगी विरामी वार्षिक (३.३.५.क) (प.दि.वि.ल.)                            | संख्या  |           |             |
|           | प्रतिफल    | कालाजार विरामी वार्षिक (३.३.५.ख) (प.दि.वि.ल.)                              | संख्या  |           |             |
|           | प्रतिफल    | हात्तिपाइले विरामी वार्षिक (३.३.५.ग) (प.दि.वि.ल.)                          | संख्या  |           |             |
|           | प्रतिफल    | डेङ्गु विरामी वार्षिक (३.३.५.घ) (प.दि.वि.ल.)                               | संख्या  |           |             |
|           | प्रतिफल    | सक्रिय ट्रकोमा विरामी वार्षिक (३.३.५.ड) (प.दि.वि.ल.)                       | संख्या  |           |             |
|           | प्रतिफल    | मुटु सम्बन्धी विरामी वार्षिक (३.४.१.क) (प.दि.वि.ल.)                        | संख्या  |           |             |
|           | प्रतिफल    | क्यान्सर विरामी वार्षिक (३.४.१.ख) (प.दि.वि.ल.)                             | संख्या  |           |             |
|           | प्रतिफल    | मधुमेह विरामी वार्षिक (३.४.१.ग) (प.दि.वि.ल.)                               | संख्या  |           |             |
|           | प्रतिफल    | स्वास प्रणाली सम्बन्धी दीर्घ रोग दम आदिका विरामी (३.४.१.घ) (प.दि.वि.ल.)    | संख्या  |           |             |
|           | प्रतिफल    | आत्महत्याबाट हुने मृत्युदर प्रति लाख जनसंख्यामा (३.४.२) (प.दि.वि.ल.)       | संख्या  |           |             |
|           | प्रतिफल    | सडक दुर्घटनाबाट मृत्युदर प्रति लाख जनसंख्यामा (३.६.१) (प.दि.वि.ल.)         | संख्या  |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                                                       | इकाई                 | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------|-----------|-------------|
|         | प्रतिफल    | परिवार नियोजनका आधुनिक साधन प्रयोगकर्ता दर (३.७.१) (प.दि.वि.ल.)                                                  | प्रतिशत              |           |             |
|         | असर        | प्रोटोकल अनुसार चार पटक पूर्व प्रसूति सेवा प्राप्त गर्ने महिलाको प्रतिशत जीवित जन्ममा (३.८.१ क) (प.दि.वि.ल.)     | प्रतिशत              |           |             |
|         | असर        | अस्पताल/स्वास्थ्य संस्थामा बच्चा जन्माउने महिला (३.८.१ ख) (प.दि.वि.ल.)                                           | प्रतिशत              |           |             |
|         | असर        | प्रोटोकल अनुसार बच्चाको जन्मपछि तीनपटक सेवा प्राप्त गर्ने महिला (३.८.१ ग) (प.दि.वि.ल.)                           | प्रतिशत              |           |             |
|         | असर        | हेपाटाइटिस बी भ्याक्सिन पुरा (३ डोज) गर्ने शिशु (३.८.१ ग) (प.दि.वि.ल.)                                           | प्रतिशत              |           |             |
|         | असर        | राष्ट्रिय खोप कार्यक्रममा समावेश भएका सबै खोपद्वारा समेटिएको लक्षित जनसंख्या (३.ख.१) (प.दि.वि.ल.)                | प्रतिशत              |           |             |
|         | असर        | रगतमा ग्लुकोजको मात्रा वृद्धि भई औषधी प्रयोग गरिरहेका १५ वर्ष वा सो भन्दा माथिको जनसंख्या (३.८.१ ज) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत              |           |             |
|         | असर        | घरबाट स्वास्थ्य संस्थामा ३० मिनेट वा सो भन्दा कम समय लाग्ने परिवार (३.८.१ झ) (प.दि.वि.ल.)                        | प्रतिशत              |           |             |
|         | असर        | स्वास्थ्य बीमामा आबद्ध विपन्न परिवार (३.८.१ ञ) (प.दि.वि.ल.)                                                      | प्रतिशत              |           |             |
|         | असर        | पाँच वर्ष मूनीका रक्त अल्पता भएका बालबालिका (२.२.२.३) (प.दि.वि.ल.)                                               | प्रतिशत              |           |             |
|         | असर        | स्वास्थ्यकर्मीको घनत्व र वितरण                                                                                   | प्रतिलाख जनसंख्यामा) |           |             |
|         | असर        | पाँच वर्ष मूनीका पुङ्कोपना भएका बालबालिका (२.२.१) (प.दि.वि.ल.)                                                   | प्रतिशत              |           |             |
|         | असर        | स्वास्थ्य क्षेत्रमा कुल खर्च कुल (बजेटको) दिगो विकास लक्ष्य ३ (३.ग.१.क) र (१.क.२) (प.दि.वि.ल.)                   | प्रतिशत              |           |             |
|         | प्रतिफल    | सम्पूर्ण आधारभूत सुविधायुक्त स्वास्थ्य चौकी                                                                      | संख्या               |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                          | इकाई       | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|---------------------------------------------------------------------|------------|-----------|-------------|
|         | असर        | पाँच वर्ष मूनिका कुपोषण भएका बालबालिका दर (२.२.२) (प.दि.वि.ल.)      | प्रतिशत    |           |             |
|         | असर        | पाँच वर्ष मूनिका कम तौल भएका बालबालिका (२.२.२.१) (प.दि.वि.ल.)       | प्रतिशत    |           |             |
|         | प्रतिफल    | चौबिसै घण्टा आकस्मिक स्वास्थ्य सेवा भएका स्वास्थ्य संस्था           | संख्या     |           |             |
|         | प्रतिफल    | चौबिसै घण्टा आकस्मिक प्रसुति सेवा भएका स्वास्थ्य संस्था             | संख्या     |           |             |
|         | प्रतिफल    | चौबिसै घण्टा एम्बुलेन्स सेवा भएका स्वास्थ्य संस्था                  | संख्या     |           |             |
|         | प्रतिफल    | बैकल्पिक स्वास्थ्य उपचार केन्द्र                                    | संख्या     |           |             |
|         | प्रतिफल    | योग केन्द्र                                                         | संख्या     |           |             |
|         | असर        | पूर्ण सुरक्षित पिउने पानी प्रयोग गर्ने जनसंख्या                     | प्रतिशत    |           |             |
|         | प्रतिफल    | आधारभूत स्वास्थ्य चेतना प्राप्त गर्ने वैद्य धामी भाँक्री            | संख्या     |           |             |
|         | प्रतिफल    | परिवार नियोजन सेवा केन्द्र                                          | संख्या     |           |             |
|         | प्रतिफल    | रक्तसंचार सेवा                                                      | संख्या     |           |             |
|         | प्रतिफल    | अपेक्षित आयु (जन्मदाको बखत)                                         | वर्ष       |           |             |
|         | असर        | प्रजनन उमेरमा रक्त अल्पता भएका महिला प्रतिशत (२.२.२.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत    |           |             |
|         | प्रतिफल    | मातृ मृत्युदर (प्रति लाखमा)                                         | प्रतिलाखमा |           |             |
|         | असर        | पाठेघरको क्यान्सरका निम्ति स्क्रिनीङ गरिएका ३० देखि ४९ वर्षका महिला | प्रतिशत    |           |             |
|         | प्रतिफल    | HIV AIDS Antiviral औषधि प्राप्त गर्ने                               | संख्या     |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                      | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|-----------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
|         | प्रतिफल    | उच्च रक्तचापको औषधि सेवन गरिरहेका १५ वर्ष भन्दा माथिको जनसंख्या | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | सुविधा सम्पन्न अस्पताल                                          | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | घुम्ती स्वास्थ्य शिविर वार्षिक                                  | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | स्वास्थ्य प्रयोगशाला                                            | संख्या  |           |             |

#### ५.१.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ५.२ शिक्षा, विज्ञान तथा नवप्रवर्तन

### ५.२.१ पृष्ठभूमि

सभ्य र सु-संस्कृत समाजको निर्माणमा शिक्षाको सर्वोपरी भूमिका रहेको हुन्छ। विज्ञान तथा प्रविधिमैत्री शिक्षा प्रदान गर्न सकेमात्र सक्षम मानव संसाधन तयार हुन्छ। आधुनिक समाज निर्माण गर्न शिक्षामा बृहत्तर लगानी गर्नुपर्ने हुन्छ। विश्वभर विकसित मुलुकहरूको समग्र विकासको कारण भनेकै ती मुलुकहरूको शिक्षामा गरेको विशाल लगानीको प्रतिफल हो। नेपालको संविधान २०७२ ले शिक्षालाई नागरिकको मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरेको छ। विशेषगरी आधारभूत तह सम्मको शिक्षा निःशुल्क र अनिवार्य साथै माध्यमिक तह सम्मको शिक्षा निःशुल्क गरेको छ। उक्त परिप्रेक्ष्यमा विशेषगरी स्थानीय सरकारको भूमिका र जिम्मेवारी महत्वपूर्ण हुन गएको छ।

ग्रामीण परिवेशको क्षेत्र भएकाले यस गाउँपालिकामा शिक्षाका आधारभूत पूर्वाधारहरूको समेत पर्याप्त विकास हुन नसकेको अवस्था छ। गाउँपालिकाको पाश्चिमाञ्चल, २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यस गाउँपालिकाको कुल साक्षरतादर ७७.४१ प्रतिशत रहेको छ भने यहाँ रहेका ५ वर्ष भन्दा माथिका कुल साक्षर जनसंख्याको अध्ययन गर्दा १७,८७३ जना अर्थात् ९२.९३ प्रतिशत जनसंख्याले स्कूल तथा कलेज गई औपचारिक शिक्षा हासिल गरेका छन् यसैगरी अनौपचारिक शिक्षा प्राप्त गर्नेको संख्या १,०४५ अर्थात् ५.४३ प्रतिशत रहेको छ भने स्वअध्ययन गर्नेहरूको संख्या ३१६ अर्थात् १.६४ प्रतिशत रहेको छ। यहाँ ५५ वटा सामुदायिक विद्यालयहरू संचालनमा रहेका छन्। यस तथ्याङ्कलाई हेर्दा आधारभूत तहको साक्षरताको स्थिती सन्तोषजनक भएता पनि पूर्णता हुन नसकेको अवस्था रहेको छ भने उच्च शिक्षाको क्षेत्रमा पर्याप्त लगानी गर्नुपर्ने देखिन्छ।

### ५.२.२ समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- बालविकास, आधारभूत र माध्यमिक शिक्षाको सुविधाका साथै स्नातक सम्म अध्ययन अध्यापनको व्यवस्था भएता पनि सो भन्दा माथिको उच्च शिक्षालय र प्राविधिक शिक्षालयहरूको अभाव रहेको।
- विद्यालयहरूमा विद्यार्थीको अनुपातमा शिक्षक दरबन्दी कम रहेको।
- विद्यालय क्षेत्रका शैक्षिक समस्याहरूको समयमै सम्बोधन नगर्ने हो भने राष्ट्रलाई आवश्यक सक्षम, दक्ष र कर्मठ नागरिक उत्पादन हुन नसक्ने।
- प्रविधिमैत्री शिक्षण सामग्रीको अभाव रहेको।
- विपन्न समुदायका बालबालिकाको शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधिमा पहुँच नभएको।
- समग्र शैक्षिक समस्याहरू सम्बोधन गरी शैक्षिक संस्थाहरूलाई सुविधा सम्पन्न बनाउन बजेटको व्यवस्था गर्नुपर्ने।
- चुस्त अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीको व्यवस्था गर्नुपर्ने।
- शैक्षिक क्यालेण्डरलाई कार्यान्वयन गर्नुपर्ने।
- शिक्षक शिक्षिकाहरूलाई नियमित तालिम प्रदान गर्नुपर्ने।
- बालमैत्री तथा विद्यार्थीमैत्री शिक्षण सिकाई तथा अन्य नवीनतम शिक्षण पद्धतिको विकास गर्नुपर्ने।
- अन्तराष्ट्रियस्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने शैक्षिक गुणस्तर तथा जनशक्ति कायम गर्नुपर्ने।
- हरेक विद्यालयलाई सूचना प्रविधियुक्त तथा गुणस्तरीय बनाउनुपर्ने।
- प्राविधिक तथा सीपमूलक शिक्षाको बढोत्तरी गरिनुपर्ने।
- शैक्षिक ऋण तथा छात्रवृत्तिको व्यवस्था गरिनुपर्ने।

#### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- विद्यार्थी संख्याको आधारमा शिक्षक दरवन्दी व्यवस्थापन गर्नुपर्ने ।
- अभिभावक शिक्षा कार्यक्रमको व्यवस्था गर्नुपर्ने ।
- सुविधा तथा पूर्वाधारयुक्त विद्यालय भवनको व्यवस्थापन गर्नुपर्ने ।
- प्राविधिक कलेजहरू सञ्चालन गर्न लगानीको वातावरण बनाउनुपर्ने ।
- जीर्ण भवनहरूलाई स्तरोन्नति गरी सुरक्षित वातावरणमा पठनपाठन गराउनुपर्ने ।
- सामुदायिक विद्यालयमा अंग्रेजी भाषाको माध्यमबाट पनि पठनपाठन गर्न प्रोत्साहन गर्नुपर्ने ।
- सामुदायिक विद्यालयमा भन्दा निजी विद्यालयमा विद्यार्थीहरूको चाप बढी हुनु ।
- सामुदायिक विद्यालयहरूमा विद्यार्थी संख्या दिनानुदिन घट्दै जाने समस्या रहेको ।
- वि.व्य.स, अभिभावक, विद्यालयहरूविविध अन्तरक्रियात्मक कार्यक्रमहरूको अभाव रहेको ।
- अपाङ्गमैत्री विद्यालयको अभाव रहेको ।
- विद्यालयहरूमा Computer तथा Science प्रयोगशालाको अभाव रहेको ।

#### ५.२.३ सम्भावना तथा अवसर

##### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- विद्यालयमा अभाव हुने विषयगत शिक्षकहरूको व्यवस्थापनका लागि गाउँपालिकाले अनुदान शिक्षक र स्वयंसेवक शिक्षक व्यवस्थापन गरी शैक्षिक क्रियाकलापहरू सञ्चालन गरेको ।
- गाउँपालिकाले शैक्षिक पात्रोको पूर्ण रूपमा कार्यान्वयन गरी गाउँपालिका भित्रको शैक्षिक गतिविधिलाई अनुमानयोग्य बनाउने नीति अगाडि सारेको ।
- सम्पूर्ण विद्यालयहरूमा आवश्यक मात्रामा शैक्षिक सामग्रीहरूको थप व्यवस्था, पुस्तकालय तथा विज्ञान र कम्प्युटर प्रयोगशालाको व्यवस्था गरी व्यवहारिक शिक्षा प्रदान गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकाले विद्यालयलाई संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व पूर्ण रूपमा पालना गराउन कार्यविधि बनाई कार्यान्वयन गर्ने नीति अगाडि सारेको ।
- शिक्षकहरूलाई तालिम दिई गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकाले जीवन उपयोगी स्थानीय पाठ्य सामग्री निर्माण गरी पाठ्य सामग्रीको सहज उपलब्धताको सुनिश्चितता गर्ने नीति अगाडि सारेको ।
- दक्ष शिक्षक, गुणस्तरीय शिक्षा दिन सक्ने, कृषि, विज्ञान तथा अन्य प्राविधिक कलेजहरू सञ्चालनमा ल्याउन सकिने ।
- गाउँपालिकाले सामुदायिक विद्यालयमा कार्यरत शिक्षक, कर्मचारी, एवं जनप्रतिनिधिहरूले आफ्ना बालबालिकाहरूलाई सामुदायिक विद्यालयमा अध्ययन गराउन प्रेरित गर्ने नीति अगाडि सारेको ।
- गाउँपालिकाले विद्यालयको पूर्वाधार विकासका लागि जीर्ण विद्यालय पुनः निर्माण र कक्षाकोठा सुधार कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने नीति अगाडि सारेको ।

#### ५.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

##### दीर्घकालीन सोच

राष्ट्रिय र अन्तराष्ट्रियस्तरमा प्रतिस्पर्धी मानव स्रोतको निर्माण

| लक्ष्य                                                                            |
|-----------------------------------------------------------------------------------|
| निरक्षरता शुन्यमा भारी आधारभूत गुणस्तरीय शिक्षा गाउँपालिकाभित्र उपलब्ध गराउने ।   |
| उद्देश्यहरू                                                                       |
| ✓ प्राविधिक तथा माध्यमिक तह सम्मको शिक्षामा पहुँच तथा गुणस्तरमा अभिवृद्धि गर्नु । |

| उद्देश्य १ : न्यूनतम शैक्षिक पूर्वाधारको विकास मार्फत आधारभूत र माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच स्थापित गर्नु । |                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                                        | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| १.१ न्यूनतम भौतिक पूर्वाधारहरू प्राथमिकताको आधारमा निर्माण गर्दै लैजाने ।                                     | १.१.१ गाउँपालिकाभरी सञ्चालनमा रहेका सामुदायिक विद्यालयहरूको निरीक्षण गरी त्यहाँ रहेका भौतिक पूर्वाधारहरू जस्तै भवन, कक्षा कोठा, शौचालय, पुस्तकालय, पिउने पानी, डेस्क, बेन्च, शिक्षक दरबन्दी, विज्ञान प्रयोगशाला लगायतको अवस्थाबारे वस्तुगत विवरण संकलन गरी स्तरोन्नति गरिनेछ । |
|                                                                                                               | १.१.२ विद्यालय भवन, कक्षाकोठा र शौचालयको भौतिक निर्माण तथा जीर्णोद्धार गर्न रकम विनियोजन गरिनेछ ।                                                                                                                                                                              |
|                                                                                                               | १.१.३ विद्यालयहरूलाई तहगत स्तरोन्नति गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                                                                  |
|                                                                                                               | १.१.४ एक विद्यालय एक खेलमैदानको आवश्यक पूर्वाधारको उचित प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                                       |
|                                                                                                               | १.१.५ भौगोलिक दुरीमा रहेका बालबालिकालाई विद्यालयको पहुँचसम्म पुऱ्याउन छात्रावासको निर्माण तथा व्यवस्थापन गरिनेछ ।                                                                                                                                                              |
|                                                                                                               | १.१.६ सामुदायिक विद्यालयका कक्षाहरूलाई क्रमश डिजिटल पूर्वाधारयुक्त बनाइनेछ ।                                                                                                                                                                                                   |
|                                                                                                               | १.१.७ STEM (Science, Technology, Engineering And Mathematics) Education लागि स्टेम प्रयोगशाला विस्तार गर्नुका साथै सामाजिक र भाषा विषयका लागि ल्याब स्थापना कार्य अगाडी बढाइनेछ ।                                                                                              |
| १.२ अत्यावश्यक शैक्षिक जनशक्तिको व्यवस्थापन गर्ने ।                                                           | १.२.१ विद्यार्थी संख्या तथा शिक्षक संख्याको आधारमा शिक्षक विद्यार्थी अनुपात हेरी सोको विस्तृत अध्ययन प्रतिवेदन तयार पारिनेछ ।                                                                                                                                                  |
|                                                                                                               | १.२.२ विद्यार्थी अनुपातमा शिक्षक दरबन्दी कम भएका विद्यालयमा दरबन्दी व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                          |
|                                                                                                               | १.२.३ विद्यार्थी संख्या अति न्यून भएका विद्यालयहरू गाभ्ने प्रक्रियाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                                                                                                                                                          |
|                                                                                                               | १.२.४ कक्षाको आवश्यकता र पाठ्यक्रमको माग अनुरूप शिक्षकहरूलाई आफ्नो विषयमा दक्ष तुल्याउन आवश्यकता अनुसार विषयगत तालिमको प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                                                                                        |
|                                                                                                               | १.२.५ शिक्षकहरूको विषयगत समितिलाई सिकाई थलोका रूपमा विकास गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                                             |
|                                                                                                               | १.२.६ युवा स्वयंसेवक, नगर शिक्षक तथा शिक्षण सहायक उपलब्ध गराउन आवश्यक श्रोत साधनको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                                                                                                                           |
|                                                                                                               | १.२.७ विभिन्न संघ संस्थाहरूको साझेदारीमा सार्वजनिक पुस्तकालय तथा वाचनालयको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                   |

**उद्देश्य १ : न्यूनतम शैक्षिक पूर्वाधारको विकास मार्फत आधारभूत र माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच स्थापित गर्नु ।**

| रणनीति                                                                                              | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १.३ सबैका लागि आधारभूत शिक्षा सुनिश्चित गर्न स्थानीय नीति तथा कानून निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्ने । | १.३.१ पूर्व प्राथमिक अथवा बालविकास, आधारभूत तथा माध्यमिक शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, खुल्ला तथा वैकल्पिक शिक्षा, निरन्तर शिक्षाका साथै विशेष शिक्षा सम्बन्धी कानून र मापदण्ड निर्माण गरी लागू गरिनेछ ।     |
|                                                                                                     | १.३.२ गुणस्तरीय शिक्षा विकासका लागि गुरुयोजना निर्माण गरी लागू गरिनेछ ।                                                                                                                                  |
|                                                                                                     | १.३.३ अति विपन्न समुदायका विद्यालय जाने बालबालिकाको तथ्याङ्क तयार पारिनेछ ।                                                                                                                              |
|                                                                                                     | १.३.४ विद्यालय जाने उमेरका बञ्चित बालबालिकालाई विद्यालय पुर्‍याउन नसक्नुका कारणहरूको अध्ययन गरी तिनको निराकरण गरिनेछ ।                                                                                   |
|                                                                                                     | १.३.५ विद्यार्थीहरूलाई विद्यालय अनिवार्य पठाउन अभिप्रेरित गर्ने विशेष अभिभावक शिक्षा कार्यक्रमलाई अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                        |
| १.४ पोषण तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी व्यवस्था गर्ने ।                                                    | १.३.६ विद्यालय जाने उमेर छुट्टै बाल विवाहमा परेका या शिक्षाबाट बञ्चितलाई प्रोत्साहन कार्यक्रम अन्तर्गत विद्यालयमा आउने वातावरण निर्माण गर्न अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।                                      |
|                                                                                                     | १.३.७ विद्यालय बाहिर रहेका बालबालिकाहरूलाई विद्यालयको पहुँचमा ल्याउन पहल गरिनेछ ।                                                                                                                        |
|                                                                                                     | १.४.१ विद्यार्थी भर्ना दर बढाउन दिवा खाजाको प्रवन्ध गरिनेछ । बालबालिकालाई आवश्यक सन्तुलित भोजनका बारेमा अभिभावक र स्वयं बालबालिकाहरूलाई सु-सूचित गर्न विद्यालयस्तरीय पोषण शिक्षा अभियान सञ्चालन गरिनेछ । |
|                                                                                                     | १.४.२ स्यानिटरी प्याड तथा किशोरी लक्षित स्वास्थ्य सामाग्रीको प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                                                                            |
|                                                                                                     | १.४.३ एक विद्यालय एक नर्सको प्रवन्धका लागि संघमा प्रस्ताव पेश गरिनेछ ।                                                                                                                                   |

**उद्देश्य २ : साक्षरता अभिवृद्धि गरी निरक्षरता शून्यमा झर्नु ।**

| रणनीति                                                                                                                                                          | कार्यनीति                                                                                                                                                                                  |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| २.१ अति विपन्न, आदिवासी सिमान्तकृत, मुस्लिम, अल्पसंख्यक, दलित तथा अपाङ्ग र विद्यालय जानबाट बञ्चित विद्यार्थी तथा वयस्क केन्द्रित शैक्षिक अभियान सञ्चालन गर्ने । | २.१.१ अतिविपन्न र विद्यालय जानबाट बञ्चित सम्पूर्ण बालबालिकालाई अनिवार्य रूपमा विद्यालय पुर्‍याउन पहल गरिनेछ ।                                                                              |
|                                                                                                                                                                 | २.१.२ हरेक वडामा निरक्षरहरूको विवरण तयार पारिनेछ ।                                                                                                                                         |
|                                                                                                                                                                 | २.१.३ प्रत्येक वडामा निरक्षर केन्द्रित अनौपचारिक प्रौढ शिक्षा कक्षालाई अभियानको रूपमा सञ्चालन गर्न सामुदायिक सिकाई केन्द्र, विद्यालय क्षेत्र, विद्यार्थी तथा वडा समाजसेवी परिचालन गरिनेछ । |
|                                                                                                                                                                 | २.१.४ अनौपचारिक प्रौढ शिक्षाको उपलब्धि मापन गर्न कक्षा समापन पश्चात वार्षिक सर्वेक्षण गरिनेछ ।                                                                                             |
|                                                                                                                                                                 | २.१.५ स्थानीय सञ्चार माध्यममार्फत तथा वडास्तरमा शिक्षाको महत्वका विषयमा निरक्षर केन्द्रित जनचेतनामूलक कार्यक्रम अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।                                            |

**उद्देश्य ३ : व्यावहारिक, प्राविधिक, जीवनोपयोगी र नैतिक मूल्यमा आधारित शिक्षा प्रदान गर्नु ।**

| रणनीति                                                               | कार्यनीति                                                                                                                                                             |
|----------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ३.१ आवश्यकता अनुसार सीपमूलक, प्राविधिक र व्यावहारिक शिक्षा केन्द्रित | ३.१.१ मा.वि. सञ्चालनमा रहेका विद्यालयमा एक वडा एक प्राविधिक विषय सञ्चालन गर्न आवश्यक शैक्षिक पूर्वाधारका लागि संघीय र प्रादेशिक सरकारको सहयोगमा रकम विनियोजन गरिनेछ । |

| उद्देश्य ३ : व्यावहारिक, प्राविधिक, जीवनोपयोगी र नैतिक मूल्यमा आधारित शिक्षा प्रदान गर्नु ।                     |                                                                                                                                                                                                                       |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                                          | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                             |
| शिक्षालय तथा पाठ्यक्रमको निर्माण गरी लागू गर्ने ।                                                               | ३.१.२ CTEVT को सम्बन्धनमा गाउँपालिकास्तरीय एक बहुप्राविधिक विद्यालय स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                                                                                           |
|                                                                                                                 | ३.१.३ हरेक विद्यालयमा ICT ल्याव तथा स्मार्ट बोर्डको व्यवस्था गरी विद्यार्थीलाई प्राविधिक शिक्षाको पहुँचसम्म पुऱ्याइनेछ ।                                                                                              |
| ३.२ आवश्यकता अनुसार नैतिक मूल्यमा आधारित जीवनोपयोगी शिक्षाका लागि हरेक तहमा पाठ्यक्रम अनिवार्य गरी लागू गर्ने । | ३.२.१ हरेक तहका औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रको शिक्षामा नैतिकता, अनुशासन र जीवन सीप (Life Skills) विकास गर्न पाठ्यक्रम तयार गरी लागू गर्न विज्ञसँग परामर्श लिइनेछ ।                                                  |
|                                                                                                                 | ३.२.२ हरेक तहको शिक्षामा, आध्यात्मिक तथा आत्मिक विकास, सेवाभाव, मानवता, ध्यान, योग र स्वयंसेवा प्रवर्द्धन गर्ने पाठ्यक्रम तयार गरी अनिवार्य लागू गर्न त्यस्ता विषय शिक्षकहरूलाई अभिमूखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |

| उद्देश्य ४: राष्ट्रिय र अन्तराष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्नु । |                                                                                                                                                                                                                                                                     |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                               | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                                                                           |
| ४.१ नविनतम शिक्षण सिकाई प्रविधिहरूको व्यावहारिक प्रयोग गर्ने ।                                       | ४.१.१ हरेक विद्यालयमा नविनतम शिक्षण सिकाई प्रविधिको प्रयोगका बारेमा नियमित शिक्षक अभिमूखीकरण तालिम प्रदान गरिनेछ ।                                                                                                                                                  |
|                                                                                                      | ४.१.२ निर्धारित पाठ्यक्रमको उद्देश्य अनुरूप सिकाई उपलब्धि मापन गर्न प्रत्येक विद्यार्थीको PIS (व्यक्तिगत सूचना प्रणाली) निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                                            |
|                                                                                                      | ४.१.३ शिक्षण सिकाई मापन गर्न प्रमाणिक तथा वैज्ञानिक ग्रेडिड प्रणालीको प्रयोग गरिनेछ ।                                                                                                                                                                               |
| ४.२ स्थानीय आवश्यकता अनुरूप पाठ्यक्रम निर्माण गरी लागू गर्ने ।                                       | ४.२.१ विज्ञान प्रविधि, गणित, अंग्रेजी जस्ता विषयमा राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने विद्यार्थी तयार पार्न सूचना प्रविधिको प्रयोग मार्फत विद्यार्थीहरूलाई तहगत हिसाबले सु-सूचित बनाउन विद्यालयमा इन्टरनेट व्यवस्थापनलाई निरन्तरता दिइनेछ । |
|                                                                                                      | ४.२.२ हरेक विद्यालयमा अध्यापनरत शिक्षकहरूका लागि आफूले पढाउने विषयमा अधिकतम ज्ञान हासिल गरी व्यक्तिगत क्षमता विकास गर्नका लागि विषय सम्बन्धित पुस्तक तथा सामग्रीहरू भएको Teachers Reference Library स्थापना गरिनेछ ।                                                |
|                                                                                                      | ४.२.३ विद्यार्थीको व्यक्तिगत रुचि र भुकावको पहिचान गरी हरेक विद्यालयमा नियमित अतिरिक्त क्रियाकलाप अन्तर्गत गायन, वाद्यवादन, नृत्य, अभिनय, खेलकुद, चित्रकला, वस्तुत्वकला जस्ता क्रियाकलाप सञ्चालन गर्न दक्ष शिक्षकको प्रवन्ध गरिनेछ ।                                |
| ४.३ विद्यार्थीहरूको ज्ञानको क्षितिज वृद्धि हुने कृयाकलाप नियमित गर्ने ।                              | ४.३.१ विद्यार्थीहरूलाई सामाजिक, जीवनोपयोगी र व्यावहारिक ज्ञान दिलाउन नियमित स्थलगत अध्ययन र परियोजना कार्यमा संलग्न गराइनेछ ।                                                                                                                                       |
|                                                                                                      | ४.३.२ विद्यालय शैक्षिक पात्रोमा प्रवन्ध गरी नियमित रूपमा विज्ञान, प्रविधि, कला, खेलकुद, पेशा व्यवसाय आदिमा सफल व्यक्तित्वहरूसँग विद्यार्थीहरूलाई साक्षात्कार गराइनेछ ।                                                                                              |
|                                                                                                      | ४.३.३ विद्यार्थीहरूद्वारा ज्ञान, विज्ञान, सफलता, साहस र जितका कथाहरू समेट्ने वृत्तचित्र तथा चलचित्रहरूको नियमित प्रदर्शन गराउने व्यवस्था मिलाइनेछ ।                                                                                                                 |
|                                                                                                      | ४.३.४ विद्यार्थीहरूलाई ज्ञान सीप सम्बन्धी राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय प्रतियोगितामा भाग लिन पूर्व तयारी गरिनेछ ।                                                                                                                                                    |

| उद्देश्य ४: राष्ट्रिय र अन्तराष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्नु । |                                                                                                                                                                   |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                               | कार्यनीति                                                                                                                                                         |
| ४.४ पाठ्य सामाग्रीको उपलब्धता सुनिश्चित गर्ने ।                                                      | ४.४.१ नियमित पठनपाठनका लागि आवश्यक पुस्तकालय र पाठ्य पुस्तकहरूको समयमै प्रवन्ध गर्न गाउँपालिकास्तरीय एक संयन्त्रको निर्माण गरिनेछ ।                               |
|                                                                                                      | ४.४.२ हरेक विद्यालयमा पुस्तकालय निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                                  |
|                                                                                                      | ४.४.३ हरेक विद्यालयमा एक कम्प्युटर प्रयोगशाला निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                    |
|                                                                                                      | ४.४.४ हरेक मा.वि.मा एक विज्ञान प्रयोगशाला निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                        |
| ४.५ नियमित अनुगमन तथा निरीक्षण गरी शैक्षिक क्रियाकलापहरूलाई समय सापेक्ष सुधार गर्ने ।                | ४.५.१ विद्यालयमा शिक्षकहरू नियमित उपस्थित भएको हाजिरी साथै सुनिश्चित गर्न वडा अध्यक्ष र प्रधानाध्यापकहरूसँग हरेक महिनामा अन्तरक्रिया गरी सूचना लिइनेछ ।           |
|                                                                                                      | ४.५.२ विद्यार्थीको नियमित उपस्थितिका लागि कक्षा शिक्षकलाई जिम्मेवार बनाई हरेक चौमासिक परीक्षाको परीक्षाफल प्रकाशन पश्चात अभिभावक अन्तरक्रियालाई अनिवार्य गरिनेछ । |
|                                                                                                      | ४.५.३ शिक्षण सिकाईमा उत्कृष्ट विद्यालयलाई हरेक वर्ष पुरस्कृत गर्न एक कोषको निर्माण गरिनेछ ।                                                                       |
|                                                                                                      | ४.५.४ उत्कृष्ट निजी विद्यालय व्यवस्थापनका अनुभव साट्न वर्षमा एक पटक सामाजिक दायित्व अन्तर्गत निजी तथा सामुदायिक विद्यालयहरू बिच अन्तरक्रिया आयोजना गरिनेछ ।       |
|                                                                                                      | ४.५.५ हरेक कक्षामा उत्कृष्ट नतिजा ल्याउने छात्र/छात्रा विद्यार्थीलाई पुरस्कृत गरिनेछ ।                                                                            |
|                                                                                                      | ४.५.६ हरेक विद्यालयमा उत्कृष्ट शिक्षकलाई पुरस्कार कोषको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                                         |
|                                                                                                      | ४.५.७ हरेक विद्यालयमा शिक्षकहरूलाई क्रमशः हाजिरीको प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                                               |
|                                                                                                      | ४.५.८ Early Childhood Development तथा शिशु कक्षामा अध्यापनरत शिक्षक शिक्षिकाहरूलाई आवश्यक विशेष तालिम प्याकेज सञ्चालन गरिनेछ ।                                    |
|                                                                                                      | ४.५.९ प्रधानाध्यापक तथा व्यवस्थापन समिती अध्यक्ष लक्षित शैक्षिक व्यवस्थापन तथा नेतृत्व विकास विशेष तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।                                         |
|                                                                                                      | ४.५.१० गाउँपालिकास्तरीय एक वैज्ञानिक तथा व्यवहारिक शैक्षिक क्यालेन्डर निर्माण गरी लागु गरिनेछ ।                                                                   |
|                                                                                                      | ४.५.११ अनुसन्धानात्मक क्रियाकलापमा विद्यार्थीहरूलाई संलग्न गराउन परियोजना कार्यलाई पाठ्यक्रम बमोजिम पूरक क्रियाकलापका रूपमा अनिवार्य गरिनेछ ।                     |

| उद्देश्य ५ : विज्ञान, प्रविधिको आधारभूत खोज र अन्वेषणलाई स्थान दिनु ।                              |                                                                                                                                                                    |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                             | कार्यनीति                                                                                                                                                          |
| ५.१ विज्ञान र प्रविधिमा रुचि भएका विद्यार्थी बालबालिका तथा युवाहरूको पहिचान तथा प्रोत्साहन गर्ने । | ५.१.१ हरेक मा.वि.मा अध्यापनरत विज्ञान शिक्षकको सहयोग र समन्वयमा विज्ञानमा विशेष रुची भएका विद्यार्थीहरू पहिचान गरी विवरण संकलन गरिनेछ ।                            |
|                                                                                                    | ५.१.२ कृषि, उद्योग, पर्यटन आदिमा गाउँपालिकामा भित्रिएको कुनैपनि नविन प्रविधिबारे विद्यार्थीहरूलाई जानकारी गराउन स्थलगत भ्रमण गराइनेछ ।                             |
|                                                                                                    | ५.१.३ यस गाउँपालिकाबाट राष्ट्रिय वा अन्तराष्ट्रिय स्तरमा विज्ञान र प्रविधिका क्षेत्रमा काम गर्ने व्यक्तित्वहरूसँग विभिन्न उपयुक्त अवसर पारेर साक्षात्कार गराइनेछ । |

| उद्देश्य ५ : विज्ञान, प्रविधिको आधारभूत खोज र अन्वेषणलाई स्थान दिनु । |                                                                                                                                           |
|-----------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                | कार्यनीति                                                                                                                                 |
|                                                                       | ५.१.४ औपचारिक शिक्षाको परिधि भन्दा बाहिर रहेका तर विज्ञान र प्रविधिमा विशेष क्षमता भएका व्यक्तिहरू पहिचान गर्न विद्यालयलाई सहयोग गरिनेछ । |
|                                                                       | ५.१.५ विज्ञान र प्रविधि सम्बन्धी विषयहरूमा विद्यार्थी भर्नादर वृद्धि गर्न विशेष अभिमूखीकरण तथा तयारी कक्षा सञ्चालन गरिनेछ ।               |

### शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधिको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                                    | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|----------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                              | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | सम्पूर्ण सामुदायिक विद्यालयहरूको वस्तुगत विवरण तयार                                          | १००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.२     | विद्यालय भवन निर्माण तथा स्तरोन्नति                                                          |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.३     | विद्यालयहरूको तहगत स्तरोन्नति                                                                | ५००               | ५००         | ५००         | ५००       | ५००         |                 |
|          |        | १.१.४     | एक विद्यालय एक खेलमैदान निर्माण तथा व्यवस्थापन                                               | १००               | २००         | ३००         | ४००       | ५००         |                 |
|          |        | १.१.५     | भौगोलिक दुरीमा रहेका बालबालिकाका लागि छात्रावासको व्यवस्था                                   |                   |             |             | १५००      |             |                 |
|          |        | १.१.६     | डिजिटल पूर्वाधारयुक्त सामुदायिक विद्यालय                                                     | ५००               | ८००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.७     | STEM स्टेम प्रयोगशाला विस्तारका साथै सामाजिक र भाषा विषयका लागि ल्यावको स्थापना              |                   | ५००         | ९००         |           |             |                 |
|          | १.२    | १.१.८     | बालमैत्री वातावरण निर्माण                                                                    | १००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.१     | शिक्षक विद्यार्थी अनुपात अध्ययन                                                              | १००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.२     | नपुग शिक्षक दरबन्दी पूर्ति                                                                   |                   | ५०          |             | ८०        |             |                 |
|          |        | १.२.३     | विद्यालय गाभ्न सम्भाव्यता अध्ययन                                                             |                   | ५००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.४     | विषय शिक्षक तालिम                                                                            | ५०                | ६०          | ७०          | ८०        | ९०          |                 |
|          |        | १.२.५     | शिक्षकहरूको विषयगत समितिलाई सिकाई थलोका रुपमा विकास                                          | ५००               | ८००         |             |           |             |                 |
|          | १.२.६  | १.२.६     | युवा स्वयंसेवक शिक्षक, नगर शिक्षक तथा शिक्षण सहायक उपलब्ध गराउन आवश्यक श्रोत साधनको व्यवस्था |                   | ८००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.७     | सार्वजनिक पुस्तकालय तथा वाचनालयको व्यवस्था                                                   |                   |             |             |           |             |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                                | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                          | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष |                 |
|          | १.३    | १.३.१     | आवश्यक शिक्षा निति, मापदण्ड तथा कानून निर्माण र भैरहेकाको परिमार्जन                      |                   | ५००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.३.२     | शिक्षा गुरुयोजना निर्माण                                                                 | ८००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.३.३     | विद्यालय जानबाट बञ्चित बालबालिकाको विवरण संकलन                                           | ८०                |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.३.४     | विद्यालय जाने बालबालिका नजानुका वस्तुगत कारणको अध्ययन                                    | ९०                |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.३.५     | अभिभावक अभिमूखीकरण तथा शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन                                          | ५०                | ६५          | ७०          | ७५        | ८०          |                 |
|          |        | १.३.६     | बालविवाहमा परेकाहरुका लागि प्रोत्साहन शिक्षा अभियान सञ्चालन                              | ४०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.३.७     | विद्यालय शिक्षाको पहुँच विस्तार                                                          |                   |             |             |           |             |                 |
|          | १.४    | १.४.१     | पोषणयुक्त दिवा खाजा सञ्चालन                                                              | ५००               | ५००         | ५००         | ५००       | ५००         |                 |
|          |        | १.४.२     | किशोरी लक्षित स्वास्थ्य सामाग्रीको व्यवस्था                                              |                   | ८००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.४.३     | “एक विद्यालय एक नर्स” कार्यक्रम                                                          | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
| २.       | २.१    | २.१.१     | अति विपन्न र सीमान्तकृत (मुस्लिम, अल्पसंख्यक तथा दलित) बालबालिका छात्रवृत्ति कोष स्थापना |                   | ३००         |             |           |             |                 |
|          |        | २.१.२     | निरक्षरको विस्तृत विवरण संकलन                                                            | ५०                |             |             |           |             |                 |
|          |        | २.१.३     | सामुदायिक सिकाई केन्द्र मार्फत अनौपचारिक कक्षा सञ्चालन (प्रत्येक वडामा)                  | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          |        | २.१.४     | अनौपचारिक प्रौढ शिक्षा उपलब्धि मापन सर्वेक्षण                                            | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | २.१.५     | निरक्षर केन्द्रित शिक्षा सञ्चार तथा जनचेतनामूलक कार्यक्रम (स्थानीय सञ्चार माध्यमबाट)     | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
| ३.       | ३.१    | ३.१.१     | “एक वडा एक प्राविधिक विषय” पूर्वाधार विकास कोष स्थापना                                   | ३५०               |             |             |           |             |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                        | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|----------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                  | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष |                 |
|          |        | ३.१.२     | बहुप्राविधिक विद्यालय स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन                             | ५००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | ३.१.३     | हरेक विद्यालयमा ICT ल्याब तथा स्मार्ट बोर्डको व्यवस्था                           | ६००               | ८००         | ८००         | ८००       | ८००         |                 |
|          | ३.२    | ३.२.१     | हरेक तहको पाठ्यक्रममा नैतिक, जीवनोपयोगी सामग्री तय गर्न परामर्श सेवा             | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | ३.२.२     | नैतिकता, जीवनोपयोगी सिप, आत्मिक विकास, योग साधना अध्यापन गर्ने शिक्षकको व्यवस्था |                   | २००         |             |           |             |                 |
| ४.       | ४.१    | ४.१.१     | नविनतम शिक्षण सिकाई तालिम सञ्चालन                                                | ५०                | ५०          | ६०          | ७०        | ७०          |                 |
|          |        | ४.१.२     | विद्यार्थी व्यक्तिगत सूचना प्रणाली निर्माण                                       |                   | १००         |             |           |             |                 |
|          |        | ४.१.३     | शिक्षण सिकाई उपलब्धि मापन ग्रेडीङ्ग प्रणाली निर्माण                              |                   | १००         |             |           |             |                 |
|          | ४.२    | ४.२.१     | विद्यालयमा इन्टरनेट व्यवस्थापन कार्यलाई निरन्तरता                                |                   | १००         |             |           |             |                 |
|          |        | ४.२.२     | Teachers Reference Library स्थापना                                               |                   |             | ५००         |           |             |                 |
|          |        | ४.२.३     | अतिरिक्त क्रियाकलाप सञ्चालन गर्न शिक्षक दरबन्दी                                  |                   | १००         |             |           |             |                 |
|          | ४.३    | ४.३.१     | स्थलगत अवलोकन तथा परियोजना कार्य सञ्चालन                                         | ५००               | ५५०         | ६००         | ६५०       | ७००         |                 |
|          |        | ४.३.२     | सफल व्यक्तित्व साक्षात्कार कार्यक्रम                                             | ५०                | ६०          | ७०          | ८०        | ९०          |                 |
|          |        | ४.३.३     | वृत्तचित्र तथा चलचित्र प्रदर्शनी व्यवस्थापन                                      | ४५                | ४५          | ४५          | ४५        | ४५          |                 |
|          |        | ४.३.४     | राष्ट्रिय, क्षेत्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रतियोगिता पूर्व तयारी                 |                   |             | १००         | १००       | १००         |                 |
|          | ४.४    | ४.४.१     | पाठ्यपुस्तक तथा शैक्षिक सामग्री आपूर्ति संयन्त्र निर्माण                         |                   |             | २००         |           |             |                 |
|          |        | ४.४.२     | हरेक विद्यालयमा पुस्तकालय निर्माण                                                | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          |        | ४.४.३     | एक विद्यालय एक कम्प्युटर प्रयोगशाला निर्माण                                      | ५००               | ५००         |             |           |             |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                             | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|---------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                       | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष |                 |
|          |        | ४.४.४     | माध्यमिक स्तरको विद्यालयमा विज्ञान प्रयोगशाला निर्माण                                 |                   |             | ७००         | ७००       | ७००         |                 |
|          | ४.५    | ४.५.१     | ई-हाजिरी व्यवस्थापन तथा विद्यालय व्यवस्थापन समिति अध्यक्ष र प्रधानाध्यापक अन्तरक्रिया | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | ४.५.२     | शिक्षक अभिभावक अन्तरक्रिया कार्यक्रम                                                  | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | ४.५.३     | उत्कृष्ट विद्यालय पुरस्कार कोष निर्माण                                                |                   | १००         |             |           |             |                 |
|          |        | ४.५.४     | निजी सामुदायिक विद्यालय अन्तरक्रिया कार्यक्रम                                         |                   | ८०          | ८०          | ८०        | ८०          |                 |
|          |        | ४.५.५     | जेहेन्दार छात्र/छात्रालाई पुरस्कारको व्यवस्था                                         |                   |             | ३००         |           |             |                 |
|          |        | ४.५.६     | हरेक विद्यालयमा उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार कोष स्थापना                                  |                   |             | ५००         |           |             |                 |
|          |        | ४.५.७     | शिक्षकहरूलाई विद्युतीय हाजिरीको व्यवस्था                                              | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | ४.५.८     | ECD विशेष शिक्षक शिक्षिका तालिम                                                       | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | ४.५.९     | प्रधानाध्यापक शैक्षिक व्यवस्थापन तथा नेतृत्व विकास तालिम                              |                   | १००         |             |           |             |                 |
|          |        | ४.५.१०    | गाउँपालिकास्तरीय शैक्षिक पात्रो निर्माण                                               | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | ४.५.११    | अनुसन्धानात्मक परियोजना कार्य विशेष पाठ्यक्रम निर्माण                                 |                   | ५००         |             |           |             |                 |
| ५.       | ५.१    | ५.१.१     | हरेक विद्यालयबाट विज्ञानमा विशेष रुची र क्षमता भएका विद्यार्थी पहिचान                 | ४०                | ४५          | ५०          | ५५        | ६०          |                 |
|          |        | ५.१.२     | गाउँपालिकामा भित्रिएका नविनतम प्रविधिहरूको स्थलगत अवलोकन                              | ६०                | ६५          | ७०          | ७५        | ८०          |                 |
|          |        | ५.१.३     | विज्ञान र प्रविधि सम्बन्ध वैज्ञानिकहरूसँग साक्षात्कार कार्यक्रम                       | ३०                | ३५          | ४०          | ४५        | ५०          |                 |
|          |        | ५.१.४     | विज्ञान र प्रविधिमा विशेष क्षमता भएका व्यक्तिहरू पहिचान                               | २५                | २५          | २५          | २५        | २५          |                 |
|          |        | ५.१.५     | विद्यार्थी भर्ना वृद्धि गर्न विशेष अभिमूखीकरण तथा तयारी कक्षा सञ्चालन                 | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |

## ५.२.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ निरक्षरता शुन्यमा भर्नेछ ।
- ✓ आधारभूत शैक्षिक पूर्वाधारको प्रबन्ध हुनेछ ।
- ✓ आधारभूत शिक्षा सबैका लागि अनिवार्य हुनेछ ।
- ✓ माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच सुनिश्चित हुनेछ ।
- ✓ राष्ट्रिय र अन्तराष्ट्रिय क्षेत्रमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गुणस्तरीय शिक्षा उपलब्ध हुनेछ ।
- ✓ नैतिकता, राष्ट्रप्रेम र मानव मूल्यमा आधारित शिक्षाको विकास हुनेछ ।
- ✓ विज्ञान र प्रविधिमा युवाहरूको आकर्षण बढ्नेछ ।

### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह                 | नतिजा सूचक                                                                                             | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|----------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| १.      | शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधि |                                                                                                        |         |           |             |
|         | असर                        | शिक्षाको क्षेत्रमा छुट्याइएको कूल बजेटको (१.क.२) (प.दि.वि.ल.)                                          | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                        | प्राथमिक तहमा खुद भर्नादर (४.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)                                                       | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                        | प्राथमिक तह पुरा गर्ने दर (४.१.१.२) (प.दि.वि.ल.)                                                       | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                        | कक्षा १ मा भर्ना भएका विद्यार्थी मध्ये कक्षा ८ सम्म पुग्ने विद्यार्थी (४.१.१.३) (प.दि.वि.ल.)           | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                        | कक्षा १ मा भर्ना भएका छात्राहरूको (छात्रको तुलनामा) कक्षा ८ सम्म पुग्ने अनुपात (४.१.१.४) (प.दि.वि.ल.)  | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                        | कक्षा १ मा भर्ना भएका छात्राहरूको (छात्रको तुलनामा) कक्षा १२ सम्म पुग्ने अनुपात (४.१.१.५) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                        | माध्यमिक शिक्षाको कुल भर्नादर (९ देखि १२) (४.१.१.७) (प.दि.वि.ल.)                                       | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल                    | पूर्व प्राथमिक शिक्षाको लागि बाल अनुदान पाएको (संख्या) (४.२.२.१) (प.दि.वि.ल.)                          | संख्या  |           |             |
|         | असर                        | पूर्व बाल्यकाल शिक्षामा उपस्थिति (प्रतिशत) हाजिरी (४.२.२.२) (प.दि.वि.ल.)                               | प्रतिशत |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                                                                  | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
|         | असर        | छात्रवृत्ति प्राप्त गर्ने विद्यार्थी प्रतिशत (कुल विद्यार्थीमा) (४.३.१.१) (प.दि.वि.ल.)                                      | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रभाव     | लैङ्गिक समता सूचकाङ्क (प्राथमिक) (४.५.१.१) (प.दि.वि.ल.)                                                                     | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रभाव     | लैङ्गिक समता सूचकाङ्क (माध्यामिक) (४.५.१.२) (प.दि.वि.ल.)                                                                    | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | १५ देखि २४ वर्ष उमेर समूहको साक्षरता दर (४.६.१.१) (प.दि.वि.ल.)                                                              | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | १५ देखि २४ वर्ष उमेर समूहको महिला साक्षरता दर (४.६.१.२) (प.दि.वि.ल.)                                                        | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | प्रति विद्यार्थी हुने सार्वजनिक खर्च (हजारमा) (४.६.१.५) (प.दि.वि.ल.)                                                        | हजारमा  |           |             |
|         | असर        | विद्युतमा पहुँच भएका विद्यालयहरू (४.क.१) (प.दि.वि.ल.)                                                                       | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | I.C.T. ल्याब तथा इन्टरनेटमा पहुँच भएका विद्यालयहरू (४.क.२) (प.दि.वि.ल.)                                                     | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | WASH सुविधा भएका आधारभूत विद्यालयहरू (४.क.३) (प.दि.वि.ल.)                                                                   | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | अपाङ्गमैत्री विद्यालयहरू (४.क.४) (प.दि.वि.ल.)                                                                               | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | न्यूनतम रुपमा संगठित/व्यवस्थित शिक्षक तालिम प्राप्त गरेका आधारभूत शिक्षा क्षेत्रमा कार्यरत शिक्षकहरू (४.ग.१) (प.दि.वि.ल.)   | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | न्यूनतम रुपमा संगठित/व्यवस्थित शिक्षक तालिम प्राप्त गरेका माध्यामिक शिक्षा क्षेत्रमा कार्यरत शिक्षकहरू (४.ग.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | कूल भर्नामा विज्ञान र प्रविधि विषय भर्ना (९.५.२.१) (प.दि.वि.ल.)                                                             | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | पूर्ण कालिन अनुसन्धानकर्ता (९.५.२) (प.दि.वि.ल.)                                                                             | संख्या  |           |             |
|         | असर        | कूल बजेटमा अनुसन्धानात्मक क्रियाकलाप खर्च भएको रकम (९.५.१) (प.दि.वि.ल.)                                                     | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | समग्र साक्षरता प्रतिशत                                                                                                      | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | साक्षरता प्रतिशत (पुरुष)                                                                                                    | प्रतिशत |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                          | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|-----------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
|         | असर        | साक्षरता प्रतिशत (महिला)                            | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | स्थानीय पाठ्यक्रम लागू भएका विद्यालय                | संख्या  |           |             |
|         | असर        | फरक शारीरिक क्षमता भएका विद्यार्थी शैक्षिक सहायता   | संख्या  |           |             |
|         | असर        | दिवा खाजा कार्यक्रमबाट लाभान्वित बालबालिका          | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | न्यूनतम आधारभूत पूर्वाधार सम्पन्न विद्यालय (संख्या) | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | उच्च शिक्षा अध्यापन हुने कलेज                       | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | प्राविधिक शिक्षा सञ्चालन हुने विद्यालय              | संख्या  |           |             |
|         | असर        | आधारभूत शिक्षा उत्तीर्ण जनसंख्या                    | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | माध्यमिक शिक्षा उत्तीर्ण जनसंख्या                   | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | स्नातक तह उत्तीर्ण जनसंख्या                         | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | स्नातकोत्तर उत्तीर्ण जनसंख्या                       | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | विद्या वारिधि उत्तीर्ण जनसंख्या                     | संख्या  |           |             |
|         | असर        | प्राविधिक वा व्यावसायिक तालिम प्राप्त युवा संख्या   | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | विज्ञान प्रयोगशाला सुविधा भएका विद्यालय             | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | सुविधा सम्पन्न पुस्तकालय भएका विद्यालय              | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | बुक कर्नर सुविधा भएका विद्यालय                      | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | सुविधायुक्त खेलमैदान भएका विद्यालय                  | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | छात्राको लागि व्यवस्थित शौचालय भएका विद्यालय        | प्रतिशत |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                            | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|---------------------------------------|---------|-----------|-------------|
|         | असर        | स्वास्थ्यकर्मीको सुविधा भएका विद्यालय | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | अनौपचारिक प्रौढ कक्षा संख्या          | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | प्रौढ कक्षाबाट लाभान्वित विद्यार्थी   | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | व्यवस्थित रुपमा संचालन भएका बालकलव    | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | सामुदायिक सिकाई केन्द्र तथा पुस्तकालय | संख्या  |           |             |

#### ५.२.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ५.३ खानेपानी तथा सरसफाई

### ५.३.१ पृष्ठभूमि

गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यस गाउँपालिकामा धारा/पाईप (घरपरिसर बाहिर) को पानी प्रयोग गर्नेहरू २,९२० अर्थात ४६.४१ प्रतिशत रहेका छन्। यसैगरी धारा/पाईप (घरपरिसर भित्र) को पानी प्रयोग गर्ने २,८२९ अर्थात ४४.९६ प्रतिशत रहेका छन्। मूल धाराको खानेपानी प्रयोग गर्ने परिवार संख्या ४४४ अर्थात ७.०६ प्रतिशत रहेका छन्। ट्यूबेल तथा हातेपम्प मार्फत खानेपानी प्रयोगकर्ता १५ अर्थात ०.२४ प्रतिशत, खुला ईनार/कुवाको खानेपानी प्रयोगकर्ता ३९ अर्थात ०.६२ प्रतिशत रहेका छन्। तथापी यहाँ अझै पनि सुरक्षित तथा स्वच्छ खानेपानीको पहुँचबाट धेरै घरधुरीहरू टाढा रहेको अवस्था छ। सफा सुन्दर र स्वच्छ पालिका सभ्यताको प्रमुख परिचायक हो। त्यसैगरी स्वस्थ जीवन जिउन हाम्रो वरपरको जनजीवन र सेरोफेरो सफा हुनु जरुरी छ।

स्वच्छ पानी तथा सरसफाई मानवीय स्वास्थ्यलाई प्रभाव पार्ने प्रमुख तत्वहरू भएको र दिगो विकास लक्ष्यको लक्ष्य नं. ६ ले खानेपानी तथा सरसफाईलाई सुनिश्चितता गर्नुका साथै नेपालको संविधानले पनि खानेपानी तथा सरसफाई सुविधालाई नागरिकको मौलिक हकको रूपमा व्याख्या गरेको हुनाले स्वस्थ नागरिक उत्पादनमा योगदान पुऱ्याउन गुणस्तरीय खानेपानी र सरसफाईको क्षेत्रलाई उच्च प्राथमिकतामा राखी थप खानेपानी आयोजनाहरू निर्माण गर्नुपर्ने साथै वैज्ञानिक विधिहरूको प्रयोग गरी फोहोरमैला व्यवस्थापन गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छ।

### ५.३.२ समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- सम्पूर्ण घरपरिवारलाई सुरक्षित र स्वच्छ पिउने पानी वितरण प्रणालीमा जोड्न नसकिएको।
- पानीका उपलब्ध प्रमुख स्रोतहरूको वैज्ञानिक हिसाबले संरक्षण र व्यवस्थापन गर्न नसकिएको।
- फोहोर व्यवस्थापनका लागि डम्पिङ/ल्याण्डफिल साइटको व्यवस्था गर्न आवश्यक रहेको।
- विशेष गरी सघन बस्तीमा रहेका बजार क्षेत्रका सडकहरूमा नाला व्यवस्थापन हुन नसकेको।
- वैज्ञानिक रूपमा फोहोरमैला व्यवस्थापन हुन नसकेको।
- कच्ची सडकका कारण धुलोले गर्दा वायु प्रदूषण हुने गरेको।
- फोहोर व्यवस्थापनको ठोस योजना नबन्दा विशेषगरी बजार क्षेत्रमा दीर्घकालीन हिसाबले जटिलता सिर्जना हुन सक्ने।
- पिउने पानी तथा सरसफाईको उचित व्यवस्थापन नहुँदा विभिन्न सरुवा रोगको संक्रमण हुन सक्ने।

### ५.३.३ सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकामा पानी संरक्षण गरी दिगो रूपमा पानीको सदुपयोग गर्ने योजना कार्यान्वयन गर्न सकिने।
- गाउँपालिकाले “मुहानदेखि मुखसम्म स्वच्छ खानेपानी” भन्ने नाराका साथ सुरक्षित खानेपानीको विस्तारका लागि सरकारी तथा गैरसरकारी संघ/संस्थासँगको साभेदारीमा विशेष जोड दिँदै साथै “एक घर एक धारा” नीतिको कार्यान्वयनमा तीव्रता ल्याउने नीति अगाडि सारेको।
- बजार क्षेत्रमा फोहोर व्यवस्थापन गर्न केही स्थानमा डस्टविनहरूको व्यवस्था गर्न सकिने।
- पानी शुद्धीकरण प्रक्रियाको चेतनामूलक कार्यक्रम र तालिम सञ्चालन गर्न सकिने।

### ५.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                                                                 |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| स्वच्छ, स्वस्थ र सुन्दर गाउँपालिका निर्माणका लागि गुणस्तरीय खानेपानी तथा सरसफाई                                |
| लक्ष्य                                                                                                         |
| गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडाहरूमा/बस्तीहरूमा स्वच्छ खानेपानी पुऱ्याउने तथा सरसफाईको प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने । |
| उद्देश्यहरू                                                                                                    |
| ✓ खानेपानी तथा सरसफाई सेवामा सहज पहुँच तथा गुणस्तरीयता बृद्धि गर्नु ।                                          |

#### उद्देश्य १: गाउँपालिकाबासीहरूलाई सुरक्षित खानेपानी सुविधा पुऱ्याउनु ।

| रणनीति                                                                                             | कार्यनीति                                                                                                                                         |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १.१. आधारभूत खानेपानी सुविधा नपुगेका घरपरिवारमा खानेपानी सुविधा विस्तारका लागि प्रार्थमिकता दिने । | १.१.१. “एक घर एक धारा” को अवधारणा अनुसार खानेपानी सुविधा नपुगेका घरहरूमा समुदायको सहभागितामा आधारभूत खानेपानी व्यवस्था गरिनेछ ।                   |
|                                                                                                    | १.१.२. खानेपानी आयोजनाको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                                                                               |
|                                                                                                    | १.१.३. खानेपानी आयोजनाहरू समयमै निर्माण सम्पन्न गरी उपभोक्ता समिति माफत सेवा सञ्चालनमा ल्याइनेछ ।                                                 |
| १.२. मुहान संरक्षण तथा खानेपानी सेवाको स्तरबृद्धि गर्ने ।                                          | १.२.१. खानेपानीका मुहान, स्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको संरक्षण गरिनेछ ।                                                                              |
|                                                                                                    | १.२.२. खानेपानीका संरचनाहरूको स्तरोन्नति तथा मुहान सुधार गरी पानी प्रशोधन गरेर मात्र वितरण गरिनेछ ।                                               |
|                                                                                                    | १.२.३. हरेक घरपरिवारमा पाइपमाफत खानेपानी आपूर्ति प्रणाली निर्माण गरिनेछ ।                                                                         |
|                                                                                                    | १.२.४. खानेपानीको उपभोगको मात्रा अनुसार महशुल उठाई निर्माण, मर्मत सम्भार तथा व्यवस्थापन कोषको व्यवस्था गरिनेछ ।                                   |
| १.३. खानेपानी तथा सरसफाई गुरुयोजना निर्माण गर्ने ।                                                 | १.३.१. समग्र पालिकाको बृहत खानेपानी तथा सरसफाई गुरुयोजना तयार गरिनेछ ।                                                                            |
|                                                                                                    | १.३.२. गाउँपालिका भित्रका सार्वजनिक सेवा प्रदायक संस्थाहरूमा फोहोरमैला व्यवस्थापनको कार्य योजना पेश गर्न लगाई प्रभावकारी नियमन र सहजीकरण गरिनेछ । |
|                                                                                                    | १.३.३. वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन समितिलाई सक्रिय बनाई सरसफाईका क्रियाकलापहरूको प्रभावकारी अनुगमन तथा मुल्याङ्कन प्रणालीको विकास गरिनेछ ।   |

#### उद्देश्य २: गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडाहरूमा सरसफाईको सुविधा पुऱ्याउनु

| रणनीति                                                                   | कार्यनीति                                                                                                                                                                          |
|--------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| २.१. हरेक घरपरिवारमा आधारभूत शौचालय तथा सरसफाई सुविधाको व्यवस्था गर्ने । | २.१.१. प्रत्येक घरमा अनिवार्य शौचालयको प्रावधान लागू गरी शौचालय नभएका अति विपन्न घरपरिवारमा शौचालय निर्माणका लागि प्रोत्साहन गर्न मापदण्डका आधारमा निश्चित प्रतिशत अनुदान दिइनेछ । |

| उद्देश्य २: गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडाहरूमा सरसफाईको सुविधा पुऱ्याउनु    |                                                                                                                                                                                            |
|-------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                  | कार्यनीति                                                                                                                                                                                  |
| २.२. सार्वजनिक स्थल तथा बजार क्षेत्रमा सरसफाई सेवाको व्यवस्थापन गर्ने । | २.१.२. घर घरबाट निस्कने फोहोरलाई वर्गीकरण गरी कुहिने फोहोरलाई कम्पोष्ट मलमा परिणत गर्न समुदायलाई विशेष तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                              |
|                                                                         | २.१.३. एक घर एक कम्पोष्ट प्लान्ट अवधारणालाई लागु गरिनेछ ।                                                                                                                                  |
|                                                                         | २.२.१. प्रत्येक सार्वजनिक स्थल, विद्यालय, सामुदायिक भवन, अस्पताल, बजार केन्द्र, बसपार्क जस्ता क्षेत्रहरूमा सार्वजनिक शौचालयको व्यवस्था गरी समुदायलाई सञ्चालनको जिम्मेवारी दिइनेछ ।         |
|                                                                         | २.२.२. उल्लेखित स्थानहरूमा फोहोरलाई वर्गीकरण गरी फ्याक्नका लागि बास्केट तथा कन्टेनरको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                                    |
|                                                                         | २.२.३. फोहोर व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी बनाउन वैज्ञानिक विधिहरूको प्रयोग गरी ल्याण्डफिल साईटको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                                                    |
|                                                                         | २.२.४. फोहोर पानीको उत्सर्जन कम गर्ने र उत्पादित फोहोर पानीको व्यवस्थापन गरी वातावरण स्वच्छ राखिनेछ ।                                                                                      |
|                                                                         | २.२.५. मुख्य बजार क्षेत्रका चोक र सडक वरपर नियमित सरसफाई गरिनेछ ।                                                                                                                          |
|                                                                         | २.२.६. बजार केन्द्रहरूमा घरबाट निस्कने फोहोर व्यवस्थापनका लागि निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया गरी व्यवस्था मिलाइनेछ । सो बापत बजार क्षेत्रका घरधुरीहरूबाट सरसफाई शुल्क उठाइनेछ ।              |
|                                                                         | २.२.७. पानीको मुहान वरपर फोहोर गर्नेलाई जरिवाना गरिनेछ साथै नदीनाला, जलाशय तथा तालतलैयाको पर्यावरणीय स्वच्छता कायम गरिनेछ ।                                                                |
|                                                                         | २.२.८. कुहिने र नकुहिने फोहोर व्यवस्थापनका लागि PPP मोडलमा सेप्टिगेसन सेन्टर स्थापना गरिनेछ ।                                                                                              |
| २.३. सरसफाई सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।              | २.३.१. घरघरमा निस्कने फोहोरलाई कम गर्न, फोहोरलाई वर्गीकरण गर्न, कम्पोष्ट मल बनाउन र पुनःप्रयोग गर्न प्रेरित गर्नका लागि टोल स्तरमा नियमित जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।           |
|                                                                         | २.३.२. घर, आँगन र टोल सफा राख्न प्रत्येक वडामा सरकारी, निजी गैसस तथा सामुदायिक संस्थाहरूसँग सहकार्य गरी स्थानीयबासीको संलग्नतामा नियमित रूपमा सरसफाई अभियान सञ्चालन गरी जनचेतना फैलाइनेछ । |
|                                                                         | २.३.३. स्थानीय सञ्चार माध्यमको सहयोगमा सरसफाई सम्बन्धी नियमित जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                       |
|                                                                         | २.३.४. ४० माइक्रोन भन्दा पातलो प्लाष्टिकको प्रयोगलाई बर्जित गरि वैकल्पिक भोलाको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।                                                                              |
|                                                                         | २.३.५. प्लाष्टिकमुक्त गाउँपालिका घोषणाको अवधारणा लागु गरिनेछ ।                                                                                                                             |

### खानेपानी तथा सरसफाईको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                    | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                              | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | एक घर एक धारा कार्यक्रम                                                      | ६५                | ७०          | ८०          | ८०        | ८०          |                 |
|          |        | १.१.२     | खानेपानी आयोजनाको सम्भाव्यता अध्ययन                                          |                   | ५००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.३     | खानेपानी आयोजनाहरू निर्माण सम्पन्न गरी उपभोक्ता समिति मार्फत सेवा सञ्चालन    | २००               | ३००         | ३००         | ३००       | ३००         |                 |
|          | १.२    | १.२.१     | खानेपानीका मुहान क्षेत्रको संरक्षण                                           |                   | २००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.२     | खानेपानी प्रशोधन तथा वितरण प्रणाली निर्माण                                   |                   |             | ४००         |           |             |                 |
|          |        | १.२.३     | खानेपानी आपूर्ति पाइप लाईन विस्तार                                           | ३००               | ३००         | ३००         | ३००       | ३००         |                 |
|          |        | १.२.४     | खानेपानी आपूर्ति व्यवस्थापन कोष निर्माण                                      |                   | २००         |             |           |             |                 |
|          | १.३    | १.३.१     | खानेपानी तथा सरसफाई गुरुयोजना निर्माण                                        |                   |             | ५००         |           |             |                 |
|          |        | १.३.२     | फोहोरमैला व्यवस्थापनको प्रभावकारी नियमन र सहजीकरण                            |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.३.३     | वन, वातावरण तथा विपद व्यवस्थापनको प्रभावकारी अनुगमन तथा मुल्याङ्कन           |                   | ५००         |             |           |             |                 |
| २        | २.१.   | २.१.१.    | शौचालय निर्माणमा अनुदान                                                      | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          |        | २.१.२.    | बडास्तरीय कम्पोष्ट मल उत्पादन तालिम                                          | १००               | १५०         | २००         | २५०       | ३००         |                 |
|          |        | २.१.३.    | एक घर एक कम्पोष्ट प्लान्ट निर्माण                                            | २००               | २००         | २००         | २००       | २००         |                 |
|          | २.२.   | २.२.१.    | सार्वजनिक स्थल तथा बजार केन्द्र पहिचान गरी शौचालय निर्माण                    |                   |             | २००         | २००       | २००         |                 |
|          |        | २.२.२.    | सार्वजनिक स्थल तथा बजार केन्द्र पहिचान गरी फोहोर फ्याक्रे कन्टेनरको व्यवस्था | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          |        | २.२.३.    | ल्याण्डफिल साईटमा फोहोरमैला व्यवस्थापन गर्न सम्भाव्यता अध्ययन                | २००               | २००         | २००         | २००       | २००         |                 |
|          |        | २.२.४.    | सघन बस्ती क्षेत्रमा ढल निर्माण                                               | १२००              |             | १२००        |           | १२००        |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                   | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|-----------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                             | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | २.२.५.    | सरसफाई गर्ने कर्मचारीको व्यवस्था                                            |                   | ५०          |             |           |            |                 |
|          |        | २.२.६.    | फोहोर संकलन र व्यवस्थापनमा निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहन गर्न अन्तरक्रिया      | ८०                | ८०          | ८०          | ८०        | ८०         |                 |
|          |        | २.२.७.    | पानीको मुहान संरक्षण तथा संरचना मर्मत                                       | ८०                | ८०          | ८०          | ८०        | ८०         |                 |
|          |        | २.२.८.    | फोहोर व्यवस्थापनका लागि PPP मोडलमा सेग्रिगेसन सेन्टर स्थापना                |                   |             | १०००        |           |            |                 |
|          | २.३.   | २.३.१.    | फोहोर पुर्नप्रयोग गर्न जनचेतनामूलक कार्यक्रम                                | ६०                | ६०          | ६०          | ६०        | ६०         |                 |
|          |        | २.३.२.    | विभिन्न संघ संस्थासँग समन्वय गरी टोल स्तरमा नियमित सरसफाई कार्यक्रम सञ्चालन | ४५                | ४५          | ४५          | ४५        | ४५         |                 |
|          |        | २.३.३.    | स्थानीय सञ्चारमाध्यम मार्फत सरसफाई सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन   | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|          |        | २.३.४.    | प्लाष्टिकको प्रयोगमा रोक तथा वैकल्पिक भोलाको प्रयोगलाई प्रोत्साहन           |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | २.३.५.    | प्लाष्टिकमुक्त गाउँपालिका घोषणा                                             |                   |             |             |           |            |                 |

#### ५.३.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- गाउँपालिकाका सम्पूर्ण घरधुरीमा आधारभूत खानेपानी सुविधा भएको हुने,
- सम्पूर्ण घरधुरीमा शौचालयको व्यवस्था भएको हुने,
- सार्वजनिक स्थल तथा बजार केन्द्रहरूमा सार्वजनिक शौचालयको व्यवस्था भएको हुने र
- सरसफाईको अवस्थामा उल्लेख्य सुधार भएको हुनेछ ।

## नतिजा खाका

| क्र.सं. | नतिजाको तह          | नतिजा सूचक                                                                                                                           | इकाई       | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|---------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------|-----------|-------------|
| १.      | खानेपानी तथा सरसफाई |                                                                                                                                      |            |           |             |
|         | असर                 | पाइपबाट वितरण गरिएको पानीमा पहुँच भएका परिवार (प्रतिशत) (६.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)                                                       | प्रतिशत    |           |             |
|         | असर                 | आधारभूत खानेपानी सेवामा पहुँच पुगेका जनसंख्या (६.१.१.२) (प.दि.वि.ल.)                                                                 | प्रतिशत    |           |             |
|         | असर                 | प्रशोधित/सुरक्षित खानेपानीमा पहुँच पुगेको जनसंख्या                                                                                   | प्रतिशत    |           |             |
|         | असर                 | उन्नत सुधारिएका सरसफाईसम्बन्धी सुविधाहरू प्रयोग गर्ने परिवार जसले यस्ता सुविधाहरू अरुसँग साभेदारी गर्नुपर्दैन (६.२.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत    |           |             |
|         | असर                 | आधारभूत शौचालय प्रयोग गर्ने जनसंख्याको अनुपात (६.२.१.२) (प.दि.वि.ल.)                                                                 | प्रतिशत    |           |             |
|         | असर                 | ढल प्रणालीहरू/उपयुक्त (Faecal Sludge Manjgement) मा चर्पी जोडिएका परिवार (६.२.१.३) (प.दि.वि.ल.)                                      | प्रतिशत    |           |             |
|         | प्रतिफल             | स्थानीयको प्रत्यक्ष संलग्नता तथा व्यवस्थापन वा उपभोक्ता समितिमार्फत सञ्चालन गरिएका खानेपानी तथा सरसफाई आयोजना (६.ख.१) (प.दि.वि.ल.)   | संख्या     |           |             |
|         | प्रतिफल             | संरक्षणमा समेटिएका खानेपानी मुहान                                                                                                    | संख्या     |           |             |
|         | असर                 | आधुनिक र सुविधा सम्पन्न शौचालय प्रयोग गर्ने घरपरिवार                                                                                 | प्रतिशत    |           |             |
|         | असर                 | प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति फोहोर उत्पादन (१२.४.२) (प.दि.वि.ल.)                                                                            | प्रति केजी |           |             |
|         | प्रतिफल             | डस्टविन प्रयोग गर्ने र फोहोरलाई वर्गीकरण गर्ने घरपरिवार                                                                              | संख्या     |           |             |
|         | प्रतिफल             | सामुदायिक हिसाबले संगठित रूपमा नियमित गाउँघर तथा टोल सरसफाई कार्यक्रम संख्या (वार्षिक)                                               | संख्या     |           |             |

### ५.३.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको दैवी विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

### ५.४ महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग

#### ५.४.१ लैङ्गिक समानता, ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरण

##### क) पृष्ठभूमि

सामाजिक जागरणको पर्याप्तता नभएको, राजनीतिक चेतनाको परिपक्वता भैनसकेको र पुरानो सामाजिक, जातिय, लैङ्गिक तथा वर्गीय स्वरूपको समाजमा व्यापक रूपान्तरण समेत भई नसकेकाले नेपालमा लैङ्गिक समानता, ज्येष्ठ नागरिकको सम्मान र सामाजिक सुरक्षा, अपाङ्गता भएका व्यक्तिको अधिकार र कठिनाईहरूको सम्बोधन तथा समग्र सामाजिक समावेशीकरणका मुद्दाहरू सामाजिक विकासका दृष्टिले केन्द्रिय भागमै रहेका छन् । यसर्थ यस गाउँपालिकामा समेत यी सवालहरूको व्यापक सान्दर्भिकता रहेको र विकास योजनाले यी विषयहरूलाई महत्व दिएर समेट्नु पर्ने देखिन्छ । नेपालको संविधानमा नै वर्गीय, जातीय, क्षेत्रीय, भाषिक, धार्मिक, लैङ्गिक विभेद र सबै प्रकारका जातीय छुवाछुतको अन्त्य गर्ने तथा आर्थिक समानता, समृद्धि र सामाजिक न्याय सुनिश्चित गर्न समानुपातिक समावेशी र सहभागितामूलक सिद्धान्तका आधारमा समतामूलक समाजको निर्माण गर्ने संकल्प गरिएको छ । समाजमा सिमान्तकृत जनसंख्यालाई मूलधारमा ल्याई उनीहरूको सम्मानपूर्वक जीवनयापन गर्न पाउने नैसर्गिक अधिकार सुनिश्चित नगरुन्जेलसम्म सभ्य र सौहार्दपूर्ण समाजको परिकल्पना गर्न सकिदैन । त्यसैले लैङ्गिक समानता, ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरणका क्षेत्रमा प्राथमिकता दिन सके असमानताको जालो तोड्न सहज हुन जान्छ ।

गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँको जम्मा जनसंख्या मध्ये १३,८६५ अर्थात् ४९.४२ प्रतिशत महिलाको जनसंख्या रहेको छ । यसैगरी गाउँपालिकामा १४ वर्ष मुनीका बालबालिकाको संख्या ६,५८६ रहेकोमा ३,३८२ जना बालक र ३,२०३ जना बालिकाहरु रहेका छन् । यहाँ ७५ वर्ष उमेर समूह भन्दा माथिका व्यक्तिहरूको संख्या ६७७ रहेकोमा ३५८ जना पुरुष र ३१९ जना महिलाहरु रहेका छन् । यहाँको जम्मा जनसंख्या मध्ये २९९ जना अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरु रहेका छन् ।

##### ख) समस्या तथा चुनौती

###### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- समाजमा महिलाको सामाजिक तथा आर्थिक स्तर कमजोर रहेको ।
- जातीय भेदभाव पूर्ण रूपले अन्त्य हुन नसकेको ।
- अल्पसंख्यक समुदाय, दलित, आदिवासी जनजातिहरूको आर्थिक र सामाजिक सबलीकरण हुन नसकेको ।
- जनचेतनामूलक कार्यक्रमहरू अपेक्षाकृत रूपमा प्रभावकारी हुन नसकेका ।

#### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- लुकिछिपी बाल विवाह गर्ने प्रचलन हालसम्म कायम रहेको ।
- लैङ्गिक विभेद तथा हिंसाले समाजमा सामाजिक विग्रह ल्याउनुका साथै विकासको गतिमा नकारात्मक असर पर्न सक्ने ।
- महिला पछाडि पर्दा समग्र पारिवारिक संगठन र समाज नै विकृत बन्न सक्ने ।
- सामाजिक सौहार्दता, मेलमिलाप, शान्ति र समृद्धिका लागि सामाजिक विवेकको प्रयोग गरी सामाजिक अन्तरधुलनका साथै महिला सशक्तिकरण र सीमान्तकृत वर्गको मूल प्रवाहिकरण गर्नुपर्ने ।
- व्यापक रूपमा महिला शिक्षा तथा अन्य जातजाति, अल्पसङ्ख्यक र सीमान्तकृतहरूलाई विशेष रूपमा लक्षित गरी कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नुपर्ने ।
- प्रसूती सेवाको व्यवस्था गर्नुको साथै प्रजनन स्वास्थ्यबारे जनचेतना फैलाउनुपर्ने ।
- घरेलु हिंसा र महिला हिंसा निर्मूल गर्नुपर्ने ।
- बालविवाह तथा बहुविवाहलाई दण्डित गर्नुपर्ने ।
- बालमैत्री, अपाङ्गमैत्री तथा महिलामैत्री संरचनाहरू निर्माण गर्नुपर्ने ।
- बैठक/गोष्ठीहरूमा महिलाको सहभागिता न्यून हुनु ।

#### ग) सम्भावना तथा अवसर

##### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकामा साँस्कृतिक तथा धार्मिक सहिष्णुता कायम रहेको ।
- सञ्चार माध्यम र शिक्षाको सकारात्मक प्रभाव परेको ।
- गाउँपालिकाले गाउँपालिका क्षेत्र भित्र रहेका विपन्न नागरिक, ज्येष्ठ नागरिक, बालबालिका र गर्भवती महिलाहरूलाई घर-घरमा पुगि निःशुल्क औषधी सहितको स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध गराएको ।
- कतिपय महिलाहरू राजनीति, सामाजिक कार्यलगायत विभिन्न विकासका गतिविधिहरूमा सक्रिय हुन थालेका ।
- प्रत्येक वडामा १ महिला सदस्य र १ दलित महिला सदस्य अनिवार्य रूपमा निर्वाचित हुने व्यवस्था गरेको हुँदा उनीहरूले सम्पूर्ण महिला, दलित, जनजातिहरूको हक हित तथा अधिकारको पक्षमा आवाज उठाएका कारण सामाजिक न्याय, समानता लगायत समाज सुधारका पक्षमा केही प्रगति भएको ।
- महिलाहरूले घरको मात्र काम नभई घर बाहिरको काम पनि गर्न सक्छन् भन्ने सन्देश दिएका ।
- अपाङ्ग पुर्नस्थापना केन्द्र, विपन्न सहायता केन्द्र, अनाथालय तथा ज्येष्ठ नागरिक स्याहार केन्द्र स्थापना गरी न्यायपूर्ण समाजको स्थापनामा सहयोग पुऱ्याउन सकिने ।
- शिक्षा र जनचेतनामा आएको क्रमिक सकारात्मक सुधारका कारण महिला तथा सीमान्तकृत वर्गको उत्थानमा उपयुक्त वातावरण बन्दै जाने ।
- सबै तह र तप्काका समुदायलाई सामाजिक मूल प्रवाहिकरणमा ल्याउँदा गाउँपालिकाको समग्र विकास प्रक्रियाले गति लिन सक्ने ।
- महिलाहरू राजनीतिक गतिविधिमा संलग्न हुन थालेकाले उनीहरूका आवाजहरू सम्बन्धित निकायमा पुऱ्याउन सहज भएको ।
- एकल महिला, बेरोजगार महिला, अति पिछडिएका तथा विपन्नहरूका लागि रोजगारमूलक तालिमको व्यवस्था गर्न सकिने ।

**सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू**

- गाउँपालिकाले “लक्षित वर्ग आत्मनिर्भरता” कार्यक्रमलाई थप व्यवस्थित बनाउँदै लैजाने नीति अगाडी सारेको ।

**घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम**

**दीर्घकालीन सोच**

इच्छाकामनाको सभ्यता, न्यायपूर्ण समाज र सामाजिक सौहार्दता

**लक्ष्य**

सामाजिक न्यायमा आधारित सभ्य समाजको निर्माण गर्ने ।

**उद्देश्यहरू**

लैङ्गिकता, उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक अल्पसंख्यक, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारको विभेद अन्त्य गर्नु ।

**उद्देश्य १: लैङ्गिकता, उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक अल्पसंख्यक, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारका विभेदको अन्त्य गर्नु**

| रणनीति                                                               | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                                               |
|----------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १.१ महिला जागरण केन्द्रित नीति निर्माण तथा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने । | १.१.१ अनिवार्य महिला शिक्षा सम्बन्धी विशेष नीति तथा कार्य योजना निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                                                                        |
|                                                                      | १.१.२ छात्रामैत्री वातावरण निर्माण गर्न हरेक विद्यालयका प्रधानाध्यापक तथा व्यवस्थापन समितिसँग नियमित अन्तरक्रिया सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                       |
|                                                                      | १.१.३ महिला अधिकार, महिला हिंसा, यौन शोषण, यौन हिंसा जस्ता विषयहरूको समुचित सम्बोधन हुने गरी महिलालाई सचेत बनाउन हरेक वडामा रहेका महिला अधिकारकर्मी, महिला नेतृ, शिक्षिका लगायत सचेत र सक्षम महिलाको संयोजकत्वमा महिला सेल गठन गरिनेछ । |
|                                                                      | १.१.४ प्रत्येक वडामा रहेका महिला सेलहरू माफत हरेक महिना पुरुषहरूको समेत संलग्नतामा महिला जागरण सचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                    |
|                                                                      | १.१.५ विद्यालय पाठ्यक्रम निर्धारण गर्दा छात्र तथा छात्रा दुवैलाई प्रजनन, स्वास्थ्य, यौन स्वास्थ्य लगायतका लैङ्गिक सवालहरू समेट्ने गरी निर्धारण गरिनेछ र सो माध्यमिक शिक्षामा अनिवार्य लागू गरिनेछ ।                                     |
|                                                                      | १.१.६ स्थानीय सञ्चार माध्यमहरूबाट लैङ्गिकता तथा महिला जागरण सम्बन्धी सामग्री नियमित प्रसारण गरिनेछ ।                                                                                                                                    |
|                                                                      | १.१.७ दाइजो प्रथा तथा लैङ्गिक हिंसा विरुद्ध हरेक वर्ष विशेष जागरण सप्ताह मनाइनेछ ।                                                                                                                                                      |
|                                                                      | १.१.८ विद्यालयमा सामाजिक शिक्षा अध्यापनरत शिक्षक शिक्षिकालाई समेटेर लैङ्गिक हिंसा र महिला जागरण सम्बन्धी अभिमूखीकरण तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                              |
|                                                                      | १.१.९ विपन्न समुदायलाई दुई छोरीको जन्मपश्चात स्थायी वनध्याकरण गर्ने दम्पतिका छोरीहरूलाई १२ कक्षासम्म निःशुल्क शिक्षा अनुदान दिइनेछ ।                                                                                                    |

उद्देश्य १: लैङ्गिकता, उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक अल्पसंख्यक, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारका विभेदको अन्त्य गर्नु

| रणनीति                                                                                                   | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                                                                                              |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|                                                                                                          | १.१.१० अति विपन्न परिवारको छोरीका लागि जीवन बीमा कार्यक्रम कार्यान्वयन गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                                        |
|                                                                                                          | १.१.११ उपाध्यक्षसँग समन्यायिक विकास कार्यक्रम मार्फत समुदायमा कानूनी सचेतना कार्यक्रम कार्यान्वयन गरिनेछ ।                                                                                                                                                                             |
| १.२ महिला सुरक्षा र लैङ्गिक न्यायका निम्ति महिला सशक्तिकरणका कार्यक्रमहरू अभियानको रूपमा सञ्चालन गर्ने । | १.२.१ गाउँपालिकामा स्थापना भई कार्य गरिरहेका सबै प्रकारका महिला समूह, आमा समूह, किशोरी समूह, लैङ्गिक तथा यौनिक अल्पसंख्यक समुदायका व्यक्ति लगायतका समूहलाई लक्षित गरी वार्षिक पात्रोका आधारमा नियमित आयआर्जन, तालिम, सीप तथा उद्यमशीलता विकास तथा नेतृत्व विकास तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |
|                                                                                                          | १.२.२ गाउँपालिकाभर रहेका महिला उद्यमीहरूको अभिलेख तयार गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                                                        |
|                                                                                                          | १.२.३ महिला उद्यमीहरूलाई गाउँपालिका बाहिरका सफल महिला उद्यमीहरूसँग वर्षमा एक पटक साक्षात्कार गराइनेछ ।                                                                                                                                                                                 |
|                                                                                                          | १.२.४ स्थानीय न्यायिक समितिलाई नियमित तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                                                           |
|                                                                                                          | १.२.५ महिलाका नाममा रहेको अचल सम्पत्ति सम्बन्धी वस्तुगत विवरण संकलन गरिनेछ र त्यसमा वृद्धि गर्न ऐन कानूनमा सहूलियतको प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                                                                                                  |
|                                                                                                          | १.२.६ महिला तथा यौन हिंसा पहेरेदारी तथा कानूनी सेवाका लागि वडास्तरीय महिला सेल गठन गरी अभिमूखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                                           |
|                                                                                                          | १.२.७ गाउँपालिकास्तरीय एक महिला सुरक्षा गृहको निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                                                         |
|                                                                                                          | १.२.८ गाउँपालिकास्तरीय एक महिला उद्यमी वस्तु विक्री केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                                           |
|                                                                                                          | १.२.९ सम्बन्ध विच्छेदका मूल कारणहरूको अध्ययन गरी न्यायिक समितिको पहलमा न्यूनिकरण गर्न परामर्श सेवा सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                                                    |
|                                                                                                          | १.२.१० महिला बेचबिखन तथा ओसारपसार विरुद्ध वडास्तरीय महिला सेलहरूलाई विशेष अभिमूखीकरण सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                  |
|                                                                                                          | १.२.११ ज्येष्ठ नागरिक, हिंसापिडित महिलालाई उद्धार र संरक्षण गर्न लैङ्गिक हिंसा राहत कोष स्थापना गरिनेछ ।                                                                                                                                                                               |
| १.३ ज्येष्ठ नागरिकको सामाजिक सुरक्षा र आत्मसम्मान कायम हुने कार्यक्रमलाई प्राथमिकता दिई सञ्चालन गर्ने ।  | १.३.१ संविधान र नेपाल सरकारले घोषणा गरेका ज्येष्ठ नागरिक सामाजिक सुरक्षा अन्तर्गतका सबै कार्यक्रम चुस्त दुरुस्त रूपमा प्रभावकारी बनाउन गाउँपालिकाभित्र ज्येष्ठ नागरिक प्रतिकार्य इकाई सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                 |
|                                                                                                          | १.३.२ वडास्तरीय ज्येष्ठ नागरिक निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                                       |
|                                                                                                          | १.३.३ एक वडा एक ज्येष्ठ नागरिक सत्संग केन्द्र निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                                                         |
|                                                                                                          | १.३.४ प्रत्येक वडामा ज्येष्ठ नागरिक लक्षित योग तथा ध्यान केन्द्र सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                                      |
|                                                                                                          | १.३.५ स्थानीय सञ्चार माध्यमसँगको सहकार्यमा ज्येष्ठ नागरिकहरूका जीवन अनुभव साट्न र सुन्न “ज्येष्ठ नागरिक आवाज” कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                               |

उद्देश्य १: लैङ्गिकता, उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक अल्पसंख्यक, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारका विभेदको अन्त्य गर्नु

| रणनीति                                                                                                                    | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                         |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|                                                                                                                           | १.३.६ वडास्तरमा आफ्ना रितीस्थिती, संस्कार, धर्म, सम्प्रदाय अनुरूपका भजन किर्तन, गायन, बाद्यवाधन कार्यक्रम संचालन गर्न ज्येष्ठ नागरिक किर्तन मण्डली गठन गरी बाद्यवाधन यन्त्रमा मापदण्ड बनाई अनुदान प्रदान गरिनेछ । |
|                                                                                                                           | १.३.७ ८० वर्ष नाघेका ज्येष्ठ नागरिकहरूलाई पोषिलो आहारा वितरण गर्ने प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                                                                               |
|                                                                                                                           | १.३.८ ज्येष्ठ नागरिकको सम्पूर्ण स्वास्थ्य उपचार सुनिश्चित गर्न अति विपन्न परिवारको स्वास्थ्य बीमामा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।                                                                                        |
|                                                                                                                           | १.३.९ १०० वर्ष पूरा गरेका बुवाआमालाई अभिनन्दन तथा भेटघाट कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिइनेछ ।                                                                                                                          |
|                                                                                                                           | १.३.१० असहाय बुवाआमा र अभिभावक विहिन बालबालिका संरक्षणका लागि कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                          |
| १.४ अपाङ्गता भएका नागरिकहरूको कठिनाई न्यूनीकरण गर्ने कार्यक्रमहरू संचालन गरी उनीहरूको आत्मबल बढाउने र आत्मसम्मान जगाउने । | १.४.१ गाउँपालिकाभरी रहेका सम्पूर्ण अपाङ्गता भएका नागरिकहरूको व्यक्तिगत विवरण संकलन गरिनेछ ।                                                                                                                       |
|                                                                                                                           | १.४.२ अपाङ्गता परिचय पत्र लिन बाँकी भएमा अपाङ्गताको प्रकार अनुसार परिचय पत्र वितरण गरिनेछ ।                                                                                                                       |
|                                                                                                                           | १.४.३ अपाङ्गता भएका विद्यालय जाने बालबालिकाको विवरण तयार पारी उनीहरूको शिक्षा आर्जनमा भएका कठिनाई सम्बोधन गर्न विशेष अध्ययन पश्चात कार्ययोजना निर्माण गरिनेछ ।                                                    |
|                                                                                                                           | १.४.४ अपाङ्गहरूको लगत संकलन गरी आवश्यक सहायक सामग्री वितरण गरिनेछ ।                                                                                                                                               |
|                                                                                                                           | १.४.५ अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको वृत्ति विकास कार्यक्रम अन्तर्गत कलाकारिता सीप विकास तथा आय आर्जन तालिम नियमित सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                   |
|                                                                                                                           | १.४.६ पूर्ण अपाङ्गता भई जीवन निर्वाह गर्न पूर्ण अशक्तहरूको विवरण संकलन गरी सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।                                                                                              |
|                                                                                                                           | १.४.७ जटिल प्रकारको अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूले जीवन निर्वाह व्यवसाय गर्न चाहेमा व्यवसायमा सत प्रतिशत व्याजमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।                                                                               |
|                                                                                                                           | १.४.८ गाउँपालिकामा अब निर्माण हुने सबैखाले सार्वजनिक भौतिक संरचनाहरू अपाङ्गमैत्री बनाउन निर्माण मापदण्ड र कार्यविधि परिमार्जन गरिनेछ ।                                                                            |
|                                                                                                                           | १.४.९ अपाङ्गता भएका नागरिकहरूको समस्या कठिनाई र आवाजहरू उजागर गर्न अपाङ्गता भएका नागरिकको नेतृत्वमा भएको गाउँपालिकास्तरीय अपाङ्गता सञ्जाललाई थप व्यवस्थापन गरिनेछ ।                                               |
|                                                                                                                           | १.४.१० जटिल प्रकृतिका अपाङ्गता भएका विद्यार्थीहरूलाई निजले पढ्न चाहेसम्मको शिक्षाको लागि विशेष छात्रवृत्ति प्रदान गरिनेछ ।                                                                                        |
|                                                                                                                           | १.४.११ अपाङ्गता भएका तर विशेष कलाको क्षमता भएकालाई लक्षित गरी प्रोत्साहन अनुदान दिइनेछ ।                                                                                                                          |

उद्देश्य १: लैङ्गिकता, उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक अल्पसंख्यक, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारका विभेदको अन्त्य गर्नु

| रणनीति                                                                                                                                                                           | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                                |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|                                                                                                                                                                                  | १.४.१२ पूर्ण अपाङ्ग परिवारका लागि प्रोत्साहन तथा भेटघाट कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिइनेछ ।                                                                                                                                  |
| १.५ जातिय विभेद, अल्पसंख्यक दलित, आदिवासी, मुस्लिम, थारु तथा राज्यको मूल प्रवाहमा आउन नसकेको नागरिकहरूका मूल सरोकारका विषयमा अध्ययन गरी मूल प्रवाहिकरण कार्यनीति निर्माण गर्ने । | १.५.१ लोपोन्मुख, अल्पसंख्यक, सीमान्तकृत तथा राज्यको मूल प्रवाहिकरण भन्दा बाहिर रहेका वर्ग, व्यक्ति वा समुदायको यथार्थ स्थितिका बारेमा अध्ययन गरी स्थितिपत्र प्रकाशन गरिनेछ ।                                             |
|                                                                                                                                                                                  | १.५.२ अल्पसंख्यक, दलित, आदिवासी तथा जनजातीका मौलिकता र पहिचान, रहनसहन, रितिथिति, परम्परा, भेषभूषा खानपान, कला, चार्डवाड आदिका बारेमा विस्तृत विवरण सहितको अभिलेख तयार पारिनेछ ।                                          |
|                                                                                                                                                                                  | १.५.३ आदिवासी लोक सँस्कृति संग्रहालय स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                                                                                                                             |
|                                                                                                                                                                                  | १.५.४ अल्पसंख्यक वर्गका परिवारमा जन्मने शिशुहरूको नाममा बैङ्क खाता खोल्न प्रोत्साहन अनुदान दिइनेछ ।                                                                                                                      |
|                                                                                                                                                                                  | १.५.५ सकारात्मक विभेदको सिद्धान्त अनुरूप राज्यको आरक्षण कोटामा सरकारी सेवामा प्रवेश गर्न चाहने यो वर्गका आकांक्षीहरूलाई लक्षित गरी विशेष तयारी कक्षाहरू निःशुल्क सञ्चालन गरिनेछ ।                                        |
|                                                                                                                                                                                  | १.५.६ यी वर्गका विद्यालय जाने बालबालिकाको शिक्षाको अवसर सुनिश्चित गर्न अभिभावक शिक्षा र शैक्षिक सामाग्रीमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।                                                                                        |
|                                                                                                                                                                                  | १.५.७ छुवाछुत र सबै प्रकारका सामाजिक भेदभाव अन्त्य गर्न राज्यको मूल कानूनको अधिनमा रही त्यस्ता कार्यलाई दण्डित गर्न स्थानीय कानून निर्माण गर्दै न्यायिक समितिलाई सक्रिय तुल्याइनेछ ।                                     |
|                                                                                                                                                                                  | १.५.८ यी लक्षित वर्गलाई समेट्ने सीप विकास र व्यावसायिक आयआर्जनका लागि तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                             |
|                                                                                                                                                                                  | १.५.९ लोपोन्मुख भाषा तथा लिपिको संरक्षण गर्न परामर्श अध्ययन तथा अनुसन्धान गरिनेछ ।                                                                                                                                       |
|                                                                                                                                                                                  | १.५.१० सामाजिक अन्तरघुलन कार्यक्रम अन्तर्गत वर्षमा एक पटक विशेष राष्ट्रिय दिवसको अवसरमा गाउँपालिकाको आयोजनामा सबै जात वर्ग सम्प्रदाय दलित उत्पिडितहरू सम्मिलित चियापान तथा अनुभूति आदान प्रदान कार्यक्रम आयोजना गरिनेछ । |
|                                                                                                                                                                                  | १.५.११ विपन्न र सीमान्तकृत समुदायले सञ्चालन गर्ने लघु उद्यम तथा व्यवसायमा मापदण्डका आधारमा शुन्य प्रतिशत व्याजका लागि अनुदान प्रदान गरिनेछ ।                                                                             |
|                                                                                                                                                                                  | १.५.१२ दलित महिला सहकारी स्थापना गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                |
|                                                                                                                                                                                  | १.५.१३ दलित विशेष परम्परागत सीपलाई व्यावसायिकता प्रदान गर्न विशेष अभिमूखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                  |
|                                                                                                                                                                                  | १.५.१४ दलित विद्यार्थी विशेष छात्रवृत्ति कोषको निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                                                                          |
|                                                                                                                                                                                  | १.५.१५ लैङ्गिक तथा यौनिक अल्पसंख्यक समुदायका व्यक्तिहरूको सञ्जाल गठन गरी संस्थागत विकास, आयआर्जन र पुनः स्थापनामा जोड दिइनेछ ।                                                                                           |
|                                                                                                                                                                                  | १.५.१६ ग र घ श्रेणीका अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूलाई प्रोत्साहन स्वरूप सामाजिक सुरक्षा भत्ता उपलब्ध गराइनेछ ।                                                                                                               |

**लैङ्गिक समानता, ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरणको विस्तृत कार्यक्रम**

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                                               | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                                         | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | अनिवार्य महिला शिक्षा विशेष नीति तथा कार्ययोजना निर्माण                                                 | ३५०               |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.२     | छात्रामैत्री वातावरण निर्माण                                                                            |                   |             | २००         | ३००       | ४००         |                 |
|          |        | १.१.३     | बडास्तरीय महिला हिंसा तथा लैङ्गिक भेदभाव निगरानी सेल गठन                                                | ३००               | ३००         | ३००         | ३००       | ३००         |                 |
|          |        | १.१.४     | महिला सेलमार्फत हरेक महिना जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन                                                |                   | ४००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.५     | माध्यमिक शिक्षामा यौन, लैङ्गिकता तथा प्रजनन शिक्षा सम्बन्धी पाठ्यक्रम निर्धारण                          | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.१.६     | सञ्चार माध्यममार्फत लैङ्गिकता र महिला जागरण कार्यक्रम सञ्चालन                                           | ८०                | ८०          | ८०          | ८०        | ८०          |                 |
|          |        | १.१.७     | दाइजो प्रथा तथा लैङ्गिक हिंसा विरुद्ध सप्ताह व्यापी कार्यक्रम                                           | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.१.८     | लैङ्गिक हिंसा र महिला जागरण सम्बन्धी अभिमूखीकरण कार्यक्रम                                               | ७०                | ७०          | ७०          | ७०        | ७०          |                 |
|          |        | १.१.९     | दुई छोरीको जन्मपश्चात स्थायी बन्ध्याकरण गर्ने दम्पतिका छोरीहरूलाई १२ कक्षासम्म निःशुल्क शिक्षामा अनुदान | ३०                | ३०          | ३०          | ३०        | ३०          |                 |
|          |        | १.१.१०    | छोरी जीवन बीमा कार्यक्रम                                                                                | ५००               | ५००         | ५००         | ५००       | ५००         |                 |
|          |        | १.१.११    | कानूनी सचेतना कार्यक्रम                                                                                 |                   |             |             |           |             |                 |
|          | १.२    | १.२.१     | सीप विकास तथा आय आर्जनका साथै नेतृत्व विकास तालिम सञ्चालन                                               | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.२.२     | महिला उद्यमीको अभिलेख तयार                                                                              |                   | ८०          |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.३     | सफल महिला उद्यमी साक्षात्कार कार्यक्रम                                                                  | ४०                | ४०          | ४०          | ४०        | ४०          |                 |
|          |        | १.२.४     | न्यायिक समिति लैङ्गिक भेदभाव विरुद्ध न्याय सम्पादन तालिम                                                | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.२.५     | महिलाको स्वामित्वमा अचल सम्पत्ति वृद्धि गर्न ऐन कानूनमा सहूलियत                                         |                   | ८०          |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.६     | महिला तथा यौन हिंसा पहेरेदारी बडास्तरीय महिला सेल गठन                                                   | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति                                         | कार्यक्रम                                                            | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|---------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |                                                   |                                                                      | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | १.२.७                                             | महिला सुरक्षा गृहको निर्माण                                          |                   |             | ५००         | ५००       | ५००        |                 |
|          |        | १.२.८                                             | महिला उद्यमी वस्तु विक्री केन्द्र स्थापना                            |                   |             | ८००         |           |            |                 |
|          |        | १.२.९                                             | सम्बन्ध विच्छेदका मूल कारणहरुको अध्ययन तथा परामर्श सेवा              |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.२.१०                                            | महिला बेचबिखन तथा ओसार पसार विरुद्ध अभिमूखीकरण सञ्चालन               | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | १.२.११                                            | लैङ्गिक हिंसा राहत कोषको स्थापना                                     |                   |             |             |           |            |                 |
| १.३      | १.३.१  | ज्येष्ठ नागरिक प्रतिकार्य इकाई सञ्चालन            |                                                                      |                   |             |             | २००       |            |                 |
|          |        | १.३.२                                             | ज्येष्ठ नागरिक वडास्तरीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन            | १००               | १५०         | २००         | २५०       | ३००        |                 |
|          |        | १.३.३                                             | वडास्तरीय ज्येष्ठ नागरिक सत्संग केन्द्र निर्माण                      |                   | २००         | २००         | २००       | २००        |                 |
|          |        | १.३.४                                             | ज्येष्ठ नागरिक योग तथा ध्यान केन्द्र सञ्चालन                         |                   | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | १.३.५                                             | “ज्येष्ठ नागरिक आवाज” कार्यक्रम सञ्चालन                              | ८०                | ८०          | ८०          | ८०        | ८०         |                 |
|          |        | १.३.६                                             | ज्येष्ठ नागरिक किर्तन तथा मनोरञ्जन मण्डली गठन तथा वाद्ययन्त्र अनुदान | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | १.३.७                                             | ८० वर्ष नाघेका ज्येष्ठ नागरिकलाई सु-आहारा कार्यक्रम                  | ८५                | ८५          | ८५          | ८५        | ८५         |                 |
|          |        | १.३.८                                             | ज्येष्ठ नागरिक स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रममा अति विपन्न अनुदान          | ७०                | ७०          | ७०          | ७०        | ७०         |                 |
|          |        | १.३.९                                             | १०० वर्ष पूरा गरेका बुवाआमालाई अभिनन्दन तथा भेटघाट कार्यक्रम         | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | १.३.१०                                            | असहाय बुवाआमा र अभिभावक विहिन बालबालिका संरक्षणका लागि कार्यक्रम     | ५०                | ६०          | ७०          | ८०        | ९०         |                 |
| १.४      | १.४.१  | सम्पूर्ण अपाङ्गता भएकाहरुको व्यक्तिगत विवरण संकलन |                                                                      | ३०                | ३०          | ३०          | ३०        | ३०         |                 |
|          |        | १.४.२                                             | अपाङ्गता परिचय पत्र वितरण                                            | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | १.४.३                                             | अपाङ्गता भएका विद्यालय जाने बालबालिकाका समस्या अध्ययन                | ५०                |             |             |           |            |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                    | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                              | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | १.४.४     | अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको लगत संकलन गरी आवश्यक सामग्री वितरण                |                   |             | १०००        |           |            |                 |
|          |        | १.४.५     | अपाङ्गता भएका व्यक्ति लक्षित कलाकारिता, आय आर्जन तथा सीप विकास तालिम         | ८०                | ८०          | ८०          | ८०        | ८०         |                 |
|          |        | १.४.६     | पूर्ण अपाङ्गता भएकाहरूलाई जीवन निर्वाह भत्ता                                 | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | १.४.७     | अपाङ्गता व्यवसायमा सत प्रतिशत ब्याजमा अनुदान                                 |                   | ४००         | ४००         | ५००       | ६००        |                 |
|          |        | १.४.८     | सार्वजनिक भौतिक संरचना अपाङ्गमैत्री बनाउन मापदण्ड परिमार्जन                  |                   | ५०          |             |           |            |                 |
|          |        | १.४.९     | अपाङ्गता सञ्जाल व्यवस्थापन                                                   |                   | ८०          |             |           |            |                 |
|          |        | १.४.१०    | जटिल प्रकृतिका अपाङ्गता भएका विद्यार्थीहरूलाई विशेष छात्रवृत्ति अनुदान       | २००               | ३००         | ३००         | ४००       | ४५०        |                 |
|          |        | १.४.११    | विशेष क्षमता भएका अपाङ्गता लक्षित प्रोत्साहन अनुदान                          | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | १.४.१२    | पूर्ण अपाङ्ग परिवार प्रोत्साहन तथा भेटघाट कार्यक्रम                          | ३०                | ३०          | ३०          | ३०        | ३०         |                 |
|          | १.५    | १.५.१     | सीमान्तकृत तथा मूल प्रवाहिकरणमा छुटेका वर्गको स्थितिपत्र प्रकाशन             |                   | ५००         |             |           |            |                 |
|          |        | १.५.२     | आदिवासी, जनजाती लगायतका वर्गको साँस्कृतिक पहिचान सम्बन्धी विस्तृत विवरण तयार |                   |             | ४००         |           |            |                 |
|          |        | १.५.३     | लोक सँस्कृति संग्रहालय स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन                        |                   |             | ५००         |           |            |                 |
|          |        | १.५.४     | अल्पसंख्यक वर्गका परिवारमा जन्मने शिशुहरूको नाममा वैङ्क खाता खोल्न अनुदान    |                   | ५००         |             |           |            |                 |
|          |        | १.५.५     | सरकारी सेवामा मूल प्रवाहिकरण लक्षित विशेष तयारी कक्षा सञ्चालन                | ८०                | ८०          | ८०          | ८०        | ८०         |                 |
|          |        | १.५.६     | लक्षित वर्ग अभिभावक शिक्षा तथा शैक्षिक सामग्री वितरण                         | ८०                | ८०          | ८०          | ८०        | ८०         |                 |
|          |        | १.५.७     | छुवाछुत र सामाजिक भेदभाव न्यूनीकरण गर्न कानून निर्माण                        | १००               |             |             | १००       |            |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                       | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|---------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                 | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | १.५.८     | लक्षित वर्ग विशेष आय आर्जन तालिम                                                | ६०                | ६०          | ६०          | ६०        | ६०         |                 |
|          |        | १.५.९     | लोपोन्मुख जाती, भाषा तथा लिपि संरक्षण गर्न परामर्श अध्ययन                       | ४०                | ४०          | ४०          | ४०        | ४०         |                 |
|          |        | १.५.१०    | सामाजिक अन्तरधुलन चियापान कार्यक्रम                                             | ४०                | ४०          | ४०          | ४०        | ४०         |                 |
|          |        | १.५.११    | लक्षित वर्ग अति विपन्न उद्यमी ब्याज अनुदान                                      | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | १.५.१२    | दलित महिला सहकारी स्थापना                                                       | ४०                | ४०          | ४०          | ४०        | ४०         |                 |
|          |        | १.५.१३    | दलित विशेष परम्परागत सीपलाई व्यावसायिकता प्रदान गर्न विशेष अभिमूखीकरण कार्यक्रम | ४०                | ४०          | ४०          | ४०        | ४०         |                 |
|          |        | १.५.१४    | दलित विद्यार्थी विशेष छात्रवृत्ति कोष निर्माण                                   | १००               | १००         | १००         | १००       | १००        |                 |
|          |        | १.५.१५    | लैङ्गिक तथा यौनिक अल्पसंख्यक समुदायका व्यक्तिहरुको सञ्जाल गठन                   |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.५.१६    | ग र घ श्रेणीका अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुलाई प्रोत्साहन भत्ताको व्यवस्था          |                   |             |             |           |            |                 |

#### ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ महिला सचेतनामा वृद्धि हुनेछ ।
- ✓ सरकारी सेवा तथा उद्यम व्यवसायमा महिला विपन्न र सीमान्तकृतको उपस्थिति बढ्नेछ ।
- ✓ अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुका कठिनाईहरु न्यूनीकरण हुनेछ ।
- ✓ सामाजिक, भेदभाव तथा थिचोमिचोमा कमी आउनेछ ।
- ✓ ज्येष्ठ नागरिकको उचित सुरक्षा र सम्मानको प्रवन्ध हुनेछ ।

## नतिजा खाका

| क्र.सं.                                                            | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                                                                                     | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|--------------------------------------------------------------------|------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| <b>लैङ्गिक समानता, ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्गता सामाजिक समावेशीकरण</b> |            |                                                                                                                                                |         |           |             |
| १                                                                  | प्रतिफल    | गाउँपालिकामा महिला उद्यमीहरू                                                                                                                   | संख्या  |           |             |
| २                                                                  | प्रतिफल    | पूर्णरूपमा आत्मनिर्भर एकल महिलाको संख्या (प्रतिशतमा बढाउँदै लैजाने)                                                                            | प्रतिशत |           |             |
| ३                                                                  | प्रतिफल    | अन्तरजातीय विवाह (बढाउँदै लैजाने)                                                                                                              | संख्या  |           |             |
| ४                                                                  | प्रतिफल    | ज्येष्ठ नागरिक सत्सङ्ग केन्द्र                                                                                                                 | संख्या  |           |             |
| ५                                                                  | असर        | लैङ्गिक समानतालाई प्रत्यक्ष योगदान पुऱ्याउने बजेटको (१.ख.१.१) (प.दि.वि.ल.)                                                                     | प्रतिशत |           |             |
| ६                                                                  | असर        | सामाजिक सुरक्षामा योजनामा समावेश भएका नागरिक                                                                                                   | प्रतिशत |           |             |
| ७                                                                  | असर        | सामाजिक सुरक्षा खर्चमा छुट्याइएको कूल बजेटको प्रतिशत (१.क.२) (प.दि.वि.ल.)                                                                      | प्रतिशत |           |             |
| ८                                                                  | असर        | आधार वर्षको तुलनामा न्यायिक समितिमा उजुरीको (प्रतिशतले घटाउँदै लैजाने)                                                                         | प्रतिशत |           |             |
| ९                                                                  | असर        | विगत १२ महिनामा शारीरिक, मनोवैज्ञानिक लैङ्गिक तथा यौनजन्य हिंसामा परेका जनसंख्या (संख्यामा) घटनाको आधारमा (१६.१.१) (प.दि.वि.ल.)                | संख्या  |           |             |
| १०                                                                 | असर        | दर्ता गरिएका सम्बन्ध विच्छेद संख्या (१६.१.४) (प.दि.वि.ल.)                                                                                      | संख्या  |           |             |
| ११                                                                 | असर        | उमेरअनुसार १८ वर्षको उमेरसम्म यौनहिंसाको अनुभव गरेका १८ देखि २९ वर्ष उमेरका युवती र युवकहरूको अनुपात (१६.२.३) (प.दि.वि.ल.)                     | प्रतिशत |           |             |
| १२                                                                 | असर        | निर्णय-निर्माण समावेशी र जवाफदेही भएको विश्वास गर्ने जनसंख्याको अनुपात (लिङ्ग, उमेर, अपाङ्गता र जनसाङ्ख्यिक समूह अनुसार) (१६.७.२) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |
| १३                                                                 | असर        | सार्वजनिक निकायहरूको नीति निर्माण पदहरूमा रहेका महिलाहरूको अनुपात (१६.७.२.१)(प.दि.वि.ल.)                                                       | प्रतिशत |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                                                                         | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| १४      | असर        | सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका जनजातिको प्रतिशत                                    | प्रतिशत |           |             |
| १५      | असर        | सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका आदिवासीको प्रतिशत                                   | प्रतिशत |           |             |
| १६      | असर        | सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका मुस्लिमको प्रतिशत                                   | प्रतिशत |           |             |
| १७      | असर        | सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका पिछडा वर्गको प्रतिशत                                | प्रतिशत |           |             |
| १८      | असर        | सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका अल्पसंख्यकको प्रतिशत                                | प्रतिशत |           |             |
| १९      | असर        | आफ्नो जीवनकालमा शारीरिक/यौनहिंसा अनुभव गरेका र दर्ता गरिएका घटना १५ देखि ४९ वर्षसम्मका महिलाहरूको (प्रतिशत) (५.२.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |
| २०      | प्रतिफल    | महिला, किशोरी तथा बालबालिकाहरूको बेचबिखन (संख्या) (५.२.२.२) (प.दि.वि.ल.)                                                           | संख्या  |           |             |
| २१      | असर        | विवाहित वा वैवाहिक मिलनमा रहेका १५ देखि १९ वर्ष उमेरका महिलाहरू (प्रतिशत) (५.३.१.१) (प.दि.वि.ल.)                                   | प्रतिशत |           |             |
| २२      | असर        | श्रमशक्तिमा महिला र पुरुषको सहभागिताको अनुपात (५.४.१.१) (प.दि.वि.ल.)                                                               | प्रतिशत |           |             |
| २३      | असर        | महिलाले घरायसी काममा खर्चेको औसत समय/घण्टामा (५.४.१.२) (प.दि.वि.ल.)                                                                | घण्टामा |           |             |
| २४      | असर        | महिला सीप विकास तालिम संख्या                                                                                                       | संख्या  |           |             |
| २५      | असर        | छात्रामैत्री शौचालय प्रयोगकर्ता छात्रा                                                                                             | प्रतिशत |           |             |
| २६      | असर        | महिला सेल संख्या                                                                                                                   | संख्या  |           |             |
| २७      | असर        | महिला जागरण र अभिमूखीकरण कार्यक्रम                                                                                                 | संख्या  |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                      | इकाई   | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|-----------------------------------------------------------------|--------|-----------|-------------|
| २८      | असर        | अनिवार्य बुहारी शिक्षा अन्तर्गत समेटिएका छात्रा                 | संख्या |           |             |
| २९      | असर        | महिला उद्यमी साक्षात्कार कार्यक्रम                              | संख्या |           |             |
| ३०      | असर        | लघु उद्यम ब्याज अनुदानबाट लाभान्वित महिला संख्या                | संख्या |           |             |
| ३१      | असर        | सरकारी सेवा प्रवेश निशुल्क तयारी कक्षाबाट लाभान्वित महिला       | संख्या |           |             |
| ३२      | असर        | महिला भेदभाव विरुद्धमा उजुरी फर्स्यौट संख्या<br>(न्यायिक समिति) | संख्या |           |             |
| ३३      | असर        | महिला सुरक्षा गृह                                               | संख्या |           |             |
| ३४      | असर        | महिला उद्यमी वस्तु विक्री केन्द्र                               | संख्या |           |             |
| ३५      | असर        | उच्च शिक्षा वालिका बीमा कार्यक्रम                               | संख्या |           |             |
| ३६      | असर        | बेचबिखन र ओसारपसार विरुद्ध अभिमूखीकरण कार्यक्रम संख्या          | संख्या |           |             |
| ३७      | असर        | ज्येष्ठ नागरिक स्वास्थ्य शिविर                                  | संख्या |           |             |
| ३८      | असर        | ज्येष्ठ नागरिक सत्संग केन्द्र                                   | संख्या |           |             |
| ३९      | असर        | ज्येष्ठ नागरिक आवाज कार्यक्रम                                   | संख्या |           |             |
| ४०      | असर        | ज्येष्ठ नागरिक तिर्थाटन                                         | संख्या |           |             |
| ४१      | असर        | ज्येष्ठ नागरिक मनोरञ्जन तथा किर्तन मण्डली                       | संख्या |           |             |
| ४२      | असर        | ज्येष्ठ नागरिक (८० वर्ष माथि) सूआहार कार्यक्रम                  | संख्या |           |             |
| ४३      | असर        | अपाङ्गता परिचयपत्र प्राप्त अपाङ्ग                               | संख्या |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                   | इकाई      | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|------------------------------------------------------------------------------|-----------|-----------|-------------|
| ४४      | असर        | जटिल अपाङ्गता भएका आधारभूत शिक्षा सुनिश्चित गरिएका विद्यार्थी संख्या         | संख्या    |           |             |
| ४५      | असर        | व्हिल चेयर प्राप्त अपाङ्ग                                                    | प्रतिशत   |           |             |
| ४६      | असर        | अपाङ्ग लक्षित आय आर्जन कार्यक्रम                                             |           |           |             |
| ४७      | असर        | जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त गर्ने पूर्ण अपाङ्ग                                | (प्रतिशत) |           |             |
| ४८      | असर        | अपाङ्गमैत्री सार्वजनिक संरचना संख्या                                         |           |           |             |
| ४९      | असर        | अपाङ्ग नागरिक सरोकार मञ्च                                                    | संख्या    |           |             |
| ५०      | असर        | आदिवासी जनजाती विशेष पार्श्वचित्र अध्ययन तथा अनुसन्धान                       | संख्या    |           |             |
| ५१      | असर        | अल्पसंख्यक अनुदान                                                            | संख्या    |           |             |
| ५२      | असर        | सिमान्तकृत वर्ग विशेष सरकारी प्रवेश निशुल्क कक्षाबाट लाभान्वित संख्या        | संख्या    |           |             |
| ५३      | असर        | भेदभाव न्यूनीकरण जनचेतनामूलक कार्यक्रम संख्या                                | संख्या    |           |             |
| ५४      | असर        | लक्षित वर्ग विशेष आय आर्जन तालिम                                             | संख्या    |           |             |
| ५५      | असर        | लोपोन्मुख जाती तथा भाषा संस्कृति विशेष कार्यक्रम                             | संख्या    |           |             |
| ५६      | असर        | दलित विपन्न छात्रवृत्तिबाट लाभान्वित संख्या                                  | संख्या    |           |             |
| ५७      | असर        | दलित विशेष परम्परागत सीप विकास तालिम                                         | संख्या    |           |             |
| ५८      | असर        | गाउँपालिकाबाट राष्ट्रिय संसदमा प्रतिनिधित्व (प्रतिशत) (५.५.१.१) (प.वि.वि.ल.) | प्रतिशत   |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                                                                                                                     | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| ५९      | असर        | गाउँपालिका प्रादेशिक संसदमा प्रतिनिधित्व (प्रतिशत) (५.५.१.२) (प.दि.वि.ल.)                                                                                                      | प्रतिशत |           |             |
| ६०      | असर        | स्थानीय सरकारका तहहरूमा प्रतिनिधित्व (Bodies) (प्रतिशत) (५.५.१.३) (प.दि.वि.ल.)                                                                                                 | प्रतिशत |           |             |
| ६१      | असर        | निजी क्षेत्रको निर्णायक तहमा महिलाहरूको सहभागिता (प्रतिशत) (५.५.२.१) (प.दि.वि.ल.)                                                                                              | प्रतिशत |           |             |
| ६२      | असर        | सहकारी क्षेत्रमा महिलाहरूको सहभागिता (प्रतिशत) (५.५.२.१) (प.दि.वि.ल.)                                                                                                          | प्रतिशत |           |             |
| ६३      | असर        | सार्वजनिक सेवाका नीति निर्माणका पदहरूमा रहेका महिला (कुल कर्मचारीहरूमध्ये महिलाको प्रतिशत) (५.५.२.२) (प.दि.वि.ल.)                                                              | प्रतिशत |           |             |
| ६४      | असर        | व्यावसायिक र प्राविधिक कामदारहरूमा महिला-पुरुषको अनुपात (Ratio of women to men) (प्रतिशत) (५.५.२.३) (प.दि.वि.ल.)                                                               | प्रतिशत |           |             |
| ६५      | असर        | यौन सम्वन्ध, परिवार नियोजनका साधनहरूको प्रयोग र प्रजनन स्वास्थ्य हेरचाह सम्वन्धमा सुसूचित भएर आफैले निर्णय गर्ने १५ देखि ४९ वर्ष उमेरका महिलाहरूको अनुपात (५.६.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |
| ६६      | प्रतिफल    | महिलाहरूको अचल स्वामित्व भएका उद्यमहरूको संख्या (५.क.१) (प.दि.वि.ल.)                                                                                                           | संख्या  |           |             |
| ६७      | प्रतिफल    | महिलाहरूको सम्पत्तिमाथिको स्वामित्व (जमिन र घर) (५.क.२) (प.दि.वि.ल.)                                                                                                           | संख्या  |           |             |
| ६८      | असर        | १५ देखि २४ वर्ष उमेर समूहका इन्टरनेट प्रयोग गर्ने महिलाको प्रतिशत (५.ख.१) (प.दि.वि.ल.)                                                                                         | प्रतिशत |           |             |
| ६९      | असर        | मोबाइल प्रयोग गर्ने महिलाको प्रतिशत (५.ख.१) (प.दि.वि.ल.)                                                                                                                       | प्रतिशत |           |             |

## ५.४.२ बालबालिका तथा किशोरकिशोरी

### क) पृष्ठभूमि

बालबालिका तथा किशोरकिशोरीलाई भविष्यका कर्णधारको रूपमा लिइन्छ। किनकि हालको बालबालिकाको समग्र अवस्थाले भोलि राष्ट्र निर्माण तथा समाज निर्माणमा जिम्मेवार हुने मानव संसाधन कस्तो हुनेछ भन्ने निर्धारण गर्दछ। त्यसकारण नेपालको संविधानले बालबालिकाको हकलाई मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरी बालअधिकार संरक्षण राज्यको अनिवार्य दायित्व भित्र राखेको छ भने स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४, बालबालिका सम्बन्धी ऐन, २०७५ तथा दिगो विकास लक्ष्य समेत बालबालिका तथा किशोर किशोरीमाथि हुने सबै प्रकारका विभेद अन्त्य गर्नेतर्फ लक्षित रहेको छ। बालबालिकाको उचित हेरचाह, शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य जस्ता विषयहरू बाल अधिकार अर्थात् नागरिक दायित्व र जिम्मेवारीका मात्र विषय होइनन्, यी विषय भोलिको समाज र राष्ट्र निर्माणमा गरिने वृहत् लगानीसँग गाँसिएका विषयहरू हुन्।

गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँ जन्मे १४ वर्ष सम्मका बालबालिकाको संख्या ६,५८६ रहेकोमा ३,३८२ जना बालक र ३,२०३ जना बालिकाहरू रहेका छन्। यसरी बालबालिकाको संख्या धेरै हुनुले ठूलो रकम यी बालबालिकाको हेरचाह, स्वास्थ्य, शिक्षा र पोषणमा खर्च गर्नुपर्ने हुन्छ। बालबालिकाहरूलाई स्वास्थ्य तथा पोषणका हिसाबले समेत पूर्ण सुरक्षित राख्नु गाउँपालिकाको दायित्वभित्र पर्दछ।

### ख) समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकामा बालमैत्री कार्यक्रमहरू सञ्चालनमा प्रभावकारी रूपमा सञ्चालन हुन नसकेको।</li> <li>बालबालिका तथा किशोरकिशोरी परम्परागत हिंसा तथा सामाजिक सञ्जालमार्फत हुने हिंसाका कारण संवेदनशील अवस्थामा रहेका।</li> <li>सरकारले बालबालिकाको क्षेत्रमा गरेको लगानी पर्याप्त र प्रभावकारी नभएको।</li> <li>विपन्नताका कारण धेरै बालबालिकाहरू आधारभूत आवश्यकता र अधिकारबाट वञ्चित हुनु परेको।</li> <li>बालबालिकालाई उचित शिक्षा, पोषण र स्वास्थ्यको पूर्ण ग्यारेन्टी गर्न नसकिएको।</li> <li>बालबालिकाको उचित स्याहार र अधिकारको प्रत्याभूति गर्नु चुनौती र जिम्मेवारी रहेको।</li> <li>समयमै बालबालिका सवालहरूको सम्बोधन गर्न नसके भोलिको भविष्य अनिश्चित र अन्धकार हुने जोखिम रहेको।</li> <li>बेरोजगारीका कारण विदेश पलायन हुने प्रवृत्ति रहेको।</li> </ul> |

### ग) सम्भावना तथा अवसर

| सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>संविधान प्रदत्त बालबालिकाको मौलिक हक तथा अधिकार संरक्षणको दायित्व स्थानीय सरकार सामु आएको।</li> <li>राष्ट्रिय, प्रादेशिक र दिगो विकास लक्ष्यका नीति, कानून, संस्थागत संयन्त्र, योजना तथा कार्यक्रमहरूमा बालबालिकालाई प्राथमिकतामा राखिएको।</li> <li>बालअधिकार संरक्षण तथा प्रवर्द्धनका लागि बाल अधिकार तथा बालमैत्री स्थानीय शासनको अवधारणा आएको।</li> <li>गाउँपालिकाको जनसंख्याको ठूलो हिस्सा बालबालिका भएकाले उनीहरूको राम्रो हेरचाह गर्दै भविष्यका लागि असल समाज र नागरिक निर्माण गर्न सकिने।</li> <li>स्थानीय सरकारले बाल सरोकारका विषयलाई आफ्ना नीति तथा कार्यक्रममा महत्व दिने गरेको।</li> </ul> |

**सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू**

- गाउँपालिकाले बालबालकाहरू माफत नैतिक, व्यवहारिक र जिवनउपयोगी शिक्षा प्रवर्द्धन गर्दै जाने नीति अगाडी सारेको ।
- गाउँपालिकाले बालविवाह, बालहिंसा लागू पदार्थ दुर्यसन जस्ता कु-संस्कारको अन्त्यका लागि नेपाल प्रहरी सँग साभेदारीमा आवश्यक कार्यक्रमहरू संचालन गर्ने नीति अगाडी सारेको ।

**घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम**

| दीर्घकालीन सोच                                                                                     |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------|
| नैसर्गिक अधिकारपूर्ण बालमैत्री समाज                                                                |
| लक्ष्य                                                                                             |
| बालबालिकाको अधिकार अन्तर्गत स्वास्थ्य, पोषण, उचित स्याहार र शिक्षाका आधारभूत आवश्यकता पूरा गर्ने । |
| उद्देश्यहरू                                                                                        |
| ✓ बालबालिकाको मौलिक हकको सुनिश्चितता गर्नु ।                                                       |

**उद्देश्य १. बालबालिकाका मौलिक हकको सुनिश्चितता गर्नु ।**

| रणनीति                                                                                     | कार्यनीति                                                                                                                                                                                |
|--------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १.१ बाल अधिकार सम्बन्धी जनचेतना जागरण गर्ने ।                                              | १.१.१ बाल अधिकार र बालबालिकामा गरिने लगानीका सम्बन्धमा अभिभावकहरूलाई सचेत नाउने कार्यक्रम अभियानका रुपमा सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                |
|                                                                                            | १.१.२ बालबालिकाहरू स्वयंलाई बालबालिकाका आवश्यकता र अधिकारका विषयमा सचेत तुल्याउन विद्यालय पाठ्यक्रम बाहेक स्थानीय अधिकारकर्मीको सहयोगमा विद्यालयस्तरीय सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
|                                                                                            | १.१.३ बालमैत्री स्थानीय शासन (CFLG) कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्ने हेतुले गाउँपालिकाका समग्र बालबालिकाको वस्तुगत अवस्थाबारे अध्ययन गरी बालबालिका स्थितिपत्र तयार पारिनेछ ।                  |
|                                                                                            | १.१.४ बालअधिकार जागरण अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                            |
| १.२ अतिविपन्न तथा विशेष संरक्षण आवश्यक असहाय बालबालिका केन्द्रित कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने । | १.२.१ गाउँपालिकामा वर्षभरी खान लगाउन नपुग्ने अतिविपन्न परिवारका तथा असहाय बालबालिकाको व्यक्तिगत विवरण तयार पारिनेछ ।                                                                     |
|                                                                                            | १.२.२ जोखिमयुक्त काम, बालश्रम, बेचबिखन तथा ओसारपसारमा परेका बालबालिकाको स्थितिपत्र प्रकाशन गरिनेछ ।                                                                                      |
|                                                                                            | १.२.३ जोखिमयुक्त काम, बालश्रम, बालबालिका बेचबिखन तथा ओसार पसार विरुद्ध वडास्तरीय नियमित जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                           |
|                                                                                            | १.२.४ बाल संरक्षण समितिको क्षमता अभिवृद्धि गरि परिचालन गरिनेछ ।                                                                                                                          |
| १.३ बालअधिकार सम्बन्धी नीतिगत सुधार तथा व्यवस्था गर्ने ।                                   | १.२.५ जोखिमपूर्ण काम, बालश्रम, बेचबिखन र ओसारपसार विरुद्ध सुरक्षा निकाय, नागरिक समाज, बाल अधिकारकर्मी र स्थानीय जनप्रतिनिधी सम्मिलित निगरानी सेल गठन गरिनेछ ।                            |
|                                                                                            | १.३.१ गाउँपालिकालाई सडक बालबालिका र बालश्रममूक्त घोषणा गर्न गृहकार्य गरिनेछ ।                                                                                                            |
|                                                                                            | १.३.२ सबै प्रकारका बाल हिंसा विरुद्ध आवाज उठाउन सञ्चार माध्यम, सामाजिक सचेतना सञ्चालन तथा सरकारी र गैर सरकारी संस्थाको सहयोग लिइनेछ ।                                                    |
|                                                                                            | १.३.३ बालबालका स्थापना र तीनको प्रभावकारीता वृद्धि गर्न बालबालिकालाई Motivational तथा नेतृत्व विकास तालिम प्रदान गरिनेछ ।                                                                |

| उद्देश्य १. बालबालिकाका मौलिक हकको सुनिश्चितता गर्नु । |                                                                                                                                                                    |
|--------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                 | कार्यनीति                                                                                                                                                          |
|                                                        | १.३.४ बालबालिका विरुद्ध हुने हिंसा तथा शोषणका क्रियाकलाप नियन्त्रण गर्न एक बाल हेल्पलाइन सेवा सञ्चालन गरिनेछ ।                                                     |
|                                                        | १.३.५ वडास्तरीय एक बाल उद्यान निर्माण गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                                                                              |
|                                                        | १.३.६ बाल प्रतिभा पहिचान विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                          |
|                                                        | १.३.७ उपप्रमुखको सिफारिस वा गाउँपालिकाले तोके बमोजिम कार्यपालिकाको सदस्यको अध्यक्षतामा गाउँपालिकास्तरीय बालअधिकार सञ्जाल समिति गठन गरिनेछ ।                        |
|                                                        | १.३.८ बाल अधिकार संरक्षण र सम्बर्द्धन गर्न एक जना बालकल्याण अधिकारी नियुक्त गरिनेछ ।                                                                               |
|                                                        | १.३.९ स्थानीयस्तरमा बाल मनोविज्ञानको रूपमा काम गर्न चाहने व्यक्तिले तोकिए बमोजिमको योग्यता पुरा गरी स्थानीय बाल अधिकार समितिमा सूचीकृत हुने प्रावधान लागू गरिनेछ । |
|                                                        | १.३.१० बालबालिका सम्बन्धी ऐन २०७५, को दफा ६३ बमोजिम बालबालिकालाई तत्काल संरक्षण, उद्धार, राहत र पुनस्थापनार्थ एक बालकोष निर्माण गरिनेछ ।                           |

### बालबालिकाको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                     | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|---------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                               | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | बाल अधिकार सम्बन्धी अभिभावक सचेतना कार्यक्रम                  | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.१.२     | स्थानीय अधिकारकर्मीको सहयोगमा विद्यालयस्तरीय सचेतना कार्यक्रम | ६०                | ६०          | ६०          | ६०        | ६०          |                 |
|          |        | १.१.३     | बालबालिकाको वस्तुगत स्थितिपत्र तयारी                          | ३०                | ३०          | ३०          | ३०        | ३०          |                 |
|          |        | १.१.४     | बालअधिकार जागरण अभियान सञ्चालन                                | ७०                | ७०          | ७०          | ७०        | ७०          |                 |
|          | १.२    | १.२.१     | अतिविपन्न, असहाय बालबालिकाको व्यक्तिगत विवरण तयार             | ३०                | ३०          | ३०          | ३०        | ३०          |                 |
|          |        | १.२.२     | बेचबिखन र ओसारपसारमा परेका बालबालिकाको स्थितिपत्र प्रकाशन     | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          |        | १.२.३     | बेचबिखन र ओसारपसार विरुद्ध जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन      | १००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.४     | बाल संरक्षण समिति क्षमता विकास कार्यक्रम                      | ५०                | ६०          | ७०          | ८०        | ९०          |                 |
|          |        | १.२.५     | बेचबिखन र ओसारपसार विरुद्ध निगरानी सेल गठन                    |                   | २००         |             |           |             |                 |
|          | १.३    | १.३.१     | सडक बालबालिका र बालश्रम मूक्त गाउँपालिका घोषणा                |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.३.२     | बालशोषण र बाल हिंसा विरुद्ध जनचेतना अभियान                    | ४०                | ४०          | ४०          | ४०        | ४०          |                 |
|          |        | १.३.३     | बाल क्लबमा आबद्ध बालबालिकाको नेतृत्व विकास तालिम              | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.३.४     | बाल हेल्पलाइन सेवा सञ्चालन                                    |                   | ८०          |             |           |             |                 |
|          |        | १.३.५     | बाल उद्यान सम्भाव्यता अध्ययन                                  | ३००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.३.६     | बाल प्रतिभा पहिचान विशेष कार्यक्रम सञ्चालन                    | १००               | २००         | ३००         | ४००       | ५००         |                 |
|          |        | १.३.७     | बालअधिकार समिति गठन                                           | २००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.३.८     | बाल कल्याण अधिकारी नियुक्ति                                   |                   |             |             |           |             |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                       | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|-------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                 | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
|          |        | १.३.९     | स्थानीय बालअधिकार समितिमा सूचिकृत हुने प्रावधान |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.३.१०    | बालकोष निर्माण                                  |                   | ५००         |             |           |             |                 |

#### ड) अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका

- ✓ बालमैत्री समाजको निर्माण हुनेछ ।
- ✓ आधारभूत बाल अधिकारको सुनिश्चितता हुनेछ ।
- ✓ अति विपन्न र असहाय बालबालिकाहरू सुरक्षित हुनेछन् ।
- ✓ बालमैत्री स्थानीय शासनको अभ्यास सफल हुनेछ ।

#### नतिजा सूचक

| क्र.सं.          | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                                                                                                                  | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|------------------|------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| <b>बालबालिका</b> |            |                                                                                                                                                                             |         |           |             |
| १                | प्रतिफल    | वित्तोको १२ महिनामा आफ्नो हेरचाह गर्ने व्यक्तिबाट कुनै प्रकारको मनोवैज्ञानिक वा शारीरिक आक्रमण वा त्रास भोगेको १ देखि १७ वर्ष सम्मको बालबालिका संख्या (१६.२.१) (प.वि.वि.ल.) | संख्या  |           |             |
| २                | प्रतिफल    | स्थानीय पञ्जिकरण इकाइमा दर्ता भएका ५ वर्ष मुनिका बालबालिका (१६.९.१) (प.वि.वि.ल.)                                                                                            | प्रतिशत |           |             |
| ३                | प्रतिफल    | (५ देखि १७ वर्ष) बाल श्रमिकको (संख्या) (८.७.१) (प.वि.वि.ल.)                                                                                                                 | संख्या  |           |             |
| ४                | प्रतिफल    | बालश्रमिकहरू (घटाउँदै लैजाने)                                                                                                                                               | संख्या  |           |             |
| ५                | प्रतिफल    | असहाय बालबालिका (संख्या)                                                                                                                                                    | संख्या  |           |             |
| ६                | प्रतिफल    | पुर्नस्थापित बालबालिका संख्या                                                                                                                                               | संख्या  |           |             |
| ७                | प्रतिफल    | विद्यालय जान नपाएका बालबालिकाको संख्या                                                                                                                                      | संख्या  |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                                                          | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| ८       | असर        | भारत लगायतका मुलुकमा तथा घरेलु कामदारको रुपमा प्रतिवर्ष हुने बालबालिका बेचबिखन सूचना संख्या (१६.२.२.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या  |           |             |
| ९       | प्रतिफल    | बालगृह संख्या                                                                                                       | संख्या  |           |             |
| १०      | प्रतिफल    | बाल सुरक्षा/संरक्षण गृह                                                                                             | संख्या  |           |             |
| ११      | प्रतिफल    | बाल विवाह संख्या                                                                                                    | संख्या  |           |             |
| १२      | प्रतिफल    | बाल उद्यान संख्या                                                                                                   | संख्या  |           |             |
| १३      | प्रतिफल    | पोषण सुनिश्चित गरिएका असहाय अति विपन्न बालबालिका                                                                    | संख्या  |           |             |
| १४      | असर        | जोखिमपूर्ण काममा संलग्न बालबालिका (८.७.१.१) (प.दि.वि.ल.)                                                            | प्रतिशत |           |             |
| १५      | प्रतिफल    | बालबालिका केन्द्रित वार्षिक बाल कार्यक्रम                                                                           | संख्या  |           |             |

## ५.५ युवा तथा खेलकुद

### ५.५.१ पृष्ठभूमि

राष्ट्रिय युवा नीति, २०७२ अनुसार १६ देखि ४० वर्ष उमेर समूहको जनसंख्यालाई युवा समूहमा राखिएको छ। यस गाउँपालिका भित्र १५ देखि ५९ वर्ष सम्मका सकृय युवाको संख्या १८,९६३ अर्थात ६७.५९ प्रतिशत रहेको छ। जसमध्ये पुरुषको संख्या ९,५३५ र महिलाको संख्या ९,४२८ जना रहेको छ। देशको प्रमुख श्रम शक्ति, मानव संसाधन र उर्जाको आधार स्तम्भ नै यी युवाहरू हुन्। युवाको सामर्थ्यलाई पूर्णतः सदुपयोग गरेका राष्ट्रहरूले नै ठूलो फाइदा मारेका छन्। काम गर्न सक्ने उच्च सक्रिय उमेरको जनसंख्या नै जनसांख्यिक लाभान्श हो। यहाँबाट प्राप्त पछिल्लो तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकामा खेलकुदको क्षेत्रमा अन्तराष्ट्रिय स्तरको ख्याती कमाएका २ जना तेक्वान्दो खेलाडीहरू रहेका छन्। खेलकुद अभ्यासका लागि विद्यालय स्तरीय खेलमैदान बाहेक १३ वटा खेल मैदानहरू रहेका छन् भने ६ वटा सक्रिय युवा क्लब रहेका छन्।

विश्वका विकसित देशहरूले खेल पर्यटन मार्फत समृद्धि हासिल गरेको र विश्वस्तरमा पहिचान स्थापित गरेको पाइन्छ। उदाहरणको लागि स्पेन, इटली, इङ्ल्याण्ड, ब्राजिल, फ्रान्स जस्ता राष्ट्रहरू हाल खेल प्रवर्द्धन मार्फत विश्व परिचित मात्र नभई खबौं डलरको कारोबार गर्दछन्। छिमेकी राष्ट्र भारत समेत क्रिकेटका लागि प्रसिद्ध मानिन्छ। पूर्वाधार अभाव तथा व्यवसायिकताको अवसर नहुँदा नहुँदै पनि नेपाली खेलाडीहरू खेलकुदमा आबद्ध छन् किनकि खेलकुद विकास आर्थिक समृद्धिसँग पनि जोडिएको छ। यस गाउँपालिकाले पनि आफ्ना नीति तथा कार्यक्रममा खेलकुद विकासलाई महत्व दिएको छ।

### ५.५.२ समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- गाउँपालिकामा भएका खेल मैदान, पार्क तथा पिकनिक स्थल व्यवस्थित एवं पूर्वाधारयुक्त हुन नसक्नु।
- गाउँपालिकामा खेलकुदको विकास गर्न स्थानीयस्तरमा खेलकुद प्रशिक्षकको अभाव हुनु।
- सीमित बजेटका कारण गाउँपालिकाले खेलकुद तथा मनोरञ्जनमा यथोचित लगानी गर्न नसक्नु।
- व्यवस्थित खेलकुद पूर्वाधारहरूको विकास गर्न ठूलो आकारको बजेटको व्यवस्थापनको चुनौती रहेको।
- भौगोलिक अवस्थिति सहज हुँदा हुँदै पनि एकीकृत खेलकुद जागरण अभावका कारण खेलकुद पूर्वाधारको विकास गर्न चाहेजति सहज र चुस्त रूपमा विकास गर्न कठिन रहेको।
- खेलकुदलाई व्यवसायीकरण गर्न राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय प्रतियोगितामा खेलाडीहरू समावेश गराउन कठिन परिस्थिति रहेको।
- ऐतिहासिक, पर्यटकीय तथा धार्मिक महत्वका क्षेत्रहरूमा पार्क, वनभोज स्थल आदिको विकास गर्न कठिन।

### ५.५.३ सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाको प्रायः वडाहरूमा सार्वजनिक खेलमैदानहरू, सामुदायिक भवन तथा भेटघाट केन्द्रहरू रहेका।
- गाउँपालिकाका सबै विद्यालय तथा वडाहरूमा आवश्यक खुलाचौर तथा खेलमैदान रहेका।
- गाउँपालिकाले राष्ट्रिय तथा गाउँपालिकास्तरीय खेल प्रतियोगिता सञ्चालनका लागि प्रोत्साहन गर्ने कार्य गरिरहेको।
- विभिन्न स्थानीय तथा राष्ट्रिय खेलहरू मार्फत स्थानीय प्रतिभाहरू जगेर्ना गर्न सकिने।
- खेल पूर्वाधारको विकास मार्फत विभिन्न खेल प्रतियोगिताहरू आयोजना गरी खेलकुद पर्यटनको विकास गर्न सकिने।

| सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>खेलाडीहरूलाई प्रशिक्षण तथा प्रतियोगितात्मक कार्यक्रमहरू थप गर्न सकिने ।</li> <li>गाउँपालिकाले वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केका युवाहरूलाई समाजमा पुनः एकीकरण गर्दै वैदेशिक रोजगारीबाट प्राप्त विप्रेषणको उचित उपयोगको लागि व्यवस्था मिलाउने नीति अगाडी सारेको ।</li> <li>गाउँपालिकाले शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्यका लागि खेलकुद भन्ने नाराका साथ पालिकास्तरीय खेलकुद प्रतियोगिता संचालन गर्दै खेलकुद क्षेत्रको विकास गर्ने नीति अगाडी सारेको ।</li> </ul> |

#### ५.५.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                                                |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------|
| शारीरिक र मानसिक रुपमा स्वस्थ नागरिक निर्माण                                                  |
| लक्ष्य                                                                                        |
| शारीरिक स्वास्थ्य र मानसिक सन्तुलनका लागि आधारभूत खेलकुद र मनोरञ्जनका पूर्वाधार विकास गर्ने । |
| उद्देश्यहरू                                                                                   |
| ✓ युवाका लागि खेलकुद व्यवसायिकता तथा आत्मनिर्भरताका अवसर सृजना गर्नु ।                        |

| उद्देश्य १: श्रमशिल र सकृय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु |                                                                                                                                                                                                                         |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                              | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                               |
| १.१ युवा तथ्याङ्क व्यवस्थापन गर्ने ।                                                                | १.१.१ गाउँपालिकाभर रहेका युवा जनशक्तिको पृष्ठभूमिबारे स्थितिपत्र तयार पारिनेछ ।                                                                                                                                         |
|                                                                                                     | १.१.२ पालिकाबाट श्रम तथा रोजगारीका लागि बाहिरिएका युवाहरूको पूर्ण विवरण तयार पारिनेछ ।                                                                                                                                  |
| १.२ दक्ष र सीपयुक्त मानव संसाधनको विकास गर्ने ।                                                     | १.२.१ युवा स्थितिपत्रमा तयार विवरण अनुसार हाल अदक्ष र अर्धदक्ष मानव स्रोतलाई लक्षित गरी उनीहरूको रुचि र भुकाव अनुसार नियमित सीप विकास रोजगारीमूलक र Motivational तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।                                 |
|                                                                                                     | १.२.२ समाजमा शान्ति सुव्यवस्था, आपतकालीन उद्धार र मानव सेवामा लगाउने उद्देश्यका साथ युवा स्वयंसेवक दस्ता तयार गर्न अभिमूखीकरण तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                    |
|                                                                                                     | १.२.३ गायन, वाद्यवादन, नृत्य, कला, अभिनय आदिमा विशेष रुची भएका युवाको पहिचान गरी वडास्तरीय साँस्कृतिक समितिमा आवद्ध गराई उनीहरूलाई विशेष तालिम प्रदान गरिनेछ ।                                                          |
|                                                                                                     | १.२.४ कुनैपनि युवालाई बेरोजगार नराख्न प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत उनीहरूलाई समेटि गाउँघरमा आवश्यक अर्धदक्ष कामहरू जस्तै इलेक्ट्रिसियन, प्लम्बिङ, कृषि श्रम, निर्माण आदिका लागि विशेष तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |

| उद्देश्य १: श्रमशिल र सकृय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु |                                                                                                                                                                                        |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                              | कार्यनीति                                                                                                                                                                              |
|                                                                                                     | १.२.५ पालिकाभर सञ्चालनमा रहेका युवा क्लबहरूको अभिलेखीकरण गरी प्रत्येक क्लबलाई युवाका सरोकार समाधान गर्ने केन्द्रको रूपमा विकास गर्न एक गाउँपालिकास्तरीय युवा सम्मेलनको आयोजना गरिनेछ । |
|                                                                                                     | १.२.६ यस प्रकारका युवा क्लबका क्रियाकलापलाई संस्थागत रूपमा विकास गर्न केन्द्रिय स्तरमा सफल युवाहरूसँग साक्षात्कार गरी युवा क्लबलाई साधन श्रोत सम्पन्न गराइनेछ ।                        |
|                                                                                                     | १.२.७ कुलतमा फसेका युवाहरूको वडागत विवरण तयार पारी युवा क्लबको नेतृत्वमा सहिमार्गमा डोऱ्याउन अभिमूखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                     |
|                                                                                                     | १.२.८ युवा उद्यमीहरूको वडागत विवरण सङ्कलन गरी उनीहरूको थप नेतृत्व विकास तथा उद्यमशील विकास तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                      |
|                                                                                                     | १.२.९ जीवन निर्वाहमा चरम कठिनाई भोगी बेरोजगार तथा अर्ध बेरोजगार युवाहरूलाई माथि उठाउन वस्तुगत युवा उत्थान कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                   |

| उद्देश्य २: खेलकुद र मनोरञ्जनका माध्यमले नागरिकको खुशी र स्वास्थ्य सुदृढ गर्नु |                                                                                                                                   |
|--------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                         | कार्यनीति                                                                                                                         |
| २.१ खेलकुद पूर्वाधारको प्रवन्ध गर्ने ।                                         | २.१.१ विद्यालयहरूको स्तर अनुसार खेल मैदानको प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                      |
|                                                                                | २.१.२ विद्यालयहरूमा न्यूनतम खेल सामग्रीको प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                        |
|                                                                                | २.१.३ Swimming Pool सहितको खेल मैदानको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                          |
|                                                                                | २.१.४ वडास्तरीय खेलकुद विकास समितिलाई सक्रियताका लागि प्रोत्साहन गरिनेछ ।                                                         |
|                                                                                | २.१.५ समृद्धिका लागि स्वास्थ्य, स्वास्थ्यका लागि खेलकुद भन्ने मर्मलाई आत्मसात गराउन युवा क्लबहरूलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।           |
|                                                                                | २.१.६ पालिकास्तरीय रंगशाला निर्माण कार्य सम्पन्न गर्न नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार र राष्ट्रिय खेलकुद परिषदसँग समन्वय र पहल गरिनेछ । |
|                                                                                | २.१.७ खेलकुद विकासका लागि खेलकुद परिषद्को आवश्यक अध्ययन अगाडी बढाइनेछ ।                                                           |
|                                                                                | २.१.८ विद्यालयमा खेलमैत्री वातावरण निर्माणमा जोड दिइनेछ ।                                                                         |
|                                                                                | २.१.९ सामुदायिक विद्यालय मध्ये निश्चित क्षेत्रफल बढी जग्गा भएका ५ वटा विद्यालयमा खेलकुदका पूर्वाधार निर्माण गरिनेछ ।              |
|                                                                                | २.१.१० गाउँपालिकास्तरीय एक क्रिकेट रंगशाला निर्माण गरिनेछ ।                                                                       |
| २.२ खेलाडी पहिचान तथा प्रशिक्षण सञ्चालन गर्ने ।                                | २.२.१ गाउँपालिकास्तरीय सम्पूर्ण खेलाडीहरूको विवरण तयार पारिनेछ ।                                                                  |
|                                                                                | २.२.२ खेल अनुसार खेलाडी समूह छुट्याई वडास्तरीय खेलकुद समिति मार्फत प्रशिक्षण/तालिम प्रदान गरिनेछ ।                                |

| उद्देश्य २: खेलकुद र मनोरञ्जनका माध्यमले नागरिकको खुशी र स्वास्थ्य सुदृढ गर्नु      |                                                                                                                                                                                                                             |
|-------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                              | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                                   |
| २.३ खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन गर्ने ।                                              | २.२.३ राष्ट्रिय खेलमा भाग लिने खेलाडीहरूलाई विशेष तयारी प्रशिक्षण सञ्चालन गर्न कोषको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                                                                      |
|                                                                                     | २.३.१ स्थानीय तह र प्रदेशस्तरमा आयोजना हुने खेलहरूमा सहभागि हुन खेलाडी प्रशिक्षण सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                           |
|                                                                                     | २.३.२ उमेर समूहको आधारमा अन्तर विद्यालय वार्षिक खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                         |
|                                                                                     | २.३.३ गाउँपालिकास्तरीय वार्षिक खेलकुद क्यालेण्डरको व्यवस्था तथा खेल प्रतियोगिता सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                            |
| २.४ स्थानीय स्तरमा गर्न सकिने मनोरञ्जनात्मक कृयाकलापको अध्ययन गरी व्यवस्थित गर्ने । | २.३.४ कुनै पनि खेलकुदसँग सम्बन्धित संघ संस्थाले गाउँपालिकाभित्र राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय खेलकुद आयोजना गर्न चाहेमा साभेदारीमा खेल सञ्चालन गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ ।                                                       |
|                                                                                     | २.४.१ स्थानीय जातजाति, धर्म, सम्प्रदायहरूमा प्रचलित कला, कौशल, गायन, नृत्य आदिको पूर्ण विवरण तयार गरी तिनीहरूको जगेना र सान्दर्भिकता बारे अध्ययन गरिनेछ ।                                                                   |
|                                                                                     | २.४.२ ठूलो संख्याका मानिसहरूलाई सामूहिक रूपमा मनोरञ्जन प्रदान गर्ने प्रकारका स्थानीय जात्रा, मेला, हाट, नाटक, गीत, वाद्यवादन, नृत्य, जादु, कला, कौशल, आदिलाई संस्थागत गर्न सम्भावना अध्ययन तथा कला केन्द्र स्थापना गरिनेछ । |
|                                                                                     | २.४.३ वनभोज स्थलहरूलाई व्यवस्थित गर्न वडास्तरीय रूपमा रहेका पार्क तथा मनोरञ्जन स्थलहरूको स्तरोन्नति गरिनेछ ।                                                                                                                |
|                                                                                     | २.४.४ एक वडा एक पार्क अभियान सञ्चालन गरी प्रत्येक वडामा सघन वस्तीलाई पायक पर्ने स्थानमा मनोरञ्जन पार्क तथा चिल्ड्रेन पार्क स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                                          |
|                                                                                     | २.१.५ एक वडा एक खुल्ला व्यायामशाला निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                                                                                         |
|                                                                                     | २.१.६ गाउँपालिकास्तरीय खेलकुद महोत्सव सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                                                      |
|                                                                                     | २.१.७ गाउँपालिकास्तरीय अध्यक्ष कप, उपाध्यक्ष कप खेलकुद कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                           |

### युवा तथा खेलकुदको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                                       | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|-------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                                 | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | युवा स्थितिपत्र तयार                                                                            | ७५                |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.२     | रोजगारीका लागि बाहिरिने युवाहरूको समग्र विवरण तयार                                              | ३०                |             |             |           |             |                 |
|          | १.२    | १.२.१     | रोजगारीमूलक तथा युवा अभिमूखीकरण तालिम                                                           | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.२.२     | युवा स्वयंसेवा दस्ता तालिम                                                                      | ७०                | ७०          | ७०          | ७०        | ७०          |                 |
|          |        | १.२.३     | युवा कलाकारीता तालिम                                                                            | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.२.४     | प्रधानमन्त्री रोजगार विशेष तालिम                                                                | ४०                | ४०          | ४०          | ४०        | ४०          |                 |
|          |        | १.२.५     | गाउँपालिकास्तरीय युवा सम्मेलनको आयोजना                                                          | ८०                | ८०          | ८०          | ८०        | ८०          |                 |
|          |        | १.२.६     | युवा क्लबका क्रियाकलापलाई संस्थागत रुपमा विकास गर्न केन्द्रिय स्तरमा सफल युवाहरूसँग साक्षात्कार | ३५                | ३५          | ३५          | ३५        | ३५          |                 |
|          |        | १.२.७     | कुलतमा फसेका युवाहरूलाई अभिमूखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन                                            | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.२.८     | युवा उद्यमीहरूको थप नेतृत्व विकास तथा उद्यमशिल विकास तालिम सञ्चालन                              | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.२.९     | वस्तुगत युवा उत्थान तथा सर्वाङ्गीकरण कार्यक्रम सञ्चालन                                          | ७०                | ७५          | ७५          | ७५        | ७५          |                 |
|          | २.     | २.१.१     | विद्यालयस्तरीय खेल मैदान मर्मत सम्भार                                                           | १००               | १५०         | २००         | २५०       | ३००         |                 |
|          |        | २.१.२     | विद्यालय खेल सामग्री खरिद                                                                       | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          |        | २.१.३     | वडास्तरीय खेल मैदान निर्माण                                                                     |                   | ३००         | ३००         | ३००       | ३००         |                 |
|          |        | २.१.४     | वडास्तरीय खेलकुद विकास समिति निर्माण                                                            | १५०               | १५०         | १५०         | १५०       | १५०         |                 |
|          |        | २.१.५     | “समृद्धिका लागि स्वास्थ्य, स्वास्थ्यका लागि खेलकुद” कार्यक्रम सञ्चालन                           | १००               |             | १५०         |           | २५०         |                 |
|          |        | २.१.६     | खेलकुद स्थापनाका लागि आवश्यक अध्ययन                                                             | ५००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | २.१.७     | खेलकुद विकासका लागि खेलकुद परिषद्को आवश्यक अध्ययन                                               |                   | २५०         |             |           |             |                 |
|          |        | २.१.८     | विद्यालयमा खेलमैत्री वातावरण निर्माणमा जोड                                                      | ५००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | २.१.९     | एक सामुदायिक विद्यालय खेलकुद पूर्वाधार निर्माण गुरुयोजना तयार                                   |                   |             |             |           |             |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                                              | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                                        | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
|          |        | २.१.१०    | गाउँपालिकास्तरीय क्रिकेट रंगशाला निर्माण                                                               |                   |             |             |           |             |                 |
|          | २.२    | २.२.१     | खेलाडीको व्यक्तिगत विवरण तयारी                                                                         | ३०                |             |             |           |             |                 |
|          |        | २.२.२     | खेलाडी प्रशिक्षण वडास्तरीय (नियमित)                                                                    | ८०                | ८०          | ८०          | ८०        | ८०          |                 |
|          |        | २.२.३     | खेलाडी प्रशिक्षण (राष्ट्रिय प्रतियोगितामा सहभागी हुन)                                                  | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          | २.३    | २.३.१     | खेलाडी प्रशिक्षण (प्रादेशिक र स्थानीय तह)                                                              | ३५                | ३५          | ३५          | ३५        | ३५          |                 |
|          |        | २.३.२     | अन्तर विद्यालय वार्षिक खेलकुद Tournament                                                               | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          |        | २.३.३     | वडास्तरीय वार्षिक खेलकुद प्रतियोगिता                                                                   | ९०                | ९०          | ९०          | ९०        | ९०          |                 |
|          |        | २.३.४     | खेलकुदसँग सम्बन्धित संघसंस्थासँग साभेदारीमा गाउँपालिका भित्र राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय खेलकुद आयोजना | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          | २.४    | २.४.१     | स्थानीयस्तरमा हुने मनोरञ्जनात्मक गतिविधिको विवरण तयारी                                                 | ५०                |             |             |           |             |                 |
|          |        | २.४.२     | परम्परागत मनोरञ्जनात्मक कृयाकलाप संस्थागत गर्न सम्भाव्यता अध्ययन                                       | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | २.४.३     | वनभोजस्थल व्यवस्थापन गर्न वडास्तरीय पार्क सम्भाव्यता अध्ययन                                            |                   | ५००         |             |           |             |                 |
|          |        | २.४.४     | एक वडा एक मनोरञ्जन पार्क सम्भाव्यता अध्ययन                                                             | ५००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | २.४.५     | एक वडा एक खुल्ला व्यायामशाला निर्माण                                                                   |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | २.४.६     | गाउँपालिकास्तरीय खेलकुद महोत्सव सञ्चालन                                                                |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | २.४.७     | गाउँपालिकास्तरीय अध्यक्ष कप, उपाध्यक्ष कप खेलकुद कार्यक्रम सञ्चालन                                     |                   |             |             |           |             |                 |

#### ५.५.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ न्यूनतम खेलकुद पूर्वाधारको विकास हुनेछ ।
- ✓ खेलाडीहरू पहिचान भई क्षमता विकास भएको हुनेछ ।
- ✓ स्थानीयस्तरमा प्रचलनमा रहेका मनोरञ्जनात्मक क्रियाकलापहरू संस्थागत हुनेछन् ।

### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह      | नतिजा सूचक                             | इकाई   | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|-----------------|----------------------------------------|--------|-----------|-------------|
| १       | युवा तथा खेलकुद |                                        |        |           |             |
|         | प्रतिफल         | व्यायामशालाको संख्या                   | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल         | सुविधा सम्पन्न खेलकुद रंगशालाको संख्या | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल         | खेल मैदानको संख्या                     | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल         | थिएटर वा सिनेमा घरको संख्या            | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल         | बाल उद्यानको संख्या                    | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल         | पार्क तथा हरित उद्यानको संख्या         | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल         | व्यवस्थित पिकनिक स्थलको संख्या         | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल         | व्यवस्थित पौडी पोखरीको संख्या          | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल         | ज्येष्ठ नागरिक मिलन केन्द्रको संख्या   | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल         | साँस्कृतिक तथा कला केन्द्रको संख्या    | संख्या |           |             |

### ५.५.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ५.६ शान्ति सुरक्षा

### ५.६.१ पृष्ठभूमि

गरिबी, सामाजिक विसंगति र अपराध मनोविज्ञानका कारण समाजमा विविध किसिमका अपराधिक घटनाहरू घट्ने गर्दछन्। यस्ता घटनाहरू न्यूनीकरण गर्न शान्ति, सुरक्षा र अमन चयनको प्रवन्ध मिलाउने दायित्व राज्यको हुन आउँछ। त्यसका लागि गाउँपालिकामा रहेका सुरक्षा निकायलाई सहयोग गर्न र थप सशक्तिकरण गर्न गाउँपालिकाले विभिन्न कार्यक्रम बनाई लागु गर्न आवश्यक देखिन्छ। गाउँपालिकाको मुख्य मुख्य बजार केन्द्रहरूमा सडक बत्तीको साथ-साथै सिसि क्यामेराको व्यवस्था गर्न सकेमा सुरक्षालाई थप टेवा पुग्ने देखिन्छ। गाउँपालिकाले प्रहरी चौकि विस्तार गर्न, सुरक्षा गस्तीको प्रवन्ध गर्न र नगर प्रहरीको संख्या निर्धारण गरि उचित तालिमको प्रवन्ध गर्न आवश्यक रहेको छ।

### ५.६.२ समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"><li>गाउँपालिकामा छिटफुट रुपमा चोरी, भैँ-भगडा, डकैती, हत्या, घरेलु हिंसा तथा बलात्कारका घटना हुने गरेका।</li><li>प्रविधिको अभाव तथा सूचना प्रवाह कठिनाईका कारण अपराधका घटनाहरूको यथार्थ लगत राख्न कठिन भएको।</li><li>गाउँपालिकाको सीमित बजेटका कारण सुरक्षा निकायको उपस्थिति सबै वडामा पुऱ्याउने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको।</li><li>अपराधलाई लोकलाज अथवा डर त्रासका कारण लुकाई अपराधीलाई थप प्रोत्साहित हुने सम्भावना रहेको।</li><li>आत्महत्या नियन्त्रणका लागि मनोसामाजिक परामर्शदाता व्यवस्था गर्न तथा मनोरोगीको पहिचान र उपचार गर्ने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको।</li><li>लागुऔषध नियन्त्रण चुनौतीपूर्ण।</li><li>निमुखा तथा सोझा साझा नागरिकको सुरक्षा प्रत्याभूत गर्न चुनौतीपूर्ण।</li></ul> |

### ५.६.३ सम्भावना तथा अवसर

| सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"><li>आम नागरिकलाई स्वतन्त्रतापूर्वक हिँडडुल गर्न तथा दैनिक कार्य सञ्चालन गर्न सुरक्षा चुनौती नभएको।</li><li>कुनै पनि बेला हुन सक्ने दुर्घटनाको तत्काल सम्बोधन गर्न सकिने।</li><li>घटना वा दुर्घटनाका बेला उद्धार सामग्रीको पर्याप्त आपूर्ति गर्न सकिने।</li><li>अमनचयन तथा शान्ति सुरक्षाको अवस्थालाई जुभारु राख्न उपयुक्त कदमहरू चाल्न सकिने।</li></ul> |

### ५.६.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                                            |
|-------------------------------------------------------------------------------------------|
| शान्ति सुरक्षाका हिसाबले सुरक्षित गाउँपालिका                                              |
| लक्ष्य                                                                                    |
| गाउँपालिकाबासीलाई शान्ति सुव्यवस्थाका हिसाबले पूर्ण सुरक्षित महशुस गराउने।                |
| उद्देश्यहरू                                                                               |
| समाजमा पूर्ण शान्ति सुव्यवस्था तथा अमनचयन कायम गरी सबै प्रकारका अपराधलाई नियन्त्रण गर्नु। |

| उद्देश्य १: समाजमा पूर्ण शान्ति सुव्यवस्था तथा अमनचयन कायम गरी सबै खाले अपराधलाई नियन्त्रण गर्नु |                                                                                                                                                           |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                           | कार्यनीति                                                                                                                                                 |
| १.१ सुरक्षा पूर्वाधारको विकास गर्ने ।                                                            | १.१.१ सुरक्षाका लागि प्रहरी चौकी स्थापना गर्नुपर्ने आवश्यकता भएका स्थानहरूको अध्ययन गरी सुरक्षा निकायसँग समन्वय गरिनेछ ।                                  |
|                                                                                                  | १.१.२ आवश्यकताका आधारमा नगर प्रहरी थप गरिनेछ ।                                                                                                            |
|                                                                                                  | १.१.३ सुरक्षा गस्तीलाई आवश्यकता अनुरूप नियमित र अपराध संवेदनशील क्षेत्रमा सघन बनाइनेछ ।                                                                   |
|                                                                                                  | १.१.४ मदिरापान, लागुऔषध भिडभाड, होहल्ला भै-भगडा हुने क्षेत्रमा सुरक्षा सर्तकता वृद्धि गरी सुरक्षा योजना निर्माण गरिनेछ ।                                  |
|                                                                                                  | १.१.५ Hot Line सेवाको प्रवन्ध गरी तत्काल परिचालन हुने stand by force तयार पारिनेछ ।                                                                       |
|                                                                                                  | १.१.६ विशेष उद्धार टोली निर्माण गरी तयारी अवस्थामा राखिनेछ ।                                                                                              |
|                                                                                                  | १.१.७ व्यक्तिगत सुरक्षा र सूचना दिन प्रोत्साहन गर्ने हिसाबले विद्यार्थीसँग प्रहरी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                  |
|                                                                                                  | १.१.८ सघन बस्ती रहेका बजार क्षेत्रहरूमा आवश्यकताका आधारमा CCTV जडान गरिनेछ ।                                                                              |
|                                                                                                  | १.१.९ अपराध नियन्त्रण तथा सम्भावित अपराधिक क्रियाकलाप न्यूनीकरण गर्न समुदायसँग प्रहरी विशेष अभियान अन्तर्गत व्यापक जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
| १.२ संस्थागत क्षमता विकासका कृयाकलाप सञ्चालन गर्ने ।                                             | १.२.१ अपराध हुनु अगावै सूचना प्राप्त गर्न सक्ने गुप्तचर सेवालाई प्रभावकारी बनाउन तालिम र कार्ययोजना निर्माण गरिनेछ ।                                      |
|                                                                                                  | १.२.२ नगर प्रहरीलाई संवेदनशीलताका आधारमा क्षमता विकास तालिम प्रदान गरिनेछ ।                                                                               |

### शान्ति सुरक्षाको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                 | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|-----------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                           | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | प्रहरी चौकी विस्तार गर्न आवश्यक स्थानको सम्भाव्यता अध्ययन |                   | १००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.२     | आवश्यकताका आधारमा नगर प्रहरीको दरबन्दी तय                 |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.३     | सुरक्षा गस्तीको आवश्यक रुट र स्थानबारे अध्ययन             |                   |             | १००         |           |             |                 |
|          |        | १.१.४     | समग्र गाउँपालिका सुरक्षा योजना निर्माण                    |                   |             |             | २००       |             |                 |
|          |        | १.१.५     | Hot Line सेवा सञ्चालन                                     |                   | १००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.६     | उद्धार संयन्त्र निर्माण                                   | २००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.७     | विद्यार्थीसँग प्रहरी विशेष कार्यक्रम                      | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.१.८     | सघन बजार र बस्ती क्षेत्रमा CCTV जडान                      |                   |             | ९०          | ९०        | ९०          |                 |
|          |        | १.१.९     | समुदायसँग प्रहरी जनचेतनामूलक कार्यक्रम                    |                   |             |             |           |             |                 |
|          | १.२    | १.२.१     | गुप्तचर सेवा तालिम                                        | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.२.२     | नगर प्रहरी तालिम                                          | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |

### ५.६.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

✓ गाउँपालिका वासिन्दाहरू सुरक्षाका हिसाबले दुक्क छु भन्ने वातावरण सिर्जना भएको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह     | नतिजा सूचक                                                                                               | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|----------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| १.      | शान्ति सुरक्षा |                                                                                                          |         |           |             |
|         | प्रतिफल        | प्रहरी बिटको संख्या                                                                                      | संख्या  |           |             |
|         | असर            | प्रति वर्ष हुने अपराधिक क्रियाकलापका घटनाहरू (घटाउँदै लाने)                                              | प्रतिशत |           |             |
|         | असर            | हत्या संख्या (१६.१.१) (प.दि.वि.ल.)                                                                       | संख्या  |           |             |
|         | असर            | प्रति सुरक्षाकर्मी जनसंख्या अनुपात                                                                       | प्रतिशत |           |             |
|         | असर            | दर्ता गरिएका यौनजन्य हिंसा                                                                               | संख्या  |           |             |
|         | असर            | विगत १२ महिनामा सशस्त्र वा अन्य हिंसात्मक द्वन्द्वबाट भएको मृत्यु संख्या (१६.१.१) (प.दि.वि.ल.)           | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल        | नेपाल प्रहरी                                                                                             | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल        | नेपाली सेना                                                                                              | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल        | सशस्त्र प्रहरी                                                                                           | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल        | नगर प्रहरी                                                                                               | संख्या  |           |             |
|         | असर            | मानव बेचबिखन संख्या                                                                                      | संख्या  |           |             |
|         | असर            | आफू बसेको क्षेत्र वरिपरि एकलै हिंडुल गर्ने आफूलाई सुरक्षित ठान्ने जनसंख्या प्रतिशत (१६.१.४) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल        | सिसिटिभी जडान संख्या                                                                                     | संख्या  |           |             |

## ५.७ शवदाहस्थल तथा समाधीस्थल व्यवस्थापन

### ५.७.१ पृष्ठभूमि

हरेक क्षेत्र तथा समुदायको आ-आफ्नो धर्म र सँस्कृतिअनुसार शवदाहस्थल र समाधीस्थल व्यवस्थापन एक महत्वपूर्ण र संवेदनशील विषय र आवश्यकता पनि हो । भावनात्मक अर्थ समेत बोकेको यो विषयलाई कुनै पनि योजनाले समयमै सम्बोधन गर्नुपर्दछ । परम्परागत रूपमा सञ्चालनमा रहेका शवदाहस्थल र समाधीस्थललाई भविष्यमा सहज र व्यवस्थित बनाउनु पर्दछ । गाउँपालिका क्षेत्रभित्र जातिय तथा धार्मिक विविधता भएसँगै प्राकृतिक स्रोतका कारण शवदहन गर्न शहरी क्षेत्र तथा बजार क्षेत्र बाहेकका वडाहरूमा जाती तथा धर्म अनुसार शवदहन क्षेत्र रहेका छन् । हाल यहाँ सञ्चालनमा रहेका शवदाहस्थल तथा समाधीस्थलहरूमा, धारापानी शवदाहस्थल, कुरिनघाट शवदाहस्थल, त्रिशुली नदी किनार कुरिनटार, त्रिशुली नदी किनार चुमलिङ, फिस्लिङ किनार, रिग्दी खोला (मगर तथा अन्य समुदायको लागि), काली खोला ठूलो (मगर समुदायको लागि), वडा नं. १ को चिहान डाँडा, जलविरे खोला घाट, पाँचकिलो त्रिशुली घाट, कालीखोला घाट, ठूलो भञ्ज्याङ चिहान डाँडा लगायत रहेका छन् । यसका अलावा गुरुङ, तामाङ र चेपाङ समुदायका आ-आफ्ना टोलमा अन्तिम संस्कार गर्ने खाली स्थानहरू रहेका छन् । अव्यवस्थित शवदहन कार्यले वातावरणका साथै मानव स्वास्थ्यमा समेत नकारात्मक असर पार्ने गर्दछ । त्यसैले गाउँपालिका भित्रका प्रत्येक वडामा भौतिक सुविधा सम्पन्न शवदाहस्थल तथा समाधीस्थलको व्यवस्थापन गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

### ५.७.२ समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- गाउँपालिका क्षेत्र भित्र व्यवस्थित तवरले शवदाहस्थल तथा समाधीस्थलहरूको व्यवस्थापन भैनसकेको ।
- अव्यवस्थित दाहसंस्कार गरिनुले गाउँपालिकाको पर्यावरणीय, सामाजिक तथा साँस्कृतिक व्यवस्थामा चुनौती थपिएको ।
- शवदाहस्थल तथा समाधी व्यवस्थापनका लागि सर्व स्वीकृत स्थलहरू किटान गर्ने चुनौती रहेको ।
- अन्तिम संस्कारका लागि सडक, विद्युत, बाटोघाटो, सञ्चार लगायतका पूर्वाधार विकास गर्न ठूलो आकारको बजेट आवश्यक हुने ।
- जाति, समुदाय र धर्म अनुसार दाहसंस्कार गर्नुपर्ने हुँदा जिल्ला वन कार्यालयबाट कानूनी अड्चनहरू रहेको ।

### ५.७.३ सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकामा रहेका विभिन्न समुदायका आ-आफ्ना धर्म सँस्कृति अनुरूपका शवदाहस्थल तथा समाधीस्थल व्यवस्थापनप्रति गाउँपालिका संवेदनशील भएको ।
- गाउँपालिकाले एकीकृत रूपमा भएका शवदाहस्थल एवम् समाधीस्थललाई व्यवस्थित गर्ने तथा नभएका स्थानहरूमा उपयुक्त स्थलहरू पहिचान गरी व्यवस्थापन गर्ने कार्यक्रम ल्याउन सकिने ।
- शवदाहस्थल, समाधीस्थल तथा किरियापुत्री भवनको लागि आवश्यक सडक, विद्युत, सञ्चार लगायतका पूर्वाधारहरूको गाउँपालिकाले विकास गर्न सकिने ।

### ५.७.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

#### दीर्घकालीन सोच

शवदाहस्थल तथा समाधीस्थलको उचित व्यवस्थापन

#### लक्ष्य

भविष्यमा शवदाह तथा समाधीस्थल व्यवस्थापनको समस्यालाई पूर्णत सम्बोधन गर्ने र उचित प्रवन्ध गर्ने ।

### उद्देश्यहरू

- ✓ शवदाहस्थल तथा समाधीस्थलको उचित व्यवस्थापन गर्नु ।

| उद्देश्य १. शवदाहस्थल तथा समाधीस्थलको उचित व्यवस्थापन गर्नु                         |                                                                                                                                                    |
|-------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                              | कार्यनीति                                                                                                                                          |
| १.१ सम्पूर्ण वडालाई समेटेर व्यवस्थित शवदाहस्थल र समाधीस्थलको पूर्वाधार तयार गर्ने । | १.१.१ परम्परागत हिसाबले चलि आएका शवदाहस्थल र समाधीस्थलको व्यवस्थित नक्शाङ्कन गरिनेछ ।                                                              |
|                                                                                     | १.१.२ शवदाहस्थल, शवदहन गर्न जाने व्यक्तिहरूको लागि प्रशिक्षण तथा किरियापुत्री घर निर्माण र समाधीस्थल क्षेत्र तारबारको कार्य क्रमशः अगाडि बढाइनेछ । |
|                                                                                     | १.१.३ अतिविपन्न नागरिकहरूलाई किरिया खर्च प्रदान गर्ने कार्यलाई निरन्तरता दिइनेछ ।                                                                  |
|                                                                                     | १.१.४ माहामारीका बेला हुने मृत्यु र शव व्यवस्थापन योजना निर्माण गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।                                                           |
|                                                                                     | १.१.५ प्रत्येक वडालाई समेट्ने गरी आवश्यकताका आधारमा शव वाहन सेवा सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                  |

शवदाहस्थल तथा समाधीस्थल व्यवस्थापनको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                         | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|-------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                   | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | शवदाहस्थल तथा समाधीस्थलहरूको नक्शाङ्कन तथा पूर्वाधार निर्माण      |                   | १००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.२     | शवदाहस्थल तथा किरियापुत्रीघर निर्माण तथा समाधीस्थल क्षेत्र तारबार |                   |             |             | १००००     |             |                 |
|          |        | १.१.३     | किरिया खर्च व्यवस्थापन कार्यलाई निरन्तरता                         |                   |             | ३००         | ६००       | ९००         |                 |
|          |        | १.१.४     | माहामारी शव व्यवस्थापन योजना निर्माण                              |                   | ५०          |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.५     | शव वाहन खरिद                                                      |                   |             |             |           | १५००        |                 |

५.७.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

✓ गाउँपालिकामा शवदाहस्थल तथा समाधीस्थलको उचित प्रबन्ध भएको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                              | इकाई   | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|-----------------------------------------|--------|-----------|-------------|
| १       |            | शवदाहस्थल तथा समाधीस्थल व्यवस्थापन      |        |           |             |
|         | प्रतिफल    | व्यवस्थित शवदाह स्थल/समाधीस्थलको संख्या | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल    | शववाहनको संख्या                         | संख्या |           |             |

## ५.८ गरिबी निवारण

### ५.८.१ पृष्ठभूमि

वि.स. २०१३ सालदेखि हालसम्म विकास योजनाहरूमा सबैभन्दा बढी देखापर्ने पेचिलो मुद्दाको रूपमा गरिबी निवारण रहेको छ। जति विकासका योजनाहरू निर्माण भएता पनि गरिबी निवारण गर्न सकिएको अवस्था छैन। दिगो विकास लक्ष्यको पहिलो लक्ष्य नै सन् २०३० सम्म सबै प्रकारको गरिबीको अन्त्य गर्ने भन्ने छ भने राष्ट्रिय लक्ष्य शून्यमा भर्ना नसकिए पनि कुल जनसंख्याको ५ प्रतिशतमा सीमित गर्ने रहेको छ। नेपाल सरकारले गरिबी निवारण गर्न लिएको लक्ष्य तथा उद्देश्य अनुरूप गाउँपालिकाले बेरोजगार तथा युवाहरूको वास्तविक बस्तु स्थिति अद्यावधिक गरी कार्ययोजना बनाएर बेरोजगार तथा युवाहरूलाई रोजगारमूलक कार्यक्रममा समावेश गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ।

### ५.८.२ समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- वास्तविक गरीबको पहिचान हुन नसकेको।
- सरकारको मूल कार्यक्रमहरूमा गरीब परिवारको वास्तविक पहुँच पुग्न नसकेको।
- कृषि उद्योग, पर्यटन र अन्य व्यवसाय प्राय निर्वाहमूखी हुने गरेको।
- शिक्षा र जनचेतनामा कमी रहेकोले गरिबी घटाउन कठिन र चुनौतीपूर्ण रहेको।
- युवाहरू अवसर नपाएर विदेश पलायन हुनु परेको।
- विगतका गरिबी निवारणका कार्यक्रमहरू वास्तविक रूपमा प्रभावकारी हुन नसकेको।
- श्रमको सम्मान गर्ने संस्कृतिको विकास हुन नसकेको।
- रोजगारमूलक शिक्षाको उचित प्रवन्ध हुन नसकेको।

### ५.८.३ सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गरिबी निवारणका कार्यक्रम तथा योजना तर्जुमा गर्ने अधिकार स्थानीय तहको सरकारलाई प्राप्त भएकाले वास्तविक गरीब पहिचान गरी त्यसको निराकरण गर्न सहज हुने।
- विभिन्न संघ संस्थाहरूसँग समन्वय गरी सीपमूलक तालिम सञ्चालन गरेको।
- बेरोजगारहरूलाई रोजगार दिनको लागि प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम सञ्चालन गरेको।
- खेतीयोग्य उर्वर जमिन पर्याप्त भएको, पर्यटन तथा उद्योगहरूको सम्भावना रहेकाले गरिबी निवारणका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने अवसरहरू रहेको।
- स्थानीय तहमै रोजगार केन्द्रको प्रवन्ध गरिएको।
- गाउँपालिकाले गरिबी निवारणलाई प्राथमिकता दिएको।
- प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम जस्ता राष्ट्रिय नीतिहरू कार्यान्वयनमा आएको।
- युवा उमेरको जनसंख्या रहेको।
- वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केका युवाहरूको सीपलाई गरिबी निवारणमा सदुपयोग गर्न सकिने।
- रोजगारी सिर्जना, सीपमूलक तालिम आदिमा गाउँपालिकाले प्रत्यक्ष सहयोग गर्न सक्ने वैधानिक र नीतिगत आधार तयार भएको।

#### ५.८.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                                 |
|--------------------------------------------------------------------------------|
| ज्ञान, सीप र उद्यमशिलताको विकास गरी शुन्यमा भर्ने गरिबी                        |
| लक्ष्य                                                                         |
| आगामी पाँच वर्षमा हालको गरिबीलाई पचास प्रतिशत कम गर्ने ।                       |
| उद्देश्यहरू                                                                    |
| ✓ निरपेक्ष र बहुआयमिक गरिबीमा रहेको जनताको गरिबी निवारण गरी जीवनस्तर उकास्नु । |

| उद्देश्य १: निरपेक्ष र बहुआयमिक गरिबीमा रहेको जनताको गरिबी निवारण गरी जीवनस्तर उकास्नु । |                                                                                                                                                                                                                                 |
|------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                   | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                                       |
| १.१ गरिबी सम्बन्धी सूचना र तथ्याङ्क चुस्त दुरुस्त राख्ने ।                               | १.१.१ गाउँपालिकाभरी गरिबीको परिभाषा भित्र पर्ने परिवार वा व्यक्तिको वास्तविक सूचना संकलन र अद्यावधिक गरिनेछ ।                                                                                                                   |
|                                                                                          | १.१.२ बेरोजगारको तथ्याङ्क संकलन र अद्यावधिक गरिनेछ ।                                                                                                                                                                            |
|                                                                                          | १.१.३ गरिबीका प्रमुख कारण र गरिबीको सघनता भएका क्षेत्रहरूको पहिचान गरिनेछ ।                                                                                                                                                     |
|                                                                                          | १.१.४ बहुआयमिक गरिबीको सूचकाङ्कमा परेका जनसंख्याको तथ्याङ्क संकलन गरिनेछ ।                                                                                                                                                      |
|                                                                                          | १.१.५ राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनी रहेको सबै महिला तथा ५ वर्ष मुनीका बालबालिकाको तथ्याङ्क संकलन गरिनेछ ।                                                                                                                          |
| १.२ सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।                                            | १.२.१ निरपेक्ष गरिबीमा रहेको जनसंख्या लक्षित पोषण तथा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चितताका लागि कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                               |
|                                                                                          | १.२.२ गाउँपालिकाको अनुदानमा लक्षित गरीब घरपरिवारको स्वास्थ्य बीमा लगायत सामाजिक सुरक्षाका कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                            |
|                                                                                          | १.२.३ विपन्न तथा सिमान्तकृत वर्गका लागि गरीब आवास कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                                    |
|                                                                                          | १.२.४ गाउँपालिकाभर रहेका अशक्त, असहाय, फकिर तथा राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनी रहेका सम्पूर्ण घरपरिवार तथा सडक मानवहरूको तथ्याङ्क संकलन गरिनेछ ।                                                                                    |
|                                                                                          | १.२.५ अशक्त, असहाय तथा बेसहाराहरूलाई आश्रय स्थल तथा पोषणको प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                                                                                                     |
|                                                                                          | १.२.६ बाढी, पहिरो, महामारी, प्रकोप लगायत विविध कारणबाट कुनै परिवारको आयआर्जन गर्ने मुख्य व्यक्तिको मृत्यु भएको र परिवारका अन्य सदस्यहरूको आयआर्जन गर्ने क्षमता नभएमा निजको परिवारलाई मासिक रुपमा निर्वाहको लागि अनुदान दिइनेछ । |
|                                                                                          | १.२.७ भूमिहीन तथा सुकुम्बासीहरूलाई मापदण्डका आधारमा जग्गा उपलब्ध गराइनेछ ।                                                                                                                                                      |
|                                                                                          | १.२.८ “कोहि भोको पर्दैन, भोकले कोहि मर्दैन” भन्ने प्रतिवद्धताका साथ पालिका क्षेत्रलाई खाद्यान्नमा आत्मनिर्भर बनाइनेछ ।                                                                                                          |

| उद्देश्य १: निरपेक्ष र बहुआयमिक गरिबीमा रहेको जनताको गरिबी निवारण गरी जीवनस्तर उकास्नु । |                                                                                                                                                                                |
|------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                   | कार्यनीति                                                                                                                                                                      |
| १.३ विपन्न लक्षित सीपमूलक तथा रोजगार कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।                           | १.३.१ रोजगार केन्द्रलाई सक्रिय बनाई गाउँपालिकामा निरन्तर सिर्जना हुन सक्ने रोजगारका क्षेत्रका बारे सम्भाव्यता अध्ययन तथा अनुसन्धान गरिनेछ ।                                    |
|                                                                                          | १.३.२ कृषि क्षेत्रको विकास मार्फत रोजगारी सिर्जना गर्न दक्ष कृषि श्रमिक स्रोत केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।                                                                         |
|                                                                                          | १.३.३ कृषि श्रमिकहरूलाई सीपमूलक तालिम प्रदान गरिनेछ ।                                                                                                                          |
|                                                                                          | १.३.४ बेरोजगार युवाहरूको लगत संकलन गरी उनीहरूको रुची र क्षमता पहिचान गरी सोही अनुसार तालिम प्रदान गरिनेछ ।                                                                     |
|                                                                                          | १.३.५ रोजगार केन्द्रको अगुवाइमा Job bank को स्थापना गर्न नियमित अध्ययन र अनुसन्धान गरिनेछ ।                                                                                    |
|                                                                                          | १.३.६ रोजगारी सम्बन्धी सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हुने सूचना प्रविधि संयन्त्रको निर्माण गरिनेछ ।                                                                                 |
|                                                                                          | १.३.७ विपन्न लक्षित करार खेती प्रणाली विकास गर्ने भूमि बैङ्क स्थापना गरिनेछ ।                                                                                                  |
|                                                                                          | १.३.८ अति विपन्न परिवारका सदस्यहरूलाई घरेलु तथा कृषि उद्योग सञ्चालन गर्न शुन्य प्रतिशत ब्याजमा मापदण्डका आधारमा अनुदान प्रदान गर्न विपन्न लक्षित अनुदान कोषको निर्माण गरिनेछ । |

### गरिबी निवारणको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                               | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|-------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                         | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | गरीब परिवार पहिचान सूचना संकलन                                          | ५०                |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.२     | बेरोजगारहरूको सूचना तथा तथ्याङ्क संकलन                                  | ५०                |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.३     | गरिबीका प्रमुख कारण र गरिबीको सघनता क्षेत्र पहिचान                      |                   | ५००         |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.४     | बहुआयामिक गरिबीको तथ्याङ्क संकलन                                        |                   | १५०         |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.५     | राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनी रहेका महिला तथा बालबालिकाको तथ्याङ्क संकलन   |                   |             |             | १५०       |            |                 |
|          | १.२    | १.२.१     | गरीब लक्षित पोषण तथा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम                            | ८०                | ८५          | ९०          | ९५        | ९५         |                 |
|          |        | १.२.२     | विपन्न परिवार स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम तथा सामाजिक सुरक्षा अनुदान       |                   | १००         | १५०         | २००       | २५०        |                 |
|          |        | १.२.३     | विपन्न नागरिक आवास कार्यक्रम सञ्चालन                                    |                   | १०००        | १२००        | १३००      | १५००       |                 |
|          |        | १.२.४     | राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनी रहेका घरपरिवार तथा सडक मानवको तथ्याङ्क संकलन | ५०                |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.२.५     | अशक्त, असहाय तथा बेसहारालाई आश्रय स्थलको व्यवस्था                       |                   |             | ५००         | १०००      |            |                 |
|          | १.३    | १.३.१     | निर्वाहमूखी अनुदान कार्यक्रम                                            | ४०                | ४५          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|          |        | १.३.२     | भूमिहीन तथा सुकुम्बासीहरूलाई जग्गाको व्यवस्था                           |                   | १४००        |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.३     | “कोहि भोको पढैन, भोक्ले कोहि मर्दैन” कार्यक्रम                          | ५४०               | ५४५         | ५५०         | ५५०       | ५५०        |                 |
|          |        | १.३.४     | रोजगार केन्द्रद्वारा रोजगारीका क्षेत्रबारे सम्भाव्यता अध्ययन            |                   | ४००         |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.५     |                                                                         |                   |             |             |           |            |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                    | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|----------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                              | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | १.३.२     | दक्ष कृषि श्रमिक स्रोत केन्द्र स्थापना       |                   |             |             | ५००       |            |                 |
|          |        | १.३.३     | कृषि श्रमिक सीपमूलक तालिम                    | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०         |                 |
|          |        | १.३.४     | बेरोजगार युवाहरुको रुची अनुसार तालिम सञ्चालन | ६०                | ६०          | ६०          | ६०        | ६०         |                 |
|          |        | १.३.५     | Job Bank स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन      |                   | १००         |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.६     | Job Information Software निर्माण             |                   |             | ५००         |           |            |                 |
|          |        | १.३.७     | विपन्न लक्षित विशेष भूमि बैङ्क स्थापना       |                   |             |             | ७००       |            |                 |
|          |        | १.३.८     | अति विपन्न परिवार लक्षित उद्यमी अनुदान       | १००               | १५०         | २००         | २५०       | ३००        |                 |

#### ५.८.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ आफ्नो आम्दानीले बाह्र महिना खान नपुग्ने परिवार संख्या हालकोबाट ५० प्रतिशत कम हुनेछ ।
- ✓ रोजगारीका अवसरहरू सिर्जना हुनेछन् ।
- ✓ गरीब घरपरिवारको जीवनस्तर सुधार हुनेछ ।

#### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह   | नतिजा सूचक                                                   | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|--------------|--------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| १       | गरिबी निवारण |                                                              |         |           |             |
|         | प्रभाव       | राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनी रहेको परिवार (१.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रभाव       | बहुआयामिक गरिबीको दर (१.२.२) (प.दि.वि.ल.)                    | प्रतिशत |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                          | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|-------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
|         | प्रभाव     | राष्ट्रिय गरिवीको रेखामुनी रहेको ५ वर्ष मुनिका बालबालिका (१.२.२.२) (प.दि.वि.ल.)     | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रभाव     | बेरोजगारी दर (८.५.२) (प.दि.वि.ल.)                                                   | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | गरिव लक्षित कार्यक्रमबाट प्रत्यक्ष लाभ लिने घरपरिवार                                | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | भूमिहीन तर करार खेतीबाट लाभान्वित घरपरिवार                                          | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | सामाजिक सुरक्षण प्रणालीमा समेटिएको जनसंख्या (१.३.१) (प.दि.वि.ल.)                    | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | आयमूलक सीप विकास तालिमद्वारा लाभान्वित घरपरिवार                                     | संख्या  |           |             |
|         | असर        | अशक्त, असहाय, बेसहारा आश्रयस्थलमा समेटिने                                           | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | स्वास्थ्य बीमाबाट सुरक्षित गरिएका विपन्न परिवार                                     | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | गरिवीको रेखामुनी रहेका महिला (१.२.१.१) (प.दि.वि.ल.)                                 | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | गरिवीको रेखामुनी रहेका ५ वर्ष मुनीका बालबालिका (१.२.१.१) (प.दि.वि.ल.)               | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | कूल बजेटमा सामाजिक सुरक्षा खर्च (१.३.१.१) (प.दि.वि.ल.)                              | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | आफ्नै नाममा अचल सम्पत्ति भएका महिला (१.४.२.१) (प.दि.वि.ल.)                          | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | कूल बजेटमा गरिवी निवारणका लागि प्रत्यक्ष रुपमा छुट्याइएको बजेट (१.क.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |

## परिच्छेद - ६: पूर्वाधार विकास

### ६.१ बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

#### ६.१.१ पृष्ठभूमि

मानव जीवनको आधारभूत आवश्यकताहरू मध्ये आवास पनि एक हो र नेपालको संविधानले पनि सुरक्षित तथा वातावरण मैत्री आवासको हकलाई प्रत्याभूति गरेको छ। गाउँपालिकाका अधिकांश घरहरू कच्ची तथा अर्धपक्की अवस्थाका छन्। यहाँका न्यून घरहरूमात्र पक्की अवस्थामा रहनुले यस गाउँपालिकाका घरहरू भूकम्पीय तथा अन्य प्रकोप सुरक्षाको दृष्टिकोणले जोखिममुक्त अवस्थामा भने छैनन्। गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँ जम्मा घरधुरी ६,२९२ मध्ये जस्तापाता/टिनको छानो भएको घरमा बसोबास गर्ने परिवार संख्या सबै भन्दा बढी अर्थात् ५,०२९ अर्थात् ७९.९३ प्रतिशत रहेका छन्। सिमेन्ट अथवा ढलान गरेको छानो भएको घरमा बसोबास गर्ने परिवार संख्या ९८५ अर्थात् १५.६५ प्रतिशत रहेका छन् यसैगरी खर/पराल/छवाली भएको घरमा बसोबास गर्नेको संख्या १९५ अर्थात् ३.१ प्रतिशत रहेको छ भने टायल, फिंगटा/खपडा, काठ, ढुंगा, स्लेट लगायतको छानो भएको घरमा बसोबास गर्नेको संख्या नगण्य रहेको पाइन्छ यहाँ ४० वटा भन्दा बढी सामुदायिक भवनहरू रहेका छन् जसमा आमा समूह, युवा समूह, क्लब, फोहोर संकलन केन्द्र, हेल्थपोष्ट, प्रहरी चौकी लगायत रहेका छन्।

#### ६.१.२ समस्या तथा चुनौती

##### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- छरिएर रहेका बस्तीहरूलाई एकीकृत गर्न तथा आवास क्षेत्रमा वृद्धाश्रम, धर्मशाला, सामुदायिक भवन आदि निर्माण गर्न प्रशस्त मात्रामा बजेटको आवश्यकता पर्ने।
- मौलिक संस्कृति र वास्तुकलाको लोप हुँदै जाने अवस्था रहेको।
- भू-उपयोग योजना निर्माण र कार्यान्वयनमा आउन नसकेको।
- सुकुम्बासी, विपन्न, लोपोन्मुख जाति तथा आर्थिक रूपले पिछडिएका परिवारका निम्ति आवास निर्माण सम्बन्धी ठोस नीति आवश्यक रहेको।
- भवन तथा सुरक्षित आवास निर्माणका लागि स्थानीयस्तरमा प्राविधिक र दक्ष जनशक्तिको अभाव भएको।
- नदी कटान, भू-क्षय, वर्षातमा निर्मित संरचना पानीको कारण डुबने तथा डुबान हुने।

#### ६.१.३ सम्भावना तथा अवसर

##### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- स्थानीयस्तरमा आवास निर्माण सामग्रीहरू जस्तै-गिट्टी, बालुवा आदिको उपलब्धता भएको र यथेष्ट मात्रामा सडक सञ्जालको विस्तारका कारण ढुवानीमा समस्या नरहेको हुँदा स्थानीय स्रोत साधनको प्रयोग गरी निर्माण गर्न सकिने।
- व्यवस्थित र वैज्ञानिक भू-उपयोग योजना निर्माण र कार्यान्वयन गर्न सकिने।
- भूकम्प प्रतिरोधी वातावरण मैत्री सुविधा सम्पन्न तथा सुरक्षित भवन निर्माणमा जनचासो बढ्दै गएको।
- स्थानीय रोजगारी सिर्जना गरी श्रम तथा रोजगारीमा वृद्धि गर्न सकिने।
- गाउँपालिकाले भवन नक्शापासलाई अनिवार्य गर्दै पुराना घरहरू जे जस्तो अवस्थामा रहेका छन् सोही अवस्थामा अभिलेखीकरण कार्य अगाडी बढाउने नीति तय गरेको।

#### ६.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                      |
|---------------------------------------------------------------------|
| सबैलाई पूर्ण सुरक्षित तथा आधारभूत सुविधा सम्पन्न आवासको प्रत्याभूति |
| लक्ष्य                                                              |
| सुरक्षित र न्यूनतम सुविधायुक्त आवास तथा बस्ती विकास गर्ने ।         |
| उद्देश्यहरू                                                         |
| ✓ सबै वर्गका लागि व्यवस्थित र सुरक्षित आवास तथा बस्ती विकास गर्नु । |

| उद्देश्य १: न्यूनतम सुविधा सम्पन्न एकीकृत आवासको विकास गर्नु ।                                               |                                                                                                                                                        |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                                       | कार्यनीति                                                                                                                                              |
| १.१. छरिएर रहेका तथा विपद्को जोखिममा परेका बस्तीहरूलाई एकीकृत बस्तीको निर्माण गरी स्थानान्तरण गर्दै लैजाने । | १.१.१. विपद्को जोखिममा परेका बस्तीहरू पहिचान तथा नक्शाङ्कन गरिनेछ ।                                                                                    |
|                                                                                                              | १.१.२. एकीकृत आवास निर्माणका लागि वडास्तरमा उपयुक्त स्थानहरू पहिचान गरी आवास क्षेत्र विकास गरिनेछ ।                                                    |
|                                                                                                              | १.१.३. छरिएर रहेका तथा विपद्को जोखिममा परेका घरपरिवारका लागि सुरक्षित, व्यवस्थित, आधारभूत सुविधायुक्त तथा वातावरण मैत्री एकीकृत बस्ती निर्माण गरिनेछ । |
|                                                                                                              | १.१.४. सुकुम्बासी, विपन्न, लोपोन्मुख जाति तथा आर्थिक रूपले पिछडिएका परिवारका लागि आवास निर्माण सम्बन्धी ठोस नीति बनाइनेछ ।                             |
|                                                                                                              | १.१.५. विपद्को उच्च जोखिममा रहेका स्थानमा हुन सक्ने थप बस्ती विस्तारलाई निरुत्साहित गरिनेछ ।                                                           |
|                                                                                                              | १.१.६. समग्र एकीकृत शहरी विकास गुरुयोजना तयार गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।                                                                                 |
|                                                                                                              | १.१.७. अव्यवस्थित बसोबास कार्यलाई नियन्त्रण गर्न भू-उपयोग नीति तथा मापदण्ड तयार गरि कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।                                           |
| १.२. घना बस्ती रहेको स्थानमा बस्ती व्यवस्थित गर्ने ।                                                         | १.२.१. गाउँपालिकाको भू-उपयोग नीति अनुरूप बस्ती विकास तथा योजना निर्माण गरिनेछ ।                                                                        |
|                                                                                                              | १.२.२. हाल घना बस्ती रहेका स्थानमा भौतिक पूर्वाधार विकास गरी बस्ती वरपर थप आवास विस्तार कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।                                      |
|                                                                                                              | १.२.३. अनधिकृत रूपले बसोबास गरिरहेका घरपरिवार पहिचान गरी सो स्थानबाट हटाउने कार्यलाई अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।                                   |
|                                                                                                              | १.२.४. सघन बस्ती क्षेत्रमा निर्माण भएका र नक्शापास विपरित संरचनाहरूलाई हटाइनेछ ।                                                                       |
|                                                                                                              | १.२.५. ढल निकासको समग्र एकीकृत गुरुयोजना तयार पारी कार्यान्वयन गरिनेछ ।                                                                                |
|                                                                                                              | १.२.६ Green Building Concept कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।                                                                                                 |

| उद्देश्य २: सुरक्षित आवास तथा भवनहरू निर्माण गर्ने                       |                                                                                                                                                                      |
|--------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                   | कार्यनीति                                                                                                                                                            |
| २.१. एकीकृत सेवा प्रदायक बहुउपयोगी तथा बहुउद्देश्यीय भवन निर्माण गर्ने । | २.१.१. सरकारी भवनहरू निर्माण गर्दा सकेसम्म एकै स्थानमा र एकरूपता ल्याउन एकै किसिमका भवनहरूको डिजाइन र निर्माण गरी एकीकृत जनसेवा प्रदान गरिनेछ ।                      |
|                                                                          | २.१.२. सरकारी तथा सार्वजनिक भवनहरू अपाङ्गमैत्री, बालमैत्री तथा महिला मैत्री बनाइनेछ ।                                                                                |
|                                                                          | २.१.३ दलित एवम् सीमान्तकृत अति विपन्न समुदायका लागि आवास निर्माण गरिनेछ ।                                                                                            |
|                                                                          | २.१.४ बहुउद्देश्यीय तथा बहुउपयोगी भवन निर्माण डिजाइन, निर्माणमा अनिवार्य पार्किङ, खुल्ला हरितक्षेत्र अनिवार्य लागु गरिनेछ ।                                          |
| २.२ आवास तथा भवन निर्माणमा स्थानीय स्रोत र साधनको उच्चतम प्रयोग गर्ने ।  | २.२.१. आवास तथा भवन निर्माणमा स्थानीयस्तरमा उपलब्धता भएका निर्माण सामग्रीको उच्चतम प्रयोग गरिनेछ ।                                                                   |
|                                                                          | २.२.२. आवास तथा भवन निर्माणमा स्थानीय स्रोत र साधनको उच्चतम प्रयोग हुने प्रविधि विकास गर्न विज्ञहरूको सहयोग लिई निर्माण मजदुरहरूका लागि नियमित तालिम संचालन गरिनेछ । |
|                                                                          | २.२.३ स्थानीय मौलिकताको जर्गेना गर्ने, वास्तुकला तथा सौन्दर्य कायम हुने संरचना निर्माण गर्दा गाउँपालिकाले प्रोत्साहन गर्ने नीति अवलम्बन गरिनेछ ।                     |
|                                                                          | २.२.४. समयानुकूल भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माण नीति अवलम्बन गरिनेछ ।                                                                                                  |
|                                                                          | २.२.५. सडकमा एउटै रंग भएका भवन तथा एक सडक, एक विद्युत स्वीच जडान विधि कार्यान्वयन गरिनेछ ।                                                                           |
|                                                                          | २.२.६ इच्छाकामनालाई खरको छानामुक्त पालिका बनाउने नीतिलाई अवलम्बन गरिनेछ ।                                                                                            |
|                                                                          | २.२.७ ज्येष्ठ नागरिक सेल्टर भवन निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                                     |

**बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माणको विस्तृत कार्यक्रम**

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                 | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|---------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                           | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष |                 |
| १        | १.१.   | १.१.१     | विपद्को जोखिममा परेका बस्तीहरूको पहिचान तथा नक्शाङ्कन                     |                   | ५००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.२     | एकीकृत आवास निर्माणका लागि वडास्तरमा सम्भावित स्थान पहिचान                |                   | १५०         |             | ३००       |             |                 |
|          |        | १.१.३     | स्थानीय तह, निजी क्षेत्र तथा लक्षित वर्गको सहकार्यमा एकीकृत बस्ती निर्माण |                   | १५००        | १५००        | १५००      | १५००        |                 |
|          |        | १.१.४     | आर्थिक रूपले पिछडिएका वर्गको लागि जनता आवास कार्यक्रम                     |                   | १५००        | १५००        | १५००      | १५००        |                 |
|          |        | १.१.५     | भवन निर्माण संहिता कार्यान्वयन गर्न जोखिम क्षेत्र पहिचान                  |                   |             | २००         |           |             |                 |
|          |        | १.१.६     | एकीकृत शहरी विकास गुरुयोजना तयार तथा कार्यान्वयन                          |                   |             | ७००         |           |             |                 |
|          |        | १.१.७     | भू-उपयोग नीति तथा मापदण्ड तयार तथा कार्यान्वयन                            |                   |             |             | ४००       |             |                 |
|          | १.२.   | १.२.१     | बस्ती विकास कार्यक्रम सम्भाव्यता अध्ययन                                   |                   | ५००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.२     | भौतिक पूर्वाधार विकास विस्तार कार्यक्रम                                   |                   | १००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.३     | अनुगमन संयन्त्र निर्माण/मापदण्ड निर्माण                                   |                   |             | ३००         |           |             |                 |
|          |        | १.२.४     | सघन बस्ती क्षेत्रमा निर्माण भएका नक्शापास विपरित संरचनाहरूको व्यवस्थापन   |                   | १५००        | १६००        | १७००      | १८००        |                 |
|          |        | १.२.५     | ढल निकास एकीकृत गुरुयोजना तयार                                            | १२००              |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.६     | Green Building Concept कार्यक्रम                                          |                   |             |             | १५००      | १६००        |                 |
|          | २.१.   | २.१.१     | सामूहिक सार्वजनिक तथा सरकारी भवन निर्माण                                  |                   | ७००         | ८००         | ९००       | १०००        |                 |
|          |        | २.१.२     | बाल मैत्री, अपाङ्ग मैत्री तथा महिला मैत्री भवन निर्माण                    |                   |             | १५००        |           |             |                 |
|          |        | २.१.३     | दलित एवम् सीमान्तकृत अति विपन्न समुदायका लागि आवास निर्माण                |                   | १५००        | १६००        | १७००      |             |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                  | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|----------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                            | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
|          |        | २.१.४     | बहुउद्देश्यीय तथा बहुउपयोगी भवन निर्माण मापदण्ड निर्माण                    |                   |             |             | ५००       |             |                 |
|          | २.२.   | २.२.१     | भवन निर्माणमा स्थानीय निर्माण सामग्रीको प्रयोग गर्न प्रोत्साहन             |                   | १५०         | १५०         | १५०       | १५०         |                 |
|          |        | २.२.२     | सुरक्षित आवास निर्माणका लागि क्षमता अभिवृद्धि सम्बन्धी तालिम               |                   | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          |        | २.२.३     | स्थानीय मौलिकताको जर्गेनाको लागि नीति निर्माण                              |                   |             | २५०         |           |             |                 |
|          |        | २.२.४     | समयानुकूल भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माण नीति अवलम्बन                        |                   | २००         |             |           |             |                 |
|          |        | २.२.५     | सडकमा एउटै रंग भएका भवन तथा एक सडक, एक विद्युत स्वीच जडान विधि कार्यान्वयन |                   |             |             | २००       |             |                 |
|          |        | २.२.६     | इच्छाकामनालाई खरको छानामुक्त गाउँपालिका बनाउने नीति अवलम्बन                |                   | ३००         |             |           |             |                 |
|          |        | २.२.७     | ज्येष्ठ नागरिक सेल्टर भवन निर्माण                                          |                   |             |             | १५००      |             |                 |

#### ६.१.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ न्यूनतम सुविधायुक्त एकीकृत बस्तीहरूको विकास भएको हुने ।
- ✓ भवन आचार संहिता निर्माण भई कार्यान्वयन भएको हुने ।
- ✓ विपन्न वर्गको लागि आवास योजना कार्यान्वयनमा आएको हुने ।
- ✓ गाउँपालिकाका भूकम्पबाट क्षतिग्रस्त सम्पूर्ण घर तथा सार्वजनिक भवनहरूको पुर्ननिर्माण भएको हुने ।

### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह                | नतिजा सूचक                                                                                   | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|---------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| १.      | भवन, आवास तथा बस्ती विकास |                                                                                              |         |           |             |
|         | असर                       | भुपडी तथा अवैध जमिनमा बसोबास गर्ने परिवार (११.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)                            | संख्या  |           |             |
|         | असर                       | खर/पराल/पातले छाएको घरमा बस्ने परिवार (११.१.१.२) (प.दि.वि.ल.)                                | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                       | वाढी, डुवान तथा भूकम्पबाट सुरक्षित र सुविधायुक्त घरमा बस्ने परिवार (११.१.१.३) (प.दि.वि.ल.)   | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                       | पाँच जना र सो भन्दा बढी व्यक्तिहरु एउटै छानोमुनी बसोबास गर्ने परिवार (११.३.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                       | भूमिहीन तथा सुकुम्बासीको संख्या                                                              | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                       | एकीकृत आवासमा छुट्टाछुट्टै घरमा बस्ने परिवार संख्या                                          | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                       | बहुतले आवास (अपार्टमेन्ट) मा बस्ने परिवार संख्या                                             | प्रतिशत |           |             |

### ६.१.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको दैवी विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

## ६.२ सडक, पुल तथा यातायात

### ६.२.१ पृष्ठभूमि

गाउँपालिकामा सडक तथा यातायातको अवस्था मुलुकका अन्य स्थानीय तहसँग तुलना गर्दा मध्यम प्रकारको रहेको पाउन सकिन्छ। राष्ट्रिय राजमार्ग (पृथ्वी राजमार्ग) ले यसपालिकाको दक्षिण सिमाक्षेत्र हुँदै पार गरेको छ। गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र २०८१ मा प्राप्त तथ्याङ्क अनुसार यहाँका रहेका जम्मा ६,२९२ घरधुरी मध्ये बाह्रै महिना संचालन योग्य सडकसम्म पुग्नको लागि १,९७४ अर्थात ३१.३७ प्रतिशत परिवार १ कि.मि. भन्दा कमको दुरीमा रहेका छन्। यसैगरी १ देखि २ कि.मि. को दुरीमा रहेका परिवार संख्या ५१२ अर्थात ८.१४ प्रतिशत रहेका छन् भने २ देखि ४ कि.मि. को दुरीमा ११.८२ प्रतिशत परिवार र ४ कि.मि. भन्दा बढिको दुरीमा ४८.६६ प्रतिशत परिवार बसोबास गर्दछन्। गाउँपालिकाको सबै टोलहरूमा यातायात सुविधा पुर्‍याउन अझै धेरै कार्यहरू गर्नुपर्ने अवस्था रहेको छ।

विशेषगरी वर्षायाममा जर्ण पक्की पुल तथा बाढी पहिरोका कारण बस्तीहरूबिच सम्पर्क स्थापित हुन कठिन हुन्छ। गाउँपालिकाले सडकहरूको निर्माण, विस्तार तथा मर्मत गर्नुका साथै आवश्यक स्थानहरूमा पुलहरू निर्माण गर्ने विषय प्राथमिकतामा राखेको छ। तथापि यातायातका साधनहरूको पर्याप्तता भएता पनि रुटहरू वैज्ञानिक नहुँदा सार्वजनिक यातायातको अवस्था भने कमजोर रहेको पाइन्छ। हाल गाउँपालिकाको कुनै पनि वडामा व्यवस्थित बसपार्क रहेको छैन। त्यसकारण व्यवस्थित बसपार्कको निर्माण गर्नु अतिआवश्यक रहेको छ। त्यसैगरी सडक मार्गबाट ओहोर दोहोर गर्ने यात्रुहरूलाई सुविधाको लागि विभिन्न स्थानहरूमा यात्रु प्रतिकालय तथा सार्वजनिक शौचालय निर्माण गर्नु पनि आवश्यक छ।

सडक तथा यातायातको विकासले उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने, स्वास्थ्य तथा शिक्षा सेवामा पहुँच पुर्‍याउने, रोजगारी सिर्जना गर्ने, गरिबी न्यूनीकरण गर्ने तथा आर्थिक तथा सामाजिक विकासमा टेवा पुर्‍याउँछ। गाउँपालिकाले सडक तथा यातायातको स्थितिलाई मध्यनजर गरी सडक तथा यातायातको स्तर सुधार कार्यलाई उच्च प्राथमिकतामा राखेर गुरुयोजना निर्माण गर्नु जरुरी रहेको छ।

### ६.२.२ समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- योजनाबद्ध तथा दिगो विकास लक्ष्यका मापदण्ड मुताविक सडक सञ्जाल विस्तार तथा स्तरोन्नति गर्न ठूलो आकारको बजेट आवश्यक पर्ने।
- कच्ची सडक वर्षातको समयमा हिलाम्मे हुने र अन्य समयमा धुलाम्मे हुने हुँदा आवागमन जोखिमपूर्ण र कष्टप्रद हुने गरेको।
- सडकहरूमा ढल तथा नाली व्यवस्थापन गर्नुपर्ने।
- सडक वरपर प्रदुषण भई वातावरण र जनस्वास्थ्यमा पर्न गएको नकारात्मक असर कम गर्न पहल गर्नुपर्ने।
- निर्माण भएका संरचनाको संरक्षण, व्यवस्थापन, दिगोपनाको सुनिश्चितता गर्नुपर्ने।

### ६.२.३ सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- प्रत्येक वडालाई सडक सञ्जालले जोडेको।
- गाउँपालिकाको सडक सञ्जाल मार्फत कृषि, पर्यटन तथा उद्योगको विकासको राम्रो सम्भावना रहेको।
- गाउँपालिकाले वडा कार्यालय जोड्ने सडकलाई प्राथमिकताका साथ बाह्रै महिना सञ्चालनमा ल्याउने गरी कार्य गर्ने नीति अगाडि सारेको।

| सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकाले सडक पूर्वाधार निर्माण गर्दा Bio-Engineering लाई कार्यान्वयनमा लैजान जोड दिने नीति अगाडि सारेको ।</li> <li>थप ट्राफिक युनिटहरू स्थापना गरी सडक यातायातलाई व्यवस्थित बनाउन सकिने ।</li> <li>गाउँपालिकाले अधुरा पूर्वाधारको निर्माण सम्पन्नतामा जोड दिदै निर्माण सम्पन्न भएका संरचनाहरू नियमित मर्मत सम्भार गर्दै जाने नीति अगाडी सारेको ।</li> <li>गाउँपालिकाले बजार क्षेत्र भएर जाने पृथ्वी राजमार्गको दायाँबायाँ मुग्लिङ कुरिनटार लगायत क्षेत्रको सडक र गाउँपालिका कार्यालय परिसरमा सौन्दर्यीकरणको कार्य प्रारम्भ गर्ने नीति अगाडि सारेको ।</li> </ul> |

#### ६.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                                                                                                                                                           |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| सहज, सुरक्षित र भरपर्दो सडक तथा यातायात सेवाको सुनिश्चितता                                                                                                                                               |
| लक्ष्य                                                                                                                                                                                                   |
| गाउँपालिकाभित्रको सडक सञ्जाल स्तरोन्नति गरी यातायातलाई सुरक्षित, सहज र भरपर्दो बनाउने ।                                                                                                                  |
| उद्देश्यहरू                                                                                                                                                                                              |
| <ul style="list-style-type: none"> <li>✓ गाउँपालिकाबासीमा गुणस्तरीय सडक तथा यातायातको पहुँच पुऱ्याउनु ।</li> <li>✓ गाउँपालिकामा सडक तथा यातायात सेवाको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु ।</li> </ul> |

| उद्देश्य १: गाउँपालिकाबासीमा गुणस्तरीय सडक तथा यातायातको पहुँच पुऱ्याउनु ।                 |                                                                                                                                                          |
|--------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                     | कार्यनीति                                                                                                                                                |
| १.१. गाउँपालिका केन्द्रबाट सबै वडा केन्द्र र महत्वपूर्ण स्थानमा सडक सञ्जाल विस्तार गर्ने । | १.१.१. सम्पूर्ण वडा केन्द्रलाई गाउँपालिका केन्द्रसँग जोड्ने मुख्य-मुख्य सडकहरूलाई उच्च प्राथमिकतामा राखी शिघ्र स्तरोन्नति तथा कालोपत्रे गरिनेछ ।         |
|                                                                                            | १.१.२. निर्माण योजनामा रहेका सडकको यथाशिघ्र निर्माण सम्पन्न गरी सञ्चालनमा ल्याइनेछ ।                                                                     |
|                                                                                            | १.१.३ सडक विस्तार सँगसँगै बसपार्क तथा बस टर्मिनल निर्माण गरिनेछ ।                                                                                        |
|                                                                                            | १.१.४ पर्यटकीय सडक निर्माण गर्न संघ र प्रदेश सरकारसँग विशेष पहल गरिनेछ ।                                                                                 |
| १.२. विद्यमान सडक पूर्वाधारको स्तरोन्नति तथा विस्तार गर्ने ।                               | १.२.१. हाल सञ्चालनमा रहेका प्रमुख बस्ती र बजार केन्द्र जोड्ने प्रमुख सडकहरूको पहिलो प्राथमिकता तोकिएको स्तरोन्नति, विस्तार र कालोपत्रे वा पक्की गरिनेछ । |
|                                                                                            | १.२.२. पहिचान भएका कृषि सडकहरूको स्तरोन्नति र विस्तार गरी गाउँपालिकाका सडकसँग आवद्ध कृषि सडक सञ्जाल निर्माण गरिनेछ ।                                     |
|                                                                                            | १.२.३. प्रस्तावित औद्योगिक व्यावसायिक तथा कृषि पकेट क्षेत्रहरूको यकिन गरी ती स्थानहरूलाई जोड्ने सडक क्रमिक रूपमा निर्माण गरिनेछ ।                        |
|                                                                                            | १.२.४. सघन यातायात सञ्चालन हुने मुख्य सडकहरूमा आवश्यकता अनुसारको रोड फर्निचर (Road Furniture) को व्यवस्था गरिनेछ ।                                       |

| उद्देश्य १: गाउँपालिकाबासीमा गुणस्तरीय सडक तथा यातायातको पहुँच पुऱ्याउनु । |                                                                                                                                        |
|----------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                     | कार्यनीति                                                                                                                              |
|                                                                            | १.२.५ गाउँपालिकाभर अति आवश्यक स्थानहरूमा पुल निर्माणका लागि अध्ययन गरिनेछ ।                                                            |
|                                                                            | १.२.६ अपाङ्गमैत्री सडक निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                |
|                                                                            | १.२.७ उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुलहरूको डिपिआर सम्पन्न गरिनेछ ।                                                                         |
|                                                                            | १.२.८ उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुल निर्माणका लागि संघीय र प्रदेश सरकारसँग बजेटका लागि समन्वय गरिनेछ ।                                   |
|                                                                            | १.२.९ शान्ति सुरक्षालाई कायम गर्न पूर्व पश्चिम राजमार्ग र गाउँपालिका क्षेत्रका प्रमुख सडकहरूमा सौर्य बत्ती, सिसि क्यामरा जडान गरिनेछ । |
|                                                                            | १.२.१० मुख्य सहरी क्षेत्रमा ढल निर्माण पछि मात्र सडक पिच निर्माण गरिनेछ ।                                                              |
|                                                                            | १.२.११ साना मर्मत सम्भार कामका लागि Rapid Response Team तयार गरिनेछ ।                                                                  |
| १.३. सार्वजनिक यातायात प्रणालीको विकास गर्ने ।                             | १.३.१. यातायात व्यवसायी तथा सरोकारवालासँग अन्तरक्रिया गरी सार्वजनिक सवारी साधन चल्ने रूटहरू तय गरिनेछ ।                                |
|                                                                            | १.३.२. रूटमा चल्ने सवारी साधनहरूको संख्या र प्रकार (जस्तै बस, मिनिबस, अटो रिक्सा, माइक्रोबस आदि) आवश्यकता अनुसार तय गरिनेछ ।           |
|                                                                            | १.३.३. रूटको बिच-बिचमा बस स्टप, सार्वजनिक शौचालय, प्रतिकालयहरू स्थानीय आवश्यकता अनुसार निर्धारण गरी निर्माण गरिनेछ ।                   |
|                                                                            | १.३.४. गाउँपालिकाका सघन यातायात सञ्चालन हुने मुख्य रूटहरूमा आवश्यकताको आधारमा ट्राफिक युनिट स्थापना गरिनेछ ।                           |
| १.४. हेलिप्याड निर्माण गर्ने ।                                             | १.४.१. गाउँपालिकाका प्रत्येक वडामा कम्तिमा एउटा हेलिप्याड निर्माण तथा ग्राउण्ड व्यवस्थापन गरिनेछ ।                                     |

| उद्देश्य २. गाउँपालिकामा सडक तथा यातायात सेवाको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु ।                         |                                                                                                                         |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                                         | कार्यनीति                                                                                                               |
| २.१. सडक तथा यातायात गुरुरोजना अनुरूप योजनाबद्ध एवं व्यवस्थित तवरले सडक संजालको विस्तार तथा स्तरोन्नति गर्ने । | २.१.१. गुरु योजनामा आधारित सडक सञ्जालको विकास तथा यातायात रूटहरूको तय गरिनेछ ।                                          |
|                                                                                                                | २.१.२. रणनीतिक सडकहरूको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डिपिआर) तयार गरी प्राथमिकताका आधारमा निर्माण गरिनेछ ।               |
|                                                                                                                | २.१.३. गाउँपालिकाको ट्राफिक व्यवस्थापन कार्ययोजना र ट्राफिक सिग्नलको गुरुरोजना तयार गरि कार्यान्वयन गरिनेछ ।            |
|                                                                                                                | २.१.४. आवश्यकताका आधारमा निजी क्षेत्रको सहकार्यमा स्मार्ट पार्किङको व्यवस्थापन गरिनेछ ।                                 |
| २.२. सडकको न्यूनतम मापदण्ड कार्यान्वयनमा ल्याइने ।                                                             | २.२.१. सडकको न्यूनतम मापदण्डलाई कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ तथा सडक अतिक्रमण गर्ने कार्यलाई पूर्ण रुपमा निरुत्साहित गरिनेछ । |

| उद्देश्य २. गाउँपालिकामा सडक तथा यातायात सेवाको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु । |                                                                                                                                                                                              |
|----------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                 | कार्यनीति                                                                                                                                                                                    |
| २.३. दिगो तथा वातावरण मैत्री प्रविधिमा जोड दिने ।                                      | २.३.१. सडकको नियमित मर्मत सम्भारका लागि आधुनिक प्रविधिको उपयोग तथा यान्त्रिककरणमा जोड दिइनेछ ।                                                                                               |
|                                                                                        | २.३.२. प्राकृतिक प्रकोप तथा जलवायु परिवर्तनले सडक तथा यातायातमा हुन सक्ने असर तथा नोक्सानीलाई न्यूनीकरण गरिनेछ ।                                                                             |
|                                                                                        | २.३.३. विद्युतीय सवारी साधन संचालन गर्नका लागि संघीय तथा प्रादेशिक सरकारसँग समन्वय गरी निजी क्षेत्रलाई आर्थिक सहूलियत दिने र चार्जिड स्टेशन स्थापना गर्ने स्थानको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ । |
|                                                                                        | २.३.४. गाउँपालिकामा निर्माण हुने सडकहरू मध्ये २० प्रतिशत सडकहरूमा बायोइन्जिनियरिड प्रविधिको प्रयोग गरी निर्माण गर्न सम्भावना अध्ययन गरिनेछ ।                                                 |
|                                                                                        | २.३.५. विद्युतिय रुट संचालनका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                                                                                                                |
|                                                                                        | २.३.६. सवारी साधनमा GPS प्रविधि जडान गरिनेछ ।                                                                                                                                                |
|                                                                                        | २.३.७. निर्माण योजनामा सडक सौन्दर्यकरण पक्षमा स्थानीय उपभोक्ताले अनिवार्य जिम्मेवारी बहन गर्ने गरी कार्यनीति तयार गरिनेछ ।                                                                   |

### सडक, पुल तथा यातायातको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                        | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|----------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                  | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष |                 |
| १        | १.१.   | १.१.१.    | बडा केन्द्रलाई गाउँपालिका केन्द्रसँग जोड्ने मुख्य सडकको स्तरोन्नति तथा कालोपत्रे | १०००              | १२००        | १५००        | २०००      | २५००        |                 |
|          |        | १.१.२.    | हाल निर्माणाधिन सडक निर्माण तथा सञ्चालन                                          |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.३.    | बसपार्क तथा बस टर्मिनल निर्माण                                                   |                   |             | १५००        |           |             |                 |
|          |        | १.१.४     | पर्यटकीय सडक निर्माण गर्न पहल                                                    |                   |             |             |           |             |                 |
|          | १.२.   | १.२.१.    | प्रमुख सडकहरूको स्तरोन्नति                                                       | ६००               | ९००         | १२००        | १५००      | १६००        |                 |
|          |        | १.२.१     | सातधारा भिर हुँदै भाराड जाने सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति                          |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.१     | हपनी देखि फिस्लिङ जाने सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति                                |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.१     | इच्छाकामना मन्दिर देखि ट्रमा सेन्टर सम्मको सडक स्तरोन्नति                        |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.१     | मुग्लिङ, तामीन, इच्छाकामना सडकको स्तरोन्नति                                      |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.१     | दुङ्ग्रे उपडाङगढी मोटर बाटो निर्माण                                              |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.१     | खेतबारी देखि दाहाखानी हुँदै उपरदाङगढी जोड्ने सडक कालोपत्रे तथा स्तरोन्नति        |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.२.    | कृषि सडक सञ्जाल निर्माण                                                          |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.३.    | औद्योगिक, व्यावसायिक तथा कृषि क्षेत्र जोड्ने सडक निर्माण                         | ५००               | ६००         | १०००        | १२००      | १५००        |                 |
|          |        | १.२.४.    | मुख्य सडकहरूमा रोड फर्निचरको व्यवस्था                                            | ५००               | ६००         | ६००         | १०००      | १२००        |                 |
|          |        | १.२.५     | उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुलहरूको सर्वेक्षण अध्ययन                                |                   | ५००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.६     | अपाङ्गमैत्री सडक निर्माण                                                         |                   |             |             |           |             |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                  | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|----------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                            | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | १.२.७     | उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुलहरूको डिपिआर निर्माण                            |                   |             | १२००        |           |            |                 |
|          |        | १.२.७     | वडा नं. १ र २ तोवाड र खोलाघारी जोड्ने भोलुङ्गे पुल तथा पक्की पुल निर्माण   |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.२.७     | मायाटार देखि काउले जोड्ने नेपाले खोलामा भोलुङ्गे पुल तथा पक्की पुल निर्माण |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.२.७     | नेपडाँडा देखि स्वामीडाँडा जोड्ने भोलुङ्गे पुल निर्माण                      |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.२.७     | स्याङ्दी र ल्होसे जोड्ने स्याङ्दी खोलामा पक्की पुल निर्माण                 |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.२.८     | उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुल निर्माणका लागि संघीय र प्रदेश सरकारसँग समन्वय  |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.२.९     | गाउँपालिकाका प्रमुख सडकहरूमा सौर्य बत्ति, सिसि क्यामरा जडान                | ५००               | ८००         | १५००        |           |            |                 |
|          |        | १.२.१०    | मुख्य शहरी क्षेत्रमा ढल निर्माण पछि मात्र सडक पिच निर्माण                  |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.२.११    | साना मर्मत सम्भार कामका लागि Rapid Response Team तयार                      | १००               |             |             |           |            |                 |
|          | १.३.   | १.३.१.    | सार्वजनिक सवारी साधन चल्ने रुटहरू तय                                       |                   | ५०          |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.२.    | रुट अनुसार सवारी साधनहरूको संख्या र प्रकार निर्धारण                        |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.३.३.    | बस स्टप, सार्वजनिक शौचालय तथा प्रतिक्षालय निर्माण                          |                   |             | १२००        | १५००      |            |                 |
|          |        | १.३.४.    | ट्राफिक युनिट स्थापना                                                      |                   |             | १२००        |           |            |                 |
|          | १.४.   | १.४.१.    | प्रत्येक वडाका सम्भाव्य स्थलमा हेली प्याड निर्माण                          |                   |             |             |           |            |                 |
| २        | २.१.   | २.१.१.    | सडक तथा यातायात गुरुयोजना अनुरूप सडक संजालको विस्तार तथा स्तरोन्नति        |                   | ५००         | ८००         | १०००      | १२००       |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                                    | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|----------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                              | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | २.१.२.    | रणनीतिक सडकहरूको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन निर्माण                                          |                   |             | ५००         |           |            |                 |
|          |        | २.१.३.    | गाउँपालिकाको ट्राफिक व्यवस्थापन कार्ययोजना र ट्राफिक सिग्नलको गुरुयोजना तयार गरि कार्यान्वयन |                   | १५          | २०          | २५        | ३०         |                 |
|          |        | २.१.४.    | निजी क्षेत्रको सहकार्यमा स्मार्ट पार्किङको व्यवस्थापन                                        |                   | २००         |             |           |            |                 |
|          | २.२.   | २.२.१.    | अनुगमनको व्यवस्था                                                                            |                   | १००         | १२०         | १३०       | १४०        |                 |
|          | २.३.   | २.३.१.    | आधुनिक उपकरण खरिद                                                                            |                   | ५००         | ६००         | १०००      | १२००       |                 |
|          |        | २.३.२.    | प्राकृतिक प्रकोप तथा जलवायु परिवर्तनले हुन सक्ने असर न्यूनीकरण                               |                   |             | ५००         |           |            |                 |
|          |        | २.३.३.    | विद्युतीय चार्जिङ स्टेशन सम्भाव्यता अध्ययन                                                   |                   | ५००         | ६००         | ७००       | ८००        |                 |
|          |        | २.३.४.    | सडकहरूमा बायोइन्जिनियरिङ प्रविधिको प्रयोग गरी निर्माण गर्न सम्भावना अध्ययन                   | ५००               |             |             |           |            |                 |
|          |        | २.३.५.    | विद्युतिय रुट सञ्चालनका लागि सम्भाव्यता अध्ययन                                               |                   | ३००         |             |           |            |                 |
|          |        | २.३.६.    | सवारी साधनमा GPS प्रविधि जडान                                                                |                   |             | ६००         |           |            |                 |
|          |        | २.३.७.    | सडक निर्माण/सौन्दर्यकरण मापदण्ड निर्माण                                                      | ३००               |             |             |           |            |                 |

#### ६.२.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ सडक यातायातको सहज पहुँच स्थापित भएको हुनेछ ।
- ✓ गाउँपालिका केन्द्रलाई राष्ट्रिय राजमार्ग प्रणालीमा जोड्ने मुख्य सडकहरू कालोपत्रे भएका हुनेछन् ।
- ✓ गाउँपालिका केन्द्रलाई प्रत्येक वडा केन्द्र जोड्ने सडकहरू स्तरोन्नति भएका हुनेछन् ।
- ✓ सार्वजनिक यातायातका वैज्ञानिक रुटहरू तय भई सार्वजनिक परिवहन सहज भएको हुनेछ ।
- ✓ सडक जोखिम तथा दुर्घटना न्यूनीकरण हुनेछन् ।

### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह      | नतिजा सूचक                                                                                                | इकाई               | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|-----------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------|-----------|-------------|
| १.      | सडक तथा यातायात |                                                                                                           |                    |           |             |
|         | असर             | बाह्रै महिना सवारी साधन सञ्चालन योग्य सडकको २ कि.मि. दूरीभित्र बसोबास गर्ने घरपरिवार (९.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत            |           |             |
|         | असर             | घरबाट ३० मिनेटको पैदलयात्रामा सडकमा पहुँच भएका जनसंख्या (११.२.१.२) (प.दि.वि.ल.)                           | प्रतिशत            |           |             |
|         | असर             | सार्वजनिक यातायातमा सुविधाजनक पहुँच भएको जनसंख्या (११.२.१) (प.दि.वि.ल.)                                   | प्रतिशत            |           |             |
|         | असर             | सडक घनत्व (९.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)                                                                          | कि.मि./वर्ग कि.मी. |           |             |
|         | असर             | पक्की कालोपत्रे सडकको कि.मी./वर्ग कि.मी. (९.१.२.१) (प.दि.वि.ल.)                                           | कि.मी./वर्ग कि.मी. |           |             |
|         | प्रतिफल         | गाउँपालिका केन्द्रबाट वडा केन्द्र जोड्ने कालोपत्रे सडकको लम्बाई                                           | कि.मि              |           |             |
|         | असर             | हवाई यातायात प्रयोगकर्ता यात्रु (प्रतिवर्ष) (९.१.२.३) (प.दि.वि.ल.)                                        | प्रतिशत            |           |             |
|         | प्रतिफल         | गाउँपालिकाको सडकको जम्मा लम्बाई                                                                           | कि.मि              |           |             |
|         | प्रतिफल         | गाउँपालिकाको कालोपत्रे सडकको जम्मा लम्बाई                                                                 | कि.मि              |           |             |
|         | प्रतिफल         | कृषि सडकको लम्बाई                                                                                         | कि.मि              |           |             |
|         | प्रतिफल         | सडकहरूमा व्यावस्थित नाला निर्माण                                                                          | कि.मि              |           |             |
|         | प्रतिफल         | पुल तथा कल्भर्ट निर्माण                                                                                   | संख्या             |           |             |
|         | असर             | आफ्नै निजी सवारी साधनमध्ये साइकल भएको घरधुरी संख्या                                                       | प्रतिशत            |           |             |
|         | असर             | आफ्नै निजी सवारी साधनमध्ये मोटरसाइकल भएको घरधुरी संख्या                                                   | प्रतिशत            |           |             |
|         | असर             | आफ्नै निजी सवारी साधनमध्ये कार, जिप, भ्यान भएको घरधुरी संख्या                                             | प्रतिशत            |           |             |

#### ६.२.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको दैवी विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

## ६.३ जलश्रोत, विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा

### ६.३.१ पृष्ठभूमि

कुनै पनि स्थानमा बसोबास गर्ने नागरिकको जीवनलाई सरल र सहज बनाउन साथै आर्थिक तथा सामाजिक विकास गर्न विद्युत तथा ऊर्जाको महत्वपूर्ण भूमिका रहेको हुन्छ। गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र २०८१ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँ कुल घरपरिवार संख्या मध्ये ४,८७७ अर्थात् ७७.५१ प्रतिशतले बत्ती बाल्नको लागि मुख्य इन्धनको रूपमा विद्युतको उपयोग गर्ने गरेका छन् यसैगरी १,३१३ अर्थात् २०.८७ प्रतिशतले सोलार, ३२ अर्थात् ०.५१ प्रतिशतले मट्टितेल, १.०६ अन्य र ०.०५ प्रतिशतले बायोग्यास प्रयोग गर्ने गर्दछन्। यसैगरी खाना पकाउनका लागि ३,९०१ अर्थात् ६२ प्रतिशतले काठ/दाउरा, २,३४६ अर्थात् ३७.२९ प्रतिशतले एल.पी ग्याँसको प्रयोग गर्दछन्। काठ/दाउराको श्रोत वनजंगलहरु रहेका छन्। काठ/दाउराको प्रयोगका थुप्रै नकारात्मक पक्षहरू मध्ये स्वास्थ्यमा पर्ने असर र वन जङ्गलको विनाश प्रमुख हुन्।

गाउँपालिकामा विद्युत प्रसारण लाईन बिस्तार तथा सुधार गर्नुपर्ने साथै कम भोल्टेज (Low voltage) भएको स्थानहरूमा ट्रान्सफर्मरको स्तरोन्नति तथा नयाँ ट्रान्सफर्मर जडान गर्नुपर्ने देखिन्छ। विद्युत ऊर्जा साथसाथै सौर्य उर्जा जस्ता अन्य वैकल्पिक ऊर्जाबाट विभिन्न उद्योग तथा व्यवसाय, सिँचाई आयोजना, खानेपानी आयोजना समेत सञ्चालन गर्न सकिन्छ। अतः यस गाउँपालिकामा अल्पकालीन रूपमा सौर्य उर्जा र बायो ग्याँसलाई तथा दीर्घकालीन रूपमा जलविद्युत ऊर्जालाई जोड दिनु आवश्यक छ। यहाँका बस्तीहरूमा विद्युतीकरणको अवस्था विस्तारसँगै बजार क्षेत्रका सडकहरूमा सौर्यबत्तीहरूको माग रहेको छ।

### ६.३.२ समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- मुख्य प्रसारण लाइन बाहेक गाउँपालिकाका वडाहरूको केही स्थानहरूमा विद्युत प्रसारण गरेका काठका पोलहरू जीर्ण तथा असुरक्षित रहेका।
- घरायसी इन्धनको रूपमा अझै पनि मानव स्वास्थ्यमा प्रतिकूल हुने तथा वनजंगल विनाशको कारक तत्वको रूपमा रहेको काठ/दाउराको प्रयोग उच्च रहेको।
- विभिन्न स्थानमा ट्रान्सफर्मरहरूको अभाव रहेको।
- सार्वजनिक सडक बत्तीहरूको पर्याप्त प्रवन्ध नभएको।
- गुणस्तरीय विद्युत आपूर्तिको व्यवस्था नभएको।

### ६.३.३ सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाको कार्यालय तथा वडा कार्यालयहरूमा विद्युत तथा इन्टरनेट सुविधा भएको।
- विद्युत उर्जाको उपलब्धताले उद्योग स्थापनामा सहजता भएको।
- नदीकरणीय उर्जा तथा वैकल्पिक उर्जालाई उचित व्यवस्थापन गरी सदुपयोग गर्न सकिने।
- गाउँपालिकाले “भैरो गाउँ उज्यालो ठाउँ” को अवधारणा अनुरूप ग्रामीण र दुर्गम क्षेत्रमा भरपर्दो विद्युत सेवा उपलब्ध गराउने नीति अगाडि सारेको।
- गाउँपालिकाबासीलाई विद्युतीय उपकरणको उपयोगमा प्रोत्साहन गरी काठ दाउरा र ग्याँसको खपत न्यूनीकरण गर्न सकिने।
- गाउँपालिकाले मुख्य बजार क्षेत्रमा सडक बत्ती, मास लाइटको व्यवस्था गर्ने नीति अगाडि सारेको।

### ६.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                              |
|-----------------------------------------------------------------------------|
| ऊर्जामा पूर्ण पूर्वाधारयुक्त गाउँपालिका                                     |
| लक्ष्य                                                                      |
| गाउँपालिकाबासीहरूमा दिगो, वातावरणमैत्री ऊर्जामा पूर्ण पहुँच स्थापित गर्ने । |
| उद्देश्यहरू                                                                 |
| ✓ स्वच्छ ऊर्जाको उपलब्धता र उपयोगमा विस्तार गर्नु ।                         |

| उद्देश्य १. ऊर्जामा सबै गाउँपालिकाबासीको पहुँच पुऱ्याउनु ।      |                                                                                                                                                                                                            |
|-----------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                          | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                  |
| १.१. विद्युतीकरण नभएका स्थानहरूमा विद्युत् सेवा विस्तार गर्ने । | १.१.१. बस्ती विस्तारका कारण कम भोल्टेज भएका ट्रान्सफर्मरहरूमा क्षमता अभिवृद्धि गर्नुका साथै ट्रान्सफर्मरहरू नभएका स्थानहरूमा ट्रान्सफर्मरको व्यवस्था गरी विद्युतीकरणका लागि थप कार्य अगाडि बढाइनेछ ।       |
|                                                                 | १.१.२. तत्काल विद्युतीकरण उपलब्ध हुन नसक्ने घरधुरी र काठ दाउराको प्रयोगलाई पूर्ण रुपले विस्थापित गर्न वैकल्पिक ऊर्जा जस्तै सौर्य ऊर्जा तथा बायोग्याँस प्रयोग गर्न प्रोत्साहन स्वरुप अनुदान प्रदान गरिनेछ । |
|                                                                 | १.१.३. मुख्य सडक तथा बजार क्षेत्रमा स्मार्ट लाइट जडान गरिनेछ ।                                                                                                                                             |
|                                                                 | १.१.४. गाउँपालिका क्षेत्रका विद्युत, टेलिफोन, केबुल लाइन र इन्टरनेटका तारलाई व्यवस्थित (भूमिगत) गदै लगिनेछ ।                                                                                               |
|                                                                 | १.१.५. क्षेत्रगत रुपमा आपतकालिन विद्युतीय स्विच जडान गरिनेछ ।                                                                                                                                              |

| उद्देश्य २. ऊर्जा व्यवस्थापनलाई दिगो र भरपर्दो बनाउनु । |                                                                                                                 |
|---------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                  | कार्यनीति                                                                                                       |
| २.१. विद्युत क्षमता वृद्धि गर्ने ।                      | २.१.१. मागअनुसार आवश्यक भोल्टेज (Voltage) परिपूर्ति गर्न ट्रान्सफर्मर जडान तथा क्षमता वृद्धि गरिनेछ ।           |
|                                                         | २.१.२. विद्युत प्रसारण लाइन सुधार गर्न विद्युत प्राधिकरणसँग समन्वय गरिनेछ ।                                     |
| २.२. विद्युत् उपयोग बढाउने ।                            | २.२.१. घरायसी खाना पकाउन विद्युतीय उपकरणको प्रयोग गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ ।                                      |
|                                                         | २.२.२. विद्युतीय सवारी साधनको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।                                                     |
| २.३. वैकल्पिक ऊर्जा प्रवर्द्धन गर्ने ।                  | २.३.१. गाउँपालिकामा वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादनको सम्भाव्यता हेरी निजी क्षेत्रलाई आकर्षण गर्ने नीति अवलम्बन गरिनेछ । |

| उद्देश्य २. ऊर्जा व्यवस्थापनलाई दिगो र भरपर्दो बनाउनु ।       |                                                                                                                                                                                                           |
|---------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                        | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                 |
|                                                               | २.३.२. उज्यालो गाउँपालिका अभियान अन्तर्गत गाउँपालिकाका सडकहरूमा स्मार्ट लाइट एवं हाई मास्ट बत्ती तथा सार्वजनिक स्थानहरूमा बत्ती जडान गरिनेछ ।                                                             |
|                                                               | २.३.३. खाना पकाउने मुख्य इन्धनको रूपमा काठ/दाउरा प्रयोग गर्ने घरधुरीहरूलाई निश्चित मापदण्डका आधारमा धुवाँ रहित सुधारिएको चुलोमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।                                                    |
| २.४. विद्युत विस्तार नभएको स्थानहरूमा प्रक्रिया थालनी गर्ने । | २.४.१. गाउँपालिकामा विद्युत नपुगेको ठाउँमा विद्युत विस्तारको लागि कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।                                                                                                               |
| २.५. जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।                    | २.५.१. दाउरा र गुइँठाको प्रयोगलाई पूर्ण रूपमा वैकल्पिक उर्जा तथा विद्युतीय ऊर्जाको प्रयोगले विस्थापित गर्न दाउरा र गुइँठाको प्रयोगका नकारात्मक असरबारे जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ । |
|                                                               | २.५.२ गाउँपालिका क्षेत्रभित्र उचित स्थानमा चार्जिङ स्टेशन स्थापना गर्न विद्युत प्राधिकरणसँग समन्वय गरिनेछ ।                                                                                               |

### जलश्रोत, विद्युत् तथा वैकल्पिक उर्जाको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                         | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|-----------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                   | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष |                 |
| १        | १.१.   | १.१.१.    | विद्युत प्रसारण लाइन विस्तार                                                      | १००               | १००         | १५०         | २००       | २५०         |                 |
|          |        | १.१.२.    | वैकल्पिक ऊर्जा प्रयोग गर्न अनुदान                                                 | ५००               | ५००         | ५००         | ५००       | ५००         |                 |
|          |        | १.१.३.    | मुख्य सडक तथा बजार क्षेत्रमा स्मार्ट लाइट जडान                                    | ५००               | ६००         | ७००         | ८००       | ९००         |                 |
|          |        | १.१.४.    | गाउँपालिका क्षेत्रका विद्युत, टेलिफोन, केबुल लाइन र इन्टरनेटका तार भूमिगत         |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.५.    | आपतकालिन विद्युतीय स्विच जडान                                                     |                   | २५०         | ३००         | ३५०       | ४००         |                 |
| २        | २.१.   | २.१.१.    | आवश्यकताका आधारमा ट्रान्सफर्मर जडान                                               |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | २.१.२.    | विद्युत प्राधिकरणसँग समन्वय गरी विद्युत प्रसारणलाईन सुधार                         |                   | १५०         | २००         |           |             |                 |
|          | २.२.   | २.२.१.    | विद्युतीय उपकरण खरिदमा निश्चित मापदण्डका आधारमा छुटको व्यवस्था                    | ५००               | ६००         | ७००         | ८००       | ९००         |                 |
|          |        | २.२.२.    | विद्युतीय सवारी साधन सञ्चालनमा सवारी कर छुटको व्यवस्था                            | ४००               | ४५०         | ५००         | ५५०       | ६००         |                 |
|          | २.३.   | २.३.१.    | वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादनमा निजी क्षेत्रसँग सहकार्य गर्न अन्तरक्रिया                 | ५०                | ६०          | ७०          | ८०        | ९०          |                 |
|          |        | २.३.२.    | सडक तथा सार्वजनिक स्थानमा बत्ती जडान                                              | ४००               | ४५०         | ५००         | ५५०       | ६००         |                 |
|          |        | २.३.३.    | धुवाँ रहित सुधारिएको चुलोमा अनुदान                                                | ४००               | ४५०         | ५००         | ५५०       | ६००         |                 |
|          | २.४.   | २.४.१.    | विद्युतीकरण नपुगेको ठाउँमा विद्युत विस्तार                                        | १५०               | २००         | २५०         | ३००       | ३५०         |                 |
|          | २.५.   | २.५.१.    | विद्युत ऊर्जा तथा वैकल्पिक ऊर्जा प्रयोग गर्नका लागि जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन | १५०               | २००         | २५०         | ३००       | ३५०         |                 |
|          |        | २.५.२.    | गाउँपालिका क्षेत्रभित्र उचित स्थानमा चार्जिङ स्टेशन स्थापना                       |                   |             | १५००        |           | २०००        |                 |

### ६.३.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ उर्जाका आधारभूत पूर्वाधारहरूको विकास भई हरेक घरधुरीमा न्युनतम उर्जाको सुनिश्चितता भएको हुनेछ ।
- ✓ उर्जाको मुल प्रवाहमा नसमेटिएका घरधुरीहरूमा बैकल्पिक उर्जाको प्रवन्ध भएको हुनेछ ।

#### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                                                                             | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| १.      | उर्जा      |                                                                                                                                        |         |           |             |
|         | असर        | विद्युतमा पहुँच भएका जनसंख्या (७.१.१) (प.दि.वि.ल.)                                                                                     | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | वैकल्पिक तथा नविकरणीय उर्जा जस्तै सोलार प्रयोग गर्ने घरपरिवार                                                                          | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | जीवाश्म इन्धनको प्रयोग (कूल उर्जा खपतमा) (१२.२.२.१) (प.दि.वि.ल.)                                                                       | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | विद्युतबाट चल्ने सवारी साधन (प्रतिशत) (७.३.१.४) (प.दि.वि.ल.)                                                                           | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | चार्जिङ स्टेशन                                                                                                                         | संख्या  |           |             |
|         | असर        | खाना पकाउनका निम्ति ऊर्जाको प्राथमिक स्रोतको रूपमा कोइला, दाउरा, गुईँठा लगायतका ठोस इन्धन प्रयोग गर्ने घरपरिवार (७.१.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | खाना पकाउन र कोठा तातो राख्न एलपी ग्याँस प्रयोग गर्ने घरपरिवार (७.१.२.२) (प.दि.वि.ल.)                                                  | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | खाना पकाउन विद्युतीय चुलो प्रयोग गर्ने घरपरिवार                                                                                        | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | खाना पकाउन बैकल्पिक ऊर्जा प्रयोग गर्ने घरपरिवार                                                                                        | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | विद्युतीय सामग्रीमा हिटर, पंखा, एयर कन्डिसनर, वासिङ मेशिन प्रयोग गर्ने घरपरिवार                                                        | प्रतिशत |           |             |

### ६.३.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको दैवी विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीयस्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

## ६.४ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

### ६.४.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले सूचना तथा सञ्चार सम्बन्धी हकलाई मौलिक हकको रूपमा उल्लेख गरेको छ। यस गाउँपालिकाले उक्त मौलिक हकलाई कार्यान्वयन गर्न सूचना तथा सञ्चार सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रमहरूको सञ्चालन गरेको छ। यस गाउँपालिकाको सबै वडामा मोबाइल फोनको सुविधा छ। गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, २०८१ अनुसार गाउँपालिकामा करिब ६८.८ प्रतिशतले मोबाइल फोन प्रयोग गर्ने गरेका छन् भने ६.३२ प्रतिशत घरधुरीमा टेलिभिजनको प्रयोग हुने गरेको छ। यहाँका ५.२७ प्रतिशत घरधुरीले रेडियो, ५.३३ प्रतिशत घरधुरीले इन्टरनेटको प्रयोग गर्ने गरेका छन् भने ०.१८ प्रतिशतले कम्प्युटर तथा ल्यापटपको प्रयोग गर्ने गरेका छन्।

त्यसैगरी गाउँपालिकामा निजी क्षेत्रबाट विभिन्न इन्टरनेट सेवा प्रदायक संस्थाहरूले इन्टरनेट सेवा प्रदान गर्दै आएका भए तापनि वडाका सबै स्थानहरूमा इन्टरनेट प्रविधिको अवस्था कमजोर रहेकोले विस्तार र गुणस्तर सुधार गर्नु जरुरी छ। यस गाउँपालिकामा एक वटा एफ एम दर्ता भई सञ्चालनमा रहेको छ भने स्थानीय पत्रिकाका रूपमा इच्छाकामना न्यूज नामको पत्रिका दर्ता भई प्रकाशन भएको छ। आर्थिक विकासका लागि सूचना तथा सञ्चारको विकास अत्यावश्यक भएका कारण यस गाउँपालिकामा सूचना तथा सञ्चारको विकासका लागि आवश्यक कार्यक्रमहरू गर्नु जरुरी रहेको छ।

### ६.४.२ समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- ल्याण्डलाईन टेलिफोन तथा अष्टिकल फाइबरबाट इन्टरनेट सेवा विस्तार गर्नुपर्ने आवश्यकता।
- विद्यालय तथा सार्वजनिक स्थानहरूमा इन्टरनेट सुविधा विस्तार गरी निःशुल्क वाईफाईको व्यवस्था गर्नुपर्ने।
- सञ्चार क्षेत्रको क्षमता अभिवृद्धि गर्नुपर्ने।
- सञ्चारका विभिन्न माध्यमको समयसापेक्ष विस्तार, अनुगमन र नियमन गर्नु।
- गाउँपालिकाबासीमा सञ्चारका सबै प्रविधिसँगको पहुँच स्थापना गरी साइबर सुरक्षा सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्नुपर्ने।
- बालबालिकाहरूमा Online Game खेल्ने क्रम अत्याधिक रूपमा बढ्दै गएको।

### ६.४.३ सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकामा निजी क्षेत्रका इन्टरनेट सेवा प्रदायकले इन्टरनेट सेवा प्रदान गर्दै आएका।
- मोबाइल डाटाको प्रयोगबाट भए पनि गाउँपालिकाबासीहरूमा Facebook, Youtube, Whats app जस्ता सामाजिक सञ्जालको प्रयोगमा वृद्धि हुँदै गएको।
- रेडियो नेपालको प्रसारण साथै स्थानीय एफ एम सुन्न तथा डिजिटल प्रविधिबाट टेलिभिजन हेर्न सकिने।
- विभिन्न राष्ट्रिय दैनिकहरू गोरखापत्र, कान्तिपुर जस्ता पत्रपत्रिकाको पहुँच भएको।
- उपभोक्ताको माग राम्रो भएको खण्डमा निजी सञ्चार सेवा प्रदायक मोबाइल तथा इन्टरनेट कम्पनीहरूलाई सेवा विस्तारमा आकर्षण गर्न सकिने।
- गाउँपालिकाले आफ्नो कार्यलाई प्रविधिमैत्री बनाई डिजिटलाइजेसन तर्फ लैजाने नीति लिएको।

#### ६.४.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                                                     |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------|
| सूचना तथा सञ्चारमा पूर्ण पूर्वाधारयुक्त गाउँपालिका                                                 |
| लक्ष्य                                                                                             |
| गाउँपालिकाबासीमा सूचना प्रविधिको पहुँच सुनिश्चित गर्ने ।                                           |
| उद्देश्यहरू                                                                                        |
| ✓ सूचना तथा सञ्चार प्रविधिमा आधारित सार्वजनिक सेवा प्रवाह गुणस्तरीय, भरपर्दो र पहुँचयोग्य बनाउनु । |

| उद्देश्य १: गाउँपालिकाबासीमा सूचना प्रविधिको पहुँच सुनिश्चित गर्ने |                                                                                                                                                              |
|--------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                             | कार्यनीति                                                                                                                                                    |
| १.१. सूचना प्रविधिका पूर्वाधारहरूको निर्माण गर्ने ।                | १.१.१. मोबाइल नेटवर्क कभरेज प्रभावकारितामा ल्याउन आवश्यकतानुसार मोबाइल टावरहरूको थप र विस्तार तथा गुणस्तर सुधार गर्न नेपाल टेलिकम र एनसेलसँग पहल गरिनेछ ।    |
|                                                                    | १.१.२. इन्टरनेट प्रदायक निजी कम्पनीहरूलाई आकर्षण गरी पूर्वाधार निर्माण गरिनेछ ।                                                                              |
|                                                                    | १.१.३. स्थानीय एफएम रेडियो सञ्चालन गर्न र स्थानीय पत्रपत्रिका प्रकाशन गर्न निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।                                               |
|                                                                    | १.१.४. मोबाइल टावरहरूमा विद्युतको नियमित रूपमा आपूर्ति गर्न आवश्यक व्यवस्था मिलाइनेछ ।                                                                       |
|                                                                    | १.१.५. डिजिटल नेपाल फ्रेमवर्क २०७६ अन्तर्गतका कार्यक्रमहरू क्रमशः सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                           |
|                                                                    | १.१.६. गाउँपालिकाको सूचना प्रवाहमा सरलताको लागि डिजिटल बोर्डका साथै डिजिटल नागरिक वडापत्रको सुरुवात गरी मोबाइल एप बाटै गुनासो र उजुरी लिने व्यवस्था गरिनेछ । |
|                                                                    | १.१.७. गाउँपालिकाको Digital Profile अद्यावधिक गरी GIS प्रणालीमा Integrated गरिनेछ ।                                                                          |
| १.२. गाउँपालिकाबासीमा आमसञ्चारको पहुँच विस्तार गर्ने ।             | १.२.१. गाउँपालिकाको वेबसाइटमार्फत सूचना सम्प्रेषणलाई निरन्तरता दिइनेछ ।                                                                                      |
|                                                                    | १.२.२. गाउँपालिका केन्द्र, वडा कार्यालय तथा सार्वजनिक स्थलहरूमा फ्री वाइफाईको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                              |
|                                                                    | १.२.३. वडा कार्यालयहरू सूचना प्रविधिमैत्री बनाइनेछ ।                                                                                                         |
|                                                                    | १.२.४. गाउँपालिकास्तरीय सूचना केन्द्रको साथै e-library को स्थापना गरिनेछ ।                                                                                   |
|                                                                    | १.२.५. एफ एम रेडियोसँग सहकार्य गरी स्थानीय भाषामा सूचना तथा समाचार तयार गरेर प्रसारण गरिनेछ ।                                                                |

| उद्देश्य १: गाउँपालिकाबासीमा सूचना प्रविधिको पहुँच सुनिश्चित गर्ने |                                                                                                                                              |
|--------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                             | कार्यनीति                                                                                                                                    |
|                                                                    | १.२.६. गाउँपालिका भित्रका स्थानीय खबर तथा देश र विदेशका खबरबाट सुसूचित गर्नका लागि अति विपन्न वर्गलाई मापदण्डका आधारमा मोबाइल वितरण गरिनेछ । |
| १.३. क्षमता अभिवृद्धिमूलक कार्यक्रम संचालन गर्ने ।                 | १.३.१. सूचना प्रविधिसँग सम्बन्धित प्राविधिक जनशक्तिलाई विभिन्न किसिमका तालिममार्फत उनीहरूको क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।                        |
|                                                                    | १.३.२. गाउँपालिकाबासीमा साइबर सुरक्षा सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ ।                                                                    |
|                                                                    | १.३.३ डिजिटल र स्मार्ट पालिकाको अभियानलाई अगाडी बढाइनेछ ।                                                                                    |

### सूचना, सञ्चार तथा प्रविधिको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                       | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|---------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                 | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
| १        | १.१.   | १.१.१.    | आवश्यक स्थानमा टावर निर्माण तथा गुणस्तर सुधार                                   | १००               | २००         | ३००         | ४००       | ५००         |                 |
|          |        | १.१.२.    | निजी क्षेत्रसँगको सहकार्यमा आम सञ्चार पूर्वाधार निर्माण                         | २००               | ४००         | ६००         |           |             |                 |
|          |        | १.१.३.    | सामुदायिक एफएम र स्थानीय पत्रिका प्रकाशनमा सहजीकरण                              | ५०                | ८०          | १००         | १५०       |             |                 |
|          |        | १.१.४.    | विद्युत प्राधिकरणसँग सहकार्य                                                    | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.१.५.    | डिजिटल नेपाल फ्रेमवर्क २०७६ अन्तर्गतका कार्यक्रम सञ्चालन                        | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          |        | १.१.६.    | डिजिटल नागरिक वडापत्रको सुरुवात गरी मोबाइल एप बाटै गुनासो र उजुरी लिने व्यवस्था |                   | ५००         | ५००         | ५००       |             |                 |
|          |        | १.१.७.    | गाउँपालिकाको Digital Profile अद्यावधिक गरी GIS प्रणालीमा Integrated             |                   |             |             |           |             |                 |
|          | १.२.   | १.२.१.    | गाउँपालिकाको वेबसाइटमार्फत सूचना सम्प्रेषण                                      | १००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.२.    | सार्वजनिक स्थलहरूमा फ्री वाइफाईको व्यवस्था                                      | ८०                | ८०          | ८०          | ८०        | ८०          |                 |
|          |        | १.२.३.    | सूचना प्रविधिमैत्री वडा कार्यालय                                                | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          |        | १.२.४.    | गाउँपालिकास्तरीय e-library स्थापना                                              | ५००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.५.    | स्थानीयस्तरमा सूचना तथा समाचार उत्पादन तथा प्रसारण                              | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.२.६.    | अति विपन्न परिवारलाई मोबाइल वितरण कार्यक्रम                                     | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          | १.३.   | १.३.१.    | सूचना प्रविधि तालिम सञ्चालन                                                     | ९०                | ९०          | ९०          | ९०        | ९०          |                 |
|          |        | १.३.२.    | जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन                                                   | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.३.३.    | डिजिटल र स्मार्ट पालिकाको अभियानलाई निरन्तरता                                   |                   | ५००         | ६००         | ७००       | ८००         |                 |

### ६.४.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ गाउँपालिका तथा वडाहरूमा सूचना प्रविधिका पूर्वाधारहरू निर्माण भएको हुनेछ।
- ✓ गाउँपालिकाबासीमा आमसञ्चारको गुणस्तरीय सेवामा पहुँच पुगेको हुनेछ।

### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह       | नतिजा सूचक                                                     | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------------|----------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| १.      | सूचना तथा सञ्चार |                                                                |         |           |             |
|         | असर              | टेलिफोन तथा मोबाइल सेवामा पहुँच पुगेको घरपरिवार संख्या         | प्रतिशत |           |             |
|         | असर              | इन्टरनेट प्रयोगकर्ता घरपरिवारको संख्या (१७.६.२.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |
|         | असर              | रेडियोको पहुँच पुगेका घरपरिवार संख्या                          | प्रतिशत |           |             |
|         | असर              | टेलिभिजनको पहुँच पुगेका घरपरिवार संख्या                        | प्रतिशत |           |             |

### ६.४.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको दैवी विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

## परिच्छेद - ७: वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र

### ७.१ वन तथा जैविक विविधता

#### ७.१.१ पृष्ठभूमि

इच्छाकामना गाउँपालिकाको कूल १६६.७३ वर्ग कि.मी.क्षेत्रफल मध्ये ६४.७० प्रतिशत वन जंगल क्षेत्रले ओगटेको छ। सामुदायिक तथा कबुलियती वन गरी २०० भन्दा बढि वन रहेको यस क्षेत्रमा जंगलमा पाईने प्रमुख रुखका प्रजातिहरुमा साल, सिसौ, सिमल, खयर, चाम्रो, करम, साज, तिल्के, असारे, अमला, बेल, कुसुम, पिपला, गिठ्ठा, मसला, टिक, आँप, लिच्ची, बाँस, बर, पिपल आदि रहेका छन् भने अन्य वनस्पतिमा निम, राजवृक्ष, बकाईनो आदि रहेका छन्।

दिगो विकास लक्ष्यको लक्ष्य नं. १५ मा वनको दिगो व्यवस्थापन गर्ने, मरुभूमिकरण विरुद्ध लड्ने, भू-क्षयीकरण रोकेर त्यस्तो प्रक्रियालाई उल्ट्याउने तथा जैविक विविधताको क्षतिलाई रोक्ने कुरा उल्लेख गरिएको छ। तसर्थ पर्यावरणीय सन्तुलन, वायुमण्डलको स्वच्छता तथा जीवजन्तुको बासस्थान कायम राख्न वनजंगलको संरक्षण प्राथमिकतामा राख्नु जरुरी छ। त्यसैगरी गाउँपालिकाको अधिकांश भू-भाग पहाडी क्षेत्रमा पर्ने भएकाले वर्षातको समयमा पहिरोका कारण सडक अवरुद्ध हुनुका साथै धनजनको क्षति हुने हुनाले भू-संरक्षणका हिसावले अति संवेदनशील क्षेत्रहरुमा वृक्षारोपण, बाँध निर्माण, तारजाली, तटबन्ध तथा परम्परागत बाढी पहिरो नियन्त्रण र भू-संरक्षणका कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्नुपर्ने देखिन्छ। साथै भू-संरक्षणको प्रभावकारी उपाय वृक्षारोपण भएकोले सो कार्यलाई प्राथमिकतामा राख्नु अति आवश्यक छ।

#### ७.१.२ समस्या तथा चुनौती

##### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- वन क्षेत्रमा रहेका मिचाहा प्रजातिका वनस्पति नियमित रुपमा गोडमेल गरी नियन्त्रण गर्नुपर्ने।
- दिगो वन व्यवस्थापन तथा भू-संरक्षणका लागि प्राविधिक जनशक्ति उत्पादन गर्नुपर्ने।
- सामुदायिक वनको आयस्रोत एवं क्रियाकलापलाई पारदर्शी एवं जवाफदेही बनाउनुपर्ने।
- लोपोन्मुख वनस्पति र वन्यजन्तुको संरक्षणका लागि विशेष कार्यक्रम लागू गर्नुपर्ने।
- मानिस, वातावरण र जंगली जनावरबिच सन्तुलित सम्बन्ध बनाउन नसक्नु।

#### ७.१.३ सम्भावना तथा अवसर

##### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाको शहरी क्षेत्रमा रहेका चोक, चौवाटो र बाटोको दायाँ बायाँ तथा बिचमा रहेको क्षेत्रलाई हरित क्षेत्रको रुपमा विकास गरी सुन्दर हराभरा बनाउन सकिने।
- खेर गएका तथा खाली रहेका सार्वजनिक जग्गालाई सामुदायिक वनको रुपमा विस्तार गरी आयआर्जनका विशेष कार्यक्रममा आवद्ध गरी गरिवी निवारणमा जोड्न सकिने।
- गाउँपालिकाले जैविक विविधताको संरक्षणमा विशेष ध्यान दिने नीति अगाडि सारेको।
- स्थानीय समुदायको सहयोगमा सामुदायिक वन संरक्षण गर्न सकिने।
- गाउँपालिकाले वन जंगलको संरक्षणका लागि विभिन्न गैर सरकारी संस्थाहरूसँगको समन्वयमा सचेतनामूलकसहित अन्य आवश्यक कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्ने नीति अगाडि सारेको।
- पर्यापर्यटनको विकास गर्न सकिने।

#### ७.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                                                                                                                                                                                                      |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| जल, जमिन, जंगल र जडीबुटीको दिगो संरक्षण तथा सदुपयोग मार्फत दिगो विकास हासिल                                                                                                                                                                         |
| लक्ष्य                                                                                                                                                                                                                                              |
| गाउँपालिकालाई वातावरण सन्तुलित हरित क्षेत्रको रूपमा विकास गर्ने ।                                                                                                                                                                                   |
| उद्देश्यहरू                                                                                                                                                                                                                                         |
| <ul style="list-style-type: none"> <li>✓ वन क्षेत्रको दिगो व्यवस्थापन गरी गाउँपालिकाको आर्थिक श्रोतको प्रमुख आधार बनाउनु ।</li> <li>✓ वन तथा हरित क्षेत्रको दिगो विकास सुनिश्चित गर्नु ।</li> <li>✓ कटानग्रस्त क्षेत्रको संरक्षण गर्नु ।</li> </ul> |

| उद्देश्य १ : वन क्षेत्रको दिगो व्यवस्थापन गरी गाउँपालिकाको आर्थिक श्रोतको प्रमुख आधार बनाउनु । |                                                                                                                                                                           |
|------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                         | कार्यनीति                                                                                                                                                                 |
| १.१. वनक्षेत्रको दिगो व्यवस्थापन गर्ने ।                                                       | १.१.१. वन क्षेत्रको विकासलाई वैज्ञानिकीकरण गर्न विज्ञ समूहको सहयोगमा दिगो वन व्यवस्थापन बारे सम्पूर्ण सरोकारवालाहरूसँग अन्तरक्रिया तथा अभिमूखीकरण तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।  |
| १.२. वनलाई आर्थिक श्रोतको प्रमुख आधार बनाउने ।                                                 | १.२.१. खाली रहेका सार्वजनिक जग्गा, नदी उकासको क्षेत्र, खेर गैरहेको जमिन र बाँझो क्षेत्रलाई हरित क्षेत्रको रूपमा विकास गरी आय आर्जनसँग आवद्ध गर्ने अभियान सञ्चालन गरिनेछ । |
|                                                                                                | १.२.२. निजी तथा सामुदायिक स्तरमा निजी जमिन तथा वन जंगलमा फलफूलको व्यावसायिक उत्पादन सुरु गरिनेछ ।                                                                         |
|                                                                                                | १.२.३. कुरिलो, हर्से, बर्रो, अमला, तुलसी, घ्युकुमारी, गुर्जो, कागती, इत्यादि जडीबुटीको व्यावसायिक उत्पादन गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरी वृक्षारोपण गरिनेछ ।                  |
|                                                                                                | १.२.४. कृषि वन (Agro forestry) को नीति अवलम्बन गरी हरित क्षेत्रलाई पूर्ण प्रतिफलमूखी बनाइनेछ ।                                                                            |
|                                                                                                | १.२.५. बोटानिकल गार्डन/बाल उद्यान संचालन गर्न सामुदायिक तथा निजी वनहरूसँग समन्वय गरी कार्यक्रम निर्माण गरिनेछ ।                                                           |

| उद्देश्य २: वनको दिगो विकास सुनिश्चित गर्नु ।                                 |                                                                                                                                                                                                                        |
|-------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                        | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                              |
| २.१. खेर गइरहेको भाँडी बुट्यान क्षेत्रलाई सदुपयोग गरी वनको क्षेत्रफल बढाइने । | २.१.१. गाउँपालिकामा खेर गइरहेका स्थानको पहिचान गरी वृक्षारोपण कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।                                                                                                                                |
| २.२. वन संरक्षण कार्यक्रमहरू संचालन गर्ने ।                                   | २.२.१. स्थानीय “वन ऐन” जारी गरी वनको प्रभावकारी संरक्षण गरिनेछ ।                                                                                                                                                       |
|                                                                               | २.२.२. सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरूलाई सक्षम बनाई प्रतिफलमूखी कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।                                                                                                                              |
|                                                                               | २.२.३. हरेक वडामा उपयुक्त सार्वजनिक तथा ऐलानी जग्गा रहेका स्थानहरूको पहिचान गरी निश्चित क्षेत्रलाई हरित क्षेत्रको रूपमा घोषणा गरी हरित क्षेत्र कायम गर्न वृक्षारोपण, पार्क निर्माण जस्ता कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ । |

| उद्देश्य २: वनको विगो विकास सुनिश्चित गर्नु । |                                                                                                                                                                                          |
|-----------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                        | कार्यनीति                                                                                                                                                                                |
|                                               | २.२.४. पानीको मुल सुकाउने प्रजातिका बिरुवाहरूको पहिचान गरी तिनीहरूलाई उत्पादनशील फलफुल तथा पानीका मुहान संरक्षणमा सहायक बोटबिरुवाले प्रतिस्थापन गर्दै लगिनेछ ।                           |
|                                               | २.२.५. वन तथा भू-संरक्षणका हरेक कार्यक्रमहरूमा जनसहभागिता सुनिश्चित गरिनेछ ।                                                                                                             |
|                                               | २.२.६. वन डहेंलो र वन्यजन्तु तथा वनस्पतीको चोरी निकासी प्रभावकारी रुपमा नियन्त्रणका लागि समन्वय गरिनेछ ।                                                                                 |
|                                               | २.२.७. विकास निर्माण कार्य गर्दा वन तथा जलाधार क्षेत्रको सकेसम्म कम क्षति हुने गरी protocol तयार गरिनेछ ।                                                                                |
|                                               | २.२.८. सर्वोत्कृष्ट वन उपभोक्ता समूहलाई मापदण्डका आधारमा वार्षिक रुपमा पुरस्कृत गरिनेछ ।                                                                                                 |
|                                               | २.२.९. निजी तथा सामुदायिक वनमा सरोकारवालाहरूलाई एकीकृत वन व्यवस्थापन र संरक्षणका लागि क्षमता अभिवृद्धि तालिम संचालन गरिनेछ ।                                                             |
|                                               | २.२.१० निजी, सामुदायिक र सार्वजनिक वनमा रुख कटान पश्चात सो ठाउँमा कटान भएकै संख्यामा वृक्षारोपण गर्न लगाई “कटान पश्चात पुनः हरियो” कार्यक्रम संचालनमा ल्याई अनिवार्य वृक्षारोपण गरिनेछ । |
|                                               | २.२.११ संकटापन्न वनस्पतिहरूको विशेष संरक्षण योजना लागू गरिनेछ ।                                                                                                                          |
|                                               | २.२.१२ संकटापन्न वन्यजन्तु, जलचर, पंक्षी तथा स्थल चरहरूको विशेष संरक्षण योजना लागू गरिनेछ ।                                                                                              |
|                                               | २.२.१३ समुदायस्तरमा चोरी शिकारी नियन्त्रण इकाइको गठन गरिनेछ ।                                                                                                                            |
|                                               | २.२.१४ नदी किनारका खाली निजी जमिनमा जग्गा धनीसँग समन्वय गरी वृक्षारोपण गरिनेछ ।                                                                                                          |
| २.३ जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।     | २.३.१. हरित क्षेत्र विस्तार तथा भू-संरक्षण सचेतना कार्यक्रमहरू अभियानका रुपमा सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                           |

| उद्देश्य ३ : बाढी र कटानग्रस्त क्षेत्रको संरक्षण गर्नु ।       |                                                                                                       |
|----------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                         | कार्यनीति                                                                                             |
| ३.१. सम्पूर्ण बाढी र कटानग्रस्त क्षेत्रको अभिलेख संकलन गर्ने । | ३.१.१. गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडामा बाढी र कटान ग्रस्त क्षेत्रहरूको नक्शाङ्कन गरी विवरण संकलन गरिनेछ । |
|                                                                | ३.१.२ अति जोखिमयुक्त क्षेत्रलाई वातावरणीय हिसाबले अति संवेदनशील क्षेत्र घोषणा गरिनेछ ।                |
| ३.२. बाढी र कटान नियन्त्रणका सफल                               | ३.२.१. बाढी र कटानग्रस्त क्षेत्रमा हरित क्षेत्र प्रवर्द्धन कार्यक्रम अभियानका रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।  |

| उद्देश्य ३ : बाढी र कटानग्रस्त क्षेत्रको संरक्षण गर्नु । |                                                                                                                                                                             |
|----------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                   | कार्यनीति                                                                                                                                                                   |
| अभ्यासहरूको अनुसरण गर्दै कटान नियन्त्रण गर्ने ।          | ३.२.२. बाढी र कटानग्रस्त क्षेत्रहरूमा बायो इन्जिनियरिङ प्रविधिको प्रयोग गरी नियन्त्रण गर्न विज्ञहरूको परामर्श लिनुका साथै त्यस्ता क्षेत्रहरूको अध्ययन अवलोकन भ्रमण गरिनेछ । |
|                                                          | ३.२.३. गाउँपालिकामा एक नमुना बाढी नियन्त्रण तथा भू-संरक्षण क्षेत्रको घोषणा गर्न कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                  |
|                                                          | ३.२.४. भू-संरक्षण तथा कटान नियन्त्रणका लागि आवश्यक पूर्वाधार जस्तै-तारजालीको उत्पादन गाउँपालिकामै गर्न निजी क्षेत्रसँग समन्वय गरिनेछ ।                                      |
|                                                          | ३.२.५. भू-संरक्षण तथा कटान नियन्त्रणका लागि तालिम प्राप्त जनशक्तिको प्रवन्ध गर्न तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                     |
|                                                          | ३.२.६. गाउँपालिकाको नदीमा नयाँ स्पर निर्माण, स्पर मर्मत, तटबन्धन र खोलानालाहरूमा तटबन्ध गरिनेछ ।                                                                            |
|                                                          | ३.२.७. गाउँपालिकाको विभिन्न क्षेत्रमा नदीबाट हुने कटान रोक्न संघ तथा प्रदेश सरकारसँग समन्वय गरी नदी नियन्त्रणका विशेष योजना अगाडी बढाइनेछ ।                                 |

## वन तथा जैविक विविधता विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                   | बजेट (रु. हजारमा) |            |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|-----------------------------------------------------------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                             | आधार वर्ष         | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
| १        | १.१.   | १.१.१.    | दिगो वन व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम सञ्चालन                                   |                   | ३००        | ३५०         | ४००         | ४५०       | ५००        |                 |
|          | १.२.   | १.२.१     | हरित क्षेत्र सम्भाव्यता अध्ययन तथा नक्साङ्कन                                | ५००               |            |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.२.२.    | वडास्तरीय नर्सरी स्थापना गरि फलफुलका विरुवाहरू उत्पादन तथा वितरण            |                   | १५०        | १६०         | १७०         | १८०       | १९०        |                 |
|          |        | १.२.३.    | सामुहिक जडीबुटी खेती अन्तरक्रिया                                            |                   | १५०        | १६०         | १७०         | १८०       | १९०        |                 |
|          |        | १.२.४.    | कृषि वन (Agro forestry) को नीति अवलम्बन                                     |                   |            |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.२.५.    | बाल उद्यान निर्माणका लागि सामुदायिक तथा निजी वनहरूसँग समन्वय                |                   | १५         | २०          | २५          | ३०        | ३५         |                 |
| २        | २.१.   | २.१.१.    | खेर गईरहेको स्थान पहिचान गरी वृक्षारोपण                                     |                   | १००        | १२०         | १३०         | १४०       | १५०        |                 |
|          | २.२.   | २.२.१.    | स्थानीय वन ऐन निर्माण                                                       |                   |            |             |             |           |            |                 |
|          |        | २.२.२.    | वन उपभोक्ता समितिलाई तालिम                                                  |                   | २००        | २५०         | ३००         | ३५०       | ४००        |                 |
|          |        | २.२.३.    | हरित क्षेत्र तथा पार्क निर्माण                                              |                   |            |             | ५६०         |           |            |                 |
|          |        | २.२.४.    | पानीको मुहान संरक्षण गर्न सहयोगी बोटविरुवा रोपण                             |                   | १५         | २०          | २५          | ३०        | ३५         |                 |
|          |        | २.२.५.    | वन तथा भू-संरक्षण कार्यक्रममा जनसहभागिता                                    |                   |            | १५          | २०          |           |            |                 |
|          |        | २.२.६.    | वन डढेलो नियन्त्रण कार्ययोजना निर्माण                                       |                   |            |             |             | २५०       |            |                 |
|          |        | २.२.७.    | विकास निर्माणका कार्य गर्दा जलाधार क्षेत्रको क्षति न्यूनीकरण protocol तयारी |                   |            |             |             | ३००       |            |                 |
|          |        | २.२.८.    | उत्कृष्ट वन उपभोक्ता समूहलाई पुरस्कारको व्यवस्था                            |                   | ५०         | ६०          | ७०          | ८०        | ९०         |                 |
|          |        | २.२.९.    | वन व्यवस्थापन र संरक्षण क्षमता अभिवृद्धि तालिम सञ्चालन                      |                   | ३००        | ३५०         | ४००         | ४५०       | ५००        |                 |
|          |        | २.२.१०    | “कटान पश्चात पुनः हरियो” कार्यक्रम सञ्चालन                                  |                   | १५०        | १६०         | १७०         | १८०       | १९०        |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                            | बजेट (रु. हजारमा) |            |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|--------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                      | आधार वर्ष         | पहिलो वर्ष | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
|          |        | २.२.११    | संकटापन्न वनस्पति संरक्षण कार्यक्रम                                                  |                   | ५०         | ६०          | ७०          | ८०        | ९०         |                 |
|          |        | २.२.१२    | संकटापन्न वन्यजन्तु, स्थलचर, जलचर संरक्षण कार्यक्रम                                  |                   | ५०         | ६०          | ७०          | ८०        | ९०         |                 |
|          |        | २.२.१३    | चोरी शिकारी नियन्त्रण इकाई गठन                                                       |                   |            |             | २०          |           |            |                 |
|          |        | २.२.१४    | वृक्षारोपण कार्यक्रम                                                                 |                   | २५         | ३०          | ३५          | ४०        | ४५         |                 |
|          | २.३.   | २.३.१.    | सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन                                                             |                   | १००        | ११०         | १२०         | १३०       | १४०        |                 |
| ३        | ३.१    | ३.१.१     | पहिरो तथा कटान संवेदनशील क्षेत्रको नक्शाङ्कन तथा विवरण संकलन                         |                   | १२०        |             |             |           |            |                 |
|          |        | ३.१.२     | वातावरणीय हिसाबले जोखिमयुक्त क्षेत्रहरूलाई अति संवेदनशील क्षेत्र घोषणा               |                   |            |             |             | ३०        |            |                 |
|          | ३.२    | ३.२.१     | पहिरो र कटान क्षेत्र विशेष हरित क्षेत्र प्रवर्द्धन कार्यक्रम                         | १५०               |            | १६०         |             | १७०       |            |                 |
|          |        | ३.२.२     | बायो इन्जिनियरिङ परामर्श सेवा                                                        |                   |            |             |             |           |            |                 |
|          |        | ३.२.३     | बायो इन्जिनियरिङ नमुना क्षेत्र अध्ययन भ्रमण तथा नमुना कटान नियन्त्रण क्षेत्र निर्माण |                   |            | ५००         |             |           |            |                 |
|          |        | ३.२.४     | तारजाली उत्पादनका लागि निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया                                   |                   | २५         |             |             | ३६        | ७०         |                 |
|          |        | ३.२.५     | भू-संरक्षण तथा कटान नियन्त्रण तालिम                                                  |                   | १००        | १५०         | १६०         | १७०       | १८०        |                 |
|          |        | ३.२.६     | नदीमा नयाँ स्पर निर्माण, स्पर मर्मत तथा खोलानालाहरूमा तटबन्ध निर्माण                 |                   |            |             | ५००         |           |            |                 |
|          |        | ३.२.७     | नदीबाट हुने हानी नोक्सानी नियन्त्रणका लागि संघ तथा प्रदेश सरकारसँग समन्वय            |                   | १५०        |             |             | १५०       |            |                 |

### ७.१.५ अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका

- ✓ दिगो वन व्यवस्थापन सुनिश्चित हुनेछ ।
- ✓ जैविक विविधताको संरक्षण भएको हुनेछ ।
- ✓ भू-संरक्षणका नमुना क्षेत्रहरूको संख्यामा उल्लेख्य वृद्धि हुनेछ ।
- ✓ हरित क्षेत्र विस्तार हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह        | नतिजा सूचक                                                                     | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|-------------------|--------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| १.      | वन तथा भू-संरक्षण |                                                                                |         |           |             |
|         | असर               | वनले ओगटेको कुल क्षेत्र (प्रतिशत) (१५.१.१) (प.दि.वि.ल.)                        | प्रतिशत |           |             |
|         | असर               | सामुदायिक वनले ओगटेको क्षेत्र (प्रतिशत) (१५.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)                | प्रतिशत |           |             |
|         | असर               | कबुलियती वन समूहलाई वन हस्तान्तरण (हेक्टर) (१५.२.१.१) (प.दि.वि.ल.)             | हेक्टर  |           |             |
|         | प्रतिफल           | वृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र (१५.२.१.२) (प.दि.वि.ल.)                              | हेक्टर  |           |             |
|         | प्रतिफल           | थप वृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र (प्रतिवर्ष/बेर्ना संख्या) (१५.१.२.३) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल           | संरक्षित क्षेत्र (१५.१.२.१) (प.दि.वि.ल.)                                       | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल           | वनस्पति उद्यान                                                                 | संख्या  |           |             |
|         | असर               | दिगो व्यवस्थापन प्रणाली लागु वनको क्षेत्र                                      | प्रतिशत |           |             |
|         | असर               | जडीबुटी तथा फलफूल खेतीले ओगटेको सामुदायिक वनको क्षेत्र                         | प्रतिशत |           |             |
|         | असर               | मिचाहा प्रजातिका विरुवाहरूले ओगटेको वनको क्षेत्र (प्रतिशत)                     | प्रतिशत |           |             |
|         | असर               | संकटापन्न अवस्थामा रहेका औषधिको रुपमा प्रयोग हुने वनस्पतिहरू                   | प्रतिशत |           |             |
|         | असर               | अनुत्पादक भाडी, बुट्यान क्षेत्र मध्ये उत्पादनशील वनमा परिणत भएको क्षेत्र       | प्रतिशत |           |             |
|         | असर               | संरक्षण योजना अन्तर्गत समेटिएका वनस्पति (१५.९.१.१) (प.दि.वि.ल.)                | संख्या  |           |             |
|         | असर               | संकटापन्न घोषणा भएका वनस्पतिको संख्या                                          | प्रतिशत |           |             |
|         | असर               | संरक्षण योजना अन्तर्गत समेटिएका जीवहरूको संख्या (१५.९.१.२) (प.दि.वि.ल.)        | संख्या  |           |             |
|         | असर               | संकटापन्न घोषणा भएका वन्यजन्तुको संख्या                                        | प्रतिशत |           |             |
|         | असर               | जंगली बाघको संख्या (१५.५.१.३) (प.दि.वि.ल.)                                     | संख्या  |           |             |
|         | असर               | गैंडाको संख्या (१५.५.१.४) (प.दि.वि.ल.)                                         | संख्या  |           |             |
|         | असर               | चोरी सिकारी नियन्त्रण इकाई (संख्या) १५.५.१.५) (प.दि.वि.ल.)                     | संख्या  |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                  | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|-----------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
|         | असर        | वायो इन्जिनियरिङ्ग प्रविधिको प्रयोग गरी भू-संरक्षण गरिएका स्थानहरूको संख्या | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | पहिरोका हिसाबले जोखिमग्रस्त क्षेत्र                                         | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | River Training गरिएको (लम्बाई) कि.मि.                                       | कि.मी.  |           |             |
|         | असर        | नमूना कटान नियन्त्रण क्षेत्र                                                | संख्या  |           |             |
|         | असर        | हरित क्षेत्र विस्तार तथा परम्परागत प्रविधिमा कटान नियन्त्रण गरिएका क्षेत्र  | प्रतिशत |           |             |

#### ७.१.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनैतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ७.२ भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

### ७.२.१ भूमि व्यवस्थापन (भू-उपयोग)

#### क) पृष्ठभूमि

समुन्द्री सतहबाट ५०० मिटर देखि १५०० मिटरको उचाईमा फैलिएको छ । १६६.७३ वर्ग.कि.मी. क्षेत्रफल रहेको यस गाउँपालिकामा अधिकांश पहाडी भू-भाग छ । यहाँको अधिकांश भू-भाग पहाडी क्षेत्र एवं भिरालोपन अन्तर्गत पर्ने हुँदा गाउँपालिकाको खोला नदी एवं वेशी क्षेत्रमा बलौटे दोमट र पाँगो माटो पाइन्छ भने लेकाली भू-भागमा चिम्ट्याइलो माटोको प्रधानता रहेको पाइन्छ । यहाँको कुल क्षेत्रफल मध्ये खेतीपाती योग्य जमिनले ३३.१२ प्रतिशत भू-भाग ओगटेको छ भने वन क्षेत्रले ६४.७० प्रतिशत जमिन ओगटेको छ ।

#### ख) समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू                                                        |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ✓ बस्तीहरू छरिएको अवस्थामा रहेका हुनाले दिगो विकास गर्नका लागि समस्या ।                           |
| ✓ जमिनको प्रकृति अनुसार त्यसको वर्गीकरण गरी सदुपयोग गर्न नसकिएको ।                                |
| ✓ यथेष्ट मात्रामा उपलब्ध कृषियोग्य क्षेत्रलाई वैज्ञानिक तवरले सदुपयोग गर्न नसकिएको ।              |
| ✓ गाउँपालिकाको वन क्षेत्रलाई दिगो व्यवस्थापन र सदुपयोग गर्न नसकिएको ।                             |
| ✓ वर्षातको समयमा कुलो लगायत साना खोलाको किनारहरूमा बाढी आउने भएकाले बाढी पहिरोको सम्भावना रहेको । |

#### ग) सम्भावना तथा अवसर

| सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                            |
|------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ✓ पाखो क्षेत्रहरू सुख्खा प्रकृतिको रहेता पनि कृषि, मत्स्यपालन र पशुपालनको सम्भावना अधिक भएको । |
| ✓ गाउँपालिकाको ३३.१२ प्रतिशत भू-भागमा खेती पाती गर्ने गरिएको ।                                 |
| ✓ गाउँपालिका भित्र रहेको ६४.७० प्रतिशत जमिन वनजंगलले ढाकेको ।                                  |

#### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                         |
|------------------------------------------------------------------------|
| भू-स्रोतको पूर्णत वैज्ञानिक सदुपयोग माफत आर्थिक समृद्धि                |
| लक्ष्य                                                                 |
| वैज्ञानिक भू-उपयोग योजना लागू गरी भूमिलाई आर्थिक विकासको आधार बनाउने । |
| उद्देश्य                                                               |
| सम्पूर्ण खेतीयोग्य जमिनको वैज्ञानिक रुपमा पूर्ण सदुपयोग गर्नु ।        |

| उद्देश्य १: सम्पूर्ण खेतीयोग्य जमिनको वैज्ञानिक रुपमा पूर्ण सदुपयोग गर्नु ।                       |                                                                                                                                                                                                                                                                         |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                            | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                                                                               |
| १.१ राष्ट्रिय र प्रादेशिक भू-उपयोग नीति अनुरूप स्थानीय भू-उपयोग योजना र कृषि नीति निर्माण गर्ने । | १.१.१ गाउँपालिकाको जमिनलाई भू-उपयोग नीति अनुरूप वर्गीकरण गरिनेछ ।<br>१.१.२ गाउँपालिका भित्र रहेको सबै प्रकारको जग्गाको पूर्णरुपमा लगत संकलन गरी व्यक्तिगत, सरकारी, सार्वजनिक, सामुदायिक तथा गुठी जग्गाको विस्तृत अभिलेख तयार पारि भूमि प्रशासन प्रणालीमा आवद्ध गरिनेछ । |

| उद्देश्य १: सम्पूर्ण खेतीयोग्य जमिनको वैज्ञानिक रूपमा पूर्ण सदुपयोग गर्नु ।                        |                                                                                                                                                                         |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीती                                                                                             | कार्यनीति                                                                                                                                                               |
|                                                                                                    | १.१.३ गाउँपालिकामा उपलब्ध सिंचित र असिंचित जमिनको लगत तयार गरी कृषि योग्य जग्गाको सदुपयोग भए नभएको तथ्याङ्क अद्यावधिक हुने संयन्त्र निर्माण गरिनेछ ।                    |
|                                                                                                    | १.१.४ सार्वजनिक जग्गा अतिक्रमणका विरुद्ध शुन्य सहनशिलताको अवलम्बन गरिनेछ ।                                                                                              |
| १.२ खेती गर्न इच्छुक तर आफ्नो जमिन नभएका कृषकहरूको लगत संकलन गरी भूमिको व्यवस्था गर्ने ।           | १.२.१ भूमि बैङ्कको स्थापना गरिनेछ ।                                                                                                                                     |
|                                                                                                    | १.२.२ करारमा खेती गर्न इच्छुक कृषकलाई आवश्यक जमिन उपलब्ध गराइनेछ ।                                                                                                      |
|                                                                                                    | १.२.३ करार खेती क्षेत्र विस्तार गर्न विशेष कार्ययोजना निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                  |
|                                                                                                    | १.२.४ नदी उकास क्षेत्रमा हरित क्षेत्र प्रवर्द्धन तथा सामूहिक खेती प्रोत्साहन गर्न सम्भाव्यता अध्ययन तथा कृषक अभिमूखीकरण गरिनेछ ।                                        |
| १.३ जग्गा बाँझो राख्ने प्रवृत्तिलाई निरुत्साहित गर्न खेती योग्य जमिनको दिगो प्रयोग विस्तार गर्ने । | १.३.१ जग्गा बाँझो राख्न नपाउने नीति अवलम्बन गरी बाँझो जमिन राख्ने जग्गा धनीलाई भूमिकरमा निश्चित प्रतिशतले बढी लिने नियम लागू गरिनेछ ।                                   |
| १.४ जग्गा चक्लावन्दी गर्ने ।                                                                       | १.४.१ गाउँपालिकामा जग्गा चक्लावन्दी गर्न चाहने कृषकहरूको विवरण संकलन गरिनेछ ।                                                                                           |
|                                                                                                    | १.४.२ सामूहिक खेती र चक्लावन्दीका फाईदाका वारेमा कृषक अभिमूखीकरण गरिनेछ ।                                                                                               |
|                                                                                                    | १.४.३ जग्गा चक्लावन्दी गरी सामूहिक खेती गर्न चाहने कृषकहरू पहिचान गरी कृषक समूह गठन गरिनेछ ।                                                                            |
|                                                                                                    | १.४.४ यस्ता सामूहिक खेती गर्न चाहने कृषकलाई कृषि सहकारीसँग आवद्ध गरिनेछ ।                                                                                               |
|                                                                                                    | १.४.५ चक्लावन्दी गरी सामूहिक खेती गर्न चाहने कृषकलाई मापदण्डका आधारमा मल, बीउ, ज्ञान, सीप, प्रविधि र अन्य कृषि सामग्रीमा निश्चित प्रतिशत अनुदान दिई प्रोत्साहन गरिनेछ । |
|                                                                                                    | १.४.६ बाँझो क्षेत्रको सम्भाव्यता हेरी बाँझो क्षेत्र खेती प्रवर्द्धन कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।                                                                           |

भूमि व्यवस्थापन (भू-उपयोग) को विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                                      | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                                | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | गाउँपालिका भू-उपयोग नीति निर्माण                                                               | १५००              |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.२     | भूमि अभिलेख प्रणाली निर्माण                                                                    |                   | २५००        |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.३     | सिंचित, असिंचित, बाँझो तथा खेती भएको जमिनको अद्यावधिक तथ्याङ्क प्रणाली निर्माण                 |                   |             | ५००         |           |            |                 |
|          |        | १.१.४     | सार्वजनिक जग्गा अतिक्रमण विरुद्ध शुन्य सहनशिलता                                                |                   |             |             |           |            |                 |
|          | १.२    | १.२.१     | भूमि वैज्ञ स्थापना                                                                             |                   | २५००        |             |           | २५००       |                 |
|          |        | १.२.२     | करार खेतीका लागि इच्छुक कृषक लगत संकलन                                                         |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.२.३     | करार खेती विस्तार कार्यक्रम अनुदान                                                             | १५०               |             | १५०         |           | १५०        |                 |
|          |        | १.२.४     | हरित क्षेत्र प्रवर्द्धन तथा सामुहिक खेती प्रोत्साहन गर्न सम्भाव्यता अध्ययन तथा कृषक अभिमूखीकरण |                   |             |             |           |            |                 |
|          | १.३    | १.३.१     | खेतीयोग्य क्षेत्र बाँझो रहन नदिन कार्ययोजना निर्माण                                            | १२०               |             |             |           |            |                 |
|          | १.४    | १.४.१     | जग्गा चक्काबन्दी गर्ने कृषकको लगत संकलन                                                        |                   | १२०         |             | १३०       |            |                 |
|          |        | १.४.२     | जग्गा चक्काबन्दी सम्बन्धी कृषक अभिमूखीकरण                                                      | १२०               | १३०         | १४०         | १५०       | १६०        |                 |
|          |        | १.४.३     | जग्गा चक्काबन्दी गर्ने कृषक समूह गठन                                                           | २०                |             | ५०          |           | ६०         |                 |
|          |        | १.४.४     | कृषक समूह तथा कृषि सहकारी बिच अन्तरक्रिया                                                      | १००               | ११०         | १२०         | १३०       | १४०        |                 |
|          |        | १.४.५     | चक्काबन्दी तथा सामुहिक खेती गर्ने कृषकलाई अनुदान                                               | ४००               | ४५०         | ५००         | ५६०       | ६००        |                 |
|          |        | १.४.६     | बाँझो क्षेत्रमा खेती प्रवर्द्धन कार्यक्रम सञ्चालन                                              |                   |             |             |           |            |                 |

ड) अपेक्षित उपलब्धी तथा नतिजा खाका

✓ गाउँपालिकामा उपलब्ध खेतीयोग्य जमिनको वैज्ञानिक र पूर्ण सदुपयोग भएको हुनेछ ।

नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह        | नतिजा सूचक                                              | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|-------------------|---------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| १.      | वन तथा भू-संरक्षण |                                                         |         |           |             |
|         | असर               | वनले ओगटेको कुल क्षेत्र (प्रतिशत) (१५.१.१) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                     | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|--------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
|         | असर        | सामुदायिक वनले ओगटेको क्षेत्र (प्रतिशत) (१५.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)                | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | कबुलियती वन समूहलाई वन हस्तान्तरण (हेक्टर) (१५.२.१.१) (प.दि.वि.ल.)             | हेक्टर  |           |             |
|         | प्रतिफल    | वृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र (१५.२.१.२) (प.दि.वि.ल.)                              | हेक्टर  |           |             |
|         | प्रतिफल    | थप वृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र (प्रतिवर्ष/वेर्ना संख्या) (१५.१.२.३) (प.दि.वि.ल.) | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | संरक्षित क्षेत्र (१५.१.२.१) (प.दि.वि.ल.)                                       | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | वनस्पति उद्यान                                                                 | संख्या  |           |             |
|         | असर        | दिगो व्यवस्थापन प्रणाली लागु वनको क्षेत्र                                      | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | जडीबुटी तथा फलफूल खेतीले ओगटेको सामुदायिक वनको क्षेत्र                         | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | मिचाहा प्रजातिका विरुवाहरूले ओगटेको वनको क्षेत्र (प्रतिशत)                     | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | संकटापन्न अवस्थामा रहेका औषधिको रुपमा प्रयोग हुने वनस्पतिहरू                   | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | अनुत्पादक भ्नाडी, बुट्यान क्षेत्र मध्ये उत्पादनशील वनमा परिणत भएको क्षेत्र     | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | संरक्षण योजना अन्तर्गत समेटिएका वनस्पति (१५.९.१.१) (प.दि.वि.ल.)                | संख्या  |           |             |
|         | असर        | संकटापन्न घोषणा भएका वनस्पतिको संख्या                                          | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | संरक्षण योजना अन्तर्गत समेटिएका जीवहरूको संख्या (१५.९.१.२) (प.दि.वि.ल.)        | संख्या  |           |             |
|         | असर        | संकटापन्न घोषणा भएका वन्यजन्तुको संख्या                                        | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | जंगली बाघको संख्या (१५.५.१.३) (प.दि.वि.ल.)                                     | संख्या  |           |             |
|         | असर        | गैंडाको संख्या (१५.५.१.४) (प.दि.वि.ल.)                                         | संख्या  |           |             |
|         | असर        | चोरी सिकारी नियन्त्रण इकाई (संख्या) १५.५.१.५) (प.दि.वि.ल.)                     | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | संरक्षित क्षेत्र (१५.१.२.१) (प.दि.वि.ल.)                                       | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | बायो इन्जिनियरिङ्ग प्रविधिको प्रयोग गरी भू-संरक्षण गरिएका स्थानहरूको संख्या    | प्रतिशत |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                 | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|----------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
|         | असर        | पहिरोका हिसाबले जोखिमग्रस्त क्षेत्र                                        | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | River Training गरिएको लम्बाई कि.मि.                                        | कि.मी.  |           |             |
|         | असर        | नमूना कटान नियन्त्रण क्षेत्र                                               | संख्या  |           |             |
|         | असर        | हरित क्षेत्र विस्तार तथा परम्परागत प्रविधिमा कटान नियन्त्रण गरिएका क्षेत्र | प्रतिशत |           |             |

#### च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनैतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ७.२.२ जलाधार संरक्षण

### क) पृष्ठभूमि

नेपाल जलस्रोतको धनी राष्ट्रका रूपमा संसारमा परिचित छ। तथापि यस्ता जलाधार क्षेत्रहरूको ठोस योजना नहुँदा यसको पूर्ण सदुपयोग नभई जलस्रोत खेर गइरहेको अवस्था छ। समृद्धिका आधारहरू मध्ये जलस्रोत पनि एक हो। यस गाउँपालिकामा जलस्रोतको मुख्य स्रोतको रूपमा त्रिशुली नदी, प्याक्चीलिंग खोला, बर्याङ्ग, कालिंग खोला, भारंड खोला, चोरखोला जस्ता १५ वटा भन्दा बढी साना तथा ठूला खोला रहेका छन्। यस गाउँपालिकाका महत्वपूर्ण जलाधार क्षेत्रहरूको संरक्षण तथा सम्बर्द्धन गरी पारिस्थितिक सन्तुलन कायम राख्न र गाउँपालिकालाई आर्थिक समृद्धितर्फ लैजान जरुरी छ।

### ख) समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>वन, जलाधार र भू-संरक्षणका लागि दिगो रूपमा दीर्घकालीन कार्यक्रमहरू निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्नुपर्ने।</li> <li>जलाधार क्षेत्र संरक्षणको महत्व आममानिसमा बुझाउन नसकिएको।</li> <li>जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको संरक्षण गर्न नसके भविष्यमा पानीका मुहानहरू सुक्न गई पिउने पानी तथा सिँचाईको चरम अभाव हुन सक्ने।</li> <li>वैज्ञानिक जलाधार व्यवस्थापन कार्यक्रम लागू गर्नुपर्ने।</li> </ul> |

### ग) सम्भावना तथा अवसर

| सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकामा माथिबाट उत्पत्ति भई बग्दै आएका खोलाहरू तथा साना-साना ताल तलैया जस्ता महत्वपूर्ण जलाधार क्षेत्रहरू रहेका।</li> <li>जलाधार क्षेत्रमा भ्यागुता, सर्प, माछा, बिच्छी, जस्ता जलचरहरू पाइने।</li> <li>गाउँपालिकाले परम्परागत पानीका स्रोतहरूको संरक्षण गर्न विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने नीति अगाडि सारेको।</li> <li>जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको उच्चतम प्रयोग गरी कृषि, उद्योग, पर्यटन आदिको विकास गरी आर्थिक समृद्धि हासिल गर्न सकिने।</li> </ul> |

### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                               |
|------------------------------------------------------------------------------|
| गाउँपालिकाको जल सम्पदालाई उच्चतम सदुपयोग गरी दिगो विकास हासिल                |
| लक्ष्य                                                                       |
| गाउँपालिकाको जलाधार क्षेत्रको दिगो संरक्षण गरी जल सम्पदामा आत्मनिर्भर बन्ने। |
| उद्देश्यहरू                                                                  |
| ✓ जल, जमिन र जलाधारका अन्य स्रोतको संरक्षण तथा उपयोगमा वृद्धि गर्नु।         |

उद्देश्य १: जलाधार क्षेत्रको प्रभावकारी व्यवस्थापन गरी आर्थिक समृद्धि हासिल गर्ने।

| रणनीति                                                    | कार्यनीति                                                                                                                        |
|-----------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १.१. जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्र पहिचान गरी संरक्षण गर्ने। | १.१.१ गाउँपालिकामा भएका पानीका मुहानहरू, जलाधार क्षेत्र तथा सिमसार क्षेत्रको पहिचान गरी नक्शाङ्कन गरी विस्तृत विवरण तयार गरिनेछ। |

| उद्देश्य १: जलाधार क्षेत्रको प्रभावकारी व्यवस्थापन गरी आर्थिक समृद्धि हासिल गर्ने । |                                                                                                                                                                                                                           |
|-------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                              | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                                 |
|                                                                                     | १.१.२ जलाधार क्षेत्रहरूको विनाश तथा अतिक्रमणमा सहयोग पुऱ्याउने क्रियाकलापहरू गर्न तत्काल रोक लगाई जलाधार क्षेत्रको संरक्षण गरिनेछ ।                                                                                       |
|                                                                                     | १.१.३ जलाधार क्षेत्र संरक्षण गुरुयोजना निर्माण गरी लागु गर्न प्रदेश र संघिय सरकारसँग समन्वय गरिनेछ ।                                                                                                                      |
| १.२. जलाधार क्षेत्रको दीर्घकालीन व्यवस्थापन गर्ने ।                                 | १.२.१. गाउँपालिकाका प्रमुख जलाधार क्षेत्रहरूलाई “विशेष जलाधार क्षेत्र” घोषणा गरी ती क्षेत्रहरूमा संरक्षणका कार्यक्रमहरू लागू गरिनेछ ।                                                                                     |
|                                                                                     | १.२.२ प्रत्येक वडाका उपयुक्त स्थानहरूमा जल पर्यावरणीय प्रणाली अन्तर्गत जलचर, वनस्पति र भौतिक अवयवहरूको प्रवर्द्धन गर्नका लागि नमूना पोखरीहरू निर्माण गरिनेछ । उक्त पोखरीहरूमा वर्षातको पानी संकलन गर्ने व्यवस्था गरिनेछ । |
|                                                                                     | १.२.३. जलाधार संरक्षणमा सहायक प्रजातिका विरुवाहरूको वृक्षारोपण गरिनेछ ।                                                                                                                                                   |
|                                                                                     | १.२.४. जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको प्रयोग गरी कृषि, उद्योग तथा पर्यटन क्षेत्रको विकास गरिनेछ ।                                                                                                                           |
|                                                                                     | १.२.५ वन जंगल क्षेत्रभित्र कृत्रिम जलाशय तथा पोखरी निर्माण गर्न अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                   |
|                                                                                     | १.२.६ संकटासन्न ताल, नदी तथा पोखरीहरूको पहिचान र पुर्नउत्थान गरिनेछ ।                                                                                                                                                     |
|                                                                                     | १.२.७ त्रिशुली नदिको जल संचयको व्यवस्था थप प्रभावकारी बनाइनेछ ।                                                                                                                                                           |
| १.३. जलस्रोतको दिगो प्रयोग र जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।                  | १.३.१. जलाधार क्षेत्र संरक्षणको महत्व बुझाउनका लागि जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                |
|                                                                                     | १.३.२ उपलब्ध जलस्रोतको उच्चतम र दिगो सदुपयोग हुने गरी जलस्रोतमा आधारित उद्योग तथा व्यवसायको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                                                                                    |
|                                                                                     | १.३.३ वर्षातको पानी संकलन गरी भण्डारण प्रणाली निर्माण गर्न प्राविधिक सहयोग उपलब्ध गराइनेछ ।                                                                                                                               |
|                                                                                     | १.३.४ गाउँपालिका भित्र रहेका सिमसार क्षेत्रहरूको संरक्षण गरिनेछ ।                                                                                                                                                         |

### भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापनको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                                                                        | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                                                                  | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष |                 |
| १        | १.१.   | १.१.१.    | जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको विस्तृत विवरण तयार                                                                                  | ५०                |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.२.    | स्थानीय जलाधार क्षेत्र संरक्षण नियमावली तयार                                                                                     | ३०                |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.३.    | जलाधार संरक्षण गुरुयोजना निर्माण                                                                                                 |                   |             | १०००        |           |             |                 |
|          | १.२.   | १.२.१.    | विशेष जलाधार क्षेत्र संरक्षण कार्यक्रम                                                                                           | १००               | २००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.२.    | पोखरीहरू निर्माण तथा पुर्नउत्थान कार्यक्रम                                                                                       |                   |             | ५००         |           |             |                 |
|          |        | १.२.३.    | वृक्षारोपण कार्यक्रम                                                                                                             | १००               | १००         | २००         | २५०       | ३००         |                 |
|          |        | १.२.४.    | निजी क्षेत्रको संलग्नतामा जलाधार क्षेत्र उपयोग गरी आर्थिक दिगो पर्यटन, कृषि र उद्योग क्षेत्रका कार्यक्रम संचालन गर्न अन्तरक्रिया | ३०                | ३०          | ३०          | ३०        | ३०          |                 |
|          |        | १.२.५.    | वनजंगल क्षेत्र भित्र पोखरी तथा जलाशय निर्माण                                                                                     |                   | ५००         | ८००         |           |             |                 |
|          |        | १.२.६.    | संकटासन्न ताल, नदी तथा पोखरी विशेष पुर्नउत्थान कार्यक्रम                                                                         | १००               | १००         | १००         |           |             |                 |
|          |        | १.२.७.    | जल संचयको व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यक्रम                                                                                          |                   |             |             |           |             |                 |
|          | १.३.   | १.३.१.    | जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन                                                                                                    | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.३.२.    | दिगो जलस्रोत उपयोग सम्भाव्यता अध्ययन                                                                                             |                   | ५००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.३.३.    | वर्षातको पानी संकलन प्राविधिक सहयोग                                                                                              |                   |             | ८००         |           |             |                 |
|          |        | १.३.४.    | सिमसार क्षेत्र पहिचान तथा संरक्षण कार्यक्रम                                                                                      | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |

### ड) अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका

- जलाधार क्षेत्रको पहिचान, नक्शाङ्कन र दिगो संरक्षण भएको हुनेछ ।
- जलाधार क्षेत्रमा आत्मनिर्भर भई दिगो सदुपयोग सुनिश्चित हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह        | नतिजा सूचक                                                                 | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|-------------------|----------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| १.      | जलाधार व्यवस्थापन |                                                                            |         |           |             |
|         | असर               | ताल, सिमसार र तलाउ/पोखरीहरूको संख्या (१५.१.२.२) (प.दि.वि.ल.)               | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल           | सामुदायिक वनभित्र निर्मित पोखरी संख्या                                     | संख्या  |           |             |
|         | असर               | संकटासन्न तालहरू/पोखरीहरू (१५.४.१.१) (प.दि.वि.ल.)                          | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल           | संरक्षित सिमसार क्षेत्र                                                    | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल           | वर्षातको पानी संकलन गर्न निर्माण गरिएका नमुना पोखरी संख्या                 | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल           | परम्परागत जैविक विधि अपनाई संरक्षण गरिएका पानीको मुहानहरूको संख्या         | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल           | संकटमा परी पुनरुत्थान गरिएका पानीका मुहानको संख्या                         | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल           | वनजंगल भित्र रहेका पोखरीहरूको संख्या                                       | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल           | कूल जलश्रोतको अनुपातमा प्रयोग गरिएको जलश्रोत (१२.२.१.१) (प.दि.वि.ल.)       | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल           | संकटयुक्त अर्थात् सुखाका कारण सुक्ने खतरामा रहेका नदीहरूको संख्या          | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल           | संकटयुक्त अर्थात् सुखाका कारण सुक्ने खतरामा रहेका पानीका मुहानहरूको संख्या | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल           | संकटयुक्त अर्थात् सुखाका कारण सुक्ने खतरामा रहेका सिमसार क्षेत्रको संख्या  | संख्या  |           |             |
|         | असर               | नयाँ निर्माण गरिएका पोखरी, ताल वा अन्य जलक्षेत्रले ओगटेको क्षेत्र          | प्रतिशत |           |             |

### च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनैतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।

- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ७.३ वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

### ७.३.१ पृष्ठभूमि

हाम्रो वरपर रहेका प्राकृतिक अवयवहरू जस्तै वायुमण्डल, भूमि, जल, वनजंगल, वनस्पति, जीवजन्तु र प्राकृतिक जीवनचक्र, जलवायु तथा मौसम आदिको अन्तरक्रिया र समग्रताले सिर्जना गरेका भौतिक अवस्थालाई वातावरण भनिन्छ। वातावरण संरक्षण भनेको सम्पूर्ण वातावरणीय अवयवहरूको एकीकृत संरक्षणको पाटो हो। यसमा समग्रमा जल, जमिन, जंगल, वायुमण्डल र हाम्रो वरपरको सेरोफेरोलाई स्वच्छ, सफा र सन्तुलित राख्ने विषय आउँछ। वातावरण प्रदूषणले मानिसमा विभिन्न किसिमका रोगहरू निम्त्याउँछ। नेपालको संविधानमा प्रत्येक नागरिकलाई स्वच्छ र स्वस्थ वातावरणमा बाँच्न पाउने हक हुनेछ भनी मौलिक हकको रूपमा उल्लेख गरिएको छ। गाउँपालिकाले फोहोरलाई स्रोतमै वर्गीकरण गरी सकेसम्म कम फोहोर उत्पादन गर्ने, वातावरणमैत्री सामग्रीहरूको मात्र प्रयोग गर्ने र अभियानको थालनी गरेको छ। गाउँपालिकाले फोहोरमैलाको दिगो व्यवस्थापनको लागि डम्पिङ/ल्याण्डफिल्ड साइटको उचित व्यवस्था नभएता पनि स्थानीय स्तरबाट कुहिने र नकुहिने फोहोर छुट्याइ फोहोरलाई मोहरमा बदल्ने प्रयास गरिरहेको छ।

### ७.३.२ समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- प्राकृतिक सम्पदाहरूको पूर्ण संरक्षण र सदुपयोग हुन नसकेको।
- समयमै स्तरोन्नति नहुँदा तथा अनावश्यक मानवीय गतिविधि कारण पानीका स्रोतहरू सुक्ने खतरा रहेको।
- वन क्षेत्रमा डढेलोको जोखिम रहेको।
- एकीकृत फोहोरमैला व्यवस्थापनको अवधारणा लागू हुन नसकेको।
- गाउँपालिकाबासीमा पालिका सरसफाईको जिम्मेवारी हाम्रो पनि हो भन्ने भावनाको विकास गर्न नसकिएको।
- वातावरण संरक्षण र पूर्वाधार विकास बिच समाञ्जस्यता स्थापित हुन नसकेको।
- आमनागरिकमा वातावरण सचेतनाका कार्यक्रमहरू प्रभावकारी ढंगले ल्याउनुपर्ने।
- पर्यावरणीय असन्तुलन तथा प्रदूषणको नकारात्मक असरका कारण जीवन कष्टकर हुन सक्ने।

### ७.३.३ सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाको सुन्दरता र वातावरणीय स्वच्छताका लागि फोहोरमैला व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी बनाउने नीति अगाडि सारेको।
- गाउँपालिकाले कृतिनटारमा फोहोरबाट मोहर सिर्जना गर्ने अवधारणा अनुरूप शुरुवात गरिएको फोहोरमैला व्यवस्थापन कार्यलाई थप प्रभावकारी बनाउने नीति अगाडि सारेको।
- गाउँपालिकाका विभिन्न स्थानमा व्यापक वृक्षारोपण गर्नुका साथै बगैँचा, पार्कहरू निर्माण गरी हरियाली प्रवर्द्धन गर्न सकिने।
- गाउँपालिकाले फोहोरमैला व्यवस्थापनमा निजी क्षेत्र र स्थानीय संघ/संस्थासँगको साभेदारीमा जोड दिने नीति अगाडि सारेको।

### ७.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                       |                                                                                                                                                                                                                                                                  |
|----------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| स्वच्छ, सफा, हराभरा हाम्रो इच्छाकामना                                |                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| लक्ष्य                                                               |                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| गाउँपालिकालाई वातावरणमैत्री नमूना हरित क्षेत्रका रूपमा विकास गर्ने । |                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| उद्देश्यहरू                                                          |                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| ✓ पर्यावरणीय स्वच्छता, सुन्दरता र स्वच्छ व्यवहारमा अभिवृद्धि गर्नु । |                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| उद्देश्य १. जल, जमिन, वायु र ध्वनी प्रदूषण नियन्त्रण गर्नु ।         |                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| रणनीति                                                               | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                                                                        |
| १.१. प्रदूषण नियन्त्रणका लागि मापदण्ड बनाई लागू गर्ने ।              | १.१.१. प्रदूषण नियन्त्रण गर्न क्रमशः सबै सडकहरू कालोपत्र/ब्लक र पेभमेन्ट गर्दै लगिनेछ ।                                                                                                                                                                          |
|                                                                      | १.१.२. प्लाष्टिक तथा टायर द्युब जलाउने परिपाटीलाई पूर्णतः बन्दै गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                         |
|                                                                      | १.१.३. पानीका मुहानहरू सफा राख्न त्यस्ता स्थानहरूमा मानवीय गतिविधि र छाडा पशुहरू नियन्त्रण गरिनेछ ।                                                                                                                                                              |
|                                                                      | १.१.४. मरेका पशु चौपायाहरूको व्यवस्थापन गर्न निश्चित स्थानहरू तोकिनेछ ।                                                                                                                                                                                          |
|                                                                      | १.१.५. प्रत्येक घरमा खाना पकाउन प्रयोग हुने मुख्य ईन्धन काठ, दाउरालाई विस्थापित गर्न वैकल्पिक ऊर्जा जस्तै विद्युतीय चुल्हो, बायोग्याँस, सौर्य तथा वायु उर्जा, सुधारिएको चुलो आदिको व्यवस्था गर्न मापदण्डका आधारमा निश्चित प्रतिशत अनुदान दिइनेछ ।                |
|                                                                      | १.१.६. प्रदूषण बढाउने उद्योगलाई घना मानव बस्ती भएको इलाकामा स्थापना गर्न निषेध गरिनेछ । यस्ता उद्योगलाई वातावरण प्रदूषण नियन्त्रणमा जिम्मेवार बनाई वातावरण संरक्षणका क्षेत्रमा सामाजिक उत्तरदायित्व अन्तर्गत शोधभर्ना स्वरूप लगानी गर्नुपर्ने प्रावधान बनाइनेछ । |
|                                                                      | १.१.७. गाउँपालिका भएर बग्ने खोला नालाको किनार लगायत भू-क्षय संवेदनशील क्षेत्रमा भू-क्षय, नदी कटान नियन्त्रण गर्ने योजना कार्यान्वयन गरिने छ । यसो गर्दा जैविक इन्जिनियरिङ्ग प्रविधिलाई प्राथमिकता दिइनेछ ।                                                       |
|                                                                      | १.१.८. सडक निर्माण लगायतका भौतिक निर्माण कार्य सम्पन्न गर्दा वातावरणमा पर्ने क्षति न्यूनीकरण गर्न निर्माण लागतको कम्तिमा १ प्रतिशत रकम वातावरण संरक्षण कोषमा जम्मा हुने व्यवस्था मिलाइनेछ ।                                                                      |
|                                                                      | १.१.९. गाउँपालिका क्षेत्रभित्र स्थापना हुने उद्योगहरू दर्ता गर्दा वातावरण प्रदूषण नहुने कार्ययोजना पेश गरेमा राजश्व रकममा सहूलियत दिने व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                                                         |
|                                                                      | १.१.१० हरियाली प्रवर्द्धन गर्न ग्रीन इच्छाकामना, क्लिन इच्छाकामना नारालाई अभियानको रूपमा बस्ती स्तरमा पुऱ्याइनेछ ।                                                                                                                                               |
|                                                                      | १.१.११ स्वच्छ वातावरणका लागि गाउँपालिका भित्रका टोलमा फलफुल रोप्ने अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                                                                                       |
|                                                                      | १.१.१२ स्वच्छ वातावरणका लागि जैविक डस्टबिनको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                       |
|                                                                      | १.१.१३ दिशाजन्य लेदो व्यवस्थापन गर्न नीति तय गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                                            |

| उद्देश्य १. जल, जमिन, वायु र ध्वनी प्रदूषण नियन्त्रण गर्नु ।                      |                                                                                                           |
|-----------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                            | कार्यनीति                                                                                                 |
|                                                                                   | १.१.१४ ४० माइक्रोन भन्दा कमका प्लाष्टिकजन्य भोला प्रयोगमा रोक लगाइनेछ ।                                   |
| १.२. समुदाय वा टोल स्तरमा नियमित सरसफाई तथा शौचालय निर्माण अभियान सञ्चालन गर्ने । | १.२.१. घर आँगन, टोल र सडक सफा राख्ने र सामुदायिक वा टोलस्तरमा नियमित सरसफाई अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।       |
|                                                                                   | १.२.२. प्रत्येक वडाका मानवीय गतिविधिहरू बढी भइरहने क्षेत्रमा अनिवार्य सार्वजनिक शौचालयको निर्माण गरिनेछ । |
|                                                                                   | १.२.३ हरित टोलको रूपमा विकास गर्ने स्वच्छ टोललाई प्राथमिकताको आधारमा पुरस्कार प्रदान गरिनेछ ।             |

| उद्देश्य २. सम्पूर्ण पूर्वाधार विकास क्रियाकलापहरूलाई दिगो र वातावरण मैत्री बनाउनु । |                                                                                                                                                                                |
|--------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                               | कार्यनीति                                                                                                                                                                      |
| २.१. विकास निर्माणका कार्यक्रम गर्दा IEE कार्यान्वयन गर्ने ।                         | २.१.१. विकास निर्माणका ठूला कार्यक्रमहरू, खानी उत्खनन, ढुंगा, गिट्टी, बालुवा तथा माटो उत्खनन आदि कार्य गर्न प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षण गरी सोको अक्षरशः पालना गरिनेछ ।       |
|                                                                                      | २.१.२. प्रतिव्यक्ति काठको प्रयोगलाई घटाउन काठको विकल्पमा गाउँपालिकामा भित्रने प्रविधि र वस्तुलाई विशेष प्रोत्साहन गरिनेछ ।                                                     |
|                                                                                      | २.१.३ बायोग्यास प्लान्ट निर्माणमा मापदण्डका आधारमा सहूलियत प्रदान गरिनेछ ।                                                                                                     |
| २.२. ऐतिहासिक तथा सार्वजनिक स्थलहरूको दिगो विकास र संरक्षण गर्ने ।                   | २.२.१. ऐतिहासिक, धार्मिक र पुरातात्विक महत्वका स्थानहरूको एकीकृत संरक्षण योजना तयार गरी यस्ता क्षेत्रलाई सम्पदा क्षेत्र घोषणा गरी वातावरण अनुकूल दिगो विकास र संरक्षण गरिनेछ । |
|                                                                                      | २.२.२. प्रत्येक वडामा एक एकवटा वडागत नमुना पार्कहरूको निर्माण गरिनेछ ।                                                                                                         |
|                                                                                      | २.२.३. पालिकाको सडकको दाय्याबायाँ किनारामा वनसी, शिरिश, रबरप्लान्ट, जस्ता वनस्पतिहरू रोपी पालिकालाई वातावरणमैत्री फूलै फूलको पालिका निर्माण गरिनेछ ।                           |

**वातावरण तथा फोहोरमैलाको व्यवस्थापनको विस्तृत कार्यक्रम**

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                            | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|--------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                                      | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
| १        | १.१.   | १.१.१.    | प्राथमिकताका आधारमा सडकहरू कालोपत्र                                                  |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.२.    | प्लाष्टिक तथा टायर, ट्यूब जलाउन निषेध                                                |                   | १०          | १५          | १६        | १७         |                 |
|          |        | १.१.३.    | पानीका मुहानहरू सफा राख्न मानवीय गतिविधिको अनुगमन व्यवस्था                           |                   | २५          | ३०          | ३५        | ४०         |                 |
|          |        | १.१.४.    | मरेका चौपायाहरू व्यवस्थापन गर्ने स्थान निर्माण                                       | १५००              |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.५.    | वैकल्पिक उर्जा प्रवर्द्धन गर्न अनुदान                                                | ४००               | ४५०         | ४६०         | ४७०       | ४८०        |                 |
|          |        | १.१.६.    | ठूला उद्योग सञ्चालन मापदण्ड तयार                                                     |                   |             | ३००         |           |            |                 |
|          |        | १.१.७.    | भू-संरक्षण योजना कार्यान्वयन                                                         |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.८.    | वातावरण संरक्षण कोष निर्माण                                                          |                   | १५००        |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.९.    | वातावरण प्रदूषण नहुने कार्ययोजना सहित स्थापना हुने उद्योगहरूलाई राजश्व रकममा सहूलियत |                   |             | ३०          | ४०        | ५०         |                 |
|          |        | १.१.१०.   | ग्रीन इच्छाकामना, क्लिन इच्छाकामना नारा सहित अभियान संचालन                           |                   | १००         | ११०         | १२०       | १३०        |                 |
|          |        | १.१.११.   | टोलटोलमा फलफुल रोप्ने अभियान सञ्चालन                                                 | ५०                | ६०          | ७०          | ८०        | ९०         |                 |
|          |        | १.१.१२.   | जैविक डस्टविन प्रयोगमा प्रोत्साहन                                                    | ५०                | ६०          | ७०          | ८०        | ९०         |                 |
|          |        | १.१.१३.   | दिशाजन्य लेदो व्यवस्थापनका लागि नीति निर्माण                                         |                   |             | २००         |           |            |                 |
|          |        | १.१.१४.   | ४० माइक्रोन भन्दा कमका प्लाष्टिकजन्य भोला प्रयोगमा रोक                               | १५                | २०          | २५          | ३०        | ३५         |                 |
|          | १.२.   | १.२.१.    | सरसफाई अभियान सञ्चालन                                                                | १००               | १२०         | १३०         | १४०       | १५०        |                 |
|          |        | १.२.२.    | सार्वजनिक शौचालय निर्माण                                                             |                   |             | १५००        |           | १६००       |                 |
|          |        | १.२.३.    | स्वच्छ टोललाई प्राथमिकताको आधारमा पुरस्कार प्रदान                                    | १०                | १५          | २०          | २५        | ३०         |                 |
| २        | २.१.   | २.१.१.    | अनुगमन                                                                               | १००               | १२०         | १३०         | १४०       | १५०        |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                      | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|----------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
|          |        | २.१.२     | काठको प्रयोग विस्थापन गर्ने वस्तु र प्रविधिमा विशेष प्रोत्साहन | १२                | १४          | १६          | १८        | २०          |                 |
|          |        | २.१.३     | बायोग्यास प्लान्ट निर्माणमा सहूलियत                            | २००               | २५०         | २६०         | २७०       | २८०         |                 |
|          | २.२.   | २.२.१.    | एकीकृत संरक्षण योजना निर्माण                                   |                   | ३००         |             |           |             |                 |
|          |        | २.२.२     | एक वडा एक हरित पार्कहरूको निर्माण                              | १५००              | १५००        | १५००        | १५००      | १५००        |                 |
|          |        | २.२.३     | राजमार्ग सौन्दर्यकरण विशेष परियोजना                            | १५००              | १५००        | १५००        | १५००      | १५००        |                 |

### ७.३.५ अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका

- ✓ महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानहरूमा सार्वजनिक शौचालय निर्माण भएका हुने ।
- ✓ एकीकृत वातावरण संरक्षण योजना तयार भएको हुने,
- ✓ वातावरण संरक्षण सम्बन्धी कार्यक्रमहरूको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यले निरन्तरता पाएको हुनेछ ।

#### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह                       | नतिजा सूचक                                                                         | इकाई        | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|----------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------|-------------|-----------|-------------|
|         | वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन |                                                                                    |             |           |             |
|         | प्रतिफल                          | नव हरित क्षेत्रको संख्या                                                           | संख्या      |           |             |
|         | प्रतिफल                          | वातावरणीय संवेदनशील क्षेत्रहरूको संख्या                                            | संख्या      |           |             |
|         | प्रतिफल                          | सडक सौन्दर्यकरण                                                                    | कि.मि.      |           |             |
|         | असर                              | प्रतिव्यक्ति काठको प्रयोग (क्यूबिक/मी.) (१२.२.२.२) (प.दि.वि.ल.)                    | क्यूबिक/मी. |           |             |
|         | असर                              | वायुमण्डलमा धुलोका कणहरूको गाढापन (२४ घण्टाको औषत) (पि.एम) (११.६.२.२) (प.दि.वि.ल.) | औसत         |           |             |

### ७.३.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनैतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ७.४ विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता

### ७.४.१ पृष्ठभूमि

औद्योगिक राष्ट्रहरूले गरेको व्यापक कार्बन उत्सर्जन, सवारी साधनबाट निस्कने धुवाँ, शहरीकरण, जनसंख्या वृद्धि, वनजंगल विनाश, रेफ्रिजरेशन प्रविधिमा प्रयोग हुने क्लोरोफ्लोरो कार्बन (CFCs) जस्ता कारणले हरितगृह प्रभाव (Green House Effect) बढ्न गई त्यसले भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धि गर्दै लगेको वैज्ञानिक तथ्य हामी सामु छ। यसरी भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धिले प्रत्यक्ष रूपमा जलवायुमा प्रभाव पारी जलवायु परिवर्तन भइरहेको परिप्रेक्ष्यमा हरेक राष्ट्रले विकास निर्माणका योजना तयार पार्दा यस तथ्यलाई मनन गरी तयार पार्नुपर्ने हुन्छ किनकि जलवायु परिवर्तनका प्रमुख कारक तत्वहरू नै विकास सम्बन्धी मानवीय गतिविधिहरू हुन्। विकास सम्बन्धी क्रियाकलापहरू सञ्चालन गर्दा वातावरणमैत्री प्रविधि अपनाउने र जलवायु परिवर्तन विरुद्ध अभियान सञ्चालन गरी कम भन्दा कम कार्बन उत्सर्जन गर्ने र बढी भन्दा बढी कार्बन उपभोग हुने वातावरण सिर्जना गरेर जलवायु समायोजन र सन्तुलन कायम हुने वैज्ञानिक विधि र प्रक्रिया अवलम्बन गर्न श्रेयस्कर हुन्छ।

भौगोलिक जटिलताका कारण नेपाल प्राकृतिक प्रकोपको उच्च जोखिम क्षेत्रमा रहेको छ। नेपालमा बर्सेनी प्राकृतिक प्रकोपका कारण ठूलो मात्रामा जनधनको क्षति हुने गरेको छ। नेपालमा २०७२ सालको महाभूकम्पको पिडा अझै ताजा नै छ। गाउँपालिका पनि प्राकृतिक प्रकोपको दृष्टिकोणले संवेदनशील अवस्थामा रहेको छ। यस गाउँपालिकामा विशेषगरी बाढी, पहिरो, नदी कटान, हावाहुरी, असिना, चट्याङ, अनावृष्टि, सुख्खा खडेरी, डढेलो, भूस्खलन जस्ता प्राकृतिक प्रकोपहरू देखापर्दै आइरहेका छन्। यस्ता प्रकोपहरू सामान्यतया पूर्ण नियन्त्रण गर्न नसकेपनि प्रभाव न्यूनीकरणका उपायहरू अवलम्बन गरी जनधनको क्षतिलाई न्यूनीकरण गर्न सकिन्छ।

### ७.४.२ समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- गाउँपालिकामा भएका खोलाको किनार तथा कुलो तथा नहरको किनारमा रहेका बस्ती वर्षायाममा बाढी, पहिरोको जोखिममा रहेको।
- वर्षेनी वर्षातको समयमा नदी कटान तथा भू-क्षयको समस्या हुने गरेको।
- जलवायु परिवर्तनले भएको अतिवृष्टि, अनावृष्टि, तापक्रम वृद्धि आदिका कारण वार्षिक खेतीपाती क्यालेन्डर परिवर्तन हुन थालेको, बालीनालीमा रोग, किराको समस्या देखिनुका साथै उत्पादनमा नकारात्मक प्रभाव देखिन थालेको।
- प्राविधिक अध्ययन विना जथाभावी विकास संरचना निर्माणले विपद् जोखिम बढ्दै गएको।
- जलवायु परिवर्तनका नकारात्मक असर तथा विपद् न्यूनीकरणका लागि ठोस योजना बनाई लागू गर्नुपर्ने।
- हावाहुरीबाट रुखहरू ढली दुर्घटना हुने गरेको।
- विपद् सम्बन्धी सूचना सम्प्रेषण संयन्त्र, पूर्व सूचना प्रविधि लगायत पर्याप्त स्वास्थ्य केन्द्रहरूको अभाव भएको।

### ७.४.३ सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- विपद्का बेलामा जम्मा हुने खुल्ला स्थान, आकस्मिक स्वास्थ्य सेवा आदिको व्यवस्था रहेको।
- गाउँपालिकाले विपद् व्यवस्थापनका लागि रहेको प्रकोप व्यवस्थापन कोषलाई थप प्रभावकारी रूपमा परिचालन गर्नुका साथै उद्धार र राहत कार्यमा स्वयंसेवकहरूलाई आवश्यक तालिमको व्यवस्था गर्ने नीति अगाडि सारेको।

**सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू**

- गाउँपालिकाले प्राकृतिक र मानवीय क्रियाकलापबाट सिर्जना हुने विभिन्न विपद्हरूको सामना गर्न सक्ने गरी स्रोत र साधनको व्यवस्था गर्ने नीति अगाडि सारेको ।
- गाउँपालिकाले विपद्जन्य घटना र क्षतिको न्यूनीकरण गर्न विपद्मा परेकाहरूको उद्धार, राहत र पुर्नस्थापनाका लागि स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति लगायत अन्य सरोकारवाला निकायहरूको समन्वय र सहकार्यमा कार्य सञ्चालन गर्ने नीति अगाडि सारेको ।

**७.४.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम**

**दीर्घकालीन सोच**

विपद् व्यवस्थापनको प्रभावकारी संयन्त्र निर्माण गरी जनधनको क्षति न्यूनीकरण

**लक्ष्य**

विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रतिकार्य योजना लागू गरी पूर्णतः कार्यान्वयन गर्ने ।

**उद्देश्यहरू**

- ✓ विपद् जोखिम, विपद्जन्य क्षति र जलवायु परिवर्तनको असर न्यूनीकरण गर्नु ।

**उद्देश्य १: प्राकृतिक तथा गैर प्राकृतिक विपद्बाट हुने क्षति न्यूनीकरण गर्नु ।**

| रणनीति                                                               | कार्यनीति                                                                                                                            |
|----------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १.१. विपद् जोखिम क्षेत्र नक्शाङ्कन गर्ने ।                           | १.१.१. गाउँपालिकाका उच्च जोखिम क्षेत्रहरूको नक्शाङ्कन गरी खतरा संकेतहरू राखिनेछ ।                                                    |
|                                                                      | १.१.२. गाउँपालिकाका अति जोखिममा रहेका बस्ती तथा परिवारलाई स्थानान्तरण गरिनेछ ।                                                       |
| १.२. विपद् पूर्वानुमान तथा पूर्व चेतावनी प्रणाली प्रभावकारी बनाउने । | १.२.१. बाढी, मौसम लगायतको पूर्वानुमान तथा पूर्व चेतावनी प्रणालीको थप प्रभावकारी संचालन गरिनेछ ।                                      |
|                                                                      | १.२.२. विपद् पूर्व संकेत दिने थप उपकरणहरू प्रकोप सम्भाव्य स्थलहरूमा क्रमशः जडान गरिनेछ ।                                             |
|                                                                      | १.२.३. नियमित रूपमा भइरहने प्राकृतिक प्रकोपको अध्ययन गरी प्रकोप पात्रो तयार गरिनेछ ।                                                 |
|                                                                      | १.२.४. विपद् सम्बन्धी पूर्वसूचना रेडियो, एफएम तथा अन्य सञ्चारमार्फत सम्प्रेषण गरिनेछ ।                                               |
|                                                                      | १.२.५. आपत्कालिन कार्य संचालन केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।                                                                             |
| १.३. बीमा योजना लागू गर्ने ।                                         | १.३.१. विपद् सम्भावित क्षेत्रका प्रत्येक नागरिकको अनिवार्य बीमा योजना लागू गरिनेछ र अति विपन्न परिवारको बीमा गाउँपालिकाले गरिदिनेछ । |

**उद्देश्य २ : विपद्को दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु**

| रणनीति | कार्यनीति                                                                                                       |
|--------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|        | २.१.१. विपद्को बेला पिउने पानी, खाद्यान्न, औषधी उपचार आदिको पूर्वतयारी गर्न वडास्तरीय संयन्त्र निर्माण गरिनेछ । |

| उद्देश्य २ : विपद्को दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु                    |                                                                                                                                        |
|------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                       | कार्यनीति                                                                                                                              |
| २.१ विपद् व्यवस्थापनमा सक्षम संयन्त्रको निर्माण गर्ने ।                      | २.१.२ विपद्का बेला भेला हुने खुल्ला स्थानहरू तय गरी पूर्वाधार निर्माण गरिनेछ ।                                                         |
|                                                                              | २.१.३ स्वास्थ्यकर्मीहरू सम्मिलित गाउँपालिकास्तरीय संक्रमण रोग तथा महामारी प्रतिकार्य टोली गठन गरिनेछ ।                                 |
|                                                                              | २.१.४ बेलाबेलामा उद्धार तथा विपद्बाट बच्ने उपायबारे पूर्वअभ्यासहरू सञ्चालन गरिनेछ ।                                                    |
|                                                                              | २.१.५ विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन उद्धार सम्बन्धित पूर्वअभ्यास सञ्चालन गरिनेछ ।                                                 |
|                                                                              | २.१.६ विपद् व्यवस्थापनमा संलग्न विभिन्न संघ संस्थाहरूसँग प्रभावकारी समन्वय र सहकार्य गरिनेछ ।                                          |
|                                                                              | २.१.७ विपद्का बेला आवश्यक पर्ने उपकरण, उद्धार सामग्री, एम्बुलेन्स, स्काभेटर, डोरी, पाल लगायतका सामग्रीहरूको जोहो गरिनेछ ।              |
|                                                                              | २.१.८ विपद्को समयमा राहत तथा उद्धारलाई सहज बनाउन हेलिप्याड निर्माण गरिनेछ ।                                                            |
|                                                                              | २.१.९ सबै वडा कार्यालयहरूमा विपद् व्यवस्थापन समिति तथा स्वयम् सेवक परिचालन गर्नुका साथै अत्यावश्यक सामग्री भण्डारणको व्यवस्था गरिनेछ । |
|                                                                              | २.१.१० प्रत्येक वर्ष विपद् प्रतिकार्य तयारी योजना निर्माण गरी पात्रोका आधारमा लागु गरिनेछ ।                                            |
|                                                                              | २.१.११ बारुण यन्त्र लगायत शववाहन सञ्चालनमा ल्याइनेछ ।                                                                                  |
| २.२ जलवायु अनुकूलन तथा जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरणका लागि क्षमता विकास गर्ने । | २.२.१ जलवायु परिवर्तनका प्रभावहरूको अध्ययन गरी सुझाव दिन विज्ञसँग परामर्श लिइनेछ ।                                                     |
|                                                                              | २.२.२ जलवायु परिवर्तनले निम्त्याएका समस्याहरू सामना गर्न स्थानीय स्तरमा तालिम तथा सचेतना कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।                 |
|                                                                              | २.२.३ स्थानीयस्तरमा तथा विद्यालयहरूमा जलवायु परिवर्तनका बारेमा अन्तरक्रिया कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                  |
|                                                                              | २.२.४ जलवायु अनुकूलन हिसाबले स्मार्ट भिलेज निर्माण गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।                                                     |
|                                                                              | २.२.५ वडाका निश्चित क्षेत्रहरूलाई नमूनाको रूपमा जलवायु अनुकूलन स्मार्ट भिलेज निर्माण गरिनेछ ।                                          |
|                                                                              | २.२.६ जलवायु परिवर्तन अनुकूल बालीनाली प्रयोगात्मक उत्पादन गर्न थालनी गरिनेछ ।                                                          |
| २.३ जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।                                    | २.३.१ विपद्बाट बच्ने उपायका बारेमा सचेतना कार्यक्रमलाई टोलटोलमा अभियानका रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।                                        |
|                                                                              | २.३.२ विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन र जलवायु परिवर्तनका विषय विद्यालयको पाठ्यक्रममा समावेश गरिनेछ ।                             |

**विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलताको विस्तृत कार्यक्रम**

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                        | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                  | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष |                 |
| १        | १.१.   | १.१.१.    | उच्च जोखिम क्षेत्रहरूको नक्साङ्कन                                | ५०                |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.२.    | उच्च जोखिममा रहेका बस्ती तथा परिवारलाई स्थानान्तरण               | ५००               | ५००         | ५००         | ५००       | ५००         |                 |
|          | १.२.   | १.२.१.    | विपद् पूर्वानुमान तथा चेतावनी सूचना प्रणालीको प्रभावकारी सञ्चालन | ३००               |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.२.    | विपद् पूर्व संकेत दिने उपकरण जडान                                |                   | २००         |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.३.    | प्रकोप पात्रो तयार                                               | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | १.२.४.    | विपद् सम्बन्धी पूर्व सूचना सम्प्रेषण                             | ३०                |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.५.    | आपत्कालिन कार्य संचालन केन्द्र स्थापना                           |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.६.    | बीमा योजनामा अनुदान                                              | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
| २        | २.१.   | २.१.१.    | वडास्तरीय विपद् व्यवस्थापन संयन्त्र निर्माण                      |                   | २००         |             |           |             |                 |
|          |        | २.१.२.    | खुल्ला स्थान तय गरी पूर्वाधार निर्माण                            |                   |             | ५००         | ६००       | ७००         |                 |
|          |        | २.१.३.    | संक्रमण रोग तथा महामारी प्रतिकार्य टोली गठन                      |                   |             |             | ५००       |             |                 |
|          |        | २.१.४.    | माहामारीका लागि आइसोलेसन केन्द्र निर्माण                         |                   |             |             | ५००       |             |                 |
|          |        | २.१.५.    | उद्धार सम्बन्धित पूर्वअभ्यास सञ्चालन                             |                   | १००         |             |           |             |                 |
|          |        | २.१.६.    | विभिन्न संस्थाहरूसँग प्रभावकारी समन्वय र सहकार्य                 | ८०                | ८०          | ८०          | ८०        | ८०          |                 |
|          |        | २.१.७.    | विपद्का बेला आवश्यक पर्ने उपकरण लगायतका सामग्रीहरूको व्यवस्थापन  | ३०                | ३०          | ३०          | ३०        | ३०          |                 |
|          |        | २.१.८.    | हेलिप्याड निर्माण                                                | ५००               | ५००         | ५००         | ५००       | ५००         |                 |
|          |        | २.१.९.    | अति अत्यावश्यक सामग्री भण्डारणको व्यवस्था                        |                   |             | १५००        |           |             |                 |
|          |        | २.१.१०    | वार्षिक विपद् प्रतिकार्य योजना निर्माण                           | ३००               | ३००         | ३००         | ३००       | ३००         |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                             | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|-----------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                       | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
|          |        | २.१.११    | बारुण यन्त्र तथा शव वाहनको व्यवस्था                                   | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          | २.२.   | २.२.१.    | जलवायु अनुकूलन परामर्श सेवा                                           | ५०                | ७५          | ८०          | ९०        | १००         |                 |
|          |        | २.२.२.    | तालिम तथा सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन                                    | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | २.२.३.    | अन्तरक्रिया कार्यक्रम संचालन                                          | ३५                | ३५          | ३५          | ३५        | ३५          |                 |
|          |        | २.२.४     | जलवायु अनुकूलनका हिसाबले स्मार्ट भिलेज सम्भाव्यता अध्ययन              |                   | ५००         |             |           |             |                 |
|          |        | २.२.५     | जलवायु अनुकूलनका हिसाबले स्मार्ट भिलेज निर्माण                        |                   |             | १०००        | १५००      |             |                 |
|          |        | २.२.६     | जलवायु अनुकूलन हुने बालीनाली प्रयोगात्मक उत्पादन अनुदान कार्यक्रम     | १००               | १००         | १००         | १००       | १००         |                 |
|          | २.३.   | २.३.१.    | सचेतना अभियान सञ्चालन                                                 | ५०                | ५०          | ५०          | ५०        | ५०          |                 |
|          |        | २.३.२     | विपद् तथा जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी विषय विद्यालयको पाठ्यक्रममा समावेश |                   |             |             |           |             |                 |

#### ७.४.५ अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका

- ✓ विपद् जोखिम नक्शाङ्कन भएको हुने ।
- ✓ भौतिक संरचनाहरू मापदण्ड बमोजिम विपद् प्रतिरोधी भएको हुने,
- ✓ विपद् पूर्वानुमान तथा पूर्वसूचना प्रणाली प्रभावकारी भएको हुने,
- ✓ विपद्सम्बन्धी नीति तथा योजना बनेको हुने,
- ✓ विपद्बाट हुने क्षतिमा न्यूनीकरण भएको हुने,
- ✓ जलवायु परिवर्तनका असरहरूको अनुकूलन तथा न्यूनीकरण भएको हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                                                       | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
|         |            | <b>विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता</b>                                                 |         |           |             |
|         | प्रतिफल    | विपद्को कारण ज्यान गुमाउनेको संख्या (११.५.१.१) (प.दि.वि.ल.)                                                      | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | विपद्को कारण हराइरहेको संख्या (१.५.१.२) (प.दि.वि.ल.)                                                             | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | विपद्को कारण घाइते हुनेको संख्या (११.५.१.२) (प.दि.वि.ल.)                                                         | संख्या  |           |             |
|         | असर        | विपद्बाट प्रभावित घरपरिवार                                                                                       | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | विपद्को बेला भेला हुने स्थानको                                                                                   | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | दमकल संख्या                                                                                                      | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | एक्साभेटर संख्या                                                                                                 | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | विपद् पूर्वसंकेत दिन जडित उपकरणहरूको संख्या                                                                      | संख्या  |           |             |
|         | असर        | भूकम्प प्रतिरोधी घरको प्रतिशत                                                                                    |         |           |             |
|         | प्रतिफल    | जलवायु परिवर्तन अनुकूलन योजना अन्तर्गत समुदायस्तरमा कार्यान्वयन भएका कार्यक्रमहरूको संख्या (१३.२.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | जलवायुको दृष्टिकोणले स्मार्ट भिलेज (१३.२.१. घ) (प.दि.वि.ल.)                                                      | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | जलवायु अनुकूलनका वनस्पति तथा वालीनालीको संख्या                                                                   | संख्या  |           |             |
|         | असर        | जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी शिक्षा समावेश गरेका विद्यालयहरूको संख्या (१३.३.१.१)(प.दि.वि.ल.)                         | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | जलवायुका दृष्टिकोणले अनुकूलन हुने गरी अपनाइएका खेती प्रणाली (१३.२.१ ड) (प.दि.वि.ल.)                              | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | जलवायुका असरलाई कम गर्ने कार्यमा तालिम प्राप्त व्यक्तिहरूको संख्या                                               | संख्या  |           |             |

### ७.४.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनैतिक स्थिरता हुनेछ ।

- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## परिच्छेद - ८: संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र

### ८.१ संस्थागत विकास तथा सुशासन

#### ८.१.१ सुशासन तथा सेवा प्रवाह

##### क) पृष्ठभूमि

वास्तविक रूपमा असल शासनको स्थापना गर्न जनस्तरमा सेवा प्रवाहको प्रभावकारिता हुन जरुरी रहन्छ। राज्यले लिएको नीतिअनुरूप असल शासनका प्रमुख आयामहरूमा सार्वजनिक प्रशासनमा पारदर्शिता, निष्पक्षता, भ्रष्टाचारमुक्त, जनउत्तरदायी शासन शुलभता र सहजता महत्वपूर्ण आयामहरू हुन्। यी आयामहरूको स्वस्थ विकास र सुनिश्चितता गर्न सकेको खण्डमा संघीय संविधानको मर्मअनुरूप जनताको घरदैलोमा राज्यद्वारा प्रदान गरिने सेवा र सुविधा पुऱ्याउन सकिन्छ। गाउँपालिकाले कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधिहरूको क्षमता अभिवृद्धि तालिम, नागरिक भेला, सार्वजनिक सुनुवाई, सामाजिक परीक्षण, अनुगमन तथा नियन्त्रण कार्यप्रणालीलाई चुस्त, व्यवस्थित तथा पारदर्शी बनाउनु आवश्यक छ।

##### ख) समस्या तथा चुनौती

###### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- लामो राजनीतिक संक्रमणबाट हालसालै स्थापित नयाँ संघीय प्रणालीको स्थानीय सरकार भएका कारण सर्वाङ्गीण संस्थागत विकास भइनसकेको।
- संघीयताको अभ्यास तथा अनुभव कम भएको।
- स्थानीयबासीको राजनीतिक चेतनाको स्तर माथि उठ्ने नसकेको।
- संस्थागत तथा क्षमता अभिवृद्धिका नियमित कार्यक्रमहरूको व्यवस्था नभएको।
- जनचासो र जनगुनासोको समयमै सम्बोधन नहुँदा जनतामा निराशा उत्पन्न भई संघीय व्यवस्थामा नै प्रश्न खडा हुन सक्ने।
- भ्रष्टाचार बृद्धि हुन सक्ने।
- पूर्वाग्रहहित न्याय प्रणाली विकास गर्नुपर्ने।
- राजश्व अपचलन हुन सक्ने।
- जनप्रतिनिधि र कर्मचारीतन्त्रको समन्वयमा कठिनाई हुन सक्ने।
- जनउत्तरदायी शासन प्रणालीको विकास गर्नुपर्ने।
- सबै कार्यालयलाई कर सूचनामैत्री तथा प्रविधियुक्त बनाउन ठूलो बजेटको आवश्यकता पर्ने।

##### ग) सम्भावना तथा अवसर

###### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाको सेवा प्रवाहलाई चुस्त दुरुस्त बनाउन स्थानीय सरकारमा सम्पूर्ण अधिकार प्राप्त भएको।
- जनान्देश प्राप्त निर्वाचित जनप्रतिनिधिहरूले उत्साहका साथ काम गरिरहेको।
- न्यायिक समितिको व्यवस्था भएको।
- भ्रष्टाचारजन्य कार्यमा गाउँपालिकामा शुन्य सहनशिलताको नीति कार्यान्वयन गरिएको र सार्वजनिक सेवा प्रवाह मापदण्ड लागू गरिएको।

| सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                                                                                          |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ➤ ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्ग, दीर्घरोगी, सीमान्तकृत र विपन्न वर्गका बासिन्दाका लागि विशेष सहयोगको व्यवस्था भएको ।                                                                                               |
| ➤ कर्मचारीको सेवाग्राहीसँगको व्यवहार सुमधुर रहेको ।                                                                                                                                                         |
| ➤ गाउँपालिकाले स्वीकृत गरी लागू गर्ने विभिन्न विषयगत कानूनहरू निर्माण र समयसापेक्ष परिमार्जनसहित कार्यान्वयनलाई जोड दिने नीति अगाडि सारेको ।                                                                |
| ➤ कार्यपालिकाको निर्णय ४८ घण्टाभित्र सार्वजनिक गरी जनताप्रति उत्तरदायी हुने संस्कार विकास गर्न सकिने ।                                                                                                      |
| ➤ स्थानीय सरकार स्वायत्त भएका कारण गाउँपालिकाको वस्तुगत अवस्था हेरी आवश्यकता अनुसार असल शासन अभिवृद्धि, मानव संसाधन विकास, योजना निर्माण तथा कार्यान्वयन र सेवा प्रवाहलाई जनमुखी र प्रभावकारी बनाउन सकिने । |
| ➤ विद्यमान सूचना प्रविधिको सदुपयोग गरी अन्य स्थानीय सरकारले गरेका उत्कृष्ट अभ्यासहरूको अनुशरण गर्न सकिने ।                                                                                                  |
| ➤ जनगुनासोलाई तत्काल सम्बोधन गरी जनताको मन जित्न सकिने ।                                                                                                                                                    |
| ➤ आवश्यकताअनुसार प्रहरी तथा सुरक्षा निकायको व्यवस्थापन गर्न सकिने ।                                                                                                                                         |

#### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                                           |
|------------------------------------------------------------------------------------------|
| इच्छाकामना गाउँपालिकाको सरोकार, जनमुखी सरकार                                             |
| लक्ष्य                                                                                   |
| सेवा प्रवाहलाई छिटो, छरितो, सुलभ जनउत्तरदायी र प्रभावकारी बनाई जनचासोमा केन्द्रित हुने । |
| उद्देश्यहरू                                                                              |
| ✓ संगठन विकास तथा स्थानीय सेवा व्यवस्थापन, क्षमता र कार्य सम्पादनमा अभिवृद्धि गर्नु ।    |

| उद्देश्य १: सेवा प्रवाहलाई छिटो छरितो चुस्तदुरुस्त र प्रभावकारी बनाउनु । |                                                                                                                               |
|--------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                   | कार्यनीति                                                                                                                     |
| १.१ जनमुखी सरकार महशुस हुने सेवा प्रणाली प्रवर्द्धन गर्ने ।              | १.१.१ नियमित रुपमा नागरिक सन्तुष्टि सर्वेक्षण गरी राज्यद्वारा प्रवाह हुने सेवामा रहेका जन गुनासो र चासोको अध्ययन गरिनेछ ।     |
|                                                                          | १.१.२ स्थानीय सरकारको सेवा प्रवाहलाई दुरुस्त बनाउन जनप्रतिनिधी र कर्मचारीको क्षमता अभिवृद्धि र तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।         |
|                                                                          | १.१.३ वडास्तरमा आवश्यकता अनुसार “घुम्ती सेवा” कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                      |
|                                                                          | १.१.४ जनगुनासो व्यवस्थापन प्रणाली र कार्ययोजना निर्माण गरिनेछ ।                                                               |
|                                                                          | १.१.५ सार्वजनिक अभिलेख प्रणाली व्यवस्थापन गरिनेछ ।                                                                            |
|                                                                          | १.१.६ स्थानीय न्यायिक समितिको कार्यसम्पादनलाई छिटो छरितो पारदर्शी बनाइनेछ ।                                                   |
|                                                                          | १.१.७ आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली, लिजा, एफआर र आर्थिक विकास सूचकांक सम्बन्धी नीति, निर्देशिका र मापदण्ड तयार गरी लागू गरिनेछ । |
|                                                                          | १.१.८ हेल्प डेस्क तथा सोधपुछ कक्ष प्रभावकारी ढंगबाट सञ्चालन गरिनेछ ।                                                          |

| उद्देश्य १: सेवा प्रवाहलाई छिटो छरितो चुस्तदुरुस्त र प्रभावकारी बनाउनु । |                                                                                                                     |
|--------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                   | कार्यनीति                                                                                                           |
|                                                                          | १.१.९ सबै सेवा प्रवाहलाई अनलाईन प्रणालीसँग जोडिनेछ ।                                                                |
|                                                                          | १.१.१० बौद्धिक वर्ग तथा सरोकारवालाहरूसँग अन्तरक्रिया तथा सहकार्य गरिनेछ ।                                           |
|                                                                          | १.१.११ स्थानीय सञ्चार माध्यम मार्फत स्थानीय सरकार रेडियो कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                 |
|                                                                          | १.१.१२ सार्वजनिक सूचना प्रणालीमा जनताको सहज पहुँच हुने संयन्त्र निर्माण गरिनेछ ।                                    |
|                                                                          | १.१.१३ विकासमा निजी क्षेत्रको सहयोग लिन नियमित अन्तरक्रिया आयोजना गरिनेछ ।                                          |
|                                                                          | १.१.१४ वार्षिक खरिद योजना तयार गरि लागू गरिनेछ ।                                                                    |
|                                                                          | १.१.१५ वार्षिक, चौमासिक प्रगति समिक्षा गरि सूचना प्रविधि मार्फत प्रकाशन, प्रसारण गरिनेछ ।                           |
|                                                                          | १.१.१६ योजना कार्यक्रमको निर्माण तथा संचालन स्थलमा आयोजनाको विस्तृत विवरण सम्बन्धी सूचना पाटी अनिवार्य राखिनेछ ।    |
|                                                                          | १.१.१७ सार्वजनिक सुनुवाई, सामाजिक परीक्षण, सार्वजनिक परीक्षण कार्यक्रम नियमित गरिनेछ ।                              |
|                                                                          | १.१.१८ योजना र कार्यक्रमको सुपरिवेक्षण र अनुगमन प्रभावकारी बनाउँदै कार्यपालिकामा प्रतिवेदन पेश गरि समिक्षा गरिनेछ । |
|                                                                          | १.१.१९ अत्यावश्यक सेवा दमकल, एम्बुलेन्स, शव वहान सेवालाई प्रभावकारी रूपमा परिचालन र व्यवस्थापन गरिनेछ ।             |
|                                                                          | १.१.२० गाउँपालिकाका सबै वडा एवं सार्वजनिक तथा संस्थागत कार्यालयहरूमा सूचना अधिकारी तोकिनेछ ।                        |
|                                                                          | १.१.२१ अन्तर पालिकासँगको सहकार्य, समन्वय र असल अभ्यास, अनुभवको आदान प्रदानलाई थप प्रभावकारी बनाइनेछ ।               |
|                                                                          | १.१.२२ घरनक्शा अभिलेख व्यवस्थापन र प्रविधिमैत्री बनाइनेछ ।                                                          |
|                                                                          | १.१.२३ जनप्रतिनिधि र कर्मचारीको कार्य सम्पादन सम्मकौता गरि लागू गरिनेछ ।                                            |
|                                                                          | १.१.२४ सामाजिक सुरक्षा भत्ता बैङ्किङ प्रणाली मार्फत वितरण प्रक्रियालाई सहज बनाइनेछ ।                                |

| उद्देश्य २: मानवीय संसाधनको समुचित व्यवस्थापन र परिचालन गर्नु ।                         |                                                                                                                       |
|-----------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                  | कार्यनीति                                                                                                             |
| १.२ स्थानीय सरकारको प्रभावकारी व्यवस्थापनको लागि आवश्यक मानवीय संसाधनको प्रबन्ध गर्ने । | १.२.१ संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण गरी दरबन्दी व्यवस्थापन गरिनेछ ।                                                  |
|                                                                                         | १.२.२ संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षणले औल्याएका आवश्यक रिक्त दरबन्दी पदपूर्ति गरिनेछ ।                                |
|                                                                                         | १.२.३ स्थानीय सरकारको सेवा प्रवाहलाई दुरुस्त बनाउन जनप्रतिनिधि र कर्मचारीको क्षमता अभिवृद्धि र तालिम सञ्चालन गरिनेछ । |

| उद्देश्य २: मानवीय संसाधनको समुचित व्यवस्थापन र परिचालन गर्नु । |                                                                                                                                                                     |
|-----------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                          | कार्यनीति                                                                                                                                                           |
| १.३ सेवा प्रवाहमा आवश्यक स्रोत साधनको उचित व्यवस्थापन गर्ने ।   | १.२.४ कर्मचारीको सेवा सुविधा र वृत्ति विकासका लागि आवश्यक कानूनी प्रावधान सुनिश्चित गरिनेछ ।                                                                        |
|                                                                 | १.२.५ उत्कृष्ट कर्मचारी, समूह, संस्थालाई सम्मान र पुरस्कारको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                                      |
|                                                                 | १.२.६ कर्मचारीको ज्ञान र क्षमता अनुसारको कार्य जिम्मेवारी दिइनेछ ।                                                                                                  |
|                                                                 | १.२.७ शैक्षिक तथा प्राविधिक जनशक्तिको तथ्याङ्क संकलन गरी अद्यावधिक गरिनेछ ।                                                                                         |
|                                                                 | १.३.१ सेवा प्रवाहलाई चुस्तदुरुस्त राख्न विद्युतीय सूचना प्रणालीमा रुपान्तरण गर्न आवश्यक Software को व्यवस्थापन तथा नागरिक वडापत्रको नियमित रुपमा अद्यावधिक गरिनेछ । |
|                                                                 | १.३.२ इन्टरनेट सेवाको स्तर वृद्धि गरी गुणस्तरीय सेवा सुनिश्चित गरिनेछ ।                                                                                             |
|                                                                 | १.३.३ कार्यालय संचालनका लागि आवश्यक साधनहरूको प्रबन्ध गरिनेछ ।                                                                                                      |
|                                                                 | १.३.४ कार्यालय संचालनका लागि आवश्यक कोठाहरू व्यवस्थापन गरिनेछ ।                                                                                                     |
|                                                                 | १.३.५ कार्यालयले निर्माण गरेका कानूनी दस्तावेज तथा कार्यहरू वेब-साईटमा अपडेट गरिनेछ ।                                                                               |

## सुशासन तथा सेवा प्रवाहको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                             | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|-------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                       | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौं वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | नियमित रुपमा नागरिक सन्तुष्टि सर्वेक्षण               |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.२     | जनप्रतिनिधी र कर्मचारीको क्षमता अभिवृद्धि र तालीम     |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.३     | घुम्ती स्थानीय सरकार कार्यक्रम                        | १००               | ११०         | १२१         | १३३       | १४६         |                 |
|          |        | १.१.४     | जनगुनासो व्यवस्थापन प्रणाली र कार्ययोजना निर्माण      | १०००              | ०           | ०           | ०         | ०           |                 |
|          |        | १.१.५     | सार्वजनिक अभिलेख प्रणाली व्यवस्थापन                   | १५०               | १६५         | १८२         | २००       | २२०         |                 |
|          |        | १.१.६     | न्यायिक समितिको कार्य सम्पादन चुस्तदुरुस्त            | २००               | २५०         | ३००         | ३५०       | ४००         |                 |
|          |        | १.१.७     | आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली तथा कानूनी दस्तावेजहरु तयार | २००               | ०           | ०           | ०         | ०           |                 |
|          |        | १.१.८     | हेल्प डेस्क तथा सोधपुछ कक्षको प्रभावकारीतामा वृद्धि   |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.९     | सेवा प्रवाहमा सहजता                                   |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.१०    | बौद्धिक वर्ग तथा सरोकारवालाहरूसँग अन्तरक्रिया         |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.११    | स्थानीय सरकार रेडियो कार्यक्रम                        | १००               | ११०         | १२१         | १३३       | १४६         |                 |
|          |        | १.१.१२    | सूचना संयन्त्र निर्माण                                |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.१३    | निजी क्षेत्रसँग नियमित अन्तरक्रिया                    | १५०               | १६५         | १८२         | २००       | २२०         |                 |
|          |        | १.१.१४    | वार्षिक खरिद योजना तयार                               | १००               | ११०         | १२१         | १३३       | १४६         |                 |
|          |        | १.१.१५    | प्रविधि मार्फत प्रगती प्रतिवेदन सार्वजनिक             |                   | ०           | ३००         | ०         | ०           |                 |
|          |        | १.१.१६    | सूचना पाटीको अनिवार्य व्यवस्था                        | ५०                | ५५          | ६१          | ६७        | ७३          |                 |
|          |        | १.१.१७    | जवाफदेहिताको औजारहरुको प्रयोग र पालना                 | ५०                | ५५          | ६१          | ६७        | ७३          |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                           | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|---------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                     | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
|          |        | १.१.१८    | सार्वजनिक सूचना व्यवस्थापन प्रणाली निर्माण                          |                   | ०           | २००         | ०         | ०           |                 |
|          |        | १.१.१९    | अत्यावश्यक सेवा प्रवाहमा थप प्रभावकारीता                            | ५०                | ५५          | ६१          | ६७        | ७३          |                 |
|          |        | १.१.२०    | सूचना अधिकारीको व्यवस्था                                            | ४००               | ४४०         | ४८४         | ५३२       | ५८६         |                 |
|          |        | १.१.२१    | अन्तरपालिका समन्वय र सहकार्य                                        | १५००              | २०००        | २५००        | ३०००      | ३५००        |                 |
|          |        | १.१.२२    | प्रविधिमैत्री अभिलेख व्यवस्थापन                                     |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.१.२३    | जनप्रतिनिधि र कर्मचारीको कार्यसम्पादन सम्झौता गरि लागू              | १००               | ११०         | १२१         | १३३       | १४६         |                 |
|          |        | १.१.२४    | वैङ्ग मार्फत सामाजिक सुरक्षा भत्ता                                  | १००               | ११०         | १२१         | १३३       | १४६         |                 |
|          | १.२    | १.२.१     | O and M survey                                                      |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.२     | रिक्त दरबन्दी परिपूर्ती                                             |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.३     | कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधीलाई क्षमता विकास तालिम                      |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.४     | कर्मचारीको सेवा सुविधा र वृत्ति विकासका लागि आवश्यक कानूनी प्रावधान | ३००               | ३३०         | ३६३         | ३९९       | ४३९         |                 |
|          |        | १.२.५     | उत्कृष्ट कर्मचारी पुरस्कार प्रबन्ध                                  | १००               | ११०         | १२१         | १३३       | १४६         |                 |
|          |        | १.२.६     | कार्य सम्पादनमा सहजता                                               |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.२.७     | शैक्षिक तथा प्राविधिक जनशक्तिको तथ्याङ्क संकलन                      |                   |             |             |           |             |                 |
|          | १.३    | १.३.१     | प्रविधिको विकास गरि सेवालाई सहज, पारदर्शी र गुणस्तर                 | १५०               | १६५         | १८२         | २००       | २२०         |                 |
|          |        | १.३.२     | गुणस्तरीय इन्टरनेट सेवा                                             |                   |             |             |           |             |                 |
|          |        | १.३.३     | कार्यालय संचालनका लागि आवश्यक साधनहरुको प्रबन्ध                     |                   |             |             |           |             |                 |

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                        | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|--------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                  | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
|          |        | १.३.४     | कार्यालय संचालनका लागि आवश्यक कोठाहरु व्यवस्थापन | ५०                | ५५          | ६१          | ६७        | ७३          |                 |
|          |        | १.३.५     | सार्वजनिक सूचना प्रणाली प्रभावकारितामा वृद्धि    |                   |             |             |           |             |                 |

#### ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

जनचासोमा केन्द्रित जनमुखी सरकार महशुस हुने सेवा प्रणालीको विकास भएको हुनेछ ।

#### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह             | नतिजा सूचक                                                                                                                          | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| १.      | सुशासन तथा सेवा प्रवाह |                                                                                                                                     |         |           |             |
|         | प्रतिफल                | विगत १२ महिनाको अवधिमा सरकारी कर्मचारीसँग कम्तीमा १ पटक सम्पर्क भएका र उनीहरुलाई घुस दिएका वा मागिएका व्यक्ति (१६.५.१) (प.दि.वि.ल.) | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल                | सेवा प्रवाह सन्तुष्टि सर्वेक्षणका आधारमा सार्वजनिक सुनुवाई                                                                          | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल                | विगत १२ महिनामा सरकारी कर्मचारीलाई काम गराउँदा घुस वा उपहार दिन बाध्य पारिएका व्यक्तिको संख्या (१६.५.१.१) (प.दि.वि.ल.)              | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल                | अनुगमन                                                                                                                              | संख्या  |           |             |
|         | असर                    | पूँजीगत बजेट खर्च                                                                                                                   | प्रतिशत |           |             |
|         | असर                    | लक्षित आयोजना सम्पन्न                                                                                                               | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल                | न्यायिक समितिबाट फर्यौट मुद्दा संख्या (वार्षिक)                                                                                     | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल                | जनगुनासो संख्या                                                                                                                     | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल                | गुनासो सम्बोधन प्रणालीबाट सम्बोधन भएका गुनासो                                                                                       | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल                | जनप्रतिनिधि कर्मचारी तालिम अभिमूखीकरण                                                                                               | संख्या  |           |             |

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                     | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|----------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
|         | प्रतिफल    | स्थानीय रेडियो कार्यक्रम प्रसारण (पाक्षिकलाई साप्ताहिक बनाउने) | वर्षिक  |           |             |
|         | प्रतिफल    | निजी क्षेत्र अन्तरक्रिया वर्षमा कम्तिमा एकपटक                  | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | लिजाको अंक (स्थानीय सरकार संस्थागत स्वमूल्यांकन)               | अंक     |           |             |
|         | प्रतिफल    | एफआरको अंक वित्तिय जोखिम मूल्यांकन                             | अंक     |           |             |
|         | प्रतिफल    | एलइडी आर्थिक विकास सूचक                                        | अंक     |           |             |
|         |            | वार्षिक खरिद योजना तयारी र समिक्षा                             | वार्षिक |           |             |
|         |            | वार्षिक र अर्धवार्षिक प्रगति समिक्षा                           | संख्या  |           |             |
|         |            | मासिक कार्यपालिका र कर्मचारी बैठक नियमितता                     |         |           |             |
|         |            | आवश्यक ऐन नियम निर्माण र सुधार गर्ने                           | संख्या  |           |             |
|         |            | आवश्यक निर्देशिका कार्यविधि निर्माण र सुधार गर्ने              | संख्या  |           |             |

#### च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता तथा आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीयस्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ८.१.२ मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय

### क) पृष्ठभूमि

मानवियता, मानवहित र सामाजिक न्यायका निम्ति आम नागरिकलाई मानव अधिकारको महत्व र आवश्यकता बारे ज्ञान हुनुपर्दछ। आधारभूत तहमा मौलिक हकको रूपमा नेपालको संविधानले प्रत्याभूत गरेका मानवअधिकार उपभोगको सुनिश्चितता गर्ने राज्य र राज्यद्वारा परिचालित राज्यका यन्त्रहरू जस्तै प्रशासन, प्रहरी र राज्यका संवैधानिक अंगहरू जस्तै न्यायालय, मानव अधिकार आयोग, स्थानीय न्यायिक समिति आदि हुन्। स्थानीय सरकारको प्रमुख दायित्व अन्तर्गत मानव अधिकार प्रत्याभूत गर्नु र सामाजिक न्याय कायम गर्नुपर्ने भएकाले स्थानीय विकास योजनाका यी विषयको सम्बोधन गरिएको छ।

### ख) समस्या तथा चुनौती

| दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>समाजमा सामाजिक जागरणको अवस्था कमजोर हुनु।</li> <li>परम्परागत रूपमा रहेका अन्धविश्वास, कुरिती, कु-संस्कार र भेदभावपूर्ण सामाजिक प्रणालीमा कारण सामाजिक न्याय संकटमा पर्नु।</li> <li>अशिक्षा, अज्ञानता र पछोटेपन कायमै रहनु।</li> <li>गरिबी र विपन्नता कायमै रहनु।</li> <li>मानव अधिकारयुक्त पूर्ण सामाजिक न्याय स्थापित गर्ने चुनौती हुनु।</li> </ul> |

### ग) सम्भावना तथा अवसर

| सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <ul style="list-style-type: none"> <li>मानव अधिकारको विश्वव्यापी घोषणा पत्रका प्रमुख मूल्य र मान्यतालाई नेपालको संविधानले आत्मसाथ गरी मौलिक हकमा व्यवस्था गरेको।</li> <li>स्थानीय सरकारलाई मानवअधिकार रक्षा गर्ने अधिकार प्राप्त हुनु।</li> <li>स्थानीय न्यायिक समितिको प्रबन्ध हुनु।</li> <li>न्यायिक सम्पादनको प्रगति बढ्नु।</li> <li>अपाङ्गमैत्री वातावरण निर्माण हुनु।</li> <li>स्वतन्त्र न्यायपालिकाको परिकल्पना गरी न्याय सम्पादन संयन्त्र निर्माण हुनु।</li> <li>स्थानीयस्तरमा मानव अधिकार र सामाजिक न्यायका पक्षमा जनचेतना वृद्धि हुँदै जानु।</li> <li>भेदभाव रहित सामाजिक गुनासोको सम्बोधन हुनु।</li> </ul> |

### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                                 |
|--------------------------------------------------------------------------------|
| सामाजिक रूपले न्यायपूर्ण समाजको निर्माण                                        |
| लक्ष्य                                                                         |
| मानव अधिकार उल्लङ्घनका घटनाहरूमा उल्लेख्य कमी ल्याई मौलिक हक प्रत्याभूत गर्ने। |
| उद्देश्यहरू                                                                    |
| ✓ मानव अधिकारको प्रत्याभूति गरी न्यायपूर्ण समाजको निर्माण गर्नु।               |

| उद्देश्य १: मानव अधिकारको प्रत्याभूति गरी न्यायपूर्ण समाजको निर्माण गर्नु ।                                         |                                                                                                                                                                                                                                              |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| रणनीति                                                                                                              | कार्यनीति                                                                                                                                                                                                                                    |
| १.१ मानव बेचबिखन तथा शोषणका दृष्टिकोणले संवेदनशील व्यक्ति तथा समूह पहिचान गरी जनचेतना अभिवृद्धि र सशक्तिकरण गर्ने । | १.१.१ मानव बेचबिखन र ओसार पसारका दृष्टिकोणले अत्यन्त जोखिममा रहेका वर्ग क्षेत्र र समुदायको शुष्म ढंगले अध्ययन गरी स्थितिपत्र तयार पारिनेछ ।                                                                                                  |
|                                                                                                                     | १.१.२ मानवअधिकार उल्लङ्घन तथा मानवबेचबिखन र ओसारप्रसार विरुद्ध जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्न स्थानीय सञ्चार माध्यम, सामाजिक सञ्जाल र पत्रकारहरूको सहयोग लिइनेछ ।                                                                        |
|                                                                                                                     | १.१.३ यौन हिंसा, यौन शोषण र बलात्कार जस्ता जघन्य अपराध न्यूनीकरण गर्न कानूनी उपचार खोज्न र दोषीलाई कानूनको दायरामा ल्याउन प्रत्येक वडामा महिला अधिकारकर्मी तथा समाजसेवी, राजनीतिक नेतृहरूको अगुवाइमा एक सशक्त मानव अधिकार सेलको गठन गरिनेछ । |
|                                                                                                                     | १.१.४ बेपत्ता पारिएका, द्वन्द्व पिडित, बेचबिखनमा परेका, शहिद परिवार, लक्षित परिवारको लगत संकलन गरी उनीहरूको सशक्तिकरणका तथा सामाजिक पुर्नस्थापनाका लागि विशेष प्याकेज निर्माण गरी आयआर्जन र सामाजिक एकीकरणलाई सहज बनाइनेछ ।                  |
|                                                                                                                     | १.१.५ मानव अधिकार उल्लङ्घनका घटनाहरू न्यायिक समितिमा दर्ता गर्न वडास्तरीय महिला सेललाई सक्रिय तुल्याउन सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।                                                                                                     |
|                                                                                                                     | १.१.६ माध्यमिक तहमा अध्ययनरत छात्रछात्रा केन्द्रित यौन हिंसा, यौन शोषण, बलात्कार दाइजो र बाल अधिकारका विषयमा हरेक महिनामा एक पटक हुने गरी घुम्ती कक्षा सञ्चालनको व्यवस्था मिलाइनेछ ।                                                         |
|                                                                                                                     | १.१.७ न्यायमा पहुँच नभएका विपन्न वर्गहरूलाई निःशुल्क कानूनी परामर्श सेवा दिन संस्थागत व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                                                                                      |
|                                                                                                                     | १.१.८ संविधान प्रदत्त सबै मौलिक हकहरूको कार्यान्वयन गराउन आवश्यक संयन्त्रको विकास गर्न एक अध्ययन गरी आवश्यक स्थानीय कानून र राज्यका यन्त्रको प्रवन्ध गरिनेछ ।                                                                                |
|                                                                                                                     | १.१.९ न्यायिक समितिलाई थप पुर्वाधारयुक्त बनाई पर्याप्त दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था गरिनेछ ।                                                                                                                                                      |
|                                                                                                                     | १.१.१० वडास्तरीय मेलमिलाप समितिको अनुगमन तथा व्यवस्थापनलाई अभि सक्रिय बनाइनेछ ।                                                                                                                                                              |
|                                                                                                                     | १.१.११ आम जनसमुदायलाई स्थानीय अदालतबाट दिइने सेवामा सहज र फराकिलो पहुँच पुर्‍याउने तर्फ अगाडी बढ्ने नीति अख्तियारी गरिनेछ ।                                                                                                                  |
|                                                                                                                     | १.१.१२ सरोकारवाला निकायहरूसँग अन्तरक्रिया र सहकार्य गरिनेछ ।                                                                                                                                                                                 |
|                                                                                                                     | १.१.१३ प्रहरी साभुदारी कार्यक्रम बढाइनेछ ।                                                                                                                                                                                                   |



### मानव अधिकार तथा सामाजिक न्यायको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                                                  | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |            | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|----------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|------------|-----------------|
|          |        |           |                                                                            | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | जोखिम समूह र व्यक्तिको पहिचान                                              | ५०                | ५५          | ६१          | ६७        | ७३         |                 |
|          |        | १.१.२     | सामाजिक सञ्जाल तथा स्थानीय सञ्चार माध्यममार्फत जनचेतनामूलक कार्यक्रम       | ५०                | ५५          | ६१          | ६७        | ७३         |                 |
|          |        | १.१.३     | वडास्तरीय मानव अधिकार सेल गठन                                              | ५०                | ५५          | ६१          | ६७        | ७३         |                 |
|          |        | १.१.४     | आर्थिक तथा सामाजिक सशक्तिकरणका लागि लक्षित समूह आय आर्जन कार्यक्रम         | ५००               | ५५०         | ६०५         | ६६६       | ७३२        |                 |
|          |        | १.१.५     | न्यायिक समितिमा मानवअधिकार उल्लङ्घनका घटना दर्ता गर्न महिला सेल अभिमूखीकरण | ५०                | ५५          | ६१          | ६७        | ७३         |                 |
|          |        | १.१.६     | मानवअधिकार विद्यालय घुम्ती कक्षा संचालन                                    | १००               | ११०         | १२१         | १३३       | १४६        |                 |
|          |        | १.१.७     | निःशुल्क कानूनी परामर्श सेवा सञ्चालन                                       | ८०                | ८८          | ९७          | १०६       | ११७        |                 |
|          |        | १.१.८     | मौलिक हक कार्यान्वयन स्थितिबारे अध्ययन                                     | २५                | २८          | ३०          | ३३        | ३७         |                 |
|          |        | १.१.९     | न्यायिक समितिलाई थप पुर्वाधारयुक्त बनाई पर्याप्त दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था   | १००               | ११०         | १२१         | १३३       | १४६        |                 |
|          |        | १.१.१०    | वडास्तरीय मेलमिलाप समितिको अनुगमन तथा व्यवस्थापनमा वृद्धि                  | ५०                | ५५          | ६१          | ६७        | ७३         |                 |
|          |        | १.१.११    | न्यायिक समितिबाट दिइने सेवामा सहज र फराकिलो बनाई सबैको पहुँच सुनिश्चित     | १००               | ०           | ०           | ०         | ०          |                 |
|          |        | १.१.१२    | सरोकारवाला निकायहरूसँग अन्तरक्रिया                                         |                   |             |             |           |            |                 |
|          |        | १.१.१३    | प्रहरी साभदारी कार्यक्रममा वृद्धि                                          |                   |             |             |           |            |                 |

### ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ मानवअधिकार उल्लङ्घन, मानव बेचबिखन, यौन हिंसा र शोषण लगायतका सामाजिक अपराधका घटनाहरूमा महशुस हुने गरी कमी आएका हुनेछन् ।

### नतिजा सूचक

| क्र.सं. | नतिजाको तह                    | नतिजा सूचक                                          | इकाई   | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|-------------------------------|-----------------------------------------------------|--------|-----------|-------------|
| १.      | मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय |                                                     |        |           |             |
|         | प्रतिफल                       | जोखिममा परेका व्यक्तिको संख्या                      | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल                       | मानव अधिकार सेल संख्या                              | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल                       | निःशुल्क कानूनी परामर्शबाट दर्ता भएका मुद्दा संख्या | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल                       | यौन हिंसाका घटना (दर्ता संख्या)                     | संख्या |           |             |
|         | प्रतिफल                       | मानव बेचबिखनमा परेका संख्या                         | संख्या |           |             |
|         |                               | न्यायिक समितिमा उजुरी दर्ता                         | संख्या |           |             |
|         |                               | न्यायिक समितिमा उजुरी फर्स्यौट                      | संख्या |           |             |

### च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता तथा आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ८.१.३ तथ्याङ्क व्यवस्थापन, राजश्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन तथा लेखा व्यवस्थापन

### क) पृष्ठभूमि

कुनै पनि विकास योजनालाई सफल रूपमा कार्यान्वयन गर्न वस्तुनिष्ठ सूचनाको अनिवार्यता हुन्छ। गाउँपालिकामा गरिने हरेक विकासका क्रियाकलापहरू र समग्र वस्तुस्थितीलाई कतिपय अवस्थामा परिमाणमा प्रतिबिम्बित गर्न मिल्दछ। तसर्थ हरेक क्रियाकलापलाई परिमाणमा देखाउँदा विकास र समृद्धिको मापन गर्न सहज हुनुका साथै यथार्थमा गाउँपालिकाको स्थितिबारे थाहा पाउन सकिन्छ। यसका लागि हरेक सूचनालाई अध्यावधिक गर्ने सूचना तथा तथ्याङ्क प्रणालीको आवश्यकता रहन्छ। अर्कोतर्फ राजश्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन र लेखा व्यवस्थापन नियमित र वैज्ञानिक नहुँदा राज्यको स्रोत र साधनको व्यापक दुरुपयोग हुन सक्ने जोखिम रहन्छ। यी पक्षहरूलाई ध्यानमा राखी तथ्याङ्क व्यवस्थापन, राजश्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन र लेखा व्यवस्थालाई सुदृढ गर्नुपर्ने भएकाले यो खण्ड तयार पारिएको छ।

### ख) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, तथा कार्यक्रम

| दीर्घकालीन सोच                                                                                                                        |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| दिगो सूचना अभिलेख तथा वित्तीय व्यवस्थापन                                                                                              |
| लक्ष्य                                                                                                                                |
| सूचना प्रविधिको प्रयोगमार्फत तथ्याङ्क र वित्तीय व्यवस्थापनलाई चुस्त र दुरुस्त राख्ने।                                                 |
| उद्देश्यहरू                                                                                                                           |
| ✓ स्थानीय सरकारसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण महत्वपूर्ण सूचनाहरूलाई सहज, पहुँच योग्य र व्यवस्थित बनाउँदै वित्तीय व्यवस्थापन अब्बल तुल्याउनु। |

उद्देश्य १: स्थानीय सरकारसँग सम्बन्धित महत्वपूर्ण सूचनाहरूलाई सहज, पहुँच योग्य र व्यवस्थित बनाउँदै वित्तीय व्यवस्थापन अब्बल तुल्याउनु।

| रणनीति                                        | कार्यनीति                                                                                                                                                 |
|-----------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १.१ सुदृढ अभिलेख प्रणालीको विकास गर्ने।       | १.१.१. सूचना प्रविधिको प्रयोग गरी स्थानीय सरकारसँग सम्बद्ध सबै सूचना र तथ्याङ्कको व्यवस्थापन गर्न एक साधन सम्पन्न तथ्याङ्क तथा सूचना इकाई निर्माण गरिनेछ। |
|                                               | १.१.२ सबै प्रकारका सूचनाहरू अध्यावधिक हुने स्वचालित अभिलेखाङ्कन प्रणाली तयार पार्न अध्ययन गरी software हरू खरिद गरिनेछ।                                   |
|                                               | १.१.३ अभिलेख इकाईमा आवश्यक दरबन्दीको प्रवन्ध गरिनेछ।                                                                                                      |
|                                               | १.१.४ सबै वडाहरूमा अन्तर्लाइन मार्फत राजश्व संकलनको दायरा विस्तार गरिनेछ।                                                                                 |
| १.२ आर्थिक प्रशासन सम्बन्धी संस्थागत संयन्त्र | १.२.१ सार्वजनिक खर्चका मापदण्ड र मितव्ययिता कायम हुने नीति निर्माण गरी लागू गरिनेछ।                                                                       |

उद्देश्य १: स्थानीय सरकारसँग सम्बन्धित महत्वपूर्ण सूचनाहरूलाई सहज, पहुँच योग्य र व्यवस्थित बनाउँदै वित्तीय व्यवस्थापन अब्बल तुल्याउनु ।

| रणनीति                                                   | कार्यनीति                                                                                                           |
|----------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| निर्माण गरी वित्तीय व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी तुल्याउने । | १.२.२ अनुगमन प्रणालीलाई दुरुस्त बनाउन वार्षिक कार्य योजना तयार पारिनेछ ।                                            |
|                                                          | १.२.३ राजश्व संकलनलाई करदातामैत्री बनाउन आवश्यक अध्ययन गरी सोहि अनुसारको प्रणाली विकास गरिनेछ ।                     |
|                                                          | १.२.४ सम्पूर्ण व्यवसायलाई दर्ता गरी करको दायरामा ल्याउन घुम्ती व्यवसाय दर्ता अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।                |
|                                                          | १.२.५ राज्यलाई तिरेको कर कसरी जनताका लागि खर्च हुन्छ भन्ने स्थापित गर्न कर शिक्षा कार्यक्रम नियमित सञ्चालन गरिनेछ । |
|                                                          | १.२.६ राजश्वका स्रोतहरूको पहिचान गर्न राजश्व सुधार कार्य योजना तयार गरी लागू गरिनेछ ।                               |
|                                                          | १.२.७ गाउँपालिकाका ठूला करदातालाई सार्वजनिक सम्मान गरिनेछ ।                                                         |
|                                                          | १.२.८ सीमान्तकृत वर्ग र महिला उद्यमीलाई व्यवसाय सञ्चालन गर्न मापदण्डका आधारमा विशेष सहूलियतको प्रवन्ध गरिनेछ ।      |
|                                                          | १.२.९ आन्तरिक आय वृद्धिका लागि करका दायरा र क्षेत्र विस्तार गरिनेछ ।                                                |
|                                                          | १.२.१० गाउँपालिकाको आयव्ययको विवरण त्रैमासिक रूपमा प्रकाशन गर्ने प्रवन्ध मिलाइनेछ ।                                 |
|                                                          | १.२.११ गाउँपालिकाबासीलाई कर तिर्न प्रेरित गरिनेछ ।                                                                  |
|                                                          | १.२.१२ अधिकतम कर संकलनका लागि, कर तिरौं आफ्नै लागि भन्ने अभियान संचालन गरिनेछ ।                                     |
|                                                          | १.२.१३ कर दर निर्धारण पद्धती तथा असुलीमा नीतिगत स्पष्टता कायम गरिनेछ ।                                              |

तथ्याङ्क व्यवस्थापन, राजश्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन तथा लेखा व्यवस्थापनको विस्तृत कार्यक्रम

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम                                             | बजेट (रु. हजारमा) |             |             |           |             | जिम्मेवार निकाय |
|----------|--------|-----------|-------------------------------------------------------|-------------------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------------|
|          |        |           |                                                       | पहिलो वर्ष        | दोस्रो वर्ष | तेस्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौँ वर्ष |                 |
| १.       | १.१    | १.१.१     | तथ्याङ्क तथा सूचना इकाई गठन                           | ५०                | ५५          | ०           | ०         | ०           |                 |
|          |        | १.१.२     | सूचना अभिलेखाङ्कन Software खरिद तथा निरन्तर अद्यावधिक | ३००               | ३३०         | ३६३         | ३९९       | ४३९         |                 |
|          |        | १.१.३     | अभिलेख इकाईमा दरबन्दी व्यवस्थापन                      | ४००               | ४४०         | ४८४         | ५३२       | ५८६         |                 |
|          |        | १.१.४     | अनलाईन मार्फत राजश्व संकलनको दायरा विस्तार            | १००               | ११०         | १२१         | १३३       | १४६         |                 |
|          | १.२    | १.२.१     | सार्वजनिक खर्चको मापदण्ड निर्माण                      | ५०                | ०           | ०           | ०         | ०           |                 |
|          |        | १.२.२     | अनुगमन संयन्त्र क्षमता विकास                          | ५०                | ५५          | ६१          | ६७        | ७३          |                 |
|          |        | १.२.३     | अनुगमन वार्षिक अर्धवार्षिक कार्ययोजना तयारी           | ५०                | ५५          | ६१          | ६७        | ७३          |                 |
|          |        | १.२.४     | करदातामैत्री राजश्व संकलन प्रणाली निर्माण अध्ययन      | ५०                | ५५          | ६१          | ६७        | ७३          |                 |
|          |        | १.२.५     | करदाता शिक्षा कार्यक्रम                               | १००               | ११०         | १२१         | १३३       | १४६         |                 |
|          |        | १.२.६     | राजश्व सुधार कार्ययोजना निर्माण                       | ५००               | ०           | ०           | ०         | ०           |                 |
|          |        | १.२.७     | ठूला करदाता सम्मान                                    | ५०                | ५५          | ६१          | ६७        | ७३          |                 |
|          |        | १.२.८     | व्यवसाय दर्ता छुट (लक्षित समुदाय) तथा अनुदान          | १००               | ११०         | १२१         | १३३       | १४६         |                 |
|          |        | १.२.९     | आन्तरिक आय वृद्धिका लागि करका दायरा र क्षेत्र विस्तार | १००               | ११०         | १२१         | १३३       | १४६         |                 |
|          |        | १.२.१०    | गाउँपालिकाको आयव्यय त्रैमासिक प्रकाशन                 | २००               | २२०         | २४२         | २६६       | २९३         |                 |
|          |        | १.२.११    | “कर तिरौँ गाउँ विकासमा योगदान गरौँ” कार्यक्रम सञ्चालन | १००               | ११०         | १२१         | १३३       | १४६         |                 |
|          |        | १.२.१२    | कर तिरौँ आफ्नै लागि भन्ने अभियान संचालन               | १००               | ११०         | १२१         | १३३       | १४६         |                 |
|          |        | १.२.१३    | कर दर निर्धारण पद्धती तथा असुलीमा नीतिगत स्पष्टता     | ५०                | ५५          | ६१          | ६७        | ७३          |                 |

#### ग) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ लक्षित समुदायलाई व्यवसाय दर्तामा छुट तथा अनुदान दिइएको हुनेछ।
- ✓ गाउँपालिकाको आय व्यय त्रैमासिक प्रकाशन गर्ने प्रणालीको विकास भएको हुनेछ।

## नतिजा सूचकहरू

| क्र.सं. | नतिजाको तह | नतिजा सूचक                                                                                                                                                               | इकाई    | आधार वर्ष | अन्तिम वर्ष |
|---------|------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----------|-------------|
| १.      |            | <b>तथ्याङ्क व्यवस्थापन राजश्व परिचालन</b>                                                                                                                                |         |           |             |
|         | प्रतिफल    | तथ्याङ्क व्यवस्थापन प्रणालीमा आबद्ध सूचना प्रणाली संख्या (शुत्र, योजना, दर्ता चलानी, घर नक्शा, विधुतीय हाजीरी, किसान सूचीकरण, एचएमआइएस, इएमआइएस, कोपोमास, राजश्व, पाम्स) | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | करदाता शिक्षा कार्यक्रम संख्या                                                                                                                                           | संख्या  |           |             |
|         | असर        | कूल बजेटमा आन्तरिक राजश्व वा करको हिस्सा (प्रतिशत) (१७.१.२) (प.दि.वि.ल.)                                                                                                 | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | कूल स्वीकृत बजेटको खर्च प्रतिशत (वार्षिक)                                                                                                                                | प्रतिशत |           |             |
|         | प्रतिफल    | दर्ता भएका व्यवसाय संख्या                                                                                                                                                | संख्या  |           |             |
|         | प्रतिफल    | राजश्व संकलन हुने शिर्षक संख्या                                                                                                                                          | संख्या  |           |             |
|         | असर        | कूल बजेटको अनुपातमा संघीय र प्रादेशिक सरकारबाट प्राप्त अनुदान प्रतिशत (१७.३.१.१) (प.दि.वि.ल.)                                                                            | प्रतिशत |           |             |
|         | असर        | कूल बजेटको अनुपातमा राजश्व बाँडफाँडबाट प्राप्त रकम प्रतिशत (१७.३.१.२) (प.दि.वि.ल.)                                                                                       | प्रतिशत |           |             |

## घ) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता तथा आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## परिच्छेद - ९: कार्यान्वयन व्यवस्था

### ९.१ पृष्ठभूमि

नेपाल सरकार, राष्ट्रिय योजना आयोगले तोकेको ढाँचा बमोजिम कुनै पनि स्थानीय सरकारले विकासका कार्यक्रमहरू तय गर्दा विशेषतः स्थानीय वस्तुगत अवस्थाको आधारमा स्थानीयवासीका आधारभूत आवश्यकताहरू जस्तै भौतिक पूर्वाधार, आर्थिक वृद्धि, सामाजिक विकास, वातावरणीय सन्तुलन तथा संस्थागत सेवा प्रवाहमा प्रत्यक्ष रूपमा सहयोग पुऱ्याई समग्र विकासलाई सन्तुलित र नतिजामुखी ढङ्गले कार्यान्वयन गर्न प्रभावकारी सिद्ध हुने गरी गर्नुपर्दछ।

### ९.२ विषयक्षेत्र अनुसार अनुमानित बजेट

| क्र.सं. | विषय क्षेत्र/उपक्षेत्र                               | रकम रु हजारमा           |                                 |                            |                            |                            |                            |
|---------|------------------------------------------------------|-------------------------|---------------------------------|----------------------------|----------------------------|----------------------------|----------------------------|
|         |                                                      | आ.व. २०८०/०८१ को यथार्थ | आ.व. २०८१/०८२ को संशोधित अनुमान | आ.व. २०८२/०८३ को प्रक्षेपण | आ.व. २०८३/०८४ को प्रक्षेपण | आ.व. २०८४/०८५ को प्रक्षेपण | आ.व. २०८५/०८६ को प्रक्षेपण |
| १.      | आर्थिक क्षेत्र                                       |                         | ६,२३,११                         | ६,८५,४२                    | ७,५३,९६                    | ८,२९,३६                    | ९,१२,३०                    |
|         | कृषि विकास तथा पशुविकास                              |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |
|         | सहकारी तथा रोजगारी प्रवर्द्धन                        |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |
|         | पर्यटन तथा उद्योग वाणिज्य                            |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |
| २.      | सामाजिक क्षेत्र                                      |                         | ३५,०५,०१                        | ३८,५५,५१                   | ४२,४१,०६                   | ४६,६५,१७                   | ५१,३१,६९                   |
|         | शिक्षा विकास                                         |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |
|         | स्वास्थ्य सेवा                                       |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |
|         | युवा तथा खेलकुद                                      |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |
|         | भाषा कला साहित्य संस्कृति                            |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |
|         | खानेपानी तथा सरसफाई                                  |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |
|         | लैङ्गिक समानता, महिला शसक्तिकरण र सामाजिक समावेशीकरण |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |
| ३.      | पूर्वाधार                                            |                         | २३,३६,६७                        | २५,७०,३४                   | २८,२७,३७                   | ३१,१०,११                   | ३४,२१,१२                   |
|         | शहरी पूर्वाधार, भू-उपयोग तथा बस्ती विकास             |                         |                                 |                            |                            |                            |                            |

| क्र.सं. | विषय क्षेत्र/उपक्षेत्र                           | रकम रु हजारमा                 |                                             |                                  |                                  |                                  |                                  |
|---------|--------------------------------------------------|-------------------------------|---------------------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|
|         |                                                  | आ.व.<br>२०८०/०८१<br>को यथार्थ | आ.व. को<br>२०८१/०८२<br>को संशोधित<br>अनुमान | आ.व.<br>२०८२/०८३<br>को प्रक्षेपण | आ.व.<br>२०८३/०८४<br>को प्रक्षेपण | आ.व.<br>२०८४/०८५<br>को प्रक्षेपण | आ.व.<br>२०८५/०८६<br>को प्रक्षेपण |
|         | सूचना तथा प्रविधि<br>एवं डिजिटल प्रणाली          |                               |                                             |                                  |                                  |                                  |                                  |
| ४.      | वन वातावरण तथा<br>विपद् व्यवस्थापन               |                               | १,२४,६२                                     | १३,७०,८४                         | १,५०,७९                          | १,६५,८७                          | १,८२,४६                          |
|         | वातावरण तथा<br>सरसफाई र हरियाली<br>प्रवर्द्धन    |                               |                                             |                                  |                                  |                                  |                                  |
|         | विपद् व्यवस्थापन/वन<br>वातावरण                   |                               |                                             |                                  |                                  |                                  |                                  |
| ५.      | संस्थागत विकास                                   |                               | ११,९९,४९                                    | १३,१९,४४                         | १४,५१,३८                         | १५,९६,५२                         | १७,५६,१७                         |
|         | राजश्व प्रशासन                                   |                               |                                             |                                  |                                  |                                  |                                  |
|         | कर्मचारी प्रशासन,<br>जनशक्ति विकास तथा<br>सुशासन |                               |                                             |                                  |                                  |                                  |                                  |
|         | सेवा प्रवाह र प्रशासन                            |                               |                                             |                                  |                                  |                                  |                                  |

### ९.३ स्रोत परिचालन रणनीति

स्थानीय सरकारका वित्तीय स्रोतहरू संघीय तथा प्रदेश सरकारबाट विभिन्न शिर्षकहरूमा प्राप्त हुने अनुदानहरू हुन् । यसका अलावा सहकारी, समुदाय र निजी क्षेत्रका साथै स्थानीयस्तरमा संकलन हुने राजश्व समेत वित्तीय स्रोतहरू हुन् । यसर्थ यी सम्पूर्ण स्रोतहरूको समुचित परिचालन मार्फत लक्ष्यहरू हासिल गर्न निम्न स्रोत परिचालन रणनीति तय गरिएको छ ।

१. सार्वजनिक, निजी, सहकारी साभेदारीको अवधारणा अवलम्बन गर्ने ।
२. वित्तीय संस्थाहरूसँग सहकार्य र समन्वय गर्ने ।
३. उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी अभिवृद्धि गर्ने ।
४. तीनै तहका सरकारहरुबिच सहकार्य गर्ने ।
५. निजी क्षेत्रको लगानी आकर्षण गर्ने नीति तय गर्ने ।
६. गैर आवासिय नेपालीको लगानी संकलन गरी विप्रेषणलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा केन्द्रित गर्ने ।
७. अनुत्पादक खर्चलाई कटौती गर्ने ।
८. तुलनात्मक लाभका क्षेत्रमा लगानी केन्द्रित गर्ने ।
९. पूर्ण रूपमा पूर्व तयारी पश्चात मात्र आयोजना तथा कार्यक्रम छनौट र बजेट विनियोजन गर्ने ।
१०. रकमान्तरलाई निरुत्साहित गर्ने ।
११. चालू खर्चको सिमा निर्धारण गरी पुँजीगत खर्च बृद्धि गर्ने ।
१२. स्थानीय गौरवका आयोजनाहरूको कार्यान्वयनलाई उच्च प्राथमिकतामा राख्ने र सोका लागि संघ र प्रदेश सरकारसँग सहकार्य गर्ने ।

सामान्यतया कुनैपनि कार्यक्रमलाई प्राथमिकताको आधारमा चार तहमा राखेर मूल्याङ्कन गर्न सकिन्छ ।

#### १. “अति उत्तम”- ३ अंक

“अति उत्तम” तह अन्तर्गत कार्यक्रमले तोकिएको लक्ष्य प्राप्त गर्न **प्रत्यक्ष र उल्लेखनीय** योगदान पुऱ्याउँछ । अर्थात् कुनैपनि स्थानमा आवागमनमा निकै कठिनता छ र सडकको स्तरोन्नति गर्ने कार्यक्रमले आवागमनलाई प्रत्यक्ष र उल्लेखनीय प्रभाव पार्दछ भने सो कार्यक्रम कार्यान्वयनका हिसाबले पहिलो प्राथमिकता तथा अति उत्तम वर्गमा पर्दछ । यस प्रकारका कार्यक्रममा सो शिर्षक अन्तर्गत विनियोजित बजेटको ५० प्रतिशत भन्दा बढी रकम पर्न आउँछ ।

#### २. “उत्तम”- २ अंक

“उत्तम” तह अन्तर्गत तोकिएको कार्यक्रमले तोकिएको लक्ष्य प्राप्त गर्न **अप्रत्यक्ष तर उल्लेखनीय** योगदान पुऱ्याउँछ । अर्थात् कुनैपनि स्थानमा धार्मिक तथा अन्धविश्वासले सामाजिक कुरीति र जटिलता सिर्जना गरेको छ भने विद्यालय खोली शिक्षाको विकास गर्दा सामाजिक जटिलता न्यून गर्न अप्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउँछ । यस प्रकारको कार्यक्रम प्राथमिकताको हिसाबले दोस्रो प्राथमिकतामा पर्दछ भने यसलाई उत्तम मानी २ अंक प्रदान गर्नुपर्दछ । यस प्रकारको कार्यक्रममा समेत सम्बन्धित शिर्षक मध्ये ५० प्रतिशत भन्दा बढी बजेट विनियोजन हुन्छ ।

#### ३. “सामान्य”- १ अंक

“सामान्य” तह अन्तर्गत तोकिएको कार्यक्रमले तोकिएको लक्ष्य प्राप्त गर्न **सामान्य वा कम** मात्र योगदान दिन्छ भने सो कार्यक्रममा विनियोजित रकम मध्ये ५० प्रतिशत भन्दा कम रकम मात्र छुट्याइन्छ । यस प्रकारको कार्यक्रम प्राथमिकताको आधारमा तेस्रो तहमा पर्दछ भने त्यसलाई १ अंक दिनुपर्दछ ।

#### ४. “न्यून”- ० अंक

“न्यून” तह अन्तर्गत तोकिएको कार्यक्रमले तोकिएको लक्ष्य प्राप्त गर्न **न्यून वा योगदान नै नपुऱ्याउने** हुन्छ । यस प्रकारको कार्यक्रम प्राथमिकतामा पर्दैन तसर्थ यसलाई शुन्य अंक प्रदान गरिन्छ ।

यसरी कार्यक्रम प्राथमिककरण गर्दा विषय क्षेत्रगत विकास कार्यक्रम तथा उपक्षेत्रहरूका प्रत्येक कार्यक्रमहरूको मूल्याङ्कन गरी चार तहमा विभाजन गर्न सकिन्छ । अर्थात् उदाहरणको लागि भौतिक पूर्वाधार अन्तर्गत कुनै निश्चित स्थानदेखि अर्को स्थान जोड्न सडकको स्तरोन्नति गर्दा सो सडकले स्थानीयवासीको तत्कालीन वा दीर्घकालीन प्रमुख समस्या वा मागलाई कुन तहबाट सम्बोधन गर्न सक्छ भनी मूल्याङ्कन गर्नुपर्दछ । त्यसो गर्दा सो कार्यक्रम

|                                 |                                        |
|---------------------------------|----------------------------------------|
| अति उत्तम भए → पहिलो प्राथमिकता | उत्तम भए → दोस्रो प्राथमिकता           |
| सामान्य भए → तेस्रो प्राथमिकता  | न्यून भए → प्राथमिकतामा नपर्ने हुन्छ । |

एवम रितले प्रत्येक विषयगत क्षेत्र र सो क्षेत्र अन्तर्गतका उपक्षेत्रका सम्पूर्ण कार्यक्रमहरूलाई तोकिएको लक्ष्य हासिल गर्न कस्तो प्रकारको योगदान पुऱ्याउँछ भनी मूल्याङ्कन गर्दा माथि उल्लेखित तहहरूमा विभाजन गरेर प्राथमिकता निर्धारण गर्नुपर्दछ । यसकासाथै अन्य आधारमा :

- (१) चालु वार्षिक योजनाको फराकिलो आधारको समावेशी आर्थिक उद्देश्य वृद्धिको लक्ष्य प्राप्तमा कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?
- (२) दिगो विकासका लक्ष्यहरू हासिल गर्न कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?
- (३) जनसहभागिता सुनिश्चित गर्न कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?
- (४) समावेशीकरणमा कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?

(५) यदि सञ्चालित आयोजनाहरू छन् भने पूर्व कार्य प्रगति, सम्पन्न हुन लाग्ने समय वा कार्यान्वयन तयारीको अवस्था हेरी कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?

यसरी यी प्रश्नहरूले गर्दा कस्तो उत्तर आउँछ सोको आधारमा कार्यक्रमलाई माथि उल्लेखित

“अति उत्तम”

“उत्तम”

“सामान्य” र

“न्यून” तहमा विभाजन गरी प्राथमिकता निर्धारण गर्न सकिन्छ साथै स्थानीय विकास गुरुयोजनाको मूल लक्ष्य स्थानीयवासीका आधारभूत आवश्यकता सम्बोधन गरी क्रमशः उच्च विकासतर्फ लम्कनुपर्ने भएकाले कार्यक्रम तय गर्दा वडास्तरमा निम्न बमोजिम गर्नुपर्दछ ।

#### **वडा तहका योजना छनौट तथा प्राथमिकीकरण**

बस्ती तथा टोल स्तरमा कार्यक्रम बारे छलफल गर्दा दिगो विकास लक्ष्य प्राप्त गर्न मद्दत गर्ने कार्यक्रमबारे छलफल गर्नु पर्दछ । वडा तहअन्तर्गतका बस्ती र टोलस्तरको आयोजनाहरू छनौट गर्दा निम्नलिखित प्रक्रिया अवलम्बन गर्नुपर्ने हुन्छ ।

- (क) वडा समितिले आफ्नो वडामा प्रतिनिधित्व गर्ने सदस्यहरूलाई विभिन्न बस्ती/टोलको योजना तर्जुमा गर्न सहजीकरण गर्नेगरी जिम्मेवारी प्रदान गर्नुपर्ने हुन्छ ।
- (ख) प्रत्येक वडाले वडा भित्रका बस्ती र टोलहरूमा योजना तर्जुमाको लागि बैठक हुने दिन, मिति र समय कम्तिमा तीन दिन अगावै सार्वजनिक सूचनामार्फत् जानकारी गराउनुपर्नेछ ।
- (ग) नगरपालिका/गाउँपालिका अन्तर्गतका वडाअन्तर्गत रहेका बस्ती/टोलको भेलामार्फत् बस्ती/टोलस्तरका आयोजना तथा कार्यक्रम छनौट गर्ने बस्ती तथा टोलस्तरमा आयोजना छनौट गर्दा समुदायको आवश्यकता पहिचान गरी आयोजना/कार्यक्रम छनौट गर्नुपर्ने हुन्छ ।
- (घ) बस्ती/टोल स्तरका योजना छनौट गर्दा सो बस्ती भित्रका सबै वर्ग र समुदाय, महिला, दलित, आदिवासी जनजाति, मधेशी, थारु, मुस्लिम, उत्पीडित वर्ग, पिछडा वर्ग, अल्पसंख्यक, सिमान्तकृत, युवा, बालबालिका, जेष्ठ नागरिक, लैङ्गिक तथा यौनिक अल्पसंख्यक, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, पिछडिएको वर्ग आदि लगायत सबै समुदायको अर्थपूर्ण सहभागिताको सुनिश्चित गर्नुपर्ने हुन्छ ।
- (ङ) बस्ती/टोल भित्रका क्रियाशील सामुदायिक संस्थाहरू (टोल विकास संस्था, महिला/आमा समूह, बाल क्लव र सञ्जाल, युवा क्लव, स्थानीय गैर सरकारी संस्थाहरू, नागरिक सचेतना केन्द्र, विभिन्न सरकारी कार्यालयबाट गठन भएका समूहजस्ता समूहहरूलाई पनि सहभागी गराउनुपर्ने हुन्छ ।

माथि उल्लेख भए बमोजिमका सरोकारवालाहरूको अधिकतम सहभागिता हुने गरी वडा अध्यक्ष र सदस्यको संयोजनमा निर्धारित समय, मिति र स्थानमा उपस्थित भै आयोजना छनौटको सम्बन्धमा अन्तरक्रिया, छलफल, विमर्श गरी आयोजनाहरूको छनौट गर्नुपर्नेछ । यसरी बस्तीस्तरमा छनौट भएका आयोजना/कार्यक्रमहरूको सूची संयोजकले लिखित रूपमा तयार गरि वडा समितिमा पेश गर्नुपर्ने हुन्छ ।

वडा समितिहरूले टोल/बस्तीस्तरबाट प्राप्त आयोजना र कार्यक्रमहरूलाई विषय क्षेत्र अनुसार समूहकृत गरिन्छ । स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समितिबाट प्राप्त बजेट सीमा र मार्गदर्शनको आधारमा सम्बन्धित वडाहरूले बस्ती टोलबाट प्राप्त योजनाहरू मध्येबाट वडाको लागि प्राप्त बजेट सीमाको अधीनमा रही योजनाहरूको छनौट र प्राथमिकता निर्धारण समेत गरी अनुसूची-४ बमोजिमको ढाँचामा बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिमा पेश गर्नुपर्ने हुन्छ ।

बस्ती टोलबाट योजना माग गर्दा वडास्तरका महत्वपूर्ण योजनाहरू छुट भएको अवस्थामा वडा समितिले त्यस्ता योजनाहरू वडा समितिको बजेट सीमाभित्र रही औचित्यको आधारमा समावेश गर्न सक्नेछ । वडाको बजेट सीमाभित्र

कार्यान्वयन हुन नसक्ने गाउँपालिकास्तरीय महत्वपूर्ण आयोजनाहरू भएमा वडा समितिले गाउँपालिकामा छुट्टै सूची पठाउन सक्नेछ ।

वडा समितिले आयोजनाहरूको प्राथमिकीकरण गर्दा स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समितिले तोकेको आधारहरू र दिगो विकास लक्ष्य प्राप्त गर्ने कार्यक्रमलाई विशेष ध्यान दिनुपर्ने हुन्छ । यसरी छनौट भएका योजनाहरूको प्राथमिकीकरणका साथ गाउँपालिकामा पठाउनुपर्ने हुन्छ ।

## १.४ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन योजना

### १.४.१ अनुगमन

विकास योजनाको कार्यान्वयन समयमै सम्पन्न गर्न र आयोजनाको लक्ष्य, उद्देश्य प्राप्त गर्न विकास आयोजनाको प्रभावकारी अनुगमन आवश्यक पर्दछ । योजना, नीति, तथा कार्यक्रम हरूमा लगानी तथा साधनको प्रवाह समुचित ढंगले भएको छ, छैन र कार्यतालिकाअनुसार क्रियाकलापहरूको कार्यान्वयन भई लक्षित प्रतिफल प्राप्त हुने स्थिति छ, छैन भनी विभिन्न तहमा व्यवस्थापन वा व्यवस्थापनले तोकेको व्यक्ति तथा निकायबाट निरन्तर र आवधिक रूपमा निगरानी राख्ने कार्य अनुगमन हो । कुनैपनि कार्यक्रम आयोजनाको पहिचानको चरणदेखि कार्यान्वयन सम्पन्न भई सञ्चालन अवधिमा समेत अनुगमन गरिरहनुपर्छ । यसरी विभिन्न चरणमा गरिने अनुगमनबाट प्राप्त भएका नतिजा, सुझाव तथा सल्लाहलाई पृष्ठपोषणको रूपमा लिई आवश्यकता अनुरूप सुधार गर्दै जानुपर्ने हुन्छ ।

यसो भएमा मात्र विकास आयोजनाले गति लिई समयमै सम्पन्न गर्न मद्दत पुग्न जानेछ र विकासको लक्ष्य हासिल गर्न सकिने छ ।

#### अनुगमन २ प्रकारले गर्न सकिने छ :

१. आयोजना स्थलमै गएर योजनाको क्रियाकलाप बारेमा जानकारी लिने गरी गरिने अनुगमन ।
२. आयोजनाको क्रियाकलापको प्रगति विवरण माग्ने र प्राप्त गरी गरिने अनुगमन ।

तर दुवै प्रकारका अनुगमनमा देखिएका समस्याको समाधान गर्न तत्कालै आवश्यक कदम चल्नु पर्दछ नत्र अनुगमनको कुनै औचित्य रहदैन ।

अनुगमनका क्रममा योजना, नीति, कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूमा निम्न कुराहरूको विश्लेषण गरिन्छ ।

- स्रोतसाधनको प्राप्त र प्रयोग स्वीकृत बजेट र समय तालिकाअनुसार भए नभएको
- अपेक्षित प्रतिफलहरू समयमै र लागत प्रभावकारी रूपमा हासिल भए नभएको
- कार्यान्वयन क्षमता के कस्ता छन् ?
- के कस्ता समस्या र बाधा व्यवधानहरू देखिएका छन् र तिनको समाधानका निम्ति के-कस्ता उपायहरू अवलम्बन गर्नुपर्छ ?

अनुगमनका क्रममा उपर्युक्त पक्षहरूको बारेमा नियमित, व्यवस्थित र समयबद्ध रूपमा तथ्याङ्क विवरणहरू सङ्कलन, प्रशोधन र प्रतिवेदन गर्ने कार्य गरिन्छ । यसबाट समयमै समस्या पहिचान गरी समाधान गर्न महत्वपूर्ण सहयोग पुग्दछ । अनुगमनका लागि कार्यान्वयन योजना, आयोजना विवरण तालिका, जिम्मेवारी तालिका आदि दस्तावेजको उपयोग गरिन्छ ।

### अनुगमन प्रणालीको छनौट तथा निर्धारण

अनुगमन प्रणाली प्रचलित सोच तालिका (Log Frame) का आधारमा स्थापित गर्न सकिन्छ। स्थानीय तहले आफ्नो विशिष्टता र प्राविधिक क्षमताका आधारमा यस्तो विधि अपनाउन सक्छन्। यस्तो विस्तृत विधि राष्ट्रिय योजना आयोगबाट प्रवर्द्धित **राष्ट्रिय अनुगमन तथा मूल्याङ्कन दिग्दर्शनमा** हेर्न सकिन्छ।

स्थानीय तहले आफ्नो आवश्यकता र उपलब्ध वस्तुगत तथ्याङ्कको आधारमा मौलिक रूपमा अनुगमन प्रणाली अवलम्बन गर्न सक्दछन्। साथै स्थानीय तहको तथ्याङ्क व्यवस्थापन र प्रयोगका लागि राष्ट्रिय प्रणालीसँग आवद्ध हुने खालको अनुगमन सूचना प्रणाली स्थापना गर्नुपर्ने हुन्छ।

अनुगमन योजना बनाउँदा राष्ट्रिय सरोकारका विषय, मानव विकास सूचकाङ्क, दिगो विकास लक्ष्यका सूचकहरूलाई स्थानीय तहले आफ्नो अधिकार क्षेत्रका विषयमा योगदान गर्ने सूचकहरू स्थापित गरी अनुगमन गर्ने र सोको प्रतिवेदन गर्नुपर्ने हुन्छ।

स्थानीय तहको आफ्नो क्षेत्रभित्र क्रियाशील गैरसरकारी संघसंस्था, उपभोक्ता समिति, सहकारी संस्था लगायतका सामाजिक तथा सामुदायिक संघ संस्थाले स्थानीय तहसँगको समन्वयमा रही कार्य गर्नुपर्ने र स्थानीय तहको अनुगमन प्रणालीमा त्यस्ता कार्यहरूको पनि अनुगमन गर्ने व्यवस्था मिलाउनु गर्नुपर्ने हुन्छ।

### अनुगमन तह

आवधिक योजनाको लक्ष्य, उद्देश्य र कार्यक्रम तहमा गरिने अनुगमन पद्धति तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ।

### आवधिक योजनाको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रक्रिया

| कुन तहमा अनुगमन गर्ने | के अनुगमन गर्ने                                                                                           | कहिले र कस्ले अनुगमन गर्ने                                                                                                                                                        | कुन तहको सूचक राख्ने                                                                                        | मापन गर्ने आधार                                                                                                                                                                         |
|-----------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| लक्ष्य                | परेको प्रभाव                                                                                              | <ul style="list-style-type: none"> <li>कार्यपालिकाद्वारा नियुक्त स्वतन्त्र संस्था वा विज्ञले आवधिक योजनाको अन्त्यमा</li> <li>कार्यपालिकाद्वारा आवधिक योजनाको मध्यकालमा</li> </ul> | <ul style="list-style-type: none"> <li>प्रभाव तहको</li> <li>असर तहको</li> <li>जनभावनामा परिवर्तन</li> </ul> | <ul style="list-style-type: none"> <li>संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको वार्षिक अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रतिवेदनहरू</li> <li>स्थलगत अनुगमन</li> <li>वार्षिक कार्य योजनाहरूको प्रगति</li> </ul> |
| परिणाम                | देखिने असर <ul style="list-style-type: none"> <li>उत्पादकत्वमा परिवर्तन</li> <li>सडक पहुँच आदि</li> </ul> | <ul style="list-style-type: none"> <li>कार्यपालिका र गाउँ/नगर कार्यपालिकाद्वारा गठित अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समिति</li> <li>वार्षिक</li> </ul>                                     | <ul style="list-style-type: none"> <li>परिणाम तहको</li> <li>प्रतिशत वृद्धि</li> </ul>                       | <ul style="list-style-type: none"> <li>सहभागितामूलक</li> <li>नतिजामूलक अनुगमन खाकाअनुसार</li> <li>नमूना सर्वेक्षण गर्ने</li> </ul>                                                      |
| योजना                 | निर्मित परिणामहरू <ul style="list-style-type: none"> <li>कक्षा सञ्चालन</li> </ul>                         | <ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँ र नगर कार्यपालिकाद्वारा गठित अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समिति,</li> </ul>                                                                 | <ul style="list-style-type: none"> <li>परिणाम तहको</li> <li>सङ्ख्यात्मक वृद्धि</li> </ul>                   | <ul style="list-style-type: none"> <li>नतिजामूलक अनुगमन खाकाअनुसार</li> <li>स्थलगत अनुगमन</li> </ul>                                                                                    |

| कुन तहमा अनुगमन गर्ने | के अनुगमन गर्ने                                                                                                              | कहिले र कस्ले अनुगमन गर्ने                                                                                        | कुन तहको सूचक राख्ने | मापन गर्ने आधार                                                                                            |
|-----------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|                       | <ul style="list-style-type: none"> <li>उत्पादन परिमाण</li> <li>सडक विस्तार</li> <li>स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण</li> </ul> | शाखा कार्यालयहरू र प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत ।<br><ul style="list-style-type: none"> <li>चौमासिक/वार्षिक</li> </ul> |                      | <ul style="list-style-type: none"> <li>सार्वजनिक परीक्षण, सामाजिक परीक्षण तथा सार्वजनिक सुनुवाई</li> </ul> |

#### लक्ष्य तह

| लक्ष्य                                                                                                                                                                                                                           | सूचक                                                                                                                                                                                                                                     | आधार वर्ष | परिवर्तन |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------|----------|
| “शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाको समुचित विकास गरी समुदायको आर्थिक अवस्थामा सुधार ल्याउने ।”<br>“उद्योग र व्यापार फस्टाउन आवश्यक पूर्वाधारका लागि भू-उपयोग योजना गर्दै समुदायको सहभागितामा गाउँ/नगर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ बनाउने । ” | <ul style="list-style-type: none"> <li>स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्रहरूमा प्राथमिक स्वास्थ्यजन्य रोगीको संख्यामा कमी</li> <li>भू-उपयोग योजना तयारी एवम् कार्यान्वयन आरम्भ</li> <li>लगानीका योजना संख्यामा आएको सकारात्मक परिवर्तन</li> </ul> |           |          |

#### योजना तह

| परिणाम तह                          | सूचक                                                                                                                                                                | आधार वर्ष | परिवर्तन |
|------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------|----------|
| शहरी शैक्षिक सुधार योजना           | <ul style="list-style-type: none"> <li>प्राथमिक तहमा भर्ना दरमा वृद्धि</li> <li>फोहोरमैला वर्गीकरण लागु</li> <li>निर्वाचनमा बदर मतको संख्यामा कमी</li> </ul>        |           |          |
| मासुजन्य पदार्थ उपभोग वृद्धि योजना | <ul style="list-style-type: none"> <li>तरकार, अन्डा र मासुको स्थानीय बजारमा विक्री वृद्धि</li> <li>कुखुरा व्यवसाय संख्या वृद्धि मासुजन्य जीव आयात वृद्धि</li> </ul> |           |          |

#### ९.४.२ मूल्याङ्कन

योजनाको कार्यान्वयनबाट लक्षित उद्देश्य प्राप्त भयो भएन र योजनाको कार्यान्वयनबाट योजनाबाट फाईदा पाउने अपेक्षित जनताले उपर्युक्त रूपमा फाईदा पायो पाएन भनेर गरिने अध्ययन विश्लेषणलाई योजनाको मूल्याङ्कन भनिन्छ । आवधिक योजना विभिन्न आयोजनाहरूको समष्टि पनि हो त्यसैले यो आफैमा एक बृहत कार्यक्रम समेत हो । यस मध्यमकालीन योजनाको मध्यावधि र पूर्ण अवधिको मूल्याङ्कन गर्नुपर्ने हुन्छ । यसको लागि स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ को दफा ९४ अनुसार गाउँपालिका तथा नगरपालिकाले योजनाको मूल्याङ्कन गर्ने व्यवस्था गरेको छ ।

योजनाको मध्यमकालीन अवधिमा मूल्याङ्कन गर्दा निम्न कुरालाई ध्यानमा राखी मूल्याङ्कन विश्लेषण गर्नुपर्ने हुन्छ :

- लक्ष्य र उद्देश्य हासिल गर्न उन्मुख रहे/नरहेको
- लगानी योजना अनुरूप वार्षिक लगानीहरू निर्देशित रहे/नरहेको
- उपलब्धिका लागि लक्ष्य लगायत कार्यक्रमहरूको परिमार्जन गर्नुपर्ने आवश्यकता रहे, नरहेको आदि ।

योजना अवधिको अन्त्यमा निर्धारित परिमाणात्मक तथा गुणात्मक लक्ष्य प्राप्तिको मूल्याङ्कन अन्तिम रूपमा तेश्रो पक्षबाट गर्नु/गराउनुपर्ने हुन्छ । अनुगमन तथा मूल्याङ्कन र तर्कपूर्ण खाका सम्बन्धी विस्तृत व्यवस्थापनका लागि मार्गदर्शन राष्ट्रिय योजना आयोगबाट जारी गरिएको **अनुगमन तथा मूल्याङ्कन दिग्दर्शन**लाई पनि उपयोग गर्न सकिने छ ।

## सन्दर्भ सामाग्री

- ✓ अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४, (परिच्छेद २: राजस्वको अधिकार; परिच्छेद ३: राजश्वको बाँडफाँट; परिच्छेद ४: अनुदानको अवस्था; परिच्छेद ५, वैदेशिक सहायता र आन्तरिक ऋण; परिच्छेद ६: सार्वजनिक खर्च व्यवस्था; परिच्छेद ७: राजश्व र व्ययको अनुमान; परिच्छेद ८: वित्तीय अनुशासन, श्रोत [www.mof.gov.np](http://www.mof.gov.np)
- ✓ आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ तथा तत्सम्बन्धी नियमावली २०७७।
- ✓ केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग। २०६८। राष्ट्रिय जनगणना, २०६८ : प्रारम्भिक नतिजा। काठमाडौं : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग।
- ✓ केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग। २०६८। राष्ट्रिय जनगणना, २०६८ : एक परिचय। काठमाडौं : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग।
- ✓ केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग। २०७८। जनगणनाको ११० वर (१९६८-२०७८) राष्ट्रिय जनगणना २०७८ : लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशी सन्दर्भ पुस्तिका। काठमाडौं : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग।
- ✓ केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग। २०६८। नेपाल जीवनस्तर सर्भे। केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग।
- ✓ गाउँपालिका तथा नगरपालिकाको योजना तथा बजेट तर्जुमा हातेपुस्तिका (२०७७) संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय।
- ✓ दिगो विकास लक्ष्य स्थानीयकरण स्रोत पुस्तिका, नेपाल सरकार, राष्ट्रिय योजना आयोग, २०७७।
- ✓ नेपालको संविधान (भाग ३: मौलिक हक र कर्तव्य, धारा १८-४८; भाग ४: राज्यका निर्देशक सिद्धान्त, नीति र दायित्व, धारा ४९, ५०, ५१ र ५२; भाग ५: राज्यको संरचना र राज्यशक्तिको बाँडफाँट; भाग १७: स्थानीय कार्यपालिका, धारा २१४-२२०; भाग १८: स्थानीय व्यवस्थापिका, धारा २२१-२२७, भाग १८: स्थानीय तहको आर्थिक कार्यविधि, धारा २२८-२३०; भाग २०: संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको अन्तरसम्बन्ध, धारा २३१-२३७) श्रोत: [www.lawcommission.gov.np](http://www.lawcommission.gov.np)
- ✓ नेपालको दीगो विकासको सोच, पन्ध्रौं योजना तथा दीगो विकासको लक्ष्य, श्रोत: [www.npc.gov.np](http://www.npc.gov.np) .
- ✓ नेपालमा दिगो विकासको लक्ष्यको अवस्था तथा मार्गचित्र : २०१६-२०३०, नेपाल सरकार, राष्ट्रिय योजना आयोग, ई.सं. २०१७।
- ✓ नगरपालिकाको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन (नमूना), २०७७, नेपाल नगरपालिका संघ, लाजिम्पाट, काठमाडौं।
- ✓ वातावरणमैत्री स्थानीय शासन प्रारूप, २०७८ नेपाल सरकार, संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, सिंहदरबार, काठमाडौं नेपाल।
- ✓ स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन (२०७७), प्रदेश नीति तथा योजना आयोग, गण्डकी प्रदेश, पोखरा।
- ✓ स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ (परिच्छेद ६ दफा २४ र २५, परिच्छेद ९ दफा ५४ देखि ६८ र परिच्छेद १० दफा ६९ देखि ८०) श्रोत: [www.mofjga.gov.np/www.lawcommission.gov.np](http://www.mofjga.gov.np/www.lawcommission.gov.np) .
- ✓ स्थानीय तहको वार्षिक योजना तथा बजेट तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७४ (परिमार्जित), संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, सिंहदरबार, काठमाडौं।
- ✓ स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७५ राष्ट्रिय योजना आयोग, श्रोत: [www.npc.gov.np](http://www.npc.gov.np) .

- ✓ स्थानीय तह संस्थागत क्षमता स्व:मूल्याङ्कन कार्यविधि, २०७७, नेपाल सरकार, संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, सिंहदरबार, काठमाडौं नेपाल ।
- ✓ स्थानीय तह वित्तीय सुशासन जोखिम मूल्याङ्कन कार्यविधि, २०७७, नेपाल सरकार, संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, सिंहदरबार, काठमाडौं नेपाल ।
- ✓ Census report- population monograph of Nepal \_ Volume-I (pjge no. 282)  
[https://cbs.gov.np/province-level-output-tables/\(GP\\_Indv\\_Table02-](https://cbs.gov.np/province-level-output-tables/(GP_Indv_Table02-) Pjge no.-66)
- ✓ [https://cbs.gov.np/province-level-output-tables/\(GP\\_Hhld\\_Table10-](https://cbs.gov.np/province-level-output-tables/(GP_Hhld_Table10-) pjges no.-11)

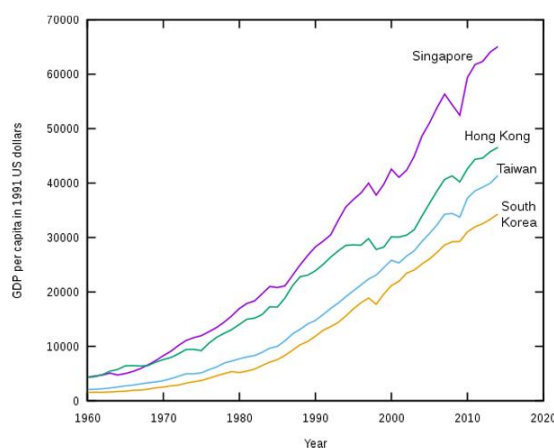
## अनुसूचीहरू

### अनुसूचि - १: विश्वका केही विकास मोडलहरूको तुलनात्मक अध्ययन

विश्वका विभिन्न राष्ट्रहरूको तुलनात्मक अध्ययन गर्दा दोस्रो विश्वयुद्धपछि मात्र धेरै देशले एउटै पुस्तामा नाटकीय आर्थिक उपलब्धि हासिल गरेको पाइन्छ। माइकल स्पेंस नामका नोबेल पुरस्कार विजेताको अध्यक्षतामा गठित एउटा चर्चित (Growth Commission Report) ग्रोथ कमिसन रिपोर्टमा १३ देशलाई उच्च सफलताको कोटीमा राखिएको छ। ती देशहरू – जापान, कोरिया, थाइल्यान्ड, मलेशिया, इन्डोनेसिया, सिंगापुर, ताइवान, चीन, हंगकंग, ब्राजिल, ओमान, माल्टा र बोस्टसवाना हुन्। यी मध्ये ९ देश एसियामै छन्। ती मुलुकले २५ वर्षसम्म ७ प्रतिशत भन्दा माथिको आर्थिक वृद्धि दर हासिल गरे। दिगो र उच्च आर्थिक वृद्धिदरले यी राष्ट्रहरूलाई आर्थिक रूपले निकै माथि उठायो। यी राष्ट्रहरूको अनुभवले के देखाउँछ भने, विकासको उच्च स्तर प्राप्तिका लागि ७ प्रतिशत आर्थिक वृद्धिदरले करिब १० वर्षसम्म निरन्तरता पाउने हो भने जीडीपी दुई गुना हुन्छ र यो २५ वर्ष सम्म निरन्तर गन्यो भने एक पुस्तामै आर्थिक कायापलट हुन जान्छ। सफल यी १३ देशका पछाडि ५ साझा कुरा छन् : त्यहाँको नेतृत्व र प्रशासन विकासप्रति प्रतिबद्ध थियो, निजी क्षेत्रलाई विश्व आर्थिक मञ्चमै व्यापार गर्न उत्तारियो, समष्टिगत आर्थिक स्थिरता कायम गरियो, उत्पादनशील साधन र स्रोतको बाँडफाँडको जिम्मा बजार अर्थतन्त्रलाई दिइयो र आन्तरिक लगानीका लागी नागरिक तहमा ठूलो बचत गराइयो (वाग्ले, २०१५)। संघीय शासन प्रणालीको शुरुआत पछि नेपालले द्रुततर आर्थिक विकासमा जोड दिएको छ। नेपालको नव निर्माण र द्रुततर विकासका लागि यी राष्ट्रहरूको अनुभव उपयोगी हुने भएकाले छोटो अवधिमा उच्चतम विकास हासिल गरेका केहि राष्ट्रको विकासको अनुभवलाई यहाँ उल्लेख गरिएको छ।

#### (क) एसियन टाइगर्स (Asian Tigers)

सन् १९६० को दशकको सुरुसम्म दक्षिण कोरिया, सिङ्गापुर, ताइवान र हङ्कङ अविक्सित क्षेत्रको रूपमा थिए। यी मध्ये दक्षिण कोरिया र सिङ्गापुर सार्वभौम राष्ट्र हुन्। हङ्कङ पहिले बेलायतको र हाल चीनको शासन अन्तर्गत रहेको छ तर यस भूभागलाई केही हदसम्म राजनीतिक स्वायत्तता प्राप्त छ। ताइवान भने चीनमा सन् १९४९ मा सकिएको कम्युनिस्ट र कोमिन्ताङ पार्टीबीचको गृहयुद्धमा पराजित भएर भागेको पक्षले शासन गर्न थालेपछि तत्कालीन चीनको नियन्त्रणबाट अलग भएको भू-भाग हो। बेइजिङ र ताइवानमा रहेका सरकार दुवैले आफूमा १९४९ अघिको चीनको स्वामित्व रहेको दावी गर्छन्। तर यी चार देशहरूले लगभग पचास वर्ष भित्र इतिहासमा कमै देखिने एकै पुस्तामा तेस्रो विश्ववाट पहिलो विश्वमा आर्थिक विकासको लामो फड्को मारेको इतिहास छ।



यी चार एसियाली टाइगर्सको विकासलाई बुझाउन माथिको चित्र उपयोगी हुन सक्छ जस्तै यो क्षेत्रको आर्थिक विकासको चरित्रलाई बुझ्न र यिनीहरूले अवलम्बन गरेको विकास मोडेलको सामान्य जानकारी लिन केही हदसम्म

सघाउ पुऱ्याउँदछ । भनिन्छ, आर्थिक विकासको मोडेलका प्रकारहरू विकास अर्थशास्त्रीहरूको संख्या जति नै छन तर पनि यसलाई मूलतः रूपमा निम्न तीन समुहमा वर्गीकरण गरि विभाजन गर्न सकिन्छ : बजार निर्देशित, हस्तक्षेपकारी र राज्य नियन्त्रित विकास मोडेल । विभिन्न राष्ट्रहरूले यी तीन मोडेल वा आफ्नो देशको विशिष्ट परिस्थिति अनुकूल फरक प्रकारको विकास मोडेलको निर्माण गरि अघि बढिरहेका छन् ।

## (ख) दक्षिण कोरिया

दोस्रो विश्व युद्ध पछि सन् १९४५ मा दक्षिण कोरिया जापानको शासनबाट स्वतन्त्र भयो । तर केही समयपछि नै ऊ अमेरिकाको नियन्त्रणमा आयो । त्यही समयमा भएको कोरियाली गृहयुद्धले यसको अवस्था अत्यन्त दयनीय अवस्थामा पुऱ्यायो । तीन वर्ष सम्म चलेको उक्त गृहयुद्धले दक्षिण कोरियाको तत्कालीन उत्पादन क्षेत्रको दुई तिहाई हिस्सा नष्ट गराएको थियो । त्यो अवस्थादेखि हालको जी २० सम्मको दक्षिण कोरियाको उदय र विकासलाई मुख्यतः चार चरणमा वर्गीकरण गर्न सकिन्छ ।

दक्षिण कोरियाको विकासको सुरुवात त्यहाको प्रथम राष्ट्रपतिको कार्यकालबाट सुरु भएर पार्कको शासनको प्रारम्भसम्म भएको मान्न सकिन्छ । विकासको पहिलो चरणमा युद्धको विनाशबाट उठ्नका लागि केही विशेष कार्यक्रमहरूको छनौट गरिएको थियो । त्यो समयमा यहाको कुल राष्ट्रिय उत्पादनको १५.९५ प्रतिशत हिस्सा अमेरिकी सहायताले ओगट्ने गर्दथ्यो । यो हिस्सा सबैभन्दा उच्च सन् १९५७ मा २२.९५ प्रतिशत सम्म पुगेको थियो । यो समयमा कोरियाको विकास एकदमै धेरै मात्रामा अमेरिकी सहायतामा निर्भर थियो । यो अवधिमा सरकारले मजदुर सङ्गठनमाथि निषेध गर्नुका साथै उग्र कम्युनिस्ट विरोधी कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्दै मजदुरहरूको ज्यालादर सस्तो बनाउने नीति अख्तियार गर्यो जसले औद्योगिक लगानीकर्तालाई प्रोत्साहित गर्‍यो र तिब्रतर आर्थिक वृद्धिमा सहयोग पुऱ्यायो ।

पार्क चुङ्ग हिले सन् १९६१ मा कू गरे पछिको अवधिलाई दोस्रो चरणको सीमा मान्न सकिन्छ । यो चरण सामान्य खालको उद्योगको विस्तार र निर्यात केन्द्रित उद्योगको विकासमा केन्द्रित थियो । युद्धबाट तडिग्रिएको र अमेरिकी सहायता माथिको निर्भरता निक्कै कम भइसकेको यस अवस्थामा कोरियाली अर्थतन्त्रले आफ्नो सस्तो श्रमको उपभोग गरेर हल्का औद्योगिक सामग्री उत्पादन गर्न थाल्यो । यही अवधिमा दक्षिण कोरियाले बजार निर्देशित र अभि हस्तक्षेपकारी आर्थिक मोडेल छाडेर राज्य नियन्त्रित विकास मोडेल प्रयोग गर्न थालेको थियो । सन् १९६२ मा कोरिया सरकारले पहिलो पञ्च वर्षीय आर्थिक विकास योजना अगाडि सार्‍यो जसले लगानी बढाउने, औद्योगिक संरचना निर्माण गर्ने र व्यापार सन्तुलन कायम गर्ने जस्ता स्पष्ट रूपमा बृहत् अर्थशास्त्रीय विकास लक्ष्यहरू अगाडि सारियो जसले त्यहाँको अर्थतन्त्रमा आमूल सुधार ल्याउनुका साथै विकास प्रक्रियामा तिब्रता लियो ।

राष्ट्रपति पार्कका विभिन्न आर्थिक रणनीतिहरू मध्ये 'सेमाउल उन्दोड' एक अत्यन्त सफल कार्यक्रम हो । गाउँको विकास भए मात्र देशको विकास हुन्छ भन्ने मान्यता राख्ने यो अभियानको मुख्य लक्ष्य गरिव जनतालाई धनी बनाउनु र गाउँको समग्र विकास गर्नु थियो । कोरियन भाषामा 'से' 'नयाँ', 'माउल' 'गाउँ' र 'उन्दोड' भन्नाले 'अभियान' भन्ने बुझिन्छ । अथवा 'सेमाउल उन्दोड' भन्नाले नयाँ सामुदायिक अभियान भन्ने बुझिन्छ । यो अभियानको प्रवर्तक समाज सुधारक किम योङ की हुन् । उनले सन् १९६२ देखि यो अभियान सञ्चालन गर्दै आएका थिए । किमले 'काम नगर्ने भए खाना नै नखाउ' भन्ने नाराका साथ यो अभियान सञ्चालन गरेका थिए । सेमाउल उन्दोड सुख एवम् समृद्धिका लागि सञ्चालन गरिएको एक अभियान हो जस्तै गरिवी निवारण गर्ने, सबैले राम्रो शिक्षा, खाना र लुगा लगाउन पाउने र सुरक्षित तथा सुविधाजनक घरमा बस्न पाउन भन्ने उद्देश्य राखेको थियो ।

किमको यो अभियानले 'ग्रामीण जनतालाई आत्मनिर्भर बनाउने र देशको विकासमा टेवा पुऱ्याउँछ' भन्ने बुझ्नेका दूरदर्शी सैनिक शासक पार्कजुङ हिले सबै जनतालाई यो अभियानमा सामेल हुन अह्वान गरे । उनले सन् १९७० अप्रिल २२ मा यो अभियानलाई सरकारी रणनीतिको रूपमा मान्यता दिए । सरकारी कार्यक्रमको मान्यता पाए पछि यो कार्यक्रमले नयाँ सामुदायिक अभियान सहित सहयोग र आत्मनिर्भरताको भावनाका साथ हाम्रो गाउँको सुधार र

आधुनिकीकरण हामी आफैं गर्न सक्छौं भन्ने भावनालाई आत्मसात गर्दछ। कोरियालि सरकारले अभियानलाई कार्यान्वयनमा ल्याउँदै उन्नत गाउँ निर्माणको निम्ति 'दश परियोजना' को कार्यसम्पादन निर्देशिका जारी गरेर ३३ हजार २ सय ६७ गाउँमा लागु गर्दै सामुदायिक विकासका लागि जिन्सी सहायता दिन शुरू गरेको थियो। जसअन्तर्गत, सरकारले हरेक गाउँमा ३ सय ५५ बोरा सिमेन्ट र ५ सय केजी रड बाँड्न शुरू गर्‍यो। अर्कोतिर सरकारी कर्मचारी, विचारक, सामुदायिक अभियानका र निजी क्षेत्रका अगुवालाई तालिमको व्यवस्था गर्‍यो। कर्मचारीलाई भ्रष्टाचारी भावनाबाट टाढा रहन 'सुनलाई ढुंगा जस्तै देख' लेखिएको 'हरियो टाई' वितरण गरिएको थियो। यो अभियानले नागरिकलाई समाजप्रति समर्पित हुने अगुवा नेतृत्व तयार पार्‍यो। यसैको शिक्षाले सदस्यहरूलाई स्वतःस्फूर्त जग्गादान, श्रमदान, सामग्री दान गर्ने उत्प्रेरणा प्रदान गर्‍यो। नयाँ सामुदायिक अभियान लागु भएका गाउँले जनताको आय विस्तारै बढ्न थाल्यो। यो क्रम ४ वर्ष पुग्दा ग्रामीण जनताको आय बढेर शहरी परिवारको आयभन्दा बढी हुन पुग्यो। यो कार्यक्रमले गाउँको विकास र स्वाधिन अर्थतन्त्रको निर्माणमा कोशे ढुंगा सावित भयो (सम्बाहाम्फे, २०७४)।

सन् १९७४ मा आइ पुग्दा शहरी भन्दा ग्रामीण जनताको आय बढ्यो जसको कारण के थियो भने सेमाउल उन्दोड लागु भएको हरेक गाउँ वा इकाईमा कृषिमा आधारित एक सेमाउल उद्योग अनिवार्य खोल्नुपर्ने शर्त थियो। यस्ता उद्योगले गाउँको आय बढाउने काम गर्यो भने रोजगारीको अवसरहरू पनि प्रशस्तै सिर्जना गर्‍यो। उक्त अभियान शहरमा पनि लागु गरि औद्योगिक क्षेत्रहरूको विकास तीव्र रूपमा हुन गयो। शहर केन्द्रित उद्योगहरूको विकास हुँदा पनि सरकारले उद्योगको (Semi-product) सेमी प्रोडक्ट सम्बन्धी कम्पनीहरू बढी गाउँमै स्थापना गर्ने नीति लियो। यो नीतिले गाउँ र शहरलाई जोड्ने र गाउँको विकास र रोजगारीमा टेवा पुर्याउने काम गर्‍यो। सन् १९७० मा ८३ करोड डलर निर्यात गरेको कोरियाले यो अभियानको सफलताकै कारण सन् १९८० सम्म आइ पुग्दा कोरिया एक औद्योगिक राष्ट्रका रूपमा दर्ज हुन पुग्यो। त्यस्तै गरि १९८० मा १७ अर्ब डलरको उत्पादन निर्यात गर्यो। यो अभियान शतप्रतिशत सफल हुनको कारण, यसमा गाउँलाई ४० र ५० घरको सानो भन्दा सानो इकाइमा विभाजन गरियो र प्रत्येक निर्णायक कार्यक्रममा सबै घरका प्रतिनिधिलाई राय व्यक्त गर्ने सुविधा दिइयो। यो इकाइले जे चाहन्छ, त्यसैमा परियोजना सञ्चालन गर्ने गरियो। यस्तो इकाईले एकातिर समुदायमा भावनात्मक एकताको विकास गर्यो भने अर्कोतिर निर्णय गरिएका योजनाहरूमा असन्तुष्टि र असहमति भन्ने प्रश्न नै उठ्न पाएन। यो अभियान सफल हुँदै गएपछि गाउँ इकाईहरूले तर्जुमा गरेका परियोजनामा सरकारले ५० प्रतिशत ऋण, ३० प्रतिशत अनुदान र २० प्रतिशत समुदायको लगानी हुने व्यवस्था गर्‍यो। यो मोडेललाई केही वर्षमै राष्ट्रव्यापी गरियो। त्यस्तै अर्को महत्वपूर्ण कुरा, सरकारले समय सापेक्ष कृषिमा आधुनिकीकरण गर्यो। यसका लागि कृषी विज्ञलाई देशभर परिचालन गरेर कृषि तालिम प्रदान गरियो। यसले कृषिमा व्यापक आधुनिकीकरण गर्‍यो जसको कारण अहिले कोरिया २ देखि ३ प्रतिशत कृषककै उत्पादनले खाद्यान्नमा आत्मनिर्भर बनेको छ। यो अभियान कुनै समय भोक, रोग र बेरोजगारीले तडिपएका कोरियाली किसानका लागि सफलताको मन्त्र बनयो (सम्बाहाम्फे, २०७४)। यो अभियानबाट नेपालले प्रशस्त शिक्षा लिन जरूरी देखिन्छ।

त्यस्तै गरि उनले निर्यातबाट कमाई भएको लगानी उच्च प्रविधिहरू र मेशिनहरूमा लगानी गरे। यी सामग्री अर्को चरणको विकासका लागि आवश्यक हुन्थ्यो। त्यस अतिरिक्त त्यो समयमा पार्कको सरकारले विदेशी सामग्रीहरूमा भन्सार कर बढाएर स्वदेशी उद्योगहरूलाई अनुदान दिएर ठूला उद्योग विकास गर्न सहयोग गरेको थियो। यसले दक्षिण कोरियालाई तेस्रो चरणमा ल्याइपुर्‍यो। पार्कको दोस्रो पञ्च वर्षीय योजनामा यसको प्रत्यक्ष प्रभाव देख्न सकिन्छ। उनले ठूला र रासायनिक उद्योग खोल्नेलाई सहयोग गर्ने नीति लिए। यो चरण कोरियाको विकास चरणको सबैभन्दा लामो अवधि रह्यो। यो चरणमा वैदेशिक पूँजीमा नियन्त्रण भए पनि सरकारको निगरानीमा यसलाई भित्र्याइयो। यो अवधिमा निर्यात वार्षिक रूपमा ३५.२५ दरले बृद्धि भयो। सन् १९९० को दशकमा दक्षिण कोरियाली अर्थतन्त्रमा उल्लेख्य परिवर्तनहरू देखिए। यही समयमा देशले विकासको चौथो चरणमा आइपुग्यो। यो अवधि उच्च

प्रविधिको उद्योगको रह्यो । सन् १९८८ मा द. कोरियाले गर्ने निर्यातमा १५.५ प्रतिशत हिस्सा मात्र उच्च प्रविधिको सामग्री हुन्थ्यो । त्यसपछिको हरेक वर्ष यसमा लगभग शत प्रतिशतले वृद्धि भएको छ । कोरियाली सामग्रीको अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा बढेको माग र घरेलु उपभोगमा भएको उच्च वृद्धिका कारणले कोरियाले परिपक्व र सम्पन्न राज्यका रूपमा स्थिरता प्राप्त गर्‍यो । यसले कोरियाली समाजको हरेक तप्काको जीवन स्तर बढायो । कोरियाली इतिहासमा दोस्रोदेखि चौथो चरणसम्म स्थिर रूपमा उच्च आर्थिक वृद्धि देखियो । सन् १९६२ देखि १९९५ सम्म दक्षिण कोरियाले औषतमा वार्षिक १०५ प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर हासिल गर्‍यो (उप्रेती, २०७५) । यसर्थ, कोरियाली विकास मोडल विश्वकै उत्कृष्ट आर्थिक विकास मोडलको रूपमा स्थापित हुन पुग्यो ।

### (ग) सिङ्गापुर

विश्वको प्रमुख औद्योगिक देश सिङ्गापुर, चार एसियाली टाइगर्समा सबैभन्दा प्रजातान्त्रिक मुलुक हो । एक बेलायतीको कूटनीतिज्ञको शब्दमा ली क्वान युको अद्भूत नेतृत्वमा यो राज्यमा 'राजनीति हराएर' पूरै राज्य नै एक 'प्रशासनिक एकाई' मा बदलिएको थियो । सन् १९६५ मा मलेशियाबाट मन नलागि नलागि स्वतन्त्रता स्वीकारेपछि लीले सन् २०११ मा सन्यास नलिएसम्म सिङ्गापुरको राजनीतिलाई 'नरम निरंकुशता' सहित नियन्त्रणमा राखे । यो अवधिमा सिङ्गापुरले अभूतपूर्व आर्थिक विकास गर्नुको साथै विश्व रंगमञ्चमा आफुलाई एक सम्बृद्धशाली राष्ट्रको रूपमा स्थापित गराउन सफलता हासिल गर्‍यो । सिङ्गापुरको विकासले दक्षिण कोरिया र ताइवानको भन्दा फरक बाटो लिएको छ । उसलाई युद्धबाट राज्यलाई पुनःनिर्माण गर्ने चुनौती थिएन तर यो सहरी राज्यले आफूसँग आफ्ना नागरिकलाई खुवाउन पुर्‍याउन सक्ने जमिन समेत थिएन । राज्यका लागि आवश्यक खाद्यान्न र पानी समेत छिमेकी मुलुकबाट आयात गरेर आपूर्ति गर्ने सिङ्गापुरले यो अवस्थामा सुधार ल्याउनका लागि राज्यलाई निर्यात मुखी सामान्य उद्योगहरूको विकासलाई जोड दिने नीति अख्तियार गर्‍यो । सिङ्गापुरले आफ्नो स्थानीय तहमा रहेको प्राविधिक र व्यवस्थापकीय ज्ञानको अभावलाई अन्तर्राष्ट्रिय संस्थाहरूलाई आकर्षित गरेर सरकारी अनुगमन सहित पूरा गर्‍यो । सन् १९७० को दशकसम्म सिङ्गापुरको अर्थतन्त्रको संरचनामा उलेख्य परिवर्तन आयो जस्तै निर्माण उद्योग र ठूला उद्योगहरूको स्थापनामा विशेष जोड दिएको थियो । कतिपय विद्वानहरूले यो परिवर्तनलाई चीनमा देडको सुधारपछि आएको परिवर्तनको विरुद्धमा चिनलाई चुनौती दिन थालिएको कदमको रूपमा उल्लेख गर्दछन् ।

सन् २००० मा लि क्वान युको किताब 'फ्रम थर्ड वर्ल्ड टु फर्स्ट : द सिङ्गापुर स्टोरी १९६५ (२०००) (From third world to first: The Singapore Story) प्रकाशित भयो । विश्व पुस्तक बजारमा 'बेष्टसेलर' रहँदै आएको यो किताबको प्रारम्भ गर्दै लि क्वान यु लेख्छन् 'घर कसरी बनाउने, इन्जिन कसरी मर्मत गर्ने, किताब कसरी लेख्ने भनेर तपाईं सिकाउने पुस्तकहरू पाइन्छन् । तर चाइना, ब्रिटिस इन्डिया र डच इस्ट इन्डिजबाट बाहिर छरिएर संकलित भएका आप्रवासीहरूले राष्ट्र कसरी निर्माण गर्ने, क्षेत्रीय व्यापारिक केन्द्रको पुरानो आर्थिक भूमिका गुमाएर मृतप्रायः बनिरहेका जनतालाई कसरी जिवन्त बनाउने भनेर सिकाउने पुस्तक मैले कतै देखिनँ ।' तसैले यो किताबको लेख्ने आवश्यकता रहेको हो ।

यो किताबले मुलतः निम्न २ वटा तथ्यहरूमा जोड दिएको छ ।

१. कुनै पनि राष्ट्र निर्माणको बनि बनाउ मोडेल हुँदैन । त्यो अरु कसैले सिकाउन सक्दैन । स्वयं त्यो देशका जनता वा नीति निर्माताले आफै पत्ता लगाउन सक्नु पर्दछ ।
२. राष्ट्र निर्माणको मोडेल तयार गर्दा मुख्य ३ वटा तत्वहरूलाई हेर्नु पर्दछ : जनसंख्या संरचनाको ऐतिहासिकता, भूराजनीति र आर्थिक सम्भावना ।

पुस्तकको यो प्रारम्भिक वाक्यलाई उपसंहार खण्डको अर्को एक वाक्यसँग जोड्नु उचित हुन्छ । उनी लेख्छन् 'हामी कामबाट सिक्थौं, छिट्टै सिक्थौं । हाम्रो सफलताको एउटा मात्रै सुत्र थियो, कसरी चिजहरूलाई बढी कामकाजी बनाउने भनेर, तिनीहरूलाई अझ राम्रो कसरी बनाउने भनेर निरन्तर अध्ययन गर्थौं । म कहिल्यै कुनै सिद्धान्तको

वनदी बनिर्ने । मलाई कारण र यथार्थहरूले मात्र मार्गदर्शन गर्न सके, सिद्धान्तले हैन । कुनै पनि सिद्धान्त, योजना वा सोचले राम्रो काम गर्छ, गर्दैन भन्ने 'एसिड टेस्ट' (दूत जाँच ) गर्थे । यदि कुनै चिजले राम्रो काम गर्दैनथ्यो वा कमजोर परिणाम दिन्थ्यो भने त्यस्तो चिजमा म थप समय र स्रोत खर्चिन्नथे ।' (खतिवडा, २०७६)

सिङ्गापुरको आर्थिक समृद्धिमा निम्न सिद्धान्तहरूको महत्वपूर्ण भूमिका रहेको पाइन्छ ।

**क. खुला बजार सिद्धान्त (Free Market Principles) :** सिङ्गापुरले पूँजवादी आर्थिक सिद्धान्तलाई आफ्नो विकासको मुख्य सिद्धान्तको रूपमा अवलम्बन गरिरहेको छ । जस अन्तर्गत निम्न सिद्धान्तहरू पर्दछन् ।

- श्रम बजारको व्यवस्थापन (Labor Market)
- उत्तरदायी कर्मचारीतन्त्र (Accountable Bureaucracy)
- न्यून कर दर (Low Tax Rates)
- न्यून सरकारी खर्च (Government Expenditure)

**ख. समाजवादी सिद्धान्त (Socialistic Principles) :** सिङ्गापुरले समाजवादी आर्थिक सिद्धान्तलाई पनि त्यत्तिकै जोड दिएको छ जस अन्तर्गत निम्न सिद्धान्तहरू पर्दछन् ।

- सार्वजनिक घरहरूको निर्माण (Public Housing)
- सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा (Public Healthcare)

यी दुई सिद्धान्तहरूलाई अवलम्बन गर्दै सिङ्गापुरले विकासमा उच्च सफलता प्राप्त गरेको थियो । विकासको अन्तिम चरण उच्च प्रविधिको उद्योगको स्थापनासँगै अन्त्य भएको थिएन । बरु सिङ्गापुरलाई दक्षिणपूर्वी एसियाको आर्थिक र वित्तीय केन्द्रका रूपमा विकास गरेर अगाडि बढेको थियो । उच्च प्रविधिको उद्योगमा भै व्यापार, आयात सुधार र वित्त सबैमा सीपयुक्त श्रमिकको आवश्यकता पर्छ । सिङ्गापुरको अवस्थिति र पछिल्लो समयको आर्थिक उदारीकरणले यी उच्च स्तरका उद्योगलाई निकै सहयोग गर्‍यो । यसले सिङ्गापुरलाई अन्ततः ताइवान र दक्षिण कोरियाजस्ता उच्च प्राविधिक राष्ट्रको समकक्षमा राखिदियो । राज्यको केन्द्रीय कोषले ठूलो उद्योगका लागि आवश्यक पूर्वाधार निर्माणमा गरेको सहयोग र ली क्वान युको आर्थिक र राजनीतिक दुवै क्षेत्रमा प्रभुत्वले गर्दा सिङ्गापुरको विकासमा सरकारको भूमिका सबैभन्दा महत्वपूर्ण देखिन्छ जसलाई नेपाल लगायत अन्य राष्ट्रहरूले पनि प्रेरक उदाहरणको रूपमा लिन सक्दछन् ।

#### (घ) ताइवान र हङकङ

हाल चिनको स्वशासित क्षेत्रको रूपमा रहेको ताइवानको कथा पनि कोरियाको जस्तै छ । ताइवानको प्रारम्भ दक्षिण कोरियाको अवस्थाभन्दा दयनीय थियो । ताइवानको कथा पनि युद्धको समाप्तीबाटै सुरु हुन्छ । तर ताइवान आफै भने सो युद्धबाट त्यति प्रभावित भएको थिएन । चिनियाँ गृहयुद्ध मुख्य त मूलभूमि चीनमा लडिएको थियो । तथापि दोस्रो विश्वयुद्धसम्म यो पनि जापानको अधीनमा थियो । त्यो अवधिमा त्यहाँ कृषिमा केही सुधारका काम भएका थिए । त्यतिवेला सम्म यो टापु विशेष धान, उखु र भुईँकटर र केही कपडा उद्योगको अवस्थामा मात्र सिमित थियो । यसको साथै कृषि र माछापालनले यो भूगोलको कूल ग्राहस्थ उत्पादनको एक तिहाई भाग ओगटने गर्दथ्यो ।

प्रारम्भमा च्याङ काइ सेकको सरकारले राज्यलाई अनुदानमा चलाउने खालको नीति लिएपछि सन् १९५० को दशकमा अमेरिकाले ताइवानलाई दिइरहेको अनुदान रोक्ने चेतावनी दियो । त्यसपछि राष्ट्रपति चियाङ र उनको कोमिन्ताङ पार्टीले कोरियाले लिएको जस्तो औद्योगिकीकरणको योजनाहरू अधि सारे । औद्योगिकीकरणले कृषिको कुल ग्राहस्थ उत्पादनमा रहेको योगदानलाई ७५ प्रतिशतमा मा झर्‍यो । कोरियामा जस्तै ताइवानले पनि प्रारम्भमा सामान्य खालको उद्योगमा विकास गर्‍यो । तर यहाँ भने कोरियामा भन्दा अलि लामो समय सन् १९८० को दशकसम्म यी

सामान्य खाले उद्योगहरूको अर्थतन्त्रमा महत्वपूर्ण भूमिका रथ्यो । त्यसपछि यहाँ ठूला उद्योगहरूको स्थापनाको सुरवात भयो । सुरुमा विशेषतः स्टिल, विद्युतीय र पेट्रोलियम उत्पादन सम्बन्धी उद्योग खोलिए । ताइवानले वैदेशिक लगानी आकर्षणका लागि केही सरकारी उद्योगहरू निजीकरण गरेको भए पनि अधिकांश ठूला उद्योगहरू सरकारको नियन्त्रणमै राख्यो । च्याङले यिनै उद्योगहरूको बलमा चिनियाँ मूलभूमि पुनः कब्जा गर्ने सोचेका थिए ।

राज्यले अर्थतन्त्रमाथिको नियन्त्रण बलियो बनाउने नीति लिएको थियो । वैदेशिक विनिमयमा नियन्त्रण, आयातमूखी उद्यमलाई सरकारी प्रोत्साहन गर्ने नीति, राज्य नियन्त्रित संस्थामार्फत नै कच्चा पदार्थको माग पुर्‍याउने जस्ता कदममार्फत सरकारले अर्थतन्त्रमा नियन्त्रण कायम गरिरहेको थियो । ताइवानले आफ्नो अर्थतन्त्रको परिपक्वता कोरियालेभन्दा उच्च प्राविधिक विकासमा पुगेर सम्पन्न गर्‍यो । सन् १९७० को दशकमा उच्च शिक्षित जनशक्तिको विकासको कारणले ताइवानको श्रमिकको ज्याला बढेको थियो । त्यसै अवधिमा चीनमा भएको आर्थिक विकास र त्यहाँको सस्तो श्रमको कारणले भएको उत्पादन सँग ताइवानले प्रतिस्पर्धा गर्न नसक्ने अवस्थाको सिर्जना भयो । त्यसपछि ताइवानले उच्च मूल्यका वस्तुको उत्पादन र सेवामा ध्यान स्थानान्तरण गर्‍यो । सरकारले मुख्यतः निर्यातमूखी आर्थिक संरचना, उच्च प्रविधि र उच्च सीपका उद्योगमा स्तरोन्नति गर्ने निर्णय गर्‍यो । त्यसपछि ताइवानको पहिचान बनेको सूचना प्रविधि र सेमी कन्डक्टर जस्ता अन्य महत्वपूर्ण प्राविधिक उद्योगको विकासमा राज्यको भूमिका महत्वपूर्ण रह्यो । ताइवानले दुई विषय बाहेक लगभग कोरियाको विकास परिपथ नै पछ्याएको देखिन्छ । दक्षिण कोरियासँगको उसको पहिलो फरक सन् १९८० को दशकसम्म ताइवानको अर्थतन्त्रमा कपडा उद्योगजस्तो हलुका उद्योगको महत्वपूर्ण भूमिका देखिन्छ जुन कोरियाली अर्थतन्त्रमा छोटो समय मात्र रहेको थियो । त्यस्तै ताइवानको सन्दर्भमा अनुदान रोक्ने धम्की नआएसम्म नेतृत्व पहिलो चरणमा रमाइरहेको थियो जबकी द. कोरियामा नेतृत्व आफैले आत्मनिर्भर हुने रणनीति लिएको थियो । (उप्रेती, २०७५)

हङकङको विकास धेरै अर्थमा ताइवानको जस्तै रह्यो । बेलायतको अधिनमा रहेको हङकङ चीनको मातहतमा गएपनि हङकङको अर्थतन्त्र पुँजिवादी चरित्रको नै रहेको छ । त्यसो हुनुको पछाडि हङकङ अगाडि देखि नै औद्योगिकीकरणको चरणमा गएको थियो । अन्य तीन राष्ट्रहरूले सन् ६० को दशकमा विकास सुरु गरेका हुन् भने हङकङमा सन् १९५० को दशकमै विकास प्रारम्भ भइसकेको थियो । सिङ्गापुरसँगको अन्य समानतामा हङकङले पनि जग्गा अभावका कारण अन्न आयात गर्नुपर्थ्यो । उसलाई यसबाट भएको व्यापार असन्तुलनलाई सन्तुलनमा ल्याउनु थियो । त्यसका साथै अन्य राष्ट्रहरू जस्तै हङकङ पनि औद्योगिकीकरणको चरणपछि उच्च प्राविधिक विकास भन्दा व्यवसायिक केन्द्रका रूपमा विकास भयो (उप्रेती, २०७५) । हाल सम्म पनि हङकङ चिनको मातहतमा रहेको एक विश्व प्रसिद्ध औद्योगिक क्षेत्र र अन्तर्राष्ट्रिय बजारको रूपमा विश्व प्रसिद्ध रहेको छ ।

## (ड) मलेसिया

उपनिवेश हुँदै स्वतन्त्रताको लडाईँ जितेर विकासको पथमा लम्किएको मलेसिया आजसम्म आइपुग्दा विश्वको ध्यान आकर्षित गर्ने देश बन्न सफल भएको छ । विदेशी लगानी भित्र्याएर बनेको मलेसियाले हालका दिनमा लाखौँ विदेशी कामदारलाई रोजगारी दिएको छ र आर्थिक विकासमा थप सशक्त ढंगले लागि परेको छ । व्यवस्थित सहरीकरण र सडक सञ्जाल, गगनचुम्बी भवन, स्वस्थ र हराभरा वातावरणका साथै राज्य सञ्चालनमा अपनाइएको 'सिस्टम'ले विश्वको ध्यान मलेसियातर्फ तानिएको छ । ४० वर्षको मेहनत र योजनाबद्ध सक्रियतामा तत्कालीन मलेसियन प्रधानमन्त्री महाथीर महम्मदले जसरी मलेसिया बनाउने काम गरे नेपालजस्ता विकासशिल मुलुकमा पनि राजनीतिक इच्छाशक्ति हुने हो भने विकास गर्न कुनै कठिन हुने रहेनछ भन्ने बुझ्न सकिन्छ । आफ्नै विकासको मोडल, सभ्यता, इतिहास, संस्कृति, रहनसहन बोकेको मलेसियामा पर्याप्त पर्यटकीय स्थल रहेकै कारणले गर्दा वर्षेनी २५ मिलियन बढी पर्यटक मलेसिया पुग्ने गर्छन् । पर्यटकहरूको ओइरो लाग्ने मलेसियाको कूल ग्राहस्थ उत्पादनको महत्वपूर्ण हिस्सा पर्यटन क्षेत्रले ओगटेको छ । मलेसियाको विकास, तिब्रतम प्रगति र पर्यटन लोभ्याउने गन्तव्यले होटल व्यवसाय, स्थानीय उत्पादन र स्थानीय बजार निकै फस्टाएका छन् । (सिग्देल, २०१९)

नेपाल उद्योग वाणिज्य महासंघको आयोजना तथा नेपाल सरकारको सहआयोजनामा भर्खरै नेपाल बिजनेस कन्क्लेभ (Business conclave) सम्पन्न भएको छ । यस कन्क्लेभको विशेषता भूतपूर्व मलेसियाली प्रधानमन्त्री महाधिरको सहभागिता एवं सम्मेलनमा उहाँले प्रस्तुत गर्नुभएको विकासको मोडेल नै रह्यो । आफ्नो प्रस्तुतिमा उहाँले दोस्रो विश्वयुद्धपछि उहाँको सरकारले सर्वप्रथम गरीब र धनीविचको खाडल घटाउने योजना बनाएर भूमिहीनहरूको लागि भूमि वितरण कार्यक्रम अगाडि सारेको बताउँदै खेतीयोग्य जग्गाको कमीले यो कार्यक्रमले पूर्ण लक्ष्य प्राप्त गर्न नसकेकोले पुन सरकारले औद्योगीकरणको नीति अख्तियार गरेको खुलासा गर्नुभएको थियो । त्यस बेला मलेसियासँग औद्योगीकरणको लागि अनुभव नभएकोले विदेशी लगानीकर्ताहरूलाई रोजगारी सिर्जना गर्ने खालको उद्योगहरूमा लगानी गर्न निम्त्याएको स्मरण गर्दै यसबाट रोजगारीमा आमजनताको पहुँच बढ्नुको साथै शिक्षित श्रमिक उत्पादन गर्न शिक्षामा लगानी बढाउनुपरेको थियो, जसबाट शिक्षित बेरोजगारीको समस्या समेत हल हुन पुगेको थियो । उहाँले आफ्नो सरकारले राजस्वभन्दा रोजगारी सिर्जनालाई प्रमुख लक्ष्य बनाई हिंडेकोले आज मलेसिया औद्योगिक मुलुकको पडितमा उभिएको मन्तव्य व्यक्त गर्नुभएको थियो ।

तानाशाहको नाम दिइएका उनले मलेसियामा १९८१ देखि २००३ सम्म अर्थात् २२ वर्ष शासन गरे र यस अवधिमा मलेसियाको आर्थिक वृद्धिदर औसत १० प्रतिशत रह्यो भने जीवनस्तरमा २० गुणाले सुधार भयो । यस्तो कसरी भयो भन्नेबारे आफ्नो अनुभव सुनाउँदै उहाँले भन्नुभयो- मलेसियामा पनि १४ वटा पार्टी थिए । तर विकासको लागि राजनीतिक स्थिरता र व्यापार अनुकूल नीति नियमको आवश्यकता पर्दछ । हामीले यसलाई पूरा गर्दै गयौं र अन्तत देशको राजस्व बढ्न थाल्यो जसबाट हामीले आधारभूत आवश्यकता पूरा गर्दै सबै जनताको जीवनस्तर उकास्न सक्यौं । मलेसियाका डा. महाधिर मोहम्मदको योगदानलाई उच्च मूल्याङ्कन गर्दै मलेसियाली जनताले हालै ९५ वर्षको उमेरमा विश्वकै सबैभन्दा जेष्ठ प्रधानमन्त्रीमा निर्वाचित गराएका छन् । अन्तर्राष्ट्रिय जगतमा थुप्रै युग नायक छन् जसले विकास, समृद्धि र सुशासनमा कोसेढुंगाका रूपमा आफूलाई स्थापित गराएर जनताको मानसपटलमा चिरस्थायी बास बस्न सफल भए । महाधिर मोहम्मदको लोकप्रियता कुनै वाद र सिद्धान्तको उपज होइन, गरिबी कायापलट गरेर विकसित मलेसिया बनाउन उनले खेलेको योगदानको परिणाम हो (गुप्ता, २०१४) ।

मलेसियाको हाल सन्चालित ११औं पन्ध्रवर्षिय योजनाले (२०१६-२०२०) समावेशिकरण, जनजिवनमा व्यापक सुधारको कार्यक्रम, आय र भौतिक पूर्वाधारमा जोड दिने र धनी गरीब विचको भिन्नता कमगर्ने निति अगाडि सारेको छ । मलेसियाले वैदेशिक लगानी भित्र्याउने निति, प्रविधि र सुचना प्रसार गर्ने र मानविय पुँजिको अभिवृद्धि गर्ने कार्यक्रमहरूमार्फत द्रुततर विकास गर्ने लक्ष्यलाई प्राथमिकता साथ अघि सारेको छ । नेपालको लागि पनि यो मोडेल अत्यन्त उपयोगी हुन सक्ने सन्देश दिँदै नेपालले विकासको लक्ष्य निर्धारण गर्दा रोजगारी सिर्जनालाई प्राथमिकता दिएर उपयुक्त र स्थायी वातावरण दिन सकेमा नेपालले पनि विकास गर्ने प्रचुर सम्भावना रहेको धारणा राख्नुभएको थियो । मलेसियाको यो उदाहरणबाट एक व्यक्तिको दुरदर्शि नितिले राष्ट्रको मुहार फेरिन सक्छ भन्ने शिक्षा लिन सकिन्छ ।

#### (च) स्विजरल्याण्ड

जनसंख्या र क्षेत्रफलको आधारमा स्विजरल्याण्ड नेपाल भन्दा साँढे तिन गुणाले सानो देश हो । जन घनत्वको हिसाबले नेपाल र स्विजरल्याण्ड उस्तै देश हुन् । दुबै देशमा १ वर्ग किलोमिटरमा १९८ जना बसोबास गर्दछन् । स्विजरल्याण्डमा ८४० मिटर देखि ४,६३४ मिटर मात्र अग्ला ४५१ साना हिमालहरू छन् । प्रत्येक साना हिमालको पनि नामकरण गरिएको छ । यी सबै हिमालमा पर्यटकलाई खुल्ला गरिएको छ । हिमालमा धुवाँ रहित रेल र केबलकार संजालले सबै प्रकारका मानिसलाई भ्रमण गर्न सम्भव बनाएको छ । स्विजरल्याण्डमा वार्षिक पर्यटकको संख्या २ करोड छ र पर्यटनबाट मात्र रु ४० खर्ब भन्दा बढी आम्दानी हुने गरेको छ । नेपालमा पनि सबै चुचुरालाई नामाकरण गर्नु, पर्यटनका लागि खुला गर्नु, हिमालका निश्चित उचाई सम्म पर्यटन पूर्वाधारको विकास गर्न जरुरी छ, सयौं हिमाल

हामीसँग छुन् तर हालसम्म सम्पूर्ण हिम चुचुराहरूको नामाकरण गरिएको छैन र पर्यटनका लागि खुल्ला समेत गरिएको छैन ।

स्विजरल्याण्डको संघीय प्रणालीमा १३ वटा क्यान्टोन वा प्रदेशहरू छन् । असंलग्न परराष्ट्र नीति, कडा कानून, द्रुत विकास, राष्ट्रिय सुरक्षा र राष्ट्रिय अर्थतन्त्र चाही स्विसहरूको राजनीतिक प्राथमिकतामा पर्दछन् । स्विजरल्याण्डको सफल संघीय प्रयोगले के देखाउँछ भने राज्य बलियो हुनको निम्ति त्यस राज्यका जनता बलियो हुनुपर्ने रहेछ । जनता बलियो हुन तीनवटा कुरामा राज्यले जनतालाई हेरेको हुनुपर्छ : **जनताको स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा र शिक्षा** । स्विजरल्याण्डले यी तिनै कुराहरूमा जोड दिने गरेको छ र यी तिनै कुरामा जनतालाई सुविधा दिने राष्ट्रहरूको अग्र पङ्तिमा पर्दछ । स्विसहरू आफुले गरेको काममा कर तिर्छन् । आफुले बनाएको नियमलाई कडाइका साथ पालन गर्छन् ।

स्विजरल्याण्ड नेपाल जस्तै भू-परिवेष्ठित मुलुक हो । मुख्य आयस्रोत पर्यटन र कृषि नै हो । उन्नत कृषिबाट उत्पादित वस्तु र गाईको दुध यहाँको आम्दानीको मुख्य मेरुदण्ड हो । हुनत यहाँको वैङ्गिड कारोबार अर्थतन्त्रको अर्को महत्वपूर्ण पाटो हो तर सन् १८४८मा संघीय संविधान बनेदेखिको इतिहासको अध्ययनबाट के देखिन्छ भने संघीयताको सफल प्रयोगले स्विजरल्याण्ड यतिको बलियो भएको हो । स्विजरल्याण्डको शासन प्रणाली विश्वमा अनौठो मानिन्छ जहाँ ७ वटा संघका प्रमुखहरूले आलोपालो सरकार चलाउँछन् । विभिन्न देशहरूको औपचारिक प्रतिनिधित्वमा भने उनीहरू राज्यको प्रतिनिधिको रूपमा गएका हुन्छन् । कुनै पनि निर्णय लिँदा जनताको मतको कदर हुन्छ । ५० हजार हस्ताक्षर लिएर कुनै नागरिकले संविधानमा भएका कुरा फेर्न चाहेको भने चुनाव गरिन्छ । हरेक संघको आफ्नै संसद, न्यायपालिका र प्रणाली छ । सम्प्रभुता सबैको सहमतिको विन्दु हो । जर्मन, इटालीयन, फ्रेन्च र अल्पसंख्यक रोमन भाषा भाषीलाई राज्यले मान्यता दिएको छ । संघीय प्रदेशहरूमा आफ्नै भाषा चल्छन् । यसर्थ, स्विजरल्याण्डलाई सबै हिसाबले अनुकरणीय राष्ट्र मानिन्छ । (इनेप्लिज, २०७३)

स्विजरल्याण्डलाई विश्वको नमुना राष्ट्र वन्न सघाउ पुऱ्याउने केही मुख्य कारक तत्वहरूलाई निम्न बुँदाहरूमा उल्लेख गरिएको छ ।

१. क्षेत्रफलमा सानो आकार (Small Size)
२. वास्तविक प्रजातन्त्र (Genuine Democracy)
३. विकेन्द्रीकरणको राम्रो अभ्यास (Decentralization)
४. प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रमा विशेष सहूलियत दिने नितिहरू (Subsidiary Principle)
५. गैर व्यावसायिक नेताहरू (Non-Professional Politicians)
६. पूँजी र बौद्धिक क्षेत्रका लागि सुरक्षित स्थान (Safe Haven for Capital and Brainpower)
७. मध्यम वर्गिय मानसिकता (Middle-Class Mentality)
८. शिक्षामा विशेष जोड (Educational Priority)

यी विभिन्न कारक तत्वहरूले स्विजरल्याण्डको विकास प्रक्रियामा निकै सघाउ पुऱ्याएका छन् जुन नेपाल जस्तो भर्खर विकास पथमा अघि बढिरहेको राष्ट्रका लागि अनुकरणिय हुन सक्दछ ।

### **(छ) चीनको विकास मोडेल**

सन् १९७८ मा देङ सियाओपिङ नेतृत्वमा आएपछिका चार दशकयता चीनले आफूलाई विश्व आर्थिक शक्ति (Power house) को रूपमा विकसित गरेको छ । साथै यसले विश्वव्यापी अर्थतन्त्र र भूराजनीतिमा समेत महत्वपूर्ण परिवर्तन ल्याएको छ । चीनमा आर्थिक सुधार गर्ने कामको सुरुआत कृषि क्षेत्रबाट गरियो । राज्यको नियन्त्रण केही खुकुलो बनाइयो र दोहोरो ट्रयाक मूल्य संयन्त्रको माध्यमबाट किसानहरूलाई बजार सहूलियत प्रदान गरियो । किसानहरूले

आफ्नो प्रभावकारिता र उत्पादकत्व बढाएर यस सुधारप्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया दिए। त्यसपछि अन्य क्षेत्रमा पनि थप सुधारका कार्य विस्तार हुँदै गयो। (Township and Village Enterprises) टाउनसीप एन्ड भिलेज इन्टरप्राइजेज (टिभइएस) भनिने हाइब्रिड खालको स्वामित्वको माध्यमबाट गैरकृषि क्षेत्रमा सहूलियत प्रदान गरियो। सहरतिर सुधार फैलिएसँगै राज्यका उद्योगहरूले थप एकाधिकार प्राप्त गरे र यसले उनीहरूलाई उद्यमी बन्न थप प्रेरित बनायो। लगानी गर्न र आर्थिक वृद्धि बढाउन प्रान्त तथा स्थानीय निकायहरूका लागि विभिन्न सहूलियतहरूको व्यवस्था गरिएको थियो। सन् १९९० को दशकका स्पेसल आर्थिक जोन (एसइजेडएस) को वृद्धिले चीनलाई विश्व अर्थतन्त्रमा समायोजन हुन निर्णायक भूमिका निर्वाह गर्‍यो। (रोड्रिक, २०७५)

देड सिआओपिङले चीनमा आर्थिक क्रान्ति शुरू गरेको सन् २०१८ मा ४० वर्ष पूरा भएको छ। त्यसलाई उनले चीनको दोस्रो क्रान्ति भन्ने गर्दथे उक्त आर्थिक सुधारपछि चीन विश्व अर्थतन्त्रमा द्रष्टो रूपमा प्रवेश गर्‍यो। आजको मितिमा चीन विश्वको त्यस्तो देश भएको छ जोसँग सबैभन्दा बढी विदेशी मुद्रा सञ्चिति अर्थात् ३.१२ खर्ब डलर छ। चिनको हालको आर्थिक विकासको गतिलाई निम्न तथ्यहरूले पुष्टि गर्दछ।

- कुल गार्हस्थ उत्पादन (११ खर्ब डलर) को मामिलामा चीन विश्वको दोस्रो ठूलो देश हो।
- प्रत्यक्ष विदेशी लगानी आकर्षित गर्ने चीन विश्वको तेस्रो ठूलो देश हो।
- देड सिआओपिङले सन् १९७८ मा आर्थिक सुधारका कदम चाल्दा विश्व अर्थतन्त्रमा चीनको हिस्सा जम्मा १.८ प्रतिशत थियो जुन सन् २०१७ मा आएर त्यो हिस्सा १८.२ प्रतिशत पुगेको छ।
- चीन अब केवल एउटा उदयीमान अर्थतन्त्र मात्रै रहेन, बरू १५ औँ र १६ औँ शताब्दीका विश्व अर्थतन्त्रमा करिब ३० प्रतिशत आफ्नो हिस्सा भएको अवस्थामा उन्मुख भइरहेको राष्ट्र हो।

चीनलाई शक्तिशाली बनाउने नेताहरूमा माओत्से तुङ, देड सिआओपिङ र वर्तमान राष्ट्रपति सी जिनपिङको नाम आउँछ। देड सिआओपिङ नेतृत्वमा भएको आर्थिक क्रान्तिको ४० वर्षपछि चीन एक पटक फेरि एउटा द्रष्टो नेतृत्व पाएर अघि बढिरहेको छ। सी जिनपिङ देशको अर्थतन्त्रलाई अझ प्रभावशाली बनाउन उत्पादनको क्षेत्रमा चीनलाई 'महाशक्ति' बनाउन चाहन्छन्। सी जिनपिङले देड सिआओपिङका उदारीकरणका नीतिहरूलाई अगाडि बढाइरहेका छन् जसमा आर्थिक सुधार लगायतका कदम समेटिएका छन्। चिनियाँ सफलताको कथा दोस्रो विश्व युद्धपछिको एउटा देशको विकासको कथामा मात्रै सीमित छैन। बरू त्यो एउटा नियन्त्रित अर्थतन्त्रबाट मुक्त र उदारीकरणमा आएको परिवर्तनको पनि कथा हो। विश्वका कैयौँ देशले पनि चीनले अवलम्बन गरेको परिवर्तनलाई अपनाए। तर लोभलाग्दो सफलता चीनले मात्रै हासिल गर्‍यो। चीनले घरेलु अर्थतन्त्रमा क्रमिक सुधारको प्रक्रिया थाल्यो न कि बजारलाई आफ्नो अर्थतन्त्र सुम्पिदियो। सुधार ल्याउने क्रममा उसले कहाँ विदेशी लगानी गर्ने र कहाँ नगर्ने कुराको निक्कौँ गर्‍यो जसका लागि उसले विशेष आर्थिक क्षेत्रहरूको निर्माण गर्‍यो र त्यसका लागि उसले दक्षिणी तटीय प्रान्तहरूलाई रोज्यो। देड सिआओपिङले कम्युनिष्ट समाजवादी राजनीतिक माहोलमा ठोस परिवर्तनको जग बसाले जसले विश्वमा समाजवादी अर्थतन्त्रको साख जोगाउन सघाउ पुर्‍यायो।

चिनियाँ लेखक युकोन ख्वाङ आफ्नो पुस्तक 'क्याकिङ द चाइना कनन्ड्रम: ह्वाङ कन्भेन्सनल इकोनोमिक विज्डम इज रंग' मा लेखेका छन् (देड सिआओपिङ एक महान् सुधारक मात्रै थिएनन धैर्य नभएका व्यक्ति पनि थिए। देड सिआओपिङले शुरू गरेको सामाजिक आर्थिक सुधारको दृष्टान्त मानव इतिहासमा अन्यत्र भेटिँदैन। यसले चिनको आर्थिक जिवनमा निम्न परिवर्तन ल्यायो।

- सन् १९७८ देखि २०१६ को बिचमा चीनको जीडीपीमा ३,२३० प्रतिशतले वृद्धि भएको छ।
- यसबीचमा ७० करोड मानिसहरू गरिबीको रेखाबाट माथि उठे भने ३८.५ करोड मानिसहरू मध्य वर्गका रूपमा उकासिए।

- चीनको वैदेशिक व्यापार साढे १७ हजार प्रतिशतले बढ्यो भने सन् २०१५ सम्म चीन विदेशी व्यापारमा अगुवाको रूपमा उदायो ।
- सन् १९७८ मा चीनले वर्षभरि गर्ने व्यापार अहिले दुई दिनमै गर्छ ।
- देड सिआओपिङले चिनियाँ कम्युनिष्ट पार्टीलाई सामूहिक नेतृत्वमा लगेर चीनमा सामाजिक (आर्थिक परिवर्तनको प्रक्रियामा तीव्रता दिए । (बि.बि.सी. २०१८)

अर्थतन्त्रको बजार नेतृत्व स्थापित गराउनु र बाहिरी स्वतन्त्रता बढाउनु नै चीनको यस्ता सुधार पछ्याडिका प्रमुख कारणहरू हुन् । तर, अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार र निजी लगानीमा चीनको हिस्सा बढे पनि यसमा राज्य क्षेत्रको हिस्सा भने तुलनात्मक रूपले खुम्चियो । यसका लागि आर्थिक विविधीकरण र पुनर्गठन शृंखलाबद्ध औद्योगिक नीतिका माध्यमबाट प्रवर्द्धन गरियो । विदेशी लगानीकर्तालाई घरेलु कम्पनीसँग संयुक्त उद्यममा आबद्ध हुन लगाइयो र स्थानीय योगदान (Input) को प्रयोग बढाउन लगाइयो । यसबाट विनिमय दर र अन्तर्राष्ट्रिय वित्तीय प्रवाह केही हदसम्म नियन्त्रित रह्यो । (रोड्रिक, २०७५)

यी सबैको माध्यमबाट चिनियाँ नेतृत्वले कुनै पनि सिद्धान्तको पालना गरेन र आफ्नै विशिष्टताबाट चलाइरह्यो । चिनियाँ आर्थिक सुधार न कम्युनिस्ट शिक्षा न त कुनै स्वतन्त्र बजार विश्वासबाट निर्देशित थियो । यदि नीति निर्माताहरूले कुनै एक महत्वपूर्ण सिद्धान्त अपनाउँछन् भने त्यसलाई पक्कै पनि 'व्यावहारिक प्रयोगात्मकता' भन्न सकिन्छ । यो देडको लोकप्रिय भनाई हो । उनले भनेका छन् 'बिरालोको रङले कुनै पनि फरक पाउँदैन, फरक उसले मुसो समात्न सक्थो कि सकेन भन्ने कुराले पार्छ ।' चिनियाँ अनुभवको विलक्षणतालाई हेर्ने हो भने यस्तै विकसित र विकासोन्मुख दुवै राष्ट्रहरूलाई आर्थिक विकासका लागि महत्वपूर्ण शिक्षा प्रदान गर्दछ । अधिकांश पश्चिमा राष्ट्रमा बजारमाथिको निर्भरता र आर्थिक उदारीकरणका फाइदाहरू प्रस्तुत गर्न चीन सफल बनेको छ । सैद्धान्तिक रूपले चीनले राज्य नेतृत्ववाला आर्थिक मोडलको अर्न्तनिहित श्रेष्ठतालाई पुष्टि मात्र होइन स्थापित समेत गरेको छ । बजार केन्द्रित पश्चिमा सिद्धान्तको रडाकोलाइ चुनौती दिइरहेको छ । नेपाल जस्तो समाजवाद उन्मुख राष्ट्रका लागि चिनको आर्थिक विकास अनुकरणीय मात्र होइन चिनको आर्थिक र प्राविधिक विकासको प्रभावबाट पनि नेपालले प्रशस्त फाइदा लिन सक्नु पर्दछ जुन अहिले नेपालमा चलेको बहस पनि हो ।

### (ज) विकासको भारतिय मोडेल (केरला र गुजरात)

कुनै पनि राष्ट्रलाई समृद्ध बनाउन राज्यले आर्थिक वृद्धि (Economic growth) र कल्याणकारी राज्यका अवधारणालाई आत्मसात गर्नुपर्दछ । यी दुवै मोडललाई एकीकृत र सन्तुलित ढंगले प्रयोग गरेमा सफलता हासिल गर्न सकिन्छ भन्ने दृष्टान्त भारतका केरला र गुजरात विकास मोडलबाट स्पष्ट हुन्छ । सन् १९७० को दशकमा केरला राज्यमा अभ्यास भएको विकास मोडेललाई केरला विकास मोडेल भनिन्छ । यो मोडेलले अराजक आर्थिक वृद्धि विकास मोडल विपरीत आम जनताको शिक्षा, जनस्वास्थ्य र सेवाका न्यायोचित वितरणमा जोड दिन्छ । यही विकास मोडेलको कारण केरलामा छोटो अवधिमै तीव्र रूपमा सामाजिक विकास भयो । त्यसबाट त्यहाँका अधिक निम्न र मध्यम वर्गीय जनता लाभान्वित भएको तर्क दिगो विकासका अध्येताहरू दावी गर्छन् ।

हाल प्रधानमन्त्रीका रूपमा भारतलाई नेतृत्व दिइरहेका मोदीले गुजरातमा लागु गरेको विकासको मोडेलका आधारमा 'मोदिनोमिक्स' शब्द नै निर्माण भएको छ । भारतीय जनता पार्टीको वेबसाइटमै लेखिएको छ - 'गुजरात मोडलको भिजन भनेको पूर्ण रोजगारी, कम महंगाई, ज्यादा कमाई, तीव्र गतिको आर्थिक विकास, गुणस्तरीय शिक्षा, सुरक्षा र उत्कृष्ट जीवनस्तर हो ।' प्रधानमन्त्री मोदी सन् २००१ देखि २०१४ सम्म गुजरातका मुख्यमन्त्री थिए । मोदीले गुजरातमा सडक, उर्जा र पानी आपूर्ति जस्ता आधारभूत सुविधाहरूमा धेरै नै लगानी गरे । भारतको ग्रामीण विकास मन्त्रालयका अनुसार सन् २००० देखि २०१२ सम्ममा गुजरातमा झण्डै तीन हजार ग्रामीण सडक परियोजनाहरू पूरा भएको थियो ।

यस बाहेक सन् २००४ र २००५ तथा सन् २०१३ र २०१४ को बिचको अवधिमा प्रतिव्यक्ति उपलब्ध बिजुलीमा ४१ प्रतिशतले बृद्धि भएको छ। गुजरातले सन् २०१२ देखि अतिरिक्त बिजुली उत्पादन गरिरहेको छ। १८ हजार गाउँहरू ग्रिडसँग जोडिएका छन्। यस बखत गुजरातको औसत जिडिपी (सन् २००० देखि २०१० सम्म) ९.८ प्रतिशत रह्यो जसवेला पूरै भारतको औसत विकास दर ७.७ प्रतिशत मात्र थियो। गुजरातमा मोदीले इ-गवर्नेन्सलाई प्रभावकारी बनाए जसबाट प्रदेशमा भ्रष्टाचारमा कमी आयो। गुजरात मोडलले सुशासनका पक्षमा रहेको एक 'तटस्थ विचार' का रूपमा ख्याती कमाएको छ। गुजरात सरकारले सुशासन कायम गरेकोमा धेरै पटक अवार्ड समेत जितिसकेको छ। अक्सफोर्डबाट प्रकाशित किताब 'ग्रोथ अर डेवलपमेन्ट ट्विच वे इज गुजरात गोइड' मा उल्लेख भएअनुसार गुजरातले आर्थिक विकासका लागि यस्तो नीति बनाएको छ कि अब जुनसुकै सरकार आए पनि गुजरातको सम्बृद्धिमा असर पर्दैन।

लगानीका लागि गुजरातमा परमिट लाइसेन्स तथा पर्यावरणसँग जोडिएका औपचारिकताहरू पूरा गर्न कानूनी अड्चनहरू राखिदैन। लगानीकर्ताहरूलाई आकर्षित गर्ने र मनोबल बढाउने कुरामा मोदीले कुनै कसर बाँकी राखेनन्। पश्चिम बंगालमा लामो समयदेखि विवादका बिच संचालनमा रहेको टाटा मोटर्सको नानो कार प्लान्ट सन् २००८ मा पश्चिम बंगालबाट गुजरातको साणन्दमा सारियो। पश्चिम बंगालको सरकारले जग्गाको मामिला सुल्झाउन नसक्दा जनताको विरोध थेग्न नसकेर प्लान्ट नै बन्द गर्नुपर्थो तर गुजरातमा अहिले फोर्डले पनि प्लान्ट सुरु गरिसकेको छ। मोदीले फोर्ड, सुजुकी तथा टाटा जस्ता ठूला कम्पनीहरूलाई गुजरातमा प्लान्ट लगाउने अनुमति दिएर अटो म्यानुफ्याक्चरिङ इन्डस्ट्रीमार्फत गुजरातमा पर्याप्त अवसर भित्र्याएका छन्।

हालसम्म पनि गुजरात भारतको सबैभन्दा औद्योगिक राज्य हो। पश्चिमी तटमा रहेको फाइदा पनि यसले उठाइरहेको छ। भारतको जनसंख्याको ५ प्रतिशत आवादी रहेको गुजरातमा देशको कुल क्षेत्रफलको ६ प्रतिशत जमीन छ। पानी नपर्ने समस्या भोग्ने गुजरातमा खेती गर्न त्यति सहज छैन तर पनि भारतको कुल निर्यातको २२ प्रतिशत गुजरातबाटै हुन्छ। हाल गुजरातको जिडिपी ७.६ प्रतिशत छ। लामो तट क्षेत्रका कारण अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार धेरै नै सुगम छ। भारतको एक तिहाई समुद्री जहाज गुजरातकै तट भएर जाने गर्छ। सन् २०१० देखि नै गुजरातले ४३ हजार ८४८ मिलियन युनिट बिजुली उत्पादन गर्न थालेको हो। गुजरातमा ४० हजार ७९३ मिलियन युनिट माग रहेकोमा बाँकी रहेको बिजुली उसले अन्य १२ राज्यहरूलाई बेच्न थालेको छ। त्यस्तै भारतमा कुल ३.८ प्रतिशत बेरोजगारी दर रहेकोमा गुजरात राज्यमा सबैभन्दा न्यून १ प्रतिशत मात्र बेरोजगारी दर रहेको श्रम ब्यूरोको प्रतिवेदनमा उल्लेख छ (Bizmandu, 2018)। भारतको गुजरात र केरला मोडलले पूँजीवादी र समाजवादी चरित्रलाई अवलम्बन गरेको छ जुन नेपाल लगायत अरु देश र राज्यका लागि पनि अनुकरणीय रहेको छ।

## **(भ) रुवान्डाली मोडेल**

हरियो जंगल र पहाडले घेरिएको पूर्वी मध्यअफ्रिकी मुलुक रुवान्डा सन् १९९० तिर तत्कालीन सरकारद्वारा 'प्रायोजित' जनसंहारका कारण जातीय द्वन्द्वबाट ग्रस्त थियो जुन विस्तारै पुनर्स्थापनातर्फ अघि बढिरहेको छ। सन् १९९० देखि उसले आर्थिक विकासमा ठूलो फड्को मारेको छ। त्यहाँ जातीय टुत्सीहरू र हटुहरूबिच दंगा हुँदा सय दिनमै आठ लाखभन्दा बढीको हटु समुदायको वर्चस्व रहेको सुरक्षा निकायद्वारा हत्या गरिएको विभिन्न अन्तर्राष्ट्रिय संस्थाहरूको प्रतिवेदनमा उल्लेख छ। जातीय द्वन्द्व र तनावको प्रमुख कारण अल्पसंख्यक टुत्सी र बहुसंख्यक हटुबीच जारी परम्परागत असमानतालाई मानिएको छ। आज त्यहाँ सबैखाले द्वन्द्वको समाधान भई विकास निर्माण र आर्थिक क्षेत्रमा ऐतिहासिक प्रगति भइरहेका छन्। त्यसैले द्वन्द्वमा फसेका र द्वन्द्वपछिका राज्य र सरकारले गर्नुपर्ने कामका लागि रुवान्डालाई उदाहरणका रूपमा लिने गरिएको छ। रुवान्डाले वषौदेखिको द्वन्द्वमा मलहम लगाउन आफ्नै स्रोत र साधनको पहिचान मात्रै गरेन, त्यसको उपयोग गरी मुलुकलाई समृद्ध बनाउने उत्कट चाहनाका साथ अघि बढिरहेको छ। त्यसै क्रममा उसले कफी र चिया उत्पादन गरी आफ्नो अर्थव्यवस्थाको पुर्ननिर्माणमा जुटेको छ। यी दुई उत्पादनहरू त्यहाँका प्रमुख निर्यात वस्तुमा रहेका छन्। रुवान्डाको ऐतिहासिक विकासको सफलता यसले

अख्तियार गरेको विकास र सकारात्मक आर्थिक नीति नै हो जसले त्यहाँ गरिबी र असमानता घटाउन सहयोग पुगेको छ ।

२३ वर्षअघि त्यहाँको अर्थव्यवस्था तहसनहस थियो । खासगरी, सन् १९९४ मा टुत्सीविरुद्ध मच्चाइएको नरसंहारपछी अधिकांश सेवा र सुविधाहरू ठप्प थिए । करिब १० लाख मानिसको ज्यान र हजारौंलाई विस्थापित हुने गरी भएको जनसंहार अघि र पछि रुवान्डाको वृद्धिदर ऋणात्मक अवस्थामा पुगेको थियो । तर, आज विश्वका तीव्र गतिमा बढ्दो अर्थतन्त्र भएको मुलुकमा रुवान्डाले आफूलाई उभ्याउन सफल भएको छ । सन् १९९४ मा मुलुकको वृद्धिदर ऋणात्मक (-११.४ प्रतिशत) रहेकोमा सन् २०१४ मा ७ प्रतिशत र सन् २०१५ मा ६.९ प्रतिशतमा पुगेको थियो । यो वृद्धिदर र आर्थिक छलाङको कारण पुनर्निर्माण, निर्यात प्रवर्द्धन, ऊर्जा विकास र समावेशी वित्त हुन् । यिनै विषयलाई आफ्नो विकासको मोडल बनाएर रुवान्डा छोटो समयमै अन्य मुलुकका लागि नमुना बनेको हो । खासगरी नरसंहारको समाप्तिसँगै मुलुकले सुरु गरेको पुनर्जागरण र रूपान्तरणको अभियानले उसलाई ऐतिहासिक सफलताको शिखरमा पुऱ्यायो । यसले सन् २०१२ को अन्त्यसम्मको एक दशकमा आफ्नो वार्षिक आर्थिक वृद्धिदर ८ प्रतिशतमा पुऱ्यायो । यो दर विश्वव्यापी र अफ्रिका महादेशभरिकै सबैभन्दा उच्च रह्यो । यसमा उसको बलियो आर्थिक आधार, नीति तथा कार्यक्रमहरूको कारणले नै हो । विशेषगरी 'ग्रासरूट' स्तरमा सवावेशी विकासको नितिले रुवान्डालाई आफ्नो लक्ष्यमा पुग्न सफल बनायो । मुलुकले आर्थिक विकास र गरिबी निवारण रणनीतिका साथ अघि बढ्दै सन् २०१८ सम्ममा वार्षिक रूपमा कृषि क्षेत्रमा दुई लाख रोजगारी सिर्जना गर्ने जनाएको छ । अनाज उत्पादनमा वृद्धि गर्ने लगायतका पहल उसले धेरै पहिले सुरु गरिसकेको थियो । फलस्वरूप दुई दशकमै विकासलाई उत्कर्षमा पुऱ्याउन ऊ सफल भयो । सन् २०१३ मा प्रतिव्यक्ति आय ६४४ अमेरिकी डलर रहेकोमा सन् २०१८ सम्ममा १२ सय अमेरिकी डलर पुऱ्याउने लक्ष्य रहेको छ । यसैगरी, निजी क्षेत्रको लगानी जीडीपीको १५.४ पुऱ्याउने लक्ष्य पनि उसले लिएको छ । उसले वार्षिक वृद्धिदर ११.५ हासिल गरेको छ । सेवा क्षेत्र, उद्योग र कृषि लगायत अन्य क्षेत्रमा पनि राम्रो प्रगति गरेको छ । यसैगरी रुवान्डाले आफ्नो निर्यात प्रवर्द्धन गर्दै सन् २०१८ सम्ममा २८ प्रतिशत निर्यात बढाउने र थप ५६३ मेगावाट विद्युत् उत्पादन गरी ७० प्रतिशत घरधुरीलाई विद्युत् सेवा दिने अठोटका साथ अघि बढेको छ । वित्त विकास र वित्तीय सेवामा सुधारले वित्तीय क्षेत्रमा द्रुत गतिमा वृद्धि भइरहेको छ । फलस्वरूप जनसंख्या वृद्धिका बावजुद मुलुकमा गरिबी न्यूनीकरण भैरहेको अवस्थामा छ । बैङ्किङ क्षेत्र स्थिर र राम्ररी पुँजीकृत भएको स्थितिमा छ (यादव,२०७३) । रुवान्डाको यो तरक्कीले नेपाल जस्तो विकासोन्मुख राष्ट्रका लागि उदाहरण प्रस्तुत गर्दछ जसलाई नेपालले शिक्षाको रूपमा लिनु पर्दछ ।

#### (ग) इथियोपियाली मोडेल

विश्वकै सबैभन्दा बढी जनसंख्या भएको भूपरिवेष्टित मुलुक इथियोपिया अफ्रिका महादेशमा नाइजेरिया पछिको दोस्रो ठुलो जनसंख्या भएको देश हो । ८० भन्दा बढी भाषा बोलिने र संस्कृतिको धनी इथियोपियाको अवस्था रुवान्डाबाट अलि फरक भए पनि विभिन्न संकटक बावजुद विकासमा यसले फड्को मारेको छ । पुँजीगत परियोजनामा पनि खासगरी आधारभूत संरचनामा रकम खर्चिरहेको रुवान्डाले निकै छोटो अवधिमा 'डाइभर अफ बुम' को अवस्थामा ऊ पुगेको छ । यसको मुख्य कारण त्यहाँको सरकार आफैँ होइन, सरकारद्वारा सञ्चालित कम्पनी मार्फत विकास, निर्माण र संरचनामा खर्च गरिएकोले हो । सरकारले औद्योगिक पार्कदेखि चिनी कारखाना र पावर लाइन तिनै संस्थामार्फत बनाउने गरेको छ । खासगरी कमर्सियल बैंक अफ इथियोपिया, इथियो टेलिकम र इथियोपिया इलेक्ट्रिक पावरले त्यहाँको पुँजीगत लगानीमा ७० प्रतिशत योगदान पुऱ्याएका छन् । विश्व बैंकद्वारा सन् २०१६ मा प्रकाशित 'इथियोपियाज ग्रेट रन, दि ग्रेट एसिलेरेसन एन्ड हाउ टु पेस इट' (Ethiopia's great run the growth acceleration and how to pace it) ले उल्लेख गरेअनुसार, इथियोपिया सन् २००० यता विश्वको सातौँ तीव्र आर्थिक वृद्धिदर भएको मुलुक हो । सन् १९८१ देखि १९९२ सम्म उसको जीडीपी जम्मा ०.५ प्रतिशत रहेकोमा सन् १९९३-२००४ सम्मको अवधिमा यो ११ प्रतिशतमा पुग्यो, जुन चीन अथवा भारतभन्दा धेरै राम्रो हो । सन् २०००

मा इथियोपिया विश्वकै सबैभन्दा दोस्रो गरीब राष्ट्र थियो तर आज उसलाई विश्वकै दोस्रो अर्थतन्त्र भएको मुलुक चीनसँग तुलना गर्न थालिएको छ । यस प्रकारको उपलब्धि प्राप्त गर्नुमा आधारभूत संरचनामा उसको ठूलो लगानी प्रमुख कारण हो ।

इथियोपियाको विद्युत् विकास, रेल कनेक्टिभिटी र अन्तरप्रदेशीय राजमार्ग संघीय सरकारले बनाइरहेको छ, जसले कृषि र अन्य विकास निर्माणका साथै हलुका वस्तु उत्पादनतिर पनि त्यतिकै जोड दिएको छ । चीन या पूर्वी एसियाली मोडेल विपरीत इथियोपिया आफ्नो अत्यन्तै बलियो पूँजी नियन्त्रणमार्फत 'ओभरभ्यालु' मुद्रा कायम राख्न सफल छ । यसका लागि उसले प्रिमियम डलरमा ग्रहण गर्छ । जसले गर्दा कम्पनीहरूलाई स्थानीय इथियोपियाली मूल्य कम भए पनि सामान निर्यात गर्न सजिलो छ । आयातकर्ता जोसुकै भए पनि उनीहरूका लागि सजिलो वातावरण छ, त्यहाँ । उदाहरणका लागि फूल निर्यातकर्ताले पनि उपभोग्य वस्तु आयात गर्न डलरसम्म आफ्नो पहुँचको उपयोग गर्न पाउँछन् । यो उसको प्रवन्धकीय या प्रविधि क्षेत्रको पहिलो विशेषज्ञता हुन सक्छ । त्यहाँका बैङ्कहरूलाई मुद्रास्फीतिको दरभन्दा तल भर्दा पनि ऋण निकासी गर्न त्यहाँ निर्देशन दिने गरिन्छ । आश्चर्यको कुरा त के छ भने धनको भुक्तानी गर्न त्यहाँ ऋणको माग बढ्दो छ । पोर्टफोलियो लगानीकर्ता (पूँजी बजारमा गर्ने लगानीकर्ता) हरू र विदेशी बैङ्कहरूप्रति त्यहाँको सरकारको एक खालको वैचारिक भिन्नता छ । विदेशी 'पोर्टफोलियो लगानी' भन्दा आन्तरिक स्रोत र साधनको प्रयोग रकम जुटाउनका लागि उसले गर्ने गरेको छ । त्यसैले त उसले केन्याको 'आईपीओ टेलिकम' को लगानी मुलुकमा भित्र्याउनुको साटो सरकारी स्वामित्वमा रहेको दूरसञ्चारको एकाधिकारबाटै लाभ लिन उद्यत देखिन्छ ।

राज्यको स्पष्ट दिशा, एकाधिकार, विनिमय र मूल्य नियन्त्रणमा केन्द्रित इथियोपियाले जमिन, श्रम, लजिस्टिक, ऋण र विद्युतमाथि केन्द्रित भएर अधि बढ्न पाँच वर्षे योजना निर्माण गरि विकास प्रक्रियालाई निरन्तरता दिइरहेको छ । इथियोपिया विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) मा छैन् र आईएमएफको सहयोग पनि उसले लिएको छैन् । अफ्रिकाको सिंह (दी हर्न अफ अफ्रिका) भनेर समेत चिनिने इथियोपिया ५० वर्षयताकै सबैभन्दा ठूलो खडेरीको चपेटामा पर्यो तर त्यसलाई कुशलता पूर्वक समाधान गर्न खाद्यान्न जम्मा गर्ने राष्ट्रिय नीति अधि सारियो । एक अर्ब अमेरिकी डलर सहयोगमा ७ सय ३५ मिलियन अमेरिकी डलर उसले आफ्नै लगानी गर्यो, जुन रकम उसको कुल जीडीपीको ६१.६४ अर्ब अमेरिकी डलरको १० प्रतिशत हो । इथियोपियाले गरेको यो प्रगती लाइ आत्मसात गरेको भए भूकम्प पीडितहरूको पुनस्थापना गर्न र द्रुततर आर्थिक विकास गर्न नेपाललाई सजिलो हुने देखिन्छ (यादव, २०७३) ।

माथि उल्लेखित विश्वका केहि देशहरूको विकास मोडलहरूको अलावा चिली, क्यूबा, दक्षिण अफ्रीका, भुटान लगायतका अन्य देशहरूको मोडल पनि अनुकरणीय रहेका छन् । यी विभिन्न विकास मोडलहरूको तुलनात्मक अध्ययनले के देखाउँछ भने विश्वका विभिन्न राष्ट्रका आफ्नै मौलिक विकासका ढाँचाहरू रहेका छन् जसलाई ति राष्ट्रहरूले आफ्नो विशिष्ट परिवेशमा निर्माण गरेका थिए । नेपालको सन्दर्भमा विकास मोडलको निर्माण गर्दा भारत र चिनको सन्निकटता, भूपरिवेष्ठित परिवेश, प्राकृतिक साधनको दोहन निति, भौतिक पूर्वाधारको आवश्यकता, जलस्रोतको पर्याप्तता, पर्यटकीय क्षेत्रहरूको विकास आदिमा ध्यान दिन जरुरी देखिन्छ । विकासको मार्गमा अग्रसर हुदै गरेको वर्तमान अवस्थामा नेपालले यी राष्ट्रहरूबाट शिक्षा लिन जरुरी रहेको छ । केन्द्र देखि स्थानीय तह सम्मका निकायहरूले यी मोडलहरूको अध्ययन गरि आफ्नो लागि उपयुक्त मोडल कुन हो पहिचान गरि भावी नीति र कार्यक्रम निर्माण गर्ने र कार्यान्वयन गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

## अनुसूची - २: बढागत रुपमा प्रस्तावित माग तथा कार्यक्रमहरू

### (क) आर्थिक क्षेत्र

#### १. कृषि तथा पशुपन्छी

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरू                               |
|------------------|---------------------------------------------------------------|
| <b>बडा नं. १</b> |                                                               |
| १                | माटो परीक्षणको व्यवस्था                                       |
| २                | उन्नत जातका बीउ विजन तथा मलको उपलब्धता                        |
| ३                | कृषि तथा पशुपन्छी सम्बन्धी तालिम तथा कार्यक्रम सञ्चालन        |
| <b>बडा नं. २</b> |                                                               |
| १                | उत्पादित कृषिको प्रवर्द्धन तथा बजारीकरण                       |
| २                | माटो परीक्षणको व्यवस्था                                       |
| ३                | पशुपन्छीपालन सम्बन्धी तालिमको व्यवस्था                        |
| ४                | टोभाङ, तोलाङ, रमाङलोडाँडा, भोटेगाउँ स्थित भेटरिनरीको व्यवस्था |
| <b>बडा नं. ३</b> |                                                               |
| १                | तरकारी पकेट क्षेत्र व्यवस्थिकरण तथा उचित बजारीकरण             |
| २                | कृषि प्राविधिकको व्यवस्था                                     |
| ३                | पशुपालन सम्बन्धी तालिम तथा जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन      |
| <b>बडा नं. ५</b> |                                                               |
| १                | सुन्तला खेती विनाशका समस्या पहिचान तथा समाधानका उपाय अवलम्बन  |
| २                | कृषि प्राविधिकको व्यवस्था                                     |
| <b>बडा नं. ६</b> |                                                               |
| १                | माटो परीक्षणको व्यवस्था                                       |
| २                | कृषि तथा पशुपालनमा यान्त्रिकीकरण                              |
| ३                | उत्पादित कृषिजन्य वस्तुहरूको प्रशोधन, प्रवर्द्धन तथा बजारीकरण |
| ४                | वन्यजन्तुहरूको नियन्त्रण (बादर, दुम्सी)                       |
| ५                | नगादेवाली तथा जडिबुटी उत्पादनलाई प्राथमिता तथा प्रशिक्षण      |
| ६                | खेती प्रणालीमा सुधार तथा खेती परिवर्तन                        |
| <b>बडा नं. ७</b> |                                                               |
| १                | कृषि प्राविधिक तथा बीउ विजनको व्यवस्था                        |
| २                | पशुपालन सम्बन्धी तालिमको व्यवस्था                             |
| ३                | उन्नत जातका पशुपालन वितरण                                     |
| ४                | भेटरिनरी सम्बन्धी दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था                     |

#### ३. सिँचाई

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरू                              |
|------------------|--------------------------------------------------------------|
| <b>बडा नं. १</b> |                                                              |
| १                | कालीन खोला देखि लितिवाङ सम्म लिफ्टइडद्वारा सिँचाईको व्यवस्था |

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                                                                  |
|------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| २                | भाराङ खोला देखि सम्पूर्ण भाराङ बस्तीमा लिफ्टिङ सिँचाईको व्यवस्था                                                 |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                                                                  |
| १                | तपसी खोला कुलो स्तरोन्नति                                                                                        |
| २                | नेपाले खोला कुलो स्तरोन्नति                                                                                      |
| ३                | आशाखोला कुलो स्तरोन्नति                                                                                          |
| ४                | यस क्षेत्रमा रहेका पाखाहरुमा सुन्तला, कागती, स्याउ तथा अनार खेतीका लागि पाइप तथा खोल्सा मार्फत सिँचाईको व्यवस्था |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                                                                                  |
| १                | पानीका मुहानहरुको पहिचान गरी प्रत्येक कृषि भूमिसम्म पाइप मार्फत सिँचाईको व्यवस्था                                |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                                                                                  |
| १                | त्रिशुली नदीदेखि लिफ्टिङ मार्फत सिँचाईको व्यवस्था                                                                |
| २                | नागदी खोला देखि लिफ्टिङ मार्फत सिँचाईको व्यवस्था                                                                 |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                                                                                  |
| १                | मुग्लिङ फाँटको लागि पक्की सिँचाईको व्यवस्था                                                                      |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                                                                                  |
| १                | याकराङ स्थित तल्लो टार र माथिल्लो टारमा सिँचाईको व्यवस्था                                                        |
| २                | ढुङ्गे, तुन्तेश, इनारपानी दाला लामाडाँडा हारवेस्टिङ                                                              |
| ३                | क्वयेलघारी, खानी गाउँ, पहिरेनी, काटीश्वरा, चारघरे, कालीखोला, तालति, अधामारा स्थित पाइप मार्फत सिँचाईको व्यवस्था  |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                                                                                  |
| १                | घोसेवेशी मुहानबाट चण्डी भञ्ज्याङ सम्म सिँचाई योजनाको स्तरोन्नति                                                  |
| २                | मूलस्याङदी हुँदै संगम, सिर्जनशिल, सुन्दरबस्ती जाने सिँचाई योजनाको स्तरोन्नति                                     |
| ३                | मूलस्याङदी तामाखानी सिँचाई योजनाको स्तरोन्नति                                                                    |
| ४                | सानो स्याङदी हुँदै समीगौडा जाने सिँचाई योजनाको स्तरोन्नति                                                        |
| ५                | खेतवारी सिँचाई कुलो डाम्नेबास देखि तिनघरे सम्मको सिँचाई योजनाको स्तरोन्नति                                       |
| ६                | बाङगे टोल कुलो अपुरो निर्माण कार्य समयमै सम्पन्न                                                                 |
| ७                | पिपलटार कुलो निर्माण                                                                                             |
| ८                | सिमलढाप सिँचाई कुलो स्तरोन्नति                                                                                   |
| ९                | चर्तुमुखी टोल विकास संस्थामा डिप बोरिङ माग                                                                       |
| १०               | सिर्जनशिल टोल विकास संस्थामा डिप बोरिङ माग                                                                       |

#### ४. पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                          |
|------------------|--------------------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                                          |
| १                | सिचाङ्चुली पर्यटकीय स्थलमा रेलिङ तथा सम्पूर्ण भौतिक पूर्वाधारको व्यवस्था |

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                                                                                                                                                                                                         |
|------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| २                | चेपाङ बस्ती अवलोकन                                                                                                                                                                                                                                      |
| ३                | चेपाङ सङ्ग्रहालयको मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति                                                                                                                                                                                                          |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                                                                                                                                                                                                         |
| १                | बालगौरी पाथिभरा मन्दिरको स्तरोन्नति                                                                                                                                                                                                                     |
| २                | कालिका मन्दिर थापथलीको स्तरोन्नति                                                                                                                                                                                                                       |
| ३                | देवथान मन्दिरको स्तरोन्नति                                                                                                                                                                                                                              |
| ४                | भुलभुले मन्दिरको स्तरोन्नति                                                                                                                                                                                                                             |
| ५                | सुक्रिम खोला स्थित पर्यटकीय स्थल निर्माण                                                                                                                                                                                                                |
| ६                | धादले भरना तथा धादले गुफामा भौतिक पूर्वाधार तथा सडकको व्यवस्था                                                                                                                                                                                          |
| ७                | सेतो पहरा गुफाको स्तरोन्नति                                                                                                                                                                                                                             |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                                                                                                                                                                                                                         |
| १                | चुम्लीङ गुम्बा स्तरोन्नति                                                                                                                                                                                                                               |
| २                | सिद्धार्थ शिवालय मन्दिर तारवारको व्यवस्था                                                                                                                                                                                                               |
| ३                | थानीमाई मन्दिर-चैबुङ, देवीथान-तुरलुक, भुमेथान-तोकदान, इच्छाकामनामन्दिर-थपना, देवीस्थान-चौतारा, अमला मन्दिर-नागदह, देवीस्थान-रुपलाङ, कमेरे (बालकुमार मन्दिर), शिवालय मन्दिर-नरसिङटार, शिव मन्दिर (जलेश्वर महादेव)-कुरिनघाटको मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                                                                                                                                                                                                                         |
| १                | इच्छाकामना-४ कुरिनटार स्थित मन्दिर व्यवस्थापन                                                                                                                                                                                                           |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                                                                                                                                                                                                                         |
| १                | इच्छाकामना मन्दिर सम्म पुग्ने पक्की सडक निर्माण                                                                                                                                                                                                         |
| २                | इच्छाकामना मन्दिर स्थित स्तरीय होटल तथा लज सञ्चालन                                                                                                                                                                                                      |
| ३                | महादेवथान मन्दिरको स्तरोन्नति तथा २५ फिट अग्लो माहादेवको मूर्तिको व्यवस्था                                                                                                                                                                              |
| ४                | बाल उद्यानको स्तरोन्नति तथा आवश्यक भौतिक पूर्वाधारको व्यवस्था                                                                                                                                                                                           |
| ५                | देवी डाँडा गुम्बाको स्तरोन्नति तथा भौतिक पूर्वाधारको व्यवस्था                                                                                                                                                                                           |
| ६                | मानव निर्मित सुरुङ (करिव ५० मि.) स्तरोन्नति                                                                                                                                                                                                             |
| ७                | मुग्लिङ गुरुङ समाज भवन निर्माण                                                                                                                                                                                                                          |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                                                                                                                                                                                                                         |
| १                | जलविरे भरना स्थित होम स्टे सञ्चालन                                                                                                                                                                                                                      |
| २                | मौलाकालिका मन्दिर, पुरानो टुँडिखेख, जलविरे मन्दिर, बौद्ध गुम्बा संरक्षण तथा स्तरोन्नति                                                                                                                                                                  |
| ३                | मौलाकालिका, टुँडिखेल, मौला थुम्की स्थित दुरविन जडान (विभिन्न भ्यू तथा हिमालयको दृश्य अवलोकन)                                                                                                                                                            |
| ४                | गौरीखोला भरन सम्म आवतजावतका लागि सडक तथा पर्यटकीय संरचना निर्माण                                                                                                                                                                                        |
| ५                | तमु त्ये ल्हु कैवो एकराङ गुम्बा संरक्षण                                                                                                                                                                                                                 |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                                                                                                                                                                                                                         |
| १                | दारेसिंग स्थित लखन गुफा संरक्षण तथा स्तरोन्नति                                                                                                                                                                                                          |
| २                | स्याङदी भरना स्तरोन्नति                                                                                                                                                                                                                                 |
| ३                | कापेस्थित सिम्लामाई मन्दिर संरक्षण तथा स्तरोन्नति                                                                                                                                                                                                       |
| ४                | कापेस्थित कापेतालको टुँडिखेल स्तरोन्नति                                                                                                                                                                                                                 |

| क्र.सं. | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                  |
|---------|--------------------------------------------------|
| ५       | उपरदाङगढी भौतिक पूर्वाधार निर्माण तथा स्तरोन्नति |
| ६       | चेपुवा भरना स्तरोन्नति                           |

#### ५. संस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्य

| क्र. सं.         | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                                    |
|------------------|------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                                                    |
| १                | चेपाङ, तामाङ र मगर समुदायका भाषा, गीत तथा परम्परा संस्कृतिको संरक्षण               |
| २                | विभिन्न जातजातिका संस्कार तथा संस्कृतिको संरक्षण तथा प्रोत्साहन                    |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                                    |
| १                | आवश्यकताका आधारमा साँस्कृतिक भवन केन्द्र स्थापना                                   |
| २                | चेपाङ बस्तीको संस्कृति प्रवर्द्धनका लागि होम स्टे तथा साँस्कृतिक कार्यक्रम सञ्चालन |
| ३                | चेपाङ संस्कृति प्रवर्द्धन सहित चेपाङ होम स्टे सञ्चालन                              |
| ४                | चेपाङ सङ्ग्रहालय स्थापना र सञ्चालन                                                 |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                                                    |
| १                | साहित्यिक केन्द्र स्थापना                                                          |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                                                    |
| १                | साहित्यिक केन्द्र स्थापना                                                          |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                                                    |
| १                | त्रिवेणी कला केन्द्रको स्तरोन्नति तथा भौतिक पूर्वाधारको व्यवस्था                   |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                                                    |
| १                | भाषा, धर्म, संस्कृति सम्बन्धी प्रशिक्षण तथा प्रचार प्रसार केन्द्र स्थापना          |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                                                    |
| १                | साँस्कृतिक पुस्तकालय तथा सामुदायिक अध्ययन केन्द्र स्थापना                          |

#### ६. उद्योग, व्यापार, व्यवसाय तथा आपूर्ति

| क्र. सं.         | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                                                                                                         |
|------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                                                                                                                         |
| १                | जडिवुटी प्रशोधन केन्द्र स्थापना (पाखन वेद, कुरिलो, वाजुरी, कुकुर तरुल, १२ टुसे (सेतो जरा), हरचुल, चिराइतो, गडिकुरो, ठूलो औषधी, सिस्नु, अल्लो, तितेपाती) |
| २                | कुखुरा तथा बाखा पालन व्यवसाय प्रवर्द्धन                                                                                                                 |
| ३                | टिम्पुर खेती प्रवर्द्धन                                                                                                                                 |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                                                                                                         |
| १                | जडिवुटी प्रशोधन केन्द्रको स्थापना (पाखनवेद, गाइकुरे, ठूलो औषधी, चिराइतो, तितेपाती, रुदिलो, लहरे गोजे, कुरिलो, बाभुरी, कुकुर तरुल)                       |
| २                | सुन्तला प्रशोधन मार्फत जुस उद्योग सञ्चालन                                                                                                               |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                                                                                                                         |
| १                | सस उद्योग सञ्चालन                                                                                                                                       |
| २                | पानी उद्योग सञ्चालन                                                                                                                                     |

| क्र. सं.         | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                   |
|------------------|---------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                   |
| १                | सस उद्योग सञ्चालन                                 |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                   |
| १                | सिस्नु, टमाटर, असुरो, तितेपाती व्यवसाय प्रवर्द्धन |
| २                | भिरघारी चौर स्थित औद्योगिक ग्राम स्थापना          |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                   |
| १                | जडिवुटी प्रशोधन केन्द्र स्थापना                   |
| २                | गार्मेन्ट उद्योग सञ्चालन                          |

#### ७. बैङ्क तथा सहकारी/गरिबी निवारण

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                                 |
|------------------|---------------------------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                                                 |
| १                | सहुलियत दरमा ऋण प्रदान गर्ने कृषि सहकारीको व्यवस्था                             |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                                 |
| १                | सहुलियत दरमा ऋण प्रदान गर्ने कृषि सहकारीको व्यवस्था                             |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                                                 |
| १                | वाणिज्य बैङ्कको शाखा स्थापना                                                    |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                                                 |
| १                | मल, बीउ विजन तथा किटनाशक औषधी वितरण गर्ने प्रयोजनका लागि कृषि सहकारीको व्यवस्था |

#### ८. श्रम तथा रोजगार

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                                                      |
|------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                                                                      |
| १                | विभिन्न सिपमूलक तालिमको व्यवस्था                                                                     |
| २                | बालश्रम न्यूनीकरण सम्बन्धी अभिमूखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन                                              |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                                                      |
| १                | सिपमूलक तालिम तथा कार्यक्रम सञ्चालन (पल्मविड, विजुली वाइरिड, सिलाइ कटाइ, ब्युटिसियन)                 |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                                                                      |
| १                | सिपमूलक तालिम तथा कार्यक्रम सञ्चालन (पल्मविड, विजुली वाइरिड, कम्प्युटर ट्रेनिङ, हार्डवेयर, सफ्टवेयर) |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                                                                      |
| १                | वडामा स्थानीय सरकारको मातहतमा रहेका उद्योग, व्यापार, व्यवसायमा श्रमिकको नियुक्ती                     |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                                                                      |
| १                | विभिन्न सिपमूलक तालिमको व्यवस्था (ब्युटिसियन, ह्यान्ड क्राफ्ट, बरिस्टा ट्रेनिङ)                      |

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु            |
|------------------|--------------------------------------------|
| <b>वडा नं. ६</b> |                                            |
| १                | क्षमता तथा दक्षता अनुसार प्रमाण पत्र वितरण |
| २                | विभिन्न सिपमूलक तालिमको व्यवस्था           |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                            |
| १                | विभिन्न सिपमूलक तालिमको व्यवस्था           |

#### (ख) सामाजिक क्षेत्र

#### १. स्वास्थ्य तथा पोषण

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                                        |
|------------------|----------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                                                        |
| १                | आवश्यकता अनुसार स्वास्थ्य संस्था भवन तथा एम्बुलेन्सको व्यवस्था                         |
| २                | स्वास्थ्य संस्थामा आवश्यकता अनुसारको भौतिक पूर्वाधारको व्यवस्था                        |
| ३                | गरीब तथा कुपोषित बालाबालिकामा पोषणयुक्त खानेकुरा वितरण                                 |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                                        |
| १                | एम्बुलेन्सको व्यवस्था                                                                  |
| २                | गरीब तथा कुपोषित बालबालिकामा पोषणयुक्त खानेकुरा वितरण                                  |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                                                        |
| १                | एम्बुलेन्सको व्यवस्था                                                                  |
| २                | स्वास्थ्य संस्थामा बर्थिङ सेन्टर तथा I.C.U को व्यवस्था                                 |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                                                        |
| १                | इच्छाकामना आधारभूत अस्पताल निर्माण सम्पन्न गर्न बजेटको व्यवस्था                        |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                                                        |
| १                | पामडाँडा स्वास्थ्य चौकी स्थित बर्थिङ सेन्टर तथा एम्बुलेन्सको व्यवस्था                  |
| २                | गरीब तथा निमुखा बालबालिकाहरुमा पोषणयुक्त खानेकुरा वितरण                                |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                                                        |
| १                | चण्डी भञ्ज्याङ इलाका हेल्थ पोष्ट स्थित भिडियो एक्स-रे सहित कर्मचारी दरबन्दीको व्यवस्था |
| २                | वडा कार्यालयमा प्राथमिक उपचार इकाइको व्यवस्था                                          |
| ३                | चण्डी भञ्ज्याङ हेल्थ पोष्ट भवन निर्माण                                                 |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                                                        |
| १                | स्याङ्दी उपस्वास्थ्य चौकीको स्तरोन्नति, एम्बुलेन्स तथा दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था         |

#### २. शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                           |
|------------------|-----------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                           |
| १                | जीवनज्योति प्रा.वि. मा भवनको व्यवस्था तथा पहिरो नियन्त्रण |
| २                | जनता आ.वि. राङ्चुडमा भवनको व्यवस्था                       |
| ३                | सिराङ्चुली आ.वि. मा भवन तथा तारबारको व्यवस्था             |

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                                                                                                                                                                                |
|------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ४                | हातिवाड (श्री राष्ट्रिय मा.वि.) मा छात्र/छात्रावास सहित खानेपानीको सुविधा                                                                                                                                                      |
| ५                | भाराड (रा.आ.वि.) मा कम्पाउन्ड सहित भौतिक पूर्वाधारको व्यवस्था                                                                                                                                                                  |
| ६                | चित्तकाली आ.वि. मा भवनको व्यवस्था                                                                                                                                                                                              |
| ७                | तिपाड आ.वि. मा भवन तथा भौतिक पूर्वाधारको व्यवस्था                                                                                                                                                                              |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                                                                                                                                                                                |
| १                | आधारभूत विद्यालय छापडाँडा (सिद्धकाली आ.वि. छापडाँडा), घोटेगाउँ आ.वि., तैवाड आ.वि., सरस्वती आ.वि., मैतेस डाँडागाउँ आ.वि. (सुर्योज्योति) ल्यामधार आ.वि., ठाडो खोला आ.वि. स्थित सम्पूर्ण विद्यालयहरुको भवन निर्माण तथा स्तरोन्नति |
| २                | जनप्रिय मा.वि. मा छात्र/छात्रावास तथा मा.वि. शिक्षक दरबन्दीको व्यवस्था                                                                                                                                                         |
| ३                | यातायात सञ्चालन तथा शिक्षक बसोबास स्थानको व्यवस्था                                                                                                                                                                             |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                                                                                                                                                                                                |
| १                | रा.आ.वि. फिस्लिडमा भवन तथा भौतिक पूर्वाधारको व्यवस्था                                                                                                                                                                          |
| २                | माभगाउँ मा.वि. मा छात्र/छात्रावासको व्यवस्था                                                                                                                                                                                   |
| ३                | रा.आ.वि. धुसाको स्तरोन्नति                                                                                                                                                                                                     |
| ४                | रा.आ.वि. चैवडाको स्तरोन्नति                                                                                                                                                                                                    |
| ५                | रा.आ.वि. चौतारा विद्यालय भवन थप तथा स्तरोन्नति                                                                                                                                                                                 |
| ६                | रा.आ.वि. ओरेकको स्तरोन्नति                                                                                                                                                                                                     |
| ७                | रा.आ.वि. कमिरेको भवन थप तथा स्तरोन्नति                                                                                                                                                                                         |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                                                                                                                                                                                                |
| १                | चक्रदेखि आ.वि. स्याक्लाडको स्तरोन्नति तथा पहिरो नियन्त्रण                                                                                                                                                                      |
| २                | सर्वशान्ति मा.वि. मा छात्रावास तथा विज्ञान प्रविधिको व्यवस्था                                                                                                                                                                  |
| ३                | बकुलरी आ.वि. मा पूर्वाधार निर्माण                                                                                                                                                                                              |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                                                                                                                                                                                                |
| १                | राष्ट्रिय आ.वि. पामडाँडामा भवन तथा कम्पाउन्ड निर्माण                                                                                                                                                                           |
| २                | राष्ट्रिय आ.वि. को भौतिक पूर्वाधार सहितको भवन निर्माण                                                                                                                                                                          |
| ३                | नि.मा.वि. आवश्यकताका आधारमा शिक्षक दरबन्दी                                                                                                                                                                                     |
| ४                | तामडाँडा विद्यालयमा विज्ञान प्रयोगशाला निर्माण                                                                                                                                                                                 |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                                                                                                                                                                                                |
| १                | ढुङ्गे मा.वि. भवन निर्माण                                                                                                                                                                                                      |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                                                                                                                                                                                                |
| १                | राष्ट्रिय मा.वि. गर्दासमा प्राविधिक धारको शिक्षा सहित छात्रावासको व्यवस्था                                                                                                                                                     |
| २                | आदर्श आ.वि., चण्डेश्वरी आ.वि., आधारभूत विद्यालय खेतवारी, रानीखोला मा.वि., राष्ट्रिय मा.वि. गर्दास, देउराली आ.वि. सुन्दरबस्ती, रा.आ.वि. उपरदाङ्गढी लगायतका विद्यालयमा भौतिक पूर्वाधार निर्माण तथा स्तरोन्नति                    |

### ३. खानेपानी तथा सरसफाई

| क्र.सं.          | भाग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                                                                           |
|------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                                                                                           |
| १                | ज्यानदाला खानेपानी योजना, कालिङ कुलवाड खानेपानी योजना, हातिवाड खानेपानी योजना, राजभोक खानेपानी योजनाको स्तरोन्नति         |
| २                | दुम्सापुग देखि माथिल्लो देवीथानमा खानेपानी पाइपको व्यवस्था                                                                |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                                                                           |
| १                | ठाडो स्थितका बस्ती, कटुसे डाँडा बस्ती, तल्लो टोला बस्ती, निबुवा डाँडा स्थितका बस्तीहरुमा एक घर एक धाराको व्यवस्था         |
| २                | आवश्यकताका आधारमा सार्वजनिक शौचालय निर्माण                                                                                |
| ३                | रमाइलो डाँडा स्थितका टोलमा एक घर एक धाराको व्यवस्था                                                                       |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                                                                                           |
| १                | जारकोट कमिरे खानेपानी योजना मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति                                                                   |
| २                | रुपलाड खानेपानी योजना मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति                                                                         |
| ३                | मौवाखोला देखि फिस्लिङ स्थित ट्याङ्गी मार्फत खानेपानीको व्यवस्था                                                           |
| ४                | तल्लो डुडेमा खानेपानी ट्याङ्गीको व्यवस्था                                                                                 |
| ५                | माथिल्लो डुडेमा सञ्चालन खानेपानी योजना मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति                                                        |
| ६                | धादरेवाज खानेपानी योजना मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति                                                                       |
| ७                | धारापानी खानेपानी योजना स्थित ठुलोपानी सहित पाइप विस्तार                                                                  |
| ८                | सिस्नेरी खानेपानी मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति                                                                             |
| ९                | चौतारा, नागदह, चिसापानी लिफ्टिङ आयोजनामा रहेका ट्याङ्गीको क्षमता वृद्धि                                                   |
| १०               | माझगाउँमा खानेपानी ट्याङ्गी निर्माण                                                                                       |
| ११               | गोपे खोला, आरेक खानेपानी योजनाको स्तरोन्नति                                                                               |
| १२               | चुल्ली भिर, गोलीवाड, चन्दने, तुरलुक, चैबुङ, दुसा, डाँडागाउँ, पिपलडाँडा स्थितका खानेपानी योजना मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                                                                                           |
| १                | लेवाटारमा फिल्टरको व्यवस्था                                                                                               |
| २                | चिसापानी खानेपानी योजनाको मुहान शुद्धिकरण तथा फिल्टरको व्यवस्था                                                           |
| ३                | कुरिनटार ग्रामिण खानेपानीको शुद्धिकरण तथा ठुलो ट्याङ्गीको व्यवस्था                                                        |
| ४                | स्याक्लाङ, जोरखोला खानेपानी योजनाको स्तरोन्नति                                                                            |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                                                                                           |
| १                | कालिखोला स्थित रहेको पानीको मुहानबाट शान्ति बजार सम्म शुद्ध पानीको व्यवस्था                                               |
| २                | पहेलो ढुङ्गा स्थित ठुलो वन मुहानबाट प्रत्येक परिवारमा पानी वितरण                                                          |

| क्र.सं.          | भाग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                                |
|------------------|--------------------------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                                                |
| १                | जमुनडाँडा स्थित तारेपधेरादेखि फिल्टर गरी प्रत्येक परिवारमा खानेपानीको व्यवस्था |
| २                | पाँचपाते गैरा ढाला, थामडाँडा खानेपानी योजना मर्मत सम्भार                       |
| ३                | चुनेखाल्टा मुहानवाट बडहरे टोलमा खानेपानीको व्यवस्था                            |
| ४                | टोड्के खानेपानी योजनाको स्तरोन्नति                                             |
| ५                | रिठाखोला मुहानवाट शिखर नौकिलो खानेपानी योजना निर्माण                           |
| ६                | रैबुङ खोला खानेपानी पुर्ननिर्माण                                               |
| ७                | जलविरे गेट स्थित सार्वजनिक शौचालय निर्माण                                      |
| ८                | भालुढुङ्गा सार्वजनिक शौचालय निर्माण                                            |
| ९                | कालिखोला प्रतिकालय स्थित सार्वजनिक शौचालय निर्माण                              |
| १०               | चनौटे खानेपानी योजना स्तरोन्नति                                                |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                                                |
| १                | प्रयोगमा रहेका खानेपानीका स्रोतहरुको भौतिक पूर्वाधार निर्माण तथा स्तरोन्नति    |
| २                | आवश्यकताका आधारमा सार्वजनिक शौचालय निर्माण                                     |

#### ५. महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग

| क्र.सं.          | भाग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                                |
|------------------|--------------------------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                                                |
| १                | महिलाहरुका लागि सिपमूलक तालिमको व्यवस्था                                       |
| २                | महिला सामुदायिक भवन निर्माण                                                    |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                                |
| १                | सिपमूलक तालिमको व्यवस्था                                                       |
| २                | सिपमूलक बाल शिक्षाको व्यवस्था                                                  |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                                                |
| १                | महिलाहरुका लागि सिपमूलक तालिमको व्यवस्था (अचार बनाउने, कफि बनाउने, ब्युटिसियन) |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                                                |
| १                | सिपमूलक तालिमको व्यवस्था                                                       |
| २                | महिला अभिमूखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन                                             |
| ३                | प्राथमिकताका आधारमा महिलालाई रोजगारीको व्यवस्था                                |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                                                |
| १                | महिला सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम                                           |
| २                | बालबालिकाका लागि सिपमूलक शिक्षा                                                |
| ३                | बालश्रम न्यूनीकरण सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम                               |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                                                |
| १                | बालबालिकाका लागि सिपमूलक शिक्षा                                                |

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                 |
|------------------|-------------------------------------------------|
| २                | महिलाहरुका लागि सिपमूलक तथा नेतृत्व विकास तालिम |
| <b>बडा नं. ७</b> |                                                 |
| १                | सामुदायिक सिकाई केन्द्र स्थापना                 |

#### ६. शान्ति सुरक्षा

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                  |
|------------------|--------------------------------------------------|
| <b>बडा नं. २</b> |                                                  |
| १                | स्थायी प्रहरी विट निर्माण                        |
| <b>बडा नं. ४</b> |                                                  |
| १                | कुरिनटार स्थित अस्थायी प्रहरी चौकीको भवन निर्माण |
| <b>बडा नं. ५</b> |                                                  |
| १                | मुग्लिङ स्थित अस्थायी प्रहरी विट निर्माण         |
| <b>बडा नं. ७</b> |                                                  |
| १                | अस्थायी प्रहरी विट निर्माण                       |

#### ७. सामाजिक सुरक्षा

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                  |
|------------------|------------------------------------------------------------------|
| <b>बडा नं. १</b> |                                                                  |
| १                | नागरिकता विहिन वर्गलाई नागरिकता वितरण तथा वृद्ध भत्ताको व्यवस्था |
| <b>बडा नं. २</b> |                                                                  |
| १                | वृद्धवृद्धाको हात हातमा सामाजिक सुरक्षा भत्ताको व्यवस्था         |
| २                | गरीब तथा अशक्तहरुका लागि भत्ता तथा निशुल्क शिक्षाको व्यवस्था     |
| <b>बडा नं. ३</b> |                                                                  |
| १                | गरीब तथा अशक्तहरुका लागि सामाजिक सुरक्षा भत्ताको व्यवस्था        |
| <b>बडा नं. ७</b> |                                                                  |
| १                | वृद्धवृद्धाको हात हातमा सामाजिक सुरक्षा भत्ताको व्यवस्था         |

#### ८. युवा तथा खेलकुद

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                         |
|------------------|-------------------------------------------------------------------------|
| <b>बडा नं. १</b> |                                                                         |
| १                | इच्छाकामना-१ हात्तीबाडमा नयाँ खेल मैदानको व्यवस्था (सुर्योदय युवा क्लब) |
| <b>बडा नं. २</b> |                                                                         |
| १                | कल्याणाटार खेल मैदानको स्तरोन्नति                                       |
| २                | मायाटारमा खेल मैदान निर्माण                                             |
| <b>बडा नं. ३</b> |                                                                         |
| १                | चौतारा खेल मैदान, कुरिनघाट खेल मैदानको स्तरोन्नति                       |
| २                | खेलाडीहरुलाई प्रोत्साहन                                                 |
| <b>बडा नं. ४</b> |                                                                         |
| १                | सर्वशान्ति खेल मैदानको स्तरोन्नति                                       |

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                         |
|------------------|---------------------------------------------------------|
| २                | धारापानीमा पार्क निर्माण                                |
| ३                | लेवाटार खेल मैदान निर्माण                               |
| ४                | धारापानी गैरीगाउँ बालउद्यानको स्तरोन्नति                |
| ५                | कुरिनटार बालउद्यानमा भौतिक पूर्वाधारको व्यवस्था         |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                         |
| १                | मुग्लिङ स्थित कवर्ड हल निर्माण                          |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                         |
| १                | टुँडिखेल खेल मैदान स्तरोन्नति                           |
| २                | एकराङ स्थित खेल मैदान स्तरोन्नति                        |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                         |
| १                | सञ्चालनमा रहेका खेलमैदानहरुको स्तरोन्नति                |
| २                | आवश्यकताका आधारमा टोल विकास संस्थामा ओपन जिमको व्यवस्था |

#### ९. शवदाहस्थल तथा समाधीस्थल व्यवस्थापन

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                                                                                                                  |
|------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                                                                                                                                  |
| १                | चिहान डाँडा र दोभान खोला स्थित भौतिक पूर्वाधार सहितको शवदाहस्थल निर्माण                                                                                          |
| २                | आवश्यकताका आधारमा क्रियापूत्री भवन निर्माण                                                                                                                       |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                                                                                                                  |
| १                | दोभान खोला स्थित भौतिक पूर्वाधार सहितको शवदाहस्थल निर्माण                                                                                                        |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                                                                                                                                  |
| १                | त्रिशूली नदी किनार, चौतारा, नागदह, दारे चोक, रुपलाङ, चैपुङ, तुरुक, कमेरे, डहगीन, चन्धने, धुसा, डाँडागाउँ र पिपल डाँडामा भौतिक पूर्वाधार सहितको शवदाहस्थल निर्माण |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                                                                                                                                  |
| १                | धारापानी स्थित भौतिक पूर्वाधार सहितको शवदाहस्थल निर्माण                                                                                                          |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                                                                                                                                  |
| १                | महादेवथान स्थित भौतिक पूर्वाधार सम्पन्न शवदाहस्थल निर्माण                                                                                                        |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                                                                                                                                  |
| १                | कालिखोला घाट, जलविरे घाट, क्वयेल घारी (डुडेआहाल) स्थित भौतिक पूर्वाधार सम्पन्न शवदाहस्थल निर्माण                                                                 |
| २                | भालु दुङ्गा घाट स्थित भौतिक पूर्वाधार सम्पन्न शवदाहस्थल निर्माण                                                                                                  |
| ३                | ढालाआहाल स्थित भौतिक पूर्वाधार सम्पन्न शवदाहस्थल निर्माण                                                                                                         |
| ४                | स्यालबुट्टे आहाल स्थित भौतिक पूर्वाधार सम्पन्न शवदाहस्थल निर्माण                                                                                                 |
| ५                | तालडाँडा स्थित भौतिक पूर्वाधार सम्पन्न शवदाहस्थल निर्माण                                                                                                         |
| ६                | वरपिपल आहाल स्थित भौतिक पूर्वाधार सम्पन्न शवदाहस्थल निर्माण                                                                                                      |
| ७                | पाँचभाङ टोल स्थित भौतिक पूर्वाधार सम्पन्न शवदाहस्थल निर्माण                                                                                                      |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                                                                                                                                  |
| १                | आवश्यकताका आधारमा भौतिक पूर्वाधार सम्पन्न शवदाहस्थल निर्माण                                                                                                      |

(ग) पूर्वाधार क्षेत्र

१. बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                |
|------------------|------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                |
| १                | आवश्यकताका आधारमा आवास निर्माण                 |
| २                | सिराइचुलीमा धर्मशाला निर्माण                   |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                |
| १                | आवश्यकताका आधारमा सार्वजनिक भवन निर्माण        |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                |
| १                | आवश्यकताका आधारमा सार्वजनिक भवन निर्माण        |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                |
| १                | गैरीगाउँ स्थित सार्वजनिक भवन थप तथा स्तरोन्नति |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                |
| १                | अव्यवस्थित आप्रवासीहरुको उचित व्यवस्थापन       |
| २                | शान्ति बजार स्थित सार्वजनिक भवन निर्माण        |
| ३                | तामिन सार्वजनिक भवन निर्माण                    |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                |
| १                | ढाला थामडाँडा स्थित सामुदायिक भवन निर्माण      |
| २                | क्वयेलघारी सामुदायिक भवन निर्माण               |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                |
| १                | आवश्यकताका आधारमा आवास निर्माण                 |
| २                | आवश्यकताका आधारमा सामुदायिक भवन निर्माण        |

२. सडक, पुल तथा यातायात

सडक

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                          |
|------------------|--------------------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                                          |
| १                | वडाका सम्पूर्ण शाखा सडकहरुको ढलान तथा स्तरोन्नति                         |
| २                | वडा नं. १ र २ तोवाड र खोलाघारी जोड्ने भोलुङ्गे पुल तथा पक्की पुल निर्माण |
| ३                | भाराडमा पक्की पुल निर्माण                                                |
| ४                | तारवाड खोलामा पक्की पुल निर्माण                                          |
| ५                | सैरलिङ गाउँ जाने सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति                              |
| ६                | तिपाङको तामराङ गाउँ जाने सडक निर्माण                                     |
| ७                | तारवाड र गबराङ जाने सडक निर्माण                                          |
| ८                | कोप्चराङ गाउँ जाने सडक निर्माण                                           |
| ९                | कूलवाड गाउँ जाने सडक निर्माण                                             |

| क्र.सं.          | भाग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                                |
|------------------|--------------------------------------------------------------------------------|
| १०               | सातधारा भिर हुँदै भाराड जाने सडक निर्माण                                       |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                                |
| १                | वडाका सम्पूर्ण शाखा सडकहरुको ढलान तथा स्तरोन्नति                               |
| २                | हपनी देखि फिस्लिड जाने सडक निर्माण                                             |
| ३                | मायाटार देखि काउले जोड्ने नेपाले खोलामा भोलुङ्गे पुल तथा पक्की पुल निर्माण     |
| ४                | आशाखोला स्थित रिद्धी खोला गोगुना पानी स्थित भोलुङ्गे पुल निर्माण               |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                                                |
| १                | वडाका सम्पूर्ण शाखा सडकहरुको स्तरोन्नति                                        |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                                                |
| १                | कुरिनटार देखि वेलडाँडा हुँदै स्याकलाड बाभ्र गाउँ केवलकार सम्मको सडक स्तरोन्नति |
| २                | नयाँ बस्ती भित्रको सडक स्तरोन्नति                                              |
| ३                | नयाँ बस्ती देखि शान्ति टोल सम्मको सडक स्तरोन्नति                               |
| ४                | सर्वशान्ति विद्यालय देखि प्रगति पाठशाला हुँदै कुरिनटार सम्मको सडक स्तरोन्नति   |
| ५                | इच्छाकामना मन्दिर देखि ट्रमा सेन्टर सम्मको सडक स्तरोन्नति                      |
| ६                | लेवाटार स्थितका भित्री सडकको स्तरोन्नति                                        |
| ७                | केवलकार देखि बाभ्र गाउँ सम्मको सडक स्तरोन्नति                                  |
| ८                | पृथ्वी राजमार्ग देखि मसानघाट सम्म जाने सडकको स्तरोन्नति                        |
| ९                | इच्छाकामना गाउँपालिका वडा नं. ४ को पृथ्वी राजमार्गको दायाँबायाँ सब-वे निर्माण  |
| १०               | दानडाँडा घुम्ती देखि क्याम्पस चोक सम्मको सडक स्तरोन्नति                        |
| ११               | गैरीगाउँ भित्री सडकको स्तरोन्नति                                               |
| १२               | भसभसे देखि सोताबगर सम्मको सडक स्तरोन्नति                                       |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                                                |
| १                | वडाका सम्पूर्ण शाखा सडकहरुको स्तरोन्नति                                        |
| २                | मुग्लिड, तामीन, इच्छाकामना सडकको स्तरोन्नति                                    |
| ३                | फोक्सिड, पामडाँडा, किटश्वरा सडकको स्तरोन्नति                                   |
| ४                | नेपडाँडा देखि स्वामीडाँडा जोड्ने भोलुङ्गे पुल निर्माण                          |
| ५                | शान्तिबजार देखि धाकलडाँडा कृषि सडक निर्माण                                     |
| ६                | वडा कार्यालयबाट त्रिवेणी भोलुङ्गे पुल सम्मको सडक स्तरोन्नति                    |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                                                |
| १                | वडाका सम्पूर्ण शाखा सडकहरुको स्तरोन्नति                                        |
| २                | ढुङ्गे उपडाङ्गढी मोटर बाटो निर्माण                                             |

| क्र.सं.          | भाग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                                                    |
|------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------|
| ३                | अधामारा कासी भञ्ज्याङ मोटर बाटो ट्रयाक निर्माण                                                     |
| ४                | अधामारा रैबुङ मोटर बाटो ट्रयाक निर्माण                                                             |
| ५                | खानीगाउँ टाङ्के मोटर बाटो ट्रयाक निर्माण                                                           |
| ६                | रिदी खोला तिरीली स्थित भोलुङ्गे पुल मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति                                    |
| ७                | ठाटी मोटर पुल निर्माण                                                                              |
| ८                | पाङ्गडे ढाप खोलामा कल्भर्ट निर्माण                                                                 |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                                                                    |
| १                | भ.म.न.पा. ११ देखि सिमहाल खेतवारी हुँदै राष्ट्रिय मा.वि. गर्दास जोड्ने सडक कालोपत्रे तथा स्तरोन्नति |
| २                | राष्ट्रिय मा.वि. गर्दास देखि गैरीवारी हुँदै शक्तिखोर जोड्ने सडक कालोपत्रे तथा स्तरोन्नति           |
| ३                | खेतवारी देखि दाहाखानी हुँदै उपरदाङ्गढी जोड्ने सडक कालोपत्रे तथा स्तरोन्नति                         |
| ४                | खेतवारी पिपरटार देखि भ.म.न.पा. मा पर्ने जुगेडी जोड्ने सडक स्तरोन्नति                               |
| ५                | स्याङ्दी र ल्होसे जोड्ने स्याङ्दी खोलामा पक्की पुल निर्माण                                         |
| ६                | भालुमारा त्रिएक मुक्ति चर्च देखि समिगौडा जोड्ने खोलामा पक्की पुल निर्माण                           |
| ७                | सोमरी खोलामा पक्की पुल निर्माण                                                                     |
| ८                | लगनशील युवा क्लववेशी पिकनिक स्पट जाने साउने पानी गैरामा भोलुङ्गे पुल निर्माण                       |
| ९                | स्याङ्दी भरना देखि भालुमारा हुँदै कालिका नगर पालिका जोड्ने सडक कालोपत्रे तथा तथा स्तरोन्नति        |
| १०               | चण्डीस्थान देखि लखन गुफा हुँदै उपरदाङ्ग गढी जोड्ने मोटर बाटो निर्माण                               |

### ३. जलश्रोत, विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा

| क्र.सं.          | भाग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                    |
|------------------|--------------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                                    |
| १                | वडाभित्र आवश्यकताका आधारमा विद्युत पोलको व्यवस्था                  |
| २                | आवश्यकताका आधारमा ट्रान्सफर्मरको व्यवस्था                          |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                    |
| १                | विद्युत क्षमता बृद्धि                                              |
| २                | भोटेगाउँमा आवश्यकताका आधारमा ट्रान्सफर्मर तथा मिटर बक्सको व्यवस्था |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                                    |
| १                | आवश्यकताका आधारमा विद्युत पोलको व्यवस्था                           |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                                    |
| १                | आवश्यकताका आधारमा ट्रान्सफर्मरको व्यवस्था                          |
| २                | हाइवे तथा भित्री सडकमा सडक बत्ती जडान                              |

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                     |
|------------------|---------------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                                     |
| १                | आवश्यकताका आधारमा विद्युत पोलको व्यवस्था                            |
| २                | बासभ्याड स्थित जलस्रोत संरक्षण                                      |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                                     |
| १                | चुदारा कालोखोट स्थित आवश्यकताका आधारमा विद्युत पोल विस्तार          |
| २                | नाङ्गो तार हटाइ कालो इन्सुलेसन विस्तार                              |
| ३                | लामो भरना मुहान संरक्षण                                             |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                                     |
| १                | इच्छाकामना-७ मा अवस्थित प्रत्येक टोलमा विद्युत प्रसारण लाइन विस्तार |

#### ४. सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु            |
|------------------|--------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                            |
| १                | आवश्यकताका आधारमा NTC Tower को व्यवस्था    |
| २                | कुलवाड डाँडामा रहेको टावर सञ्चालन          |
| ३                | इन्टरनेट तारको उपलब्धता                    |
| <b>वडा नं. २</b> |                                            |
| १                | आवश्यकताका आधारमा NTC Tower को व्यवस्था    |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                            |
| १                | फिस्लिडमा NTC Tower को व्यवस्था            |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                            |
| १                | हाइवेमा सि.सि. क्यामेरा जडान               |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                            |
| १                | NTC Tower को व्यवस्था                      |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                            |
| १                | चण्डी भञ्ज्याङ स्थित NTC Tower को व्यवस्था |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                            |
| १                | चण्डीस्थानमा NTC Tower को व्यवस्था         |

#### (घ) वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र

#### १. खानी तथा खनिज

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                          |
|------------------|--------------------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                                          |
| १                | सरलिङ तिपाङ स्थित फलाम खानी पहिचान तथा उत्खनन                            |
| २                | सिमेन्ट उत्पादनका लागि भाराङ खोला स्थित कच्चा पदार्थको पहिचान तथा उत्खनन |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                          |
| १                | गोगुन पानी स्थित चुनदुङ्गा खानी उत्खनन                                   |

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                        |
|------------------|--------------------------------------------------------|
| २                | रमाइलो डाँडा स्थित चुनदुङ्गा खानी उत्खनन               |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                        |
| १                | कुइभिर (तल्लो डुडे) स्थित चुनदुङ्गा खानी उत्खनन        |
| २                | रातापानी स्थित तामाखानी उत्खनन                         |
| ३                | ओखलेटार स्थित छाउनी दुङ्गाखानी उत्खनन                  |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                        |
| १                | दुङ्गा, गिट्टी उत्खनन तथा बेचबिखन                      |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                        |
| १                | गोटेडाँडा स्थित दुङ्गाखानी पहिचान तथा उत्खनन           |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                        |
| १                | विभिन्न खानी पहिचान तथा उत्खनन (कमेरो माटो, चुनदुङ्गा) |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                        |
| १                | राडखानी घोलस्थित तामाखानी पहिचान तथा उत्खनन            |

## २. भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                                                                          |
|------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                                                                                          |
| १                | विजोक खोलामा तटवनधको व्यवस्था                                                                                            |
| २                | भाराङ खोलामा तटवनधको व्यवस्था                                                                                            |
| ३                | खाली स्थानमा वृक्षारोपण                                                                                                  |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                                                                          |
| १                | भोराडेघारी स्थित तटवनधको व्यवस्था                                                                                        |
| २                | रिद्धी खोला, आशा खोला, नेपाले खोला स्थितका खेतीयोग्य जमिन तथा बस्ती संरक्षणका लागि तटवनधको व्यवस्था                      |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                                                                                          |
| १                | वारवाङ खोला, चुम खोला, दुकुर खोला, च्यानी खोला, त्रिशुली नदी स्थितका मानव बस्ती तथा खेतीयोग्य जमिनमा तटवनधको व्यवस्था    |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                                                                                          |
| १                | वारवाङ खोला, सुकौरा खोला, सोता बगर, कुम खोला, धारादि खोला स्थित खेतीयोग्य जमिन तथा बस्ती संरक्षणका लागि तटवनधको व्यवस्था |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                                                                                          |
| १                | खहरे खोला, त्रिशुली नदी, भोर्ले खोला स्थितका खेतीयोग्य जमिन तथा बस्ती संरक्षणका लागि तटवनधको व्यवस्था                    |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                                                                                          |
| १                | कालिखोला तालति, पाँचकिलो पैरेनी चनौटे सोती खोला स्थितका खेतीयोग्य जमिन तथा बस्ती संरक्षणका लागि तटवनधको व्यवस्था         |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                                                                                          |
| १                | मुलस्याङदी हुँदै भूकम्प टोल सम्म तटवनधको व्यवस्था                                                                        |
| २                | स्याङदी खोलाको घटेकुलो देखि थानखोला सम्म तटवनधको व्यवस्था                                                                |

### ३. वातावरण तथा फोहरमैला व्यवस्थापन

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                            |
|------------------|------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                            |
| १                | फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि डम्पिङ साइट निर्माण            |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                            |
| १                | डम्पिङ साइट तथा फोहोर उठाउने गाडीको व्यवस्था               |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                            |
| १                | डम्पिङ साइटको व्यवस्था                                     |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                            |
| १                | डम्पिङ साइट व्यवस्थापनका लागि बजेटको व्यवस्था              |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                            |
| १                | हप्तामा २ पटक फोहोर संकलनको व्यवस्था                       |
| २                | मुग्लिङ बजारमा ढलको व्यवस्थापन                             |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                            |
| १                | वडा भित्रको हाइवे सडकमा फोहोर फाल्नेलाई कारवाहीको व्यवस्था |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                            |
| १                | डम्पिङ साइटको व्यवस्था                                     |

### ४. वन, वातावरण तथा जैविक विविधता

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                 |
|------------------|-----------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                                 |
| १                | वनजंगल तथा वन्यजन्तुको संरक्षण                                  |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                 |
| १                | वनजंगल तथा वन्यजन्तुको संरक्षण                                  |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                                 |
| १                | वन्यजन्तु संरक्षण                                               |
| २                | डढेलो नियन्त्रण सम्बन्धी जनचेतना सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन     |
| ३                | रिचार्ज जोन तथा वृक्षारोपणको व्यवस्था                           |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                                 |
| १                | वन संरक्षण तथा वृक्षारोपण                                       |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                                 |
| १                | वन डढेलो न्यूनीकरण सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम               |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                                 |
| १                | रिदि खोला असला माछा संरक्षण                                     |
| २                | कालिज, तित्ता, बट्टाई संरक्षण                                   |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                                 |
| १                | रिचार्ज पोखरी निर्माण (सवै सामुदायिक वनहरु इच्छाकामना गा.पा.-७) |
| २                | सामुदायिक वनभित्र रहेका वन्यजन्तुको संरक्षण                     |

#### ५. विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता

| क्र.सं.          | माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु                                                                     |
|------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                                                                     |
| १                | विपद् उद्धार केन्द्र स्थापना                                                                        |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                                                     |
| १                | विपद् उद्धार केन्द्र स्थापना                                                                        |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                                                                     |
| १                | दमकलको व्यवस्था                                                                                     |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                                                                     |
| १                | चट्याङको जोखिम न्यूनीकरणका निम्ती आवश्यक पूर्व तयारी तथा व्यवस्थापन                                 |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                                                                     |
| १                | विपद् उद्धारका लागि आश्रय स्थलको व्यवस्था (तुन्तिस, जमुनडाँडा, अधामारा, चारधारे, काटिश्वरा, बैरेनी) |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                                                                     |
| १                | विपद् उद्धार केन्द्र स्थापना                                                                        |

#### (ङ) संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र

#### १. संस्थागत विकास तथा सुशासन

| वडा नं.          | कार्यक्रमहरु                                                                    |
|------------------|---------------------------------------------------------------------------------|
| <b>वडा नं. १</b> |                                                                                 |
| १                | भौतिक पूर्वाधार सहितको वडा कार्यालय भवन निर्माण                                 |
| <b>वडा नं. २</b> |                                                                                 |
| १                | वडा कार्यालयमा कम्पाउन्ड तथा गेटको व्यवस्था                                     |
| <b>वडा नं. ३</b> |                                                                                 |
| १                | वडा कार्यालयमा आवश्यक सामग्रीको व्यवस्था                                        |
| <b>वडा नं. ४</b> |                                                                                 |
| १                | वडा कार्यालयमा आवश्यक सामग्रीको व्यवस्था                                        |
| <b>वडा नं. ५</b> |                                                                                 |
| १                | वडा कार्यालय भवनको स्तरोन्नति                                                   |
| २                | वडा कार्यालयमा आवश्यक सामग्रीको व्यवस्था                                        |
| <b>वडा नं. ६</b> |                                                                                 |
| १                | वडा कार्यालयमा स्तनपान कक्ष निर्माण                                             |
| <b>वडा नं. ७</b> |                                                                                 |
| १                | वडा कार्यालयमा सभा हलको व्यवस्था                                                |
| २                | वडा कार्यालयमा आवश्यकता अनुसार फर्निचर तथा I.C.T सम्बन्धी कार्य कक्षको व्यवस्था |

अनुसुची - ३: आवधिक योजनको तयारीको लागि छलफलमा उपस्थित सहभागीहरू तथा तस्वीरहरू







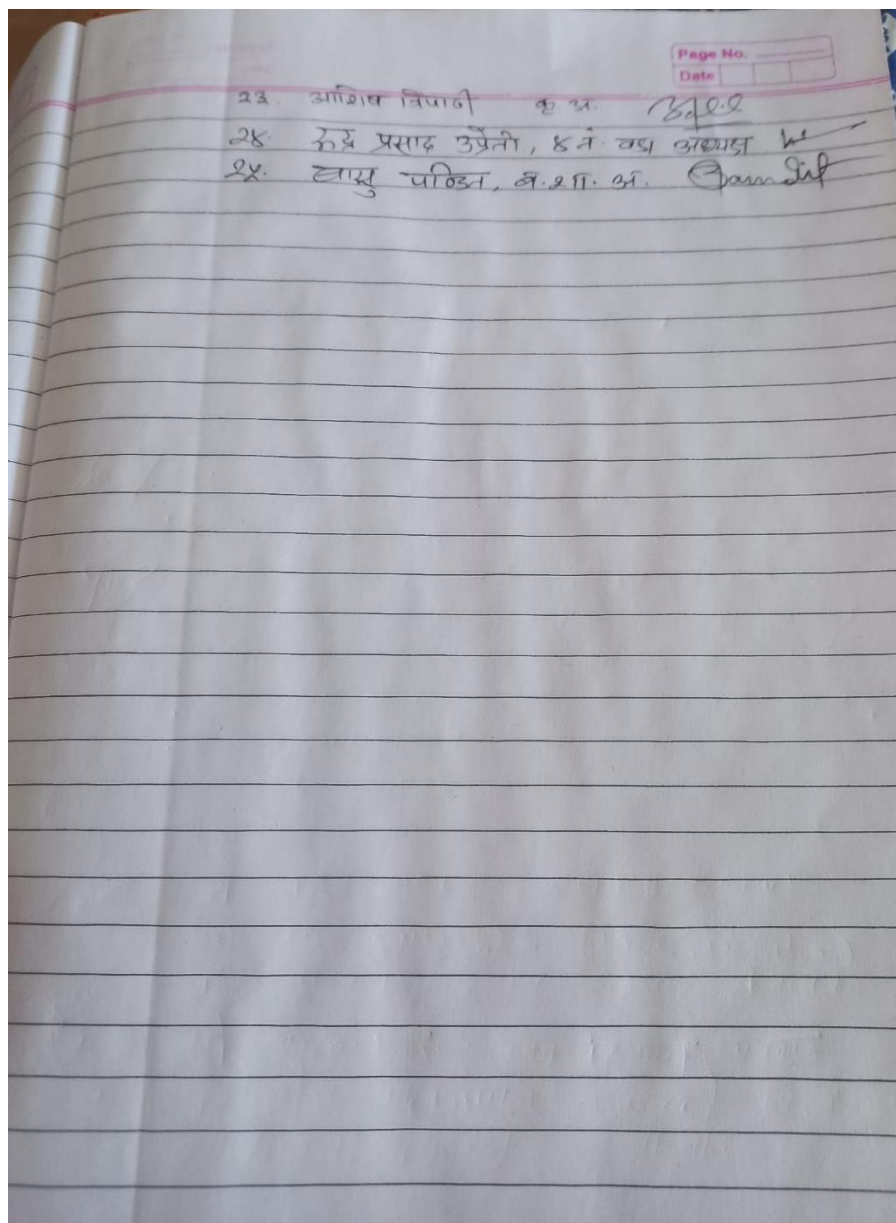




आज गिति २०८२ साल बैशाख महिनाको दुर्गै आइतबारको दिन यस इच्छाकामना गाउँपालिका-को सभाहलमा दिउँसो १२:३० बजे गाउँपालिकाका अध्यक्ष श्री दान बहादुर गुन्डुङ्गको अध्यक्षतामा सायँ तपसिल बमोजिमका महानुभावहरूको उपस्थितिमा गाउँपालिकाको "दोस्रो" ५ वर्षे आवधिक योजना "नेर्भोवा" सार्वजनिक प्रारम्भिक दलपल सम्पन्न भयो।

### उपस्थिति:

१. श्री दान बहादुर गुन्डुङ्ग, इ. गा. पा. अध्यक्ष
२. श्री माया शिलवाल, इ. गा. पा. उपाध्यक्ष
३. श्री पञ्च बहादुर चौण्ड, २ नं. वडा अध्यक्ष
४. श्री नरबहादुर नेपाल, प्रवक्ता एवं ३ नं. वडा अध्यक्ष
५. श्री तेज बहादुर शेरचन, २ नं. वडा अध्यक्ष
६. श्री ऐकमाण गुन्डु, कार्यपालिका सदस्य
७. श्री राम बहादुर धर्ति, वडा सदस्य, वडानं ६
८. श्री डा. गोकर्ण नवली, स्रोत व्यक्ति
९. श्री डा. कृष्ण ओझा, स्रोत व्यक्ति
१०. श्री रामबहादुर खनाल, इ. गा. पा.
११. श्री कमल राइत, इन्जिनियर इ. गा. पा.
१२. श्री राज कुमार शुम्भर, (MIS operation)
१३. श्री आकाश शेरचन रोजगार सृजक
१४. श्री नरु व. गुन्डु, स्वास्थ्य शाखा उपप्रमुख
१५. श्री सीता अर्नाल नेपाल, कमिचौरी राजश्व प्रमुख
१६. श्री पार्वती मगराली, इ. गा. पा.
१७. श्री समिक्षा चौडाल, कृषि अधिकृत, इ. गा. पा.
१८. डा. विमोचन पौडेल, पशु चिकित्सक, "
१९. प्रतिक्षा कैसाला - आ. ले. प.
२०. विपना खर्का - स. ले. प.
२१. राम बहादुर धर्ति - १९ सदस्य - ०६
२२. बन्तु चौण्ड - कृषक







अनुसूची - ४: आवधिक योजनाको मस्यौदा प्रतिवेदन माथि छलफलमा उपस्थित सहभागीहरू तथा तस्वीरहरू

श्री

आज मिति २०८२ साल असर १ गते आइत -  
बारका दिन यस बृद्धाकाशना गाउँपालिकाको  
सभाहलमा दिनेको वः ३० वजे गाउँपालिकाको अध्यक्ष  
श्री दान बहादुर गुर्गुङ्गको अध्यक्षतामा एवं  
नपासिल बनेमिका महानुभावहरूको उपस्थितिमा  
गाउँपालिकाको दोस्रो २ वर्षे आवधिक योजनाको  
मस्यौदा प्रतिवेदन माथिदो छलफल सम्बन्धी  
बैठक सम्पन्न भयो।

उपस्थिति :-

१. गाउँपालिका अध्यक्ष श्री दान बहादुर गुर्गुङ्ग
२. गाउँपालिका उपाध्यक्ष श्री माया शिलवाल
३. १ नं. वडा अध्यक्ष श्री सन्त बहादुर माग्
४. २ नं. वडा अध्यक्ष श्री पञ्च बहादुर प्रसा
५. ३ नं. वडा अध्यक्ष श्री नर बहादुर नेपाल
६. ४ नं. वडा अध्यक्ष श्री सुद प्रसाद डुप्रेती
७. ५ नं. वडा अध्यक्ष श्री तेज बहादुर खोस्ला
८. ६ नं. वडा अध्यक्ष श्री लक्ष्मण चौपाडा
९. ७ नं. वडा अध्यक्ष श्री राम बहादुर थापा
१०. प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत श्री चन्द्रकान्त खरेत
११. कार्यपालिका सदस्य श्री टेकमाया गुर्गुङ्ग
१२. वडा सदस्य श्री बुद्धिमान गुर्गुङ्ग
१३. उद्गम विमलिन वरिष्ठ लेखा अधिकृत
१४. वास पण्डित, व.शा.अ.
१५. समिक्षा पौडेल, कृषि अधिकृत
१६. पार्वती मगराती, स.म.वि.अ.
१७. कान्त राय झापा
१८. राम बहादुर झापा
१९. आकाश शेरचन रीतगाउँ समिति
२०. राजेन्द्र बहादुर खोखा प्रा.व.
२१. राजकुमार गुर्गुङ्ग M.S. operation

प्रश्न सं. प्रश्न सं. अक्षर

23. डा. विमोचन पंडित पंडित चिकित्सक

सं. २४. सुकमाया यमपुत्र वडा सदन वडा सं. ५

२४. डा. गोवर्धन प्र. ब्रह्मचारी

२५. डा. वसुधा प्र. अक्षर प्र. ७

